विदेह VIDEHA

UPSC मैथिली (वैकल्पिक)

UPSC Maithili Optional

विदेह ई-लर्निङ्ग प्रश्नोत्तरी शृंखला · Videha eLearning Quiz Book Series

खण्ड ११ / १६ · Volume 11 of 16

सम्पादक / लेखक: गजेन्द्र ठाकुर

VIDEHA — प्रथम मैथिली पाक्षिक ई-पत्रिका | ISSN 2229-547X | www.videha.co.in

विदेह ई-लर्निङ्ग: https://www.videha.co.in/videha-elearning.htm

© Gajendra Thakur, Editor — Videha eJournal [Beta Version; suggestions invited]

विषय-सूची / Contents

१. मैथिली भाषाक इतिहास — विदेह क्विज १००० प्रश्न

२. इंडो-यूरोपीय भाषा परिवार मे मैथिलीक स्थान १००० प्रश्न

प्रत्येक अध्यायक प्रश्न-खण्डक बाद ओहि अध्यायक उत्तरमाला (उत्तर ओ व्याख्या) देल गेल अछि।

In each chapter, the answer key with explanations (उत्तरमाला) follows the questions.

अध्याय १ : मैथिली भाषाक इतिहास — विदेह क्विज

१. ‘मिथिला’ सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) मैथिली मिथिला सँ बाहर प्रवासी समुदायमे सेहो अपन पहचान रखलक
(B) मैथिली नामक मूल सांस्कृतिक-भौगोलिक आधार मिथिला क्षेत्र अछि
(C) मैथिली पहिने लोक-व्यवहारक भाषा रूपमे जीवित आ विस्तृत रहल
(D) किछु कालमे राज-दरबार आ पाण्डित्य-वर्ग मैथिलीकेँ प्रतिष्ठा देलक

२. जँ प्रश्न हो—‘मिथिला’क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) मैथिली पहिने लोक-व्यवहारक भाषा रूपमे जीवित आ विस्तृत रहल
(B) मैथिली नामक मूल सांस्कृतिक-भौगोलिक आधार मिथिला क्षेत्र अछि
(C) मैथिली मिथिला सँ बाहर प्रवासी समुदायमे सेहो अपन पहचान रखलक
(D) किछु कालमे राज-दरबार आ पाण्डित्य-वर्ग मैथिलीकेँ प्रतिष्ठा देलक

३. ‘मिथिला’क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) मैथिली नामक मूल सांस्कृतिक-भौगोलिक आधार मिथिला क्षेत्र अछि
(B) हाट, खेत, गीत, कथा आ संस्कारमे मैथिली लोक-संवादक भाषा रहल
(C) मैथिली क्षेत्रीय सीमा मात्र नहि, सांस्कृतिक व्यवहारसँ सेहो चिन्हायल
(D) मैथिली नाम क्षेत्र, समाज आ भाषिक परम्पराक संयुक्त पहचान दैत अछि

४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे ‘मिथिला’क महत्त्व की अछि?

(A) मैथिली नाम क्षेत्र, समाज आ भाषिक परम्पराक संयुक्त पहचान दैत अछि
(B) मैथिली क्षेत्रीय सीमा मात्र नहि, सांस्कृतिक व्यवहारसँ सेहो चिन्हायल
(C) मैथिली नामक मूल सांस्कृतिक-भौगोलिक आधार मिथिला क्षेत्र अछि
(D) हाट, खेत, गीत, कथा आ संस्कारमे मैथिली लोक-संवादक भाषा रहल

५. ‘मिथिला’ केँ मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) संस्कृत-पाण्डित्यक संग मैथिली लोकभाषा निरन्तर संवादमे रहल
(B) परिवार आ आँगनमे मैथिलीक प्रयोग ओकर जीवित परम्पराक आधार रहल
(C) मैथिली नामक मूल सांस्कृतिक-भौगोलिक आधार मिथिला क्षेत्र अछि
(D) तिरहुत नाम मैथिली भाषिक क्षेत्रक ऐतिहासिक नाम-परम्परासँ जुड़ल अछि

६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल ‘मिथिला’ ककर संकेत करैत अछि?

(A) मैथिली नामक मूल सांस्कृतिक-भौगोलिक आधार मिथिला क्षेत्र अछि
(B) हाट, खेत, गीत, कथा आ संस्कारमे मैथिली लोक-संवादक भाषा रहल
(C) मैथिली क्षेत्रीय सीमा मात्र नहि, सांस्कृतिक व्यवहारसँ सेहो चिन्हायल
(D) मैथिली नाम क्षेत्र, समाज आ भाषिक परम्पराक संयुक्त पहचान दैत अछि

७. ‘मिथिला’ पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) मैथिली नामक मूल सांस्कृतिक-भौगोलिक आधार मिथिला क्षेत्र अछि
(B) परिवार आ आँगनमे मैथिलीक प्रयोग ओकर जीवित परम्पराक आधार रहल
(C) तिरहुत नाम मैथिली भाषिक क्षेत्रक ऐतिहासिक नाम-परम्परासँ जुड़ल अछि
(D) संस्कृत-पाण्डित्यक संग मैथिली लोकभाषा निरन्तर संवादमे रहल

८. मैथिली भाषाक कालक्रममे ‘मिथिला’ केँ कोना समझल जाय?

(A) मैथिली नामक मूल सांस्कृतिक-भौगोलिक आधार मिथिला क्षेत्र अछि
(B) मैथिली नाम क्षेत्र, समाज आ भाषिक परम्पराक संयुक्त पहचान दैत अछि
(C) मैथिली क्षेत्रीय सीमा मात्र नहि, सांस्कृतिक व्यवहारसँ सेहो चिन्हायल
(D) हाट, खेत, गीत, कथा आ संस्कारमे मैथिली लोक-संवादक भाषा रहल

९. निम्नमे सँ ‘मिथिला’क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) हाट, खेत, गीत, कथा आ संस्कारमे मैथिली लोक-संवादक भाषा रहल
(B) मैथिली नामक मूल सांस्कृतिक-भौगोलिक आधार मिथिला क्षेत्र अछि
(C) मैथिली क्षेत्रीय सीमा मात्र नहि, सांस्कृतिक व्यवहारसँ सेहो चिन्हायल
(D) मैथिली नाम क्षेत्र, समाज आ भाषिक परम्पराक संयुक्त पहचान दैत अछि

१०. विद्यार्थी जँ ‘मिथिला’ लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) मैथिली पहिने लोक-व्यवहारक भाषा रूपमे जीवित आ विस्तृत रहल
(B) किछु कालमे राज-दरबार आ पाण्डित्य-वर्ग मैथिलीकेँ प्रतिष्ठा देलक
(C) मैथिली मिथिला सँ बाहर प्रवासी समुदायमे सेहो अपन पहचान रखलक
(D) मैथिली नामक मूल सांस्कृतिक-भौगोलिक आधार मिथिला क्षेत्र अछि

११. ‘तिरहुत’ सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) तिरहुत नाम मैथिली भाषिक क्षेत्रक ऐतिहासिक नाम-परम्परासँ जुड़ल अछि
(B) किछु कालमे राज-दरबार आ पाण्डित्य-वर्ग मैथिलीकेँ प्रतिष्ठा देलक
(C) मैथिली मिथिला सँ बाहर प्रवासी समुदायमे सेहो अपन पहचान रखलक
(D) मैथिली पहिने लोक-व्यवहारक भाषा रूपमे जीवित आ विस्तृत रहल

१२. जँ प्रश्न हो—‘तिरहुत’क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) मैथिली पहिने लोक-व्यवहारक भाषा रूपमे जीवित आ विस्तृत रहल
(B) मैथिली मिथिला सँ बाहर प्रवासी समुदायमे सेहो अपन पहचान रखलक
(C) तिरहुत नाम मैथिली भाषिक क्षेत्रक ऐतिहासिक नाम-परम्परासँ जुड़ल अछि
(D) किछु कालमे राज-दरबार आ पाण्डित्य-वर्ग मैथिलीकेँ प्रतिष्ठा देलक

१३. ‘तिरहुत’क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) मैथिली नाम क्षेत्र, समाज आ भाषिक परम्पराक संयुक्त पहचान दैत अछि
(B) हाट, खेत, गीत, कथा आ संस्कारमे मैथिली लोक-संवादक भाषा रहल
(C) मैथिली क्षेत्रीय सीमा मात्र नहि, सांस्कृतिक व्यवहारसँ सेहो चिन्हायल
(D) तिरहुत नाम मैथिली भाषिक क्षेत्रक ऐतिहासिक नाम-परम्परासँ जुड़ल अछि

१४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे ‘तिरहुत’क महत्त्व की अछि?

(A) मैथिली नाम क्षेत्र, समाज आ भाषिक परम्पराक संयुक्त पहचान दैत अछि
(B) मैथिली क्षेत्रीय सीमा मात्र नहि, सांस्कृतिक व्यवहारसँ सेहो चिन्हायल
(C) हाट, खेत, गीत, कथा आ संस्कारमे मैथिली लोक-संवादक भाषा रहल
(D) तिरहुत नाम मैथिली भाषिक क्षेत्रक ऐतिहासिक नाम-परम्परासँ जुड़ल अछि

१५. ‘तिरहुत’ केँ मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) मैथिली पहिने लोक-व्यवहारक भाषा रूपमे जीवित आ विस्तृत रहल
(B) किछु कालमे राज-दरबार आ पाण्डित्य-वर्ग मैथिलीकेँ प्रतिष्ठा देलक
(C) तिरहुत नाम मैथिली भाषिक क्षेत्रक ऐतिहासिक नाम-परम्परासँ जुड़ल अछि
(D) मैथिली मिथिला सँ बाहर प्रवासी समुदायमे सेहो अपन पहचान रखलक

१६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल ‘तिरहुत’ ककर संकेत करैत अछि?

(A) हाट, खेत, गीत, कथा आ संस्कारमे मैथिली लोक-संवादक भाषा रहल
(B) मैथिली नाम क्षेत्र, समाज आ भाषिक परम्पराक संयुक्त पहचान दैत अछि
(C) मैथिली क्षेत्रीय सीमा मात्र नहि, सांस्कृतिक व्यवहारसँ सेहो चिन्हायल
(D) तिरहुत नाम मैथिली भाषिक क्षेत्रक ऐतिहासिक नाम-परम्परासँ जुड़ल अछि

१७. ‘तिरहुत’ पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) मैथिली मिथिला सँ बाहर प्रवासी समुदायमे सेहो अपन पहचान रखलक

(B) तिरहुत नाम मैथिली भाषिक क्षेत्रक ऐतिहासिक नाम-परम्परासँ जुड़ल अछि

(C) किछु कालमे राज-दरबार आ पाण्डित्य-वर्ग मैथिलीकेँ प्रतिष्ठा देलक

(D) मैथिली पहिने लोक-व्यवहारक भाषा रूपमे जीवित आ विस्तृत रहल

१८. मैथिली भाषाक कालक्रममे ‘तिरहुत’ केँ कोना समझल जाय?

(A) मैथिली क्षेत्रीय सीमा मात्र नहि, सांस्कृतिक व्यवहारसँ सेहो चिन्हायल

(B) तिरहुत नाम मैथिली भाषिक क्षेत्रक ऐतिहासिक नाम-परम्परासँ जुड़ल अछि

(C) मैथिली नाम क्षेत्र, समाज आ भाषिक परम्पराक संयुक्त पहचान दैत अछि

(D) हाट, खेत, गीत, कथा आ संस्कारमे मैथिली लोक-संवादक भाषा रहल

१९. निम्नमे सँ ‘तिरहुत’क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) तिरहुत नाम मैथिली भाषिक क्षेत्रक ऐतिहासिक नाम-परम्परासँ जुड़ल अछि

(B) मैथिली क्षेत्रीय सीमा मात्र नहि, सांस्कृतिक व्यवहारसँ सेहो चिन्हायल

(C) मैथिली नाम क्षेत्र, समाज आ भाषिक परम्पराक संयुक्त पहचान दैत अछि

(D) हाट, खेत, गीत, कथा आ संस्कारमे मैथिली लोक-संवादक भाषा रहल

२०. विद्यार्थी जँ ‘तिरहुत’ लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) मैथिली क्षेत्रीय सीमा मात्र नहि, सांस्कृतिक व्यवहारसँ सेहो चिन्हायल

(B) हाट, खेत, गीत, कथा आ संस्कारमे मैथिली लोक-संवादक भाषा रहल

(C) तिरहुत नाम मैथिली भाषिक क्षेत्रक ऐतिहासिक नाम-परम्परासँ जुड़ल अछि

(D) मैथिली नाम क्षेत्र, समाज आ भाषिक परम्पराक संयुक्त पहचान दैत अछि

२१. ‘मैथिली नाम’ सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) किछु कालमे राज-दरबार आ पाण्डित्य-वर्ग मैथिलीकेँ प्रतिष्ठा देलक

(B) मैथिली नाम क्षेत्र, समाज आ भाषिक परम्पराक संयुक्त पहचान दैत अछि

(C) मैथिली मिथिला सँ बाहर प्रवासी समुदायमे सेहो अपन पहचान रखलक

(D) मैथिली पहिने लोक-व्यवहारक भाषा रूपमे जीवित आ विस्तृत रहल

२२. जँ प्रश्न हो—‘मैथिली नाम’क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) मैथिली नाम क्षेत्र, समाज आ भाषिक परम्पराक संयुक्त पहचान दैत अछि

(B) किछु कालमे राज-दरबार आ पाण्डित्य-वर्ग मैथिलीकेँ प्रतिष्ठा देलक

(C) मैथिली पहिने लोक-व्यवहारक भाषा रूपमे जीवित आ विस्तृत रहल

(D) मैथिली मिथिला सँ बाहर प्रवासी समुदायमे सेहो अपन पहचान रखलक

२३. ‘मैथिली नाम’क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) मैथिली पहिने लोक-व्यवहारक भाषा रूपमे जीवित आ विस्तृत रहल

(B) किछु कालमे राज-दरबार आ पाण्डित्य-वर्ग मैथिलीकेँ प्रतिष्ठा देलक

(C) मैथिली मिथिला सँ बाहर प्रवासी समुदायमे सेहो अपन पहचान रखलक

(D) मैथिली नाम क्षेत्र, समाज आ भाषिक परम्पराक संयुक्त पहचान दैत अछि

२४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे ‘मैथिली नाम’क महत्त्व की अछि?

(A) मैथिली नाम क्षेत्र, समाज आ भाषिक परम्पराक संयुक्त पहचान दैत अछि

(B) किछु कालमे राज-दरबार आ पाण्डित्य-वर्ग मैथिलीकेँ प्रतिष्ठा देलक

(C) मैथिली मिथिला सँ बाहर प्रवासी समुदायमे सेहो अपन पहचान रखलक

(D) मैथिली पहिने लोक-व्यवहारक भाषा रूपमे जीवित आ विस्तृत रहल

२५. ‘मैथिली नाम’ कैँ मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) मैथिली पहिने लोक-व्यवहारक भाषा रूपमे जीवित आ विस्तृत रहल
(B) मैथिली नाम क्षेत्र, समाज आ भाषिक परम्पराक संयुक्त पहचान दैत अछि
(C) किछु कालमे राज-दरबार आ पाण्डित्य-वर्ग मैथिलीकेँ प्रतिष्ठा देलक
(D) मैथिली मिथिला सँ बाहर प्रवासी समुदायमे सेहो अपन पहचान रखलक

२६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल ‘मैथिली नाम’ ककर संकेत करैत अछि?

(A) मैथिली पहिने लोक-व्यवहारक भाषा रूपमे जीवित आ विस्तृत रहल
(B) मैथिली नाम क्षेत्र, समाज आ भाषिक परम्पराक संयुक्त पहचान दैत अछि
(C) मैथिली मिथिला सँ बाहर प्रवासी समुदायमे सेहो अपन पहचान रखलक
(D) किछु कालमे राज-दरबार आ पाण्डित्य-वर्ग मैथिलीकेँ प्रतिष्ठा देलक

२७. ‘मैथिली नाम’ पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) मैथिली क्षेत्रीय सीमा मात्र नहि, सांस्कृतिक व्यवहारसँ सेहो चिन्हायल
(B) मैथिली नाम क्षेत्र, समाज आ भाषिक परम्पराक संयुक्त पहचान दैत अछि
(C) तिरहुत नाम मैथिली भाषिक क्षेत्रक ऐतिहासिक नाम-परम्परासँ जुड़ल अछि
(D) हाट, खेत, गीत, कथा आ संस्कारमे मैथिली लोक-संवादक भाषा रहल

२८. मैथिली भाषाक कालक्रममे ‘मैथिली नाम’ कैँ कोना समझल जाय?

(A) हाट, खेत, गीत, कथा आ संस्कारमे मैथिली लोक-संवादक भाषा रहल
(B) मैथिली क्षेत्रीय सीमा मात्र नहि, सांस्कृतिक व्यवहारसँ सेहो चिन्हायल
(C) तिरहुत नाम मैथिली भाषिक क्षेत्रक ऐतिहासिक नाम-परम्परासँ जुड़ल अछि
(D) मैथिली नाम क्षेत्र, समाज आ भाषिक परम्पराक संयुक्त पहचान दैत अछि

२९. निम्नमे सँ ‘मैथिली नाम’क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) मैथिली नाम क्षेत्र, समाज आ भाषिक परम्पराक संयुक्त पहचान दैत अछि
(B) परिवार आ आँगनमे मैथिलीक प्रयोग ओकर जीवित परम्पराक आधार रहल
(C) मैथिली नामक मूल सांस्कृतिक-भौगोलिक आधार मिथिला क्षेत्र अछि
(D) संस्कृत-पाण्डित्यक संग मैथिली लोकभाषा निरन्तर संवादमे रहल

३०. विद्यार्थी जँ ‘मैथिली नाम’ लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) मैथिली नाम क्षेत्र, समाज आ भाषिक परम्पराक संयुक्त पहचान दैत अछि
(B) मैथिली मिथिला सँ बाहर प्रवासी समुदायमे सेहो अपन पहचान रखलक
(C) मैथिली पहिने लोक-व्यवहारक भाषा रूपमे जीवित आ विस्तृत रहल
(D) किछु कालमे राज-दरबार आ पाण्डित्य-वर्ग मैथिलीकेँ प्रतिष्ठा देलक

३१. ‘जनभाषा’ सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) मैथिली मिथिला सँ बाहर प्रवासी समुदायमे सेहो अपन पहचान रखलक
(B) किछु कालमे राज-दरबार आ पाण्डित्य-वर्ग मैथिलीकेँ प्रतिष्ठा देलक
(C) मैथिली पहिने लोक-व्यवहारक भाषा रूपमे जीवित आ विस्तृत रहल
(D) मैथिली नाम क्षेत्र, समाज आ भाषिक परम्पराक संयुक्त पहचान दैत अछि

३२. जँ प्रश्न हो—‘जनभाषा’क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) मैथिली पहिने लोक-व्यवहारक भाषा रूपमे जीवित आ विस्तृत रहल
(B) हाट, खेत, गीत, कथा आ संस्कारमे मैथिली लोक-संवादक भाषा रहल
(C) तिरहुत नाम मैथिली भाषिक क्षेत्रक ऐतिहासिक नाम-परम्परासँ जुड़ल अछि
(D) मैथिली क्षेत्रीय सीमा मात्र नहि, सांस्कृतिक व्यवहारसँ सेहो चिन्हायल

३३. ‘जनभाषा’क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) मैथिली नामक मूल सांस्कृतिक-भौगोलिक आधार मिथिला क्षेत्र अछि

(B) परिवार आ आँगनमे मैथिलीक प्रयोग ओकर जीवित परम्पराक आधार रहल

(C) मैथिली पहिने लोक-व्यवहारक भाषा रूपमे जीवित आ विस्तृत रहल

(D) संस्कृत-पाण्डित्यक संग मैथिली लोकभाषा निरन्तर संवादमे रहल

३४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे ‘जनभाषा’क महत्त्व की अछि?

(A) मैथिली पहिने लोक-व्यवहारक भाषा रूपमे जीवित आ विस्तृत रहल

(B) संस्कृत-पाण्डित्यक संग मैथिली लोकभाषा निरन्तर संवादमे रहल

(C) परिवार आ आँगनमे मैथिलीक प्रयोग ओकर जीवित परम्पराक आधार रहल

(D) मैथिली नामक मूल सांस्कृतिक-भौगोलिक आधार मिथिला क्षेत्र अछि

३५. ‘जनभाषा’ कैँ मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) हाट, खेत, गीत, कथा आ संस्कारमे मैथिली लोक-संवादक भाषा रहल

(B) तिरहुत नाम मैथिली भाषिक क्षेत्रक ऐतिहासिक नाम-परम्परासँ जुड़ल अछि

(C) मैथिली क्षेत्रीय सीमा मात्र नहि, सांस्कृतिक व्यवहारसँ सेहो चिन्हायल

(D) मैथिली पहिने लोक-व्यवहारक भाषा रूपमे जीवित आ विस्तृत रहल

३६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल ‘जनभाषा’ ककर संकेत करैत अछि?

(A) मैथिली नामक मूल सांस्कृतिक-भौगोलिक आधार मिथिला क्षेत्र अछि

(B) मैथिली पहिने लोक-व्यवहारक भाषा रूपमे जीवित आ विस्तृत रहल

(C) परिवार आ आँगनमे मैथिलीक प्रयोग ओकर जीवित परम्पराक आधार रहल

(D) संस्कृत-पाण्डित्यक संग मैथिली लोकभाषा निरन्तर संवादमे रहल

३७. ‘जनभाषा’ पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) तिरहुत नाम मैथिली भाषिक क्षेत्रक ऐतिहासिक नाम-परम्परासँ जुड़ल अछि

(B) हाट, खेत, गीत, कथा आ संस्कारमे मैथिली लोक-संवादक भाषा रहल

(C) मैथिली क्षेत्रीय सीमा मात्र नहि, सांस्कृतिक व्यवहारसँ सेहो चिन्हायल

(D) मैथिली पहिने लोक-व्यवहारक भाषा रूपमे जीवित आ विस्तृत रहल

३८. मैथिली भाषाक कालक्रममे ‘जनभाषा’ कैँ कोना समझल जाय?

(A) परिवार आ आँगनमे मैथिलीक प्रयोग ओकर जीवित परम्पराक आधार रहल

(B) मैथिली नामक मूल सांस्कृतिक-भौगोलिक आधार मिथिला क्षेत्र अछि

(C) मैथिली पहिने लोक-व्यवहारक भाषा रूपमे जीवित आ विस्तृत रहल

(D) संस्कृत-पाण्डित्यक संग मैथिली लोकभाषा निरन्तर संवादमे रहल

३९. निम्नमे सँ ‘जनभाषा’क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) परिवार आ आँगनमे मैथिलीक प्रयोग ओकर जीवित परम्पराक आधार रहल

(B) मैथिली पहिने लोक-व्यवहारक भाषा रूपमे जीवित आ विस्तृत रहल

(C) मैथिली नामक मूल सांस्कृतिक-भौगोलिक आधार मिथिला क्षेत्र अछि

(D) संस्कृत-पाण्डित्यक संग मैथिली लोकभाषा निरन्तर संवादमे रहल

४०. विद्यार्थी जँ ‘जनभाषा’ लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) हाट, खेत, गीत, कथा आ संस्कारमे मैथिली लोक-संवादक भाषा रहल

(B) मैथिली पहिने लोक-व्यवहारक भाषा रूपमे जीवित आ विस्तृत रहल

(C) मैथिली क्षेत्रीय सीमा मात्र नहि, सांस्कृतिक व्यवहारसँ सेहो चिन्हायल

(D) तिरहुत नाम मैथिली भाषिक क्षेत्रक ऐतिहासिक नाम-परम्परासँ जुड़ल अछि

४१. ‘गृहभाषा’ सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) तिरहुत नाम मैथिली भाषिक क्षेत्रक ऐतिहासिक नाम-परम्परासँ जुड़ल अछि

(B) परिवार आ आँगनमे मैथिलीक प्रयोग ओकर जीवित परम्पराक आधार रहल

(C) हाट, खेत, गीत, कथा आ संस्कारमे मैथिली लोक-संवादक भाषा रहल

(D) मैथिली क्षेत्रीय सीमा मात्र नहि, सांस्कृतिक व्यवहारसँ सेहो चिन्हायल

४२. जँ प्रश्न हो—‘गृहभाषा’क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) परिवार आ आँगनमे मैथिलीक प्रयोग ओकर जीवित परम्पराक आधार रहल

(B) मैथिली क्षेत्रीय सीमा मात्र नहि, सांस्कृतिक व्यवहारसँ सेहो चिन्हायल

(C) तिरहुत नाम मैथिली भाषिक क्षेत्रक ऐतिहासिक नाम-परम्परासँ जुड़ल अछि

(D) हाट, खेत, गीत, कथा आ संस्कारमे मैथिली लोक-संवादक भाषा रहल

४३. ‘गृहभाषा’क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) परिवार आ आँगनमे मैथिलीक प्रयोग ओकर जीवित परम्पराक आधार रहल

(B) संस्कृत-पाण्डित्यक संग मैथिली लोकभाषा निरन्तर संवादमे रहल

(C) मैथिली नामक मूल सांस्कृतिक-भौगोलिक आधार मिथिला क्षेत्र अछि

(D) मैथिली पहिने लोक-व्यवहारक भाषा रूपमे जीवित आ विस्तृत रहल

४४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे ‘गृहभाषा’क महत्त्व की अछि?

(A) परिवार आ आँगनमे मैथिलीक प्रयोग ओकर जीवित परम्पराक आधार रहल

(B) तिरहुत नाम मैथिली भाषिक क्षेत्रक ऐतिहासिक नाम-परम्परासँ जुड़ल अछि

(C) मैथिली क्षेत्रीय सीमा मात्र नहि, सांस्कृतिक व्यवहारसँ सेहो चिन्हायल

(D) हाट, खेत, गीत, कथा आ संस्कारमे मैथिली लोक-संवादक भाषा रहल

४५. ‘गृहभाषा’ कैँ मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) परिवार आ आँगनमे मैथिलीक प्रयोग ओकर जीवित परम्पराक आधार रहल

(B) किछु कालमे राज-दरबार आ पाण्डित्य-वर्ग मैथिलीकैँ प्रतिष्ठा देलक

(C) मैथिली मिथिला सँ बाहर प्रवासी समुदायमे सेहो अपन पहचान रखलक

(D) मैथिली नाम क्षेत्र, समाज आ भाषिक परम्पराक संयुक्त पहचान दैत अछि

४६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल ‘गृहभाषा’ ककर संकेत करैत अछि?

(A) किछु कालमे राज-दरबार आ पाण्डित्य-वर्ग मैथिलीकैँ प्रतिष्ठा देलक

(B) मैथिली नाम क्षेत्र, समाज आ भाषिक परम्पराक संयुक्त पहचान दैत अछि

(C) मैथिली मिथिला सँ बाहर प्रवासी समुदायमे सेहो अपन पहचान रखलक

(D) परिवार आ आँगनमे मैथिलीक प्रयोग ओकर जीवित परम्पराक आधार रहल

४७. ‘गृहभाषा’ पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) परिवार आ आँगनमे मैथिलीक प्रयोग ओकर जीवित परम्पराक आधार रहल

(B) मैथिली पहिने लोक-व्यवहारक भाषा रूपमे जीवित आ विस्तृत रहल

(C) मैथिली नामक मूल सांस्कृतिक-भौगोलिक आधार मिथिला क्षेत्र अछि

(D) संस्कृत-पाण्डित्यक संग मैथिली लोकभाषा निरन्तर संवादमे रहल

४८. मैथिली भाषाक कालक्रममे ‘गृहभाषा’ कैँ कोना समझल जाय?

(A) मैथिली क्षेत्रीय सीमा मात्र नहि, सांस्कृतिक व्यवहारसँ सेहो चिन्हायल

(B) परिवार आ आँगनमे मैथिलीक प्रयोग ओकर जीवित परम्पराक आधार रहल

(C) तिरहुत नाम मैथिली भाषिक क्षेत्रक ऐतिहासिक नाम-परम्परासँ जुड़ल अछि

(D) हाट, खेत, गीत, कथा आ संस्कारमे मैथिली लोक-संवादक भाषा रहल

४९. निम्नमे सँ ‘गृहभाषा’क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) मैथिली नाम क्षेत्र, समाज आ भाषिक परम्पराक संयुक्त पहचान दैत अछि

(B) किछु कालमे राज-दरबार आ पाण्डित्य-वर्ग मैथिलीकेँ प्रतिष्ठा देलक

(C) मैथिली मिथिला सँ बाहर प्रवासी समुदायमे सेहो अपन पहचान रखलक

(D) परिवार आ आँगनमे मैथिलीक प्रयोग ओकर जीवित परम्पराक आधार रहल

५०. विद्यार्थी जँ ‘गृहभाषा’ लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) किछु कालमे राज-दरबार आ पाण्डित्य-वर्ग मैथिलीकेँ प्रतिष्ठा देलक

(B) परिवार आ आँगनमे मैथिलीक प्रयोग ओकर जीवित परम्पराक आधार रहल

(C) मैथिली नाम क्षेत्र, समाज आ भाषिक परम्पराक संयुक्त पहचान दैत अछि

(D) मैथिली मिथिला सँ बाहर प्रवासी समुदायमे सेहो अपन पहचान रखलक

५१. ‘लोक-संवाद’ सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) परिवार आ आँगनमे मैथिलीक प्रयोग ओकर जीवित परम्पराक आधार रहल

(B) हाट, खेत, गीत, कथा आ संस्कारमे मैथिली लोक-संवादक भाषा रहल

(C) तिरहुत नाम मैथिली भाषिक क्षेत्रक ऐतिहासिक नाम-परम्परासँ जुड़ल अछि

(D) मैथिली क्षेत्रीय सीमा मात्र नहि, सांस्कृतिक व्यवहारसँ सेहो चिन्हायल

५२. जँ प्रश्न हो—‘लोक-संवाद’क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) मैथिली पहिने लोक-व्यवहारक भाषा रूपमे जीवित आ विस्तृत रहल

(B) संस्कृत-पाण्डित्यक संग मैथिली लोकभाषा निरन्तर संवादमे रहल

(C) मैथिली नामक मूल सांस्कृतिक-भौगोलिक आधार मिथिला क्षेत्र अछि

(D) हाट, खेत, गीत, कथा आ संस्कारमे मैथिली लोक-संवादक भाषा रहल

५३. ‘लोक-संवाद’क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) तिरहुत नाम मैथिली भाषिक क्षेत्रक ऐतिहासिक नाम-परम्परासँ जुड़ल अछि

(B) हाट, खेत, गीत, कथा आ संस्कारमे मैथिली लोक-संवादक भाषा रहल

(C) मैथिली क्षेत्रीय सीमा मात्र नहि, सांस्कृतिक व्यवहारसँ सेहो चिन्हायल

(D) परिवार आ आँगनमे मैथिलीक प्रयोग ओकर जीवित परम्पराक आधार रहल

५४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे ‘लोक-संवाद’क महत्त्व की अछि?

(A) मैथिली नामक मूल सांस्कृतिक-भौगोलिक आधार मिथिला क्षेत्र अछि

(B) हाट, खेत, गीत, कथा आ संस्कारमे मैथिली लोक-संवादक भाषा रहल

(C) संस्कृत-पाण्डित्यक संग मैथिली लोकभाषा निरन्तर संवादमे रहल

(D) मैथिली पहिने लोक-व्यवहारक भाषा रूपमे जीवित आ विस्तृत रहल

५५. ‘लोक-संवाद’ केँ मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) मैथिली नाम क्षेत्र, समाज आ भाषिक परम्पराक संयुक्त पहचान दैत अछि

(B) हाट, खेत, गीत, कथा आ संस्कारमे मैथिली लोक-संवादक भाषा रहल

(C) किछु कालमे राज-दरबार आ पाण्डित्य-वर्ग मैथिलीकेँ प्रतिष्ठा देलक

(D) मैथिली मिथिला सँ बाहर प्रवासी समुदायमे सेहो अपन पहचान रखलक

५६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल ‘लोक-संवाद’ ककर संकेत करैत अछि?

(A) मैथिली क्षेत्रीय सीमा मात्र नहि, सांस्कृतिक व्यवहारसँ सेहो चिन्हायल

(B) तिरहुत नाम मैथिली भाषिक क्षेत्रक ऐतिहासिक नाम-परम्परासँ जुड़ल अछि

(C) परिवार आ आँगनमे मैथिलीक प्रयोग ओकर जीवित परम्पराक आधार रहल

(D) हाट, खेत, गीत, कथा आ संस्कारमे मैथिली लोक-संवादक भाषा रहल

५७. ‘लोक-संवाद’ पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) हाट, खेत, गीत, कथा आ संस्कारमे मैथिली लोक-संवादक भाषा रहल

(B) तिरहुत नाम मैथिली भाषिक क्षेत्रक ऐतिहासिक नाम-परम्परासँ जुड़ल अछि

(C) परिवार आ आँगनमे मैथिलीक प्रयोग ओकर जीवित परम्पराक आधार रहल

(D) मैथिली क्षेत्रीय सीमा मात्र नहि, सांस्कृतिक व्यवहारसँ सेहो चिन्हायल

५८. मैथिली भाषाक कालक्रममे ‘लोक-संवाद’ कैँ कोना समझल जाय?

(A) मैथिली नाम क्षेत्र, समाज आ भाषिक परम्पराक संयुक्त पहचान दैत अछि

(B) हाट, खेत, गीत, कथा आ संस्कारमे मैथिली लोक-संवादक भाषा रहल

(C) किछु कालमे राज-दरबार आ पाण्डित्य-वर्ग मैथिलीकैँ प्रतिष्ठा देलक

(D) मैथिली मिथिला सँ बाहर प्रवासी समुदायमे सेहो अपन पहचान रखलक

५९. निम्नमे सँ ‘लोक-संवाद’क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) हाट, खेत, गीत, कथा आ संस्कारमे मैथिली लोक-संवादक भाषा रहल

(B) मैथिली मिथिला सँ बाहर प्रवासी समुदायमे सेहो अपन पहचान रखलक

(C) मैथिली नाम क्षेत्र, समाज आ भाषिक परम्पराक संयुक्त पहचान दैत अछि

(D) किछु कालमे राज-दरबार आ पाण्डित्य-वर्ग मैथिलीकैँ प्रतिष्ठा देलक

६०. विद्यार्थी जँ ‘लोक-संवाद’ लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) किछु कालमे राज-दरबार आ पाण्डित्य-वर्ग मैथिलीकैँ प्रतिष्ठा देलक

(B) मैथिली नाम क्षेत्र, समाज आ भाषिक परम्पराक संयुक्त पहचान दैत अछि

(C) हाट, खेत, गीत, कथा आ संस्कारमे मैथिली लोक-संवादक भाषा रहल

(D) मैथिली मिथिला सँ बाहर प्रवासी समुदायमे सेहो अपन पहचान रखलक

६१. ‘दरबारी प्रयोग’ सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) किछु कालमे राज-दरबार आ पाण्डित्य-वर्ग मैथिलीकैँ प्रतिष्ठा देलक

(B) परिवार आ आँगनमे मैथिलीक प्रयोग ओकर जीवित परम्पराक आधार रहल

(C) तिरहुत नाम मैथिली भाषिक क्षेत्रक ऐतिहासिक नाम-परम्परासँ जुड़ल अछि

(D) मैथिली क्षेत्रीय सीमा मात्र नहि, सांस्कृतिक व्यवहारसँ सेहो चिन्हायल

६२. जँ प्रश्न हो—‘दरबारी प्रयोग’क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) किछु कालमे राज-दरबार आ पाण्डित्य-वर्ग मैथिलीकैँ प्रतिष्ठा देलक

(B) मैथिली पहिने लोक-व्यवहारक भाषा रूपमे जीवित आ विस्तृत रहल

(C) संस्कृत-पाण्डित्यक संग मैथिली लोकभाषा निरन्तर संवादमे रहल

(D) मैथिली नामक मूल सांस्कृतिक-भौगोलिक आधार मिथिला क्षेत्र अछि

६३. ‘दरबारी प्रयोग’क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) किछु कालमे राज-दरबार आ पाण्डित्य-वर्ग मैथिलीकैँ प्रतिष्ठा देलक

(B) मैथिली क्षेत्रीय सीमा मात्र नहि, सांस्कृतिक व्यवहारसँ सेहो चिन्हायल

(C) तिरहुत नाम मैथिली भाषिक क्षेत्रक ऐतिहासिक नाम-परम्परासँ जुड़ल अछि

(D) परिवार आ आँगनमे मैथिलीक प्रयोग ओकर जीवित परम्पराक आधार रहल

६४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे ‘दरबारी प्रयोग’क महत्त्व की अछि?

(A) मैथिली नाम क्षेत्र, समाज आ भाषिक परम्पराक संयुक्त पहचान दैत अछि

(B) किछु कालमे राज-दरबार आ पाण्डित्य-वर्ग मैथिलीकैँ प्रतिष्ठा देलक

(C) मैथिली मिथिला सँ बाहर प्रवासी समुदायमे सेहो अपन पहचान रखलक

(D) हाट, खेत, गीत, कथा आ संस्कारमे मैथिली लोक-संवादक भाषा रहल

६५. ‘दरबारी प्रयोग’ कैँ मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) किछु कालमे राज-दरबार आ पाण्डित्य-वर्ग मैथिलीकेँ प्रतिष्ठा देलक

(B) तिरहुत नाम मैथिली भाषिक क्षेत्रक ऐतिहासिक नाम-परम्परासँ जुड़ल अछि

(C) परिवार आ आँगनमे मैथिलीक प्रयोग ओकर जीवित परम्पराक आधार रहल

(D) मैथिली क्षेत्रीय सीमा मात्र नहि, सांस्कृतिक व्यवहारसँ सेहो चिन्हायल

६६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल ‘दरबारी प्रयोग’ ककर संकेत करैत अछि?

(A) हाट, खेत, गीत, कथा आ संस्कारमे मैथिली लोक-संवादक भाषा रहल

(B) मैथिली नाम क्षेत्र, समाज आ भाषिक परम्पराक संयुक्त पहचान दैत अछि

(C) किछु कालमे राज-दरबार आ पाण्डित्य-वर्ग मैथिलीकेँ प्रतिष्ठा देलक

(D) मैथिली मिथिला सँ बाहर प्रवासी समुदायमे सेहो अपन पहचान रखलक

६७. ‘दरबारी प्रयोग’ पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) तिरहुत नाम मैथिली भाषिक क्षेत्रक ऐतिहासिक नाम-परम्परासँ जुड़ल अछि

(B) किछु कालमे राज-दरबार आ पाण्डित्य-वर्ग मैथिलीकेँ प्रतिष्ठा देलक

(C) परिवार आ आँगनमे मैथिलीक प्रयोग ओकर जीवित परम्पराक आधार रहल

(D) मैथिली क्षेत्रीय सीमा मात्र नहि, सांस्कृतिक व्यवहारसँ सेहो चिन्हायल

६८. मैथिली भाषाक कालक्रममे ‘दरबारी प्रयोग’ कैँ कोना समझल जाय?

(A) मैथिली नामक मूल सांस्कृतिक-भौगोलिक आधार मिथिला क्षेत्र अछि

(B) संस्कृत-पाण्डित्यक संग मैथिली लोकभाषा निरन्तर संवादमे रहल

(C) किछु कालमे राज-दरबार आ पाण्डित्य-वर्ग मैथिलीकेँ प्रतिष्ठा देलक

(D) मैथिली पहिने लोक-व्यवहारक भाषा रूपमे जीवित आ विस्तृत रहल

६९. निम्नमे सँ ‘दरबारी प्रयोग’क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) मैथिली पहिने लोक-व्यवहारक भाषा रूपमे जीवित आ विस्तृत रहल

(B) किछु कालमे राज-दरबार आ पाण्डित्य-वर्ग मैथिलीकेँ प्रतिष्ठा देलक

(C) मैथिली नामक मूल सांस्कृतिक-भौगोलिक आधार मिथिला क्षेत्र अछि

(D) संस्कृत-पाण्डित्यक संग मैथिली लोकभाषा निरन्तर संवादमे रहल

७०. विद्यार्थी जँ ‘दरबारी प्रयोग’ लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) मैथिली नाम क्षेत्र, समाज आ भाषिक परम्पराक संयुक्त पहचान दैत अछि

(B) मैथिली मिथिला सँ बाहर प्रवासी समुदायमे सेहो अपन पहचान रखलक

(C) किछु कालमे राज-दरबार आ पाण्डित्य-वर्ग मैथिलीकेँ प्रतिष्ठा देलक

(D) हाट, खेत, गीत, कथा आ संस्कारमे मैथिली लोक-संवादक भाषा रहल

७१. ‘शास्त्रीय संपर्क’ सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) हाट, खेत, गीत, कथा आ संस्कारमे मैथिली लोक-संवादक भाषा रहल

(B) मैथिली नाम क्षेत्र, समाज आ भाषिक परम्पराक संयुक्त पहचान दैत अछि

(C) मैथिली मिथिला सँ बाहर प्रवासी समुदायमे सेहो अपन पहचान रखलक

(D) संस्कृत-पाण्डित्यक संग मैथिली लोकभाषा निरन्तर संवादमे रहल

७२. जँ प्रश्न हो—‘शास्त्रीय संपर्क’क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) मैथिली मिथिला सँ बाहर प्रवासी समुदायमे सेहो अपन पहचान रखलक

(B) मैथिली नाम क्षेत्र, समाज आ भाषिक परम्पराक संयुक्त पहचान दैत अछि

(C) हाट, खेत, गीत, कथा आ संस्कारमे मैथिली लोक-संवादक भाषा रहल

(D) संस्कृत-पाण्डित्यक संग मैथिली लोकभाषा निरन्तर संवादमे रहल

७३. ‘शास्त्रीय संपर्क’क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) तिरहुत नाम मैथिली भाषिक क्षेत्रक ऐतिहासिक नाम-परम्परासँ जुड़ल अछि

(B) संस्कृत-पाण्डित्यक संग मैथिली लोकभाषा निरन्तर संवादमे रहल

(C) परिवार आ आँगनमे मैथिलीक प्रयोग ओकर जीवित परम्पराक आधार रहल

(D) मैथिली क्षेत्रीय सीमा मात्र नहि, सांस्कृतिक व्यवहारसँ सेहो चिन्हायल

७४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे ‘शास्त्रीय संपर्क’क महत्त्व की अछि?

(A) संस्कृत-पाण्डित्यक संग मैथिली लोकभाषा निरन्तर संवादमे रहल

(B) परिवार आ आँगनमे मैथिलीक प्रयोग ओकर जीवित परम्पराक आधार रहल

(C) तिरहुत नाम मैथिली भाषिक क्षेत्रक ऐतिहासिक नाम-परम्परासँ जुड़ल अछि

(D) मैथिली क्षेत्रीय सीमा मात्र नहि, सांस्कृतिक व्यवहारसँ सेहो चिन्हायल

७५. ‘शास्त्रीय संपर्क’ कैँ मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) हाट, खेत, गीत, कथा आ संस्कारमे मैथिली लोक-संवादक भाषा रहल

(B) मैथिली नाम क्षेत्र, समाज आ भाषिक परम्पराक संयुक्त पहचान दैत अछि

(C) मैथिली मिथिला सँ बाहर प्रवासी समुदायमे सेहो अपन पहचान रखलक

(D) संस्कृत-पाण्डित्यक संग मैथिली लोकभाषा निरन्तर संवादमे रहल

७६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल ‘शास्त्रीय संपर्क’ ककर संकेत करैत अछि?

(A) मैथिली नामक मूल सांस्कृतिक-भौगोलिक आधार मिथिला क्षेत्र अछि

(B) किछु कालमे राज-दरबार आ पाण्डित्य-वर्ग मैथिलीकेँ प्रतिष्ठा देलक

(C) मैथिली पहिने लोक-व्यवहारक भाषा रूपमे जीवित आ विस्तृत रहल

(D) संस्कृत-पाण्डित्यक संग मैथिली लोकभाषा निरन्तर संवादमे रहल

७७. ‘शास्त्रीय संपर्क’ पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) मैथिली नामक मूल सांस्कृतिक-भौगोलिक आधार मिथिला क्षेत्र अछि

(B) किछु कालमे राज-दरबार आ पाण्डित्य-वर्ग मैथिलीकेँ प्रतिष्ठा देलक

(C) संस्कृत-पाण्डित्यक संग मैथिली लोकभाषा निरन्तर संवादमे रहल

(D) मैथिली पहिने लोक-व्यवहारक भाषा रूपमे जीवित आ विस्तृत रहल

७८. मैथिली भाषाक कालक्रममे ‘शास्त्रीय संपर्क’ कैँ कोना समझल जाय?

(A) मैथिली पहिने लोक-व्यवहारक भाषा रूपमे जीवित आ विस्तृत रहल

(B) मैथिली नामक मूल सांस्कृतिक-भौगोलिक आधार मिथिला क्षेत्र अछि

(C) किछु कालमे राज-दरबार आ पाण्डित्य-वर्ग मैथिलीकेँ प्रतिष्ठा देलक

(D) संस्कृत-पाण्डित्यक संग मैथिली लोकभाषा निरन्तर संवादमे रहल

७९. निम्नमे सँ ‘शास्त्रीय संपर्क’क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) मैथिली नामक मूल सांस्कृतिक-भौगोलिक आधार मिथिला क्षेत्र अछि

(B) संस्कृत-पाण्डित्यक संग मैथिली लोकभाषा निरन्तर संवादमे रहल

(C) किछु कालमे राज-दरबार आ पाण्डित्य-वर्ग मैथिलीकेँ प्रतिष्ठा देलक

(D) मैथिली पहिने लोक-व्यवहारक भाषा रूपमे जीवित आ विस्तृत रहल

८०. विद्यार्थी जँ ‘शास्त्रीय संपर्क’ लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) मैथिली क्षेत्रीय सीमा मात्र नहि, सांस्कृतिक व्यवहारसँ सेहो चिन्हायल

(B) परिवार आ आँगनमे मैथिलीक प्रयोग ओकर जीवित परम्पराक आधार रहल

(C) संस्कृत-पाण्डित्यक संग मैथिली लोकभाषा निरन्तर संवादमे रहल

(D) तिरहुत नाम मैथिली भाषिक क्षेत्रक ऐतिहासिक नाम-परम्परासँ जुड़ल अछि

८१. 'भाषिक सीमा' सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) मैथिली नामक मूल सांस्कृतिक-भौगोलिक आधार मिथिला क्षेत्र अछि

(B) मैथिली पहिने लोक-व्यवहारक भाषा रूपमे जीवित आ विस्तृत रहल

(C) मैथिली क्षेत्रीय सीमा मात्र नहि, सांस्कृतिक व्यवहारसँ सेहो चिन्हायल

(D) किछु कालमे राज-दरबार आ पाण्डित्य-वर्ग मैथिलीकेँ प्रतिष्ठा देलक

८२. जँ प्रश्न हो—'भाषिक सीमा'क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) किछु कालमे राज-दरबार आ पाण्डित्य-वर्ग मैथिलीकेँ प्रतिष्ठा देलक

(B) मैथिली क्षेत्रीय सीमा मात्र नहि, सांस्कृतिक व्यवहारसँ सेहो चिन्हायल

(C) मैथिली नामक मूल सांस्कृतिक-भौगोलिक आधार मिथिला क्षेत्र अछि

(D) मैथिली पहिने लोक-व्यवहारक भाषा रूपमे जीवित आ विस्तृत रहल

८३. 'भाषिक सीमा'क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) हाट, खेत, गीत, कथा आ संस्कारमे मैथिली लोक-संवादक भाषा रहल

(B) मैथिली मिथिला सँ बाहर प्रवासी समुदायमे सेहो अपन पहचान रखलक

(C) मैथिली नाम क्षेत्र, समाज आ भाषिक परम्पराक संयुक्त पहचान दैत अछि

(D) मैथिली क्षेत्रीय सीमा मात्र नहि, सांस्कृतिक व्यवहारसँ सेहो चिन्हायल

८४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे 'भाषिक सीमा'क महत्त्व की अछि?

(A) मैथिली क्षेत्रीय सीमा मात्र नहि, सांस्कृतिक व्यवहारसँ सेहो चिन्हायल

(B) संस्कृत-पाण्डित्यक संग मैथिली लोकभाषा निरन्तर संवादमे रहल

(C) परिवार आ आँगनमे मैथिलीक प्रयोग ओकर जीवित परम्पराक आधार रहल

(D) तिरहुत नाम मैथिली भाषिक क्षेत्रक ऐतिहासिक नाम-परम्परासँ जुड़ल अछि

८५. 'भाषिक सीमा' केँ मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) मैथिली क्षेत्रीय सीमा मात्र नहि, सांस्कृतिक व्यवहारसँ सेहो चिन्हायल

(B) परिवार आ आँगनमे मैथिलीक प्रयोग ओकर जीवित परम्पराक आधार रहल

(C) संस्कृत-पाण्डित्यक संग मैथिली लोकभाषा निरन्तर संवादमे रहल

(D) तिरहुत नाम मैथिली भाषिक क्षेत्रक ऐतिहासिक नाम-परम्परासँ जुड़ल अछि

८६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल 'भाषिक सीमा' ककर संकेत करैत अछि?

(A) मैथिली नाम क्षेत्र, समाज आ भाषिक परम्पराक संयुक्त पहचान दैत अछि

(B) हाट, खेत, गीत, कथा आ संस्कारमे मैथिली लोक-संवादक भाषा रहल

(C) मैथिली क्षेत्रीय सीमा मात्र नहि, सांस्कृतिक व्यवहारसँ सेहो चिन्हायल

(D) मैथिली मिथिला सँ बाहर प्रवासी समुदायमे सेहो अपन पहचान रखलक

८७. 'भाषिक सीमा' पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) मैथिली क्षेत्रीय सीमा मात्र नहि, सांस्कृतिक व्यवहारसँ सेहो चिन्हायल

(B) परिवार आ आँगनमे मैथिलीक प्रयोग ओकर जीवित परम्पराक आधार रहल

(C) तिरहुत नाम मैथिली भाषिक क्षेत्रक ऐतिहासिक नाम-परम्परासँ जुड़ल अछि

(D) संस्कृत-पाण्डित्यक संग मैथिली लोकभाषा निरन्तर संवादमे रहल

८८. मैथिली भाषाक कालक्रममे 'भाषिक सीमा' केँ कोना समझल जाय?

(A) मैथिली मिथिला सँ बाहर प्रवासी समुदायमे सेहो अपन पहचान रखलक

(B) मैथिली क्षेत्रीय सीमा मात्र नहि, सांस्कृतिक व्यवहारसँ सेहो चिन्हायल

(C) मैथिली नाम क्षेत्र, समाज आ भाषिक परम्पराक संयुक्त पहचान दैत अछि

(D) हाट, खेत, गीत, कथा आ संस्कारमे मैथिली लोक-संवादक भाषा रहल

८९. निम्नमे सँ ‘भाषिक सीमा’क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) मैथिली नामक मूल सांस्कृतिक-भौगोलिक आधार मिथिला क्षेत्र अछि

(B) मैथिली क्षेत्रीय सीमा मात्र नहि, सांस्कृतिक व्यवहारसँ सेहो चिन्हायल

(C) मैथिली पहिने लोक-व्यवहारक भाषा रूपमे जीवित आ विस्तृत रहल

(D) किछु कालमे राज-दरबार आ पाण्डित्य-वर्ग मैथिलीकेँ प्रतिष्ठा देलक

९०. विद्यार्थी जँ ‘भाषिक सीमा’ लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) मैथिली मिथिला सँ बाहर प्रवासी समुदायमे सेहो अपन पहचान रखलक

(B) मैथिली नाम क्षेत्र, समाज आ भाषिक परम्पराक संयुक्त पहचान दैत अछि

(C) हाट, खेत, गीत, कथा आ संस्कारमे मैथिली लोक-संवादक भाषा रहल

(D) मैथिली क्षेत्रीय सीमा मात्र नहि, सांस्कृतिक व्यवहारसँ सेहो चिन्हायल

९१. ‘क्षेत्रीय विस्तार’ सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) संस्कृत-पाण्डित्यक संग मैथिली लोकभाषा निरन्तर संवादमे रहल

(B) मैथिली मिथिला सँ बाहर प्रवासी समुदायमे सेहो अपन पहचान रखलक

(C) परिवार आ आँगनमे मैथिलीक प्रयोग ओकर जीवित परम्पराक आधार रहल

(D) तिरहुत नाम मैथिली भाषिक क्षेत्रक ऐतिहासिक नाम-परम्परासँ जुड़ल अछि

९२. जँ प्रश्न हो—‘क्षेत्रीय विस्तार’क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) मैथिली मिथिला सँ बाहर प्रवासी समुदायमे सेहो अपन पहचान रखलक

(B) मैथिली नामक मूल सांस्कृतिक-भौगोलिक आधार मिथिला क्षेत्र अछि

(C) किछु कालमे राज-दरबार आ पाण्डित्य-वर्ग मैथिलीकेँ प्रतिष्ठा देलक

(D) मैथिली पहिने लोक-व्यवहारक भाषा रूपमे जीवित आ विस्तृत रहल

९३. ‘क्षेत्रीय विस्तार’क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) मैथिली मिथिला सँ बाहर प्रवासी समुदायमे सेहो अपन पहचान रखलक

(B) मैथिली पहिने लोक-व्यवहारक भाषा रूपमे जीवित आ विस्तृत रहल

(C) मैथिली नामक मूल सांस्कृतिक-भौगोलिक आधार मिथिला क्षेत्र अछि

(D) किछु कालमे राज-दरबार आ पाण्डित्य-वर्ग मैथिलीकेँ प्रतिष्ठा देलक

९४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे ‘क्षेत्रीय विस्तार’क महत्त्व की अछि?

(A) परिवार आ आँगनमे मैथिलीक प्रयोग ओकर जीवित परम्पराक आधार रहल

(B) मैथिली मिथिला सँ बाहर प्रवासी समुदायमे सेहो अपन पहचान रखलक

(C) तिरहुत नाम मैथिली भाषिक क्षेत्रक ऐतिहासिक नाम-परम्परासँ जुड़ल अछि

(D) संस्कृत-पाण्डित्यक संग मैथिली लोकभाषा निरन्तर संवादमे रहल

९५. ‘क्षेत्रीय विस्तार’ केँ मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) तिरहुत नाम मैथिली भाषिक क्षेत्रक ऐतिहासिक नाम-परम्परासँ जुड़ल अछि

(B) परिवार आ आँगनमे मैथिलीक प्रयोग ओकर जीवित परम्पराक आधार रहल

(C) मैथिली मिथिला सँ बाहर प्रवासी समुदायमे सेहो अपन पहचान रखलक

(D) संस्कृत-पाण्डित्यक संग मैथिली लोकभाषा निरन्तर संवादमे रहल

९६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल ‘क्षेत्रीय विस्तार’ ककर संकेत करैत अछि?

(A) परिवार आ आँगनमे मैथिलीक प्रयोग ओकर जीवित परम्पराक आधार रहल

(B) मैथिली मिथिला सँ बाहर प्रवासी समुदायमे सेहो अपन पहचान रखलक

(C) तिरहुत नाम मैथिली भाषिक क्षेत्रक ऐतिहासिक नाम-परम्परासँ जुड़ल अछि

(D) संस्कृत-पाण्डित्यक संग मैथिली लोकभाषा निरन्तर संवादमे रहल

९७. ‘क्षेत्रीय विस्तार’ पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) संस्कृत-पाण्डित्यक संग मैथिली लोकभाषा निरन्तर संवादमे रहल

(B) तिरहुत नाम मैथिली भाषिक क्षेत्रक ऐतिहासिक नाम-परम्परासँ जुड़ल अछि

(C) मैथिली मिथिला सँ बाहर प्रवासी समुदायमे सेहो अपन पहचान रखलक

(D) परिवार आ आँगनमे मैथिलीक प्रयोग ओकर जीवित परम्पराक आधार रहल

९८. मैथिली भाषाक कालक्रममे ‘क्षेत्रीय विस्तार’ कैँ कोना समझल जाय?

(A) मैथिली मिथिला सँ बाहर प्रवासी समुदायमे सेहो अपन पहचान रखलक

(B) संस्कृत-पाण्डित्यक संग मैथिली लोकभाषा निरन्तर संवादमे रहल

(C) तिरहुत नाम मैथिली भाषिक क्षेत्रक ऐतिहासिक नाम-परम्परासँ जुड़ल अछि

(D) परिवार आ आँगनमे मैथिलीक प्रयोग ओकर जीवित परम्पराक आधार रहल

९९. निम्नमे सँ ‘क्षेत्रीय विस्तार’क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) तिरहुत नाम मैथिली भाषिक क्षेत्रक ऐतिहासिक नाम-परम्परासँ जुड़ल अछि

(B) मैथिली मिथिला सँ बाहर प्रवासी समुदायमे सेहो अपन पहचान रखलक

(C) परिवार आ आँगनमे मैथिलीक प्रयोग ओकर जीवित परम्पराक आधार रहल

(D) संस्कृत-पाण्डित्यक संग मैथिली लोकभाषा निरन्तर संवादमे रहल

१००. विद्यार्थी जँ ‘क्षेत्रीय विस्तार’ लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) तिरहुत नाम मैथिली भाषिक क्षेत्रक ऐतिहासिक नाम-परम्परासँ जुड़ल अछि

(B) संस्कृत-पाण्डित्यक संग मैथिली लोकभाषा निरन्तर संवादमे रहल

(C) परिवार आ आँगनमे मैथिलीक प्रयोग ओकर जीवित परम्पराक आधार रहल

(D) मैथिली मिथिला सँ बाहर प्रवासी समुदायमे सेहो अपन पहचान रखलक

१०१. ‘भारोपीय परिवार’ सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) प्राकृतसँ नवभाषा धरि आबयमे अपभ्रंश मध्यवर्ती भाषा-चरण रहल

(B) मैथिली भारोपीय भाषा-परिवारक भारत-आर्य शाखासँ सम्बन्धित भाषा अछि

(C) मैथिली शब्द-संपदा आ साहित्यिक शैली पर संस्कृतक गहिर प्रभाव रहल

(D) मैथिली भारतीय आर्यभाषाक ऐतिहासिक विकास-धारामे राखल जाइत अछि

१०२. जँ प्रश्न हो—‘भारोपीय परिवार’क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) प्राकृत, अपभ्रंश आ लोकभाषा बीच निरन्तर आदान-प्रदानसँ मैथिली विकसित भेल

(B) मैथिली पूर्वी भारतक आर्यभाषिक धरातलसँ विशेष निकटता रखैत अछि

(C) अवहट्ठ मैथिली सहित पूर्वी नवभाषाक निकट पूर्वरूप मानल जाइत अछि

(D) मैथिली भारोपीय भाषा-परिवारक भारत-आर्य शाखासँ सम्बन्धित भाषा अछि

१०३. ‘भारोपीय परिवार’क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) मैथिली भारोपीय भाषा-परिवारक भारत-आर्य शाखासँ सम्बन्धित भाषा अछि

(B) मैथिली शब्द-संपदा आ साहित्यिक शैली पर संस्कृतक गहिर प्रभाव रहल

(C) प्राकृतसँ नवभाषा धरि आबयमे अपभ्रंश मध्यवर्ती भाषा-चरण रहल

(D) मैथिली भारतीय आर्यभाषाक ऐतिहासिक विकास-धारामे राखल जाइत अछि

१०४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे ‘भारोपीय परिवार’क महत्त्व की अछि?

(A) मैथिली शब्द-संपदा आ साहित्यिक शैली पर संस्कृतक गहिर प्रभाव रहल

(B) मैथिली भारोपीय भाषा-परिवारक भारत-आर्य शाखासँ सम्बन्धित भाषा अछि

(C) प्राकृतसँ नवभाषा धरि आबयमे अपभ्रंश मध्यवर्ती भाषा-चरण रहल

(D) मैथिली भारतीय आर्यभाषाक ऐतिहासिक विकास-धारामे राखल जाइत अछि

१०५. ‘भारोपीय परिवार’ कैँ मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) मैथिली भारतीय आर्यभाषाक ऐतिहासिक विकास-धारामे राखल जाइत अछि

(B) मैथिली शब्द-संपदा आ साहित्यिक शैली पर संस्कृतक गहिर प्रभाव रहल

(C) प्राकृतसँ नवभाषा धरि आबयमे अपभ्रंश मध्यवर्ती भाषा-चरण रहल

(D) मैथिली भारोपीय भाषा-परिवारक भारत-आर्य शाखासँ सम्बन्धित भाषा अछि

१०६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल ‘भारोपीय परिवार’ ककर संकेत करैत अछि?

(A) अवहट्ठ मैथिली सहित पूर्वी नवभाषाक निकट पूर्वरूप मानल जाइत अछि

(B) मैथिली भारोपीय भाषा-परिवारक भारत-आर्य शाखासँ सम्बन्धित भाषा अछि

(C) प्राकृत, अपभ्रंश आ लोकभाषा बीच निरन्तर आदान-प्रदानसँ मैथिली विकसित भेल

(D) मैथिली पूर्वी भारतक आर्यभाषिक धरातलसँ विशेष निकटता रखैत अछि

१०७. ‘भारोपीय परिवार’ पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) मैथिलीक पुरान आधार बुझबामे मागधी प्राकृतक परम्परा महत्त्वपूर्ण मानल जाइत अछि

(B) समयक संग उच्चारण, स्वर, व्यंजन आ शब्दरूप बदलैत गेल

(C) मैथिलीमे स्थानीय जीवन, कृषि, प्रकृति आ लोकसंस्कारसँ अनेक शब्द विकसित भेल

(D) मैथिली भारोपीय भाषा-परिवारक भारत-आर्य शाखासँ सम्बन्धित भाषा अछि

१०८. मैथिली भाषाक कालक्रममे ‘भारोपीय परिवार’ कैँ कोना समझल जाय?

(A) मैथिली भारोपीय भाषा-परिवारक भारत-आर्य शाखासँ सम्बन्धित भाषा अछि

(B) प्राकृत, अपभ्रंश आ लोकभाषा बीच निरन्तर आदान-प्रदानसँ मैथिली विकसित भेल

(C) अवहट्ठ मैथिली सहित पूर्वी नवभाषाक निकट पूर्वरूप मानल जाइत अछि

(D) मैथिली पूर्वी भारतक आर्यभाषिक धरातलसँ विशेष निकटता रखैत अछि

१०९. निम्नमे सँ ‘भारोपीय परिवार’क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) अवहट्ठ मैथिली सहित पूर्वी नवभाषाक निकट पूर्वरूप मानल जाइत अछि

(B) प्राकृत, अपभ्रंश आ लोकभाषा बीच निरन्तर आदान-प्रदानसँ मैथिली विकसित भेल

(C) मैथिली पूर्वी भारतक आर्यभाषिक धरातलसँ विशेष निकटता रखैत अछि

(D) मैथिली भारोपीय भाषा-परिवारक भारत-आर्य शाखासँ सम्बन्धित भाषा अछि

११०. विद्यार्थी जँ ‘भारोपीय परिवार’ लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) मैथिली भारोपीय भाषा-परिवारक भारत-आर्य शाखासँ सम्बन्धित भाषा अछि

(B) मैथिली पूर्वी भारतक आर्यभाषिक धरातलसँ विशेष निकटता रखैत अछि

(C) अवहट्ठ मैथिली सहित पूर्वी नवभाषाक निकट पूर्वरूप मानल जाइत अछि

(D) प्राकृत, अपभ्रंश आ लोकभाषा बीच निरन्तर आदान-प्रदानसँ मैथिली विकसित भेल

१११. ‘भारत-आर्य शाखा’ सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) अवहट्ठ मैथिली सहित पूर्वी नवभाषाक निकट पूर्वरूप मानल जाइत अछि

(B) मैथिली भारतीय आर्यभाषाक ऐतिहासिक विकास-धारामे राखल जाइत अछि

(C) मैथिली पूर्वी भारतक आर्यभाषिक धरातलसँ विशेष निकटता रखैत अछि

(D) प्राकृत, अपभ्रंश आ लोकभाषा बीच निरन्तर आदान-प्रदानसँ मैथिली विकसित भेल

११२. जँ प्रश्न हो—‘भारत-आर्य शाखा’क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) प्राकृतसँ नवभाषा धरि आबयमे अपभ्रंश मध्यवर्ती भाषा-चरण रहल

(B) मैथिली भारोपीय भाषा-परिवारक भारत-आर्य शाखासँ सम्बन्धित भाषा अछि

(C) मैथिली भारतीय आर्यभाषाक ऐतिहासिक विकास-धारामे राखल जाइत अछि

(D) मैथिली शब्द-संपदा आ साहित्यिक शैली पर संस्कृतक गहिर प्रभाव रहल

११३. ‘भारत-आर्य शाखा’क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) मैथिली भारतीय आर्यभाषाक ऐतिहासिक विकास-धारामे राखल जाइत अछि

(B) समयक संग उच्चारण, स्वर, व्यंजन आ शब्दरूप बदलैत गेल

(C) मैथिलीक पुरान आधार बुझबामे मागधी प्राकृतक परम्परा महत्त्वपूर्ण मानल जाइत अछि

(D) मैथिलीमे स्थानीय जीवन, कृषि, प्रकृति आ लोकसंस्कारसँ अनेक शब्द विकसित भेल

११४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे ‘भारत-आर्य शाखा’क महत्त्व की अछि?

(A) मैथिलीमे स्थानीय जीवन, कृषि, प्रकृति आ लोकसंस्कारसँ अनेक शब्द विकसित भेल

(B) मैथिलीक पुरान आधार बुझबामे मागधी प्राकृतक परम्परा महत्त्वपूर्ण मानल जाइत अछि

(C) मैथिली भारतीय आर्यभाषाक ऐतिहासिक विकास-धारामे राखल जाइत अछि

(D) समयक संग उच्चारण, स्वर, व्यंजन आ शब्दरूप बदलैत गेल

११५. ‘भारत-आर्य शाखा’ कैँ मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) समयक संग उच्चारण, स्वर, व्यंजन आ शब्दरूप बदलैत गेल

(B) मैथिली भारतीय आर्यभाषाक ऐतिहासिक विकास-धारामे राखल जाइत अछि

(C) मैथिलीमे स्थानीय जीवन, कृषि, प्रकृति आ लोकसंस्कारसँ अनेक शब्द विकसित भेल

(D) मैथिलीक पुरान आधार बुझबामे मागधी प्राकृतक परम्परा महत्त्वपूर्ण मानल जाइत अछि

११६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल ‘भारत-आर्य शाखा’ ककर संकेत करैत अछि?

(A) मैथिली शब्द-संपदा आ साहित्यिक शैली पर संस्कृतक गहिर प्रभाव रहल

(B) प्राकृतसँ नवभाषा धरि आबयमे अपभ्रंश मध्यवर्ती भाषा-चरण रहल

(C) मैथिली भारतीय आर्यभाषाक ऐतिहासिक विकास-धारामे राखल जाइत अछि

(D) मैथिली भारोपीय भाषा-परिवारक भारत-आर्य शाखासँ सम्बन्धित भाषा अछि

११७. ‘भारत-आर्य शाखा’ पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) मैथिली भारतीय आर्यभाषाक ऐतिहासिक विकास-धारामे राखल जाइत अछि

(B) प्राकृतसँ नवभाषा धरि आबयमे अपभ्रंश मध्यवर्ती भाषा-चरण रहल

(C) मैथिली भारोपीय भाषा-परिवारक भारत-आर्य शाखासँ सम्बन्धित भाषा अछि

(D) मैथिली शब्द-संपदा आ साहित्यिक शैली पर संस्कृतक गहिर प्रभाव रहल

११८. मैथिली भाषाक कालक्रममे ‘भारत-आर्य शाखा’ कैँ कोना समझल जाय?

(A) मैथिली भारतीय आर्यभाषाक ऐतिहासिक विकास-धारामे राखल जाइत अछि

(B) प्राकृतसँ नवभाषा धरि आबयमे अपभ्रंश मध्यवर्ती भाषा-चरण रहल

(C) मैथिली शब्द-संपदा आ साहित्यिक शैली पर संस्कृतक गहिर प्रभाव रहल

(D) मैथिली भारोपीय भाषा-परिवारक भारत-आर्य शाखासँ सम्बन्धित भाषा अछि

११९. निम्नमे सँ ‘भारत-आर्य शाखा’क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) मैथिली भारतीय आर्यभाषाक ऐतिहासिक विकास-धारामे राखल जाइत अछि

(B) प्राकृतसँ नवभाषा धरि आबयमे अपभ्रंश मध्यवर्ती भाषा-चरण रहल

(C) मैथिली शब्द-संपदा आ साहित्यिक शैली पर संस्कृतक गहिर प्रभाव रहल

(D) मैथिली भारोपीय भाषा-परिवारक भारत-आर्य शाखासँ सम्बन्धित भाषा अछि

१२०. विद्यार्थी जँ ‘भारत-आर्य शाखा’ लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) मैथिली भारतीय आर्यभाषाक ऐतिहासिक विकास-धारामे राखल जाइत अछि

(B) मैथिली भारोपीय भाषा-परिवारक भारत-आर्य शाखासँ सम्बन्धित भाषा अछि

(C) मैथिली शब्द-संपदा आ साहित्यिक शैली पर संस्कृतक गहिर प्रभाव रहल

(D) प्राकृतसँ नवभाषा धरि आबयमे अपभ्रंश मध्यवर्ती भाषा-चरण रहल

१२१. 'पूर्वी आर्य आधार' सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) मैथिली भारोपीय भाषा-परिवारक भारत-आर्य शाखासँ सम्बन्धित भाषा अछि

(B) प्राकृतसँ नवभाषा धरि आबयमे अपभ्रंश मध्यवर्ती भाषा-चरण रहल

(C) मैथिली पूर्वी भारतक आर्यभाषिक धरातलसँ विशेष निकटता रखैत अछि

(D) मैथिली शब्द-संपदा आ साहित्यिक शैली पर संस्कृतक गहिर प्रभाव रहल

१२२. जँ प्रश्न हो—'पूर्वी आर्य आधार'क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) अवहट्ठ मैथिली सहित पूर्वी नवभाषाक निकट पूर्वरूप मानल जाइत अछि

(B) मैथिली भारतीय आर्यभाषाक ऐतिहासिक विकास-धारामे राखल जाइत अछि

(C) प्राकृत, अपभ्रंश आ लोकभाषा बीच निरन्तर आदान-प्रदानसँ मैथिली विकसित भेल

(D) मैथिली पूर्वी भारतक आर्यभाषिक धरातलसँ विशेष निकटता रखैत अछि

१२३. 'पूर्वी आर्य आधार'क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) प्राकृत, अपभ्रंश आ लोकभाषा बीच निरन्तर आदान-प्रदानसँ मैथिली विकसित भेल

(B) मैथिली पूर्वी भारतक आर्यभाषिक धरातलसँ विशेष निकटता रखैत अछि

(C) अवहट्ठ मैथिली सहित पूर्वी नवभाषाक निकट पूर्वरूप मानल जाइत अछि

(D) मैथिली भारतीय आर्यभाषाक ऐतिहासिक विकास-धारामे राखल जाइत अछि

१२४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे 'पूर्वी आर्य आधार'क महत्त्व की अछि?

(A) प्राकृतसँ नवभाषा धरि आबयमे अपभ्रंश मध्यवर्ती भाषा-चरण रहल

(B) मैथिली भारोपीय भाषा-परिवारक भारत-आर्य शाखासँ सम्बन्धित भाषा अछि

(C) मैथिली पूर्वी भारतक आर्यभाषिक धरातलसँ विशेष निकटता रखैत अछि

(D) मैथिली शब्द-संपदा आ साहित्यिक शैली पर संस्कृतक गहिर प्रभाव रहल

१२५. 'पूर्वी आर्य आधार' कैँ मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) मैथिलीक पुरान आधार बुझबामे मागधी प्राकृतक परम्परा महत्त्वपूर्ण मानल जाइत अछि

(B) मैथिली पूर्वी भारतक आर्यभाषिक धरातलसँ विशेष निकटता रखैत अछि

(C) मैथिलीमे स्थानीय जीवन, कृषि, प्रकृति आ लोकसंस्कारसँ अनेक शब्द विकसित भेल

(D) समयक संग उच्चारण, स्वर, व्यंजन आ शब्दरूप बदलैत गेल

१२६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल 'पूर्वी आर्य आधार' ककर संकेत करैत अछि?

(A) समयक संग उच्चारण, स्वर, व्यंजन आ शब्दरूप बदलैत गेल

(B) मैथिली पूर्वी भारतक आर्यभाषिक धरातलसँ विशेष निकटता रखैत अछि

(C) मैथिलीक पुरान आधार बुझबामे मागधी प्राकृतक परम्परा महत्त्वपूर्ण मानल जाइत अछि

(D) मैथिलीमे स्थानीय जीवन, कृषि, प्रकृति आ लोकसंस्कारसँ अनेक शब्द विकसित भेल

१२७. 'पूर्वी आर्य आधार' पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) मैथिलीमे स्थानीय जीवन, कृषि, प्रकृति आ लोकसंस्कारसँ अनेक शब्द विकसित भेल

(B) मैथिलीक पुरान आधार बुझबामे मागधी प्राकृतक परम्परा महत्त्वपूर्ण मानल जाइत अछि

(C) समयक संग उच्चारण, स्वर, व्यंजन आ शब्दरूप बदलैत गेल

(D) मैथिली पूर्वी भारतक आर्यभाषिक धरातलसँ विशेष निकटता रखैत अछि

१२८. मैथिली भाषाक कालक्रममे 'पूर्वी आर्य आधार' कैँ कोना समझल जाय?

(A) समयक संग उच्चारण, स्वर, व्यंजन आ शब्दरूप बदलैत गेल

(B) मैथिलीक पुरान आधार बुझबामे मागधी प्राकृतक परम्परा महत्त्वपूर्ण मानल जाइत अछि

(C) मैथिली पूर्वी भारतक आर्यभाषिक धरातलसँ विशेष निकटता रखैत अछि

(D) मैथिलीमे स्थानीय जीवन, कृषि, प्रकृति आ लोकसंस्कारसँ अनेक शब्द विकसित भेल

१२९. निम्नमे सँ 'पूर्वी आर्य आधार'क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) मैथिली पूर्वी भारतक आर्यभाषिक धरातलसँ विशेष निकटता रखैत अछि

(B) मैथिलीक पुरान आधार बुझबामे मागधी प्राकृतक परम्परा महत्त्वपूर्ण मानल जाइत अछि

(C) समयक संग उच्चारण, स्वर, व्यंजन आ शब्दरूप बदलैत गेल

(D) मैथिलीमे स्थानीय जीवन, कृषि, प्रकृति आ लोकसंस्कारसँ अनेक शब्द विकसित भेल

१३०. विद्यार्थी जँ 'पूर्वी आर्य आधार' लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) प्राकृतसँ नवभाषा धरि आबयमे अपभ्रंश मध्यवर्ती भाषा-चरण रहल

(B) मैथिली भारोपीय भाषा-परिवारक भारत-आर्य शाखासँ सम्बन्धित भाषा अछि

(C) मैथिली पूर्वी भारतक आर्यभाषिक धरातलसँ विशेष निकटता रखैत अछि

(D) मैथिली शब्द-संपदा आ साहित्यिक शैली पर संस्कृतक गहिर प्रभाव रहल

१३१. 'मागधी प्राकृत' सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) प्राकृतसँ नवभाषा धरि आबयमे अपभ्रंश मध्यवर्ती भाषा-चरण रहल

(B) मैथिली भारोपीय भाषा-परिवारक भारत-आर्य शाखासँ सम्बन्धित भाषा अछि

(C) मैथिलीक पुरान आधार बुझबामे मागधी प्राकृतक परम्परा महत्त्वपूर्ण मानल जाइत अछि

(D) मैथिली शब्द-संपदा आ साहित्यिक शैली पर संस्कृतक गहिर प्रभाव रहल

१३२. जँ प्रश्न हो—'मागधी प्राकृत'क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) मैथिलीक पुरान आधार बुझबामे मागधी प्राकृतक परम्परा महत्त्वपूर्ण मानल जाइत अछि

(B) अवहट्ठ मैथिली सहित पूर्वी नवभाषाक निकट पूर्वरूप मानल जाइत अछि

(C) मैथिली भारतीय आर्यभाषाक ऐतिहासिक विकास-धारामे राखल जाइत अछि

(D) प्राकृत, अपभ्रंश आ लोकभाषा बीच निरन्तर आदान-प्रदानसँ मैथिली विकसित भेल

१३३. 'मागधी प्राकृत'क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) प्राकृत, अपभ्रंश आ लोकभाषा बीच निरन्तर आदान-प्रदानसँ मैथिली विकसित भेल

(B) मैथिलीक पुरान आधार बुझबामे मागधी प्राकृतक परम्परा महत्त्वपूर्ण मानल जाइत अछि

(C) अवहट्ठ मैथिली सहित पूर्वी नवभाषाक निकट पूर्वरूप मानल जाइत अछि

(D) मैथिली भारतीय आर्यभाषाक ऐतिहासिक विकास-धारामे राखल जाइत अछि

१३४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे 'मागधी प्राकृत'क महत्त्व की अछि?

(A) मैथिली भारतीय आर्यभाषाक ऐतिहासिक विकास-धारामे राखल जाइत अछि

(B) प्राकृत, अपभ्रंश आ लोकभाषा बीच निरन्तर आदान-प्रदानसँ मैथिली विकसित भेल

(C) अवहट्ठ मैथिली सहित पूर्वी नवभाषाक निकट पूर्वरूप मानल जाइत अछि

(D) मैथिलीक पुरान आधार बुझबामे मागधी प्राकृतक परम्परा महत्त्वपूर्ण मानल जाइत अछि

१३५. 'मागधी प्राकृत' कैँ मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) मैथिली पूर्वी भारतक आर्यभाषिक धरातलसँ विशेष निकटता रखैत अछि

(B) मैथिलीमे स्थानीय जीवन, कृषि, प्रकृति आ लोकसंस्कारसँ अनेक शब्द विकसित भेल

(C) मैथिलीक पुरान आधार बुझबामे मागधी प्राकृतक परम्परा महत्त्वपूर्ण मानल जाइत अछि

(D) समयक संग उच्चारण, स्वर, व्यंजन आ शब्दरूप बदलैत गेल

१३६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल 'मागधी प्राकृत' ककर संकेत करैत अछि?

(A) मैथिली भारोपीय भाषा-परिवारक भारत-आर्य शाखासँ सम्बन्धित भाषा अछि

(B) प्राकृतसँ नवभाषा धरि आबयमे अपभ्रंश मध्यवर्ती भाषा-चरण रहल

(C) मैथिली शब्द-संपदा आ साहित्यिक शैली पर संस्कृतक गहिर प्रभाव रहल

(D) मैथिलीक पुरान आधार बुझबामे मागधी प्राकृतक परम्परा महत्त्वपूर्ण मानल जाइत अछि

१३७. ‘मागधी प्राकृत’ पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) मैथिली भारोपीय भाषा-परिवारक भारत-आर्य शाखासँ सम्बन्धित भाषा अछि

(B) मैथिलीक पुरान आधार बुझबामे मागधी प्राकृतक परम्परा महत्त्वपूर्ण मानल जाइत अछि

(C) मैथिली शब्द-संपदा आ साहित्यिक शैली पर संस्कृतक गहिर प्रभाव रहल

(D) प्राकृतसँ नवभाषा धरि आबयमे अपभ्रंश मध्यवर्ती भाषा-चरण रहल

१३८. मैथिली भाषाक कालक्रममे ‘मागधी प्राकृत’ कैँ कोना समझल जाय?

(A) अवहट्ठ मैथिली सहित पूर्वी नवभाषाक निकट पूर्वरूप मानल जाइत अछि

(B) मैथिलीक पुरान आधार बुझबामे मागधी प्राकृतक परम्परा महत्त्वपूर्ण मानल जाइत अछि

(C) मैथिली भारतीय आर्यभाषाक ऐतिहासिक विकास-धारामे राखल जाइत अछि

(D) प्राकृत, अपभ्रंश आ लोकभाषा बीच निरन्तर आदान-प्रदानसँ मैथिली विकसित भेल

१३९. निम्नमे सँ ‘मागधी प्राकृत’क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) अवहट्ठ मैथिली सहित पूर्वी नवभाषाक निकट पूर्वरूप मानल जाइत अछि

(B) मैथिली भारतीय आर्यभाषाक ऐतिहासिक विकास-धारामे राखल जाइत अछि

(C) मैथिलीक पुरान आधार बुझबामे मागधी प्राकृतक परम्परा महत्त्वपूर्ण मानल जाइत अछि

(D) प्राकृत, अपभ्रंश आ लोकभाषा बीच निरन्तर आदान-प्रदानसँ मैथिली विकसित भेल

१४०. विद्यार्थी जँ ‘मागधी प्राकृत’ लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) मैथिली शब्द-संपदा आ साहित्यिक शैली पर संस्कृतक गहिर प्रभाव रहल

(B) मैथिली भारोपीय भाषा-परिवारक भारत-आर्य शाखासँ सम्बन्धित भाषा अछि

(C) मैथिलीक पुरान आधार बुझबामे मागधी प्राकृतक परम्परा महत्त्वपूर्ण मानल जाइत अछि

(D) प्राकृतसँ नवभाषा धरि आबयमे अपभ्रंश मध्यवर्ती भाषा-चरण रहल

१४१. ‘अपभ्रंश’ सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) प्राकृतसँ नवभाषा धरि आबयमे अपभ्रंश मध्यवर्ती भाषा-चरण रहल

(B) समयक संग उच्चारण, स्वर, व्यंजन आ शब्दरूप बदलैत गेल

(C) मैथिलीमे स्थानीय जीवन, कृषि, प्रकृति आ लोकसंस्कारसँ अनेक शब्द विकसित भेल

(D) मैथिली पूर्वी भारतक आर्यभाषिक धरातलसँ विशेष निकटता रखैत अछि

१४२. जँ प्रश्न हो—‘अपभ्रंश’क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) मैथिली पूर्वी भारतक आर्यभाषिक धरातलसँ विशेष निकटता रखैत अछि

(B) प्राकृतसँ नवभाषा धरि आबयमे अपभ्रंश मध्यवर्ती भाषा-चरण रहल

(C) मैथिलीमे स्थानीय जीवन, कृषि, प्रकृति आ लोकसंस्कारसँ अनेक शब्द विकसित भेल

(D) समयक संग उच्चारण, स्वर, व्यंजन आ शब्दरूप बदलैत गेल

१४३. ‘अपभ्रंश’क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) मैथिली भारतीय आर्यभाषाक ऐतिहासिक विकास-धारामे राखल जाइत अछि

(B) प्राकृत, अपभ्रंश आ लोकभाषा बीच निरन्तर आदान-प्रदानसँ मैथिली विकसित भेल

(C) प्राकृतसँ नवभाषा धरि आबयमे अपभ्रंश मध्यवर्ती भाषा-चरण रहल

(D) अवहट्ठ मैथिली सहित पूर्वी नवभाषाक निकट पूर्वरूप मानल जाइत अछि

१४४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे ‘अपभ्रंश’क महत्त्व की अछि?

(A) समयक संग उच्चारण, स्वर, व्यंजन आ शब्दरूप बदलैत गेल

(B) मैथिली पूर्वी भारतक आर्यभाषिक धरातलसँ विशेष निकटता रखैत अछि

(C) प्राकृतसँ नवभाषा धरि आबयमे अपभ्रंश मध्यवर्ती भाषा-चरण रहल

(D) मैथिलीमे स्थानीय जीवन, कृषि, प्रकृति आ लोकसंस्कारसँ अनेक शब्द विकसित भेल

१४५. ‘अपभ्रंश’ कैँ मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) अवहट्ठ मैथिली सहित पूर्वी नवभाषाक निकट पूर्वरूप मानल जाइत अछि

(B) मैथिली भारतीय आर्यभाषाक ऐतिहासिक विकास-धारामे राखल जाइत अछि

(C) प्राकृत, अपभ्रंश आ लोकभाषा बीच निरन्तर आदान-प्रदानसँ मैथिली विकसित भेल

(D) प्राकृतसँ नवभाषा धरि आबयमे अपभ्रंश मध्यवर्ती भाषा-चरण रहल

१४६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल ‘अपभ्रंश’ ककर संकेत करैत अछि?

(A) प्राकृतसँ नवभाषा धरि आबयमे अपभ्रंश मध्यवर्ती भाषा-चरण रहल

(B) मैथिलीक पुरान आधार बुझबामे मागधी प्राकृतक परम्परा महत्त्वपूर्ण मानल जाइत अछि

(C) मैथिली भारोपीय भाषा-परिवारक भारत-आर्य शाखासँ सम्बन्धित भाषा अछि

(D) मैथिली शब्द-संपदा आ साहित्यिक शैली पर संस्कृतक गहिर प्रभाव रहल

१४७. ‘अपभ्रंश’ पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) मैथिली शब्द-संपदा आ साहित्यिक शैली पर संस्कृतक गहिर प्रभाव रहल

(B) मैथिली भारोपीय भाषा-परिवारक भारत-आर्य शाखासँ सम्बन्धित भाषा अछि

(C) मैथिलीक पुरान आधार बुझबामे मागधी प्राकृतक परम्परा महत्त्वपूर्ण मानल जाइत अछि

(D) प्राकृतसँ नवभाषा धरि आबयमे अपभ्रंश मध्यवर्ती भाषा-चरण रहल

१४८. मैथिली भाषाक कालक्रममे ‘अपभ्रंश’ कैँ कोना समझल जाय?

(A) प्राकृतसँ नवभाषा धरि आबयमे अपभ्रंश मध्यवर्ती भाषा-चरण रहल

(B) मैथिली भारतीय आर्यभाषाक ऐतिहासिक विकास-धारामे राखल जाइत अछि

(C) प्राकृत, अपभ्रंश आ लोकभाषा बीच निरन्तर आदान-प्रदानसँ मैथिली विकसित भेल

(D) अवहट्ठ मैथिली सहित पूर्वी नवभाषाक निकट पूर्वरूप मानल जाइत अछि

१४९. निम्नमे सँ ‘अपभ्रंश’क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) प्राकृतसँ नवभाषा धरि आबयमे अपभ्रंश मध्यवर्ती भाषा-चरण रहल

(B) मैथिली शब्द-संपदा आ साहित्यिक शैली पर संस्कृतक गहिर प्रभाव रहल

(C) मैथिलीक पुरान आधार बुझबामे मागधी प्राकृतक परम्परा महत्त्वपूर्ण मानल जाइत अछि

(D) मैथिली भारोपीय भाषा-परिवारक भारत-आर्य शाखासँ सम्बन्धित भाषा अछि

१५०. विद्यार्थी जँ ‘अपभ्रंश’ लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) अवहट्ठ मैथिली सहित पूर्वी नवभाषाक निकट पूर्वरूप मानल जाइत अछि

(B) प्राकृतसँ नवभाषा धरि आबयमे अपभ्रंश मध्यवर्ती भाषा-चरण रहल

(C) प्राकृत, अपभ्रंश आ लोकभाषा बीच निरन्तर आदान-प्रदानसँ मैथिली विकसित भेल

(D) मैथिली भारतीय आर्यभाषाक ऐतिहासिक विकास-धारामे राखल जाइत अछि

१५१. ‘अवहट्ठ’ सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) मैथिलीक पुरान आधार बुझबामे मागधी प्राकृतक परम्परा महत्त्वपूर्ण मानल जाइत अछि

(B) मैथिली भारोपीय भाषा-परिवारक भारत-आर्य शाखासँ सम्बन्धित भाषा अछि

(C) अवहट्ठ मैथिली सहित पूर्वी नवभाषाक निकट पूर्वरूप मानल जाइत अछि

(D) मैथिली शब्द-संपदा आ साहित्यिक शैली पर संस्कृतक गहिर प्रभाव रहल

१५२. जँ प्रश्न हो—‘अवहट्ठ’क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) मैथिली शब्द-संपदा आ साहित्यिक शैली पर संस्कृतक गहिर प्रभाव रहल

(B) मैथिलीक पुरान आधार बुझबामे मागधी प्राकृतक परम्परा महत्त्वपूर्ण मानल जाइत अछि

(C) मैथिली भारोपीय भाषा-परिवारक भारत-आर्य शाखासँ सम्बन्धित भाषा अछि

(D) अवहट्ठ मैथिली सहित पूर्वी नवभाषाक निकट पूर्वरूप मानल जाइत अछि

१५३. ‘अवहट्ठ’क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) अवहट्ठ मैथिली सहित पूर्वी नवभाषाक निकट पूर्वरूप मानल जाइत अछि

(B) प्राकृतसँ नवभाषा धरि आबयमे अपभ्रंश मध्यवर्ती भाषा-चरण रहल

(C) मैथिली भारतीय आर्यभाषाक ऐतिहासिक विकास-धारामे राखल जाइत अछि

(D) प्राकृत, अपभ्रंश आ लोकभाषा बीच निरन्तर आदान-प्रदानसँ मैथिली विकसित भेल

१५४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे ‘अवहट्ठ’क महत्त्व की अछि?

(A) अवहट्ठ मैथिली सहित पूर्वी नवभाषाक निकट पूर्वरूप मानल जाइत अछि

(B) मैथिली भारोपीय भाषा-परिवारक भारत-आर्य शाखासँ सम्बन्धित भाषा अछि

(C) मैथिलीक पुरान आधार बुझबामे मागधी प्राकृतक परम्परा महत्त्वपूर्ण मानल जाइत अछि

(D) मैथिली शब्द-संपदा आ साहित्यिक शैली पर संस्कृतक गहिर प्रभाव रहल

१५५. ‘अवहट्ठ’ कैँ मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) मैथिली भारतीय आर्यभाषाक ऐतिहासिक विकास-धारामे राखल जाइत अछि

(B) अवहट्ठ मैथिली सहित पूर्वी नवभाषाक निकट पूर्वरूप मानल जाइत अछि

(C) प्राकृतसँ नवभाषा धरि आबयमे अपभ्रंश मध्यवर्ती भाषा-चरण रहल

(D) प्राकृत, अपभ्रंश आ लोकभाषा बीच निरन्तर आदान-प्रदानसँ मैथिली विकसित भेल

१५६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल ‘अवहट्ठ’ ककर संकेत करैत अछि?

(A) प्राकृतसँ नवभाषा धरि आबयमे अपभ्रंश मध्यवर्ती भाषा-चरण रहल

(B) अवहट्ठ मैथिली सहित पूर्वी नवभाषाक निकट पूर्वरूप मानल जाइत अछि

(C) मैथिली भारतीय आर्यभाषाक ऐतिहासिक विकास-धारामे राखल जाइत अछि

(D) प्राकृत, अपभ्रंश आ लोकभाषा बीच निरन्तर आदान-प्रदानसँ मैथिली विकसित भेल

१५७. ‘अवहट्ठ’ पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) अवहट्ठ मैथिली सहित पूर्वी नवभाषाक निकट पूर्वरूप मानल जाइत अछि

(B) मैथिली शब्द-संपदा आ साहित्यिक शैली पर संस्कृतक गहिर प्रभाव रहल

(C) मैथिली भारोपीय भाषा-परिवारक भारत-आर्य शाखासँ सम्बन्धित भाषा अछि

(D) मैथिलीक पुरान आधार बुझबामे मागधी प्राकृतक परम्परा महत्त्वपूर्ण मानल जाइत अछि

१५८. मैथिली भाषाक कालक्रममे ‘अवहट्ठ’ कैँ कोना समझल जाय?

(A) मैथिली भारोपीय भाषा-परिवारक भारत-आर्य शाखासँ सम्बन्धित भाषा अछि

(B) मैथिलीक पुरान आधार बुझबामे मागधी प्राकृतक परम्परा महत्त्वपूर्ण मानल जाइत अछि

(C) मैथिली शब्द-संपदा आ साहित्यिक शैली पर संस्कृतक गहिर प्रभाव रहल

(D) अवहट्ठ मैथिली सहित पूर्वी नवभाषाक निकट पूर्वरूप मानल जाइत अछि

१५९. निम्नमे सँ ‘अवहट्ठ’क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) मैथिलीमे स्थानीय जीवन, कृषि, प्रकृति आ लोकसंस्कारसँ अनेक शब्द विकसित भेल

(B) समयक संग उच्चारण, स्वर, व्यंजन आ शब्दरूप बदलैत गेल

(C) मैथिली पूर्वी भारतक आर्यभाषिक धरातलसँ विशेष निकटता रखैत अछि

(D) अवहट्ठ मैथिली सहित पूर्वी नवभाषाक निकट पूर्वरूप मानल जाइत अछि

१६०. विद्यार्थी जँ ‘अवहट्ठ’ लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) प्राकृतसँ नवभाषा धरि आबयमे अपभ्रंश मध्यवर्ती भाषा-चरण रहल

(B) अवहट्ठ मैथिली सहित पूर्वी नवभाषाक निकट पूर्वरूप मानल जाइत अछि

(C) मैथिली भारतीय आर्यभाषाक ऐतिहासिक विकास-धारामे राखल जाइत अछि

(D) प्राकृत, अपभ्रंश आ लोकभाषा बीच निरन्तर आदान-प्रदानसँ मैथिली विकसित भेल

१६१. ‘देशज आधार’ सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) मैथिली शब्द-संपदा आ साहित्यिक शैली पर संस्कृतक गहिर प्रभाव रहल

(B) मैथिलीमे स्थानीय जीवन, कृषि, प्रकृति आ लोकसंस्कारसँ अनेक शब्द विकसित भेल

(C) मैथिलीक पुरान आधार बुझबामे मागधी प्राकृतक परम्परा महत्त्वपूर्ण मानल जाइत अछि

(D) मैथिली भारोपीय भाषा-परिवारक भारत-आर्य शाखासँ सम्बन्धित भाषा अछि

१६२. जँ प्रश्न हो—‘देशज आधार’क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) मैथिलीक पुरान आधार बुझबामे मागधी प्राकृतक परम्परा महत्त्वपूर्ण मानल जाइत अछि

(B) मैथिली भारोपीय भाषा-परिवारक भारत-आर्य शाखासँ सम्बन्धित भाषा अछि

(C) मैथिली शब्द-संपदा आ साहित्यिक शैली पर संस्कृतक गहिर प्रभाव रहल

(D) मैथिलीमे स्थानीय जीवन, कृषि, प्रकृति आ लोकसंस्कारसँ अनेक शब्द विकसित भेल

१६३. ‘देशज आधार’क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) मैथिलीमे स्थानीय जीवन, कृषि, प्रकृति आ लोकसंस्कारसँ अनेक शब्द विकसित भेल

(B) मैथिली भारतीय आर्यभाषाक ऐतिहासिक विकास-धारामे राखल जाइत अछि

(C) प्राकृत, अपभ्रंश आ लोकभाषा बीच निरन्तर आदान-प्रदानसँ मैथिली विकसित भेल

(D) प्राकृतसँ नवभाषा धरि आबयमे अपभ्रंश मध्यवर्ती भाषा-चरण रहल

१६४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे ‘देशज आधार’क महत्त्व की अछि?

(A) मैथिलीमे स्थानीय जीवन, कृषि, प्रकृति आ लोकसंस्कारसँ अनेक शब्द विकसित भेल

(B) मैथिली भारोपीय भाषा-परिवारक भारत-आर्य शाखासँ सम्बन्धित भाषा अछि

(C) मैथिली शब्द-संपदा आ साहित्यिक शैली पर संस्कृतक गहिर प्रभाव रहल

(D) मैथिलीक पुरान आधार बुझबामे मागधी प्राकृतक परम्परा महत्त्वपूर्ण मानल जाइत अछि

१६५. ‘देशज आधार’ कैँ मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) मैथिलीमे स्थानीय जीवन, कृषि, प्रकृति आ लोकसंस्कारसँ अनेक शब्द विकसित भेल

(B) मैथिली भारोपीय भाषा-परिवारक भारत-आर्य शाखासँ सम्बन्धित भाषा अछि

(C) मैथिलीक पुरान आधार बुझबामे मागधी प्राकृतक परम्परा महत्त्वपूर्ण मानल जाइत अछि

(D) मैथिली शब्द-संपदा आ साहित्यिक शैली पर संस्कृतक गहिर प्रभाव रहल

१६६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल ‘देशज आधार’ ककर संकेत करैत अछि?

(A) मैथिली भारोपीय भाषा-परिवारक भारत-आर्य शाखासँ सम्बन्धित भाषा अछि

(B) मैथिलीक पुरान आधार बुझबामे मागधी प्राकृतक परम्परा महत्त्वपूर्ण मानल जाइत अछि

(C) मैथिलीमे स्थानीय जीवन, कृषि, प्रकृति आ लोकसंस्कारसँ अनेक शब्द विकसित भेल

(D) मैथिली शब्द-संपदा आ साहित्यिक शैली पर संस्कृतक गहिर प्रभाव रहल

१६७. ‘देशज आधार’ पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) मैथिलीमे स्थानीय जीवन, कृषि, प्रकृति आ लोकसंस्कारसँ अनेक शब्द विकसित भेल

(B) मैथिली भारतीय आर्यभाषाक ऐतिहासिक विकास-धारामे राखल जाइत अछि

(C) प्राकृत, अपभ्रंश आ लोकभाषा बीच निरन्तर आदान-प्रदानसँ मैथिली विकसित भेल

(D) प्राकृतसँ नवभाषा धरि आबयमे अपभ्रंश मध्यवर्ती भाषा-चरण रहल

१६८. मैथिली भाषाक कालक्रममे ‘देशज आधार’ कैँ कोना समझल जाय?

(A) मैथिली शब्द-संपदा आ साहित्यिक शैली पर संस्कृतक गहिर प्रभाव रहल

(B) मैथिली भारोपीय भाषा-परिवारक भारत-आर्य शाखासँ सम्बन्धित भाषा अछि

(C) मैथिलीमे स्थानीय जीवन, कृषि, प्रकृति आ लोकसंस्कारसँ अनेक शब्द विकसित भेल

(D) मैथिलीक पुरान आधार बुझबामे मागधी प्राकृतक परम्परा महत्त्वपूर्ण मानल जाइत अछि

१६९. निम्नमे सँ 'देशज आधार'क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) मैथिली पूर्वी भारतक आर्यभाषिक धरातलसँ विशेष निकटता रखैत अछि

(B) समयक संग उच्चारण, स्वर, व्यंजन आ शब्दरूप बदलैत गेल

(C) अवहट्ठ मैथिली सहित पूर्वी नवभाषाक निकट पूर्वरूप मानल जाइत अछि

(D) मैथिलीमे स्थानीय जीवन, कृषि, प्रकृति आ लोकसंस्कारसँ अनेक शब्द विकसित भेल

१७०. विद्यार्थी जँ 'देशज आधार' लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) अवहट्ठ मैथिली सहित पूर्वी नवभाषाक निकट पूर्वरूप मानल जाइत अछि

(B) समयक संग उच्चारण, स्वर, व्यंजन आ शब्दरूप बदलैत गेल

(C) मैथिलीमे स्थानीय जीवन, कृषि, प्रकृति आ लोकसंस्कारसँ अनेक शब्द विकसित भेल

(D) मैथिली पूर्वी भारतक आर्यभाषिक धरातलसँ विशेष निकटता रखैत अछि

१७१. 'संस्कृत-संपर्क' सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) अवहट्ठ मैथिली सहित पूर्वी नवभाषाक निकट पूर्वरूप मानल जाइत अछि

(B) समयक संग उच्चारण, स्वर, व्यंजन आ शब्दरूप बदलैत गेल

(C) मैथिली शब्द-संपदा आ साहित्यिक शैली पर संस्कृतक गहिर प्रभाव रहल

(D) मैथिली पूर्वी भारतक आर्यभाषिक धरातलसँ विशेष निकटता रखैत अछि

१७२. जँ प्रश्न हो—'संस्कृत-संपर्क'क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) मैथिली शब्द-संपदा आ साहित्यिक शैली पर संस्कृतक गहिर प्रभाव रहल

(B) प्राकृतसँ नवभाषा धरि आबयमे अपभ्रंश मध्यवर्ती भाषा-चरण रहल

(C) मैथिली भारतीय आर्यभाषाक ऐतिहासिक विकास-धारामे राखल जाइत अछि

(D) प्राकृत, अपभ्रंश आ लोकभाषा बीच निरन्तर आदान-प्रदानसँ मैथिली विकसित भेल

१७३. 'संस्कृत-संपर्क'क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) मैथिली शब्द-संपदा आ साहित्यिक शैली पर संस्कृतक गहिर प्रभाव रहल

(B) अवहट्ठ मैथिली सहित पूर्वी नवभाषाक निकट पूर्वरूप मानल जाइत अछि

(C) समयक संग उच्चारण, स्वर, व्यंजन आ शब्दरूप बदलैत गेल

(D) मैथिली पूर्वी भारतक आर्यभाषिक धरातलसँ विशेष निकटता रखैत अछि

१७४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे 'संस्कृत-संपर्क'क महत्त्व की अछि?

(A) मैथिलीक पुरान आधार बुझबामे मागधी प्राकृतक परम्परा महत्त्वपूर्ण मानल जाइत अछि

(B) मैथिली भारोपीय भाषा-परिवारक भारत-आर्य शाखासँ सम्बन्धित भाषा अछि

(C) मैथिलीमे स्थानीय जीवन, कृषि, प्रकृति आ लोकसंस्कारसँ अनेक शब्द विकसित भेल

(D) मैथिली शब्द-संपदा आ साहित्यिक शैली पर संस्कृतक गहिर प्रभाव रहल

१७५. 'संस्कृत-संपर्क' कैँ मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) मैथिली भारतीय आर्यभाषाक ऐतिहासिक विकास-धारामे राखल जाइत अछि

(B) प्राकृतसँ नवभाषा धरि आबयमे अपभ्रंश मध्यवर्ती भाषा-चरण रहल

(C) मैथिली शब्द-संपदा आ साहित्यिक शैली पर संस्कृतक गहिर प्रभाव रहल

(D) प्राकृत, अपभ्रंश आ लोकभाषा बीच निरन्तर आदान-प्रदानसँ मैथिली विकसित भेल

१७६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल 'संस्कृत-संपर्क' ककर संकेत करैत अछि?

(A) मैथिली पूर्वी भारतक आर्यभाषिक धरातलसँ विशेष निकटता रखैत अछि

(B) समयक संग उच्चारण, स्वर, व्यंजन आ शब्दरूप बदलैत गेल

(C) मैथिली शब्द-संपदा आ साहित्यिक शैली पर संस्कृतक गहिर प्रभाव रहल

(D) अवहट्ठ मैथिली सहित पूर्वी नवभाषाक निकट पूर्वरूप मानल जाइत अछि

१७७. ‘संस्कृत-संपर्क’ पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) मैथिली पूर्वी भारतक आर्यभाषिक धरातलसँ विशेष निकटता रखैत अछि

(B) मैथिली शब्द-संपदा आ साहित्यिक शैली पर संस्कृतक गहिर प्रभाव रहल

(C) समयक संग उच्चारण, स्वर, व्यंजन आ शब्दरूप बदलैत गेल

(D) अवहट्ठ मैथिली सहित पूर्वी नवभाषाक निकट पूर्वरूप मानल जाइत अछि

१७८. मैथिली भाषाक कालक्रममे ‘संस्कृत-संपर्क’ कैँ कोना समझल जाय?

(A) मैथिली भारतीय आर्यभाषाक ऐतिहासिक विकास-धारामे राखल जाइत अछि

(B) प्राकृत, अपभ्रंश आ लोकभाषा बीच निरन्तर आदान-प्रदानसँ मैथिली विकसित भेल

(C) मैथिली शब्द-संपदा आ साहित्यिक शैली पर संस्कृतक गहिर प्रभाव रहल

(D) प्राकृतसँ नवभाषा धरि आबयमे अपभ्रंश मध्यवर्ती भाषा-चरण रहल

१७९. निम्नमे सँ ‘संस्कृत-संपर्क’क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) मैथिली शब्द-संपदा आ साहित्यिक शैली पर संस्कृतक गहिर प्रभाव रहल

(B) प्राकृतसँ नवभाषा धरि आबयमे अपभ्रंश मध्यवर्ती भाषा-चरण रहल

(C) मैथिली भारतीय आर्यभाषाक ऐतिहासिक विकास-धारामे राखल जाइत अछि

(D) प्राकृत, अपभ्रंश आ लोकभाषा बीच निरन्तर आदान-प्रदानसँ मैथिली विकसित भेल

१८०. विद्यार्थी जँ ‘संस्कृत-संपर्क’ लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) मैथिली शब्द-संपदा आ साहित्यिक शैली पर संस्कृतक गहिर प्रभाव रहल

(B) समयक संग उच्चारण, स्वर, व्यंजन आ शब्दरूप बदलैत गेल

(C) अवहट्ठ मैथिली सहित पूर्वी नवभाषाक निकट पूर्वरूप मानल जाइत अछि

(D) मैथिली पूर्वी भारतक आर्यभाषिक धरातलसँ विशेष निकटता रखैत अछि

१८१. ‘लोकभाषा सम्बन्ध’ सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) मैथिली शब्द-संपदा आ साहित्यिक शैली पर संस्कृतक गहिर प्रभाव रहल

(B) प्राकृतसँ नवभाषा धरि आबयमे अपभ्रंश मध्यवर्ती भाषा-चरण रहल

(C) मैथिली भारतीय आर्यभाषाक ऐतिहासिक विकास-धारामे राखल जाइत अछि

(D) प्राकृत, अपभ्रंश आ लोकभाषा बीच निरन्तर आदान-प्रदानसँ मैथिली विकसित भेल

१८२. जँ प्रश्न हो—‘लोकभाषा सम्बन्ध’क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) प्राकृत, अपभ्रंश आ लोकभाषा बीच निरन्तर आदान-प्रदानसँ मैथिली विकसित भेल

(B) समयक संग उच्चारण, स्वर, व्यंजन आ शब्दरूप बदलैत गेल

(C) अवहट्ठ मैथिली सहित पूर्वी नवभाषाक निकट पूर्वरूप मानल जाइत अछि

(D) मैथिली पूर्वी भारतक आर्यभाषिक धरातलसँ विशेष निकटता रखैत अछि

१८३. ‘लोकभाषा सम्बन्ध’क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) प्राकृत, अपभ्रंश आ लोकभाषा बीच निरन्तर आदान-प्रदानसँ मैथिली विकसित भेल

(B) मैथिली भारोपीय भाषा-परिवारक भारत-आर्य शाखासँ सम्बन्धित भाषा अछि

(C) मैथिलीक पुरान आधार बुझबामे मागधी प्राकृतक परम्परा महत्त्वपूर्ण मानल जाइत अछि

(D) मैथिलीमे स्थानीय जीवन, कृषि, प्रकृति आ लोकसंस्कारसँ अनेक शब्द विकसित भेल

१८४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे ‘लोकभाषा सम्बन्ध’क महत्त्व की अछि?

(A) मैथिलीमे स्थानीय जीवन, कृषि, प्रकृति आ लोकसंस्कारसँ अनेक शब्द विकसित भेल

(B) प्राकृत, अपभ्रंश आ लोकभाषा बीच निरन्तर आदान-प्रदानसँ मैथिली विकसित भेल

(C) मैथिली भारोपीय भाषा-परिवारक भारत-आर्य शाखासँ सम्बन्धित भाषा अछि

(D) मैथिलीक पुरान आधार बुझबामे मागधी प्राकृतक परम्परा महत्त्वपूर्ण मानल जाइत अछि

१८५. ‘लोकभाषा सम्बन्ध’ कैँ मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) समयक संग उच्चारण, स्वर, व्यंजन आ शब्दरूप बदलैत गेल

(B) प्राकृत, अपभ्रंश आ लोकभाषा बीच निरन्तर आदान-प्रदानसँ मैथिली विकसित भेल

(C) मैथिली पूर्वी भारतक आर्यभाषिक धरातलसँ विशेष निकटता रखैत अछि

(D) अवहट्ठ मैथिली सहित पूर्वी नवभाषाक निकट पूर्वरूप मानल जाइत अछि

१८६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल ‘लोकभाषा सम्बन्ध’ ककर संकेत करैत अछि?

(A) मैथिली पूर्वी भारतक आर्यभाषिक धरातलसँ विशेष निकटता रखैत अछि

(B) प्राकृत, अपभ्रंश आ लोकभाषा बीच निरन्तर आदान-प्रदानसँ मैथिली विकसित भेल

(C) समयक संग उच्चारण, स्वर, व्यंजन आ शब्दरूप बदलैत गेल

(D) अवहट्ठ मैथिली सहित पूर्वी नवभाषाक निकट पूर्वरूप मानल जाइत अछि

१८७. ‘लोकभाषा सम्बन्ध’ पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) मैथिली शब्द-संपदा आ साहित्यिक शैली पर संस्कृतक गहिर प्रभाव रहल

(B) प्राकृतसँ नवभाषा धरि आबयमे अपभ्रंश मध्यवर्ती भाषा-चरण रहल

(C) मैथिली भारतीय आर्यभाषाक ऐतिहासिक विकास-धारामे राखल जाइत अछि

(D) प्राकृत, अपभ्रंश आ लोकभाषा बीच निरन्तर आदान-प्रदानसँ मैथिली विकसित भेल

१८८. मैथिली भाषाक कालक्रममे ‘लोकभाषा सम्बन्ध’ कैँ कोना समझल जाय?

(A) समयक संग उच्चारण, स्वर, व्यंजन आ शब्दरूप बदलैत गेल

(B) अवहट्ठ मैथिली सहित पूर्वी नवभाषाक निकट पूर्वरूप मानल जाइत अछि

(C) मैथिली पूर्वी भारतक आर्यभाषिक धरातलसँ विशेष निकटता रखैत अछि

(D) प्राकृत, अपभ्रंश आ लोकभाषा बीच निरन्तर आदान-प्रदानसँ मैथिली विकसित भेल

१८९. निम्नमे सँ ‘लोकभाषा सम्बन्ध’क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) मैथिली शब्द-संपदा आ साहित्यिक शैली पर संस्कृतक गहिर प्रभाव रहल

(B) मैथिली भारतीय आर्यभाषाक ऐतिहासिक विकास-धारामे राखल जाइत अछि

(C) प्राकृतसँ नवभाषा धरि आबयमे अपभ्रंश मध्यवर्ती भाषा-चरण रहल

(D) प्राकृत, अपभ्रंश आ लोकभाषा बीच निरन्तर आदान-प्रदानसँ मैथिली विकसित भेल

१९०. विद्यार्थी जँ ‘लोकभाषा सम्बन्ध’ लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) मैथिली शब्द-संपदा आ साहित्यिक शैली पर संस्कृतक गहिर प्रभाव रहल

(B) मैथिली भारतीय आर्यभाषाक ऐतिहासिक विकास-धारामे राखल जाइत अछि

(C) प्राकृतसँ नवभाषा धरि आबयमे अपभ्रंश मध्यवर्ती भाषा-चरण रहल

(D) प्राकृत, अपभ्रंश आ लोकभाषा बीच निरन्तर आदान-प्रदानसँ मैथिली विकसित भेल

१९१. ‘ध्वनि-परिवर्तन’ सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) अवहट्ठ मैथिली सहित पूर्वी नवभाषाक निकट पूर्वरूप मानल जाइत अछि

(B) मैथिली पूर्वी भारतक आर्यभाषिक धरातलसँ विशेष निकटता रखैत अछि

(C) समयक संग उच्चारण, स्वर, व्यंजन आ शब्दरूप बदलैत गेल

(D) प्राकृत, अपभ्रंश आ लोकभाषा बीच निरन्तर आदान-प्रदानसँ मैथिली विकसित भेल

१९२. जँ प्रश्न हो—‘ध्वनि-परिवर्तन’क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) मैथिलीक पुरान आधार बुझबामे मागधी प्राकृतक परम्परा महत्त्वपूर्ण मानल जाइत अछि

(B) समयक संग उच्चारण, स्वर, व्यंजन आ शब्दरूप बदलैत गेल

(C) मैथिलीमे स्थानीय जीवन, कृषि, प्रकृति आ लोकसंस्कारसँ अनेक शब्द विकसित भेल

(D) मैथिली भारोपीय भाषा-परिवारक भारत-आर्य शाखासँ सम्बन्धित भाषा अछि

१९३. ‘ध्वनि-परिवर्तन’क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) मैथिलीक पुरान आधार बुझबामे मागधी प्राकृतक परम्परा महत्त्वपूर्ण मानल जाइत अछि

(B) मैथिली भारोपीय भाषा-परिवारक भारत-आर्य शाखासँ सम्बन्धित भाषा अछि

(C) मैथिलीमे स्थानीय जीवन, कृषि, प्रकृति आ लोकसंस्कारसँ अनेक शब्द विकसित भेल

(D) समयक संग उच्चारण, स्वर, व्यंजन आ शब्दरूप बदलैत गेल

१९४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे ‘ध्वनि-परिवर्तन’क महत्त्व की अछि?

(A) समयक संग उच्चारण, स्वर, व्यंजन आ शब्दरूप बदलैत गेल

(B) अवहट्ठ मैथिली सहित पूर्वी नवभाषाक निकट पूर्वरूप मानल जाइत अछि

(C) प्राकृत, अपभ्रंश आ लोकभाषा बीच निरन्तर आदान-प्रदानसँ मैथिली विकसित भेल

(D) मैथिली पूर्वी भारतक आर्यभाषिक धरातलसँ विशेष निकटता रखैत अछि

१९५. ‘ध्वनि-परिवर्तन’ कैं मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) मैथिली भारतीय आर्यभाषाक ऐतिहासिक विकास-धारामे राखल जाइत अछि

(B) समयक संग उच्चारण, स्वर, व्यंजन आ शब्दरूप बदलैत गेल

(C) मैथिली शब्द-संपदा आ साहित्यिक शैली पर संस्कृतक गहिर प्रभाव रहल

(D) प्राकृतसँ नवभाषा धरि आबयमे अपभ्रंश मध्यवर्ती भाषा-चरण रहल

१९६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल ‘ध्वनि-परिवर्तन’ ककर संकेत करैत अछि?

(A) प्राकृत, अपभ्रंश आ लोकभाषा बीच निरन्तर आदान-प्रदानसँ मैथिली विकसित भेल

(B) मैथिली पूर्वी भारतक आर्यभाषिक धरातलसँ विशेष निकटता रखैत अछि

(C) अवहट्ठ मैथिली सहित पूर्वी नवभाषाक निकट पूर्वरूप मानल जाइत अछि

(D) समयक संग उच्चारण, स्वर, व्यंजन आ शब्दरूप बदलैत गेल

१९७. ‘ध्वनि-परिवर्तन’ पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) मैथिलीमे स्थानीय जीवन, कृषि, प्रकृति आ लोकसंस्कारसँ अनेक शब्द विकसित भेल

(B) समयक संग उच्चारण, स्वर, व्यंजन आ शब्दरूप बदलैत गेल

(C) मैथिलीक पुरान आधार बुझबामे मागधी प्राकृतक परम्परा महत्त्वपूर्ण मानल जाइत अछि

(D) मैथिली भारोपीय भाषा-परिवारक भारत-आर्य शाखासँ सम्बन्धित भाषा अछि

१९८. मैथिली भाषाक कालक्रममे ‘ध्वनि-परिवर्तन’ कैं कोना समझल जाय?

(A) समयक संग उच्चारण, स्वर, व्यंजन आ शब्दरूप बदलैत गेल

(B) मैथिली भारतीय आर्यभाषाक ऐतिहासिक विकास-धारामे राखल जाइत अछि

(C) प्राकृतसँ नवभाषा धरि आबयमे अपभ्रंश मध्यवर्ती भाषा-चरण रहल

(D) मैथिली शब्द-संपदा आ साहित्यिक शैली पर संस्कृतक गहिर प्रभाव रहल

१९९. निम्नमे सँ ‘ध्वनि-परिवर्तन’क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) प्राकृतसँ नवभाषा धरि आबयमे अपभ्रंश मध्यवर्ती भाषा-चरण रहल

(B) समयक संग उच्चारण, स्वर, व्यंजन आ शब्दरूप बदलैत गेल

(C) मैथिली शब्द-संपदा आ साहित्यिक शैली पर संस्कृतक गहिर प्रभाव रहल

(D) मैथिली भारतीय आर्यभाषाक ऐतिहासिक विकास-धारामे राखल जाइत अछि

२००. विद्यार्थी जँ ‘ध्वनि-परिवर्तन’ लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) समयक संग उच्चारण, स्वर, व्यंजन आ शब्दरूप बदलैत गेल

(B) प्राकृत, अपभ्रंश आ लोकभाषा बीच निरन्तर आदान-प्रदानसँ मैथिली विकसित भेल

(C) मैथिली पूर्वी भारतक आर्यभाषिक धरातलसँ विशेष निकटता रखैत अछि

(D) अवहट्ठ मैथिली सहित पूर्वी नवभाषाक निकट पूर्वरूप मानल जाइत अछि

२०१. ‘पाण्डुलिपि’ सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) मैथिली आरम्भिक कालमे केवल गीतक भाषा नहि, गद्य-वर्णनक भाषा सेहो बनल

(B) पञ्जी-परम्परा मैथिल समाज आ भाषा-दस्तावेजक अनोखा स्रोत अछि

(C) पुरान पाण्डुलिपि मैथिलीक लिखित इतिहास बुझबाक महत्त्वपूर्ण आधार अछि

(D) दानपत्र, लेख आ अभिलेख भाषिक इतिहासक सहायक प्रमाण बनैत अछि

२०२. जँ प्रश्न हो—‘पाण्डुलिपि’क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) मैथिली आरम्भिक कालमे केवल गीतक भाषा नहि, गद्य-वर्णनक भाषा सेहो बनल

(B) दानपत्र, लेख आ अभिलेख भाषिक इतिहासक सहायक प्रमाण बनैत अछि

(C) पुरान पाण्डुलिपि मैथिलीक लिखित इतिहास बुझबाक महत्त्वपूर्ण आधार अछि

(D) पञ्जी-परम्परा मैथिल समाज आ भाषा-दस्तावेजक अनोखा स्रोत अछि

२०३. ‘पाण्डुलिपि’क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) लिखित प्रमाणक संग लोकगीत सेहो भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि

(B) वर्णरत्नाकर मैथिली गद्य-परम्पराक प्राचीन महत्त्वपूर्ण कृति मानल जाइत अछि

(C) पुरान पाण्डुलिपि मैथिलीक लिखित इतिहास बुझबाक महत्त्वपूर्ण आधार अछि

(D) दानपत्र सभमे स्थान-नाम, व्यक्ति-नाम आ व्यवहारिक भाषा-रूप भेटि सकैत अछि

२०४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे ‘पाण्डुलिपि’क महत्त्व की अछि?

(A) दानपत्र सभमे स्थान-नाम, व्यक्ति-नाम आ व्यवहारिक भाषा-रूप भेटि सकैत अछि

(B) लिखित प्रमाणक संग लोकगीत सेहो भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि

(C) वर्णरत्नाकर मैथिली गद्य-परम्पराक प्राचीन महत्त्वपूर्ण कृति मानल जाइत अछि

(D) पुरान पाण्डुलिपि मैथिलीक लिखित इतिहास बुझबाक महत्त्वपूर्ण आधार अछि

२०५. ‘पाण्डुलिपि’ कैँ मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) वर्णरत्नाकर मैथिली गद्य-परम्पराक प्राचीन महत्त्वपूर्ण कृति मानल जाइत अछि

(B) लिखित प्रमाणक संग लोकगीत सेहो भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि

(C) पुरान पाण्डुलिपि मैथिलीक लिखित इतिहास बुझबाक महत्त्वपूर्ण आधार अछि

(D) दानपत्र सभमे स्थान-नाम, व्यक्ति-नाम आ व्यवहारिक भाषा-रूप भेटि सकैत अछि

२०६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल ‘पाण्डुलिपि’ ककर संकेत करैत अछि?

(A) दानपत्र सभमे स्थान-नाम, व्यक्ति-नाम आ व्यवहारिक भाषा-रूप भेटि सकैत अछि

(B) पुरान पाण्डुलिपि मैथिलीक लिखित इतिहास बुझबाक महत्त्वपूर्ण आधार अछि

(C) वर्णरत्नाकर मैथिली गद्य-परम्पराक प्राचीन महत्त्वपूर्ण कृति मानल जाइत अछि

(D) लिखित प्रमाणक संग लोकगीत सेहो भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि

२०७. ‘पाण्डुलिपि’ पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) पञ्जी-परम्परा मैथिल समाज आ भाषा-दस्तावेजक अनोखा स्रोत अछि

(B) मैथिली आरम्भिक कालमे केवल गीतक भाषा नहि, गद्य-वर्णनक भाषा सेहो बनल

(C) पुरान पाण्डुलिपि मैथिलीक लिखित इतिहास बुझबाक महत्त्वपूर्ण आधार अछि

(D) दानपत्र, लेख आ अभिलेख भाषिक इतिहासक सहायक प्रमाण बनैत अछि

२०८. मैथिली भाषाक कालक्रममे ‘पाण्डुलिपि’ कैँ कोना समझल जाय?

(A) वर्णरत्नाकर मैथिली गद्य-परम्पराक प्राचीन महत्त्वपूर्ण कृति मानल जाइत अछि

(B) लिखित प्रमाणक संग लोकगीत सेहो भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि

(C) पुरान पाण्डुलिपि मैथिलीक लिखित इतिहास बुझबाक महत्त्वपूर्ण आधार अछि

(D) दानपत्र सभमे स्थान-नाम, व्यक्ति-नाम आ व्यवहारिक भाषा-रूप भेटि सकैत अछि

२०९. निम्नमे सँ ‘पाण्डुलिपि’क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) मैथिली आरम्भिक कालमे केवल गीतक भाषा नहि, गद्य-वर्णनक भाषा सेहो बनल

(B) दानपत्र, लेख आ अभिलेख भाषिक इतिहासक सहायक प्रमाण बनैत अछि

(C) पुरान पाण्डुलिपि मैथिलीक लिखित इतिहास बुझबाक महत्त्वपूर्ण आधार अछि

(D) पञ्जी-परम्परा मैथिल समाज आ भाषा-दस्तावेजक अनोखा स्रोत अछि

२१०. विद्यार्थी जँ ‘पाण्डुलिपि’ लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) दानपत्र, लेख आ अभिलेख भाषिक इतिहासक सहायक प्रमाण बनैत अछि

(B) मैथिली आरम्भिक कालमे केवल गीतक भाषा नहि, गद्य-वर्णनक भाषा सेहो बनल

(C) पुरान पाण्डुलिपि मैथिलीक लिखित इतिहास बुझबाक महत्त्वपूर्ण आधार अछि

(D) पञ्जी-परम्परा मैथिल समाज आ भाषा-दस्तावेजक अनोखा स्रोत अछि

२११. ‘अभिलेख’ सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) दानपत्र, लेख आ अभिलेख भाषिक इतिहासक सहायक प्रमाण बनैत अछि

(B) पुरान मैथिली लेखनमे तिरहुता लिपिक विशेष स्थान रहल

(C) ज्योतिरीश्वर ठाकुर मैथिली गद्यक आरम्भिक इतिहासमे केन्द्रीय नाम छथि

(D) मौखिक कथा, गीत आ कहावत लिखित इतिहासक पूरक स्रोत अछि

२१२. जँ प्रश्न हो—‘अभिलेख’क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) वर्णरत्नाकर मैथिली गद्य-परम्पराक प्राचीन महत्त्वपूर्ण कृति मानल जाइत अछि

(B) दानपत्र, लेख आ अभिलेख भाषिक इतिहासक सहायक प्रमाण बनैत अछि

(C) दानपत्र सभमे स्थान-नाम, व्यक्ति-नाम आ व्यवहारिक भाषा-रूप भेटि सकैत अछि

(D) लिखित प्रमाणक संग लोकगीत सेहो भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि

२१३. ‘अभिलेख’क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) दानपत्र, लेख आ अभिलेख भाषिक इतिहासक सहायक प्रमाण बनैत अछि

(B) पुरान पाण्डुलिपि मैथिलीक लिखित इतिहास बुझबाक महत्त्वपूर्ण आधार अछि

(C) पञ्जी-परम्परा मैथिल समाज आ भाषा-दस्तावेजक अनोखा स्रोत अछि

(D) मैथिली आरम्भिक कालमे केवल गीतक भाषा नहि, गद्य-वर्णनक भाषा सेहो बनल

२१४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे ‘अभिलेख’क महत्त्व की अछि?

(A) दानपत्र, लेख आ अभिलेख भाषिक इतिहासक सहायक प्रमाण बनैत अछि

(B) मौखिक कथा, गीत आ कहावत लिखित इतिहासक पूरक स्रोत अछि

(C) ज्योतिरीश्वर ठाकुर मैथिली गद्यक आरम्भिक इतिहासमे केन्द्रीय नाम छथि

(D) पुरान मैथिली लेखनमे तिरहुता लिपिक विशेष स्थान रहल

२१५. ‘अभिलेख’ कैँ मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) लिखित प्रमाणक संग लोकगीत सेहो भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि

(B) दानपत्र, लेख आ अभिलेख भाषिक इतिहासक सहायक प्रमाण बनैत अछि

(C) वर्णरत्नाकर मैथिली गद्य-परम्पराक प्राचीन महत्त्वपूर्ण कृति मानल जाइत अछि

(D) दानपत्र सभमे स्थान-नाम, व्यक्ति-नाम आ व्यवहारिक भाषा-रूप भेटि सकैत अछि

२१६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल ‘अभिलेख’ ककर संकेत करैत अछि?

(A) पुरान पाण्डुलिपि मैथिलीक लिखित इतिहास बुझबाक महत्त्वपूर्ण आधार अछि

(B) मैथिली आरम्भिक कालमे केवल गीतक भाषा नहि, गद्य-वर्णनक भाषा सेहो बनल

(C) दानपत्र, लेख आ अभिलेख भाषिक इतिहासक सहायक प्रमाण बनैत अछि

(D) पञ्जी-परम्परा मैथिल समाज आ भाषा-दस्तावेजक अनोखा स्रोत अछि

२१७. ‘अभिलेख’ पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) दानपत्र सभमे स्थान-नाम, व्यक्ति-नाम आ व्यवहारिक भाषा-रूप भेटि सकैत अछि

(B) दानपत्र, लेख आ अभिलेख भाषिक इतिहासक सहायक प्रमाण बनैत अछि

(C) लिखित प्रमाणक संग लोकगीत सेहो भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि

(D) वर्णरत्नाकर मैथिली गद्य-परम्पराक प्राचीन महत्त्वपूर्ण कृति मानल जाइत अछि

२१८. मैथिली भाषाक कालक्रममे ‘अभिलेख’ कैँ कोना समझल जाय?

(A) पञ्जी-परम्परा मैथिल समाज आ भाषा-दस्तावेजक अनोखा स्रोत अछि

(B) दानपत्र, लेख आ अभिलेख भाषिक इतिहासक सहायक प्रमाण बनैत अछि

(C) पुरान पाण्डुलिपि मैथिलीक लिखित इतिहास बुझबाक महत्त्वपूर्ण आधार अछि

(D) मैथिली आरम्भिक कालमे केवल गीतक भाषा नहि, गद्य-वर्णनक भाषा सेहो बनल

२१९. निम्नमे सँ ‘अभिलेख’क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) मौखिक कथा, गीत आ कहावत लिखित इतिहासक पूरक स्रोत अछि

(B) दानपत्र, लेख आ अभिलेख भाषिक इतिहासक सहायक प्रमाण बनैत अछि

(C) पुरान मैथिली लेखनमे तिरहुता लिपिक विशेष स्थान रहल

(D) ज्योतिरीश्वर ठाकुर मैथिली गद्यक आरम्भिक इतिहासमे केन्द्रीय नाम छथि

२२०. विद्यार्थी जँ ‘अभिलेख’ लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) दानपत्र सभमे स्थान-नाम, व्यक्ति-नाम आ व्यवहारिक भाषा-रूप भेटि सकैत अछि

(B) दानपत्र, लेख आ अभिलेख भाषिक इतिहासक सहायक प्रमाण बनैत अछि

(C) लिखित प्रमाणक संग लोकगीत सेहो भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि

(D) वर्णरत्नाकर मैथिली गद्य-परम्पराक प्राचीन महत्त्वपूर्ण कृति मानल जाइत अछि

२२१. ‘वर्णरत्नाकर’ सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) पुरान मैथिली लेखनमे तिरहुता लिपिक विशेष स्थान रहल

(B) मौखिक कथा, गीत आ कहावत लिखित इतिहासक पूरक स्रोत अछि

(C) ज्योतिरीश्वर ठाकुर मैथिली गद्यक आरम्भिक इतिहासमे केन्द्रीय नाम छथि

(D) वर्णरत्नाकर मैथिली गद्य-परम्पराक प्राचीन महत्त्वपूर्ण कृति मानल जाइत अछि

२२२. जँ प्रश्न हो—‘वर्णरत्नाकर’क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) वर्णरत्नाकर मैथिली गद्य-परम्पराक प्राचीन महत्त्वपूर्ण कृति मानल जाइत अछि

(B) पुरान मैथिली लेखनमे तिरहुता लिपिक विशेष स्थान रहल

(C) ज्योतिरीश्वर ठाकुर मैथिली गद्यक आरम्भिक इतिहासमे केन्द्रीय नाम छथि

(D) मौखिक कथा, गीत आ कहावत लिखित इतिहासक पूरक स्रोत अछि

२२३. ‘वर्णरत्नाकर’क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) वर्णरत्नाकर मैथिली गद्य-परम्पराक प्राचीन महत्त्वपूर्ण कृति मानल जाइत अछि

(B) ज्योतिरीश्वर ठाकुर मैथिली गद्यक आरम्भिक इतिहासमे केन्द्रीय नाम छथि

(C) मौखिक कथा, गीत आ कहावत लिखित इतिहासक पूरक स्रोत अछि

(D) पुरान मैथिली लेखनमे तिरहुता लिपिक विशेष स्थान रहल

२२४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे ‘वर्णरत्नाकर’क महत्त्व की अछि?

(A) वर्णरत्नाकर मैथिली गद्य-परम्पराक प्राचीन महत्त्वपूर्ण कृति मानल जाइत अछि

(B) पुरान पाण्डुलिपि मैथिलीक लिखित इतिहास बुझबाक महत्त्वपूर्ण आधार अछि

(C) पञ्जी-परम्परा मैथिल समाज आ भाषा-दस्तावेजक अनोखा स्रोत अछि

(D) मैथिली आरम्भिक कालमे केवल गीतक भाषा नहि, गद्य-वर्णनक भाषा सेहो बनल

२२५. ‘वर्णरत्नाकर’ कैँ मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) वर्णरत्नाकर मैथिली गद्य-परम्पराक प्राचीन महत्त्वपूर्ण कृति मानल जाइत अछि

(B) दानपत्र, लेख आ अभिलेख भाषिक इतिहासक सहायक प्रमाण बनैत अछि

(C) दानपत्र सभमे स्थान-नाम, व्यक्ति-नाम आ व्यवहारिक भाषा-रूप भेटि सकैत अछि

(D) लिखित प्रमाणक संग लोकगीत सेहो भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि

२२६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल ‘वर्णरत्नाकर’ ककर संकेत करैत अछि?

(A) वर्णरत्नाकर मैथिली गद्य-परम्पराक प्राचीन महत्त्वपूर्ण कृति मानल जाइत अछि

(B) मैथिली आरम्भिक कालमे केवल गीतक भाषा नहि, गद्य-वर्णनक भाषा सेहो बनल

(C) पञ्जी-परम्परा मैथिल समाज आ भाषा-दस्तावेजक अनोखा स्रोत अछि

(D) पुरान पाण्डुलिपि मैथिलीक लिखित इतिहास बुझबाक महत्त्वपूर्ण आधार अछि

२२७. ‘वर्णरत्नाकर’ पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) वर्णरत्नाकर मैथिली गद्य-परम्पराक प्राचीन महत्त्वपूर्ण कृति मानल जाइत अछि

(B) दानपत्र सभमे स्थान-नाम, व्यक्ति-नाम आ व्यवहारिक भाषा-रूप भेटि सकैत अछि

(C) लिखित प्रमाणक संग लोकगीत सेहो भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि

(D) दानपत्र, लेख आ अभिलेख भाषिक इतिहासक सहायक प्रमाण बनैत अछि

२२८. मैथिली भाषाक कालक्रममे ‘वर्णरत्नाकर’ कैँ कोना समझल जाय?

(A) वर्णरत्नाकर मैथिली गद्य-परम्पराक प्राचीन महत्त्वपूर्ण कृति मानल जाइत अछि

(B) दानपत्र सभमे स्थान-नाम, व्यक्ति-नाम आ व्यवहारिक भाषा-रूप भेटि सकैत अछि

(C) लिखित प्रमाणक संग लोकगीत सेहो भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि

(D) दानपत्र, लेख आ अभिलेख भाषिक इतिहासक सहायक प्रमाण बनैत अछि

२२९. निम्नमे सँ ‘वर्णरत्नाकर’क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) पुरान मैथिली लेखनमे तिरहुता लिपिक विशेष स्थान रहल

(B) वर्णरत्नाकर मैथिली गद्य-परम्पराक प्राचीन महत्त्वपूर्ण कृति मानल जाइत अछि

(C) मौखिक कथा, गीत आ कहावत लिखित इतिहासक पूरक स्रोत अछि

(D) ज्योतिरीश्वर ठाकुर मैथिली गद्यक आरम्भिक इतिहासमे केन्द्रीय नाम छथि

२३०. विद्यार्थी जँ ‘वर्णरत्नाकर’ लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) वर्णरत्नाकर मैथिली गद्य-परम्पराक प्राचीन महत्त्वपूर्ण कृति मानल जाइत अछि

(B) पञ्जी-परम्परा मैथिल समाज आ भाषा-दस्तावेजक अनोखा स्रोत अछि

(C) पुरान पाण्डुलिपि मैथिलीक लिखित इतिहास बुझबाक महत्त्वपूर्ण आधार अछि

(D) मैथिली आरम्भिक कालमे केवल गीतक भाषा नहि, गद्य-वर्णनक भाषा सेहो बनल

२३१. ‘ज्योतिरीश्वर’ सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) दानपत्र, लेख आ अभिलेख भाषिक इतिहासक सहायक प्रमाण बनैत अछि

(B) ज्योतिरीश्वर ठाकुर मैथिली गद्यक आरम्भिक इतिहासमे केन्द्रीय नाम छथि

(C) दानपत्र सभमे स्थान-नाम, व्यक्ति-नाम आ व्यवहारिक भाषा-रूप भेटि सकैत अछि

(D) लिखित प्रमाणक संग लोकगीत सेहो भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि

२३२. जँ प्रश्न हो—‘ज्योतिरीश्वर’क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) पुरान मैथिली लेखनमे तिरहुता लिपिक विशेष स्थान रहल

(B) वर्णरत्नाकर मैथिली गद्य-परम्पराक प्राचीन महत्त्वपूर्ण कृति मानल जाइत अछि

(C) मौखिक कथा, गीत आ कहावत लिखित इतिहासक पूरक स्रोत अछि

(D) ज्योतिरीश्वर ठाकुर मैथिली गद्यक आरम्भिक इतिहासमे केन्द्रीय नाम छथि

२३३. ‘ज्योतिरीश्वर’क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) ज्योतिरीश्वर ठाकुर मैथिली गद्यक आरम्भिक इतिहासमे केन्द्रीय नाम छथि

(B) पुरान मैथिली लेखनमे तिरहुता लिपिक विशेष स्थान रहल

(C) वर्णरत्नाकर मैथिली गद्य-परम्पराक प्राचीन महत्त्वपूर्ण कृति मानल जाइत अछि

(D) मौखिक कथा, गीत आ कहावत लिखित इतिहासक पूरक स्रोत अछि

२३४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे ‘ज्योतिरीश्वर’क महत्त्व की अछि?

(A) ज्योतिरीश्वर ठाकुर मैथिली गद्यक आरम्भिक इतिहासमे केन्द्रीय नाम छथि

(B) दानपत्र, लेख आ अभिलेख भाषिक इतिहासक सहायक प्रमाण बनैत अछि

(C) दानपत्र सभमे स्थान-नाम, व्यक्ति-नाम आ व्यवहारिक भाषा-रूप भेटि सकैत अछि

(D) लिखित प्रमाणक संग लोकगीत सेहो भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि

२३५. ‘ज्योतिरीश्वर’ कैँ मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) लिखित प्रमाणक संग लोकगीत सेहो भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि

(B) दानपत्र, लेख आ अभिलेख भाषिक इतिहासक सहायक प्रमाण बनैत अछि

(C) ज्योतिरीश्वर ठाकुर मैथिली गद्यक आरम्भिक इतिहासमे केन्द्रीय नाम छथि

(D) दानपत्र सभमे स्थान-नाम, व्यक्ति-नाम आ व्यवहारिक भाषा-रूप भेटि सकैत अछि

२३६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल ‘ज्योतिरीश्वर’ ककर संकेत करैत अछि?

(A) लिखित प्रमाणक संग लोकगीत सेहो भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि

(B) ज्योतिरीश्वर ठाकुर मैथिली गद्यक आरम्भिक इतिहासमे केन्द्रीय नाम छथि

(C) दानपत्र, लेख आ अभिलेख भाषिक इतिहासक सहायक प्रमाण बनैत अछि

(D) दानपत्र सभमे स्थान-नाम, व्यक्ति-नाम आ व्यवहारिक भाषा-रूप भेटि सकैत अछि

२३७. ‘ज्योतिरीश्वर’ पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) लिखित प्रमाणक संग लोकगीत सेहो भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि

(B) दानपत्र, लेख आ अभिलेख भाषिक इतिहासक सहायक प्रमाण बनैत अछि

(C) ज्योतिरीश्वर ठाकुर मैथिली गद्यक आरम्भिक इतिहासमे केन्द्रीय नाम छथि

(D) दानपत्र सभमे स्थान-नाम, व्यक्ति-नाम आ व्यवहारिक भाषा-रूप भेटि सकैत अछि

२३८. मैथिली भाषाक कालक्रममे ‘ज्योतिरीश्वर’ कैँ कोना समझल जाय?

(A) वर्णरत्नाकर मैथिली गद्य-परम्पराक प्राचीन महत्त्वपूर्ण कृति मानल जाइत अछि

(B) पुरान मैथिली लेखनमे तिरहुता लिपिक विशेष स्थान रहल

(C) ज्योतिरीश्वर ठाकुर मैथिली गद्यक आरम्भिक इतिहासमे केन्द्रीय नाम छथि

(D) मौखिक कथा, गीत आ कहावत लिखित इतिहासक पूरक स्रोत अछि

२३९. निम्नमे सँ ‘ज्योतिरीश्वर’क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) मौखिक कथा, गीत आ कहावत लिखित इतिहासक पूरक स्रोत अछि

(B) वर्णरत्नाकर मैथिली गद्य-परम्पराक प्राचीन महत्त्वपूर्ण कृति मानल जाइत अछि

(C) पुरान मैथिली लेखनमे तिरहुता लिपिक विशेष स्थान रहल

(D) ज्योतिरीश्वर ठाकुर मैथिली गद्यक आरम्भिक इतिहासमे केन्द्रीय नाम छथि

२४०. विद्यार्थी जँ ‘ज्योतिरीश्वर’ लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) ज्योतिरीश्वर ठाकुर मैथिली गद्यक आरम्भिक इतिहासमे केन्द्रीय नाम छथि

(B) वर्णरत्नाकर मैथिली गद्य-परम्पराक प्राचीन महत्त्वपूर्ण कृति मानल जाइत अछि

(C) पुरान मैथिली लेखनमे तिरहुता लिपिक विशेष स्थान रहल

(D) मौखिक कथा, गीत आ कहावत लिखित इतिहासक पूरक स्रोत अछि

२४१. ‘आरम्भिक गद्य’ सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) मैथिली आरम्भिक कालमे केवल गीतक भाषा नहि, गद्य-वर्णनक भाषा सेहो बनल

(B) लिखित प्रमाणक संग लोकगीत सेहो भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि

(C) दानपत्र सभमे स्थान-नाम, व्यक्ति-नाम आ व्यवहारिक भाषा-रूप भेटि सकैत अछि

(D) दानपत्र, लेख आ अभिलेख भाषिक इतिहासक सहायक प्रमाण बनैत अछि

२४२. जँ प्रश्न हो—‘आरम्भिक गद्य’क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) ज्योतिरीश्वर ठाकुर मैथिली गद्यक आरम्भिक इतिहासमे केन्द्रीय नाम छथि

(B) पञ्जी-परम्परा मैथिल समाज आ भाषा-दस्तावेजक अनोखा स्रोत अछि

(C) पुरान पाण्डुलिपि मैथिलीक लिखित इतिहास बुझबाक महत्त्वपूर्ण आधार अछि

(D) मैथिली आरम्भिक कालमे केवल गीतक भाषा नहि, गद्य-वर्णनक भाषा सेहो बनल

२४३. ‘आरम्भिक गद्य’क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) पञ्जी-परम्परा मैथिल समाज आ भाषा-दस्तावेजक अनोखा स्रोत अछि

(B) ज्योतिरीश्वर ठाकुर मैथिली गद्यक आरम्भिक इतिहासमे केन्द्रीय नाम छथि

(C) मैथिली आरम्भिक कालमे केवल गीतक भाषा नहि, गद्य-वर्णनक भाषा सेहो बनल

(D) पुरान पाण्डुलिपि मैथिलीक लिखित इतिहास बुझबाक महत्त्वपूर्ण आधार अछि

२४४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे ‘आरम्भिक गद्य’क महत्त्व की अछि?

(A) पञ्जी-परम्परा मैथिल समाज आ भाषा-दस्तावेजक अनोखा स्रोत अछि

(B) मैथिली आरम्भिक कालमे केवल गीतक भाषा नहि, गद्य-वर्णनक भाषा सेहो बनल

(C) पुरान पाण्डुलिपि मैथिलीक लिखित इतिहास बुझबाक महत्त्वपूर्ण आधार अछि

(D) ज्योतिरीश्वर ठाकुर मैथिली गद्यक आरम्भिक इतिहासमे केन्द्रीय नाम छथि

२४५. ‘आरम्भिक गद्य’ कैँ मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) मैथिली आरम्भिक कालमे केवल गीतक भाषा नहि, गद्य-वर्णनक भाषा सेहो बनल

(B) वर्णरत्नाकर मैथिली गद्य-परम्पराक प्राचीन महत्त्वपूर्ण कृति मानल जाइत अछि

(C) पुरान मैथिली लेखनमे तिरहुता लिपिक विशेष स्थान रहल

(D) मौखिक कथा, गीत आ कहावत लिखित इतिहासक पूरक स्रोत अछि

२४६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल ‘आरम्भिक गद्य’ ककर संकेत करैत अछि?

(A) पुरान मैथिली लेखनमे तिरहुता लिपिक विशेष स्थान रहल

(B) मैथिली आरम्भिक कालमे केवल गीतक भाषा नहि, गद्य-वर्णनक भाषा सेहो बनल

(C) वर्णरत्नाकर मैथिली गद्य-परम्पराक प्राचीन महत्त्वपूर्ण कृति मानल जाइत अछि

(D) मौखिक कथा, गीत आ कहावत लिखित इतिहासक पूरक स्रोत अछि

२४७. ‘आरम्भिक गद्य’ पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) वर्णरत्नाकर मैथिली गद्य-परम्पराक प्राचीन महत्त्वपूर्ण कृति मानल जाइत अछि

(B) पुरान मैथिली लेखनमे तिरहुता लिपिक विशेष स्थान रहल

(C) मैथिली आरम्भिक कालमे केवल गीतक भाषा नहि, गद्य-वर्णनक भाषा सेहो बनल

(D) मौखिक कथा, गीत आ कहावत लिखित इतिहासक पूरक स्रोत अछि

२४८. मैथिली भाषाक कालक्रममे ‘आरम्भिक गद्य’ कैँ कोना समझल जाय?

(A) ज्योतिरीश्वर ठाकुर मैथिली गद्यक आरम्भिक इतिहासमे केन्द्रीय नाम छथि

(B) पुरान पाण्डुलिपि मैथिलीक लिखित इतिहास बुझबाक महत्त्वपूर्ण आधार अछि

(C) मैथिली आरम्भिक कालमे केवल गीतक भाषा नहि, गद्य-वर्णनक भाषा सेहो बनल

(D) पञ्जी-परम्परा मैथिल समाज आ भाषा-दस्तावेजक अनोखा स्रोत अछि

२४९. निम्नमे सँ 'आरम्भिक गद्य'क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) पुरान मैथिली लेखनमे तिरहुता लिपिक विशेष स्थान रहल

(B) मौखिक कथा, गीत आ कहावत लिखित इतिहासक पूरक स्रोत अछि

(C) मैथिली आरम्भिक कालमे केवल गीतक भाषा नहि, गद्य-वर्णनक भाषा सेहो बनल

(D) वर्णरत्नाकर मैथिली गद्य-परम्पराक प्राचीन महत्त्वपूर्ण कृति मानल जाइत अछि

२५०. विद्यार्थी जँ 'आरम्भिक गद्य' लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) मैथिली आरम्भिक कालमे केवल गीतक भाषा नहि, गद्य-वर्णनक भाषा सेहो बनल

(B) दानपत्र, लेख आ अभिलेख भाषिक इतिहासक सहायक प्रमाण बनैत अछि

(C) दानपत्र सभमे स्थान-नाम, व्यक्ति-नाम आ व्यवहारिक भाषा-रूप भेटि सकैत अछि

(D) लिखित प्रमाणक संग लोकगीत सेहो भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि

२५१. 'लोकगीत' सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) दानपत्र सभमे स्थान-नाम, व्यक्ति-नाम आ व्यवहारिक भाषा-रूप भेटि सकैत अछि

(B) लिखित प्रमाणक संग लोकगीत सेहो भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि

(C) दानपत्र, लेख आ अभिलेख भाषिक इतिहासक सहायक प्रमाण बनैत अछि

(D) मैथिली आरम्भिक कालमे केवल गीतक भाषा नहि, गद्य-वर्णनक भाषा सेहो बनल

२५२. जँ प्रश्न हो—'लोकगीत'क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) दानपत्र सभमे स्थान-नाम, व्यक्ति-नाम आ व्यवहारिक भाषा-रूप भेटि सकैत अछि

(B) मैथिली आरम्भिक कालमे केवल गीतक भाषा नहि, गद्य-वर्णनक भाषा सेहो बनल

(C) दानपत्र, लेख आ अभिलेख भाषिक इतिहासक सहायक प्रमाण बनैत अछि

(D) लिखित प्रमाणक संग लोकगीत सेहो भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि

२५३. 'लोकगीत'क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) पुरान पाण्डुलिपि मैथिलीक लिखित इतिहास बुझबाक महत्त्वपूर्ण आधार अछि

(B) पञ्जी-परम्परा मैथिल समाज आ भाषा-दस्तावेजक अनोखा स्रोत अछि

(C) ज्योतिरीश्वर ठाकुर मैथिली गद्यक आरम्भिक इतिहासमे केन्द्रीय नाम छथि

(D) लिखित प्रमाणक संग लोकगीत सेहो भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि

२५४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे 'लोकगीत'क महत्त्व की अछि?

(A) दानपत्र, लेख आ अभिलेख भाषिक इतिहासक सहायक प्रमाण बनैत अछि

(B) मैथिली आरम्भिक कालमे केवल गीतक भाषा नहि, गद्य-वर्णनक भाषा सेहो बनल

(C) दानपत्र सभमे स्थान-नाम, व्यक्ति-नाम आ व्यवहारिक भाषा-रूप भेटि सकैत अछि

(D) लिखित प्रमाणक संग लोकगीत सेहो भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि

२५५. 'लोकगीत' कैँ मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) पुरान पाण्डुलिपि मैथिलीक लिखित इतिहास बुझबाक महत्त्वपूर्ण आधार अछि

(B) लिखित प्रमाणक संग लोकगीत सेहो भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि

(C) पञ्जी-परम्परा मैथिल समाज आ भाषा-दस्तावेजक अनोखा स्रोत अछि

(D) ज्योतिरीश्वर ठाकुर मैथिली गद्यक आरम्भिक इतिहासमे केन्द्रीय नाम छथि

२५६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल 'लोकगीत' ककर संकेत करैत अछि?

(A) ज्योतिरीश्वर ठाकुर मैथिली गद्यक आरम्भिक इतिहासमे केन्द्रीय नाम छथि

(B) लिखित प्रमाणक संग लोकगीत सेहो भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि

(C) पञ्जी-परम्परा मैथिल समाज आ भाषा-दस्तावेजक अनोखा स्रोत अछि

(D) पुरान पाण्डुलिपि मैथिलीक लिखित इतिहास बुझबाक महत्त्वपूर्ण आधार अछि

२५७. ‘लोकगीत’ पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) पञ्जी-परम्परा मैथिल समाज आ भाषा-दस्तावेजक अनोखा स्रोत अछि

(B) लिखित प्रमाणक संग लोकगीत सेहो भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि

(C) पुरान पाण्डुलिपि मैथिलीक लिखित इतिहास बुझबाक महत्त्वपूर्ण आधार अछि

(D) ज्योतिरीश्वर ठाकुर मैथिली गद्यक आरम्भिक इतिहासमे केन्द्रीय नाम छथि

२५८. मैथिली भाषाक कालक्रममे ‘लोकगीत’ कैँ कोना समझल जाय?

(A) दानपत्र सभमे स्थान-नाम, व्यक्ति-नाम आ व्यवहारिक भाषा-रूप भेटि सकैत अछि

(B) दानपत्र, लेख आ अभिलेख भाषिक इतिहासक सहायक प्रमाण बनैत अछि

(C) लिखित प्रमाणक संग लोकगीत सेहो भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि

(D) मैथिली आरम्भिक कालमे केवल गीतक भाषा नहि, गद्य-वर्णनक भाषा सेहो बनल

२५९. निम्नमे सँ ‘लोकगीत’क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) वर्णरत्नाकर मैथिली गद्य-परम्पराक प्राचीन महत्त्वपूर्ण कृति मानल जाइत अछि

(B) लिखित प्रमाणक संग लोकगीत सेहो भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि

(C) मौखिक कथा, गीत आ कहावत लिखित इतिहासक पूरक स्रोत अछि

(D) पुरान मैथिली लेखनमे तिरहुता लिपिक विशेष स्थान रहल

२६०. विद्यार्थी जँ ‘लोकगीत’ लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) पुरान पाण्डुलिपि मैथिलीक लिखित इतिहास बुझबाक महत्त्वपूर्ण आधार अछि

(B) ज्योतिरीश्वर ठाकुर मैथिली गद्यक आरम्भिक इतिहासमे केन्द्रीय नाम छथि

(C) लिखित प्रमाणक संग लोकगीत सेहो भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि

(D) पञ्जी-परम्परा मैथिल समाज आ भाषा-दस्तावेजक अनोखा स्रोत अछि

२६१. ‘तिरहुता लिपि’ सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) पञ्जी-परम्परा मैथिल समाज आ भाषा-दस्तावेजक अनोखा स्रोत अछि

(B) पुरान पाण्डुलिपि मैथिलीक लिखित इतिहास बुझबाक महत्त्वपूर्ण आधार अछि

(C) पुरान मैथिली लेखनमे तिरहुता लिपिक विशेष स्थान रहल

(D) ज्योतिरीश्वर ठाकुर मैथिली गद्यक आरम्भिक इतिहासमे केन्द्रीय नाम छथि

२६२. जँ प्रश्न हो—‘तिरहुता लिपि’क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) ज्योतिरीश्वर ठाकुर मैथिली गद्यक आरम्भिक इतिहासमे केन्द्रीय नाम छथि

(B) पञ्जी-परम्परा मैथिल समाज आ भाषा-दस्तावेजक अनोखा स्रोत अछि

(C) पुरान मैथिली लेखनमे तिरहुता लिपिक विशेष स्थान रहल

(D) पुरान पाण्डुलिपि मैथिलीक लिखित इतिहास बुझबाक महत्त्वपूर्ण आधार अछि

२६३. ‘तिरहुता लिपि’क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) वर्णरत्नाकर मैथिली गद्य-परम्पराक प्राचीन महत्त्वपूर्ण कृति मानल जाइत अछि

(B) मौखिक कथा, गीत आ कहावत लिखित इतिहासक पूरक स्रोत अछि

(C) पुरान मैथिली लेखनमे तिरहुता लिपिक विशेष स्थान रहल

(D) लिखित प्रमाणक संग लोकगीत सेहो भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि

२६४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे ‘तिरहुता लिपि’क महत्त्व की अछि?

(A) पञ्जी-परम्परा मैथिल समाज आ भाषा-दस्तावेजक अनोखा स्रोत अछि

(B) पुरान मैथिली लेखनमे तिरहुता लिपिक विशेष स्थान रहल

(C) ज्योतिरीश्वर ठाकुर मैथिली गद्यक आरम्भिक इतिहासमे केन्द्रीय नाम छथि

(D) पुरान पाण्डुलिपि मैथिलीक लिखित इतिहास बुझबाक महत्त्वपूर्ण आधार अछि

२६५. ‘तिरहुता लिपि’ कैँ मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) दानपत्र, लेख आ अभिलेख भाषिक इतिहासक सहायक प्रमाण बनैत अछि

(B) दानपत्र सभमे स्थान-नाम, व्यक्ति-नाम आ व्यवहारिक भाषा-रूप भेटि सकैत अछि

(C) मैथिली आरम्भिक कालमे केवल गीतक भाषा नहि, गद्य-वर्णनक भाषा सेहो बनल

(D) पुरान मैथिली लेखनमे तिरहुता लिपिक विशेष स्थान रहल

२६६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल ‘तिरहुता लिपि’ ककर संकेत करैत अछि?

(A) दानपत्र सभमे स्थान-नाम, व्यक्ति-नाम आ व्यवहारिक भाषा-रूप भेटि सकैत अछि

(B) पुरान मैथिली लेखनमे तिरहुता लिपिक विशेष स्थान रहल

(C) दानपत्र, लेख आ अभिलेख भाषिक इतिहासक सहायक प्रमाण बनैत अछि

(D) मैथिली आरम्भिक कालमे केवल गीतक भाषा नहि, गद्य-वर्णनक भाषा सेहो बनल

२६७. ‘तिरहुता लिपि’ पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) दानपत्र, लेख आ अभिलेख भाषिक इतिहासक सहायक प्रमाण बनैत अछि

(B) पुरान मैथिली लेखनमे तिरहुता लिपिक विशेष स्थान रहल

(C) मैथिली आरम्भिक कालमे केवल गीतक भाषा नहि, गद्य-वर्णनक भाषा सेहो बनल

(D) दानपत्र सभमे स्थान-नाम, व्यक्ति-नाम आ व्यवहारिक भाषा-रूप भेटि सकैत अछि

२६८. मैथिली भाषाक कालक्रममे ‘तिरहुता लिपि’ कैँ कोना समझल जाय?

(A) पुरान पाण्डुलिपि मैथिलीक लिखित इतिहास बुझबाक महत्त्वपूर्ण आधार अछि

(B) पञ्जी-परम्परा मैथिल समाज आ भाषा-दस्तावेजक अनोखा स्रोत अछि

(C) ज्योतिरीश्वर ठाकुर मैथिली गद्यक आरम्भिक इतिहासमे केन्द्रीय नाम छथि

(D) पुरान मैथिली लेखनमे तिरहुता लिपिक विशेष स्थान रहल

२६९. निम्नमे सँ ‘तिरहुता लिपि’क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) पुरान मैथिली लेखनमे तिरहुता लिपिक विशेष स्थान रहल

(B) ज्योतिरीश्वर ठाकुर मैथिली गद्यक आरम्भिक इतिहासमे केन्द्रीय नाम छथि

(C) पुरान पाण्डुलिपि मैथिलीक लिखित इतिहास बुझबाक महत्त्वपूर्ण आधार अछि

(D) पञ्जी-परम्परा मैथिल समाज आ भाषा-दस्तावेजक अनोखा स्रोत अछि

२७०. विद्यार्थी जँ ‘तिरहुता लिपि’ लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) ज्योतिरीश्वर ठाकुर मैथिली गद्यक आरम्भिक इतिहासमे केन्द्रीय नाम छथि

(B) पुरान पाण्डुलिपि मैथिलीक लिखित इतिहास बुझबाक महत्त्वपूर्ण आधार अछि

(C) पुरान मैथिली लेखनमे तिरहुता लिपिक विशेष स्थान रहल

(D) पञ्जी-परम्परा मैथिल समाज आ भाषा-दस्तावेजक अनोखा स्रोत अछि

२७१. ‘पञ्जी’ सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) दानपत्र सभमे स्थान-नाम, व्यक्ति-नाम आ व्यवहारिक भाषा-रूप भेटि सकैत अछि

(B) मैथिली आरम्भिक कालमे केवल गीतक भाषा नहि, गद्य-वर्णनक भाषा सेहो बनल

(C) पञ्जी-परम्परा मैथिल समाज आ भाषा-दस्तावेजक अनोखा स्रोत अछि

(D) दानपत्र, लेख आ अभिलेख भाषिक इतिहासक सहायक प्रमाण बनैत अछि

२७२. जँ प्रश्न हो—‘पञ्जी’क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) वर्णरत्नाकर मैथिली गद्य-परम्पराक प्राचीन महत्त्वपूर्ण कृति मानल जाइत अछि

(B) मौखिक कथा, गीत आ कहावत लिखित इतिहासक पूरक स्रोत अछि

(C) लिखित प्रमाणक संग लोकगीत सेहो भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि

(D) पञ्जी-परम्परा मैथिल समाज आ भाषा-दस्तावेजक अनोखा स्रोत अछि

२७३. ‘पञ्जी’क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) लिखित प्रमाणक संग लोकगीत सेहो भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि

(B) मौखिक कथा, गीत आ कहावत लिखित इतिहासक पूरक स्रोत अछि

(C) पञ्जी-परम्परा मैथिल समाज आ भाषा-दस्तावेजक अनोखा स्रोत अछि

(D) वर्णरत्नाकर मैथिली गद्य-परम्पराक प्राचीन महत्त्वपूर्ण कृति मानल जाइत अछि

२७४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे ‘पञ्जी’क महत्त्व की अछि?

(A) पञ्जी-परम्परा मैथिल समाज आ भाषा-दस्तावेजक अनोखा स्रोत अछि

(B) दानपत्र, लेख आ अभिलेख भाषिक इतिहासक सहायक प्रमाण बनैत अछि

(C) मैथिली आरम्भिक कालमे केवल गीतक भाषा नहि, गद्य-वर्णनक भाषा सेहो बनल

(D) दानपत्र सभमे स्थान-नाम, व्यक्ति-नाम आ व्यवहारिक भाषा-रूप भेटि सकैत अछि

२७५. ‘पञ्जी’ कैँ मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) पञ्जी-परम्परा मैथिल समाज आ भाषा-दस्तावेजक अनोखा स्रोत अछि

(B) ज्योतिरीश्वर ठाकुर मैथिली गद्यक आरम्भिक इतिहासमे केन्द्रीय नाम छथि

(C) पुरान पाण्डुलिपि मैथिलीक लिखित इतिहास बुझबाक महत्त्वपूर्ण आधार अछि

(D) पुरान मैथिली लेखनमे तिरहुता लिपिक विशेष स्थान रहल

२७६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल ‘पञ्जी’ ककर संकेत करैत अछि?

(A) पुरान पाण्डुलिपि मैथिलीक लिखित इतिहास बुझबाक महत्त्वपूर्ण आधार अछि

(B) पञ्जी-परम्परा मैथिल समाज आ भाषा-दस्तावेजक अनोखा स्रोत अछि

(C) ज्योतिरीश्वर ठाकुर मैथिली गद्यक आरम्भिक इतिहासमे केन्द्रीय नाम छथि

(D) पुरान मैथिली लेखनमे तिरहुता लिपिक विशेष स्थान रहल

२७७. ‘पञ्जी’ पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) पुरान मैथिली लेखनमे तिरहुता लिपिक विशेष स्थान रहल

(B) ज्योतिरीश्वर ठाकुर मैथिली गद्यक आरम्भिक इतिहासमे केन्द्रीय नाम छथि

(C) पञ्जी-परम्परा मैथिल समाज आ भाषा-दस्तावेजक अनोखा स्रोत अछि

(D) पुरान पाण्डुलिपि मैथिलीक लिखित इतिहास बुझबाक महत्त्वपूर्ण आधार अछि

२७८. मैथिली भाषाक कालक्रममे ‘पञ्जी’ कैँ कोना समझल जाय?

(A) पुरान पाण्डुलिपि मैथिलीक लिखित इतिहास बुझबाक महत्त्वपूर्ण आधार अछि

(B) पञ्जी-परम्परा मैथिल समाज आ भाषा-दस्तावेजक अनोखा स्रोत अछि

(C) पुरान मैथिली लेखनमे तिरहुता लिपिक विशेष स्थान रहल

(D) ज्योतिरीश्वर ठाकुर मैथिली गद्यक आरम्भिक इतिहासमे केन्द्रीय नाम छथि

२७९. निम्नमे सँ ‘पञ्जी’क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) पुरान पाण्डुलिपि मैथिलीक लिखित इतिहास बुझबाक महत्त्वपूर्ण आधार अछि

(B) पञ्जी-परम्परा मैथिल समाज आ भाषा-दस्तावेजक अनोखा स्रोत अछि

(C) पुरान मैथिली लेखनमे तिरहुता लिपिक विशेष स्थान रहल

(D) ज्योतिरीश्वर ठाकुर मैथिली गद्यक आरम्भिक इतिहासमे केन्द्रीय नाम छथि

२८०. विद्यार्थी जँ ‘पञ्जी’ लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) मैथिली आरम्भिक कालमे केवल गीतक भाषा नहि, गद्य-वर्णनक भाषा सेहो बनल

(B) दानपत्र सभमे स्थान-नाम, व्यक्ति-नाम आ व्यवहारिक भाषा-रूप भेटि सकैत अछि

(C) दानपत्र, लेख आ अभिलेख भाषिक इतिहासक सहायक प्रमाण बनैत अछि

(D) पञ्जी-परम्परा मैथिल समाज आ भाषा-दस्तावेजक अनोखा स्रोत अछि

२८१. ‘दानपत्र’ सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) वर्णरत्नाकर मैथिली गद्य-परम्पराक प्राचीन महत्त्वपूर्ण कृति मानल जाइत अछि

(B) दानपत्र सभमे स्थान-नाम, व्यक्ति-नाम आ व्यवहारिक भाषा-रूप भेटि सकैत अछि

(C) मौखिक कथा, गीत आ कहावत लिखित इतिहासक पूरक स्रोत अछि

(D) लिखित प्रमाणक संग लोकगीत सेहो भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि

२८२. जँ प्रश्न हो—‘दानपत्र’क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) दानपत्र सभमे स्थान-नाम, व्यक्ति-नाम आ व्यवहारिक भाषा-रूप भेटि सकैत अछि

(B) लिखित प्रमाणक संग लोकगीत सेहो भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि

(C) मौखिक कथा, गीत आ कहावत लिखित इतिहासक पूरक स्रोत अछि

(D) वर्णरत्नाकर मैथिली गद्य-परम्पराक प्राचीन महत्त्वपूर्ण कृति मानल जाइत अछि

२८३. ‘दानपत्र’क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) वर्णरत्नाकर मैथिली गद्य-परम्पराक प्राचीन महत्त्वपूर्ण कृति मानल जाइत अछि

(B) लिखित प्रमाणक संग लोकगीत सेहो भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि

(C) मौखिक कथा, गीत आ कहावत लिखित इतिहासक पूरक स्रोत अछि

(D) दानपत्र सभमे स्थान-नाम, व्यक्ति-नाम आ व्यवहारिक भाषा-रूप भेटि सकैत अछि

२८४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे ‘दानपत्र’क महत्त्व की अछि?

(A) मैथिली आरम्भिक कालमे केवल गीतक भाषा नहि, गद्य-वर्णनक भाषा सेहो बनल

(B) पञ्जी-परम्परा मैथिल समाज आ भाषा-दस्तावेजक अनोखा स्रोत अछि

(C) दानपत्र सभमे स्थान-नाम, व्यक्ति-नाम आ व्यवहारिक भाषा-रूप भेटि सकैत अछि

(D) दानपत्र, लेख आ अभिलेख भाषिक इतिहासक सहायक प्रमाण बनैत अछि

२८५. ‘दानपत्र’ कैँ मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) पञ्जी-परम्परा मैथिल समाज आ भाषा-दस्तावेजक अनोखा स्रोत अछि

(B) दानपत्र सभमे स्थान-नाम, व्यक्ति-नाम आ व्यवहारिक भाषा-रूप भेटि सकैत अछि

(C) दानपत्र, लेख आ अभिलेख भाषिक इतिहासक सहायक प्रमाण बनैत अछि

(D) मैथिली आरम्भिक कालमे केवल गीतक भाषा नहि, गद्य-वर्णनक भाषा सेहो बनल

२८६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल ‘दानपत्र’ ककर संकेत करैत अछि?

(A) दानपत्र सभमे स्थान-नाम, व्यक्ति-नाम आ व्यवहारिक भाषा-रूप भेटि सकैत अछि

(B) ज्योतिरीश्वर ठाकुर मैथिली गद्यक आरम्भिक इतिहासमे केन्द्रीय नाम छथि

(C) पुरान मैथिली लेखनमे तिरहुता लिपिक विशेष स्थान रहल

(D) पुरान पाण्डुलिपि मैथिलीक लिखित इतिहास बुझबाक महत्त्वपूर्ण आधार अछि

२८७. ‘दानपत्र’ पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) दानपत्र, लेख आ अभिलेख भाषिक इतिहासक सहायक प्रमाण बनैत अछि

(B) दानपत्र सभमे स्थान-नाम, व्यक्ति-नाम आ व्यवहारिक भाषा-रूप भेटि सकैत अछि

(C) पञ्जी-परम्परा मैथिल समाज आ भाषा-दस्तावेजक अनोखा स्रोत अछि

(D) मैथिली आरम्भिक कालमे केवल गीतक भाषा नहि, गद्य-वर्णनक भाषा सेहो बनल

२८८. मैथिली भाषाक कालक्रममे ‘दानपत्र’ कैँ कोना समझल जाय?

(A) दानपत्र सभमे स्थान-नाम, व्यक्ति-नाम आ व्यवहारिक भाषा-रूप भेटि सकैत अछि

(B) लिखित प्रमाणक संग लोकगीत सेहो भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि

(C) वर्णरत्नाकर मैथिली गद्य-परम्पराक प्राचीन महत्त्वपूर्ण कृति मानल जाइत अछि

(D) मौखिक कथा, गीत आ कहावत लिखित इतिहासक पूरक स्रोत अछि

२८९. निम्नमे सँ 'दानपत्र'क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) लिखित प्रमाणक संग लोकगीत सेहो भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि

(B) मौखिक कथा, गीत आ कहावत लिखित इतिहासक पूरक स्रोत अछि

(C) वर्णरत्नाकर मैथिली गद्य-परम्पराक प्राचीन महत्त्वपूर्ण कृति मानल जाइत अछि

(D) दानपत्र सभमे स्थान-नाम, व्यक्ति-नाम आ व्यवहारिक भाषा-रूप भेटि सकैत अछि

२९०. विद्यार्थी जँ 'दानपत्र' लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) मैथिली आरम्भिक कालमे केवल गीतक भाषा नहि, गद्य-वर्णनक भाषा सेहो बनल

(B) दानपत्र, लेख आ अभिलेख भाषिक इतिहासक सहायक प्रमाण बनैत अछि

(C) पञ्जी-परम्परा मैथिल समाज आ भाषा-दस्तावेजक अनोखा स्रोत अछि

(D) दानपत्र सभमे स्थान-नाम, व्यक्ति-नाम आ व्यवहारिक भाषा-रूप भेटि सकैत अछि

२९१. 'मौखिक परम्परा' सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) लिखित प्रमाणक संग लोकगीत सेहो भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि

(B) मौखिक कथा, गीत आ कहावत लिखित इतिहासक पूरक स्रोत अछि

(C) वर्णरत्नाकर मैथिली गद्य-परम्पराक प्राचीन महत्त्वपूर्ण कृति मानल जाइत अछि

(D) दानपत्र सभमे स्थान-नाम, व्यक्ति-नाम आ व्यवहारिक भाषा-रूप भेटि सकैत अछि

२९२. जँ प्रश्न हो—'मौखिक परम्परा'क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) दानपत्र सभमे स्थान-नाम, व्यक्ति-नाम आ व्यवहारिक भाषा-रूप भेटि सकैत अछि

(B) लिखित प्रमाणक संग लोकगीत सेहो भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि

(C) मौखिक कथा, गीत आ कहावत लिखित इतिहासक पूरक स्रोत अछि

(D) वर्णरत्नाकर मैथिली गद्य-परम्पराक प्राचीन महत्त्वपूर्ण कृति मानल जाइत अछि

२९३. 'मौखिक परम्परा'क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) दानपत्र, लेख आ अभिलेख भाषिक इतिहासक सहायक प्रमाण बनैत अछि

(B) मैथिली आरम्भिक कालमे केवल गीतक भाषा नहि, गद्य-वर्णनक भाषा सेहो बनल

(C) मौखिक कथा, गीत आ कहावत लिखित इतिहासक पूरक स्रोत अछि

(D) पञ्जी-परम्परा मैथिल समाज आ भाषा-दस्तावेजक अनोखा स्रोत अछि

२९४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे 'मौखिक परम्परा'क महत्त्व की अछि?

(A) पुरान पाण्डुलिपि मैथिलीक लिखित इतिहास बुझबाक महत्त्वपूर्ण आधार अछि

(B) ज्योतिरीश्वर ठाकुर मैथिली गद्यक आरम्भिक इतिहासमे केन्द्रीय नाम छथि

(C) मौखिक कथा, गीत आ कहावत लिखित इतिहासक पूरक स्रोत अछि

(D) पुरान मैथिली लेखनमे तिरहुता लिपिक विशेष स्थान रहल

२९५. 'मौखिक परम्परा' कैं मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) पुरान पाण्डुलिपि मैथिलीक लिखित इतिहास बुझबाक महत्त्वपूर्ण आधार अछि

(B) ज्योतिरीश्वर ठाकुर मैथिली गद्यक आरम्भिक इतिहासमे केन्द्रीय नाम छथि

(C) पुरान मैथिली लेखनमे तिरहुता लिपिक विशेष स्थान रहल

(D) मौखिक कथा, गीत आ कहावत लिखित इतिहासक पूरक स्रोत अछि

२९६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल 'मौखिक परम्परा' ककर संकेत करैत अछि?

(A) पञ्जी-परम्परा मैथिल समाज आ भाषा-दस्तावेजक अनोखा स्रोत अछि

(B) मैथिली आरम्भिक कालमे केवल गीतक भाषा नहि, गद्य-वर्णनक भाषा सेहो बनल

(C) दानपत्र, लेख आ अभिलेख भाषिक इतिहासक सहायक प्रमाण बनैत अछि

(D) मौखिक कथा, गीत आ कहावत लिखित इतिहासक पूरक स्रोत अछि

२९७. ‘मौखिक परम्परा’ पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) वर्णरत्नाकर मैथिली गद्य-परम्पराक प्राचीन महत्त्वपूर्ण कृति मानल जाइत अछि

(B) लिखित प्रमाणक संग लोकगीत सेहो भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि

(C) दानपत्र सभमे स्थान-नाम, व्यक्ति-नाम आ व्यवहारिक भाषा-रूप भेटि सकैत अछि

(D) मौखिक कथा, गीत आ कहावत लिखित इतिहासक पूरक स्रोत अछि

२९८. मैथिली भाषाक कालक्रममे ‘मौखिक परम्परा’ कैँ कोना समझल जाय?

(A) मौखिक कथा, गीत आ कहावत लिखित इतिहासक पूरक स्रोत अछि

(B) पुरान मैथिली लेखनमे तिरहुता लिपिक विशेष स्थान रहल

(C) पुरान पाण्डुलिपि मैथिलीक लिखित इतिहास बुझबाक महत्त्वपूर्ण आधार अछि

(D) ज्योतिरीश्वर ठाकुर मैथिली गद्यक आरम्भिक इतिहासमे केन्द्रीय नाम छथि

२९९. निम्नमे सँ ‘मौखिक परम्परा’क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) मौखिक कथा, गीत आ कहावत लिखित इतिहासक पूरक स्रोत अछि

(B) लिखित प्रमाणक संग लोकगीत सेहो भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि

(C) वर्णरत्नाकर मैथिली गद्य-परम्पराक प्राचीन महत्त्वपूर्ण कृति मानल जाइत अछि

(D) दानपत्र सभमे स्थान-नाम, व्यक्ति-नाम आ व्यवहारिक भाषा-रूप भेटि सकैत अछि

३००. विद्यार्थी जँ ‘मौखिक परम्परा’ लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) मौखिक कथा, गीत आ कहावत लिखित इतिहासक पूरक स्रोत अछि

(B) वर्णरत्नाकर मैथिली गद्य-परम्पराक प्राचीन महत्त्वपूर्ण कृति मानल जाइत अछि

(C) दानपत्र सभमे स्थान-नाम, व्यक्ति-नाम आ व्यवहारिक भाषा-रूप भेटि सकैत अछि

(D) लिखित प्रमाणक संग लोकगीत सेहो भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि

३०१. ‘विद्यापति’ सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) मिथिला पाण्डित्य-वर्ग भाषिक संस्कार आ शास्त्रीय संपर्कक संवाहक रहल

(B) विद्यापति मैथिली पदावलीकैँ व्यापक काव्य-प्रतिष्ठा देनिहार प्रमुख कवि छथि

(C) नेपालक मल्ल दरबारमे मैथिली नाटक आ गीतक उल्लेखनीय परम्परा रहल

(D) पदावली परम्परा मैथिलीक गीतात्मक विकासक महत्त्वपूर्ण चरण अछि

३०२. जँ प्रश्न हो—‘विद्यापति’क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) मिथिला पाण्डित्य-वर्ग भाषिक संस्कार आ शास्त्रीय संपर्कक संवाहक रहल

(B) नेपालक मल्ल दरबारमे मैथिली नाटक आ गीतक उल्लेखनीय परम्परा रहल

(C) विद्यापति मैथिली पदावलीकैँ व्यापक काव्य-प्रतिष्ठा देनिहार प्रमुख कवि छथि

(D) पदावली परम्परा मैथिलीक गीतात्मक विकासक महत्त्वपूर्ण चरण अछि

३०३. ‘विद्यापति’क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) मिथिला पाण्डित्य-वर्ग भाषिक संस्कार आ शास्त्रीय संपर्कक संवाहक रहल

(B) पदावली परम्परा मैथिलीक गीतात्मक विकासक महत्त्वपूर्ण चरण अछि

(C) विद्यापति मैथिली पदावलीकैँ व्यापक काव्य-प्रतिष्ठा देनिहार प्रमुख कवि छथि

(D) नेपालक मल्ल दरबारमे मैथिली नाटक आ गीतक उल्लेखनीय परम्परा रहल

३०४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे ‘विद्यापति’क महत्त्व की अछि?

(A) मध्ययुगीन मैथिलीमे दरबारी साहित्यक संग लोक-अभिव्यक्ति समानान्तर चलैत रहल

(B) मध्ययुगमे दरबार आ सामन्ती संरक्षणसँ काव्य, नाटक आ संगीतक विकास भेल

(C) विद्यापति मैथिली पदावलीकैँ व्यापक काव्य-प्रतिष्ठा देनिहार प्रमुख कवि छथि

(D) कीर्तनिया नाटकमे गीत, अभिनय आ धार्मिक कथा मैथिली प्रयोगक संग जुड़ल

३०५. ‘विद्यापति’ कैँ मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) विद्यापति मैथिली पदावलीकेँ व्यापक काव्य-प्रतिष्ठा देनिहार प्रमुख कवि छथि

(B) नेपालक मल्ल दरबारमे मैथिली नाटक आ गीतक उल्लेखनीय परम्परा रहल

(C) पदावली परम्परा मैथिलीक गीतात्मक विकासक महत्त्वपूर्ण चरण अछि

(D) मिथिला पाण्डित्य-वर्ग भाषिक संस्कार आ शास्त्रीय संपर्कक संवाहक रहल

३०६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल ‘विद्यापति’ ककर संकेत करैत अछि?

(A) विद्यापति मैथिली पदावलीकेँ व्यापक काव्य-प्रतिष्ठा देनिहार प्रमुख कवि छथि

(B) नेपालक मल्ल दरबारमे मैथिली नाटक आ गीतक उल्लेखनीय परम्परा रहल

(C) पदावली परम्परा मैथिलीक गीतात्मक विकासक महत्त्वपूर्ण चरण अछि

(D) मिथिला पाण्डित्य-वर्ग भाषिक संस्कार आ शास्त्रीय संपर्कक संवाहक रहल

३०७. ‘विद्यापति’ पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) मिथिला पाण्डित्य-वर्ग भाषिक संस्कार आ शास्त्रीय संपर्कक संवाहक रहल

(B) विद्यापति मैथिली पदावलीकेँ व्यापक काव्य-प्रतिष्ठा देनिहार प्रमुख कवि छथि

(C) नेपालक मल्ल दरबारमे मैथिली नाटक आ गीतक उल्लेखनीय परम्परा रहल

(D) पदावली परम्परा मैथिलीक गीतात्मक विकासक महत्त्वपूर्ण चरण अछि

३०८. मैथिली भाषाक कालक्रममे ‘विद्यापति’ कैँ कोना समझल जाय?

(A) विद्यापति मैथिली पदावलीकेँ व्यापक काव्य-प्रतिष्ठा देनिहार प्रमुख कवि छथि

(B) पदावली परम्परा मैथिलीक गीतात्मक विकासक महत्त्वपूर्ण चरण अछि

(C) नेपालक मल्ल दरबारमे मैथिली नाटक आ गीतक उल्लेखनीय परम्परा रहल

(D) मिथिला पाण्डित्य-वर्ग भाषिक संस्कार आ शास्त्रीय संपर्कक संवाहक रहल

३०९. निम्नमे सँ ‘विद्यापति’क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) मध्ययुगमे दरबार आ सामन्ती संरक्षणसँ काव्य, नाटक आ संगीतक विकास भेल

(B) मध्ययुगीन मैथिलीमे दरबारी साहित्यक संग लोक-अभिव्यक्ति समानान्तर चलैत रहल

(C) विद्यापति मैथिली पदावलीकेँ व्यापक काव्य-प्रतिष्ठा देनिहार प्रमुख कवि छथि

(D) कीर्तनिया नाटकमे गीत, अभिनय आ धार्मिक कथा मैथिली प्रयोगक संग जुड़ल

३१०. विद्यार्थी जँ ‘विद्यापति’ लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) कीर्तनिया नाटकमे गीत, अभिनय आ धार्मिक कथा मैथिली प्रयोगक संग जुड़ल

(B) मध्ययुगीन मैथिलीमे दरबारी साहित्यक संग लोक-अभिव्यक्ति समानान्तर चलैत रहल

(C) मध्ययुगमे दरबार आ सामन्ती संरक्षणसँ काव्य, नाटक आ संगीतक विकास भेल

(D) विद्यापति मैथिली पदावलीकेँ व्यापक काव्य-प्रतिष्ठा देनिहार प्रमुख कवि छथि

३११. ‘पदावली’ सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) मध्यकालीन मैथिली काव्यमे भक्ति आ शृङ्गारक समन्वय विशेष देखाइत अछि

(B) मैथिली मध्ययुगमे संस्कृत, अवहट्ठ, ब्रज, बंगाली आ नेपाली परिवेशसँ संवाद करैत रहल

(C) गीतिनाट्य परम्परा मैथिलीक श्रव्य-अभिनय रूपकेँ मजबूत करैत अछि

(D) पदावली परम्परा मैथिलीक गीतात्मक विकासक महत्त्वपूर्ण चरण अछि

३१२. जँ प्रश्न हो—‘पदावली’क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) मिथिला पाण्डित्य-वर्ग भाषिक संस्कार आ शास्त्रीय संपर्कक संवाहक रहल

(B) विद्यापति मैथिली पदावलीकेँ व्यापक काव्य-प्रतिष्ठा देनिहार प्रमुख कवि छथि

(C) पदावली परम्परा मैथिलीक गीतात्मक विकासक महत्त्वपूर्ण चरण अछि

(D) नेपालक मल्ल दरबारमे मैथिली नाटक आ गीतक उल्लेखनीय परम्परा रहल

३१३. ‘पदावली’क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) नेपालक मल्ल दरबारमे मैथिली नाटक आ गीतक उल्लेखनीय परम्परा रहल

(B) मिथिला पाण्डित्य-वर्ग भाषिक संस्कार आ शास्त्रीय संपर्कक संवाहक रहल

(C) पदावली परम्परा मैथिलीक गीतात्मक विकासक महत्त्वपूर्ण चरण अछि

(D) विद्यापति मैथिली पदावलीकेँ व्यापक काव्य-प्रतिष्ठा देनिहार प्रमुख कवि छथि

३१४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे ‘पदावली’क महत्त्व की अछि?

(A) नेपालक मल्ल दरबारमे मैथिली नाटक आ गीतक उल्लेखनीय परम्परा रहल

(B) पदावली परम्परा मैथिलीक गीतात्मक विकासक महत्त्वपूर्ण चरण अछि

(C) विद्यापति मैथिली पदावलीकेँ व्यापक काव्य-प्रतिष्ठा देनिहार प्रमुख कवि छथि

(D) मिथिला पाण्डित्य-वर्ग भाषिक संस्कार आ शास्त्रीय संपर्कक संवाहक रहल

३१५. ‘पदावली’ केँ मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) विद्यापति मैथिली पदावलीकेँ व्यापक काव्य-प्रतिष्ठा देनिहार प्रमुख कवि छथि

(B) नेपालक मल्ल दरबारमे मैथिली नाटक आ गीतक उल्लेखनीय परम्परा रहल

(C) मिथिला पाण्डित्य-वर्ग भाषिक संस्कार आ शास्त्रीय संपर्कक संवाहक रहल

(D) पदावली परम्परा मैथिलीक गीतात्मक विकासक महत्त्वपूर्ण चरण अछि

३१६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल ‘पदावली’ ककर संकेत करैत अछि?

(A) मैथिली मध्ययुगमे संस्कृत, अवहट्ठ, ब्रज, बंगाली आ नेपाली परिवेशसँ संवाद करैत रहल

(B) मध्यकालीन मैथिली काव्यमे भक्ति आ शृङ्गारक समन्वय विशेष देखाइत अछि

(C) पदावली परम्परा मैथिलीक गीतात्मक विकासक महत्त्वपूर्ण चरण अछि

(D) गीतिनाट्य परम्परा मैथिलीक श्रव्य-अभिनय रूपकेँ मजबूत करैत अछि

३१७. ‘पदावली’ पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) मध्ययुगीन मैथिलीमे दरबारी साहित्यक संग लोक-अभिव्यक्ति समानान्तर चलैत रहल

(B) पदावली परम्परा मैथिलीक गीतात्मक विकासक महत्त्वपूर्ण चरण अछि

(C) मध्ययुगमे दरबार आ सामन्ती संरक्षणसँ काव्य, नाटक आ संगीतक विकास भेल

(D) कीर्तनिया नाटकमे गीत, अभिनय आ धार्मिक कथा मैथिली प्रयोगक संग जुड़ल

३१८. मैथिली भाषाक कालक्रममे ‘पदावली’ केँ कोना समझल जाय?

(A) मध्यकालीन मैथिली काव्यमे भक्ति आ शृङ्गारक समन्वय विशेष देखाइत अछि

(B) मैथिली मध्ययुगमे संस्कृत, अवहट्ठ, ब्रज, बंगाली आ नेपाली परिवेशसँ संवाद करैत रहल

(C) गीतिनाट्य परम्परा मैथिलीक श्रव्य-अभिनय रूपकेँ मजबूत करैत अछि

(D) पदावली परम्परा मैथिलीक गीतात्मक विकासक महत्त्वपूर्ण चरण अछि

३१९. निम्नमे सँ ‘पदावली’क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) नेपालक मल्ल दरबारमे मैथिली नाटक आ गीतक उल्लेखनीय परम्परा रहल

(B) विद्यापति मैथिली पदावलीकेँ व्यापक काव्य-प्रतिष्ठा देनिहार प्रमुख कवि छथि

(C) पदावली परम्परा मैथिलीक गीतात्मक विकासक महत्त्वपूर्ण चरण अछि

(D) मिथिला पाण्डित्य-वर्ग भाषिक संस्कार आ शास्त्रीय संपर्कक संवाहक रहल

३२०. विद्यार्थी जँ ‘पदावली’ लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) मध्ययुगमे दरबार आ सामन्ती संरक्षणसँ काव्य, नाटक आ संगीतक विकास भेल

(B) मध्ययुगीन मैथिलीमे दरबारी साहित्यक संग लोक-अभिव्यक्ति समानान्तर चलैत रहल

(C) पदावली परम्परा मैथिलीक गीतात्मक विकासक महत्त्वपूर्ण चरण अछि

(D) कीर्तनिया नाटकमे गीत, अभिनय आ धार्मिक कथा मैथिली प्रयोगक संग जुड़ल

३२१. ‘दरबारी संरक्षण’ सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) मैथिली मध्ययुगमे संस्कृत, अवहट्ठ, ब्रज, बंगाली आ नेपाली परिवेशसँ संवाद करैत रहल

(B) मध्ययुगमे दरबार आ सामन्ती संरक्षणसँ काव्य, नाटक आ संगीतक विकास भेल

(C) मध्यकालीन मैथिली काव्यमे भक्ति आ शृङ्गारक समन्वय विशेष देखाइत अछि

(D) गीतिनाट्य परम्परा मैथिलीक श्रव्य-अभिनय रूपकेँ मजबूत करैत अछि

३२२. जँ प्रश्न हो—‘दरबारी संरक्षण’क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) मैथिली मध्ययुगमे संस्कृत, अवहट्ठ, ब्रज, बंगाली आ नेपाली परिवेशसँ संवाद करैत रहल

(B) मध्यकालीन मैथिली काव्यमे भक्ति आ शृङ्गारक समन्वय विशेष देखाइत अछि

(C) मध्ययुगमे दरबार आ सामन्ती संरक्षणसँ काव्य, नाटक आ संगीतक विकास भेल

(D) गीतिनाट्य परम्परा मैथिलीक श्रव्य-अभिनय रूपकेँ मजबूत करैत अछि

३२३. ‘दरबारी संरक्षण’क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) पदावली परम्परा मैथिलीक गीतात्मक विकासक महत्त्वपूर्ण चरण अछि

(B) कीर्तनिया नाटकमे गीत, अभिनय आ धार्मिक कथा मैथिली प्रयोगक संग जुड़ल

(C) मध्ययुगमे दरबार आ सामन्ती संरक्षणसँ काव्य, नाटक आ संगीतक विकास भेल

(D) मध्ययुगीन मैथिलीमे दरबारी साहित्यक संग लोक-अभिव्यक्ति समानान्तर चलैत रहल

३२४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे ‘दरबारी संरक्षण’क महत्त्व की अछि?

(A) मिथिला पाण्डित्य-वर्ग भाषिक संस्कार आ शास्त्रीय संपर्कक संवाहक रहल

(B) मध्ययुगमे दरबार आ सामन्ती संरक्षणसँ काव्य, नाटक आ संगीतक विकास भेल

(C) विद्यापति मैथिली पदावलीकेँ व्यापक काव्य-प्रतिष्ठा देनिहार प्रमुख कवि छथि

(D) नेपालक मल्ल दरबारमे मैथिली नाटक आ गीतक उल्लेखनीय परम्परा रहल

३२५. ‘दरबारी संरक्षण’ केँ मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) मध्ययुगमे दरबार आ सामन्ती संरक्षणसँ काव्य, नाटक आ संगीतक विकास भेल

(B) मैथिली मध्ययुगमे संस्कृत, अवहट्ठ, ब्रज, बंगाली आ नेपाली परिवेशसँ संवाद करैत रहल

(C) गीतिनाट्य परम्परा मैथिलीक श्रव्य-अभिनय रूपकेँ मजबूत करैत अछि

(D) मध्यकालीन मैथिली काव्यमे भक्ति आ शृङ्गारक समन्वय विशेष देखाइत अछि

३२६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल ‘दरबारी संरक्षण’ ककर संकेत करैत अछि?

(A) कीर्तनिया नाटकमे गीत, अभिनय आ धार्मिक कथा मैथिली प्रयोगक संग जुड़ल

(B) मध्ययुगीन मैथिलीमे दरबारी साहित्यक संग लोक-अभिव्यक्ति समानान्तर चलैत रहल

(C) मध्ययुगमे दरबार आ सामन्ती संरक्षणसँ काव्य, नाटक आ संगीतक विकास भेल

(D) पदावली परम्परा मैथिलीक गीतात्मक विकासक महत्त्वपूर्ण चरण अछि

३२७. ‘दरबारी संरक्षण’ पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) गीतिनाट्य परम्परा मैथिलीक श्रव्य-अभिनय रूपकेँ मजबूत करैत अछि

(B) मध्यकालीन मैथिली काव्यमे भक्ति आ शृङ्गारक समन्वय विशेष देखाइत अछि

(C) मध्ययुगमे दरबार आ सामन्ती संरक्षणसँ काव्य, नाटक आ संगीतक विकास भेल

(D) मैथिली मध्ययुगमे संस्कृत, अवहट्ठ, ब्रज, बंगाली आ नेपाली परिवेशसँ संवाद करैत रहल

३२८. मैथिली भाषाक कालक्रममे ‘दरबारी संरक्षण’ केँ कोना समझल जाय?

(A) पदावली परम्परा मैथिलीक गीतात्मक विकासक महत्त्वपूर्ण चरण अछि

(B) मध्ययुगीन मैथिलीमे दरबारी साहित्यक संग लोक-अभिव्यक्ति समानान्तर चलैत रहल

(C) कीर्तनिया नाटकमे गीत, अभिनय आ धार्मिक कथा मैथिली प्रयोगक संग जुड़ल

(D) मध्ययुगमे दरबार आ सामन्ती संरक्षणसँ काव्य, नाटक आ संगीतक विकास भेल

३२९. निम्नमे सँ 'दरबारी संरक्षण'क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) पदावली परम्परा मैथिलीक गीतात्मक विकासक महत्त्वपूर्ण चरण अछि

(B) मध्ययुगीन मैथिलीमे दरबारी साहित्यक संग लोक-अभिव्यक्ति समानान्तर चलैत रहल

(C) मध्ययुगमे दरबार आ सामन्ती संरक्षणसँ काव्य, नाटक आ संगीतक विकास भेल

(D) कीर्तनिया नाटकमे गीत, अभिनय आ धार्मिक कथा मैथिली प्रयोगक संग जुड़ल

३३०. विद्यार्थी जँ 'दरबारी संरक्षण' लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) विद्यापति मैथिली पदावलीकेँ व्यापक काव्य-प्रतिष्ठा देनिहार प्रमुख कवि छथि

(B) मध्ययुगमे दरबार आ सामन्ती संरक्षणसँ काव्य, नाटक आ संगीतक विकास भेल

(C) मिथिला पाण्डित्य-वर्ग भाषिक संस्कार आ शास्त्रीय संपर्कक संवाहक रहल

(D) नेपालक मल्ल दरबारमे मैथिली नाटक आ गीतक उल्लेखनीय परम्परा रहल

३३१. 'भक्ति-शृङ्गार' सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) मध्यकालीन मैथिली काव्यमे भक्ति आ शृङ्गारक समन्वय विशेष देखाइत अछि

(B) विद्यापति मैथिली पदावलीकेँ व्यापक काव्य-प्रतिष्ठा देनिहार प्रमुख कवि छथि

(C) मिथिला पाण्डित्य-वर्ग भाषिक संस्कार आ शास्त्रीय संपर्कक संवाहक रहल

(D) नेपालक मल्ल दरबारमे मैथिली नाटक आ गीतक उल्लेखनीय परम्परा रहल

३३२. जँ प्रश्न हो—'भक्ति-शृङ्गार'क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) पदावली परम्परा मैथिलीक गीतात्मक विकासक महत्त्वपूर्ण चरण अछि

(B) मध्ययुगीन मैथिलीमे दरबारी साहित्यक संग लोक-अभिव्यक्ति समानान्तर चलैत रहल

(C) कीर्तनिया नाटकमे गीत, अभिनय आ धार्मिक कथा मैथिली प्रयोगक संग जुड़ल

(D) मध्यकालीन मैथिली काव्यमे भक्ति आ शृङ्गारक समन्वय विशेष देखाइत अछि

३३३. 'भक्ति-शृङ्गार'क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) मिथिला पाण्डित्य-वर्ग भाषिक संस्कार आ शास्त्रीय संपर्कक संवाहक रहल

(B) विद्यापति मैथिली पदावलीकेँ व्यापक काव्य-प्रतिष्ठा देनिहार प्रमुख कवि छथि

(C) मध्यकालीन मैथिली काव्यमे भक्ति आ शृङ्गारक समन्वय विशेष देखाइत अछि

(D) नेपालक मल्ल दरबारमे मैथिली नाटक आ गीतक उल्लेखनीय परम्परा रहल

३३४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे 'भक्ति-शृङ्गार'क महत्त्व की अछि?

(A) विद्यापति मैथिली पदावलीकेँ व्यापक काव्य-प्रतिष्ठा देनिहार प्रमुख कवि छथि

(B) मध्यकालीन मैथिली काव्यमे भक्ति आ शृङ्गारक समन्वय विशेष देखाइत अछि

(C) नेपालक मल्ल दरबारमे मैथिली नाटक आ गीतक उल्लेखनीय परम्परा रहल

(D) मिथिला पाण्डित्य-वर्ग भाषिक संस्कार आ शास्त्रीय संपर्कक संवाहक रहल

३३५. 'भक्ति-शृङ्गार' केँ मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) मध्ययुगीन मैथिलीमे दरबारी साहित्यक संग लोक-अभिव्यक्ति समानान्तर चलैत रहल

(B) पदावली परम्परा मैथिलीक गीतात्मक विकासक महत्त्वपूर्ण चरण अछि

(C) मध्यकालीन मैथिली काव्यमे भक्ति आ शृङ्गारक समन्वय विशेष देखाइत अछि

(D) कीर्तनिया नाटकमे गीत, अभिनय आ धार्मिक कथा मैथिली प्रयोगक संग जुड़ल

३३६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल 'भक्ति-शृङ्गार' ककर संकेत करैत अछि?

(A) मध्यकालीन मैथिली काव्यमे भक्ति आ शृङ्गारक समन्वय विशेष देखाइत अछि

(B) मिथिला पाण्डित्य-वर्ग भाषिक संस्कार आ शास्त्रीय संपर्कक संवाहक रहल

(C) नेपालक मल्ल दरबारमे मैथिली नाटक आ गीतक उल्लेखनीय परम्परा रहल

(D) विद्यापति मैथिली पदावलीकेँ व्यापक काव्य-प्रतिष्ठा देनिहार प्रमुख कवि छथि

३३७. ‘भक्ति-शृङ्गार’ पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) विद्यापति मैथिली पदावलीकेँ व्यापक काव्य-प्रतिष्ठा देनिहार प्रमुख कवि छथि

(B) नेपालक मल्ल दरबारमे मैथिली नाटक आ गीतक उल्लेखनीय परम्परा रहल

(C) मध्यकालीन मैथिली काव्यमे भक्ति आ शृङ्गारक समन्वय विशेष देखाइत अछि

(D) मिथिला पाण्डित्य-वर्ग भाषिक संस्कार आ शास्त्रीय संपर्कक संवाहक रहल

३३८. मैथिली भाषाक कालक्रममे ‘भक्ति-शृङ्गार’ केँ कोना समझल जाय?

(A) नेपालक मल्ल दरबारमे मैथिली नाटक आ गीतक उल्लेखनीय परम्परा रहल

(B) मध्यकालीन मैथिली काव्यमे भक्ति आ शृङ्गारक समन्वय विशेष देखाइत अछि

(C) मिथिला पाण्डित्य-वर्ग भाषिक संस्कार आ शास्त्रीय संपर्कक संवाहक रहल

(D) विद्यापति मैथिली पदावलीकेँ व्यापक काव्य-प्रतिष्ठा देनिहार प्रमुख कवि छथि

३३९. निम्नमे सँ ‘भक्ति-शृङ्गार’क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) कीर्तनिया नाटकमे गीत, अभिनय आ धार्मिक कथा मैथिली प्रयोगक संग जुड़ल

(B) मध्ययुगीन मैथिलीमे दरबारी साहित्यक संग लोक-अभिव्यक्ति समानान्तर चलैत रहल

(C) पदावली परम्परा मैथिलीक गीतात्मक विकासक महत्त्वपूर्ण चरण अछि

(D) मध्यकालीन मैथिली काव्यमे भक्ति आ शृङ्गारक समन्वय विशेष देखाइत अछि

३४०. विद्यार्थी जँ ‘भक्ति-शृङ्गार’ लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) विद्यापति मैथिली पदावलीकेँ व्यापक काव्य-प्रतिष्ठा देनिहार प्रमुख कवि छथि

(B) मिथिला पाण्डित्य-वर्ग भाषिक संस्कार आ शास्त्रीय संपर्कक संवाहक रहल

(C) मध्यकालीन मैथिली काव्यमे भक्ति आ शृङ्गारक समन्वय विशेष देखाइत अछि

(D) नेपालक मल्ल दरबारमे मैथिली नाटक आ गीतक उल्लेखनीय परम्परा रहल

३४१. ‘नेपालक मल्ल दरबार’ सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) गीतिनाट्य परम्परा मैथिलीक श्रव्य-अभिनय रूपकेँ मजबूत करैत अछि

(B) मध्ययुगमे दरबार आ सामन्ती संरक्षणसँ काव्य, नाटक आ संगीतक विकास भेल

(C) मैथिली मध्ययुगमे संस्कृत, अवहट्ठ, ब्रज, बंगाली आ नेपाली परिवेशसँ संवाद करैत रहल

(D) नेपालक मल्ल दरबारमे मैथिली नाटक आ गीतक उल्लेखनीय परम्परा रहल

३४२. जँ प्रश्न हो—‘नेपालक मल्ल दरबार’क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) नेपालक मल्ल दरबारमे मैथिली नाटक आ गीतक उल्लेखनीय परम्परा रहल

(B) मिथिला पाण्डित्य-वर्ग भाषिक संस्कार आ शास्त्रीय संपर्कक संवाहक रहल

(C) मध्यकालीन मैथिली काव्यमे भक्ति आ शृङ्गारक समन्वय विशेष देखाइत अछि

(D) विद्यापति मैथिली पदावलीकेँ व्यापक काव्य-प्रतिष्ठा देनिहार प्रमुख कवि छथि

३४३. ‘नेपालक मल्ल दरबार’क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) मध्ययुगमे दरबार आ सामन्ती संरक्षणसँ काव्य, नाटक आ संगीतक विकास भेल

(B) मैथिली मध्ययुगमे संस्कृत, अवहट्ठ, ब्रज, बंगाली आ नेपाली परिवेशसँ संवाद करैत रहल

(C) नेपालक मल्ल दरबारमे मैथिली नाटक आ गीतक उल्लेखनीय परम्परा रहल

(D) गीतिनाट्य परम्परा मैथिलीक श्रव्य-अभिनय रूपकेँ मजबूत करैत अछि

३४४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे ‘नेपालक मल्ल दरबार’क महत्त्व की अछि?

(A) मैथिली मध्ययुगमे संस्कृत, अवहट्ठ, ब्रज, बंगाली आ नेपाली परिवेशसँ संवाद करैत रहल

(B) नेपालक मल्ल दरबारमे मैथिली नाटक आ गीतक उल्लेखनीय परम्परा रहल

(C) मध्ययुगमे दरबार आ सामन्ती संरक्षणसँ काव्य, नाटक आ संगीतक विकास भेल

(D) गीतिनाट्य परम्परा मैथिलीक श्रव्य-अभिनय रूपकेँ मजबूत करैत अछि

३४५. 'नेपालक मल्ल दरबार' कैँ मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) नेपालक मल्ल दरबारमे मैथिली नाटक आ गीतक उल्लेखनीय परम्परा रहल

(B) पदावली परम्परा मैथिलीक गीतात्मक विकासक महत्त्वपूर्ण चरण अछि

(C) कीर्तनिया नाटकमे गीत, अभिनय आ धार्मिक कथा मैथिली प्रयोगक संग जुड़ल

(D) मध्ययुगीन मैथिलीमे दरबारी साहित्यक संग लोक-अभिव्यक्ति समानान्तर चलैत रहल

३४६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल 'नेपालक मल्ल दरबार' ककर संकेत करैत अछि?

(A) नेपालक मल्ल दरबारमे मैथिली नाटक आ गीतक उल्लेखनीय परम्परा रहल

(B) कीर्तनिया नाटकमे गीत, अभिनय आ धार्मिक कथा मैथिली प्रयोगक संग जुड़ल

(C) पदावली परम्परा मैथिलीक गीतात्मक विकासक महत्त्वपूर्ण चरण अछि

(D) मध्ययुगीन मैथिलीमे दरबारी साहित्यक संग लोक-अभिव्यक्ति समानान्तर चलैत रहल

३४७. 'नेपालक मल्ल दरबार' पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) गीतिनाट्य परम्परा मैथिलीक श्रव्य-अभिनय रूपकेँ मजबूत करैत अछि

(B) मैथिली मध्ययुगमे संस्कृत, अवहट्ठ, ब्रज, बंगाली आ नेपाली परिवेशसँ संवाद करैत रहल

(C) नेपालक मल्ल दरबारमे मैथिली नाटक आ गीतक उल्लेखनीय परम्परा रहल

(D) मध्ययुगमे दरबार आ सामन्ती संरक्षणसँ काव्य, नाटक आ संगीतक विकास भेल

३४८. मैथिली भाषाक कालक्रममे 'नेपालक मल्ल दरबार' कैँ कोना समझल जाय?

(A) पदावली परम्परा मैथिलीक गीतात्मक विकासक महत्त्वपूर्ण चरण अछि

(B) नेपालक मल्ल दरबारमे मैथिली नाटक आ गीतक उल्लेखनीय परम्परा रहल

(C) मध्ययुगीन मैथिलीमे दरबारी साहित्यक संग लोक-अभिव्यक्ति समानान्तर चलैत रहल

(D) कीर्तनिया नाटकमे गीत, अभिनय आ धार्मिक कथा मैथिली प्रयोगक संग जुड़ल

३४९. निम्नमे सँ 'नेपालक मल्ल दरबार'क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) मध्ययुगमे दरबार आ सामन्ती संरक्षणसँ काव्य, नाटक आ संगीतक विकास भेल

(B) नेपालक मल्ल दरबारमे मैथिली नाटक आ गीतक उल्लेखनीय परम्परा रहल

(C) गीतिनाट्य परम्परा मैथिलीक श्रव्य-अभिनय रूपकेँ मजबूत करैत अछि

(D) मैथिली मध्ययुगमे संस्कृत, अवहट्ठ, ब्रज, बंगाली आ नेपाली परिवेशसँ संवाद करैत रहल

३५०. विद्यार्थी जँ 'नेपालक मल्ल दरबार' लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) मैथिली मध्ययुगमे संस्कृत, अवहट्ठ, ब्रज, बंगाली आ नेपाली परिवेशसँ संवाद करैत रहल

(B) नेपालक मल्ल दरबारमे मैथिली नाटक आ गीतक उल्लेखनीय परम्परा रहल

(C) मध्ययुगमे दरबार आ सामन्ती संरक्षणसँ काव्य, नाटक आ संगीतक विकास भेल

(D) गीतिनाट्य परम्परा मैथिलीक श्रव्य-अभिनय रूपकेँ मजबूत करैत अछि

३५१. 'कीर्तनिया नाटक' सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) गीतिनाट्य परम्परा मैथिलीक श्रव्य-अभिनय रूपकेँ मजबूत करैत अछि

(B) मध्ययुगमे दरबार आ सामन्ती संरक्षणसँ काव्य, नाटक आ संगीतक विकास भेल

(C) मैथिली मध्ययुगमे संस्कृत, अवहट्ठ, ब्रज, बंगाली आ नेपाली परिवेशसँ संवाद करैत रहल

(D) कीर्तनिया नाटकमे गीत, अभिनय आ धार्मिक कथा मैथिली प्रयोगक संग जुड़ल

३५२. जँ प्रश्न हो—'कीर्तनिया नाटक'क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) पदावली परम्परा मैथिलीक गीतात्मक विकासक महत्त्वपूर्ण चरण अछि

(B) नेपालक मल्ल दरबारमे मैथिली नाटक आ गीतक उल्लेखनीय परम्परा रहल

(C) कीर्तनिया नाटकमे गीत, अभिनय आ धार्मिक कथा मैथिली प्रयोगक संग जुड़ल

(D) मध्ययुगीन मैथिलीमे दरबारी साहित्यक संग लोक-अभिव्यक्ति समानान्तर चलैत रहल

३५३. 'कीर्तनिया नाटक'क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) कीर्तनिया नाटकमे गीत, अभिनय आ धार्मिक कथा मैथिली प्रयोगक संग जुड़ल

(B) विद्यापति मैथिली पदावलीकेँ व्यापक काव्य-प्रतिष्ठा देनिहार प्रमुख कवि छथि

(C) मिथिला पाण्डित्य-वर्ग भाषिक संस्कार आ शास्त्रीय संपर्कक संवाहक रहल

(D) मध्यकालीन मैथिली काव्यमे भक्ति आ शृङ्गारक समन्वय विशेष देखाइत अछि

३५४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे 'कीर्तनिया नाटक'क महत्त्व की अछि?

(A) कीर्तनिया नाटकमे गीत, अभिनय आ धार्मिक कथा मैथिली प्रयोगक संग जुड़ल

(B) गीतिनाट्य परम्परा मैथिलीक श्रव्य-अभिनय रूपकेँ मजबूत करैत अछि

(C) मध्ययुगमे दरबार आ सामन्ती संरक्षणसँ काव्य, नाटक आ संगीतक विकास भेल

(D) मैथिली मध्ययुगमे संस्कृत, अवहट्ठ, ब्रज, बंगाली आ नेपाली परिवेशसँ संवाद करैत रहल

३५५. 'कीर्तनिया नाटक' केँ मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) कीर्तनिया नाटकमे गीत, अभिनय आ धार्मिक कथा मैथिली प्रयोगक संग जुड़ल

(B) मध्ययुगीन मैथिलीमे दरबारी साहित्यक संग लोक-अभिव्यक्ति समानान्तर चलैत रहल

(C) पदावली परम्परा मैथिलीक गीतात्मक विकासक महत्त्वपूर्ण चरण अछि

(D) नेपालक मल्ल दरबारमे मैथिली नाटक आ गीतक उल्लेखनीय परम्परा रहल

३५६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल 'कीर्तनिया नाटक' ककर संकेत करैत अछि?

(A) गीतिनाट्य परम्परा मैथिलीक श्रव्य-अभिनय रूपकेँ मजबूत करैत अछि

(B) मध्ययुगमे दरबार आ सामन्ती संरक्षणसँ काव्य, नाटक आ संगीतक विकास भेल

(C) कीर्तनिया नाटकमे गीत, अभिनय आ धार्मिक कथा मैथिली प्रयोगक संग जुड़ल

(D) मैथिली मध्ययुगमे संस्कृत, अवहट्ठ, ब्रज, बंगाली आ नेपाली परिवेशसँ संवाद करैत रहल

३५७. 'कीर्तनिया नाटक' पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) मैथिली मध्ययुगमे संस्कृत, अवहट्ठ, ब्रज, बंगाली आ नेपाली परिवेशसँ संवाद करैत रहल

(B) कीर्तनिया नाटकमे गीत, अभिनय आ धार्मिक कथा मैथिली प्रयोगक संग जुड़ल

(C) मध्ययुगमे दरबार आ सामन्ती संरक्षणसँ काव्य, नाटक आ संगीतक विकास भेल

(D) गीतिनाट्य परम्परा मैथिलीक श्रव्य-अभिनय रूपकेँ मजबूत करैत अछि

३५८. मैथिली भाषाक कालक्रममे 'कीर्तनिया नाटक' केँ कोना समझल जाय?

(A) पदावली परम्परा मैथिलीक गीतात्मक विकासक महत्त्वपूर्ण चरण अछि

(B) मध्ययुगीन मैथिलीमे दरबारी साहित्यक संग लोक-अभिव्यक्ति समानान्तर चलैत रहल

(C) नेपालक मल्ल दरबारमे मैथिली नाटक आ गीतक उल्लेखनीय परम्परा रहल

(D) कीर्तनिया नाटकमे गीत, अभिनय आ धार्मिक कथा मैथिली प्रयोगक संग जुड़ल

३५९. निम्नमे सँ 'कीर्तनिया नाटक'क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) मध्ययुगीन मैथिलीमे दरबारी साहित्यक संग लोक-अभिव्यक्ति समानान्तर चलैत रहल

(B) नेपालक मल्ल दरबारमे मैथिली नाटक आ गीतक उल्लेखनीय परम्परा रहल

(C) कीर्तनिया नाटकमे गीत, अभिनय आ धार्मिक कथा मैथिली प्रयोगक संग जुड़ल

(D) पदावली परम्परा मैथिलीक गीतात्मक विकासक महत्त्वपूर्ण चरण अछि

३६०. विद्यार्थी जँ 'कीर्तनिया नाटक' लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) कीर्तनिया नाटकमे गीत, अभिनय आ धार्मिक कथा मैथिली प्रयोगक संग जुड़ल

(B) मध्ययुगीन मैथिलीमे दरबारी साहित्यक संग लोक-अभिव्यक्ति समानान्तर चलैत रहल

(C) पदावली परम्परा मैथिलीक गीतात्मक विकासक महत्त्वपूर्ण चरण अछि

(D) नेपालक मल्ल दरबारमे मैथिली नाटक आ गीतक उल्लेखनीय परम्परा रहल

३६१. ‘गीतिनाट्य’ सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) पदावली परम्परा मैथिलीक गीतात्मक विकासक महत्त्वपूर्ण चरण अछि

(B) मध्ययुगीन मैथिलीमे दरबारी साहित्यक संग लोक-अभिव्यक्ति समानान्तर चलैत रहल

(C) नेपालक मल्ल दरबारमे मैथिली नाटक आ गीतक उल्लेखनीय परम्परा रहल

(D) गीतिनाट्य परम्परा मैथिलीक श्रव्य-अभिनय रूपकेँ मजबूत करैत अछि

३६२. जँ प्रश्न हो—‘गीतिनाट्य’क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) नेपालक मल्ल दरबारमे मैथिली नाटक आ गीतक उल्लेखनीय परम्परा रहल

(B) मध्ययुगीन मैथिलीमे दरबारी साहित्यक संग लोक-अभिव्यक्ति समानान्तर चलैत रहल

(C) गीतिनाट्य परम्परा मैथिलीक श्रव्य-अभिनय रूपकेँ मजबूत करैत अछि

(D) पदावली परम्परा मैथिलीक गीतात्मक विकासक महत्त्वपूर्ण चरण अछि

३६३. ‘गीतिनाट्य’क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) मध्ययुगीन मैथिलीमे दरबारी साहित्यक संग लोक-अभिव्यक्ति समानान्तर चलैत रहल

(B) नेपालक मल्ल दरबारमे मैथिली नाटक आ गीतक उल्लेखनीय परम्परा रहल

(C) गीतिनाट्य परम्परा मैथिलीक श्रव्य-अभिनय रूपकेँ मजबूत करैत अछि

(D) पदावली परम्परा मैथिलीक गीतात्मक विकासक महत्त्वपूर्ण चरण अछि

३६४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे ‘गीतिनाट्य’क महत्त्व की अछि?

(A) नेपालक मल्ल दरबारमे मैथिली नाटक आ गीतक उल्लेखनीय परम्परा रहल

(B) मध्ययुगीन मैथिलीमे दरबारी साहित्यक संग लोक-अभिव्यक्ति समानान्तर चलैत रहल

(C) गीतिनाट्य परम्परा मैथिलीक श्रव्य-अभिनय रूपकेँ मजबूत करैत अछि

(D) पदावली परम्परा मैथिलीक गीतात्मक विकासक महत्त्वपूर्ण चरण अछि

३६५. ‘गीतिनाट्य’ केँ मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) मध्ययुगीन मैथिलीमे दरबारी साहित्यक संग लोक-अभिव्यक्ति समानान्तर चलैत रहल

(B) पदावली परम्परा मैथिलीक गीतात्मक विकासक महत्त्वपूर्ण चरण अछि

(C) गीतिनाट्य परम्परा मैथिलीक श्रव्य-अभिनय रूपकेँ मजबूत करैत अछि

(D) नेपालक मल्ल दरबारमे मैथिली नाटक आ गीतक उल्लेखनीय परम्परा रहल

३६६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल ‘गीतिनाट्य’ ककर संकेत करैत अछि?

(A) गीतिनाट्य परम्परा मैथिलीक श्रव्य-अभिनय रूपकेँ मजबूत करैत अछि

(B) मैथिली मध्ययुगमे संस्कृत, अवहट्ठ, ब्रज, बंगाली आ नेपाली परिवेशसँ संवाद करैत रहल

(C) कीर्तनिया नाटकमे गीत, अभिनय आ धार्मिक कथा मैथिली प्रयोगक संग जुड़ल

(D) मध्ययुगमे दरबार आ सामन्ती संरक्षणसँ काव्य, नाटक आ संगीतक विकास भेल

३६७. ‘गीतिनाट्य’ पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) मिथिला पाण्डित्य-वर्ग भाषिक संस्कार आ शास्त्रीय संपर्कक संवाहक रहल

(B) विद्यापति मैथिली पदावलीकेँ व्यापक काव्य-प्रतिष्ठा देनिहार प्रमुख कवि छथि

(C) मध्यकालीन मैथिली काव्यमे भक्ति आ शृङ्गारक समन्वय विशेष देखाइत अछि

(D) गीतिनाट्य परम्परा मैथिलीक श्रव्य-अभिनय रूपकेँ मजबूत करैत अछि

३६८. मैथिली भाषाक कालक्रममे ‘गीतिनाट्य’ केँ कोना समझल जाय?

(A) विद्यापति मैथिली पदावलीकेँ व्यापक काव्य-प्रतिष्ठा देनिहार प्रमुख कवि छथि

(B) मिथिला पाण्डित्य-वर्ग भाषिक संस्कार आ शास्त्रीय संपर्कक संवाहक रहल

(C) मध्यकालीन मैथिली काव्यमे भक्ति आ शृङ्गारक समन्वय विशेष देखाइत अछि

(D) गीतिनाट्य परम्परा मैथिलीक श्रव्य-अभिनय रूपकेँ मजबूत करैत अछि

३६९. निम्नमे सँ 'गीतिनाट्य'क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) मध्ययुगमे दरबार आ सामन्ती संरक्षणसँ काव्य, नाटक आ संगीतक विकास भेल

(B) कीर्तनिया नाटकमे गीत, अभिनय आ धार्मिक कथा मैथिली प्रयोगक संग जुड़ल

(C) मैथिली मध्ययुगमे संस्कृत, अवहट्ठ, ब्रज, बंगाली आ नेपाली परिवेशसँ संवाद करैत रहल

(D) गीतिनाट्य परम्परा मैथिलीक श्रव्य-अभिनय रूपकेँ मजबूत करैत अछि

३७०. विद्यार्थी जँ 'गीतिनाट्य' लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) मध्यकालीन मैथिली काव्यमे भक्ति आ शृङ्गारक समन्वय विशेष देखाइत अछि

(B) गीतिनाट्य परम्परा मैथिलीक श्रव्य-अभिनय रूपकेँ मजबूत करैत अछि

(C) विद्यापति मैथिली पदावलीकेँ व्यापक काव्य-प्रतिष्ठा देनिहार प्रमुख कवि छथि

(D) मिथिला पाण्डित्य-वर्ग भाषिक संस्कार आ शास्त्रीय संपर्कक संवाहक रहल

३७१. 'पाण्डित्य-वर्ग' सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) विद्यापति मैथिली पदावलीकेँ व्यापक काव्य-प्रतिष्ठा देनिहार प्रमुख कवि छथि

(B) मिथिला पाण्डित्य-वर्ग भाषिक संस्कार आ शास्त्रीय संपर्कक संवाहक रहल

(C) मध्यकालीन मैथिली काव्यमे भक्ति आ शृङ्गारक समन्वय विशेष देखाइत अछि

(D) गीतिनाट्य परम्परा मैथिलीक श्रव्य-अभिनय रूपकेँ मजबूत करैत अछि

३७२. जँ प्रश्न हो—'पाण्डित्य-वर्ग'क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) मध्ययुगीन मैथिलीमे दरबारी साहित्यक संग लोक-अभिव्यक्ति समानान्तर चलैत रहल

(B) पदावली परम्परा मैथिलीक गीतात्मक विकासक महत्त्वपूर्ण चरण अछि

(C) मिथिला पाण्डित्य-वर्ग भाषिक संस्कार आ शास्त्रीय संपर्कक संवाहक रहल

(D) नेपालक मल्ल दरबारमे मैथिली नाटक आ गीतक उल्लेखनीय परम्परा रहल

३७३. 'पाण्डित्य-वर्ग'क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) मिथिला पाण्डित्य-वर्ग भाषिक संस्कार आ शास्त्रीय संपर्कक संवाहक रहल

(B) गीतिनाट्य परम्परा मैथिलीक श्रव्य-अभिनय रूपकेँ मजबूत करैत अछि

(C) विद्यापति मैथिली पदावलीकेँ व्यापक काव्य-प्रतिष्ठा देनिहार प्रमुख कवि छथि

(D) मध्यकालीन मैथिली काव्यमे भक्ति आ शृङ्गारक समन्वय विशेष देखाइत अछि

३७४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे 'पाण्डित्य-वर्ग'क महत्त्व की अछि?

(A) मध्यकालीन मैथिली काव्यमे भक्ति आ शृङ्गारक समन्वय विशेष देखाइत अछि

(B) विद्यापति मैथिली पदावलीकेँ व्यापक काव्य-प्रतिष्ठा देनिहार प्रमुख कवि छथि

(C) गीतिनाट्य परम्परा मैथिलीक श्रव्य-अभिनय रूपकेँ मजबूत करैत अछि

(D) मिथिला पाण्डित्य-वर्ग भाषिक संस्कार आ शास्त्रीय संपर्कक संवाहक रहल

३७५. 'पाण्डित्य-वर्ग' केँ मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) मिथिला पाण्डित्य-वर्ग भाषिक संस्कार आ शास्त्रीय संपर्कक संवाहक रहल

(B) मध्ययुगमे दरबार आ सामन्ती संरक्षणसँ काव्य, नाटक आ संगीतक विकास भेल

(C) कीर्तनिया नाटकमे गीत, अभिनय आ धार्मिक कथा मैथिली प्रयोगक संग जुड़ल

(D) मैथिली मध्ययुगमे संस्कृत, अवहट्ठ, ब्रज, बंगाली आ नेपाली परिवेशसँ संवाद करैत रहल

३७६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल 'पाण्डित्य-वर्ग' ककर संकेत करैत अछि?

(A) गीतिनाट्य परम्परा मैथिलीक श्रव्य-अभिनय रूपकेँ मजबूत करैत अछि

(B) मिथिला पाण्डित्य-वर्ग भाषिक संस्कार आ शास्त्रीय संपर्कक संवाहक रहल

(C) मध्यकालीन मैथिली काव्यमे भक्ति आ शृङ्गारक समन्वय विशेष देखाइत अछि

(D) विद्यापति मैथिली पदावलीकेँ व्यापक काव्य-प्रतिष्ठा देनिहार प्रमुख कवि छथि

३७७. ‘पाण्डित्य-वर्ग’ पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) मैथिली मध्ययुगमे संस्कृत, अवहट्ठ, ब्रज, बंगाली आ नेपाली परिवेशसँ संवाद करैत रहल

(B) मिथिला पाण्डित्य-वर्ग भाषिक संस्कार आ शास्त्रीय संपर्कक संवाहक रहल

(C) कीर्तनिया नाटकमे गीत, अभिनय आ धार्मिक कथा मैथिली प्रयोगक संग जुड़ल

(D) मध्ययुगमे दरबार आ सामन्ती संरक्षणसँ काव्य, नाटक आ संगीतक विकास भेल

३७८. मैथिली भाषाक कालक्रममे ‘पाण्डित्य-वर्ग’ कैं कोना समझल जाय?

(A) मध्ययुगीन मैथिलीमे दरबारी साहित्यक संग लोक-अभिव्यक्ति समानान्तर चलैत रहल

(B) नेपालक मल्ल दरबारमे मैथिली नाटक आ गीतक उल्लेखनीय परम्परा रहल

(C) मिथिला पाण्डित्य-वर्ग भाषिक संस्कार आ शास्त्रीय संपर्कक संवाहक रहल

(D) पदावली परम्परा मैथिलीक गीतात्मक विकासक महत्त्वपूर्ण चरण अछि

३७९. निम्नमे सँ ‘पाण्डित्य-वर्ग’क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) विद्यापति मैथिली पदावलीकैं व्यापक काव्य-प्रतिष्ठा देनिहार प्रमुख कवि छथि

(B) मिथिला पाण्डित्य-वर्ग भाषिक संस्कार आ शास्त्रीय संपर्कक संवाहक रहल

(C) मध्यकालीन मैथिली काव्यमे भक्ति आ शृङ्गारक समन्वय विशेष देखाइत अछि

(D) गीतिनाट्य परम्परा मैथिलीक श्रव्य-अभिनय रूपकैं मजबूत करैत अछि

३८०. विद्यार्थी जँ ‘पाण्डित्य-वर्ग’ लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) मध्ययुगमे दरबार आ सामन्ती संरक्षणसँ काव्य, नाटक आ संगीतक विकास भेल

(B) मैथिली मध्ययुगमे संस्कृत, अवहट्ठ, ब्रज, बंगाली आ नेपाली परिवेशसँ संवाद करैत रहल

(C) कीर्तनिया नाटकमे गीत, अभिनय आ धार्मिक कथा मैथिली प्रयोगक संग जुड़ल

(D) मिथिला पाण्डित्य-वर्ग भाषिक संस्कार आ शास्त्रीय संपर्कक संवाहक रहल

३८१. ‘लोक-अभिव्यक्ति’ सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) गीतिनाट्य परम्परा मैथिलीक श्रव्य-अभिनय रूपकैं मजबूत करैत अछि

(B) विद्यापति मैथिली पदावलीकैं व्यापक काव्य-प्रतिष्ठा देनिहार प्रमुख कवि छथि

(C) मध्यकालीन मैथिली काव्यमे भक्ति आ शृङ्गारक समन्वय विशेष देखाइत अछि

(D) मध्ययुगीन मैथिलीमे दरबारी साहित्यक संग लोक-अभिव्यक्ति समानान्तर चलैत रहल

३८२. जँ प्रश्न हो—‘लोक-अभिव्यक्ति’क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) मध्ययुगीन मैथिलीमे दरबारी साहित्यक संग लोक-अभिव्यक्ति समानान्तर चलैत रहल

(B) नेपालक मल्ल दरबारमे मैथिली नाटक आ गीतक उल्लेखनीय परम्परा रहल

(C) पदावली परम्परा मैथिलीक गीतात्मक विकासक महत्त्वपूर्ण चरण अछि

(D) मिथिला पाण्डित्य-वर्ग भाषिक संस्कार आ शास्त्रीय संपर्कक संवाहक रहल

३८३. ‘लोक-अभिव्यक्ति’क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) पदावली परम्परा मैथिलीक गीतात्मक विकासक महत्त्वपूर्ण चरण अछि

(B) नेपालक मल्ल दरबारमे मैथिली नाटक आ गीतक उल्लेखनीय परम्परा रहल

(C) मध्ययुगीन मैथिलीमे दरबारी साहित्यक संग लोक-अभिव्यक्ति समानान्तर चलैत रहल

(D) मिथिला पाण्डित्य-वर्ग भाषिक संस्कार आ शास्त्रीय संपर्कक संवाहक रहल

३८४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे ‘लोक-अभिव्यक्ति’क महत्त्व की अछि?

(A) विद्यापति मैथिली पदावलीकैं व्यापक काव्य-प्रतिष्ठा देनिहार प्रमुख कवि छथि

(B) गीतिनाट्य परम्परा मैथिलीक श्रव्य-अभिनय रूपकैं मजबूत करैत अछि

(C) मध्यकालीन मैथिली काव्यमे भक्ति आ शृङ्गारक समन्वय विशेष देखाइत अछि

(D) मध्ययुगीन मैथिलीमे दरबारी साहित्यक संग लोक-अभिव्यक्ति समानान्तर चलैत रहल

३८५. 'लोक-अभिव्यक्ति' कैँ मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) गीतिनाट्य परम्परा मैथिलीक श्रव्य-अभिनय रूपकेँ मजबूत करैत अछि

(B) विद्यापति मैथिली पदावलीकेँ व्यापक काव्य-प्रतिष्ठा देनिहार प्रमुख कवि छथि

(C) मध्ययुगीन मैथिलीमे दरबारी साहित्यक संग लोक-अभिव्यक्ति समानान्तर चलैत रहल

(D) मध्यकालीन मैथिली काव्यमे भक्ति आ शृङ्गारक समन्वय विशेष देखाइत अछि

३८६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल 'लोक-अभिव्यक्ति' ककर संकेत करैत अछि?

(A) मध्ययुगमे दरबार आ सामन्ती संरक्षणसँ काव्य, नाटक आ संगीतक विकास भेल

(B) कीर्तनिया नाटकमे गीत, अभिनय आ धार्मिक कथा मैथिली प्रयोगक संग जुड़ल

(C) मैथिली मध्ययुगमे संस्कृत, अवहट्ठ, ब्रज, बंगाली आ नेपाली परिवेशसँ संवाद करैत रहल

(D) मध्ययुगीन मैथिलीमे दरबारी साहित्यक संग लोक-अभिव्यक्ति समानान्तर चलैत रहल

३८७. 'लोक-अभिव्यक्ति' पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) मध्ययुगीन मैथिलीमे दरबारी साहित्यक संग लोक-अभिव्यक्ति समानान्तर चलैत रहल

(B) मध्ययुगमे दरबार आ सामन्ती संरक्षणसँ काव्य, नाटक आ संगीतक विकास भेल

(C) मैथिली मध्ययुगमे संस्कृत, अवहट्ठ, ब्रज, बंगाली आ नेपाली परिवेशसँ संवाद करैत रहल

(D) कीर्तनिया नाटकमे गीत, अभिनय आ धार्मिक कथा मैथिली प्रयोगक संग जुड़ल

३८८. मैथिली भाषाक कालक्रममे 'लोक-अभिव्यक्ति' कैँ कोना समझल जाय?

(A) मध्ययुगीन मैथिलीमे दरबारी साहित्यक संग लोक-अभिव्यक्ति समानान्तर चलैत रहल

(B) मध्ययुगमे दरबार आ सामन्ती संरक्षणसँ काव्य, नाटक आ संगीतक विकास भेल

(C) कीर्तनिया नाटकमे गीत, अभिनय आ धार्मिक कथा मैथिली प्रयोगक संग जुड़ल

(D) मैथिली मध्ययुगमे संस्कृत, अवहट्ठ, ब्रज, बंगाली आ नेपाली परिवेशसँ संवाद करैत रहल

३८९. निम्नमे सँ 'लोक-अभिव्यक्ति'क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) गीतिनाट्य परम्परा मैथिलीक श्रव्य-अभिनय रूपकेँ मजबूत करैत अछि

(B) विद्यापति मैथिली पदावलीकेँ व्यापक काव्य-प्रतिष्ठा देनिहार प्रमुख कवि छथि

(C) मध्यकालीन मैथिली काव्यमे भक्ति आ शृङ्गारक समन्वय विशेष देखाइत अछि

(D) मध्ययुगीन मैथिलीमे दरबारी साहित्यक संग लोक-अभिव्यक्ति समानान्तर चलैत रहल

३९०. विद्यार्थी जँ 'लोक-अभिव्यक्ति' लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) मध्ययुगीन मैथिलीमे दरबारी साहित्यक संग लोक-अभिव्यक्ति समानान्तर चलैत रहल

(B) मध्यकालीन मैथिली काव्यमे भक्ति आ शृङ्गारक समन्वय विशेष देखाइत अछि

(C) विद्यापति मैथिली पदावलीकेँ व्यापक काव्य-प्रतिष्ठा देनिहार प्रमुख कवि छथि

(D) गीतिनाट्य परम्परा मैथिलीक श्रव्य-अभिनय रूपकेँ मजबूत करैत अछि

३९१. 'भाषा-संपर्क' सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) मिथिला पाण्डित्य-वर्ग भाषिक संस्कार आ शास्त्रीय संपर्कक संवाहक रहल

(B) नेपालक मल्ल दरबारमे मैथिली नाटक आ गीतक उल्लेखनीय परम्परा रहल

(C) मैथिली मध्ययुगमे संस्कृत, अवहट्ठ, ब्रज, बंगाली आ नेपाली परिवेशसँ संवाद करैत रहल

(D) पदावली परम्परा मैथिलीक गीतात्मक विकासक महत्त्वपूर्ण चरण अछि

३९२. जँ प्रश्न हो—'भाषा-संपर्क'क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) मैथिली मध्ययुगमे संस्कृत, अवहट्ठ, ब्रज, बंगाली आ नेपाली परिवेशसँ संवाद करैत रहल

(B) नेपालक मल्ल दरबारमे मैथिली नाटक आ गीतक उल्लेखनीय परम्परा रहल

(C) पदावली परम्परा मैथिलीक गीतात्मक विकासक महत्त्वपूर्ण चरण अछि

(D) मिथिला पाण्डित्य-वर्ग भाषिक संस्कार आ शास्त्रीय संपर्कक संवाहक रहल

३९३. ‘भाषा-संपर्क’क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) गीतिनाट्य परम्परा मैथिलीक श्रव्य-अभिनय रूपकेँ मजबूत करैत अछि

(B) विद्यापति मैथिली पदावलीकेँ व्यापक काव्य-प्रतिष्ठा देनिहार प्रमुख कवि छथि

(C) मैथिली मध्ययुगमे संस्कृत, अवहट्ठ, ब्रज, बंगाली आ नेपाली परिवेशसँ संवाद करैत रहल

(D) मध्यकालीन मैथिली काव्यमे भक्ति आ शृङ्गारक समन्वय विशेष देखाइत अछि

३९४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे ‘भाषा-संपर्क’क महत्त्व की अछि?

(A) गीतिनाट्य परम्परा मैथिलीक श्रव्य-अभिनय रूपकेँ मजबूत करैत अछि

(B) विद्यापति मैथिली पदावलीकेँ व्यापक काव्य-प्रतिष्ठा देनिहार प्रमुख कवि छथि

(C) मैथिली मध्ययुगमे संस्कृत, अवहट्ठ, ब्रज, बंगाली आ नेपाली परिवेशसँ संवाद करैत रहल

(D) मध्यकालीन मैथिली काव्यमे भक्ति आ शृङ्गारक समन्वय विशेष देखाइत अछि

३९५. ‘भाषा-संपर्क’ केँ मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) मैथिली मध्ययुगमे संस्कृत, अवहट्ठ, ब्रज, बंगाली आ नेपाली परिवेशसँ संवाद करैत रहल

(B) नेपालक मल्ल दरबारमे मैथिली नाटक आ गीतक उल्लेखनीय परम्परा रहल

(C) पदावली परम्परा मैथिलीक गीतात्मक विकासक महत्त्वपूर्ण चरण अछि

(D) मिथिला पाण्डित्य-वर्ग भाषिक संस्कार आ शास्त्रीय संपर्कक संवाहक रहल

३९६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल ‘भाषा-संपर्क’ ककर संकेत करैत अछि?

(A) मैथिली मध्ययुगमे संस्कृत, अवहट्ठ, ब्रज, बंगाली आ नेपाली परिवेशसँ संवाद करैत रहल

(B) मिथिला पाण्डित्य-वर्ग भाषिक संस्कार आ शास्त्रीय संपर्कक संवाहक रहल

(C) नेपालक मल्ल दरबारमे मैथिली नाटक आ गीतक उल्लेखनीय परम्परा रहल

(D) पदावली परम्परा मैथिलीक गीतात्मक विकासक महत्त्वपूर्ण चरण अछि

३९७. ‘भाषा-संपर्क’ पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) मिथिला पाण्डित्य-वर्ग भाषिक संस्कार आ शास्त्रीय संपर्कक संवाहक रहल

(B) मैथिली मध्ययुगमे संस्कृत, अवहट्ठ, ब्रज, बंगाली आ नेपाली परिवेशसँ संवाद करैत रहल

(C) पदावली परम्परा मैथिलीक गीतात्मक विकासक महत्त्वपूर्ण चरण अछि

(D) नेपालक मल्ल दरबारमे मैथिली नाटक आ गीतक उल्लेखनीय परम्परा रहल

३९८. मैथिली भाषाक कालक्रममे ‘भाषा-संपर्क’ केँ कोना समझल जाय?

(A) विद्यापति मैथिली पदावलीकेँ व्यापक काव्य-प्रतिष्ठा देनिहार प्रमुख कवि छथि

(B) मध्यकालीन मैथिली काव्यमे भक्ति आ शृङ्गारक समन्वय विशेष देखाइत अछि

(C) मैथिली मध्ययुगमे संस्कृत, अवहट्ठ, ब्रज, बंगाली आ नेपाली परिवेशसँ संवाद करैत रहल

(D) गीतिनाट्य परम्परा मैथिलीक श्रव्य-अभिनय रूपकेँ मजबूत करैत अछि

३९९. निम्नमे सँ ‘भाषा-संपर्क’क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) मध्ययुगीन मैथिलीमे दरबारी साहित्यक संग लोक-अभिव्यक्ति समानान्तर चलैत रहल

(B) कीर्तनिया नाटकमे गीत, अभिनय आ धार्मिक कथा मैथिली प्रयोगक संग जुड़ल

(C) मध्ययुगमे दरबार आ सामन्ती संरक्षणसँ काव्य, नाटक आ संगीतक विकास भेल

(D) मैथिली मध्ययुगमे संस्कृत, अवहट्ठ, ब्रज, बंगाली आ नेपाली परिवेशसँ संवाद करैत रहल

४००. विद्यार्थी जँ ‘भाषा-संपर्क’ लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) विद्यापति मैथिली पदावलीकेँ व्यापक काव्य-प्रतिष्ठा देनिहार प्रमुख कवि छथि

(B) मध्यकालीन मैथिली काव्यमे भक्ति आ शृङ्गारक समन्वय विशेष देखाइत अछि

(C) मैथिली मध्ययुगमे संस्कृत, अवहट्ठ, ब्रज, बंगाली आ नेपाली परिवेशसँ संवाद करैत रहल

(D) गीतिनाट्य परम्परा मैथिलीक श्रव्य-अभिनय रूपकेँ मजबूत करैत अछि

४०१. ‘सर्वनाम-आदर’ सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) मैथिली क्रियामे आदर आ पुरुषक मेल भाषा-रूपक महत्त्वपूर्ण विशेषता अछि

(B) नहि, ने, नै आदि नकार-रूप क्षेत्रीय आ शैलीगत विविधता देखबैत अछि

(C) ध्वनि-संयोग आ सरलीकरण बोलचालक इतिहास देखबैत अछि

(D) मैथिलीमे सर्वनामक आदरसूचक स्तर सामाजिक सम्बन्धक सूक्ष्मता देखबैत अछि

४०२. जँ प्रश्न हो—‘सर्वनाम-आदर’क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) मैथिलीमे सामान्यतः कर्ता-कर्म-क्रिया क्रम प्रमुख रहल

(B) मैथिलीमे बहुवचनक विविध रूप लोक-प्रयोग आ मानक दुनूक संकेत दैत अछि

(C) मैथिलीमे सर्वनामक आदरसूचक स्तर सामाजिक सम्बन्धक सूक्ष्मता देखबैत अछि

(D) मैथिलीमे भूत, वर्तमान, भविष्य आ पक्षगत रूप अर्थ-भेद बनबैत अछि

४०३. ‘सर्वनाम-आदर’क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) मैथिलीमे संज्ञा-सर्वनामक सम्बन्ध कारक-चिह्नसँ स्पष्ट होइत अछि

(B) मैथिलीमे सर्वनामक आदरसूचक स्तर सामाजिक सम्बन्धक सूक्ष्मता देखबैत अछि

(C) लोक-उच्चारण साहित्यिक रूपकेँ जीवित आधार प्रदान करैत अछि

(D) प्रत्ययसँ मैथिलीमे नब शब्द, भाव आ व्याकरणिक रूप बनैत अछि

४०४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे ‘सर्वनाम-आदर’क महत्त्व की अछि?

(A) मैथिलीमे सर्वनामक आदरसूचक स्तर सामाजिक सम्बन्धक सूक्ष्मता देखबैत अछि

(B) मैथिलीमे संज्ञा-सर्वनामक सम्बन्ध कारक-चिह्नसँ स्पष्ट होइत अछि

(C) प्रत्ययसँ मैथिलीमे नब शब्द, भाव आ व्याकरणिक रूप बनैत अछि

(D) लोक-उच्चारण साहित्यिक रूपकेँ जीवित आधार प्रदान करैत अछि

४०५. ‘सर्वनाम-आदर’ केँ मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) मैथिलीमे सर्वनामक आदरसूचक स्तर सामाजिक सम्बन्धक सूक्ष्मता देखबैत अछि

(B) मैथिलीमे संज्ञा-सर्वनामक सम्बन्ध कारक-चिह्नसँ स्पष्ट होइत अछि

(C) प्रत्ययसँ मैथिलीमे नब शब्द, भाव आ व्याकरणिक रूप बनैत अछि

(D) लोक-उच्चारण साहित्यिक रूपकेँ जीवित आधार प्रदान करैत अछि

४०६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल ‘सर्वनाम-आदर’ ककर संकेत करैत अछि?

(A) मैथिलीमे सर्वनामक आदरसूचक स्तर सामाजिक सम्बन्धक सूक्ष्मता देखबैत अछि

(B) मैथिलीमे संज्ञा-सर्वनामक सम्बन्ध कारक-चिह्नसँ स्पष्ट होइत अछि

(C) लोक-उच्चारण साहित्यिक रूपकेँ जीवित आधार प्रदान करैत अछि

(D) प्रत्ययसँ मैथिलीमे नब शब्द, भाव आ व्याकरणिक रूप बनैत अछि

४०७. ‘सर्वनाम-आदर’ पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) ध्वनि-संयोग आ सरलीकरण बोलचालक इतिहास देखबैत अछि

(B) नहि, ने, नै आदि नकार-रूप क्षेत्रीय आ शैलीगत विविधता देखबैत अछि

(C) मैथिली क्रियामे आदर आ पुरुषक मेल भाषा-रूपक महत्त्वपूर्ण विशेषता अछि

(D) मैथिलीमे सर्वनामक आदरसूचक स्तर सामाजिक सम्बन्धक सूक्ष्मता देखबैत अछि

४०८. मैथिली भाषाक कालक्रममे ‘सर्वनाम-आदर’ केँ कोना समझल जाय?

(A) मैथिलीमे सर्वनामक आदरसूचक स्तर सामाजिक सम्बन्धक सूक्ष्मता देखबैत अछि

(B) मैथिली क्रियामे आदर आ पुरुषक मेल भाषा-रूपक महत्त्वपूर्ण विशेषता अछि

(C) नहि, ने, नै आदि नकार-रूप क्षेत्रीय आ शैलीगत विविधता देखबैत अछि

(D) ध्वनि-संयोग आ सरलीकरण बोलचालक इतिहास देखबैत अछि

४०९. निम्नमे सँ 'सर्वनाम-आदर'क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) मैथिलीमे सर्वनामक आदरसूचक स्तर सामाजिक सम्बन्धक सूक्ष्मता देखबैत अछि

(B) मैथिलीमे भूत, वर्तमान, भविष्य आ पक्षगत रूप अर्थ-भेद बनबैत अछि

(C) मैथिलीमे सामान्यतः कर्ता-कर्म-क्रिया क्रम प्रमुख रहल

(D) मैथिलीमे बहुवचनक विविध रूप लोक-प्रयोग आ मानक दुनूक संकेत दैत अछि

४१०. विद्यार्थी जँ 'सर्वनाम-आदर' लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) मैथिलीमे सर्वनामक आदरसूचक स्तर सामाजिक सम्बन्धक सूक्ष्मता देखबैत अछि

(B) ध्वनि-संयोग आ सरलीकरण बोलचालक इतिहास देखबैत अछि

(C) नहि, ने, नै आदि नकार-रूप क्षेत्रीय आ शैलीगत विविधता देखबैत अछि

(D) मैथिली क्रियामे आदर आ पुरुषक मेल भाषा-रूपक महत्त्वपूर्ण विशेषता अछि

४११. 'क्रिया-आदर' सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) मैथिलीमे भूत, वर्तमान, भविष्य आ पक्षगत रूप अर्थ-भेद बनबैत अछि

(B) मैथिलीमे सामान्यतः कर्ता-कर्म-क्रिया क्रम प्रमुख रहल

(C) मैथिली क्रियामे आदर आ पुरुषक मेल भाषा-रूपक महत्त्वपूर्ण विशेषता अछि

(D) मैथिलीमे बहुवचनक विविध रूप लोक-प्रयोग आ मानक दुनूक संकेत दैत अछि

४१२. जँ प्रश्न हो—'क्रिया-आदर'क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) लोक-उच्चारण साहित्यिक रूपकेँ जीवित आधार प्रदान करैत अछि

(B) प्रत्ययसँ मैथिलीमे नब शब्द, भाव आ व्याकरणिक रूप बनैत अछि

(C) मैथिलीमे संज्ञा-सर्वनामक सम्बन्ध कारक-चिह्नसँ स्पष्ट होइत अछि

(D) मैथिली क्रियामे आदर आ पुरुषक मेल भाषा-रूपक महत्त्वपूर्ण विशेषता अछि

४१३. 'क्रिया-आदर'क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) मैथिलीमे भूत, वर्तमान, भविष्य आ पक्षगत रूप अर्थ-भेद बनबैत अछि

(B) मैथिली क्रियामे आदर आ पुरुषक मेल भाषा-रूपक महत्त्वपूर्ण विशेषता अछि

(C) मैथिलीमे सामान्यतः कर्ता-कर्म-क्रिया क्रम प्रमुख रहल

(D) मैथिलीमे बहुवचनक विविध रूप लोक-प्रयोग आ मानक दुनूक संकेत दैत अछि

४१४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे 'क्रिया-आदर'क महत्त्व की अछि?

(A) प्रत्ययसँ मैथिलीमे नब शब्द, भाव आ व्याकरणिक रूप बनैत अछि

(B) मैथिली क्रियामे आदर आ पुरुषक मेल भाषा-रूपक महत्त्वपूर्ण विशेषता अछि

(C) मैथिलीमे संज्ञा-सर्वनामक सम्बन्ध कारक-चिह्नसँ स्पष्ट होइत अछि

(D) लोक-उच्चारण साहित्यिक रूपकेँ जीवित आधार प्रदान करैत अछि

४१५. 'क्रिया-आदर' केँ मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) मैथिली क्रियामे आदर आ पुरुषक मेल भाषा-रूपक महत्त्वपूर्ण विशेषता अछि

(B) मैथिलीमे बहुवचनक विविध रूप लोक-प्रयोग आ मानक दुनूक संकेत दैत अछि

(C) मैथिलीमे भूत, वर्तमान, भविष्य आ पक्षगत रूप अर्थ-भेद बनबैत अछि

(D) मैथिलीमे सामान्यतः कर्ता-कर्म-क्रिया क्रम प्रमुख रहल

४१६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल 'क्रिया-आदर' ककर संकेत करैत अछि?

(A) मैथिलीमे संज्ञा-सर्वनामक सम्बन्ध कारक-चिह्नसँ स्पष्ट होइत अछि

(B) मैथिली क्रियामे आदर आ पुरुषक मेल भाषा-रूपक महत्त्वपूर्ण विशेषता अछि

(C) लोक-उच्चारण साहित्यिक रूपकेँ जीवित आधार प्रदान करैत अछि

(D) प्रत्ययसँ मैथिलीमे नब शब्द, भाव आ व्याकरणिक रूप बनैत अछि

४१७. 'क्रिया-आदर' पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) मैथिलीमे भूत, वर्तमान, भविष्य आ पक्षगत रूप अर्थ-भेद बनबैत अछि

(B) मैथिलीमे सामान्यतः कर्ता-कर्म-क्रिया क्रम प्रमुख रहल

(C) मैथिलीमे बहुवचनक विविध रूप लोक-प्रयोग आ मानक दुनूक संकेत दैत अछि

(D) मैथिली क्रियामे आदर आ पुरुषक मेल भाषा-रूपक महत्त्वपूर्ण विशेषता अछि

४१८. मैथिली भाषाक कालक्रममे 'क्रिया-आदर' कैँ कोना समझल जाय?

(A) मैथिलीमे संज्ञा-सर्वनामक सम्बन्ध कारक-चिह्नसँ स्पष्ट होइत अछि

(B) प्रत्ययसँ मैथिलीमे नब शब्द, भाव आ व्याकरणिक रूप बनैत अछि

(C) मैथिली क्रियामे आदर आ पुरुषक मेल भाषा-रूपक महत्त्वपूर्ण विशेषता अछि

(D) लोक-उच्चारण साहित्यिक रूपकैँ जीवित आधार प्रदान करैत अछि

४१९. निम्नमे सँ 'क्रिया-आदर'क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) मैथिली क्रियामे आदर आ पुरुषक मेल भाषा-रूपक महत्त्वपूर्ण विशेषता अछि

(B) नहि, ने, नै आदि नकार-रूप क्षेत्रीय आ शैलीगत विविधता देखबैत अछि

(C) ध्वनि-संयोग आ सरलीकरण बोलचालक इतिहास देखबैत अछि

(D) मैथिलीमे सर्वनामक आदरसूचक स्तर सामाजिक सम्बन्धक सूक्ष्मता देखबैत अछि

४२०. विद्यार्थी जँ 'क्रिया-आदर' लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) मैथिलीमे बहुवचनक विविध रूप लोक-प्रयोग आ मानक दुनूक संकेत दैत अछि

(B) मैथिली क्रियामे आदर आ पुरुषक मेल भाषा-रूपक महत्त्वपूर्ण विशेषता अछि

(C) मैथिलीमे भूत, वर्तमान, भविष्य आ पक्षगत रूप अर्थ-भेद बनबैत अछि

(D) मैथिलीमे सामान्यतः कर्ता-कर्म-क्रिया क्रम प्रमुख रहल

४२१. 'काल-रूप' सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) मैथिलीमे सामान्यतः कर्ता-कर्म-क्रिया क्रम प्रमुख रहल

(B) मैथिलीमे बहुवचनक विविध रूप लोक-प्रयोग आ मानक दुनूक संकेत दैत अछि

(C) मैथिलीमे भूत, वर्तमान, भविष्य आ पक्षगत रूप अर्थ-भेद बनबैत अछि

(D) मैथिली क्रियामे आदर आ पुरुषक मेल भाषा-रूपक महत्त्वपूर्ण विशेषता अछि

४२२. जँ प्रश्न हो—'काल-रूप'क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) मैथिलीमे संज्ञा-सर्वनामक सम्बन्ध कारक-चिह्नसँ स्पष्ट होइत अछि

(B) लोक-उच्चारण साहित्यिक रूपकैँ जीवित आधार प्रदान करैत अछि

(C) मैथिलीमे भूत, वर्तमान, भविष्य आ पक्षगत रूप अर्थ-भेद बनबैत अछि

(D) प्रत्ययसँ मैथिलीमे नब शब्द, भाव आ व्याकरणिक रूप बनैत अछि

४२३. 'काल-रूप'क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) मैथिलीमे सर्वनामक आदरसूचक स्तर सामाजिक सम्बन्धक सूक्ष्मता देखबैत अछि

(B) मैथिलीमे भूत, वर्तमान, भविष्य आ पक्षगत रूप अर्थ-भेद बनबैत अछि

(C) ध्वनि-संयोग आ सरलीकरण बोलचालक इतिहास देखबैत अछि

(D) नहि, ने, नै आदि नकार-रूप क्षेत्रीय आ शैलीगत विविधता देखबैत अछि

४२४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे 'काल-रूप'क महत्त्व की अछि?

(A) मैथिलीमे संज्ञा-सर्वनामक सम्बन्ध कारक-चिह्नसँ स्पष्ट होइत अछि

(B) मैथिलीमे भूत, वर्तमान, भविष्य आ पक्षगत रूप अर्थ-भेद बनबैत अछि

(C) प्रत्ययसँ मैथिलीमे नब शब्द, भाव आ व्याकरणिक रूप बनैत अछि

(D) लोक-उच्चारण साहित्यिक रूपकैँ जीवित आधार प्रदान करैत अछि

४२५. ‘काल-रूप’ कैँ मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) नहि, ने, नै आदि नकार-रूप क्षेत्रीय आ शैलीगत विविधता देखबैत अछि

(B) मैथिलीमे भूत, वर्तमान, भविष्य आ पक्षगत रूप अर्थ-भेद बनबैत अछि

(C) ध्वनि-संयोग आ सरलीकरण बोलचालक इतिहास देखबैत अछि

(D) मैथिलीमे सर्वनामक आदरसूचक स्तर सामाजिक सम्बन्धक सूक्ष्मता देखबैत अछि

४२६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल ‘काल-रूप’ ककर संकेत करैत अछि?

(A) मैथिलीमे संज्ञा-सर्वनामक सम्बन्ध कारक-चिह्नसँ स्पष्ट होइत अछि

(B) लोक-उच्चारण साहित्यिक रूपकेँ जीवित आधार प्रदान करैत अछि

(C) प्रत्ययसँ मैथिलीमे नब शब्द, भाव आ व्याकरणिक रूप बनैत अछि

(D) मैथिलीमे भूत, वर्तमान, भविष्य आ पक्षगत रूप अर्थ-भेद बनबैत अछि

४२७. ‘काल-रूप’ पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) लोक-उच्चारण साहित्यिक रूपकेँ जीवित आधार प्रदान करैत अछि

(B) मैथिलीमे भूत, वर्तमान, भविष्य आ पक्षगत रूप अर्थ-भेद बनबैत अछि

(C) मैथिलीमे संज्ञा-सर्वनामक सम्बन्ध कारक-चिह्नसँ स्पष्ट होइत अछि

(D) प्रत्ययसँ मैथिलीमे नब शब्द, भाव आ व्याकरणिक रूप बनैत अछि

४२८. मैथिली भाषाक कालक्रममे ‘काल-रूप’ कैँ कोना समझल जाय?

(A) मैथिलीमे भूत, वर्तमान, भविष्य आ पक्षगत रूप अर्थ-भेद बनबैत अछि

(B) लोक-उच्चारण साहित्यिक रूपकेँ जीवित आधार प्रदान करैत अछि

(C) प्रत्ययसँ मैथिलीमे नब शब्द, भाव आ व्याकरणिक रूप बनैत अछि

(D) मैथिलीमे संज्ञा-सर्वनामक सम्बन्ध कारक-चिह्नसँ स्पष्ट होइत अछि

४२९. निम्नमे सँ ‘काल-रूप’क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) प्रत्ययसँ मैथिलीमे नब शब्द, भाव आ व्याकरणिक रूप बनैत अछि

(B) मैथिलीमे संज्ञा-सर्वनामक सम्बन्ध कारक-चिह्नसँ स्पष्ट होइत अछि

(C) लोक-उच्चारण साहित्यिक रूपकेँ जीवित आधार प्रदान करैत अछि

(D) मैथिलीमे भूत, वर्तमान, भविष्य आ पक्षगत रूप अर्थ-भेद बनबैत अछि

४३०. विद्यार्थी जँ ‘काल-रूप’ लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) मैथिलीमे भूत, वर्तमान, भविष्य आ पक्षगत रूप अर्थ-भेद बनबैत अछि

(B) ध्वनि-संयोग आ सरलीकरण बोलचालक इतिहास देखबैत अछि

(C) नहि, ने, नै आदि नकार-रूप क्षेत्रीय आ शैलीगत विविधता देखबैत अछि

(D) मैथिलीमे सर्वनामक आदरसूचक स्तर सामाजिक सम्बन्धक सूक्ष्मता देखबैत अछि

४३१. ‘कारक-चिह्न’ सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) प्रत्ययसँ मैथिलीमे नब शब्द, भाव आ व्याकरणिक रूप बनैत अछि

(B) मैथिलीमे संज्ञा-सर्वनामक सम्बन्ध कारक-चिह्नसँ स्पष्ट होइत अछि

(C) मैथिलीमे भूत, वर्तमान, भविष्य आ पक्षगत रूप अर्थ-भेद बनबैत अछि

(D) लोक-उच्चारण साहित्यिक रूपकेँ जीवित आधार प्रदान करैत अछि

४३२. जँ प्रश्न हो—‘कारक-चिह्न’क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) मैथिलीमे सर्वनामक आदरसूचक स्तर सामाजिक सम्बन्धक सूक्ष्मता देखबैत अछि

(B) ध्वनि-संयोग आ सरलीकरण बोलचालक इतिहास देखबैत अछि

(C) नहि, ने, नै आदि नकार-रूप क्षेत्रीय आ शैलीगत विविधता देखबैत अछि

(D) मैथिलीमे संज्ञा-सर्वनामक सम्बन्ध कारक-चिह्नसँ स्पष्ट होइत अछि

४३३. ‘कारक-चिह्न’क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) मैथिली क्रियामे आदर आ पुरुषक मेल भाषा-रूपक महत्त्वपूर्ण विशेषता अछि

(B) मैथिलीमे बहुवचनक विविध रूप लोक-प्रयोग आ मानक दुनूक संकेत दैत अछि

(C) मैथिलीमे संज्ञा-सर्वनामक सम्बन्ध कारक-चिह्नसँ स्पष्ट होइत अछि

(D) मैथिलीमे सामान्यतः कर्ता-कर्म-क्रिया क्रम प्रमुख रहल

४३४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे ‘कारक-चिह्न’क महत्त्व की अछि?

(A) प्रत्ययसँ मैथिलीमे नब शब्द, भाव आ व्याकरणिक रूप बनैत अछि

(B) मैथिलीमे संज्ञा-सर्वनामक सम्बन्ध कारक-चिह्नसँ स्पष्ट होइत अछि

(C) मैथिलीमे भूत, वर्तमान, भविष्य आ पक्षगत रूप अर्थ-भेद बनबैत अछि

(D) लोक-उच्चारण साहित्यिक रूपकेँ जीवित आधार प्रदान करैत अछि

४३५. ‘कारक-चिह्न’ केँ मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) नहि, ने, नै आदि नकार-रूप क्षेत्रीय आ शैलीगत विविधता देखबैत अछि

(B) मैथिलीमे संज्ञा-सर्वनामक सम्बन्ध कारक-चिह्नसँ स्पष्ट होइत अछि

(C) मैथिलीमे सर्वनामक आदरसूचक स्तर सामाजिक सम्बन्धक सूक्ष्मता देखबैत अछि

(D) ध्वनि-संयोग आ सरलीकरण बोलचालक इतिहास देखबैत अछि

४३६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल ‘कारक-चिह्न’ ककर संकेत करैत अछि?

(A) ध्वनि-संयोग आ सरलीकरण बोलचालक इतिहास देखबैत अछि

(B) मैथिलीमे संज्ञा-सर्वनामक सम्बन्ध कारक-चिह्नसँ स्पष्ट होइत अछि

(C) मैथिलीमे सर्वनामक आदरसूचक स्तर सामाजिक सम्बन्धक सूक्ष्मता देखबैत अछि

(D) नहि, ने, नै आदि नकार-रूप क्षेत्रीय आ शैलीगत विविधता देखबैत अछि

४३७. ‘कारक-चिह्न’ पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) मैथिलीमे बहुवचनक विविध रूप लोक-प्रयोग आ मानक दुनूक संकेत दैत अछि

(B) मैथिली क्रियामे आदर आ पुरुषक मेल भाषा-रूपक महत्त्वपूर्ण विशेषता अछि

(C) मैथिलीमे सामान्यतः कर्ता-कर्म-क्रिया क्रम प्रमुख रहल

(D) मैथिलीमे संज्ञा-सर्वनामक सम्बन्ध कारक-चिह्नसँ स्पष्ट होइत अछि

४३८. मैथिली भाषाक कालक्रममे ‘कारक-चिह्न’ केँ कोना समझल जाय?

(A) मैथिली क्रियामे आदर आ पुरुषक मेल भाषा-रूपक महत्त्वपूर्ण विशेषता अछि

(B) मैथिलीमे बहुवचनक विविध रूप लोक-प्रयोग आ मानक दुनूक संकेत दैत अछि

(C) मैथिलीमे सामान्यतः कर्ता-कर्म-क्रिया क्रम प्रमुख रहल

(D) मैथिलीमे संज्ञा-सर्वनामक सम्बन्ध कारक-चिह्नसँ स्पष्ट होइत अछि

४३९. निम्नमे सँ ‘कारक-चिह्न’क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) मैथिलीमे भूत, वर्तमान, भविष्य आ पक्षगत रूप अर्थ-भेद बनबैत अछि

(B) मैथिलीमे संज्ञा-सर्वनामक सम्बन्ध कारक-चिह्नसँ स्पष्ट होइत अछि

(C) लोक-उच्चारण साहित्यिक रूपकेँ जीवित आधार प्रदान करैत अछि

(D) प्रत्ययसँ मैथिलीमे नब शब्द, भाव आ व्याकरणिक रूप बनैत अछि

४४०. विद्यार्थी जँ ‘कारक-चिह्न’ लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) मैथिलीमे संज्ञा-सर्वनामक सम्बन्ध कारक-चिह्नसँ स्पष्ट होइत अछि

(B) मैथिलीमे सामान्यतः कर्ता-कर्म-क्रिया क्रम प्रमुख रहल

(C) मैथिली क्रियामे आदर आ पुरुषक मेल भाषा-रूपक महत्त्वपूर्ण विशेषता अछि

(D) मैथिलीमे बहुवचनक विविध रूप लोक-प्रयोग आ मानक दुनूक संकेत दैत अछि

४४१. ‘नकार’ सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) मैथिलीमे सामान्यतः कर्ता-कर्म-क्रिया क्रम प्रमुख रहल

(B) मैथिली क्रियामे आदर आ पुरुषक मेल भाषा-रूपक महत्त्वपूर्ण विशेषता अछि

(C) मैथिलीमे बहुवचनक विविध रूप लोक-प्रयोग आ मानक दुनूक संकेत दैत अछि

(D) नहि, ने, नै आदि नकार-रूप क्षेत्रीय आ शैलीगत विविधता देखबैत अछि

४४२. जँ प्रश्न हो—‘नकार’क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) मैथिलीमे बहुवचनक विविध रूप लोक-प्रयोग आ मानक दुनूक संकेत दैत अछि

(B) नहि, ने, नै आदि नकार-रूप क्षेत्रीय आ शैलीगत विविधता देखबैत अछि

(C) मैथिली क्रियामे आदर आ पुरुषक मेल भाषा-रूपक महत्त्वपूर्ण विशेषता अछि

(D) मैथिलीमे सामान्यतः कर्ता-कर्म-क्रिया क्रम प्रमुख रहल

४४३. ‘नकार’क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) मैथिलीमे सामान्यतः कर्ता-कर्म-क्रिया क्रम प्रमुख रहल

(B) मैथिलीमे बहुवचनक विविध रूप लोक-प्रयोग आ मानक दुनूक संकेत दैत अछि

(C) मैथिली क्रियामे आदर आ पुरुषक मेल भाषा-रूपक महत्त्वपूर्ण विशेषता अछि

(D) नहि, ने, नै आदि नकार-रूप क्षेत्रीय आ शैलीगत विविधता देखबैत अछि

४४४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे ‘नकार’क महत्त्व की अछि?

(A) नहि, ने, नै आदि नकार-रूप क्षेत्रीय आ शैलीगत विविधता देखबैत अछि

(B) लोक-उच्चारण साहित्यिक रूपकेँ जीवित आधार प्रदान करैत अछि

(C) मैथिलीमे भूत, वर्तमान, भविष्य आ पक्षगत रूप अर्थ-भेद बनबैत अछि

(D) प्रत्ययसँ मैथिलीमे नब शब्द, भाव आ व्याकरणिक रूप बनैत अछि

४४५. ‘नकार’ केँ मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) मैथिलीमे सर्वनामक आदरसूचक स्तर सामाजिक सम्बन्धक सूक्ष्मता देखबैत अछि

(B) ध्वनि-संयोग आ सरलीकरण बोलचालक इतिहास देखबैत अछि

(C) नहि, ने, नै आदि नकार-रूप क्षेत्रीय आ शैलीगत विविधता देखबैत अछि

(D) मैथिलीमे संज्ञा-सर्वनामक सम्बन्ध कारक-चिह्नसँ स्पष्ट होइत अछि

४४६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल ‘नकार’ ककर संकेत करैत अछि?

(A) मैथिली क्रियामे आदर आ पुरुषक मेल भाषा-रूपक महत्त्वपूर्ण विशेषता अछि

(B) नहि, ने, नै आदि नकार-रूप क्षेत्रीय आ शैलीगत विविधता देखबैत अछि

(C) मैथिलीमे सामान्यतः कर्ता-कर्म-क्रिया क्रम प्रमुख रहल

(D) मैथिलीमे बहुवचनक विविध रूप लोक-प्रयोग आ मानक दुनूक संकेत दैत अछि

४४७. ‘नकार’ पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) नहि, ने, नै आदि नकार-रूप क्षेत्रीय आ शैलीगत विविधता देखबैत अछि

(B) मैथिलीमे भूत, वर्तमान, भविष्य आ पक्षगत रूप अर्थ-भेद बनबैत अछि

(C) प्रत्ययसँ मैथिलीमे नब शब्द, भाव आ व्याकरणिक रूप बनैत अछि

(D) लोक-उच्चारण साहित्यिक रूपकेँ जीवित आधार प्रदान करैत अछि

४४८. मैथिली भाषाक कालक्रममे ‘नकार’ केँ कोना समझल जाय?

(A) मैथिलीमे बहुवचनक विविध रूप लोक-प्रयोग आ मानक दुनूक संकेत दैत अछि

(B) मैथिलीमे सामान्यतः कर्ता-कर्म-क्रिया क्रम प्रमुख रहल

(C) नहि, ने, नै आदि नकार-रूप क्षेत्रीय आ शैलीगत विविधता देखबैत अछि

(D) मैथिली क्रियामे आदर आ पुरुषक मेल भाषा-रूपक महत्त्वपूर्ण विशेषता अछि

४४९. निम्नमे सँ ‘नकार’क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) मैथिलीमे भूत, वर्तमान, भविष्य आ पक्षगत रूप अर्थ-भेद बनबैत अछि

(B) नहि, ने, नै आदि नकार-रूप क्षेत्रीय आ शैलीगत विविधता देखबैत अछि

(C) प्रत्ययसँ मैथिलीमे नब शब्द, भाव आ व्याकरणिक रूप बनैत अछि

(D) लोक-उच्चारण साहित्यिक रूपकेँ जीवित आधार प्रदान करैत अछि

४५०. विद्यार्थी जँ ‘नकार’ लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) मैथिलीमे सामान्यतः कर्ता-कर्म-क्रिया क्रम प्रमुख रहल

(B) मैथिलीमे बहुवचनक विविध रूप लोक-प्रयोग आ मानक दुनूक संकेत दैत अछि

(C) नहि, ने, नै आदि नकार-रूप क्षेत्रीय आ शैलीगत विविधता देखबैत अछि

(D) मैथिली क्रियामे आदर आ पुरुषक मेल भाषा-रूपक महत्त्वपूर्ण विशेषता अछि

४५१. ‘बहुवचन’ सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) प्रत्ययसँ मैथिलीमे नब शब्द, भाव आ व्याकरणिक रूप बनैत अछि

(B) मैथिलीमे बहुवचनक विविध रूप लोक-प्रयोग आ मानक दुनूक संकेत दैत अछि

(C) मैथिलीमे भूत, वर्तमान, भविष्य आ पक्षगत रूप अर्थ-भेद बनबैत अछि

(D) लोक-उच्चारण साहित्यिक रूपकेँ जीवित आधार प्रदान करैत अछि

४५२. जँ प्रश्न हो—‘बहुवचन’क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) मैथिलीमे बहुवचनक विविध रूप लोक-प्रयोग आ मानक दुनूक संकेत दैत अछि

(B) मैथिली क्रियामे आदर आ पुरुषक मेल भाषा-रूपक महत्त्वपूर्ण विशेषता अछि

(C) नहि, ने, नै आदि नकार-रूप क्षेत्रीय आ शैलीगत विविधता देखबैत अछि

(D) मैथिलीमे सामान्यतः कर्ता-कर्म-क्रिया क्रम प्रमुख रहल

४५३. ‘बहुवचन’क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) मैथिलीमे संज्ञा-सर्वनामक सम्बन्ध कारक-चिह्नसँ स्पष्ट होइत अछि

(B) ध्वनि-संयोग आ सरलीकरण बोलचालक इतिहास देखबैत अछि

(C) मैथिलीमे बहुवचनक विविध रूप लोक-प्रयोग आ मानक दुनूक संकेत दैत अछि

(D) मैथिलीमे सर्वनामक आदरसूचक स्तर सामाजिक सम्बन्धक सूक्ष्मता देखबैत अछि

४५४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे ‘बहुवचन’क महत्त्व की अछि?

(A) ध्वनि-संयोग आ सरलीकरण बोलचालक इतिहास देखबैत अछि

(B) मैथिलीमे बहुवचनक विविध रूप लोक-प्रयोग आ मानक दुनूक संकेत दैत अछि

(C) मैथिलीमे संज्ञा-सर्वनामक सम्बन्ध कारक-चिह्नसँ स्पष्ट होइत अछि

(D) मैथिलीमे सर्वनामक आदरसूचक स्तर सामाजिक सम्बन्धक सूक्ष्मता देखबैत अछि

४५५. ‘बहुवचन’ केँ मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) मैथिलीमे सर्वनामक आदरसूचक स्तर सामाजिक सम्बन्धक सूक्ष्मता देखबैत अछि

(B) ध्वनि-संयोग आ सरलीकरण बोलचालक इतिहास देखबैत अछि

(C) मैथिलीमे बहुवचनक विविध रूप लोक-प्रयोग आ मानक दुनूक संकेत दैत अछि

(D) मैथिलीमे संज्ञा-सर्वनामक सम्बन्ध कारक-चिह्नसँ स्पष्ट होइत अछि

४५६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल ‘बहुवचन’ ककर संकेत करैत अछि?

(A) नहि, ने, नै आदि नकार-रूप क्षेत्रीय आ शैलीगत विविधता देखबैत अछि

(B) मैथिली क्रियामे आदर आ पुरुषक मेल भाषा-रूपक महत्त्वपूर्ण विशेषता अछि

(C) मैथिलीमे बहुवचनक विविध रूप लोक-प्रयोग आ मानक दुनूक संकेत दैत अछि

(D) मैथिलीमे सामान्यतः कर्ता-कर्म-क्रिया क्रम प्रमुख रहल

४५७. 'बहुवचन' पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) ध्वनि-संयोग आ सरलीकरण बोलचालक इतिहास देखबैत अछि

(B) मैथिलीमे संज्ञा-सर्वनामक सम्बन्ध कारक-चिह्नसँ स्पष्ट होइत अछि

(C) मैथिलीमे सर्वनामक आदरसूचक स्तर सामाजिक सम्बन्धक सूक्ष्मता देखबैत अछि

(D) मैथिलीमे बहुवचनक विविध रूप लोक-प्रयोग आ मानक दुनूक संकेत दैत अछि

४५८. मैथिली भाषाक कालक्रममे 'बहुवचन' कैँ कोना समझल जाय?

(A) मैथिली क्रियामे आदर आ पुरुषक मेल भाषा-रूपक महत्त्वपूर्ण विशेषता अछि

(B) मैथिलीमे सामान्यतः कर्ता-कर्म-क्रिया क्रम प्रमुख रहल

(C) मैथिलीमे बहुवचनक विविध रूप लोक-प्रयोग आ मानक दुनूक संकेत दैत अछि

(D) नहि, ने, नै आदि नकार-रूप क्षेत्रीय आ शैलीगत विविधता देखबैत अछि

४५९. निम्नमे सँ 'बहुवचन'क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) मैथिलीमे सर्वनामक आदरसूचक स्तर सामाजिक सम्बन्धक सूक्ष्मता देखबैत अछि

(B) ध्वनि-संयोग आ सरलीकरण बोलचालक इतिहास देखबैत अछि

(C) मैथिलीमे बहुवचनक विविध रूप लोक-प्रयोग आ मानक दुनूक संकेत दैत अछि

(D) मैथिलीमे संज्ञा-सर्वनामक सम्बन्ध कारक-चिह्नसँ स्पष्ट होइत अछि

४६०. विद्यार्थी जँ 'बहुवचन' लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) मैथिलीमे भूत, वर्तमान, भविष्य आ पक्षगत रूप अर्थ-भेद बनबैत अछि

(B) लोक-उच्चारण साहित्यिक रूपकेँ जीवित आधार प्रदान करैत अछि

(C) प्रत्ययसँ मैथिलीमे नब शब्द, भाव आ व्याकरणिक रूप बनैत अछि

(D) मैथिलीमे बहुवचनक विविध रूप लोक-प्रयोग आ मानक दुनूक संकेत दैत अछि

४६१. 'प्रत्यय' सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) ध्वनि-संयोग आ सरलीकरण बोलचालक इतिहास देखबैत अछि

(B) मैथिलीमे सर्वनामक आदरसूचक स्तर सामाजिक सम्बन्धक सूक्ष्मता देखबैत अछि

(C) प्रत्ययसँ मैथिलीमे नब शब्द, भाव आ व्याकरणिक रूप बनैत अछि

(D) मैथिलीमे संज्ञा-सर्वनामक सम्बन्ध कारक-चिह्नसँ स्पष्ट होइत अछि

४६२. जँ प्रश्न हो—'प्रत्यय'क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) ध्वनि-संयोग आ सरलीकरण बोलचालक इतिहास देखबैत अछि

(B) मैथिलीमे सर्वनामक आदरसूचक स्तर सामाजिक सम्बन्धक सूक्ष्मता देखबैत अछि

(C) मैथिलीमे संज्ञा-सर्वनामक सम्बन्ध कारक-चिह्नसँ स्पष्ट होइत अछि

(D) प्रत्ययसँ मैथिलीमे नब शब्द, भाव आ व्याकरणिक रूप बनैत अछि

४६३. 'प्रत्यय'क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) मैथिलीमे संज्ञा-सर्वनामक सम्बन्ध कारक-चिह्नसँ स्पष्ट होइत अछि

(B) प्रत्ययसँ मैथिलीमे नब शब्द, भाव आ व्याकरणिक रूप बनैत अछि

(C) ध्वनि-संयोग आ सरलीकरण बोलचालक इतिहास देखबैत अछि

(D) मैथिलीमे सर्वनामक आदरसूचक स्तर सामाजिक सम्बन्धक सूक्ष्मता देखबैत अछि

४६४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे 'प्रत्यय'क महत्त्व की अछि?

(A) ध्वनि-संयोग आ सरलीकरण बोलचालक इतिहास देखबैत अछि

(B) मैथिलीमे संज्ञा-सर्वनामक सम्बन्ध कारक-चिह्नसँ स्पष्ट होइत अछि

(C) प्रत्ययसँ मैथिलीमे नब शब्द, भाव आ व्याकरणिक रूप बनैत अछि

(D) मैथिलीमे सर्वनामक आदरसूचक स्तर सामाजिक सम्बन्धक सूक्ष्मता देखबैत अछि

४६५. ‘प्रत्यय’ कैँ मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) प्रत्ययसँ मैथिलीमे नब शब्द, भाव आ व्याकरणिक रूप बनैत अछि

(B) लोक-उच्चारण साहित्यिक रूपकेँ जीवित आधार प्रदान करैत अछि

(C) मैथिलीमे बहुवचनक विविध रूप लोक-प्रयोग आ मानक दुनूक संकेत दैत अछि

(D) मैथिलीमे भूत, वर्तमान, भविष्य आ पक्षगत रूप अर्थ-भेद बनबैत अछि

४६६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल ‘प्रत्यय’ ककर संकेत करैत अछि?

(A) नहि, ने, नै आदि नकार-रूप क्षेत्रीय आ शैलीगत विविधता देखबैत अछि

(B) प्रत्ययसँ मैथिलीमे नब शब्द, भाव आ व्याकरणिक रूप बनैत अछि

(C) मैथिलीमे सामान्यतः कर्ता-कर्म-क्रिया क्रम प्रमुख रहल

(D) मैथिली क्रियामे आदर आ पुरुषक मेल भाषा-रूपक महत्त्वपूर्ण विशेषता अछि

४६७. ‘प्रत्यय’ पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) मैथिलीमे बहुवचनक विविध रूप लोक-प्रयोग आ मानक दुनूक संकेत दैत अछि

(B) लोक-उच्चारण साहित्यिक रूपकेँ जीवित आधार प्रदान करैत अछि

(C) प्रत्ययसँ मैथिलीमे नब शब्द, भाव आ व्याकरणिक रूप बनैत अछि

(D) मैथिलीमे भूत, वर्तमान, भविष्य आ पक्षगत रूप अर्थ-भेद बनबैत अछि

४६८. मैथिली भाषाक कालक्रममे ‘प्रत्यय’ कैँ कोना समझल जाय?

(A) प्रत्ययसँ मैथिलीमे नब शब्द, भाव आ व्याकरणिक रूप बनैत अछि

(B) लोक-उच्चारण साहित्यिक रूपकेँ जीवित आधार प्रदान करैत अछि

(C) मैथिलीमे बहुवचनक विविध रूप लोक-प्रयोग आ मानक दुनूक संकेत दैत अछि

(D) मैथिलीमे भूत, वर्तमान, भविष्य आ पक्षगत रूप अर्थ-भेद बनबैत अछि

४६९. निम्नमे सँ ‘प्रत्यय’क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) नहि, ने, नै आदि नकार-रूप क्षेत्रीय आ शैलीगत विविधता देखबैत अछि

(B) प्रत्ययसँ मैथिलीमे नब शब्द, भाव आ व्याकरणिक रूप बनैत अछि

(C) मैथिली क्रियामे आदर आ पुरुषक मेल भाषा-रूपक महत्त्वपूर्ण विशेषता अछि

(D) मैथिलीमे सामान्यतः कर्ता-कर्म-क्रिया क्रम प्रमुख रहल

४७०. विद्यार्थी जँ ‘प्रत्यय’ लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) नहि, ने, नै आदि नकार-रूप क्षेत्रीय आ शैलीगत विविधता देखबैत अछि

(B) प्रत्ययसँ मैथिलीमे नब शब्द, भाव आ व्याकरणिक रूप बनैत अछि

(C) मैथिलीमे सामान्यतः कर्ता-कर्म-क्रिया क्रम प्रमुख रहल

(D) मैथिली क्रियामे आदर आ पुरुषक मेल भाषा-रूपक महत्त्वपूर्ण विशेषता अछि

४७१. ‘ध्वनि-संयोग’ सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) मैथिलीमे सामान्यतः कर्ता-कर्म-क्रिया क्रम प्रमुख रहल

(B) मैथिली क्रियामे आदर आ पुरुषक मेल भाषा-रूपक महत्त्वपूर्ण विशेषता अछि

(C) नहि, ने, नै आदि नकार-रूप क्षेत्रीय आ शैलीगत विविधता देखबैत अछि

(D) ध्वनि-संयोग आ सरलीकरण बोलचालक इतिहास देखबैत अछि

४७२. जँ प्रश्न हो—‘ध्वनि-संयोग’क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) ध्वनि-संयोग आ सरलीकरण बोलचालक इतिहास देखबैत अछि

(B) मैथिली क्रियामे आदर आ पुरुषक मेल भाषा-रूपक महत्त्वपूर्ण विशेषता अछि

(C) नहि, ने, नै आदि नकार-रूप क्षेत्रीय आ शैलीगत विविधता देखबैत अछि

(D) मैथिलीमे सामान्यतः कर्ता-कर्म-क्रिया क्रम प्रमुख रहल

४७३. ‘ध्वनि-संयोग’क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) मैथिलीमे सामान्यतः कर्ता-कर्म-क्रिया क्रम प्रमुख रहल

(B) ध्वनि-संयोग आ सरलीकरण बोलचालक इतिहास देखबैत अछि

(C) मैथिली क्रियामे आदर आ पुरुषक मेल भाषा-रूपक महत्त्वपूर्ण विशेषता अछि

(D) नहि, ने, नै आदि नकार-रूप क्षेत्रीय आ शैलीगत विविधता देखबैत अछि

४७४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे ‘ध्वनि-संयोग’क महत्त्व की अछि?

(A) मैथिलीमे बहुवचनक विविध रूप लोक-प्रयोग आ मानक दुनूक संकेत दैत अछि

(B) ध्वनि-संयोग आ सरलीकरण बोलचालक इतिहास देखबैत अछि

(C) लोक-उच्चारण साहित्यिक रूपकेँ जीवित आधार प्रदान करैत अछि

(D) मैथिलीमे भूत, वर्तमान, भविष्य आ पक्षगत रूप अर्थ-भेद बनबैत अछि

४७५. ‘ध्वनि-संयोग’ केँ मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) मैथिलीमे संज्ञा-सर्वनामक सम्बन्ध कारक-चिह्नसँ स्पष्ट होइत अछि

(B) प्रत्ययसँ मैथिलीमे नब शब्द, भाव आ व्याकरणिक रूप बनैत अछि

(C) मैथिलीमे सर्वनामक आदरसूचक स्तर सामाजिक सम्बन्धक सूक्ष्मता देखबैत अछि

(D) ध्वनि-संयोग आ सरलीकरण बोलचालक इतिहास देखबैत अछि

४७६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल ‘ध्वनि-संयोग’ ककर संकेत करैत अछि?

(A) मैथिलीमे सर्वनामक आदरसूचक स्तर सामाजिक सम्बन्धक सूक्ष्मता देखबैत अछि

(B) मैथिलीमे संज्ञा-सर्वनामक सम्बन्ध कारक-चिह्नसँ स्पष्ट होइत अछि

(C) प्रत्ययसँ मैथिलीमे नब शब्द, भाव आ व्याकरणिक रूप बनैत अछि

(D) ध्वनि-संयोग आ सरलीकरण बोलचालक इतिहास देखबैत अछि

४७७. ‘ध्वनि-संयोग’ पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) नहि, ने, नै आदि नकार-रूप क्षेत्रीय आ शैलीगत विविधता देखबैत अछि

(B) मैथिलीमे सामान्यतः कर्ता-कर्म-क्रिया क्रम प्रमुख रहल

(C) ध्वनि-संयोग आ सरलीकरण बोलचालक इतिहास देखबैत अछि

(D) मैथिली क्रियामे आदर आ पुरुषक मेल भाषा-रूपक महत्त्वपूर्ण विशेषता अछि

४७८. मैथिली भाषाक कालक्रममे ‘ध्वनि-संयोग’ केँ कोना समझल जाय?

(A) ध्वनि-संयोग आ सरलीकरण बोलचालक इतिहास देखबैत अछि

(B) मैथिली क्रियामे आदर आ पुरुषक मेल भाषा-रूपक महत्त्वपूर्ण विशेषता अछि

(C) नहि, ने, नै आदि नकार-रूप क्षेत्रीय आ शैलीगत विविधता देखबैत अछि

(D) मैथिलीमे सामान्यतः कर्ता-कर्म-क्रिया क्रम प्रमुख रहल

४७९. निम्नमे सँ ‘ध्वनि-संयोग’क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) मैथिलीमे सर्वनामक आदरसूचक स्तर सामाजिक सम्बन्धक सूक्ष्मता देखबैत अछि

(B) प्रत्ययसँ मैथिलीमे नब शब्द, भाव आ व्याकरणिक रूप बनैत अछि

(C) मैथिलीमे संज्ञा-सर्वनामक सम्बन्ध कारक-चिह्नसँ स्पष्ट होइत अछि

(D) ध्वनि-संयोग आ सरलीकरण बोलचालक इतिहास देखबैत अछि

४८०. विद्यार्थी जँ ‘ध्वनि-संयोग’ लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) प्रत्ययसँ मैथिलीमे नब शब्द, भाव आ व्याकरणिक रूप बनैत अछि

(B) मैथिलीमे सर्वनामक आदरसूचक स्तर सामाजिक सम्बन्धक सूक्ष्मता देखबैत अछि

(C) ध्वनि-संयोग आ सरलीकरण बोलचालक इतिहास देखबैत अछि

(D) मैथिलीमे संज्ञा-सर्वनामक सम्बन्ध कारक-चिह्नसँ स्पष्ट होइत अछि

४८१. ‘वाक्यक्रम’ सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) मैथिलीमे संज्ञा-सर्वनामक सम्बन्ध कारक-चिह्नसँ स्पष्ट होइत अछि

(B) प्रत्ययसँ मैथिलीमे नब शब्द, भाव आ व्याकरणिक रूप बनैत अछि

(C) मैथिलीमे सामान्यतः कर्ता-कर्म-क्रिया क्रम प्रमुख रहल

(D) मैथिलीमे सर्वनामक आदरसूचक स्तर सामाजिक सम्बन्धक सूक्ष्मता देखबैत अछि

४८२. जँ प्रश्न हो—‘वाक्यक्रम’क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) मैथिलीमे बहुवचनक विविध रूप लोक-प्रयोग आ मानक दुनूक संकेत दैत अछि

(B) लोक-उच्चारण साहित्यिक रूपकेँ जीवित आधार प्रदान करैत अछि

(C) मैथिलीमे सामान्यतः कर्ता-कर्म-क्रिया क्रम प्रमुख रहल

(D) मैथिलीमे भूत, वर्तमान, भविष्य आ पक्षगत रूप अर्थ-भेद बनबैत अछि

४८३. ‘वाक्यक्रम’क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) मैथिलीमे सामान्यतः कर्ता-कर्म-क्रिया क्रम प्रमुख रहल

(B) प्रत्ययसँ मैथिलीमे नब शब्द, भाव आ व्याकरणिक रूप बनैत अछि

(C) मैथिलीमे संज्ञा-सर्वनामक सम्बन्ध कारक-चिह्नसँ स्पष्ट होइत अछि

(D) मैथिलीमे सर्वनामक आदरसूचक स्तर सामाजिक सम्बन्धक सूक्ष्मता देखबैत अछि

४८४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे ‘वाक्यक्रम’क महत्त्व की अछि?

(A) मैथिलीमे सामान्यतः कर्ता-कर्म-क्रिया क्रम प्रमुख रहल

(B) नहि, ने, नै आदि नकार-रूप क्षेत्रीय आ शैलीगत विविधता देखबैत अछि

(C) मैथिली क्रियामे आदर आ पुरुषक मेल भाषा-रूपक महत्त्वपूर्ण विशेषता अछि

(D) ध्वनि-संयोग आ सरलीकरण बोलचालक इतिहास देखबैत अछि

४८५. ‘वाक्यक्रम’ केँ मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) मैथिलीमे सामान्यतः कर्ता-कर्म-क्रिया क्रम प्रमुख रहल

(B) मैथिलीमे सर्वनामक आदरसूचक स्तर सामाजिक सम्बन्धक सूक्ष्मता देखबैत अछि

(C) मैथिलीमे संज्ञा-सर्वनामक सम्बन्ध कारक-चिह्नसँ स्पष्ट होइत अछि

(D) प्रत्ययसँ मैथिलीमे नब शब्द, भाव आ व्याकरणिक रूप बनैत अछि

४८६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल ‘वाक्यक्रम’ ककर संकेत करैत अछि?

(A) मैथिलीमे सर्वनामक आदरसूचक स्तर सामाजिक सम्बन्धक सूक्ष्मता देखबैत अछि

(B) मैथिलीमे सामान्यतः कर्ता-कर्म-क्रिया क्रम प्रमुख रहल

(C) मैथिलीमे संज्ञा-सर्वनामक सम्बन्ध कारक-चिह्नसँ स्पष्ट होइत अछि

(D) प्रत्ययसँ मैथिलीमे नब शब्द, भाव आ व्याकरणिक रूप बनैत अछि

४८७. ‘वाक्यक्रम’ पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) मैथिलीमे सर्वनामक आदरसूचक स्तर सामाजिक सम्बन्धक सूक्ष्मता देखबैत अछि

(B) मैथिलीमे सामान्यतः कर्ता-कर्म-क्रिया क्रम प्रमुख रहल

(C) प्रत्ययसँ मैथिलीमे नब शब्द, भाव आ व्याकरणिक रूप बनैत अछि

(D) मैथिलीमे संज्ञा-सर्वनामक सम्बन्ध कारक-चिह्नसँ स्पष्ट होइत अछि

४८८. मैथिली भाषाक कालक्रममे ‘वाक्यक्रम’ केँ कोना समझल जाय?

(A) लोक-उच्चारण साहित्यिक रूपकेँ जीवित आधार प्रदान करैत अछि

(B) मैथिलीमे सामान्यतः कर्ता-कर्म-क्रिया क्रम प्रमुख रहल

(C) मैथिलीमे भूत, वर्तमान, भविष्य आ पक्षगत रूप अर्थ-भेद बनबैत अछि

(D) मैथिलीमे बहुवचनक विविध रूप लोक-प्रयोग आ मानक दुनूक संकेत दैत अछि

४८९. निम्नमे सँ 'वाक्यक्रम'क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) मैथिली क्रियामे आदर आ पुरुषक मेल भाषा-रूपक महत्त्वपूर्ण विशेषता अछि

(B) मैथिलीमे सामान्यतः कर्ता-कर्म-क्रिया क्रम प्रमुख रहल

(C) नहि, ने, नै आदि नकार-रूप क्षेत्रीय आ शैलीगत विविधता देखबैत अछि

(D) ध्वनि-संयोग आ सरलीकरण बोलचालक इतिहास देखबैत अछि

४९०. विद्यार्थी जँ 'वाक्यक्रम' लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) मैथिलीमे बहुवचनक विविध रूप लोक-प्रयोग आ मानक दुनूक संकेत दैत अछि

(B) मैथिलीमे भूत, वर्तमान, भविष्य आ पक्षगत रूप अर्थ-भेद बनबैत अछि

(C) मैथिलीमे सामान्यतः कर्ता-कर्म-क्रिया क्रम प्रमुख रहल

(D) लोक-उच्चारण साहित्यिक रूपकेँ जीवित आधार प्रदान करैत अछि

४९१. 'लोक-उच्चारण' सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) लोक-उच्चारण साहित्यिक रूपकेँ जीवित आधार प्रदान करैत अछि

(B) मैथिलीमे बहुवचनक विविध रूप लोक-प्रयोग आ मानक दुनूक संकेत दैत अछि

(C) मैथिलीमे सामान्यतः कर्ता-कर्म-क्रिया क्रम प्रमुख रहल

(D) मैथिलीमे भूत, वर्तमान, भविष्य आ पक्षगत रूप अर्थ-भेद बनबैत अछि

४९२. जँ प्रश्न हो—'लोक-उच्चारण'क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) मैथिलीमे संज्ञा-सर्वनामक सम्बन्ध कारक-चिह्नसँ स्पष्ट होइत अछि

(B) मैथिलीमे सर्वनामक आदरसूचक स्तर सामाजिक सम्बन्धक सूक्ष्मता देखबैत अछि

(C) प्रत्ययसँ मैथिलीमे नब शब्द, भाव आ व्याकरणिक रूप बनैत अछि

(D) लोक-उच्चारण साहित्यिक रूपकेँ जीवित आधार प्रदान करैत अछि

४९३. 'लोक-उच्चारण'क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) लोक-उच्चारण साहित्यिक रूपकेँ जीवित आधार प्रदान करैत अछि

(B) मैथिलीमे भूत, वर्तमान, भविष्य आ पक्षगत रूप अर्थ-भेद बनबैत अछि

(C) मैथिलीमे सामान्यतः कर्ता-कर्म-क्रिया क्रम प्रमुख रहल

(D) मैथिलीमे बहुवचनक विविध रूप लोक-प्रयोग आ मानक दुनूक संकेत दैत अछि

४९४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे 'लोक-उच्चारण'क महत्त्व की अछि?

(A) ध्वनि-संयोग आ सरलीकरण बोलचालक इतिहास देखबैत अछि

(B) नहि, ने, नै आदि नकार-रूप क्षेत्रीय आ शैलीगत विविधता देखबैत अछि

(C) लोक-उच्चारण साहित्यिक रूपकेँ जीवित आधार प्रदान करैत अछि

(D) मैथिली क्रियामे आदर आ पुरुषक मेल भाषा-रूपक महत्त्वपूर्ण विशेषता अछि

४९५. 'लोक-उच्चारण' केँ मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) मैथिलीमे संज्ञा-सर्वनामक सम्बन्ध कारक-चिह्नसँ स्पष्ट होइत अछि

(B) प्रत्ययसँ मैथिलीमे नब शब्द, भाव आ व्याकरणिक रूप बनैत अछि

(C) लोक-उच्चारण साहित्यिक रूपकेँ जीवित आधार प्रदान करैत अछि

(D) मैथिलीमे सर्वनामक आदरसूचक स्तर सामाजिक सम्बन्धक सूक्ष्मता देखबैत अछि

४९६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल 'लोक-उच्चारण' ककर संकेत करैत अछि?

(A) मैथिलीमे सर्वनामक आदरसूचक स्तर सामाजिक सम्बन्धक सूक्ष्मता देखबैत अछि

(B) मैथिलीमे संज्ञा-सर्वनामक सम्बन्ध कारक-चिह्नसँ स्पष्ट होइत अछि

(C) लोक-उच्चारण साहित्यिक रूपकेँ जीवित आधार प्रदान करैत अछि

(D) प्रत्ययसँ मैथिलीमे नब शब्द, भाव आ व्याकरणिक रूप बनैत अछि

४९७. ‘लोक-उच्चारण’ पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) मैथिलीमे भूत, वर्तमान, भविष्य आ पक्षगत रूप अर्थ-भेद बनबैत अछि

(B) मैथिलीमे बहुवचनक विविध रूप लोक-प्रयोग आ मानक दुनूक संकेत दैत अछि

(C) मैथिलीमे सामान्यतः कर्ता-कर्म-क्रिया क्रम प्रमुख रहल

(D) लोक-उच्चारण साहित्यिक रूपकेँ जीवित आधार प्रदान करैत अछि

४९८. मैथिली भाषाक कालक्रममे ‘लोक-उच्चारण’ केँ कोना समझल जाय?

(A) मैथिलीमे बहुवचनक विविध रूप लोक-प्रयोग आ मानक दुनूक संकेत दैत अछि

(B) लोक-उच्चारण साहित्यिक रूपकेँ जीवित आधार प्रदान करैत अछि

(C) मैथिलीमे सामान्यतः कर्ता-कर्म-क्रिया क्रम प्रमुख रहल

(D) मैथिलीमे भूत, वर्तमान, भविष्य आ पक्षगत रूप अर्थ-भेद बनबैत अछि

४९९. निम्नमे सँ ‘लोक-उच्चारण’क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) मैथिलीमे भूत, वर्तमान, भविष्य आ पक्षगत रूप अर्थ-भेद बनबैत अछि

(B) लोक-उच्चारण साहित्यिक रूपकेँ जीवित आधार प्रदान करैत अछि

(C) मैथिलीमे सामान्यतः कर्ता-कर्म-क्रिया क्रम प्रमुख रहल

(D) मैथिलीमे बहुवचनक विविध रूप लोक-प्रयोग आ मानक दुनूक संकेत दैत अछि

५००. विद्यार्थी जँ ‘लोक-उच्चारण’ लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) लोक-उच्चारण साहित्यिक रूपकेँ जीवित आधार प्रदान करैत अछि

(B) मैथिली क्रियामे आदर आ पुरुषक मेल भाषा-रूपक महत्त्वपूर्ण विशेषता अछि

(C) नहि, ने, नै आदि नकार-रूप क्षेत्रीय आ शैलीगत विविधता देखबैत अछि

(D) ध्वनि-संयोग आ सरलीकरण बोलचालक इतिहास देखबैत अछि

५०१. ‘तिरहुता’ सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) तिरहुता मैथिली लेखनक पारम्परिक लिपि रूपमे प्रसिद्ध अछि

(B) व्यवहारिक लेखनक किछु क्षेत्रमे कैथी जेकाँ लिपिक उपयोगक संकेत भेटैत अछि

(C) लिपि-शिक्षा भाषिक गौरव आ परम्परा-संरक्षणक महत्त्वपूर्ण साधन अछि

(D) टाइप आ कम्प्यूटर लेखन मैथिलीकेँ आधुनिक माध्यममे प्रवेश करौलक

५०२. जँ प्रश्न हो—‘तिरहुता’क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) तिरहुता मैथिली लेखनक पारम्परिक लिपि रूपमे प्रसिद्ध अछि

(B) यूनिकोड मानकीकरण तिरहुता आ मैथिली डिजिटल लेखन लेल महत्त्वपूर्ण अछि

(C) मिथिलाक्षर तिरहुता लिपिक दोसर प्रचलित नाम रूपमे बुझल जाइत अछि

(D) घर-परिवार, पञ्जी आ सामाजिक संवादमे पत्र-लेखन भाषाक व्यवहारिक रूप देखबैत अछि

५०३. ‘तिरहुता’क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) तिरहुता मैथिली लेखनक पारम्परिक लिपि रूपमे प्रसिद्ध अछि

(B) मिथिलाक्षर तिरहुता लिपिक दोसर प्रचलित नाम रूपमे बुझल जाइत अछि

(C) यूनिकोड मानकीकरण तिरहुता आ मैथिली डिजिटल लेखन लेल महत्त्वपूर्ण अछि

(D) घर-परिवार, पञ्जी आ सामाजिक संवादमे पत्र-लेखन भाषाक व्यवहारिक रूप देखबैत अछि

५०४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे ‘तिरहुता’क महत्त्व की अछि?

(A) आधुनिक कालमे मैथिली लेखनमे देवनागरीक प्रयोग अत्यधिक फैलल

(B) मुद्रणक विकास मैथिलीकेँ व्यापक पाठक-वर्ग धरि पहुँचौलक

(C) हस्तलिखित ग्रन्थ भाषाक पुरान रूप आ सांस्कृतिक स्मृति सुरक्षित रखैत अछि

(D) तिरहुता मैथिली लेखनक पारम्परिक लिपि रूपमे प्रसिद्ध अछि

५०५. ‘तिरहुता’ कैँ मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) तिरहुता मैथिली लेखनक पारम्परिक लिपि रूपमे प्रसिद्ध अछि

(B) मिथिलाक्षर तिरहुता लिपिक दोसर प्रचलित नाम रूपमे बुझल जाइत अछि

(C) यूनिकोड मानकीकरण तिरहुता आ मैथिली डिजिटल लेखन लेल महत्त्वपूर्ण अछि

(D) घर-परिवार, पञ्जी आ सामाजिक संवादमे पत्र-लेखन भाषाक व्यवहारिक रूप देखबैत अछि

५०६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल ‘तिरहुता’ ककर संकेत करैत अछि?

(A) मुद्रणक विकास मैथिलीकेँ व्यापक पाठक-वर्ग धरि पहुँचौलक

(B) हस्तलिखित ग्रन्थ भाषाक पुरान रूप आ सांस्कृतिक स्मृति सुरक्षित रखैत अछि

(C) आधुनिक कालमे मैथिली लेखनमे देवनागरीक प्रयोग अत्यधिक फैलल

(D) तिरहुता मैथिली लेखनक पारम्परिक लिपि रूपमे प्रसिद्ध अछि

५०७. ‘तिरहुता’ पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) व्यवहारिक लेखनक किछु क्षेत्रमे कैथी जेकाँ लिपिक उपयोगक संकेत भेटैत अछि

(B) लिपि-शिक्षा भाषिक गौरव आ परम्परा-संरक्षणक महत्त्वपूर्ण साधन अछि

(C) तिरहुता मैथिली लेखनक पारम्परिक लिपि रूपमे प्रसिद्ध अछि

(D) टाइप आ कम्प्यूटर लेखन मैथिलीकेँ आधुनिक माध्यममे प्रवेश करौलक

५०८. मैथिली भाषाक कालक्रममे ‘तिरहुता’ कैँ कोना समझल जाय?

(A) घर-परिवार, पञ्जी आ सामाजिक संवादमे पत्र-लेखन भाषाक व्यवहारिक रूप देखबैत अछि

(B) यूनिकोड मानकीकरण तिरहुता आ मैथिली डिजिटल लेखन लेल महत्त्वपूर्ण अछि

(C) तिरहुता मैथिली लेखनक पारम्परिक लिपि रूपमे प्रसिद्ध अछि

(D) मिथिलाक्षर तिरहुता लिपिक दोसर प्रचलित नाम रूपमे बुझल जाइत अछि

५०९. निम्नमे सँ ‘तिरहुता’क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) तिरहुता मैथिली लेखनक पारम्परिक लिपि रूपमे प्रसिद्ध अछि

(B) व्यवहारिक लेखनक किछु क्षेत्रमे कैथी जेकाँ लिपिक उपयोगक संकेत भेटैत अछि

(C) टाइप आ कम्प्यूटर लेखन मैथिलीकेँ आधुनिक माध्यममे प्रवेश करौलक

(D) लिपि-शिक्षा भाषिक गौरव आ परम्परा-संरक्षणक महत्त्वपूर्ण साधन अछि

५१०. विद्यार्थी जँ ‘तिरहुता’ लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) मिथिलाक्षर तिरहुता लिपिक दोसर प्रचलित नाम रूपमे बुझल जाइत अछि

(B) यूनिकोड मानकीकरण तिरहुता आ मैथिली डिजिटल लेखन लेल महत्त्वपूर्ण अछि

(C) घर-परिवार, पञ्जी आ सामाजिक संवादमे पत्र-लेखन भाषाक व्यवहारिक रूप देखबैत अछि

(D) तिरहुता मैथिली लेखनक पारम्परिक लिपि रूपमे प्रसिद्ध अछि

५११. ‘मिथिलाक्षर’ सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) घर-परिवार, पञ्जी आ सामाजिक संवादमे पत्र-लेखन भाषाक व्यवहारिक रूप देखबैत अछि

(B) तिरहुता मैथिली लेखनक पारम्परिक लिपि रूपमे प्रसिद्ध अछि

(C) यूनिकोड मानकीकरण तिरहुता आ मैथिली डिजिटल लेखन लेल महत्त्वपूर्ण अछि

(D) मिथिलाक्षर तिरहुता लिपिक दोसर प्रचलित नाम रूपमे बुझल जाइत अछि

५१२. जँ प्रश्न हो—‘मिथिलाक्षर’क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) तिरहुता मैथिली लेखनक पारम्परिक लिपि रूपमे प्रसिद्ध अछि

(B) यूनिकोड मानकीकरण तिरहुता आ मैथिली डिजिटल लेखन लेल महत्त्वपूर्ण अछि

(C) मिथिलाक्षर तिरहुता लिपिक दोसर प्रचलित नाम रूपमे बुझल जाइत अछि

(D) घर-परिवार, पञ्जी आ सामाजिक संवादमे पत्र-लेखन भाषाक व्यवहारिक रूप देखबैत अछि

५१३. ‘मिथिलाक्षर’क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) मिथिलाक्षर तिरहुता लिपिक दोसर प्रचलित नाम रूपमे बुझल जाइत अछि

(B) टाइप आ कम्प्यूटर लेखन मैथिलीकेँ आधुनिक माध्यममे प्रवेश करौलक

(C) व्यवहारिक लेखनक किछु क्षेत्रमे कैथी जेकाँ लिपिक उपयोगक संकेत भेटैत अछि

(D) लिपि-शिक्षा भाषिक गौरव आ परम्परा-संरक्षणक महत्त्वपूर्ण साधन अछि

५१४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे ‘मिथिलाक्षर’क महत्त्व की अछि?

(A) तिरहुता मैथिली लेखनक पारम्परिक लिपि रूपमे प्रसिद्ध अछि

(B) घर-परिवार, पञ्जी आ सामाजिक संवादमे पत्र-लेखन भाषाक व्यवहारिक रूप देखबैत अछि

(C) मिथिलाक्षर तिरहुता लिपिक दोसर प्रचलित नाम रूपमे बुझल जाइत अछि

(D) यूनिकोड मानकीकरण तिरहुता आ मैथिली डिजिटल लेखन लेल महत्त्वपूर्ण अछि

५१५. ‘मिथिलाक्षर’ केँ मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) तिरहुता मैथिली लेखनक पारम्परिक लिपि रूपमे प्रसिद्ध अछि

(B) घर-परिवार, पञ्जी आ सामाजिक संवादमे पत्र-लेखन भाषाक व्यवहारिक रूप देखबैत अछि

(C) मिथिलाक्षर तिरहुता लिपिक दोसर प्रचलित नाम रूपमे बुझल जाइत अछि

(D) यूनिकोड मानकीकरण तिरहुता आ मैथिली डिजिटल लेखन लेल महत्त्वपूर्ण अछि

५१६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल ‘मिथिलाक्षर’ ककर संकेत करैत अछि?

(A) हस्तलिखित ग्रन्थ भाषाक पुरान रूप आ सांस्कृतिक स्मृति सुरक्षित रखैत अछि

(B) आधुनिक कालमे मैथिली लेखनमे देवनागरीक प्रयोग अत्यधिक फैलल

(C) मिथिलाक्षर तिरहुता लिपिक दोसर प्रचलित नाम रूपमे बुझल जाइत अछि

(D) मुद्रणक विकास मैथिलीकेँ व्यापक पाठक-वर्ग धरि पहुँचौलक

५१७. ‘मिथिलाक्षर’ पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) आधुनिक कालमे मैथिली लेखनमे देवनागरीक प्रयोग अत्यधिक फैलल

(B) मुद्रणक विकास मैथिलीकेँ व्यापक पाठक-वर्ग धरि पहुँचौलक

(C) हस्तलिखित ग्रन्थ भाषाक पुरान रूप आ सांस्कृतिक स्मृति सुरक्षित रखैत अछि

(D) मिथिलाक्षर तिरहुता लिपिक दोसर प्रचलित नाम रूपमे बुझल जाइत अछि

५१८. मैथिली भाषाक कालक्रममे ‘मिथिलाक्षर’ केँ कोना समझल जाय?

(A) तिरहुता मैथिली लेखनक पारम्परिक लिपि रूपमे प्रसिद्ध अछि

(B) घर-परिवार, पञ्जी आ सामाजिक संवादमे पत्र-लेखन भाषाक व्यवहारिक रूप देखबैत अछि

(C) मिथिलाक्षर तिरहुता लिपिक दोसर प्रचलित नाम रूपमे बुझल जाइत अछि

(D) यूनिकोड मानकीकरण तिरहुता आ मैथिली डिजिटल लेखन लेल महत्त्वपूर्ण अछि

५१९. निम्नमे सँ ‘मिथिलाक्षर’क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) घर-परिवार, पञ्जी आ सामाजिक संवादमे पत्र-लेखन भाषाक व्यवहारिक रूप देखबैत अछि

(B) तिरहुता मैथिली लेखनक पारम्परिक लिपि रूपमे प्रसिद्ध अछि

(C) मिथिलाक्षर तिरहुता लिपिक दोसर प्रचलित नाम रूपमे बुझल जाइत अछि

(D) यूनिकोड मानकीकरण तिरहुता आ मैथिली डिजिटल लेखन लेल महत्त्वपूर्ण अछि

५२०. विद्यार्थी जँ ‘मिथिलाक्षर’ लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) टाइप आ कम्प्यूटर लेखन मैथिलीकेँ आधुनिक माध्यममे प्रवेश करौलक

(B) लिपि-शिक्षा भाषिक गौरव आ परम्परा-संरक्षणक महत्त्वपूर्ण साधन अछि

(C) मिथिलाक्षर तिरहुता लिपिक दोसर प्रचलित नाम रूपमे बुझल जाइत अछि

(D) व्यवहारिक लेखनक किछु क्षेत्रमे कैथी जेकाँ लिपिक उपयोगक संकेत भेटैत अछि

५२१. ‘देवनागरी’ सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) व्यवहारिक लेखनक किछु क्षेत्रमे कैथी जेकाँ लिपिक उपयोगक संकेत भेटैत अछि

(B) टाइप आ कम्प्यूटर लेखन मैथिलीकेँ आधुनिक माध्यममे प्रवेश करौलक

(C) लिपि-शिक्षा भाषिक गौरव आ परम्परा-संरक्षणक महत्त्वपूर्ण साधन अछि

(D) आधुनिक कालमे मैथिली लेखनमे देवनागरीक प्रयोग अत्यधिक फैलल

५२२. जँ प्रश्न हो—‘देवनागरी’क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) आधुनिक कालमे मैथिली लेखनमे देवनागरीक प्रयोग अत्यधिक फैलल

(B) तिरहुता मैथिली लेखनक पारम्परिक लिपि रूपमे प्रसिद्ध अछि

(C) घर-परिवार, पञ्जी आ सामाजिक संवादमे पत्र-लेखन भाषाक व्यवहारिक रूप देखबैत अछि

(D) यूनिकोड मानकीकरण तिरहुता आ मैथिली डिजिटल लेखन लेल महत्त्वपूर्ण अछि

५२३. ‘देवनागरी’क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) आधुनिक कालमे मैथिली लेखनमे देवनागरीक प्रयोग अत्यधिक फैलल

(B) मुद्रणक विकास मैथिलीकेँ व्यापक पाठक-वर्ग धरि पहुँचौलक

(C) हस्तलिखित ग्रन्थ भाषाक पुरान रूप आ सांस्कृतिक स्मृति सुरक्षित रखैत अछि

(D) मिथिलाक्षर तिरहुता लिपिक दोसर प्रचलित नाम रूपमे बुझल जाइत अछि

५२४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे ‘देवनागरी’क महत्त्व की अछि?

(A) घर-परिवार, पञ्जी आ सामाजिक संवादमे पत्र-लेखन भाषाक व्यवहारिक रूप देखबैत अछि

(B) आधुनिक कालमे मैथिली लेखनमे देवनागरीक प्रयोग अत्यधिक फैलल

(C) यूनिकोड मानकीकरण तिरहुता आ मैथिली डिजिटल लेखन लेल महत्त्वपूर्ण अछि

(D) तिरहुता मैथिली लेखनक पारम्परिक लिपि रूपमे प्रसिद्ध अछि

५२५. ‘देवनागरी’ केँ मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) मिथिलाक्षर तिरहुता लिपिक दोसर प्रचलित नाम रूपमे बुझल जाइत अछि

(B) आधुनिक कालमे मैथिली लेखनमे देवनागरीक प्रयोग अत्यधिक फैलल

(C) मुद्रणक विकास मैथिलीकेँ व्यापक पाठक-वर्ग धरि पहुँचौलक

(D) हस्तलिखित ग्रन्थ भाषाक पुरान रूप आ सांस्कृतिक स्मृति सुरक्षित रखैत अछि

५२६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल ‘देवनागरी’ ककर संकेत करैत अछि?

(A) व्यवहारिक लेखनक किछु क्षेत्रमे कैथी जेकाँ लिपिक उपयोगक संकेत भेटैत अछि

(B) टाइप आ कम्प्यूटर लेखन मैथिलीकेँ आधुनिक माध्यममे प्रवेश करौलक

(C) लिपि-शिक्षा भाषिक गौरव आ परम्परा-संरक्षणक महत्त्वपूर्ण साधन अछि

(D) आधुनिक कालमे मैथिली लेखनमे देवनागरीक प्रयोग अत्यधिक फैलल

५२७. ‘देवनागरी’ पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) हस्तलिखित ग्रन्थ भाषाक पुरान रूप आ सांस्कृतिक स्मृति सुरक्षित रखैत अछि

(B) आधुनिक कालमे मैथिली लेखनमे देवनागरीक प्रयोग अत्यधिक फैलल

(C) मिथिलाक्षर तिरहुता लिपिक दोसर प्रचलित नाम रूपमे बुझल जाइत अछि

(D) मुद्रणक विकास मैथिलीकेँ व्यापक पाठक-वर्ग धरि पहुँचौलक

५२८. मैथिली भाषाक कालक्रममे ‘देवनागरी’ केँ कोना समझल जाय?

(A) आधुनिक कालमे मैथिली लेखनमे देवनागरीक प्रयोग अत्यधिक फैलल

(B) लिपि-शिक्षा भाषिक गौरव आ परम्परा-संरक्षणक महत्त्वपूर्ण साधन अछि

(C) व्यवहारिक लेखनक किछु क्षेत्रमे कैथी जेकाँ लिपिक उपयोगक संकेत भेटैत अछि

(D) टाइप आ कम्प्यूटर लेखन मैथिलीकेँ आधुनिक माध्यममे प्रवेश करौलक

५२९. निम्नमे सँ 'देवनागरी'क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) लिपि-शिक्षा भाषिक गौरव आ परम्परा-संरक्षणक महत्त्वपूर्ण साधन अछि

(B) आधुनिक कालमे मैथिली लेखनमे देवनागरीक प्रयोग अत्यधिक फैलल

(C) व्यवहारिक लेखनक किछु क्षेत्रमे कैथी जेकाँ लिपिक उपयोगक संकेत भेटैत अछि

(D) टाइप आ कम्प्यूटर लेखन मैथिलीकेँ आधुनिक माध्यममे प्रवेश करौलक

५३०. विद्यार्थी जँ 'देवनागरी' लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) यूनिकोड मानकीकरण तिरहुता आ मैथिली डिजिटल लेखन लेल महत्त्वपूर्ण अछि

(B) आधुनिक कालमे मैथिली लेखनमे देवनागरीक प्रयोग अत्यधिक फैलल

(C) तिरहुता मैथिली लेखनक पारम्परिक लिपि रूपमे प्रसिद्ध अछि

(D) घर-परिवार, पञ्जी आ सामाजिक संवादमे पत्र-लेखन भाषाक व्यवहारिक रूप देखबैत अछि

५३१. 'कैथी' सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) लिपि-शिक्षा भाषिक गौरव आ परम्परा-संरक्षणक महत्त्वपूर्ण साधन अछि

(B) टाइप आ कम्प्यूटर लेखन मैथिलीकेँ आधुनिक माध्यममे प्रवेश करौलक

(C) आधुनिक कालमे मैथिली लेखनमे देवनागरीक प्रयोग अत्यधिक फैलल

(D) व्यवहारिक लेखनक किछु क्षेत्रमे कैथी जेकाँ लिपिक उपयोगक संकेत भेटैत अछि

५३२. जँ प्रश्न हो—'कैथी'क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) तिरहुता मैथिली लेखनक पारम्परिक लिपि रूपमे प्रसिद्ध अछि

(B) घर-परिवार, पञ्जी आ सामाजिक संवादमे पत्र-लेखन भाषाक व्यवहारिक रूप देखबैत अछि

(C) यूनिकोड मानकीकरण तिरहुता आ मैथिली डिजिटल लेखन लेल महत्त्वपूर्ण अछि

(D) व्यवहारिक लेखनक किछु क्षेत्रमे कैथी जेकाँ लिपिक उपयोगक संकेत भेटैत अछि

५३३. 'कैथी'क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) मुद्रणक विकास मैथिलीकेँ व्यापक पाठक-वर्ग धरि पहुँचौलक

(B) व्यवहारिक लेखनक किछु क्षेत्रमे कैथी जेकाँ लिपिक उपयोगक संकेत भेटैत अछि

(C) हस्तलिखित ग्रन्थ भाषाक पुरान रूप आ सांस्कृतिक स्मृति सुरक्षित रखैत अछि

(D) मिथिलाक्षर तिरहुता लिपिक दोसर प्रचलित नाम रूपमे बुझल जाइत अछि

५३४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे 'कैथी'क महत्त्व की अछि?

(A) व्यवहारिक लेखनक किछु क्षेत्रमे कैथी जेकाँ लिपिक उपयोगक संकेत भेटैत अछि

(B) तिरहुता मैथिली लेखनक पारम्परिक लिपि रूपमे प्रसिद्ध अछि

(C) यूनिकोड मानकीकरण तिरहुता आ मैथिली डिजिटल लेखन लेल महत्त्वपूर्ण अछि

(D) घर-परिवार, पञ्जी आ सामाजिक संवादमे पत्र-लेखन भाषाक व्यवहारिक रूप देखबैत अछि

५३५. 'कैथी' केँ मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) हस्तलिखित ग्रन्थ भाषाक पुरान रूप आ सांस्कृतिक स्मृति सुरक्षित रखैत अछि

(B) मिथिलाक्षर तिरहुता लिपिक दोसर प्रचलित नाम रूपमे बुझल जाइत अछि

(C) मुद्रणक विकास मैथिलीकेँ व्यापक पाठक-वर्ग धरि पहुँचौलक

(D) व्यवहारिक लेखनक किछु क्षेत्रमे कैथी जेकाँ लिपिक उपयोगक संकेत भेटैत अछि

५३६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल 'कैथी' ककर संकेत करैत अछि?

(A) घर-परिवार, पञ्जी आ सामाजिक संवादमे पत्र-लेखन भाषाक व्यवहारिक रूप देखबैत अछि

(B) तिरहुता मैथिली लेखनक पारम्परिक लिपि रूपमे प्रसिद्ध अछि

(C) व्यवहारिक लेखनक किछु क्षेत्रमे कैथी जेकाँ लिपिक उपयोगक संकेत भेटैत अछि

(D) यूनिकोड मानकीकरण तिरहुता आ मैथिली डिजिटल लेखन लेल महत्त्वपूर्ण अछि

५३७. ‘कैथी’ पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) लिपि-शिक्षा भाषिक गौरव आ परम्परा-संरक्षणक महत्त्वपूर्ण साधन अछि

(B) व्यवहारिक लेखनक किछु क्षेत्रमे कैथी जेकाँ लिपिक उपयोगक संकेत भेटैत अछि

(C) टाइप आ कम्प्यूटर लेखन मैथिलीकेँ आधुनिक माध्यममे प्रवेश करौलक

(D) आधुनिक कालमे मैथिली लेखनमे देवनागरीक प्रयोग अत्यधिक फैलल

५३८. मैथिली भाषाक कालक्रममे ‘कैथी’ केँ कोना समझल जाय?

(A) टाइप आ कम्प्यूटर लेखन मैथिलीकेँ आधुनिक माध्यममे प्रवेश करौलक

(B) व्यवहारिक लेखनक किछु क्षेत्रमे कैथी जेकाँ लिपिक उपयोगक संकेत भेटैत अछि

(C) आधुनिक कालमे मैथिली लेखनमे देवनागरीक प्रयोग अत्यधिक फैलल

(D) लिपि-शिक्षा भाषिक गौरव आ परम्परा-संरक्षणक महत्त्वपूर्ण साधन अछि

५३९. निम्नमे सँ ‘कैथी’क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) तिरहुता मैथिली लेखनक पारम्परिक लिपि रूपमे प्रसिद्ध अछि

(B) व्यवहारिक लेखनक किछु क्षेत्रमे कैथी जेकाँ लिपिक उपयोगक संकेत भेटैत अछि

(C) घर-परिवार, पञ्जी आ सामाजिक संवादमे पत्र-लेखन भाषाक व्यवहारिक रूप देखबैत अछि

(D) यूनिकोड मानकीकरण तिरहुता आ मैथिली डिजिटल लेखन लेल महत्त्वपूर्ण अछि

५४०. विद्यार्थी जँ ‘कैथी’ लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) मिथिलाक्षर तिरहुता लिपिक दोसर प्रचलित नाम रूपमे बुझल जाइत अछि

(B) मुद्रणक विकास मैथिलीकेँ व्यापक पाठक-वर्ग धरि पहुँचौलक

(C) व्यवहारिक लेखनक किछु क्षेत्रमे कैथी जेकाँ लिपिक उपयोगक संकेत भेटैत अछि

(D) हस्तलिखित ग्रन्थ भाषाक पुरान रूप आ सांस्कृतिक स्मृति सुरक्षित रखैत अछि

५४१. ‘पत्र-लेखन’ सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) घर-परिवार, पञ्जी आ सामाजिक संवादमे पत्र-लेखन भाषाक व्यवहारिक रूप देखबैत अछि

(B) हस्तलिखित ग्रन्थ भाषाक पुरान रूप आ सांस्कृतिक स्मृति सुरक्षित रखैत अछि

(C) मुद्रणक विकास मैथिलीकेँ व्यापक पाठक-वर्ग धरि पहुँचौलक

(D) मिथिलाक्षर तिरहुता लिपिक दोसर प्रचलित नाम रूपमे बुझल जाइत अछि

५४२. जँ प्रश्न हो—‘पत्र-लेखन’क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) घर-परिवार, पञ्जी आ सामाजिक संवादमे पत्र-लेखन भाषाक व्यवहारिक रूप देखबैत अछि

(B) हस्तलिखित ग्रन्थ भाषाक पुरान रूप आ सांस्कृतिक स्मृति सुरक्षित रखैत अछि

(C) मिथिलाक्षर तिरहुता लिपिक दोसर प्रचलित नाम रूपमे बुझल जाइत अछि

(D) मुद्रणक विकास मैथिलीकेँ व्यापक पाठक-वर्ग धरि पहुँचौलक

५४३. ‘पत्र-लेखन’क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) घर-परिवार, पञ्जी आ सामाजिक संवादमे पत्र-लेखन भाषाक व्यवहारिक रूप देखबैत अछि

(B) टाइप आ कम्प्यूटर लेखन मैथिलीकेँ आधुनिक माध्यममे प्रवेश करौलक

(C) आधुनिक कालमे मैथिली लेखनमे देवनागरीक प्रयोग अत्यधिक फैलल

(D) लिपि-शिक्षा भाषिक गौरव आ परम्परा-संरक्षणक महत्त्वपूर्ण साधन अछि

५४४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे ‘पत्र-लेखन’क महत्त्व की अछि?

(A) मुद्रणक विकास मैथिलीकेँ व्यापक पाठक-वर्ग धरि पहुँचौलक

(B) हस्तलिखित ग्रन्थ भाषाक पुरान रूप आ सांस्कृतिक स्मृति सुरक्षित रखैत अछि

(C) मिथिलाक्षर तिरहुता लिपिक दोसर प्रचलित नाम रूपमे बुझल जाइत अछि

(D) घर-परिवार, पञ्जी आ सामाजिक संवादमे पत्र-लेखन भाषाक व्यवहारिक रूप देखबैत अछि

५४५. ‘पत्र-लेखन’ कैँ मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) टाइप आ कम्प्यूटर लेखन मैथिलीकेँ आधुनिक माध्यममे प्रवेश करौलक

(B) घर-परिवार, पञ्जी आ सामाजिक संवादमे पत्र-लेखन भाषाक व्यवहारिक रूप देखबैत अछि

(C) आधुनिक कालमे मैथिली लेखनमे देवनागरीक प्रयोग अत्यधिक फैलल

(D) लिपि-शिक्षा भाषिक गौरव आ परम्परा-संरक्षणक महत्त्वपूर्ण साधन अछि

५४६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल ‘पत्र-लेखन’ ककर संकेत करैत अछि?

(A) मिथिलाक्षर तिरहुता लिपिक दोसर प्रचलित नाम रूपमे बुझल जाइत अछि

(B) हस्तलिखित ग्रन्थ भाषाक पुरान रूप आ सांस्कृतिक स्मृति सुरक्षित रखैत अछि

(C) मुद्रणक विकास मैथिलीकेँ व्यापक पाठक-वर्ग धरि पहुँचौलक

(D) घर-परिवार, पञ्जी आ सामाजिक संवादमे पत्र-लेखन भाषाक व्यवहारिक रूप देखबैत अछि

५४७. ‘पत्र-लेखन’ पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) हस्तलिखित ग्रन्थ भाषाक पुरान रूप आ सांस्कृतिक स्मृति सुरक्षित रखैत अछि

(B) मुद्रणक विकास मैथिलीकेँ व्यापक पाठक-वर्ग धरि पहुँचौलक

(C) मिथिलाक्षर तिरहुता लिपिक दोसर प्रचलित नाम रूपमे बुझल जाइत अछि

(D) घर-परिवार, पञ्जी आ सामाजिक संवादमे पत्र-लेखन भाषाक व्यवहारिक रूप देखबैत अछि

५४८. मैथिली भाषाक कालक्रममे ‘पत्र-लेखन’ कैँ कोना समझल जाय?

(A) व्यवहारिक लेखनक किछु क्षेत्रमे कैथी जेकाँ लिपिक उपयोगक संकेत भेटैत अछि

(B) यूनिकोड मानकीकरण तिरहुता आ मैथिली डिजिटल लेखन लेल महत्त्वपूर्ण अछि

(C) तिरहुता मैथिली लेखनक पारम्परिक लिपि रूपमे प्रसिद्ध अछि

(D) घर-परिवार, पञ्जी आ सामाजिक संवादमे पत्र-लेखन भाषाक व्यवहारिक रूप देखबैत अछि

५४९. निम्नमे सँ ‘पत्र-लेखन’क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) यूनिकोड मानकीकरण तिरहुता आ मैथिली डिजिटल लेखन लेल महत्त्वपूर्ण अछि

(B) घर-परिवार, पञ्जी आ सामाजिक संवादमे पत्र-लेखन भाषाक व्यवहारिक रूप देखबैत अछि

(C) तिरहुता मैथिली लेखनक पारम्परिक लिपि रूपमे प्रसिद्ध अछि

(D) व्यवहारिक लेखनक किछु क्षेत्रमे कैथी जेकाँ लिपिक उपयोगक संकेत भेटैत अछि

५५०. विद्यार्थी जँ ‘पत्र-लेखन’ लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) घर-परिवार, पञ्जी आ सामाजिक संवादमे पत्र-लेखन भाषाक व्यवहारिक रूप देखबैत अछि

(B) लिपि-शिक्षा भाषिक गौरव आ परम्परा-संरक्षणक महत्त्वपूर्ण साधन अछि

(C) टाइप आ कम्प्यूटर लेखन मैथिलीकेँ आधुनिक माध्यममे प्रवेश करौलक

(D) आधुनिक कालमे मैथिली लेखनमे देवनागरीक प्रयोग अत्यधिक फैलल

५५१. ‘मुद्रण’ सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) मुद्रणक विकास मैथिलीकेँ व्यापक पाठक-वर्ग धरि पहुँचौलक

(B) मिथिलाक्षर तिरहुता लिपिक दोसर प्रचलित नाम रूपमे बुझल जाइत अछि

(C) घर-परिवार, पञ्जी आ सामाजिक संवादमे पत्र-लेखन भाषाक व्यवहारिक रूप देखबैत अछि

(D) हस्तलिखित ग्रन्थ भाषाक पुरान रूप आ सांस्कृतिक स्मृति सुरक्षित रखैत अछि

५५२. जँ प्रश्न हो—‘मुद्रण’क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) टाइप आ कम्प्यूटर लेखन मैथिलीकेँ आधुनिक माध्यममे प्रवेश करौलक

(B) मुद्रणक विकास मैथिलीकेँ व्यापक पाठक-वर्ग धरि पहुँचौलक

(C) आधुनिक कालमे मैथिली लेखनमे देवनागरीक प्रयोग अत्यधिक फैलल

(D) लिपि-शिक्षा भाषिक गौरव आ परम्परा-संरक्षणक महत्त्वपूर्ण साधन अछि

५५३. ‘मुद्रण’क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) टाइप आ कम्प्यूटर लेखन मैथिलीकेँ आधुनिक माध्यममे प्रवेश करौलक

(B) आधुनिक कालमे मैथिली लेखनमे देवनागरीक प्रयोग अत्यधिक फैलल

(C) मुद्रणक विकास मैथिलीकेँ व्यापक पाठक-वर्ग धरि पहुँचौलक

(D) लिपि-शिक्षा भाषिक गौरव आ परम्परा-संरक्षणक महत्त्वपूर्ण साधन अछि

५५४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे ‘मुद्रण’क महत्त्व की अछि?

(A) मुद्रणक विकास मैथिलीकेँ व्यापक पाठक-वर्ग धरि पहुँचौलक

(B) मिथिलाक्षर तिरहुता लिपिक दोसर प्रचलित नाम रूपमे बुझल जाइत अछि

(C) हस्तलिखित ग्रन्थ भाषाक पुरान रूप आ सांस्कृतिक स्मृति सुरक्षित रखैत अछि

(D) घर-परिवार, पञ्जी आ सामाजिक संवादमे पत्र-लेखन भाषाक व्यवहारिक रूप देखबैत अछि

५५५. ‘मुद्रण’ केँ मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) लिपि-शिक्षा भाषिक गौरव आ परम्परा-संरक्षणक महत्त्वपूर्ण साधन अछि

(B) टाइप आ कम्प्यूटर लेखन मैथिलीकेँ आधुनिक माध्यममे प्रवेश करौलक

(C) मुद्रणक विकास मैथिलीकेँ व्यापक पाठक-वर्ग धरि पहुँचौलक

(D) आधुनिक कालमे मैथिली लेखनमे देवनागरीक प्रयोग अत्यधिक फैलल

५५६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल ‘मुद्रण’ ककर संकेत करैत अछि?

(A) लिपि-शिक्षा भाषिक गौरव आ परम्परा-संरक्षणक महत्त्वपूर्ण साधन अछि

(B) मुद्रणक विकास मैथिलीकेँ व्यापक पाठक-वर्ग धरि पहुँचौलक

(C) टाइप आ कम्प्यूटर लेखन मैथिलीकेँ आधुनिक माध्यममे प्रवेश करौलक

(D) आधुनिक कालमे मैथिली लेखनमे देवनागरीक प्रयोग अत्यधिक फैलल

५५७. ‘मुद्रण’ पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) यूनिकोड मानकीकरण तिरहुता आ मैथिली डिजिटल लेखन लेल महत्त्वपूर्ण अछि

(B) मुद्रणक विकास मैथिलीकेँ व्यापक पाठक-वर्ग धरि पहुँचौलक

(C) तिरहुता मैथिली लेखनक पारम्परिक लिपि रूपमे प्रसिद्ध अछि

(D) व्यवहारिक लेखनक किछु क्षेत्रमे कैथी जेकाँ लिपिक उपयोगक संकेत भेटैत अछि

५५८. मैथिली भाषाक कालक्रममे ‘मुद्रण’ केँ कोना समझल जाय?

(A) आधुनिक कालमे मैथिली लेखनमे देवनागरीक प्रयोग अत्यधिक फैलल

(B) लिपि-शिक्षा भाषिक गौरव आ परम्परा-संरक्षणक महत्त्वपूर्ण साधन अछि

(C) टाइप आ कम्प्यूटर लेखन मैथिलीकेँ आधुनिक माध्यममे प्रवेश करौलक

(D) मुद्रणक विकास मैथिलीकेँ व्यापक पाठक-वर्ग धरि पहुँचौलक

५५९. निम्नमे सँ ‘मुद्रण’क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) हस्तलिखित ग्रन्थ भाषाक पुरान रूप आ सांस्कृतिक स्मृति सुरक्षित रखैत अछि

(B) मुद्रणक विकास मैथिलीकेँ व्यापक पाठक-वर्ग धरि पहुँचौलक

(C) मिथिलाक्षर तिरहुता लिपिक दोसर प्रचलित नाम रूपमे बुझल जाइत अछि

(D) घर-परिवार, पञ्जी आ सामाजिक संवादमे पत्र-लेखन भाषाक व्यवहारिक रूप देखबैत अछि

५६०. विद्यार्थी जँ ‘मुद्रण’ लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) घर-परिवार, पञ्जी आ सामाजिक संवादमे पत्र-लेखन भाषाक व्यवहारिक रूप देखबैत अछि

(B) मुद्रणक विकास मैथिलीकेँ व्यापक पाठक-वर्ग धरि पहुँचौलक

(C) मिथिलाक्षर तिरहुता लिपिक दोसर प्रचलित नाम रूपमे बुझल जाइत अछि

(D) हस्तलिखित ग्रन्थ भाषाक पुरान रूप आ सांस्कृतिक स्मृति सुरक्षित रखैत अछि

५६१. ‘टंकण’ सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) लिपि-शिक्षा भाषिक गौरव आ परम्परा-संरक्षणक महत्त्वपूर्ण साधन अछि

(B) मुद्रणक विकास मैथिलीकेँ व्यापक पाठक-वर्ग धरि पहुँचौलक

(C) टाइप आ कम्प्यूटर लेखन मैथिलीकेँ आधुनिक माध्यममे प्रवेश करौलक

(D) आधुनिक कालमे मैथिली लेखनमे देवनागरीक प्रयोग अत्यधिक फैलल

५६२. जँ प्रश्न हो—‘टंकण’क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) व्यवहारिक लेखनक किछु क्षेत्रमे कैथी जेकाँ लिपिक उपयोगक संकेत भेटैत अछि

(B) तिरहुता मैथिली लेखनक पारम्परिक लिपि रूपमे प्रसिद्ध अछि

(C) यूनिकोड मानकीकरण तिरहुता आ मैथिली डिजिटल लेखन लेल महत्त्वपूर्ण अछि

(D) टाइप आ कम्प्यूटर लेखन मैथिलीकेँ आधुनिक माध्यममे प्रवेश करौलक

५६३. ‘टंकण’क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) मिथिलाक्षर तिरहुता लिपिक दोसर प्रचलित नाम रूपमे बुझल जाइत अछि

(B) घर-परिवार, पञ्जी आ सामाजिक संवादमे पत्र-लेखन भाषाक व्यवहारिक रूप देखबैत अछि

(C) टाइप आ कम्प्यूटर लेखन मैथिलीकेँ आधुनिक माध्यममे प्रवेश करौलक

(D) हस्तलिखित ग्रन्थ भाषाक पुरान रूप आ सांस्कृतिक स्मृति सुरक्षित रखैत अछि

५६४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे ‘टंकण’क महत्त्व की अछि?

(A) मिथिलाक्षर तिरहुता लिपिक दोसर प्रचलित नाम रूपमे बुझल जाइत अछि

(B) टाइप आ कम्प्यूटर लेखन मैथिलीकेँ आधुनिक माध्यममे प्रवेश करौलक

(C) घर-परिवार, पञ्जी आ सामाजिक संवादमे पत्र-लेखन भाषाक व्यवहारिक रूप देखबैत अछि

(D) हस्तलिखित ग्रन्थ भाषाक पुरान रूप आ सांस्कृतिक स्मृति सुरक्षित रखैत अछि

५६५. ‘टंकण’ केँ मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) हस्तलिखित ग्रन्थ भाषाक पुरान रूप आ सांस्कृतिक स्मृति सुरक्षित रखैत अछि

(B) घर-परिवार, पञ्जी आ सामाजिक संवादमे पत्र-लेखन भाषाक व्यवहारिक रूप देखबैत अछि

(C) मिथिलाक्षर तिरहुता लिपिक दोसर प्रचलित नाम रूपमे बुझल जाइत अछि

(D) टाइप आ कम्प्यूटर लेखन मैथिलीकेँ आधुनिक माध्यममे प्रवेश करौलक

५६६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल ‘टंकण’ ककर संकेत करैत अछि?

(A) घर-परिवार, पञ्जी आ सामाजिक संवादमे पत्र-लेखन भाषाक व्यवहारिक रूप देखबैत अछि

(B) टाइप आ कम्प्यूटर लेखन मैथिलीकेँ आधुनिक माध्यममे प्रवेश करौलक

(C) हस्तलिखित ग्रन्थ भाषाक पुरान रूप आ सांस्कृतिक स्मृति सुरक्षित रखैत अछि

(D) मिथिलाक्षर तिरहुता लिपिक दोसर प्रचलित नाम रूपमे बुझल जाइत अछि

५६७. ‘टंकण’ पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) टाइप आ कम्प्यूटर लेखन मैथिलीकेँ आधुनिक माध्यममे प्रवेश करौलक

(B) लिपि-शिक्षा भाषिक गौरव आ परम्परा-संरक्षणक महत्त्वपूर्ण साधन अछि

(C) मुद्रणक विकास मैथिलीकेँ व्यापक पाठक-वर्ग धरि पहुँचौलक

(D) आधुनिक कालमे मैथिली लेखनमे देवनागरीक प्रयोग अत्यधिक फैलल

५६८. मैथिली भाषाक कालक्रममे ‘टंकण’ केँ कोना समझल जाय?

(A) मुद्रणक विकास मैथिलीकेँ व्यापक पाठक-वर्ग धरि पहुँचौलक

(B) टाइप आ कम्प्यूटर लेखन मैथिलीकेँ आधुनिक माध्यममे प्रवेश करौलक

(C) लिपि-शिक्षा भाषिक गौरव आ परम्परा-संरक्षणक महत्त्वपूर्ण साधन अछि

(D) आधुनिक कालमे मैथिली लेखनमे देवनागरीक प्रयोग अत्यधिक फैलल

५६९. निम्नमे सँ 'टंकण'क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) यूनिकोड मानकीकरण तिरहुता आ मैथिली डिजिटल लेखन लेल महत्त्वपूर्ण अछि

(B) तिरहुता मैथिली लेखनक पारम्परिक लिपि रूपमे प्रसिद्ध अछि

(C) व्यवहारिक लेखनक किछु क्षेत्रमे कैथी जेकाँ लिपिक उपयोगक संकेत भेटैत अछि

(D) टाइप आ कम्प्यूटर लेखन मैथिलीकेँ आधुनिक माध्यममे प्रवेश करौलक

५७०. विद्यार्थी जँ 'टंकण' लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) मुद्रणक विकास मैथिलीकेँ व्यापक पाठक-वर्ग धरि पहुँचौलक

(B) आधुनिक कालमे मैथिली लेखनमे देवनागरीक प्रयोग अत्यधिक फैलल

(C) लिपि-शिक्षा भाषिक गौरव आ परम्परा-संरक्षणक महत्त्वपूर्ण साधन अछि

(D) टाइप आ कम्प्यूटर लेखन मैथिलीकेँ आधुनिक माध्यममे प्रवेश करौलक

५७१. 'यूनिकोड' सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) हस्तलिखित ग्रन्थ भाषाक पुरान रूप आ सांस्कृतिक स्मृति सुरक्षित रखैत अछि

(B) यूनिकोड मानकीकरण तिरहुता आ मैथिली डिजिटल लेखन लेल महत्त्वपूर्ण अछि

(C) घर-परिवार, पञ्जी आ सामाजिक संवादमे पत्र-लेखन भाषाक व्यवहारिक रूप देखबैत अछि

(D) मिथिलाक्षर तिरहुता लिपिक दोसर प्रचलित नाम रूपमे बुझल जाइत अछि

५७२. जँ प्रश्न हो—'यूनिकोड'क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) मुद्रणक विकास मैथिलीकेँ व्यापक पाठक-वर्ग धरि पहुँचौलक

(B) लिपि-शिक्षा भाषिक गौरव आ परम्परा-संरक्षणक महत्त्वपूर्ण साधन अछि

(C) यूनिकोड मानकीकरण तिरहुता आ मैथिली डिजिटल लेखन लेल महत्त्वपूर्ण अछि

(D) आधुनिक कालमे मैथिली लेखनमे देवनागरीक प्रयोग अत्यधिक फैलल

५७३. 'यूनिकोड'क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) यूनिकोड मानकीकरण तिरहुता आ मैथिली डिजिटल लेखन लेल महत्त्वपूर्ण अछि

(B) आधुनिक कालमे मैथिली लेखनमे देवनागरीक प्रयोग अत्यधिक फैलल

(C) लिपि-शिक्षा भाषिक गौरव आ परम्परा-संरक्षणक महत्त्वपूर्ण साधन अछि

(D) मुद्रणक विकास मैथिलीकेँ व्यापक पाठक-वर्ग धरि पहुँचौलक

५७४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे 'यूनिकोड'क महत्त्व की अछि?

(A) मिथिलाक्षर तिरहुता लिपिक दोसर प्रचलित नाम रूपमे बुझल जाइत अछि

(B) यूनिकोड मानकीकरण तिरहुता आ मैथिली डिजिटल लेखन लेल महत्त्वपूर्ण अछि

(C) हस्तलिखित ग्रन्थ भाषाक पुरान रूप आ सांस्कृतिक स्मृति सुरक्षित रखैत अछि

(D) घर-परिवार, पञ्जी आ सामाजिक संवादमे पत्र-लेखन भाषाक व्यवहारिक रूप देखबैत अछि

५७५. 'यूनिकोड' केँ मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) लिपि-शिक्षा भाषिक गौरव आ परम्परा-संरक्षणक महत्त्वपूर्ण साधन अछि

(B) आधुनिक कालमे मैथिली लेखनमे देवनागरीक प्रयोग अत्यधिक फैलल

(C) मुद्रणक विकास मैथिलीकेँ व्यापक पाठक-वर्ग धरि पहुँचौलक

(D) यूनिकोड मानकीकरण तिरहुता आ मैथिली डिजिटल लेखन लेल महत्त्वपूर्ण अछि

५७६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल 'यूनिकोड' ककर संकेत करैत अछि?

(A) मुद्रणक विकास मैथिलीकेँ व्यापक पाठक-वर्ग धरि पहुँचौलक

(B) यूनिकोड मानकीकरण तिरहुता आ मैथिली डिजिटल लेखन लेल महत्त्वपूर्ण अछि

(C) आधुनिक कालमे मैथिली लेखनमे देवनागरीक प्रयोग अत्यधिक फैलल

(D) लिपि-शिक्षा भाषिक गौरव आ परम्परा-संरक्षणक महत्त्वपूर्ण साधन अछि

५७७. ‘यूनिकोड’ पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) यूनिकोड मानकीकरण तिरहुता आ मैथिली डिजिटल लेखन लेल महत्त्वपूर्ण अछि

(B) तिरहुता मैथिली लेखनक पारम्परिक लिपि रूपमे प्रसिद्ध अछि

(C) टाइप आ कम्प्यूटर लेखन मैथिलीकेँ आधुनिक माध्यममे प्रवेश करौलक

(D) व्यवहारिक लेखनक किछु क्षेत्रमे कैथी जेकाँ लिपिक उपयोगक संकेत भेटैत अछि

५७८. मैथिली भाषाक कालक्रममे ‘यूनिकोड’ केँ कोना समझल जाय?

(A) आधुनिक कालमे मैथिली लेखनमे देवनागरीक प्रयोग अत्यधिक फैलल

(B) यूनिकोड मानकीकरण तिरहुता आ मैथिली डिजिटल लेखन लेल महत्त्वपूर्ण अछि

(C) लिपि-शिक्षा भाषिक गौरव आ परम्परा-संरक्षणक महत्त्वपूर्ण साधन अछि

(D) मुद्रणक विकास मैथिलीकेँ व्यापक पाठक-वर्ग धरि पहुँचौलक

५७९. निम्नमे सँ ‘यूनिकोड’क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) घर-परिवार, पञ्जी आ सामाजिक संवादमे पत्र-लेखन भाषाक व्यवहारिक रूप देखबैत अछि

(B) यूनिकोड मानकीकरण तिरहुता आ मैथिली डिजिटल लेखन लेल महत्त्वपूर्ण अछि

(C) हस्तलिखित ग्रन्थ भाषाक पुरान रूप आ सांस्कृतिक स्मृति सुरक्षित रखैत अछि

(D) मिथिलाक्षर तिरहुता लिपिक दोसर प्रचलित नाम रूपमे बुझल जाइत अछि

५८०. विद्यार्थी जँ ‘यूनिकोड’ लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) टाइप आ कम्प्यूटर लेखन मैथिलीकेँ आधुनिक माध्यममे प्रवेश करौलक

(B) यूनिकोड मानकीकरण तिरहुता आ मैथिली डिजिटल लेखन लेल महत्त्वपूर्ण अछि

(C) तिरहुता मैथिली लेखनक पारम्परिक लिपि रूपमे प्रसिद्ध अछि

(D) व्यवहारिक लेखनक किछु क्षेत्रमे कैथी जेकाँ लिपिक उपयोगक संकेत भेटैत अछि

५८१. ‘हस्तलिखित धरोहर’ सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) घर-परिवार, पञ्जी आ सामाजिक संवादमे पत्र-लेखन भाषाक व्यवहारिक रूप देखबैत अछि

(B) यूनिकोड मानकीकरण तिरहुता आ मैथिली डिजिटल लेखन लेल महत्त्वपूर्ण अछि

(C) मिथिलाक्षर तिरहुता लिपिक दोसर प्रचलित नाम रूपमे बुझल जाइत अछि

(D) हस्तलिखित ग्रन्थ भाषाक पुरान रूप आ सांस्कृतिक स्मृति सुरक्षित रखैत अछि

५८२. जँ प्रश्न हो—‘हस्तलिखित धरोहर’क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) लिपि-शिक्षा भाषिक गौरव आ परम्परा-संरक्षणक महत्त्वपूर्ण साधन अछि

(B) आधुनिक कालमे मैथिली लेखनमे देवनागरीक प्रयोग अत्यधिक फैलल

(C) मुद्रणक विकास मैथिलीकेँ व्यापक पाठक-वर्ग धरि पहुँचौलक

(D) हस्तलिखित ग्रन्थ भाषाक पुरान रूप आ सांस्कृतिक स्मृति सुरक्षित रखैत अछि

५८३. ‘हस्तलिखित धरोहर’क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) घर-परिवार, पञ्जी आ सामाजिक संवादमे पत्र-लेखन भाषाक व्यवहारिक रूप देखबैत अछि

(B) हस्तलिखित ग्रन्थ भाषाक पुरान रूप आ सांस्कृतिक स्मृति सुरक्षित रखैत अछि

(C) मिथिलाक्षर तिरहुता लिपिक दोसर प्रचलित नाम रूपमे बुझल जाइत अछि

(D) यूनिकोड मानकीकरण तिरहुता आ मैथिली डिजिटल लेखन लेल महत्त्वपूर्ण अछि

५८४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे ‘हस्तलिखित धरोहर’क महत्त्व की अछि?

(A) तिरहुता मैथिली लेखनक पारम्परिक लिपि रूपमे प्रसिद्ध अछि

(B) व्यवहारिक लेखनक किछु क्षेत्रमे कैथी जेकाँ लिपिक उपयोगक संकेत भेटैत अछि

(C) टाइप आ कम्प्यूटर लेखन मैथिलीकेँ आधुनिक माध्यममे प्रवेश करौलक

(D) हस्तलिखित ग्रन्थ भाषाक पुरान रूप आ सांस्कृतिक स्मृति सुरक्षित रखैत अछि

५८५. ‘हस्तलिखित धरोहर’ कैँ मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) तिरहुता मैथिली लेखनक पारम्परिक लिपि रूपमे प्रसिद्ध अछि

(B) व्यवहारिक लेखनक किछु क्षेत्रमे कैथी जेकाँ लिपिक उपयोगक संकेत भेटैत अछि

(C) हस्तलिखित ग्रन्थ भाषाक पुरान रूप आ सांस्कृतिक स्मृति सुरक्षित रखैत अछि

(D) टाइप आ कम्प्यूटर लेखन मैथिलीकेँ आधुनिक माध्यममे प्रवेश करौलक

५८६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल ‘हस्तलिखित धरोहर’ ककर संकेत करैत अछि?

(A) मुद्रणक विकास मैथिलीकेँ व्यापक पाठक-वर्ग धरि पहुँचौलक

(B) आधुनिक कालमे मैथिली लेखनमे देवनागरीक प्रयोग अत्यधिक फैलल

(C) लिपि-शिक्षा भाषिक गौरव आ परम्परा-संरक्षणक महत्त्वपूर्ण साधन अछि

(D) हस्तलिखित ग्रन्थ भाषाक पुरान रूप आ सांस्कृतिक स्मृति सुरक्षित रखैत अछि

५८७. ‘हस्तलिखित धरोहर’ पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) व्यवहारिक लेखनक किछु क्षेत्रमे कैथी जेकाँ लिपिक उपयोगक संकेत भेटैत अछि

(B) हस्तलिखित ग्रन्थ भाषाक पुरान रूप आ सांस्कृतिक स्मृति सुरक्षित रखैत अछि

(C) तिरहुता मैथिली लेखनक पारम्परिक लिपि रूपमे प्रसिद्ध अछि

(D) टाइप आ कम्प्यूटर लेखन मैथिलीकेँ आधुनिक माध्यममे प्रवेश करौलक

५८८. मैथिली भाषाक कालक्रममे ‘हस्तलिखित धरोहर’ कैँ कोना समझल जाय?

(A) यूनिकोड मानकीकरण तिरहुता आ मैथिली डिजिटल लेखन लेल महत्त्वपूर्ण अछि

(B) हस्तलिखित ग्रन्थ भाषाक पुरान रूप आ सांस्कृतिक स्मृति सुरक्षित रखैत अछि

(C) घर-परिवार, पञ्जी आ सामाजिक संवादमे पत्र-लेखन भाषाक व्यवहारिक रूप देखबैत अछि

(D) मिथिलाक्षर तिरहुता लिपिक दोसर प्रचलित नाम रूपमे बुझल जाइत अछि

५८९. निम्नमे सँ ‘हस्तलिखित धरोहर’क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) हस्तलिखित ग्रन्थ भाषाक पुरान रूप आ सांस्कृतिक स्मृति सुरक्षित रखैत अछि

(B) लिपि-शिक्षा भाषिक गौरव आ परम्परा-संरक्षणक महत्त्वपूर्ण साधन अछि

(C) आधुनिक कालमे मैथिली लेखनमे देवनागरीक प्रयोग अत्यधिक फैलल

(D) मुद्रणक विकास मैथिलीकेँ व्यापक पाठक-वर्ग धरि पहुँचौलक

५९०. विद्यार्थी जँ ‘हस्तलिखित धरोहर’ लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) घर-परिवार, पञ्जी आ सामाजिक संवादमे पत्र-लेखन भाषाक व्यवहारिक रूप देखबैत अछि

(B) यूनिकोड मानकीकरण तिरहुता आ मैथिली डिजिटल लेखन लेल महत्त्वपूर्ण अछि

(C) हस्तलिखित ग्रन्थ भाषाक पुरान रूप आ सांस्कृतिक स्मृति सुरक्षित रखैत अछि

(D) मिथिलाक्षर तिरहुता लिपिक दोसर प्रचलित नाम रूपमे बुझल जाइत अछि

५९१. ‘अक्षर-शिक्षा’ सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) हस्तलिखित ग्रन्थ भाषाक पुरान रूप आ सांस्कृतिक स्मृति सुरक्षित रखैत अछि

(B) आधुनिक कालमे मैथिली लेखनमे देवनागरीक प्रयोग अत्यधिक फैलल

(C) लिपि-शिक्षा भाषिक गौरव आ परम्परा-संरक्षणक महत्त्वपूर्ण साधन अछि

(D) मुद्रणक विकास मैथिलीकेँ व्यापक पाठक-वर्ग धरि पहुँचौलक

५९२. जँ प्रश्न हो—‘अक्षर-शिक्षा’क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) मुद्रणक विकास मैथिलीकेँ व्यापक पाठक-वर्ग धरि पहुँचौलक

(B) आधुनिक कालमे मैथिली लेखनमे देवनागरीक प्रयोग अत्यधिक फैलल

(C) लिपि-शिक्षा भाषिक गौरव आ परम्परा-संरक्षणक महत्त्वपूर्ण साधन अछि

(D) हस्तलिखित ग्रन्थ भाषाक पुरान रूप आ सांस्कृतिक स्मृति सुरक्षित रखैत अछि

५९३. ‘अक्षर-शिक्षा’क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) मुद्रणक विकास मैथिलीकेँ व्यापक पाठक-वर्ग धरि पहुँचौलक

(B) लिपि-शिक्षा भाषिक गौरव आ परम्परा-संरक्षणक महत्त्वपूर्ण साधन अछि

(C) आधुनिक कालमे मैथिली लेखनमे देवनागरीक प्रयोग अत्यधिक फैलल

(D) हस्तलिखित ग्रन्थ भाषाक पुरान रूप आ सांस्कृतिक स्मृति सुरक्षित रखैत अछि

५९४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे ‘अक्षर-शिक्षा’क महत्त्व की अछि?

(A) मुद्रणक विकास मैथिलीकेँ व्यापक पाठक-वर्ग धरि पहुँचौलक

(B) आधुनिक कालमे मैथिली लेखनमे देवनागरीक प्रयोग अत्यधिक फैलल

(C) लिपि-शिक्षा भाषिक गौरव आ परम्परा-संरक्षणक महत्त्वपूर्ण साधन अछि

(D) हस्तलिखित ग्रन्थ भाषाक पुरान रूप आ सांस्कृतिक स्मृति सुरक्षित रखैत अछि

५९५. ‘अक्षर-शिक्षा’ केँ मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) व्यवहारिक लेखनक किछु क्षेत्रमे कैथी जेकाँ लिपिक उपयोगक संकेत भेटैत अछि

(B) लिपि-शिक्षा भाषिक गौरव आ परम्परा-संरक्षणक महत्त्वपूर्ण साधन अछि

(C) टाइप आ कम्प्यूटर लेखन मैथिलीकेँ आधुनिक माध्यममे प्रवेश करौलक

(D) तिरहुता मैथिली लेखनक पारम्परिक लिपि रूपमे प्रसिद्ध अछि

५९६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल ‘अक्षर-शिक्षा’ ककर संकेत करैत अछि?

(A) व्यवहारिक लेखनक किछु क्षेत्रमे कैथी जेकाँ लिपिक उपयोगक संकेत भेटैत अछि

(B) तिरहुता मैथिली लेखनक पारम्परिक लिपि रूपमे प्रसिद्ध अछि

(C) लिपि-शिक्षा भाषिक गौरव आ परम्परा-संरक्षणक महत्त्वपूर्ण साधन अछि

(D) टाइप आ कम्प्यूटर लेखन मैथिलीकेँ आधुनिक माध्यममे प्रवेश करौलक

५९७. ‘अक्षर-शिक्षा’ पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) व्यवहारिक लेखनक किछु क्षेत्रमे कैथी जेकाँ लिपिक उपयोगक संकेत भेटैत अछि

(B) लिपि-शिक्षा भाषिक गौरव आ परम्परा-संरक्षणक महत्त्वपूर्ण साधन अछि

(C) तिरहुता मैथिली लेखनक पारम्परिक लिपि रूपमे प्रसिद्ध अछि

(D) टाइप आ कम्प्यूटर लेखन मैथिलीकेँ आधुनिक माध्यममे प्रवेश करौलक

५९८. मैथिली भाषाक कालक्रममे ‘अक्षर-शिक्षा’ केँ कोना समझल जाय?

(A) तिरहुता मैथिली लेखनक पारम्परिक लिपि रूपमे प्रसिद्ध अछि

(B) व्यवहारिक लेखनक किछु क्षेत्रमे कैथी जेकाँ लिपिक उपयोगक संकेत भेटैत अछि

(C) टाइप आ कम्प्यूटर लेखन मैथिलीकेँ आधुनिक माध्यममे प्रवेश करौलक

(D) लिपि-शिक्षा भाषिक गौरव आ परम्परा-संरक्षणक महत्त्वपूर्ण साधन अछि

५९९. निम्नमे सँ ‘अक्षर-शिक्षा’क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) मुद्रणक विकास मैथिलीकेँ व्यापक पाठक-वर्ग धरि पहुँचौलक

(B) आधुनिक कालमे मैथिली लेखनमे देवनागरीक प्रयोग अत्यधिक फैलल

(C) लिपि-शिक्षा भाषिक गौरव आ परम्परा-संरक्षणक महत्त्वपूर्ण साधन अछि

(D) हस्तलिखित ग्रन्थ भाषाक पुरान रूप आ सांस्कृतिक स्मृति सुरक्षित रखैत अछि

६००. विद्यार्थी जँ ‘अक्षर-शिक्षा’ लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) तिरहुता मैथिली लेखनक पारम्परिक लिपि रूपमे प्रसिद्ध अछि

(B) व्यवहारिक लेखनक किछु क्षेत्रमे कैथी जेकाँ लिपिक उपयोगक संकेत भेटैत अछि

(C) टाइप आ कम्प्यूटर लेखन मैथिलीकेँ आधुनिक माध्यममे प्रवेश करौलक

(D) लिपि-शिक्षा भाषिक गौरव आ परम्परा-संरक्षणक महत्त्वपूर्ण साधन अछि

६०१. ‘मुद्रणालय’ सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) मुद्रणालयक प्रसारसँ मैथिली साहित्य, व्याकरण आ पत्र-पत्रिकाक विकास तेज भेल

(B) संस्था सभ मैथिलीकेँ सभा, प्रकाशन, पुरस्कार आ शोधक आधार देलक

(C) मैथिल हित साधन मैथिली पत्रकारिताक आरम्भिक स्मरणीय पड़ाव मानल जाइत अछि

(D) विद्यालय आ विश्वविद्यालयक पाठ्यक्रम मैथिली अध्ययनकेँ संस्थागत आधार दैत अछि

६०२. जँ प्रश्न हो—‘मुद्रणालय’क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) मिथिला मिहिर मैथिली पत्रकारिता आ साहित्यिक चेतनाक प्रभावशाली नाम रहल

(B) मैथिली भाषा-आन्दोलन पहचान, अधिकार आ शिक्षणक प्रश्नसँ जुड़ल रहल

(C) शब्दकोश-निर्माण मैथिली शब्द-संपदा आ मानक प्रयोगक रक्षा करैत अछि

(D) मुद्रणालयक प्रसारसँ मैथिली साहित्य, व्याकरण आ पत्र-पत्रिकाक विकास तेज भेल

६०३. ‘मुद्रणालय’क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) मिथिला मोद जेकाँ पत्रिका भाषिक-सांस्कृतिक जागरणमे भूमिका निभबैत रहल

(B) पत्र-पत्रिका मैथिली भाषाक आधुनिक चेतना आ मानकीकरणक वाहक बनल

(C) मुद्रणालयक प्रसारसँ मैथिली साहित्य, व्याकरण आ पत्र-पत्रिकाक विकास तेज भेल

(D) व्याकरण-ग्रन्थ भाषाक रूप-रचना व्यवस्थित करबाक साधन बनैत अछि

६०४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे ‘मुद्रणालय’क महत्त्व की अछि?

(A) विद्यालय आ विश्वविद्यालयक पाठ्यक्रम मैथिली अध्ययनकेँ संस्थागत आधार दैत अछि

(B) मैथिल हित साधन मैथिली पत्रकारिताक आरम्भिक स्मरणीय पड़ाव मानल जाइत अछि

(C) मुद्रणालयक प्रसारसँ मैथिली साहित्य, व्याकरण आ पत्र-पत्रिकाक विकास तेज भेल

(D) संस्था सभ मैथिलीकेँ सभा, प्रकाशन, पुरस्कार आ शोधक आधार देलक

६०५. ‘मुद्रणालय’ केँ मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) संस्था सभ मैथिलीकेँ सभा, प्रकाशन, पुरस्कार आ शोधक आधार देलक

(B) विद्यालय आ विश्वविद्यालयक पाठ्यक्रम मैथिली अध्ययनकेँ संस्थागत आधार दैत अछि

(C) मुद्रणालयक प्रसारसँ मैथिली साहित्य, व्याकरण आ पत्र-पत्रिकाक विकास तेज भेल

(D) मैथिल हित साधन मैथिली पत्रकारिताक आरम्भिक स्मरणीय पड़ाव मानल जाइत अछि

६०६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल ‘मुद्रणालय’ ककर संकेत करैत अछि?

(A) मुद्रणालयक प्रसारसँ मैथिली साहित्य, व्याकरण आ पत्र-पत्रिकाक विकास तेज भेल

(B) मैथिल हित साधन मैथिली पत्रकारिताक आरम्भिक स्मरणीय पड़ाव मानल जाइत अछि

(C) संस्था सभ मैथिलीकेँ सभा, प्रकाशन, पुरस्कार आ शोधक आधार देलक

(D) विद्यालय आ विश्वविद्यालयक पाठ्यक्रम मैथिली अध्ययनकेँ संस्थागत आधार दैत अछि

६०७. ‘मुद्रणालय’ पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) मुद्रणालयक प्रसारसँ मैथिली साहित्य, व्याकरण आ पत्र-पत्रिकाक विकास तेज भेल

(B) संस्था सभ मैथिलीकेँ सभा, प्रकाशन, पुरस्कार आ शोधक आधार देलक

(C) मैथिल हित साधन मैथिली पत्रकारिताक आरम्भिक स्मरणीय पड़ाव मानल जाइत अछि

(D) विद्यालय आ विश्वविद्यालयक पाठ्यक्रम मैथिली अध्ययनकेँ संस्थागत आधार दैत अछि

६०८. मैथिली भाषाक कालक्रममे ‘मुद्रणालय’ केँ कोना समझल जाय?

(A) मैथिली भाषा-आन्दोलन पहचान, अधिकार आ शिक्षणक प्रश्नसँ जुड़ल रहल

(B) शब्दकोश-निर्माण मैथिली शब्द-संपदा आ मानक प्रयोगक रक्षा करैत अछि

(C) मिथिला मिहिर मैथिली पत्रकारिता आ साहित्यिक चेतनाक प्रभावशाली नाम रहल

(D) मुद्रणालयक प्रसारसँ मैथिली साहित्य, व्याकरण आ पत्र-पत्रिकाक विकास तेज भेल

६०९. निम्नमे सँ 'मुद्रणालय'क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) संस्था सभ मैथिलीकेँ सभा, प्रकाशन, पुरस्कार आ शोधक आधार देलक

(B) मुद्रणालयक प्रसारसँ मैथिली साहित्य, व्याकरण आ पत्र-पत्रिकाक विकास तेज भेल

(C) मैथिल हित साधन मैथिली पत्रकारिताक आरम्भिक स्मरणीय पड़ाव मानल जाइत अछि

(D) विद्यालय आ विश्वविद्यालयक पाठ्यक्रम मैथिली अध्ययनकेँ संस्थागत आधार दैत अछि

६१०. विद्यार्थी जँ 'मुद्रणालय' लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) मिथिला मिहिर मैथिली पत्रकारिता आ साहित्यिक चेतनाक प्रभावशाली नाम रहल

(B) शब्दकोश-निर्माण मैथिली शब्द-संपदा आ मानक प्रयोगक रक्षा करैत अछि

(C) मुद्रणालयक प्रसारसँ मैथिली साहित्य, व्याकरण आ पत्र-पत्रिकाक विकास तेज भेल

(D) मैथिली भाषा-आन्दोलन पहचान, अधिकार आ शिक्षणक प्रश्नसँ जुड़ल रहल

६११. 'पत्र-पत्रिका' सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) मैथिली भाषा-आन्दोलन पहचान, अधिकार आ शिक्षणक प्रश्नसँ जुड़ल रहल

(B) शब्दकोश-निर्माण मैथिली शब्द-संपदा आ मानक प्रयोगक रक्षा करैत अछि

(C) मिथिला मिहिर मैथिली पत्रकारिता आ साहित्यिक चेतनाक प्रभावशाली नाम रहल

(D) पत्र-पत्रिका मैथिली भाषाक आधुनिक चेतना आ मानकीकरणक वाहक बनल

६१२. जँ प्रश्न हो—'पत्र-पत्रिका'क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) मिथिला मोद जेकाँ पत्रिका भाषिक-सांस्कृतिक जागरणमे भूमिका निभबैत रहल

(B) व्याकरण-ग्रन्थ भाषाक रूप-रचना व्यवस्थित करबाक साधन बनैत अछि

(C) पत्र-पत्रिका मैथिली भाषाक आधुनिक चेतना आ मानकीकरणक वाहक बनल

(D) मुद्रणालयक प्रसारसँ मैथिली साहित्य, व्याकरण आ पत्र-पत्रिकाक विकास तेज भेल

६१३. 'पत्र-पत्रिका'क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) पत्र-पत्रिका मैथिली भाषाक आधुनिक चेतना आ मानकीकरणक वाहक बनल

(B) विद्यालय आ विश्वविद्यालयक पाठ्यक्रम मैथिली अध्ययनकेँ संस्थागत आधार दैत अछि

(C) मैथिल हित साधन मैथिली पत्रकारिताक आरम्भिक स्मरणीय पड़ाव मानल जाइत अछि

(D) संस्था सभ मैथिलीकेँ सभा, प्रकाशन, पुरस्कार आ शोधक आधार देलक

६१४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे 'पत्र-पत्रिका'क महत्त्व की अछि?

(A) संस्था सभ मैथिलीकेँ सभा, प्रकाशन, पुरस्कार आ शोधक आधार देलक

(B) पत्र-पत्रिका मैथिली भाषाक आधुनिक चेतना आ मानकीकरणक वाहक बनल

(C) मैथिल हित साधन मैथिली पत्रकारिताक आरम्भिक स्मरणीय पड़ाव मानल जाइत अछि

(D) विद्यालय आ विश्वविद्यालयक पाठ्यक्रम मैथिली अध्ययनकेँ संस्थागत आधार दैत अछि

६१५. 'पत्र-पत्रिका' केँ मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) शब्दकोश-निर्माण मैथिली शब्द-संपदा आ मानक प्रयोगक रक्षा करैत अछि

(B) पत्र-पत्रिका मैथिली भाषाक आधुनिक चेतना आ मानकीकरणक वाहक बनल

(C) मिथिला मिहिर मैथिली पत्रकारिता आ साहित्यिक चेतनाक प्रभावशाली नाम रहल

(D) मैथिली भाषा-आन्दोलन पहचान, अधिकार आ शिक्षणक प्रश्नसँ जुड़ल रहल

६१६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल 'पत्र-पत्रिका' ककर संकेत करैत अछि?

(A) मुद्रणालयक प्रसारसँ मैथिली साहित्य, व्याकरण आ पत्र-पत्रिकाक विकास तेज भेल

(B) व्याकरण-ग्रन्थ भाषाक रूप-रचना व्यवस्थित करबाक साधन बनैत अछि

(C) मिथिला मोद जेकाँ पत्रिका भाषिक-सांस्कृतिक जागरणमे भूमिका निभबैत रहल

(D) पत्र-पत्रिका मैथिली भाषाक आधुनिक चेतना आ मानकीकरणक वाहक बनल

६१७. ‘पत्र-पत्रिका’ पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) मिथिला मोद जेकाँ पत्रिका भाषिक-सांस्कृतिक जागरणमे भूमिका निभबैत रहल

(B) मुद्रणालयक प्रसारसँ मैथिली साहित्य, व्याकरण आ पत्र-पत्रिकाक विकास तेज भेल

(C) पत्र-पत्रिका मैथिली भाषाक आधुनिक चेतना आ मानकीकरणक वाहक बनल

(D) व्याकरण-ग्रन्थ भाषाक रूप-रचना व्यवस्थित करबाक साधन बनैत अछि

६१८. मैथिली भाषाक कालक्रममे ‘पत्र-पत्रिका’ कैँ कोना समझल जाय?

(A) शब्दकोश-निर्माण मैथिली शब्द-संपदा आ मानक प्रयोगक रक्षा करैत अछि

(B) मिथिला मिहिर मैथिली पत्रकारिता आ साहित्यिक चेतनाक प्रभावशाली नाम रहल

(C) मैथिली भाषा-आन्दोलन पहचान, अधिकार आ शिक्षणक प्रश्नसँ जुड़ल रहल

(D) पत्र-पत्रिका मैथिली भाषाक आधुनिक चेतना आ मानकीकरणक वाहक बनल

६१९. निम्नमे सँ ‘पत्र-पत्रिका’क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) व्याकरण-ग्रन्थ भाषाक रूप-रचना व्यवस्थित करबाक साधन बनैत अछि

(B) मिथिला मोद जेकाँ पत्रिका भाषिक-सांस्कृतिक जागरणमे भूमिका निभबैत रहल

(C) मुद्रणालयक प्रसारसँ मैथिली साहित्य, व्याकरण आ पत्र-पत्रिकाक विकास तेज भेल

(D) पत्र-पत्रिका मैथिली भाषाक आधुनिक चेतना आ मानकीकरणक वाहक बनल

६२०. विद्यार्थी जँ ‘पत्र-पत्रिका’ लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) मैथिल हित साधन मैथिली पत्रकारिताक आरम्भिक स्मरणीय पड़ाव मानल जाइत अछि

(B) विद्यालय आ विश्वविद्यालयक पाठ्यक्रम मैथिली अध्ययनकेँ संस्थागत आधार दैत अछि

(C) संस्था सभ मैथिलीकेँ सभा, प्रकाशन, पुरस्कार आ शोधक आधार देलक

(D) पत्र-पत्रिका मैथिली भाषाक आधुनिक चेतना आ मानकीकरणक वाहक बनल

६२१. ‘मैथिल हित साधन’ सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) पत्र-पत्रिका मैथिली भाषाक आधुनिक चेतना आ मानकीकरणक वाहक बनल

(B) संस्था सभ मैथिलीकेँ सभा, प्रकाशन, पुरस्कार आ शोधक आधार देलक

(C) विद्यालय आ विश्वविद्यालयक पाठ्यक्रम मैथिली अध्ययनकेँ संस्थागत आधार दैत अछि

(D) मैथिल हित साधन मैथिली पत्रकारिताक आरम्भिक स्मरणीय पड़ाव मानल जाइत अछि

६२२. जँ प्रश्न हो—‘मैथिल हित साधन’क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) संस्था सभ मैथिलीकेँ सभा, प्रकाशन, पुरस्कार आ शोधक आधार देलक

(B) विद्यालय आ विश्वविद्यालयक पाठ्यक्रम मैथिली अध्ययनकेँ संस्थागत आधार दैत अछि

(C) पत्र-पत्रिका मैथिली भाषाक आधुनिक चेतना आ मानकीकरणक वाहक बनल

(D) मैथिल हित साधन मैथिली पत्रकारिताक आरम्भिक स्मरणीय पड़ाव मानल जाइत अछि

६२३. ‘मैथिल हित साधन’क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) मुद्रणालयक प्रसारसँ मैथिली साहित्य, व्याकरण आ पत्र-पत्रिकाक विकास तेज भेल

(B) मैथिल हित साधन मैथिली पत्रकारिताक आरम्भिक स्मरणीय पड़ाव मानल जाइत अछि

(C) व्याकरण-ग्रन्थ भाषाक रूप-रचना व्यवस्थित करबाक साधन बनैत अछि

(D) मिथिला मोद जेकाँ पत्रिका भाषिक-सांस्कृतिक जागरणमे भूमिका निभबैत रहल

६२४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे ‘मैथिल हित साधन’क महत्त्व की अछि?

(A) मिथिला मोद जेकाँ पत्रिका भाषिक-सांस्कृतिक जागरणमे भूमिका निभबैत रहल

(B) मैथिल हित साधन मैथिली पत्रकारिताक आरम्भिक स्मरणीय पड़ाव मानल जाइत अछि

(C) मुद्रणालयक प्रसारसँ मैथिली साहित्य, व्याकरण आ पत्र-पत्रिकाक विकास तेज भेल

(D) व्याकरण-ग्रन्थ भाषाक रूप-रचना व्यवस्थित करबाक साधन बनैत अछि

६२५. ‘मैथिल हित साधन’ कैँ मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) मैथिली भाषा-आन्दोलन पहचान, अधिकार आ शिक्षणक प्रश्नसँ जुड़ल रहल

(B) मिथिला मिहिर मैथिली पत्रकारिता आ साहित्यिक चेतनाक प्रभावशाली नाम रहल

(C) मैथिल हित साधन मैथिली पत्रकारिताक आरम्भिक स्मरणीय पड़ाव मानल जाइत अछि

(D) शब्दकोश-निर्माण मैथिली शब्द-संपदा आ मानक प्रयोगक रक्षा करैत अछि

६२६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल ‘मैथिल हित साधन’ ककर संकेत करैत अछि?

(A) मिथिला मोद जेकाँ पत्रिका भाषिक-सांस्कृतिक जागरणमे भूमिका निभबैत रहल

(B) व्याकरण-ग्रन्थ भाषाक रूप-रचना व्यवस्थित करबाक साधन बनैत अछि

(C) मुद्रणालयक प्रसारसँ मैथिली साहित्य, व्याकरण आ पत्र-पत्रिकाक विकास तेज भेल

(D) मैथिल हित साधन मैथिली पत्रकारिताक आरम्भिक स्मरणीय पड़ाव मानल जाइत अछि

६२७. ‘मैथिल हित साधन’ पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) पत्र-पत्रिका मैथिली भाषाक आधुनिक चेतना आ मानकीकरणक वाहक बनल

(B) संस्था सभ मैथिलीकेँ सभा, प्रकाशन, पुरस्कार आ शोधक आधार देलक

(C) मैथिल हित साधन मैथिली पत्रकारिताक आरम्भिक स्मरणीय पड़ाव मानल जाइत अछि

(D) विद्यालय आ विश्वविद्यालयक पाठ्यक्रम मैथिली अध्ययनकेँ संस्थागत आधार दैत अछि

६२८. मैथिली भाषाक कालक्रममे ‘मैथिल हित साधन’ कैँ कोना समझल जाय?

(A) शब्दकोश-निर्माण मैथिली शब्द-संपदा आ मानक प्रयोगक रक्षा करैत अछि

(B) मैथिली भाषा-आन्दोलन पहचान, अधिकार आ शिक्षणक प्रश्नसँ जुड़ल रहल

(C) मिथिला मिहिर मैथिली पत्रकारिता आ साहित्यिक चेतनाक प्रभावशाली नाम रहल

(D) मैथिल हित साधन मैथिली पत्रकारिताक आरम्भिक स्मरणीय पड़ाव मानल जाइत अछि

६२९. निम्नमे सँ ‘मैथिल हित साधन’क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) मैथिल हित साधन मैथिली पत्रकारिताक आरम्भिक स्मरणीय पड़ाव मानल जाइत अछि

(B) पत्र-पत्रिका मैथिली भाषाक आधुनिक चेतना आ मानकीकरणक वाहक बनल

(C) संस्था सभ मैथिलीकेँ सभा, प्रकाशन, पुरस्कार आ शोधक आधार देलक

(D) विद्यालय आ विश्वविद्यालयक पाठ्यक्रम मैथिली अध्ययनकेँ संस्थागत आधार दैत अछि

६३०. विद्यार्थी जँ ‘मैथिल हित साधन’ लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) मिथिला मिहिर मैथिली पत्रकारिता आ साहित्यिक चेतनाक प्रभावशाली नाम रहल

(B) मैथिली भाषा-आन्दोलन पहचान, अधिकार आ शिक्षणक प्रश्नसँ जुड़ल रहल

(C) शब्दकोश-निर्माण मैथिली शब्द-संपदा आ मानक प्रयोगक रक्षा करैत अछि

(D) मैथिल हित साधन मैथिली पत्रकारिताक आरम्भिक स्मरणीय पड़ाव मानल जाइत अछि

६३१. ‘मिथिला मिहिर’ सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) मिथिला मिहिर मैथिली पत्रकारिता आ साहित्यिक चेतनाक प्रभावशाली नाम रहल

(B) मैथिली भाषा-आन्दोलन पहचान, अधिकार आ शिक्षणक प्रश्नसँ जुड़ल रहल

(C) शब्दकोश-निर्माण मैथिली शब्द-संपदा आ मानक प्रयोगक रक्षा करैत अछि

(D) मैथिल हित साधन मैथिली पत्रकारिताक आरम्भिक स्मरणीय पड़ाव मानल जाइत अछि

६३२. जँ प्रश्न हो—‘मिथिला मिहिर’क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) विद्यालय आ विश्वविद्यालयक पाठ्यक्रम मैथिली अध्ययनकेँ संस्थागत आधार दैत अछि

(B) मिथिला मिहिर मैथिली पत्रकारिता आ साहित्यिक चेतनाक प्रभावशाली नाम रहल

(C) पत्र-पत्रिका मैथिली भाषाक आधुनिक चेतना आ मानकीकरणक वाहक बनल

(D) संस्था सभ मैथिलीकेँ सभा, प्रकाशन, पुरस्कार आ शोधक आधार देलक

६३३. 'मिथिला मिहिर'क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) मैथिल हित साधन मैथिली पत्रकारिताक आरम्भिक स्मरणीय पड़ाव मानल जाइत अछि

(B) शब्दकोश-निर्माण मैथिली शब्द-संपदा आ मानक प्रयोगक रक्षा करैत अछि

(C) मिथिला मिहिर मैथिली पत्रकारिता आ साहित्यिक चेतनाक प्रभावशाली नाम रहल

(D) मैथिली भाषा-आन्दोलन पहचान, अधिकार आ शिक्षणक प्रश्नसँ जुड़ल रहल

६३४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे 'मिथिला मिहिर'क महत्त्व की अछि?

(A) शब्दकोश-निर्माण मैथिली शब्द-संपदा आ मानक प्रयोगक रक्षा करैत अछि

(B) मैथिल हित साधन मैथिली पत्रकारिताक आरम्भिक स्मरणीय पड़ाव मानल जाइत अछि

(C) मिथिला मिहिर मैथिली पत्रकारिता आ साहित्यिक चेतनाक प्रभावशाली नाम रहल

(D) मैथिली भाषा-आन्दोलन पहचान, अधिकार आ शिक्षणक प्रश्नसँ जुड़ल रहल

६३५. 'मिथिला मिहिर' कैँ मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) शब्दकोश-निर्माण मैथिली शब्द-संपदा आ मानक प्रयोगक रक्षा करैत अछि

(B) मैथिल हित साधन मैथिली पत्रकारिताक आरम्भिक स्मरणीय पड़ाव मानल जाइत अछि

(C) मिथिला मिहिर मैथिली पत्रकारिता आ साहित्यिक चेतनाक प्रभावशाली नाम रहल

(D) मैथिली भाषा-आन्दोलन पहचान, अधिकार आ शिक्षणक प्रश्नसँ जुड़ल रहल

६३६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल 'मिथिला मिहिर' ककर संकेत करैत अछि?

(A) पत्र-पत्रिका मैथिली भाषाक आधुनिक चेतना आ मानकीकरणक वाहक बनल

(B) मिथिला मिहिर मैथिली पत्रकारिता आ साहित्यिक चेतनाक प्रभावशाली नाम रहल

(C) विद्यालय आ विश्वविद्यालयक पाठ्यक्रम मैथिली अध्ययनकेँ संस्थागत आधार दैत अछि

(D) संस्था सभ मैथिलीकेँ सभा, प्रकाशन, पुरस्कार आ शोधक आधार देलक

६३७. 'मिथिला मिहिर' पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) मिथिला मोद जेकाँ पत्रिका भाषिक-सांस्कृतिक जागरणमे भूमिका निभबैत रहल

(B) मिथिला मिहिर मैथिली पत्रकारिता आ साहित्यिक चेतनाक प्रभावशाली नाम रहल

(C) व्याकरण-ग्रन्थ भाषाक रूप-रचना व्यवस्थित करबाक साधन बनैत अछि

(D) मुद्रणालयक प्रसारसँ मैथिली साहित्य, व्याकरण आ पत्र-पत्रिकाक विकास तेज भेल

६३८. मैथिली भाषाक कालक्रममे 'मिथिला मिहिर' कैँ कोना समझल जाय?

(A) मैथिल हित साधन मैथिली पत्रकारिताक आरम्भिक स्मरणीय पड़ाव मानल जाइत अछि

(B) मैथिली भाषा-आन्दोलन पहचान, अधिकार आ शिक्षणक प्रश्नसँ जुड़ल रहल

(C) मिथिला मिहिर मैथिली पत्रकारिता आ साहित्यिक चेतनाक प्रभावशाली नाम रहल

(D) शब्दकोश-निर्माण मैथिली शब्द-संपदा आ मानक प्रयोगक रक्षा करैत अछि

६३९. निम्नमे सँ 'मिथिला मिहिर'क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) मैथिल हित साधन मैथिली पत्रकारिताक आरम्भिक स्मरणीय पड़ाव मानल जाइत अछि

(B) मैथिली भाषा-आन्दोलन पहचान, अधिकार आ शिक्षणक प्रश्नसँ जुड़ल रहल

(C) शब्दकोश-निर्माण मैथिली शब्द-संपदा आ मानक प्रयोगक रक्षा करैत अछि

(D) मिथिला मिहिर मैथिली पत्रकारिता आ साहित्यिक चेतनाक प्रभावशाली नाम रहल

६४०. विद्यार्थी जँ 'मिथिला मिहिर' लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) मिथिला मोद जेकाँ पत्रिका भाषिक-सांस्कृतिक जागरणमे भूमिका निभबैत रहल

(B) व्याकरण-ग्रन्थ भाषाक रूप-रचना व्यवस्थित करबाक साधन बनैत अछि

(C) मिथिला मिहिर मैथिली पत्रकारिता आ साहित्यिक चेतनाक प्रभावशाली नाम रहल

(D) मुद्रणालयक प्रसारसँ मैथिली साहित्य, व्याकरण आ पत्र-पत्रिकाक विकास तेज भेल

६४१. ‘मिथिला मोद’ सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) मिथिला मोद जेकाँ पत्रिका भाषिक-सांस्कृतिक जागरणमे भूमिका निभबैत रहल

(B) व्याकरण-ग्रन्थ भाषाक रूप-रचना व्यवस्थित करबाक साधन बनैत अछि

(C) मुद्रणालयक प्रसारसँ मैथिली साहित्य, व्याकरण आ पत्र-पत्रिकाक विकास तेज भेल

(D) मिथिला मिहिर मैथिली पत्रकारिता आ साहित्यिक चेतनाक प्रभावशाली नाम रहल

६४२. जँ प्रश्न हो—‘मिथिला मोद’क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) संस्था सभ मैथिलीकेँ सभा, प्रकाशन, पुरस्कार आ शोधक आधार देलक

(B) विद्यालय आ विश्वविद्यालयक पाठ्यक्रम मैथिली अध्ययनकेँ संस्थागत आधार दैत अछि

(C) पत्र-पत्रिका मैथिली भाषाक आधुनिक चेतना आ मानकीकरणक वाहक बनल

(D) मिथिला मोद जेकाँ पत्रिका भाषिक-सांस्कृतिक जागरणमे भूमिका निभबैत रहल

६४३. ‘मिथिला मोद’क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) मिथिला मोद जेकाँ पत्रिका भाषिक-सांस्कृतिक जागरणमे भूमिका निभबैत रहल

(B) व्याकरण-ग्रन्थ भाषाक रूप-रचना व्यवस्थित करबाक साधन बनैत अछि

(C) मिथिला मिहिर मैथिली पत्रकारिता आ साहित्यिक चेतनाक प्रभावशाली नाम रहल

(D) मुद्रणालयक प्रसारसँ मैथिली साहित्य, व्याकरण आ पत्र-पत्रिकाक विकास तेज भेल

६४४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे ‘मिथिला मोद’क महत्त्व की अछि?

(A) विद्यालय आ विश्वविद्यालयक पाठ्यक्रम मैथिली अध्ययनकेँ संस्थागत आधार दैत अछि

(B) पत्र-पत्रिका मैथिली भाषाक आधुनिक चेतना आ मानकीकरणक वाहक बनल

(C) मिथिला मोद जेकाँ पत्रिका भाषिक-सांस्कृतिक जागरणमे भूमिका निभबैत रहल

(D) संस्था सभ मैथिलीकेँ सभा, प्रकाशन, पुरस्कार आ शोधक आधार देलक

६४५. ‘मिथिला मोद’ केँ मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) संस्था सभ मैथिलीकेँ सभा, प्रकाशन, पुरस्कार आ शोधक आधार देलक

(B) पत्र-पत्रिका मैथिली भाषाक आधुनिक चेतना आ मानकीकरणक वाहक बनल

(C) मिथिला मोद जेकाँ पत्रिका भाषिक-सांस्कृतिक जागरणमे भूमिका निभबैत रहल

(D) विद्यालय आ विश्वविद्यालयक पाठ्यक्रम मैथिली अध्ययनकेँ संस्थागत आधार दैत अछि

६४६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल ‘मिथिला मोद’ ककर संकेत करैत अछि?

(A) मैथिल हित साधन मैथिली पत्रकारिताक आरम्भिक स्मरणीय पड़ाव मानल जाइत अछि

(B) मैथिली भाषा-आन्दोलन पहचान, अधिकार आ शिक्षणक प्रश्नसँ जुड़ल रहल

(C) मिथिला मोद जेकाँ पत्रिका भाषिक-सांस्कृतिक जागरणमे भूमिका निभबैत रहल

(D) शब्दकोश-निर्माण मैथिली शब्द-संपदा आ मानक प्रयोगक रक्षा करैत अछि

६४७. ‘मिथिला मोद’ पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) पत्र-पत्रिका मैथिली भाषाक आधुनिक चेतना आ मानकीकरणक वाहक बनल

(B) विद्यालय आ विश्वविद्यालयक पाठ्यक्रम मैथिली अध्ययनकेँ संस्थागत आधार दैत अछि

(C) संस्था सभ मैथिलीकेँ सभा, प्रकाशन, पुरस्कार आ शोधक आधार देलक

(D) मिथिला मोद जेकाँ पत्रिका भाषिक-सांस्कृतिक जागरणमे भूमिका निभबैत रहल

६४८. मैथिली भाषाक कालक्रममे ‘मिथिला मोद’ केँ कोना समझल जाय?

(A) विद्यालय आ विश्वविद्यालयक पाठ्यक्रम मैथिली अध्ययनकेँ संस्थागत आधार दैत अछि

(B) मिथिला मोद जेकाँ पत्रिका भाषिक-सांस्कृतिक जागरणमे भूमिका निभबैत रहल

(C) पत्र-पत्रिका मैथिली भाषाक आधुनिक चेतना आ मानकीकरणक वाहक बनल

(D) संस्था सभ मैथिलीकेँ सभा, प्रकाशन, पुरस्कार आ शोधक आधार देलक

६४९. निम्नमे सँ 'मिथिला मोद'क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) मिथिला मोद जेकाँ पत्रिका भाषिक-सांस्कृतिक जागरणमे भूमिका निभबैत रहल

(B) व्याकरण-ग्रन्थ भाषाक रूप-रचना व्यवस्थित करबाक साधन बनैत अछि

(C) मिथिला मिहिर मैथिली पत्रकारिता आ साहित्यिक चेतनाक प्रभावशाली नाम रहल

(D) मुद्रणालयक प्रसारसँ मैथिली साहित्य, व्याकरण आ पत्र-पत्रिकाक विकास तेज भेल

६५०. विद्यार्थी जँ 'मिथिला मोद' लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) व्याकरण-ग्रन्थ भाषाक रूप-रचना व्यवस्थित करबाक साधन बनैत अछि

(B) मुद्रणालयक प्रसारसँ मैथिली साहित्य, व्याकरण आ पत्र-पत्रिकाक विकास तेज भेल

(C) मिथिला मोद जेकाँ पत्रिका भाषिक-सांस्कृतिक जागरणमे भूमिका निभबैत रहल

(D) मिथिला मिहिर मैथिली पत्रकारिता आ साहित्यिक चेतनाक प्रभावशाली नाम रहल

६५१. 'साहित्यिक संस्था' सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) मैथिली भाषा-आन्दोलन पहचान, अधिकार आ शिक्षणक प्रश्नसँ जुड़ल रहल

(B) शब्दकोश-निर्माण मैथिली शब्द-संपदा आ मानक प्रयोगक रक्षा करैत अछि

(C) मैथिल हित साधन मैथिली पत्रकारिताक आरम्भिक स्मरणीय पड़ाव मानल जाइत अछि

(D) संस्था सभ मैथिलीकेँ सभा, प्रकाशन, पुरस्कार आ शोधक आधार देलक

६५२. जँ प्रश्न हो—'साहित्यिक संस्था'क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) विद्यालय आ विश्वविद्यालयक पाठ्यक्रम मैथिली अध्ययनकेँ संस्थागत आधार दैत अछि

(B) संस्था सभ मैथिलीकेँ सभा, प्रकाशन, पुरस्कार आ शोधक आधार देलक

(C) पत्र-पत्रिका मैथिली भाषाक आधुनिक चेतना आ मानकीकरणक वाहक बनल

(D) मिथिला मोद जेकाँ पत्रिका भाषिक-सांस्कृतिक जागरणमे भूमिका निभबैत रहल

६५३. 'साहित्यिक संस्था'क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) संस्था सभ मैथिलीकेँ सभा, प्रकाशन, पुरस्कार आ शोधक आधार देलक

(B) व्याकरण-ग्रन्थ भाषाक रूप-रचना व्यवस्थित करबाक साधन बनैत अछि

(C) मिथिला मिहिर मैथिली पत्रकारिता आ साहित्यिक चेतनाक प्रभावशाली नाम रहल

(D) मुद्रणालयक प्रसारसँ मैथिली साहित्य, व्याकरण आ पत्र-पत्रिकाक विकास तेज भेल

६५४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे 'साहित्यिक संस्था'क महत्त्व की अछि?

(A) मिथिला मोद जेकाँ पत्रिका भाषिक-सांस्कृतिक जागरणमे भूमिका निभबैत रहल

(B) संस्था सभ मैथिलीकेँ सभा, प्रकाशन, पुरस्कार आ शोधक आधार देलक

(C) पत्र-पत्रिका मैथिली भाषाक आधुनिक चेतना आ मानकीकरणक वाहक बनल

(D) विद्यालय आ विश्वविद्यालयक पाठ्यक्रम मैथिली अध्ययनकेँ संस्थागत आधार दैत अछि

६५५. 'साहित्यिक संस्था' केँ मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) मिथिला मिहिर मैथिली पत्रकारिता आ साहित्यिक चेतनाक प्रभावशाली नाम रहल

(B) मुद्रणालयक प्रसारसँ मैथिली साहित्य, व्याकरण आ पत्र-पत्रिकाक विकास तेज भेल

(C) व्याकरण-ग्रन्थ भाषाक रूप-रचना व्यवस्थित करबाक साधन बनैत अछि

(D) संस्था सभ मैथिलीकेँ सभा, प्रकाशन, पुरस्कार आ शोधक आधार देलक

६५६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल 'साहित्यिक संस्था' ककर संकेत करैत अछि?

(A) संस्था सभ मैथिलीकेँ सभा, प्रकाशन, पुरस्कार आ शोधक आधार देलक

(B) मैथिली भाषा-आन्दोलन पहचान, अधिकार आ शिक्षणक प्रश्नसँ जुड़ल रहल

(C) शब्दकोश-निर्माण मैथिली शब्द-संपदा आ मानक प्रयोगक रक्षा करैत अछि

(D) मैथिल हित साधन मैथिली पत्रकारिताक आरम्भिक स्मरणीय पड़ाव मानल जाइत अछि

६५७. 'साहित्यिक संस्था' पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) मिथिला मिहिर मैथिली पत्रकारिता आ साहित्यिक चेतनाक प्रभावशाली नाम रहल

(B) मुद्रणालयक प्रसारसँ मैथिली साहित्य, व्याकरण आ पत्र-पत्रिकाक विकास तेज भेल

(C) संस्था सभ मैथिलीकेँ सभा, प्रकाशन, पुरस्कार आ शोधक आधार देलक

(D) व्याकरण-ग्रन्थ भाषाक रूप-रचना व्यवस्थित करबाक साधन बनैत अछि

६५८. मैथिली भाषाक कालक्रममे 'साहित्यिक संस्था' केँ कोना समझल जाय?

(A) मुद्रणालयक प्रसारसँ मैथिली साहित्य, व्याकरण आ पत्र-पत्रिकाक विकास तेज भेल

(B) व्याकरण-ग्रन्थ भाषाक रूप-रचना व्यवस्थित करबाक साधन बनैत अछि

(C) संस्था सभ मैथिलीकेँ सभा, प्रकाशन, पुरस्कार आ शोधक आधार देलक

(D) मिथिला मिहिर मैथिली पत्रकारिता आ साहित्यिक चेतनाक प्रभावशाली नाम रहल

६५९. निम्नमे सँ 'साहित्यिक संस्था'क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) व्याकरण-ग्रन्थ भाषाक रूप-रचना व्यवस्थित करबाक साधन बनैत अछि

(B) संस्था सभ मैथिलीकेँ सभा, प्रकाशन, पुरस्कार आ शोधक आधार देलक

(C) मुद्रणालयक प्रसारसँ मैथिली साहित्य, व्याकरण आ पत्र-पत्रिकाक विकास तेज भेल

(D) मिथिला मिहिर मैथिली पत्रकारिता आ साहित्यिक चेतनाक प्रभावशाली नाम रहल

६६०. विद्यार्थी जँ 'साहित्यिक संस्था' लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) मिथिला मिहिर मैथिली पत्रकारिता आ साहित्यिक चेतनाक प्रभावशाली नाम रहल

(B) मुद्रणालयक प्रसारसँ मैथिली साहित्य, व्याकरण आ पत्र-पत्रिकाक विकास तेज भेल

(C) व्याकरण-ग्रन्थ भाषाक रूप-रचना व्यवस्थित करबाक साधन बनैत अछि

(D) संस्था सभ मैथिलीकेँ सभा, प्रकाशन, पुरस्कार आ शोधक आधार देलक

६६१. 'शब्दकोश' सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) शब्दकोश-निर्माण मैथिली शब्द-संपदा आ मानक प्रयोगक रक्षा करैत अछि

(B) मुद्रणालयक प्रसारसँ मैथिली साहित्य, व्याकरण आ पत्र-पत्रिकाक विकास तेज भेल

(C) मिथिला मिहिर मैथिली पत्रकारिता आ साहित्यिक चेतनाक प्रभावशाली नाम रहल

(D) व्याकरण-ग्रन्थ भाषाक रूप-रचना व्यवस्थित करबाक साधन बनैत अछि

६६२. जँ प्रश्न हो—'शब्दकोश'क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) पत्र-पत्रिका मैथिली भाषाक आधुनिक चेतना आ मानकीकरणक वाहक बनल

(B) विद्यालय आ विश्वविद्यालयक पाठ्यक्रम मैथिली अध्ययनकेँ संस्थागत आधार दैत अछि

(C) मिथिला मोद जेकाँ पत्रिका भाषिक-सांस्कृतिक जागरणमे भूमिका निभबैत रहल

(D) शब्दकोश-निर्माण मैथिली शब्द-संपदा आ मानक प्रयोगक रक्षा करैत अछि

६६३. 'शब्दकोश'क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) संस्था सभ मैथिलीकेँ सभा, प्रकाशन, पुरस्कार आ शोधक आधार देलक

(B) शब्दकोश-निर्माण मैथिली शब्द-संपदा आ मानक प्रयोगक रक्षा करैत अछि

(C) मैथिल हित साधन मैथिली पत्रकारिताक आरम्भिक स्मरणीय पड़ाव मानल जाइत अछि

(D) मैथिली भाषा-आन्दोलन पहचान, अधिकार आ शिक्षणक प्रश्नसँ जुड़ल रहल

६६४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे 'शब्दकोश'क महत्त्व की अछि?

(A) मिथिला मिहिर मैथिली पत्रकारिता आ साहित्यिक चेतनाक प्रभावशाली नाम रहल

(B) शब्दकोश-निर्माण मैथिली शब्द-संपदा आ मानक प्रयोगक रक्षा करैत अछि

(C) मुद्रणालयक प्रसारसँ मैथिली साहित्य, व्याकरण आ पत्र-पत्रिकाक विकास तेज भेल

(D) व्याकरण-ग्रन्थ भाषाक रूप-रचना व्यवस्थित करबाक साधन बनैत अछि

६६५. ‘शब्दकोश’ कैँ मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) मिथिला मोद जेकाँ पत्रिका भाषिक-सांस्कृतिक जागरणमे भूमिका निभबैत रहल

(B) विद्यालय आ विश्वविद्यालयक पाठ्यक्रम मैथिली अध्ययनकेँ संस्थागत आधार दैत अछि

(C) पत्र-पत्रिका मैथिली भाषाक आधुनिक चेतना आ मानकीकरणक वाहक बनल

(D) शब्दकोश-निर्माण मैथिली शब्द-संपदा आ मानक प्रयोगक रक्षा करैत अछि

६६६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल ‘शब्दकोश’ ककर संकेत करैत अछि?

(A) मैथिल हित साधन मैथिली पत्रकारिताक आरम्भिक स्मरणीय पड़ाव मानल जाइत अछि

(B) संस्था सभ मैथिलीकेँ सभा, प्रकाशन, पुरस्कार आ शोधक आधार देलक

(C) शब्दकोश-निर्माण मैथिली शब्द-संपदा आ मानक प्रयोगक रक्षा करैत अछि

(D) मैथिली भाषा-आन्दोलन पहचान, अधिकार आ शिक्षणक प्रश्नसँ जुड़ल रहल

६६७. ‘शब्दकोश’ पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) मैथिल हित साधन मैथिली पत्रकारिताक आरम्भिक स्मरणीय पड़ाव मानल जाइत अछि

(B) मैथिली भाषा-आन्दोलन पहचान, अधिकार आ शिक्षणक प्रश्नसँ जुड़ल रहल

(C) संस्था सभ मैथिलीकेँ सभा, प्रकाशन, पुरस्कार आ शोधक आधार देलक

(D) शब्दकोश-निर्माण मैथिली शब्द-संपदा आ मानक प्रयोगक रक्षा करैत अछि

६६८. मैथिली भाषाक कालक्रममे ‘शब्दकोश’ कैँ कोना समझल जाय?

(A) संस्था सभ मैथिलीकेँ सभा, प्रकाशन, पुरस्कार आ शोधक आधार देलक

(B) मैथिली भाषा-आन्दोलन पहचान, अधिकार आ शिक्षणक प्रश्नसँ जुड़ल रहल

(C) मैथिल हित साधन मैथिली पत्रकारिताक आरम्भिक स्मरणीय पड़ाव मानल जाइत अछि

(D) शब्दकोश-निर्माण मैथिली शब्द-संपदा आ मानक प्रयोगक रक्षा करैत अछि

६६९. निम्नमे सँ ‘शब्दकोश’क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) मुद्रणालयक प्रसारसँ मैथिली साहित्य, व्याकरण आ पत्र-पत्रिकाक विकास तेज भेल

(B) शब्दकोश-निर्माण मैथिली शब्द-संपदा आ मानक प्रयोगक रक्षा करैत अछि

(C) व्याकरण-ग्रन्थ भाषाक रूप-रचना व्यवस्थित करबाक साधन बनैत अछि

(D) मिथिला मिहिर मैथिली पत्रकारिता आ साहित्यिक चेतनाक प्रभावशाली नाम रहल

६७०. विद्यार्थी जँ ‘शब्दकोश’ लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) मिथिला मिहिर मैथिली पत्रकारिता आ साहित्यिक चेतनाक प्रभावशाली नाम रहल

(B) मुद्रणालयक प्रसारसँ मैथिली साहित्य, व्याकरण आ पत्र-पत्रिकाक विकास तेज भेल

(C) शब्दकोश-निर्माण मैथिली शब्द-संपदा आ मानक प्रयोगक रक्षा करैत अछि

(D) व्याकरण-ग्रन्थ भाषाक रूप-रचना व्यवस्थित करबाक साधन बनैत अछि

६७१. ‘व्याकरण-रचना’ सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) मिथिला मिहिर मैथिली पत्रकारिता आ साहित्यिक चेतनाक प्रभावशाली नाम रहल

(B) शब्दकोश-निर्माण मैथिली शब्द-संपदा आ मानक प्रयोगक रक्षा करैत अछि

(C) मुद्रणालयक प्रसारसँ मैथिली साहित्य, व्याकरण आ पत्र-पत्रिकाक विकास तेज भेल

(D) व्याकरण-ग्रन्थ भाषाक रूप-रचना व्यवस्थित करबाक साधन बनैत अछि

६७२. जँ प्रश्न हो—‘व्याकरण-रचना’क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) पत्र-पत्रिका मैथिली भाषाक आधुनिक चेतना आ मानकीकरणक वाहक बनल

(B) मिथिला मोद जेकाँ पत्रिका भाषिक-सांस्कृतिक जागरणमे भूमिका निभबैत रहल

(C) व्याकरण-ग्रन्थ भाषाक रूप-रचना व्यवस्थित करबाक साधन बनैत अछि

(D) विद्यालय आ विश्वविद्यालयक पाठ्यक्रम मैथिली अध्ययनकेँ संस्थागत आधार दैत अछि

६७३. 'व्याकरण-रचना'क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) मुद्रणालयक प्रसारसँ मैथिली साहित्य, व्याकरण आ पत्र-पत्रिकाक विकास तेज भेल

(B) शब्दकोश-निर्माण मैथिली शब्द-संपदा आ मानक प्रयोगक रक्षा करैत अछि

(C) मिथिला मिहिर मैथिली पत्रकारिता आ साहित्यिक चेतनाक प्रभावशाली नाम रहल

(D) व्याकरण-ग्रन्थ भाषाक रूप-रचना व्यवस्थित करबाक साधन बनैत अछि

६७४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे 'व्याकरण-रचना'क महत्त्व की अछि?

(A) मुद्रणालयक प्रसारसँ मैथिली साहित्य, व्याकरण आ पत्र-पत्रिकाक विकास तेज भेल

(B) शब्दकोश-निर्माण मैथिली शब्द-संपदा आ मानक प्रयोगक रक्षा करैत अछि

(C) मिथिला मिहिर मैथिली पत्रकारिता आ साहित्यिक चेतनाक प्रभावशाली नाम रहल

(D) व्याकरण-ग्रन्थ भाषाक रूप-रचना व्यवस्थित करबाक साधन बनैत अछि

६७५. 'व्याकरण-रचना' कैँ मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) मैथिल हित साधन मैथिली पत्रकारिताक आरम्भिक स्मरणीय पड़ाव मानल जाइत अछि

(B) मैथिली भाषा-आन्दोलन पहचान, अधिकार आ शिक्षणक प्रश्नसँ जुड़ल रहल

(C) व्याकरण-ग्रन्थ भाषाक रूप-रचना व्यवस्थित करबाक साधन बनैत अछि

(D) संस्था सभ मैथिलीकैँ सभा, प्रकाशन, पुरस्कार आ शोधक आधार देलक

६७६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल 'व्याकरण-रचना' ककर संकेत करैत अछि?

(A) संस्था सभ मैथिलीकैँ सभा, प्रकाशन, पुरस्कार आ शोधक आधार देलक

(B) मैथिल हित साधन मैथिली पत्रकारिताक आरम्भिक स्मरणीय पड़ाव मानल जाइत अछि

(C) व्याकरण-ग्रन्थ भाषाक रूप-रचना व्यवस्थित करबाक साधन बनैत अछि

(D) मैथिली भाषा-आन्दोलन पहचान, अधिकार आ शिक्षणक प्रश्नसँ जुड़ल रहल

६७७. 'व्याकरण-रचना' पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) शब्दकोश-निर्माण मैथिली शब्द-संपदा आ मानक प्रयोगक रक्षा करैत अछि

(B) व्याकरण-ग्रन्थ भाषाक रूप-रचना व्यवस्थित करबाक साधन बनैत अछि

(C) मुद्रणालयक प्रसारसँ मैथिली साहित्य, व्याकरण आ पत्र-पत्रिकाक विकास तेज भेल

(D) मिथिला मिहिर मैथिली पत्रकारिता आ साहित्यिक चेतनाक प्रभावशाली नाम रहल

६७८. मैथिली भाषाक कालक्रममे 'व्याकरण-रचना' कैँ कोना समझल जाय?

(A) पत्र-पत्रिका मैथिली भाषाक आधुनिक चेतना आ मानकीकरणक वाहक बनल

(B) मिथिला मोद जेकाँ पत्रिका भाषिक-सांस्कृतिक जागरणमे भूमिका निभबैत रहल

(C) विद्यालय आ विश्वविद्यालयक पाठ्यक्रम मैथिली अध्ययनकैँ संस्थागत आधार दैत अछि

(D) व्याकरण-ग्रन्थ भाषाक रूप-रचना व्यवस्थित करबाक साधन बनैत अछि

६७९. निम्नमे सँ 'व्याकरण-रचना'क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) विद्यालय आ विश्वविद्यालयक पाठ्यक्रम मैथिली अध्ययनकैँ संस्थागत आधार दैत अछि

(B) पत्र-पत्रिका मैथिली भाषाक आधुनिक चेतना आ मानकीकरणक वाहक बनल

(C) व्याकरण-ग्रन्थ भाषाक रूप-रचना व्यवस्थित करबाक साधन बनैत अछि

(D) मिथिला मोद जेकाँ पत्रिका भाषिक-सांस्कृतिक जागरणमे भूमिका निभबैत रहल

६८०. विद्यार्थी जँ 'व्याकरण-रचना' लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) मिथिला मिहिर मैथिली पत्रकारिता आ साहित्यिक चेतनाक प्रभावशाली नाम रहल

(B) शब्दकोश-निर्माण मैथिली शब्द-संपदा आ मानक प्रयोगक रक्षा करैत अछि

(C) मुद्रणालयक प्रसारसँ मैथिली साहित्य, व्याकरण आ पत्र-पत्रिकाक विकास तेज भेल

(D) व्याकरण-ग्रन्थ भाषाक रूप-रचना व्यवस्थित करबाक साधन बनैत अछि

६८१. ‘पाठ्यक्रम’ सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) मिथिला मोद जेकाँ पत्रिका भाषिक-सांस्कृतिक जागरणमे भूमिका निभबैत रहल

(B) व्याकरण-ग्रन्थ भाषाक रूप-रचना व्यवस्थित करबाक साधन बनैत अछि

(C) पत्र-पत्रिका मैथिली भाषाक आधुनिक चेतना आ मानकीकरणक वाहक बनल

(D) विद्यालय आ विश्वविद्यालयक पाठ्यक्रम मैथिली अध्ययनकेँ संस्थागत आधार दैत अछि

६८२. जँ प्रश्न हो—‘पाठ्यक्रम’क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) विद्यालय आ विश्वविद्यालयक पाठ्यक्रम मैथिली अध्ययनकेँ संस्थागत आधार दैत अछि

(B) मैथिल हित साधन मैथिली पत्रकारिताक आरम्भिक स्मरणीय पड़ाव मानल जाइत अछि

(C) संस्था सभ मैथिलीकेँ सभा, प्रकाशन, पुरस्कार आ शोधक आधार देलक

(D) मैथिली भाषा-आन्दोलन पहचान, अधिकार आ शिक्षणक प्रश्नसँ जुड़ल रहल

६८३. ‘पाठ्यक्रम’क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) पत्र-पत्रिका मैथिली भाषाक आधुनिक चेतना आ मानकीकरणक वाहक बनल

(B) विद्यालय आ विश्वविद्यालयक पाठ्यक्रम मैथिली अध्ययनकेँ संस्थागत आधार दैत अछि

(C) मिथिला मोद जेकाँ पत्रिका भाषिक-सांस्कृतिक जागरणमे भूमिका निभबैत रहल

(D) व्याकरण-ग्रन्थ भाषाक रूप-रचना व्यवस्थित करबाक साधन बनैत अछि

६८४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे ‘पाठ्यक्रम’क महत्त्व की अछि?

(A) मुद्रणालयक प्रसारसँ मैथिली साहित्य, व्याकरण आ पत्र-पत्रिकाक विकास तेज भेल

(B) शब्दकोश-निर्माण मैथिली शब्द-संपदा आ मानक प्रयोगक रक्षा करैत अछि

(C) मिथिला मिहिर मैथिली पत्रकारिता आ साहित्यिक चेतनाक प्रभावशाली नाम रहल

(D) विद्यालय आ विश्वविद्यालयक पाठ्यक्रम मैथिली अध्ययनकेँ संस्थागत आधार दैत अछि

६८५. ‘पाठ्यक्रम’ केँ मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) मिथिला मिहिर मैथिली पत्रकारिता आ साहित्यिक चेतनाक प्रभावशाली नाम रहल

(B) शब्दकोश-निर्माण मैथिली शब्द-संपदा आ मानक प्रयोगक रक्षा करैत अछि

(C) मुद्रणालयक प्रसारसँ मैथिली साहित्य, व्याकरण आ पत्र-पत्रिकाक विकास तेज भेल

(D) विद्यालय आ विश्वविद्यालयक पाठ्यक्रम मैथिली अध्ययनकेँ संस्थागत आधार दैत अछि

६८६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल ‘पाठ्यक्रम’ ककर संकेत करैत अछि?

(A) विद्यालय आ विश्वविद्यालयक पाठ्यक्रम मैथिली अध्ययनकेँ संस्थागत आधार दैत अछि

(B) मिथिला मोद जेकाँ पत्रिका भाषिक-सांस्कृतिक जागरणमे भूमिका निभबैत रहल

(C) पत्र-पत्रिका मैथिली भाषाक आधुनिक चेतना आ मानकीकरणक वाहक बनल

(D) व्याकरण-ग्रन्थ भाषाक रूप-रचना व्यवस्थित करबाक साधन बनैत अछि

६८७. ‘पाठ्यक्रम’ पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) संस्था सभ मैथिलीकेँ सभा, प्रकाशन, पुरस्कार आ शोधक आधार देलक

(B) विद्यालय आ विश्वविद्यालयक पाठ्यक्रम मैथिली अध्ययनकेँ संस्थागत आधार दैत अछि

(C) मैथिल हित साधन मैथिली पत्रकारिताक आरम्भिक स्मरणीय पड़ाव मानल जाइत अछि

(D) मैथिली भाषा-आन्दोलन पहचान, अधिकार आ शिक्षणक प्रश्नसँ जुड़ल रहल

६८८. मैथिली भाषाक कालक्रममे ‘पाठ्यक्रम’ केँ कोना समझल जाय?

(A) मुद्रणालयक प्रसारसँ मैथिली साहित्य, व्याकरण आ पत्र-पत्रिकाक विकास तेज भेल

(B) विद्यालय आ विश्वविद्यालयक पाठ्यक्रम मैथिली अध्ययनकेँ संस्थागत आधार दैत अछि

(C) शब्दकोश-निर्माण मैथिली शब्द-संपदा आ मानक प्रयोगक रक्षा करैत अछि

(D) मिथिला मिहिर मैथिली पत्रकारिता आ साहित्यिक चेतनाक प्रभावशाली नाम रहल

६८९. निम्नमे सँ 'पाठ्यक्रम'क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) संस्था सभ मैथिलीकेँ सभा, प्रकाशन, पुरस्कार आ शोधक आधार देलक

(B) मैथिल हित साधन मैथिली पत्रकारिताक आरम्भिक स्मरणीय पड़ाव मानल जाइत अछि

(C) मैथिली भाषा-आन्दोलन पहचान, अधिकार आ शिक्षणक प्रश्नसँ जुड़ल रहल

(D) विद्यालय आ विश्वविद्यालयक पाठ्यक्रम मैथिली अध्ययनकेँ संस्थागत आधार दैत अछि

६९०. विद्यार्थी जँ 'पाठ्यक्रम' लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) संस्था सभ मैथिलीकेँ सभा, प्रकाशन, पुरस्कार आ शोधक आधार देलक

(B) विद्यालय आ विश्वविद्यालयक पाठ्यक्रम मैथिली अध्ययनकेँ संस्थागत आधार दैत अछि

(C) मैथिल हित साधन मैथिली पत्रकारिताक आरम्भिक स्मरणीय पड़ाव मानल जाइत अछि

(D) मैथिली भाषा-आन्दोलन पहचान, अधिकार आ शिक्षणक प्रश्नसँ जुड़ल रहल

६९१. 'भाषा-आन्दोलन' सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) मैथिल हित साधन मैथिली पत्रकारिताक आरम्भिक स्मरणीय पड़ाव मानल जाइत अछि

(B) विद्यालय आ विश्वविद्यालयक पाठ्यक्रम मैथिली अध्ययनकेँ संस्थागत आधार दैत अछि

(C) मैथिली भाषा-आन्दोलन पहचान, अधिकार आ शिक्षणक प्रश्नसँ जुड़ल रहल

(D) संस्था सभ मैथिलीकेँ सभा, प्रकाशन, पुरस्कार आ शोधक आधार देलक

६९२. जँ प्रश्न हो—'भाषा-आन्दोलन'क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) मैथिली भाषा-आन्दोलन पहचान, अधिकार आ शिक्षणक प्रश्नसँ जुड़ल रहल

(B) विद्यालय आ विश्वविद्यालयक पाठ्यक्रम मैथिली अध्ययनकेँ संस्थागत आधार दैत अछि

(C) मैथिल हित साधन मैथिली पत्रकारिताक आरम्भिक स्मरणीय पड़ाव मानल जाइत अछि

(D) संस्था सभ मैथिलीकेँ सभा, प्रकाशन, पुरस्कार आ शोधक आधार देलक

६९३. 'भाषा-आन्दोलन'क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) संस्था सभ मैथिलीकेँ सभा, प्रकाशन, पुरस्कार आ शोधक आधार देलक

(B) विद्यालय आ विश्वविद्यालयक पाठ्यक्रम मैथिली अध्ययनकेँ संस्थागत आधार दैत अछि

(C) मैथिली भाषा-आन्दोलन पहचान, अधिकार आ शिक्षणक प्रश्नसँ जुड़ल रहल

(D) मैथिल हित साधन मैथिली पत्रकारिताक आरम्भिक स्मरणीय पड़ाव मानल जाइत अछि

६९४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे 'भाषा-आन्दोलन'क महत्त्व की अछि?

(A) शब्दकोश-निर्माण मैथिली शब्द-संपदा आ मानक प्रयोगक रक्षा करैत अछि

(B) मिथिला मिहिर मैथिली पत्रकारिता आ साहित्यिक चेतनाक प्रभावशाली नाम रहल

(C) मैथिली भाषा-आन्दोलन पहचान, अधिकार आ शिक्षणक प्रश्नसँ जुड़ल रहल

(D) मुद्रणालयक प्रसारसँ मैथिली साहित्य, व्याकरण आ पत्र-पत्रिकाक विकास तेज भेल

६९५. 'भाषा-आन्दोलन' केँ मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) मिथिला मोद जेकाँ पत्रिका भाषिक-सांस्कृतिक जागरणमे भूमिका निभबैत रहल

(B) पत्र-पत्रिका मैथिली भाषाक आधुनिक चेतना आ मानकीकरणक वाहक बनल

(C) मैथिली भाषा-आन्दोलन पहचान, अधिकार आ शिक्षणक प्रश्नसँ जुड़ल रहल

(D) व्याकरण-ग्रन्थ भाषाक रूप-रचना व्यवस्थित करबाक साधन बनैत अछि

६९६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल 'भाषा-आन्दोलन' ककर संकेत करैत अछि?

(A) मैथिल हित साधन मैथिली पत्रकारिताक आरम्भिक स्मरणीय पड़ाव मानल जाइत अछि

(B) मैथिली भाषा-आन्दोलन पहचान, अधिकार आ शिक्षणक प्रश्नसँ जुड़ल रहल

(C) संस्था सभ मैथिलीकेँ सभा, प्रकाशन, पुरस्कार आ शोधक आधार देलक

(D) विद्यालय आ विश्वविद्यालयक पाठ्यक्रम मैथिली अध्ययनकेँ संस्थागत आधार दैत अछि

६९७. 'भाषा-आन्दोलन' पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) पत्र-पत्रिका मैथिली भाषाक आधुनिक चेतना आ मानकीकरणक वाहक बनल

(B) मिथिला मोद जेकाँ पत्रिका भाषिक-सांस्कृतिक जागरणमे भूमिका निभबैत रहल

(C) मैथिली भाषा-आन्दोलन पहचान, अधिकार आ शिक्षणक प्रश्नसँ जुड़ल रहल

(D) व्याकरण-ग्रन्थ भाषाक रूप-रचना व्यवस्थित करबाक साधन बनैत अछि

६९८. मैथिली भाषाक कालक्रममे 'भाषा-आन्दोलन' कैँ कोना समझल जाय?

(A) विद्यालय आ विश्वविद्यालयक पाठ्यक्रम मैथिली अध्ययनकैँ संस्थागत आधार दैत अछि

(B) संस्था सभ मैथिलीकैँ सभा, प्रकाशन, पुरस्कार आ शोधक आधार देलक

(C) मैथिली भाषा-आन्दोलन पहचान, अधिकार आ शिक्षणक प्रश्नसँ जुड़ल रहल

(D) मैथिल हित साधन मैथिली पत्रकारिताक आरम्भिक स्मरणीय पड़ाव मानल जाइत अछि

६९९. निम्नमे सँ 'भाषा-आन्दोलन'क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) पत्र-पत्रिका मैथिली भाषाक आधुनिक चेतना आ मानकीकरणक वाहक बनल

(B) मिथिला मोद जेकाँ पत्रिका भाषिक-सांस्कृतिक जागरणमे भूमिका निभबैत रहल

(C) मैथिली भाषा-आन्दोलन पहचान, अधिकार आ शिक्षणक प्रश्नसँ जुड़ल रहल

(D) व्याकरण-ग्रन्थ भाषाक रूप-रचना व्यवस्थित करबाक साधन बनैत अछि

७००. विद्यार्थी जँ 'भाषा-आन्दोलन' लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) पत्र-पत्रिका मैथिली भाषाक आधुनिक चेतना आ मानकीकरणक वाहक बनल

(B) मैथिली भाषा-आन्दोलन पहचान, अधिकार आ शिक्षणक प्रश्नसँ जुड़ल रहल

(C) मिथिला मोद जेकाँ पत्रिका भाषिक-सांस्कृतिक जागरणमे भूमिका निभबैत रहल

(D) व्याकरण-ग्रन्थ भाषाक रूप-रचना व्यवस्थित करबाक साधन बनैत अछि

७०१. 'संस्कार गीत' सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) प्रवासी मैथिल समाज मैथिलीकैँ स्मृति, उत्सव आ संस्था द्वारा जीवित रखैत अछि

(B) विवाह गीत मैथिली स्त्री-स्वर आ पारिवारिक संस्कृति बुझबाक महत्त्वपूर्ण माध्यम अछि

(C) लोकनाट्य मैथिलीकैँ मंच, गीत, नृत्य आ सामूहिक प्रस्तुति सँ जोड़ैत अछि

(D) जन्म, उपनयन, विवाह आ मृत्यु-संस्कारमे मैथिली गीत भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि

७०२. जँ प्रश्न हो—'संस्कार गीत'क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) जन्म, उपनयन, विवाह आ मृत्यु-संस्कारमे मैथिली गीत भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि

(B) लोकनाट्य मैथिलीकैँ मंच, गीत, नृत्य आ सामूहिक प्रस्तुति सँ जोड़ैत अछि

(C) विवाह गीत मैथिली स्त्री-स्वर आ पारिवारिक संस्कृति बुझबाक महत्त्वपूर्ण माध्यम अछि

(D) प्रवासी मैथिल समाज मैथिलीकैँ स्मृति, उत्सव आ संस्था द्वारा जीवित रखैत अछि

७०३. 'संस्कार गीत'क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) विवाह गीत मैथिली स्त्री-स्वर आ पारिवारिक संस्कृति बुझबाक महत्त्वपूर्ण माध्यम अछि

(B) प्रवासी मैथिल समाज मैथिलीकैँ स्मृति, उत्सव आ संस्था द्वारा जीवित रखैत अछि

(C) लोकनाट्य मैथिलीकैँ मंच, गीत, नृत्य आ सामूहिक प्रस्तुति सँ जोड़ैत अछि

(D) जन्म, उपनयन, विवाह आ मृत्यु-संस्कारमे मैथिली गीत भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि

७०४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे 'संस्कार गीत'क महत्त्व की अछि?

(A) पर्व-त्योहारक गीत मैथिलीक ऋतु, धर्म आ लोक-उत्सवसँ सम्बन्ध देखबैत अछि

(B) जन्म, उपनयन, विवाह आ मृत्यु-संस्कारमे मैथिली गीत भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि

(C) कृषि, मौसम, जल, पशु आ औजार सम्बन्धी शब्द मैथिलीकैँ ग्रामीण धरातल दैत अछि

(D) मातृभाषा-शिक्षा मैथिली इतिहासक नब पीढ़ीमे स्थान बनबै छै

७०५. ‘संस्कार गीत’ कैँ मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) जन्म, उपनयन, विवाह आ मृत्यु-संस्कारमे मैथिली गीत भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि

(B) प्रवासी मैथिल समाज मैथिलीकेँ स्मृति, उत्सव आ संस्था द्वारा जीवित रखैत अछि

(C) विवाह गीत मैथिली स्त्री-स्वर आ पारिवारिक संस्कृति बुझबाक महत्त्वपूर्ण माध्यम अछि

(D) लोकनाट्य मैथिलीकेँ मंच, गीत, नृत्य आ सामूहिक प्रस्तुति सँ जोड़ैत अछि

७०६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल ‘संस्कार गीत’ ककर संकेत करैत अछि?

(A) मैथिली लोकभाषामे स्त्री-स्वर भाषा-संरक्षणक महत्त्वपूर्ण आधार रहल

(B) जन्म, उपनयन, विवाह आ मृत्यु-संस्कारमे मैथिली गीत भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि

(C) गामक कथा-बातमे मैथिलीक सहज कथन-शैली विकसित भेल

(D) आधुनिक मैथिलीमे गामक शब्द आ शहरक अनुभव दुनू मिलि रहल अछि

७०७. ‘संस्कार गीत’ पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) जन्म, उपनयन, विवाह आ मृत्यु-संस्कारमे मैथिली गीत भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि

(B) लोकनाट्य मैथिलीकेँ मंच, गीत, नृत्य आ सामूहिक प्रस्तुति सँ जोड़ैत अछि

(C) प्रवासी मैथिल समाज मैथिलीकेँ स्मृति, उत्सव आ संस्था द्वारा जीवित रखैत अछि

(D) विवाह गीत मैथिली स्त्री-स्वर आ पारिवारिक संस्कृति बुझबाक महत्त्वपूर्ण माध्यम अछि

७०८. मैथिली भाषाक कालक्रममे ‘संस्कार गीत’ कैँ कोना समझल जाय?

(A) आधुनिक मैथिलीमे गामक शब्द आ शहरक अनुभव दुनू मिलि रहल अछि

(B) गामक कथा-बातमे मैथिलीक सहज कथन-शैली विकसित भेल

(C) जन्म, उपनयन, विवाह आ मृत्यु-संस्कारमे मैथिली गीत भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि

(D) मैथिली लोकभाषामे स्त्री-स्वर भाषा-संरक्षणक महत्त्वपूर्ण आधार रहल

७०९. निम्नमे सँ ‘संस्कार गीत’क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) कृषि, मौसम, जल, पशु आ औजार सम्बन्धी शब्द मैथिलीकेँ ग्रामीण धरातल दैत अछि

(B) मातृभाषा-शिक्षा मैथिली इतिहासक नब पीढ़ीमे स्थान बनबै छै

(C) जन्म, उपनयन, विवाह आ मृत्यु-संस्कारमे मैथिली गीत भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि

(D) पर्व-त्योहारक गीत मैथिलीक ऋतु, धर्म आ लोक-उत्सवसँ सम्बन्ध देखबैत अछि

७१०. विद्यार्थी जँ ‘संस्कार गीत’ लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) जन्म, उपनयन, विवाह आ मृत्यु-संस्कारमे मैथिली गीत भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि

(B) विवाह गीत मैथिली स्त्री-स्वर आ पारिवारिक संस्कृति बुझबाक महत्त्वपूर्ण माध्यम अछि

(C) लोकनाट्य मैथिलीकेँ मंच, गीत, नृत्य आ सामूहिक प्रस्तुति सँ जोड़ैत अछि

(D) प्रवासी मैथिल समाज मैथिलीकेँ स्मृति, उत्सव आ संस्था द्वारा जीवित रखैत अछि

७११. ‘विवाह गीत’ सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) जन्म, उपनयन, विवाह आ मृत्यु-संस्कारमे मैथिली गीत भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि

(B) विवाह गीत मैथिली स्त्री-स्वर आ पारिवारिक संस्कृति बुझबाक महत्त्वपूर्ण माध्यम अछि

(C) लोकनाट्य मैथिलीकेँ मंच, गीत, नृत्य आ सामूहिक प्रस्तुति सँ जोड़ैत अछि

(D) प्रवासी मैथिल समाज मैथिलीकेँ स्मृति, उत्सव आ संस्था द्वारा जीवित रखैत अछि

७१२. जँ प्रश्न हो—‘विवाह गीत’क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) पर्व-त्योहारक गीत मैथिलीक ऋतु, धर्म आ लोक-उत्सवसँ सम्बन्ध देखबैत अछि

(B) विवाह गीत मैथिली स्त्री-स्वर आ पारिवारिक संस्कृति बुझबाक महत्त्वपूर्ण माध्यम अछि

(C) कृषि, मौसम, जल, पशु आ औजार सम्बन्धी शब्द मैथिलीकेँ ग्रामीण धरातल दैत अछि

(D) मातृभाषा-शिक्षा मैथिली इतिहासक नब पीढ़ीमे स्थान बनबै छै

७१३. 'विवाह गीत'क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) लोकनाट्य मैथिलीकेँ मंच, गीत, नृत्य आ सामूहिक प्रस्तुति सँ जोड़ैत अछि

(B) विवाह गीत मैथिली स्त्री-स्वर आ पारिवारिक संस्कृति बुझबाक महत्त्वपूर्ण माध्यम अछि

(C) प्रवासी मैथिल समाज मैथिलीकेँ स्मृति, उत्सव आ संस्था द्वारा जीवित रखैत अछि

(D) जन्म, उपनयन, विवाह आ मृत्यु-संस्कारमे मैथिली गीत भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि

७१४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे 'विवाह गीत'क महत्त्व की अछि?

(A) विवाह गीत मैथिली स्त्री-स्वर आ पारिवारिक संस्कृति बुझबाक महत्त्वपूर्ण माध्यम अछि

(B) आधुनिक मैथिलीमे गामक शब्द आ शहरक अनुभव दुनू मिलि रहल अछि

(C) गामक कथा-बातमे मैथिलीक सहज कथन-शैली विकसित भेल

(D) मैथिली लोकभाषामे स्त्री-स्वर भाषा-संरक्षणक महत्त्वपूर्ण आधार रहल

७१५. 'विवाह गीत' केँ मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) गामक कथा-बातमे मैथिलीक सहज कथन-शैली विकसित भेल

(B) विवाह गीत मैथिली स्त्री-स्वर आ पारिवारिक संस्कृति बुझबाक महत्त्वपूर्ण माध्यम अछि

(C) आधुनिक मैथिलीमे गामक शब्द आ शहरक अनुभव दुनू मिलि रहल अछि

(D) मैथिली लोकभाषामे स्त्री-स्वर भाषा-संरक्षणक महत्त्वपूर्ण आधार रहल

७१६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल 'विवाह गीत' ककर संकेत करैत अछि?

(A) मातृभाषा-शिक्षा मैथिली इतिहासक नब पीढ़ीमे स्थान बनबै छै

(B) पर्व-त्योहारक गीत मैथिलीक ऋतु, धर्म आ लोक-उत्सवसँ सम्बन्ध देखबैत अछि

(C) कृषि, मौसम, जल, पशु आ औजार सम्बन्धी शब्द मैथिलीकेँ ग्रामीण धरातल दैत अछि

(D) विवाह गीत मैथिली स्त्री-स्वर आ पारिवारिक संस्कृति बुझबाक महत्त्वपूर्ण माध्यम अछि

७१७. 'विवाह गीत' पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) विवाह गीत मैथिली स्त्री-स्वर आ पारिवारिक संस्कृति बुझबाक महत्त्वपूर्ण माध्यम अछि

(B) मातृभाषा-शिक्षा मैथिली इतिहासक नब पीढ़ीमे स्थान बनबै छै

(C) कृषि, मौसम, जल, पशु आ औजार सम्बन्धी शब्द मैथिलीकेँ ग्रामीण धरातल दैत अछि

(D) पर्व-त्योहारक गीत मैथिलीक ऋतु, धर्म आ लोक-उत्सवसँ सम्बन्ध देखबैत अछि

७१८. मैथिली भाषाक कालक्रममे 'विवाह गीत' केँ कोना समझल जाय?

(A) मैथिली लोकभाषामे स्त्री-स्वर भाषा-संरक्षणक महत्त्वपूर्ण आधार रहल

(B) आधुनिक मैथिलीमे गामक शब्द आ शहरक अनुभव दुनू मिलि रहल अछि

(C) गामक कथा-बातमे मैथिलीक सहज कथन-शैली विकसित भेल

(D) विवाह गीत मैथिली स्त्री-स्वर आ पारिवारिक संस्कृति बुझबाक महत्त्वपूर्ण माध्यम अछि

७१९. निम्नमे सँ 'विवाह गीत'क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) पर्व-त्योहारक गीत मैथिलीक ऋतु, धर्म आ लोक-उत्सवसँ सम्बन्ध देखबैत अछि

(B) विवाह गीत मैथिली स्त्री-स्वर आ पारिवारिक संस्कृति बुझबाक महत्त्वपूर्ण माध्यम अछि

(C) मातृभाषा-शिक्षा मैथिली इतिहासक नब पीढ़ीमे स्थान बनबै छै

(D) कृषि, मौसम, जल, पशु आ औजार सम्बन्धी शब्द मैथिलीकेँ ग्रामीण धरातल दैत अछि

७२०. विद्यार्थी जँ 'विवाह गीत' लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) गामक कथा-बातमे मैथिलीक सहज कथन-शैली विकसित भेल

(B) आधुनिक मैथिलीमे गामक शब्द आ शहरक अनुभव दुनू मिलि रहल अछि

(C) विवाह गीत मैथिली स्त्री-स्वर आ पारिवारिक संस्कृति बुझबाक महत्त्वपूर्ण माध्यम अछि

(D) मैथिली लोकभाषामे स्त्री-स्वर भाषा-संरक्षणक महत्त्वपूर्ण आधार रहल

७२१. ‘पर्व-गीत’ सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) विवाह गीत मैथिली स्त्री-स्वर आ पारिवारिक संस्कृति बुझबाक महत्त्वपूर्ण माध्यम अछि

(B) कृषि, मौसम, जल, पशु आ औजार सम्बन्धी शब्द मैथिलीकेँ ग्रामीण धरातल दैत अछि

(C) पर्व-त्योहारक गीत मैथिलीक ऋतु, धर्म आ लोक-उत्सवसँ सम्बन्ध देखबैत अछि

(D) मातृभाषा-शिक्षा मैथिली इतिहासक नब पीढ़ीमे स्थान बनबै छै

७२२. जँ प्रश्न हो—‘पर्व-गीत’क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) पर्व-त्योहारक गीत मैथिलीक ऋतु, धर्म आ लोक-उत्सवसँ सम्बन्ध देखबैत अछि

(B) आधुनिक मैथिलीमे गामक शब्द आ शहरक अनुभव दुनू मिलि रहल अछि

(C) गामक कथा-बातमे मैथिलीक सहज कथन-शैली विकसित भेल

(D) मैथिली लोकभाषामे स्त्री-स्वर भाषा-संरक्षणक महत्त्वपूर्ण आधार रहल

७२३. ‘पर्व-गीत’क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) कृषि, मौसम, जल, पशु आ औजार सम्बन्धी शब्द मैथिलीकेँ ग्रामीण धरातल दैत अछि

(B) विवाह गीत मैथिली स्त्री-स्वर आ पारिवारिक संस्कृति बुझबाक महत्त्वपूर्ण माध्यम अछि

(C) पर्व-त्योहारक गीत मैथिलीक ऋतु, धर्म आ लोक-उत्सवसँ सम्बन्ध देखबैत अछि

(D) मातृभाषा-शिक्षा मैथिली इतिहासक नब पीढ़ीमे स्थान बनबै छै

७२४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे ‘पर्व-गीत’क महत्त्व की अछि?

(A) जन्म, उपनयन, विवाह आ मृत्यु-संस्कारमे मैथिली गीत भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि

(B) प्रवासी मैथिल समाज मैथिलीकेँ स्मृति, उत्सव आ संस्था द्वारा जीवित रखैत अछि

(C) पर्व-त्योहारक गीत मैथिलीक ऋतु, धर्म आ लोक-उत्सवसँ सम्बन्ध देखबैत अछि

(D) लोकनाट्य मैथिलीकेँ मंच, गीत, नृत्य आ सामूहिक प्रस्तुति सँ जोड़ैत अछि

७२५. ‘पर्व-गीत’ केँ मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) लोकनाट्य मैथिलीकेँ मंच, गीत, नृत्य आ सामूहिक प्रस्तुति सँ जोड़ैत अछि

(B) जन्म, उपनयन, विवाह आ मृत्यु-संस्कारमे मैथिली गीत भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि

(C) पर्व-त्योहारक गीत मैथिलीक ऋतु, धर्म आ लोक-उत्सवसँ सम्बन्ध देखबैत अछि

(D) प्रवासी मैथिल समाज मैथिलीकेँ स्मृति, उत्सव आ संस्था द्वारा जीवित रखैत अछि

७२६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल ‘पर्व-गीत’ ककर संकेत करैत अछि?

(A) जन्म, उपनयन, विवाह आ मृत्यु-संस्कारमे मैथिली गीत भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि

(B) पर्व-त्योहारक गीत मैथिलीक ऋतु, धर्म आ लोक-उत्सवसँ सम्बन्ध देखबैत अछि

(C) प्रवासी मैथिल समाज मैथिलीकेँ स्मृति, उत्सव आ संस्था द्वारा जीवित रखैत अछि

(D) लोकनाट्य मैथिलीकेँ मंच, गीत, नृत्य आ सामूहिक प्रस्तुति सँ जोड़ैत अछि

७२७. ‘पर्व-गीत’ पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) मातृभाषा-शिक्षा मैथिली इतिहासक नब पीढ़ीमे स्थान बनबै छै

(B) विवाह गीत मैथिली स्त्री-स्वर आ पारिवारिक संस्कृति बुझबाक महत्त्वपूर्ण माध्यम अछि

(C) पर्व-त्योहारक गीत मैथिलीक ऋतु, धर्म आ लोक-उत्सवसँ सम्बन्ध देखबैत अछि

(D) कृषि, मौसम, जल, पशु आ औजार सम्बन्धी शब्द मैथिलीकेँ ग्रामीण धरातल दैत अछि

७२८. मैथिली भाषाक कालक्रममे ‘पर्व-गीत’ केँ कोना समझल जाय?

(A) विवाह गीत मैथिली स्त्री-स्वर आ पारिवारिक संस्कृति बुझबाक महत्त्वपूर्ण माध्यम अछि

(B) मातृभाषा-शिक्षा मैथिली इतिहासक नब पीढ़ीमे स्थान बनबै छै

(C) पर्व-त्योहारक गीत मैथिलीक ऋतु, धर्म आ लोक-उत्सवसँ सम्बन्ध देखबैत अछि

(D) कृषि, मौसम, जल, पशु आ औजार सम्बन्धी शब्द मैथिलीकेँ ग्रामीण धरातल दैत अछि

७२९. निम्नमे सँ 'पर्व-गीत'क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) आधुनिक मैथिलीमे गामक शब्द आ शहरक अनुभव दुनू मिलि रहल अछि

(B) मैथिली लोकभाषामे स्त्री-स्वर भाषा-संरक्षणक महत्त्वपूर्ण आधार रहल

(C) गामक कथा-बातमे मैथिलीक सहज कथन-शैली विकसित भेल

(D) पर्व-त्योहारक गीत मैथिलीक ऋतु, धर्म आ लोक-उत्सवसँ सम्बन्ध देखबैत अछि

७३०. विद्यार्थी जँ 'पर्व-गीत' लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) मैथिली लोकभाषामे स्त्री-स्वर भाषा-संरक्षणक महत्त्वपूर्ण आधार रहल

(B) गामक कथा-बातमे मैथिलीक सहज कथन-शैली विकसित भेल

(C) पर्व-त्योहारक गीत मैथिलीक ऋतु, धर्म आ लोक-उत्सवसँ सम्बन्ध देखबैत अछि

(D) आधुनिक मैथिलीमे गामक शब्द आ शहरक अनुभव दुनू मिलि रहल अछि

७३१. 'कथा-बात' सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) मातृभाषा-शिक्षा मैथिली इतिहासक नब पीढ़ीमे स्थान बनबै छै

(B) कृषि, मौसम, जल, पशु आ औजार सम्बन्धी शब्द मैथिलीकेँ ग्रामीण धरातल दैत अछि

(C) गामक कथा-बातमे मैथिलीक सहज कथन-शैली विकसित भेल

(D) विवाह गीत मैथिली स्त्री-स्वर आ पारिवारिक संस्कृति बुझबाक महत्त्वपूर्ण माध्यम अछि

७३२. जँ प्रश्न हो—'कथा-बात'क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) विवाह गीत मैथिली स्त्री-स्वर आ पारिवारिक संस्कृति बुझबाक महत्त्वपूर्ण माध्यम अछि

(B) गामक कथा-बातमे मैथिलीक सहज कथन-शैली विकसित भेल

(C) कृषि, मौसम, जल, पशु आ औजार सम्बन्धी शब्द मैथिलीकेँ ग्रामीण धरातल दैत अछि

(D) मातृभाषा-शिक्षा मैथिली इतिहासक नब पीढ़ीमे स्थान बनबै छै

७३३. 'कथा-बात'क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) गामक कथा-बातमे मैथिलीक सहज कथन-शैली विकसित भेल

(B) प्रवासी मैथिल समाज मैथिलीकेँ स्मृति, उत्सव आ संस्था द्वारा जीवित रखैत अछि

(C) जन्म, उपनयन, विवाह आ मृत्यु-संस्कारमे मैथिली गीत भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि

(D) लोकनाट्य मैथिलीकेँ मंच, गीत, नृत्य आ सामूहिक प्रस्तुति सँ जोड़ैत अछि

७३४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे 'कथा-बात'क महत्त्व की अछि?

(A) कृषि, मौसम, जल, पशु आ औजार सम्बन्धी शब्द मैथिलीकेँ ग्रामीण धरातल दैत अछि

(B) मातृभाषा-शिक्षा मैथिली इतिहासक नब पीढ़ीमे स्थान बनबै छै

(C) विवाह गीत मैथिली स्त्री-स्वर आ पारिवारिक संस्कृति बुझबाक महत्त्वपूर्ण माध्यम अछि

(D) गामक कथा-बातमे मैथिलीक सहज कथन-शैली विकसित भेल

७३५. 'कथा-बात' केँ मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) विवाह गीत मैथिली स्त्री-स्वर आ पारिवारिक संस्कृति बुझबाक महत्त्वपूर्ण माध्यम अछि

(B) कृषि, मौसम, जल, पशु आ औजार सम्बन्धी शब्द मैथिलीकेँ ग्रामीण धरातल दैत अछि

(C) मातृभाषा-शिक्षा मैथिली इतिहासक नब पीढ़ीमे स्थान बनबै छै

(D) गामक कथा-बातमे मैथिलीक सहज कथन-शैली विकसित भेल

७३६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल 'कथा-बात' ककर संकेत करैत अछि?

(A) मैथिली लोकभाषामे स्त्री-स्वर भाषा-संरक्षणक महत्त्वपूर्ण आधार रहल

(B) आधुनिक मैथिलीमे गामक शब्द आ शहरक अनुभव दुनू मिलि रहल अछि

(C) पर्व-त्योहारक गीत मैथिलीक ऋतु, धर्म आ लोक-उत्सवसँ सम्बन्ध देखबैत अछि

(D) गामक कथा-बातमे मैथिलीक सहज कथन-शैली विकसित भेल

७३७. ‘कथा-बात’ पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) कृषि, मौसम, जल, पशु आ औजार सम्बन्धी शब्द मैथिलीकेँ ग्रामीण धरातल दैत अछि

(B) मातृभाषा-शिक्षा मैथिली इतिहासक नब पीढ़ीमे स्थान बनबै छै

(C) विवाह गीत मैथिली स्त्री-स्वर आ पारिवारिक संस्कृति बुझबाक महत्त्वपूर्ण माध्यम अछि

(D) गामक कथा-बातमे मैथिलीक सहज कथन-शैली विकसित भेल

७३८. मैथिली भाषाक कालक्रममे ‘कथा-बात’ केँ कोना समझल जाय?

(A) मैथिली लोकभाषामे स्त्री-स्वर भाषा-संरक्षणक महत्त्वपूर्ण आधार रहल

(B) आधुनिक मैथिलीमे गामक शब्द आ शहरक अनुभव दुनू मिलि रहल अछि

(C) गामक कथा-बातमे मैथिलीक सहज कथन-शैली विकसित भेल

(D) पर्व-त्योहारक गीत मैथिलीक ऋतु, धर्म आ लोक-उत्सवसँ सम्बन्ध देखबैत अछि

७३९. निम्नमे सँ ‘कथा-बात’क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) जन्म, उपनयन, विवाह आ मृत्यु-संस्कारमे मैथिली गीत भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि

(B) गामक कथा-बातमे मैथिलीक सहज कथन-शैली विकसित भेल

(C) लोकनाट्य मैथिलीकेँ मंच, गीत, नृत्य आ सामूहिक प्रस्तुति सँ जोड़ैत अछि

(D) प्रवासी मैथिल समाज मैथिलीकेँ स्मृति, उत्सव आ संस्था द्वारा जीवित रखैत अछि

७४०. विद्यार्थी जँ ‘कथा-बात’ लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) गामक कथा-बातमे मैथिलीक सहज कथन-शैली विकसित भेल

(B) मातृभाषा-शिक्षा मैथिली इतिहासक नब पीढ़ीमे स्थान बनबै छै

(C) विवाह गीत मैथिली स्त्री-स्वर आ पारिवारिक संस्कृति बुझबाक महत्त्वपूर्ण माध्यम अछि

(D) कृषि, मौसम, जल, पशु आ औजार सम्बन्धी शब्द मैथिलीकेँ ग्रामीण धरातल दैत अछि

७४१. ‘लोकनाट्य’ सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) लोकनाट्य मैथिलीकेँ मंच, गीत, नृत्य आ सामूहिक प्रस्तुति सँ जोड़ैत अछि

(B) जन्म, उपनयन, विवाह आ मृत्यु-संस्कारमे मैथिली गीत भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि

(C) प्रवासी मैथिल समाज मैथिलीकेँ स्मृति, उत्सव आ संस्था द्वारा जीवित रखैत अछि

(D) गामक कथा-बातमे मैथिलीक सहज कथन-शैली विकसित भेल

७४२. जँ प्रश्न हो—‘लोकनाट्य’क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) प्रवासी मैथिल समाज मैथिलीकेँ स्मृति, उत्सव आ संस्था द्वारा जीवित रखैत अछि

(B) लोकनाट्य मैथिलीकेँ मंच, गीत, नृत्य आ सामूहिक प्रस्तुति सँ जोड़ैत अछि

(C) जन्म, उपनयन, विवाह आ मृत्यु-संस्कारमे मैथिली गीत भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि

(D) गामक कथा-बातमे मैथिलीक सहज कथन-शैली विकसित भेल

७४३. ‘लोकनाट्य’क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) मैथिली लोकभाषामे स्त्री-स्वर भाषा-संरक्षणक महत्त्वपूर्ण आधार रहल

(B) पर्व-त्योहारक गीत मैथिलीक ऋतु, धर्म आ लोक-उत्सवसँ सम्बन्ध देखबैत अछि

(C) आधुनिक मैथिलीमे गामक शब्द आ शहरक अनुभव दुनू मिलि रहल अछि

(D) लोकनाट्य मैथिलीकेँ मंच, गीत, नृत्य आ सामूहिक प्रस्तुति सँ जोड़ैत अछि

७४४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे ‘लोकनाट्य’क महत्त्व की अछि?

(A) विवाह गीत मैथिली स्त्री-स्वर आ पारिवारिक संस्कृति बुझबाक महत्त्वपूर्ण माध्यम अछि

(B) कृषि, मौसम, जल, पशु आ औजार सम्बन्धी शब्द मैथिलीकेँ ग्रामीण धरातल दैत अछि

(C) लोकनाट्य मैथिलीकेँ मंच, गीत, नृत्य आ सामूहिक प्रस्तुति सँ जोड़ैत अछि

(D) मातृभाषा-शिक्षा मैथिली इतिहासक नब पीढ़ीमे स्थान बनबै छै

७४५. ‘लोकनाट्य’ कैँ मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) विवाह गीत मैथिली स्त्री-स्वर आ पारिवारिक संस्कृति बुझबाक महत्त्वपूर्ण माध्यम अछि

(B) लोकनाट्य मैथिलीकेँ मंच, गीत, नृत्य आ सामूहिक प्रस्तुति सँ जोड़ैत अछि

(C) मातृभाषा-शिक्षा मैथिली इतिहासक नब पीढ़ीमे स्थान बनबै छै

(D) कृषि, मौसम, जल, पशु आ औजार सम्बन्धी शब्द मैथिलीकेँ ग्रामीण धरातल दैत अछि

७४६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल ‘लोकनाट्य’ ककर संकेत करैत अछि?

(A) आधुनिक मैथिलीमे गामक शब्द आ शहरक अनुभव दुनू मिलि रहल अछि

(B) पर्व-त्योहारक गीत मैथिलीक ऋतु, धर्म आ लोक-उत्सवसँ सम्बन्ध देखबैत अछि

(C) लोकनाट्य मैथिलीकेँ मंच, गीत, नृत्य आ सामूहिक प्रस्तुति सँ जोड़ैत अछि

(D) मैथिली लोकभाषामे स्त्री-स्वर भाषा-संरक्षणक महत्त्वपूर्ण आधार रहल

७४७. ‘लोकनाट्य’ पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) गामक कथा-बातमे मैथिलीक सहज कथन-शैली विकसित भेल

(B) लोकनाट्य मैथिलीकेँ मंच, गीत, नृत्य आ सामूहिक प्रस्तुति सँ जोड़ैत अछि

(C) प्रवासी मैथिल समाज मैथिलीकेँ स्मृति, उत्सव आ संस्था द्वारा जीवित रखैत अछि

(D) जन्म, उपनयन, विवाह आ मृत्यु-संस्कारमे मैथिली गीत भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि

७४८. मैथिली भाषाक कालक्रममे ‘लोकनाट्य’ कैँ कोना समझल जाय?

(A) विवाह गीत मैथिली स्त्री-स्वर आ पारिवारिक संस्कृति बुझबाक महत्त्वपूर्ण माध्यम अछि

(B) कृषि, मौसम, जल, पशु आ औजार सम्बन्धी शब्द मैथिलीकेँ ग्रामीण धरातल दैत अछि

(C) लोकनाट्य मैथिलीकेँ मंच, गीत, नृत्य आ सामूहिक प्रस्तुति सँ जोड़ैत अछि

(D) मातृभाषा-शिक्षा मैथिली इतिहासक नब पीढ़ीमे स्थान बनबै छै

७४९. निम्नमे सँ ‘लोकनाट्य’क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) पर्व-त्योहारक गीत मैथिलीक ऋतु, धर्म आ लोक-उत्सवसँ सम्बन्ध देखबैत अछि

(B) लोकनाट्य मैथिलीकेँ मंच, गीत, नृत्य आ सामूहिक प्रस्तुति सँ जोड़ैत अछि

(C) आधुनिक मैथिलीमे गामक शब्द आ शहरक अनुभव दुनू मिलि रहल अछि

(D) मैथिली लोकभाषामे स्त्री-स्वर भाषा-संरक्षणक महत्त्वपूर्ण आधार रहल

७५०. विद्यार्थी जँ ‘लोकनाट्य’ लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) जन्म, उपनयन, विवाह आ मृत्यु-संस्कारमे मैथिली गीत भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि

(B) गामक कथा-बातमे मैथिलीक सहज कथन-शैली विकसित भेल

(C) प्रवासी मैथिल समाज मैथिलीकेँ स्मृति, उत्सव आ संस्था द्वारा जीवित रखैत अछि

(D) लोकनाट्य मैथिलीकेँ मंच, गीत, नृत्य आ सामूहिक प्रस्तुति सँ जोड़ैत अछि

७५१. ‘किसान-बोली’ सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) गामक कथा-बातमे मैथिलीक सहज कथन-शैली विकसित भेल

(B) कृषि, मौसम, जल, पशु आ औजार सम्बन्धी शब्द मैथिलीकेँ ग्रामीण धरातल दैत अछि

(C) प्रवासी मैथिल समाज मैथिलीकेँ स्मृति, उत्सव आ संस्था द्वारा जीवित रखैत अछि

(D) जन्म, उपनयन, विवाह आ मृत्यु-संस्कारमे मैथिली गीत भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि

७५२. जँ प्रश्न हो—‘किसान-बोली’क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) मैथिली लोकभाषामे स्त्री-स्वर भाषा-संरक्षणक महत्त्वपूर्ण आधार रहल

(B) आधुनिक मैथिलीमे गामक शब्द आ शहरक अनुभव दुनू मिलि रहल अछि

(C) पर्व-त्योहारक गीत मैथिलीक ऋतु, धर्म आ लोक-उत्सवसँ सम्बन्ध देखबैत अछि

(D) कृषि, मौसम, जल, पशु आ औजार सम्बन्धी शब्द मैथिलीकेँ ग्रामीण धरातल दैत अछि

७५३. 'किसान-बोली'क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) आधुनिक मैथिलीमे गामक शब्द आ शहरक अनुभव दुनू मिलि रहल अछि

(B) मैथिली लोकभाषामे स्त्री-स्वर भाषा-संरक्षणक महत्त्वपूर्ण आधार रहल

(C) कृषि, मौसम, जल, पशु आ औजार सम्बन्धी शब्द मैथिलीकेँ ग्रामीण धरातल दैत अछि

(D) पर्व-त्योहारक गीत मैथिलीक ऋतु, धर्म आ लोक-उत्सवसँ सम्बन्ध देखबैत अछि

७५४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे 'किसान-बोली'क महत्त्व की अछि?

(A) विवाह गीत मैथिली स्त्री-स्वर आ पारिवारिक संस्कृति बुझबाक महत्त्वपूर्ण माध्यम अछि

(B) लोकनाट्य मैथिलीकेँ मंच, गीत, नृत्य आ सामूहिक प्रस्तुति सँ जोड़ैत अछि

(C) मातृभाषा-शिक्षा मैथिली इतिहासक नब पीढ़ीमे स्थान बनबै छै

(D) कृषि, मौसम, जल, पशु आ औजार सम्बन्धी शब्द मैथिलीकेँ ग्रामीण धरातल दैत अछि

७५५. 'किसान-बोली' केँ मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) प्रवासी मैथिल समाज मैथिलीकेँ स्मृति, उत्सव आ संस्था द्वारा जीवित रखैत अछि

(B) गामक कथा-बातमे मैथिलीक सहज कथन-शैली विकसित भेल

(C) जन्म, उपनयन, विवाह आ मृत्यु-संस्कारमे मैथिली गीत भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि

(D) कृषि, मौसम, जल, पशु आ औजार सम्बन्धी शब्द मैथिलीकेँ ग्रामीण धरातल दैत अछि

७५६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल 'किसान-बोली' ककर संकेत करैत अछि?

(A) गामक कथा-बातमे मैथिलीक सहज कथन-शैली विकसित भेल

(B) कृषि, मौसम, जल, पशु आ औजार सम्बन्धी शब्द मैथिलीकेँ ग्रामीण धरातल दैत अछि

(C) जन्म, उपनयन, विवाह आ मृत्यु-संस्कारमे मैथिली गीत भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि

(D) प्रवासी मैथिल समाज मैथिलीकेँ स्मृति, उत्सव आ संस्था द्वारा जीवित रखैत अछि

७५७. 'किसान-बोली' पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) गामक कथा-बातमे मैथिलीक सहज कथन-शैली विकसित भेल

(B) जन्म, उपनयन, विवाह आ मृत्यु-संस्कारमे मैथिली गीत भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि

(C) प्रवासी मैथिल समाज मैथिलीकेँ स्मृति, उत्सव आ संस्था द्वारा जीवित रखैत अछि

(D) कृषि, मौसम, जल, पशु आ औजार सम्बन्धी शब्द मैथिलीकेँ ग्रामीण धरातल दैत अछि

७५८. मैथिली भाषाक कालक्रममे 'किसान-बोली' केँ कोना समझल जाय?

(A) प्रवासी मैथिल समाज मैथिलीकेँ स्मृति, उत्सव आ संस्था द्वारा जीवित रखैत अछि

(B) गामक कथा-बातमे मैथिलीक सहज कथन-शैली विकसित भेल

(C) जन्म, उपनयन, विवाह आ मृत्यु-संस्कारमे मैथिली गीत भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि

(D) कृषि, मौसम, जल, पशु आ औजार सम्बन्धी शब्द मैथिलीकेँ ग्रामीण धरातल दैत अछि

७५९. निम्नमे सँ 'किसान-बोली'क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) जन्म, उपनयन, विवाह आ मृत्यु-संस्कारमे मैथिली गीत भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि

(B) प्रवासी मैथिल समाज मैथिलीकेँ स्मृति, उत्सव आ संस्था द्वारा जीवित रखैत अछि

(C) गामक कथा-बातमे मैथिलीक सहज कथन-शैली विकसित भेल

(D) कृषि, मौसम, जल, पशु आ औजार सम्बन्धी शब्द मैथिलीकेँ ग्रामीण धरातल दैत अछि

७६०. विद्यार्थी जँ 'किसान-बोली' लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) मैथिली लोकभाषामे स्त्री-स्वर भाषा-संरक्षणक महत्त्वपूर्ण आधार रहल

(B) आधुनिक मैथिलीमे गामक शब्द आ शहरक अनुभव दुनू मिलि रहल अछि

(C) कृषि, मौसम, जल, पशु आ औजार सम्बन्धी शब्द मैथिलीकेँ ग्रामीण धरातल दैत अछि

(D) पर्व-त्योहारक गीत मैथिलीक ऋतु, धर्म आ लोक-उत्सवसँ सम्बन्ध देखबैत अछि

७६१. ‘स्त्री-स्वर’ सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) मैथिली लोकभाषामे स्त्री-स्वर भाषा-संरक्षणक महत्त्वपूर्ण आधार रहल

(B) लोकनाट्य मैथिलीकेँ मंच, गीत, नृत्य आ सामूहिक प्रस्तुति सँ जोड़ैत अछि

(C) विवाह गीत मैथिली स्त्री-स्वर आ पारिवारिक संस्कृति बुझबाक महत्त्वपूर्ण माध्यम अछि

(D) मातृभाषा-शिक्षा मैथिली इतिहासक नब पीढ़ीमे स्थान बनबै छै

७६२. जँ प्रश्न हो—‘स्त्री-स्वर’क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) मैथिली लोकभाषामे स्त्री-स्वर भाषा-संरक्षणक महत्त्वपूर्ण आधार रहल

(B) विवाह गीत मैथिली स्त्री-स्वर आ पारिवारिक संस्कृति बुझबाक महत्त्वपूर्ण माध्यम अछि

(C) लोकनाट्य मैथिलीकेँ मंच, गीत, नृत्य आ सामूहिक प्रस्तुति सँ जोड़ैत अछि

(D) मातृभाषा-शिक्षा मैथिली इतिहासक नब पीढ़ीमे स्थान बनबै छै

७६३. ‘स्त्री-स्वर’क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) गामक कथा-बातमे मैथिलीक सहज कथन-शैली विकसित भेल

(B) मैथिली लोकभाषामे स्त्री-स्वर भाषा-संरक्षणक महत्त्वपूर्ण आधार रहल

(C) जन्म, उपनयन, विवाह आ मृत्यु-संस्कारमे मैथिली गीत भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि

(D) प्रवासी मैथिल समाज मैथिलीकेँ स्मृति, उत्सव आ संस्था द्वारा जीवित रखैत अछि

७६४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे ‘स्त्री-स्वर’क महत्त्व की अछि?

(A) मातृभाषा-शिक्षा मैथिली इतिहासक नब पीढ़ीमे स्थान बनबै छै

(B) लोकनाट्य मैथिलीकेँ मंच, गीत, नृत्य आ सामूहिक प्रस्तुति सँ जोड़ैत अछि

(C) विवाह गीत मैथिली स्त्री-स्वर आ पारिवारिक संस्कृति बुझबाक महत्त्वपूर्ण माध्यम अछि

(D) मैथिली लोकभाषामे स्त्री-स्वर भाषा-संरक्षणक महत्त्वपूर्ण आधार रहल

७६५. ‘स्त्री-स्वर’ केँ मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) कृषि, मौसम, जल, पशु आ औजार सम्बन्धी शब्द मैथिलीकेँ ग्रामीण धरातल दैत अछि

(B) पर्व-त्योहारक गीत मैथिलीक ऋतु, धर्म आ लोक-उत्सवसँ सम्बन्ध देखबैत अछि

(C) आधुनिक मैथिलीमे गामक शब्द आ शहरक अनुभव दुनू मिलि रहल अछि

(D) मैथिली लोकभाषामे स्त्री-स्वर भाषा-संरक्षणक महत्त्वपूर्ण आधार रहल

७६६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल ‘स्त्री-स्वर’ ककर संकेत करैत अछि?

(A) जन्म, उपनयन, विवाह आ मृत्यु-संस्कारमे मैथिली गीत भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि

(B) प्रवासी मैथिल समाज मैथिलीकेँ स्मृति, उत्सव आ संस्था द्वारा जीवित रखैत अछि

(C) मैथिली लोकभाषामे स्त्री-स्वर भाषा-संरक्षणक महत्त्वपूर्ण आधार रहल

(D) गामक कथा-बातमे मैथिलीक सहज कथन-शैली विकसित भेल

७६७. ‘स्त्री-स्वर’ पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) पर्व-त्योहारक गीत मैथिलीक ऋतु, धर्म आ लोक-उत्सवसँ सम्बन्ध देखबैत अछि

(B) मैथिली लोकभाषामे स्त्री-स्वर भाषा-संरक्षणक महत्त्वपूर्ण आधार रहल

(C) कृषि, मौसम, जल, पशु आ औजार सम्बन्धी शब्द मैथिलीकेँ ग्रामीण धरातल दैत अछि

(D) आधुनिक मैथिलीमे गामक शब्द आ शहरक अनुभव दुनू मिलि रहल अछि

७६८. मैथिली भाषाक कालक्रममे ‘स्त्री-स्वर’ केँ कोना समझल जाय?

(A) कृषि, मौसम, जल, पशु आ औजार सम्बन्धी शब्द मैथिलीकेँ ग्रामीण धरातल दैत अछि

(B) पर्व-त्योहारक गीत मैथिलीक ऋतु, धर्म आ लोक-उत्सवसँ सम्बन्ध देखबैत अछि

(C) आधुनिक मैथिलीमे गामक शब्द आ शहरक अनुभव दुनू मिलि रहल अछि

(D) मैथिली लोकभाषामे स्त्री-स्वर भाषा-संरक्षणक महत्त्वपूर्ण आधार रहल

७६९. निम्नमे सँ 'स्त्री-स्वर'क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) मातृभाषा-शिक्षा मैथिली इतिहासक नब पीढ़ीमे स्थान बनबै छै

(B) विवाह गीत मैथिली स्त्री-स्वर आ पारिवारिक संस्कृति बुझबाक महत्त्वपूर्ण माध्यम अछि

(C) मैथिली लोकभाषामे स्त्री-स्वर भाषा-संरक्षणक महत्त्वपूर्ण आधार रहल

(D) लोकनाट्य मैथिलीकेँ मंच, गीत, नृत्य आ सामूहिक प्रस्तुति सँ जोड़ैत अछि

७७०. विद्यार्थी जँ 'स्त्री-स्वर' लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) पर्व-त्योहारक गीत मैथिलीक ऋतु, धर्म आ लोक-उत्सवसँ सम्बन्ध देखबैत अछि

(B) आधुनिक मैथिलीमे गामक शब्द आ शहरक अनुभव दुनू मिलि रहल अछि

(C) कृषि, मौसम, जल, पशु आ औजार सम्बन्धी शब्द मैथिलीकेँ ग्रामीण धरातल दैत अछि

(D) मैथिली लोकभाषामे स्त्री-स्वर भाषा-संरक्षणक महत्त्वपूर्ण आधार रहल

७७१. 'प्रवास' सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) प्रवासी मैथिल समाज मैथिलीकेँ स्मृति, उत्सव आ संस्था द्वारा जीवित रखैत अछि

(B) गामक कथा-बातमे मैथिलीक सहज कथन-शैली विकसित भेल

(C) मैथिली लोकभाषामे स्त्री-स्वर भाषा-संरक्षणक महत्त्वपूर्ण आधार रहल

(D) जन्म, उपनयन, विवाह आ मृत्यु-संस्कारमे मैथिली गीत भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि

७७२. जँ प्रश्न हो—'प्रवास'क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) प्रवासी मैथिल समाज मैथिलीकेँ स्मृति, उत्सव आ संस्था द्वारा जीवित रखैत अछि

(B) पर्व-त्योहारक गीत मैथिलीक ऋतु, धर्म आ लोक-उत्सवसँ सम्बन्ध देखबैत अछि

(C) कृषि, मौसम, जल, पशु आ औजार सम्बन्धी शब्द मैथिलीकेँ ग्रामीण धरातल दैत अछि

(D) आधुनिक मैथिलीमे गामक शब्द आ शहरक अनुभव दुनू मिलि रहल अछि

७७३. 'प्रवास'क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) विवाह गीत मैथिली स्त्री-स्वर आ पारिवारिक संस्कृति बुझबाक महत्त्वपूर्ण माध्यम अछि

(B) मातृभाषा-शिक्षा मैथिली इतिहासक नब पीढ़ीमे स्थान बनबै छै

(C) प्रवासी मैथिल समाज मैथिलीकेँ स्मृति, उत्सव आ संस्था द्वारा जीवित रखैत अछि

(D) लोकनाट्य मैथिलीकेँ मंच, गीत, नृत्य आ सामूहिक प्रस्तुति सँ जोड़ैत अछि

७७४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे 'प्रवास'क महत्त्व की अछि?

(A) कृषि, मौसम, जल, पशु आ औजार सम्बन्धी शब्द मैथिलीकेँ ग्रामीण धरातल दैत अछि

(B) प्रवासी मैथिल समाज मैथिलीकेँ स्मृति, उत्सव आ संस्था द्वारा जीवित रखैत अछि

(C) पर्व-त्योहारक गीत मैथिलीक ऋतु, धर्म आ लोक-उत्सवसँ सम्बन्ध देखबैत अछि

(D) आधुनिक मैथिलीमे गामक शब्द आ शहरक अनुभव दुनू मिलि रहल अछि

७७५. 'प्रवास' केँ मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) लोकनाट्य मैथिलीकेँ मंच, गीत, नृत्य आ सामूहिक प्रस्तुति सँ जोड़ैत अछि

(B) विवाह गीत मैथिली स्त्री-स्वर आ पारिवारिक संस्कृति बुझबाक महत्त्वपूर्ण माध्यम अछि

(C) मातृभाषा-शिक्षा मैथिली इतिहासक नब पीढ़ीमे स्थान बनबै छै

(D) प्रवासी मैथिल समाज मैथिलीकेँ स्मृति, उत्सव आ संस्था द्वारा जीवित रखैत अछि

७७६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल 'प्रवास' ककर संकेत करैत अछि?

(A) प्रवासी मैथिल समाज मैथिलीकेँ स्मृति, उत्सव आ संस्था द्वारा जीवित रखैत अछि

(B) लोकनाट्य मैथिलीकेँ मंच, गीत, नृत्य आ सामूहिक प्रस्तुति सँ जोड़ैत अछि

(C) मातृभाषा-शिक्षा मैथिली इतिहासक नब पीढ़ीमे स्थान बनबै छै

(D) विवाह गीत मैथिली स्त्री-स्वर आ पारिवारिक संस्कृति बुझबाक महत्त्वपूर्ण माध्यम अछि

७७७. 'प्रवास' पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) प्रवासी मैथिल समाज मैथिलीकेँ स्मृति, उत्सव आ संस्था द्वारा जीवित रखैत अछि

(B) मातृभाषा-शिक्षा मैथिली इतिहासक नब पीढ़ीमे स्थान बनबै छै

(C) लोकनाट्य मैथिलीकेँ मंच, गीत, नृत्य आ सामूहिक प्रस्तुति सँ जोड़ैत अछि

(D) विवाह गीत मैथिली स्त्री-स्वर आ पारिवारिक संस्कृति बुझबाक महत्त्वपूर्ण माध्यम अछि

७७८. मैथिली भाषाक कालक्रममे 'प्रवास' केँ कोना समझल जाय?

(A) प्रवासी मैथिल समाज मैथिलीकेँ स्मृति, उत्सव आ संस्था द्वारा जीवित रखैत अछि

(B) पर्व-त्योहारक गीत मैथिलीक ऋतु, धर्म आ लोक-उत्सवसँ सम्बन्ध देखबैत अछि

(C) कृषि, मौसम, जल, पशु आ औजार सम्बन्धी शब्द मैथिलीकेँ ग्रामीण धरातल दैत अछि

(D) आधुनिक मैथिलीमे गामक शब्द आ शहरक अनुभव दुनू मिलि रहल अछि

७७९. निम्नमे सँ 'प्रवास'क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) विवाह गीत मैथिली स्त्री-स्वर आ पारिवारिक संस्कृति बुझबाक महत्त्वपूर्ण माध्यम अछि

(B) मातृभाषा-शिक्षा मैथिली इतिहासक नब पीढ़ीमे स्थान बनबै छै

(C) लोकनाट्य मैथिलीकेँ मंच, गीत, नृत्य आ सामूहिक प्रस्तुति सँ जोड़ैत अछि

(D) प्रवासी मैथिल समाज मैथिलीकेँ स्मृति, उत्सव आ संस्था द्वारा जीवित रखैत अछि

७८०. विद्यार्थी जँ 'प्रवास' लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) प्रवासी मैथिल समाज मैथिलीकेँ स्मृति, उत्सव आ संस्था द्वारा जीवित रखैत अछि

(B) कृषि, मौसम, जल, पशु आ औजार सम्बन्धी शब्द मैथिलीकेँ ग्रामीण धरातल दैत अछि

(C) आधुनिक मैथिलीमे गामक शब्द आ शहरक अनुभव दुनू मिलि रहल अछि

(D) पर्व-त्योहारक गीत मैथिलीक ऋतु, धर्म आ लोक-उत्सवसँ सम्बन्ध देखबैत अछि

७८१. 'शिक्षा' सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) मातृभाषा-शिक्षा मैथिली इतिहासक नब पीढ़ीमे स्थान बनबै छै

(B) मैथिली लोकभाषामे स्त्री-स्वर भाषा-संरक्षणक महत्त्वपूर्ण आधार रहल

(C) गामक कथा-बातमे मैथिलीक सहज कथन-शैली विकसित भेल

(D) जन्म, उपनयन, विवाह आ मृत्यु-संस्कारमे मैथिली गीत भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि

७८२. जँ प्रश्न हो—'शिक्षा'क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) मातृभाषा-शिक्षा मैथिली इतिहासक नब पीढ़ीमे स्थान बनबै छै

(B) प्रवासी मैथिल समाज मैथिलीकेँ स्मृति, उत्सव आ संस्था द्वारा जीवित रखैत अछि

(C) लोकनाट्य मैथिलीकेँ मंच, गीत, नृत्य आ सामूहिक प्रस्तुति सँ जोड़ैत अछि

(D) विवाह गीत मैथिली स्त्री-स्वर आ पारिवारिक संस्कृति बुझबाक महत्त्वपूर्ण माध्यम अछि

७८३. 'शिक्षा'क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) गामक कथा-बातमे मैथिलीक सहज कथन-शैली विकसित भेल

(B) मातृभाषा-शिक्षा मैथिली इतिहासक नब पीढ़ीमे स्थान बनबै छै

(C) मैथिली लोकभाषामे स्त्री-स्वर भाषा-संरक्षणक महत्त्वपूर्ण आधार रहल

(D) जन्म, उपनयन, विवाह आ मृत्यु-संस्कारमे मैथिली गीत भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि

७८४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे 'शिक्षा'क महत्त्व की अछि?

(A) प्रवासी मैथिल समाज मैथिलीकेँ स्मृति, उत्सव आ संस्था द्वारा जीवित रखैत अछि

(B) विवाह गीत मैथिली स्त्री-स्वर आ पारिवारिक संस्कृति बुझबाक महत्त्वपूर्ण माध्यम अछि

(C) मातृभाषा-शिक्षा मैथिली इतिहासक नब पीढ़ीमे स्थान बनबै छै

(D) लोकनाट्य मैथिलीकेँ मंच, गीत, नृत्य आ सामूहिक प्रस्तुति सँ जोड़ैत अछि

७८५. ‘शिक्षा’ कैँ मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) मातृभाषा-शिक्षा मैथिली इतिहासक नब पीढ़ीमे स्थान बनबै छै

(B) मैथिली लोकभाषामे स्त्री-स्वर भाषा-संरक्षणक महत्त्वपूर्ण आधार रहल

(C) गामक कथा-बातमे मैथिलीक सहज कथन-शैली विकसित भेल

(D) जन्म, उपनयन, विवाह आ मृत्यु-संस्कारमे मैथिली गीत भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि

७८६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल ‘शिक्षा’ ककर संकेत करैत अछि?

(A) प्रवासी मैथिल समाज मैथिलीकेँ स्मृति, उत्सव आ संस्था द्वारा जीवित रखैत अछि

(B) लोकनाट्य मैथिलीकेँ मंच, गीत, नृत्य आ सामूहिक प्रस्तुति सँ जोड़ैत अछि

(C) मातृभाषा-शिक्षा मैथिली इतिहासक नब पीढ़ीमे स्थान बनबै छै

(D) विवाह गीत मैथिली स्त्री-स्वर आ पारिवारिक संस्कृति बुझबाक महत्त्वपूर्ण माध्यम अछि

७८७. ‘शिक्षा’ पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) मातृभाषा-शिक्षा मैथिली इतिहासक नब पीढ़ीमे स्थान बनबै छै

(B) प्रवासी मैथिल समाज मैथिलीकेँ स्मृति, उत्सव आ संस्था द्वारा जीवित रखैत अछि

(C) लोकनाट्य मैथिलीकेँ मंच, गीत, नृत्य आ सामूहिक प्रस्तुति सँ जोड़ैत अछि

(D) विवाह गीत मैथिली स्त्री-स्वर आ पारिवारिक संस्कृति बुझबाक महत्त्वपूर्ण माध्यम अछि

७८८. मैथिली भाषाक कालक्रममे ‘शिक्षा’ कैँ कोना समझल जाय?

(A) प्रवासी मैथिल समाज मैथिलीकेँ स्मृति, उत्सव आ संस्था द्वारा जीवित रखैत अछि

(B) मातृभाषा-शिक्षा मैथिली इतिहासक नब पीढ़ीमे स्थान बनबै छै

(C) लोकनाट्य मैथिलीकेँ मंच, गीत, नृत्य आ सामूहिक प्रस्तुति सँ जोड़ैत अछि

(D) विवाह गीत मैथिली स्त्री-स्वर आ पारिवारिक संस्कृति बुझबाक महत्त्वपूर्ण माध्यम अछि

७८९. निम्नमे सँ ‘शिक्षा’क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) मैथिली लोकभाषामे स्त्री-स्वर भाषा-संरक्षणक महत्त्वपूर्ण आधार रहल

(B) गामक कथा-बातमे मैथिलीक सहज कथन-शैली विकसित भेल

(C) मातृभाषा-शिक्षा मैथिली इतिहासक नब पीढ़ीमे स्थान बनबै छै

(D) जन्म, उपनयन, विवाह आ मृत्यु-संस्कारमे मैथिली गीत भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि

७९०. विद्यार्थी जँ ‘शिक्षा’ लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) मातृभाषा-शिक्षा मैथिली इतिहासक नब पीढ़ीमे स्थान बनबै छै

(B) जन्म, उपनयन, विवाह आ मृत्यु-संस्कारमे मैथिली गीत भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि

(C) गामक कथा-बातमे मैथिलीक सहज कथन-शैली विकसित भेल

(D) मैथिली लोकभाषामे स्त्री-स्वर भाषा-संरक्षणक महत्त्वपूर्ण आधार रहल

७९१. ‘ग्राम्य-शहरी मिलन’ सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) आधुनिक मैथिलीमे गामक शब्द आ शहरक अनुभव दुनू मिलि रहल अछि

(B) कृषि, मौसम, जल, पशु आ औजार सम्बन्धी शब्द मैथिलीकेँ ग्रामीण धरातल दैत अछि

(C) पर्व-त्योहारक गीत मैथिलीक ऋतु, धर्म आ लोक-उत्सवसँ सम्बन्ध देखबैत अछि

(D) मातृभाषा-शिक्षा मैथिली इतिहासक नब पीढ़ीमे स्थान बनबै छै

७९२. जँ प्रश्न हो—‘ग्राम्य-शहरी मिलन’क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) आधुनिक मैथिलीमे गामक शब्द आ शहरक अनुभव दुनू मिलि रहल अछि

(B) गामक कथा-बातमे मैथिलीक सहज कथन-शैली विकसित भेल

(C) जन्म, उपनयन, विवाह आ मृत्यु-संस्कारमे मैथिली गीत भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि

(D) मैथिली लोकभाषामे स्त्री-स्वर भाषा-संरक्षणक महत्त्वपूर्ण आधार रहल

७९३. 'ग्राम्य-शहरी मिलन'क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) आधुनिक मैथिलीमे गामक शब्द आ शहरक अनुभव दुनू मिलि रहल अछि

(B) लोकनाट्य मैथिलीकेँ मंच, गीत, नृत्य आ सामूहिक प्रस्तुति सँ जोड़ैत अछि

(C) विवाह गीत मैथिली स्त्री-स्वर आ पारिवारिक संस्कृति बुझबाक महत्त्वपूर्ण माध्यम अछि

(D) प्रवासी मैथिल समाज मैथिलीकेँ स्मृति, उत्सव आ संस्था द्वारा जीवित रखैत अछि

७९४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे 'ग्राम्य-शहरी मिलन'क महत्त्व की अछि?

(A) मातृभाषा-शिक्षा मैथिली इतिहासक नब पीढ़ीमे स्थान बनबै छै

(B) कृषि, मौसम, जल, पशु आ औजार सम्बन्धी शब्द मैथिलीकेँ ग्रामीण धरातल दैत अछि

(C) आधुनिक मैथिलीमे गामक शब्द आ शहरक अनुभव दुनू मिलि रहल अछि

(D) पर्व-त्योहारक गीत मैथिलीक ऋतु, धर्म आ लोक-उत्सवसँ सम्बन्ध देखबैत अछि

७९५. 'ग्राम्य-शहरी मिलन' केँ मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) पर्व-त्योहारक गीत मैथिलीक ऋतु, धर्म आ लोक-उत्सवसँ सम्बन्ध देखबैत अछि

(B) आधुनिक मैथिलीमे गामक शब्द आ शहरक अनुभव दुनू मिलि रहल अछि

(C) मातृभाषा-शिक्षा मैथिली इतिहासक नब पीढ़ीमे स्थान बनबै छै

(D) कृषि, मौसम, जल, पशु आ औजार सम्बन्धी शब्द मैथिलीकेँ ग्रामीण धरातल दैत अछि

७९६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल 'ग्राम्य-शहरी मिलन' ककर संकेत करैत अछि?

(A) लोकनाट्य मैथिलीकेँ मंच, गीत, नृत्य आ सामूहिक प्रस्तुति सँ जोड़ैत अछि

(B) आधुनिक मैथिलीमे गामक शब्द आ शहरक अनुभव दुनू मिलि रहल अछि

(C) प्रवासी मैथिल समाज मैथिलीकेँ स्मृति, उत्सव आ संस्था द्वारा जीवित रखैत अछि

(D) विवाह गीत मैथिली स्त्री-स्वर आ पारिवारिक संस्कृति बुझबाक महत्त्वपूर्ण माध्यम अछि

७९७. 'ग्राम्य-शहरी मिलन' पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) आधुनिक मैथिलीमे गामक शब्द आ शहरक अनुभव दुनू मिलि रहल अछि

(B) पर्व-त्योहारक गीत मैथिलीक ऋतु, धर्म आ लोक-उत्सवसँ सम्बन्ध देखबैत अछि

(C) कृषि, मौसम, जल, पशु आ औजार सम्बन्धी शब्द मैथिलीकेँ ग्रामीण धरातल दैत अछि

(D) मातृभाषा-शिक्षा मैथिली इतिहासक नब पीढ़ीमे स्थान बनबै छै

७९८. मैथिली भाषाक कालक्रममे 'ग्राम्य-शहरी मिलन' केँ कोना समझल जाय?

(A) मातृभाषा-शिक्षा मैथिली इतिहासक नब पीढ़ीमे स्थान बनबै छै

(B) आधुनिक मैथिलीमे गामक शब्द आ शहरक अनुभव दुनू मिलि रहल अछि

(C) कृषि, मौसम, जल, पशु आ औजार सम्बन्धी शब्द मैथिलीकेँ ग्रामीण धरातल दैत अछि

(D) पर्व-त्योहारक गीत मैथिलीक ऋतु, धर्म आ लोक-उत्सवसँ सम्बन्ध देखबैत अछि

७९९. निम्नमे सँ 'ग्राम्य-शहरी मिलन'क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) आधुनिक मैथिलीमे गामक शब्द आ शहरक अनुभव दुनू मिलि रहल अछि

(B) कृषि, मौसम, जल, पशु आ औजार सम्बन्धी शब्द मैथिलीकेँ ग्रामीण धरातल दैत अछि

(C) मातृभाषा-शिक्षा मैथिली इतिहासक नब पीढ़ीमे स्थान बनबै छै

(D) पर्व-त्योहारक गीत मैथिलीक ऋतु, धर्म आ लोक-उत्सवसँ सम्बन्ध देखबैत अछि

८००. विद्यार्थी जँ 'ग्राम्य-शहरी मिलन' लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) प्रवासी मैथिल समाज मैथिलीकेँ स्मृति, उत्सव आ संस्था द्वारा जीवित रखैत अछि

(B) आधुनिक मैथिलीमे गामक शब्द आ शहरक अनुभव दुनू मिलि रहल अछि

(C) लोकनाट्य मैथिलीकेँ मंच, गीत, नृत्य आ सामूहिक प्रस्तुति सँ जोड़ैत अछि

(D) विवाह गीत मैथिली स्त्री-स्वर आ पारिवारिक संस्कृति बुझबाक महत्त्वपूर्ण माध्यम अछि

८०१. 'लेख्य मानक' सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) डिजिटल संग्रह पाण्डुलिपि, पत्रिका, पुस्तक आ ध्वनि-सामग्रीकेँ सुरक्षित आ सुलभ बनबैत अछि

(B) विश्वविद्यालयीय अध्ययन मैथिली भाषा-इतिहासकेँ शोध आ आलोचनाक आधार दैत अछि

(C) रेडियो, दूरदर्शन आ अन्य माध्यम मैथिली उच्चारण आ सार्वजनिक प्रयोग फैलौलक

(D) लेख्य मानक भाषाक सार्वजनिक प्रयोगकेँ एकरूप आ सुबोध बनबैत अछि

८०२. जँ प्रश्न हो—'लेख्य मानक'क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) अनुवाद मैथिलीकेँ अन्य भाषा-संसारसँ जोड़ैत अछि आ ओकर अभिव्यक्ति-क्षमता बढ़बैत अछि

(B) वर्तनी-व्यवस्था भाषाक लिखित रूपमे स्पष्टता आ अनुशासन आनैत अछि

(C) लेख्य मानक भाषाक सार्वजनिक प्रयोगकेँ एकरूप आ सुबोध बनबैत अछि

(D) साहित्य अकादेमी जेकाँ संस्था मैथिली साहित्यक राष्ट्रीय पहचान बढ़बैत अछि

८०३. 'लेख्य मानक'क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) लेख्य मानक भाषाक सार्वजनिक प्रयोगकेँ एकरूप आ सुबोध बनबैत अछि

(B) वर्तनी-व्यवस्था भाषाक लिखित रूपमे स्पष्टता आ अनुशासन आनैत अछि

(C) अनुवाद मैथिलीकेँ अन्य भाषा-संसारसँ जोड़ैत अछि आ ओकर अभिव्यक्ति-क्षमता बढ़बैत अछि

(D) साहित्य अकादेमी जेकाँ संस्था मैथिली साहित्यक राष्ट्रीय पहचान बढ़बैत अछि

८०४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे 'लेख्य मानक'क महत्त्व की अछि?

(A) वर्तनी-व्यवस्था भाषाक लिखित रूपमे स्पष्टता आ अनुशासन आनैत अछि

(B) साहित्य अकादेमी जेकाँ संस्था मैथिली साहित्यक राष्ट्रीय पहचान बढ़बैत अछि

(C) लेख्य मानक भाषाक सार्वजनिक प्रयोगकेँ एकरूप आ सुबोध बनबैत अछि

(D) अनुवाद मैथिलीकेँ अन्य भाषा-संसारसँ जोड़ैत अछि आ ओकर अभिव्यक्ति-क्षमता बढ़बैत अछि

८०५. 'लेख्य मानक' केँ मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) डिजिटल संग्रह पाण्डुलिपि, पत्रिका, पुस्तक आ ध्वनि-सामग्रीकेँ सुरक्षित आ सुलभ बनबैत अछि

(B) रेडियो, दूरदर्शन आ अन्य माध्यम मैथिली उच्चारण आ सार्वजनिक प्रयोग फैलौलक

(C) विश्वविद्यालयीय अध्ययन मैथिली भाषा-इतिहासकेँ शोध आ आलोचनाक आधार दैत अछि

(D) लेख्य मानक भाषाक सार्वजनिक प्रयोगकेँ एकरूप आ सुबोध बनबैत अछि

८०६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल 'लेख्य मानक' ककर संकेत करैत अछि?

(A) पाठ्यपुस्तक मैथिली भाषाकेँ बालक आ विद्यार्थी धरि व्यवस्थित रूपेँ पहुँचबैत अछि

(B) लेख्य मानक भाषाक सार्वजनिक प्रयोगकेँ एकरूप आ सुबोध बनबैत अछि

(C) भारतीय संविधानक आठम अनुसूचीमे मैथिलीक समावेश भाषिक मान्यताक महत्त्वपूर्ण पड़ाव अछि

(D) पुरान ग्रन्थक शोध-संपादन भाषा-इतिहासक भरोसेमंद पाठ तैयार करैत अछि

८०७. 'लेख्य मानक' पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) डिजिटल संग्रह पाण्डुलिपि, पत्रिका, पुस्तक आ ध्वनि-सामग्रीकेँ सुरक्षित आ सुलभ बनबैत अछि

(B) विश्वविद्यालयीय अध्ययन मैथिली भाषा-इतिहासकेँ शोध आ आलोचनाक आधार दैत अछि

(C) रेडियो, दूरदर्शन आ अन्य माध्यम मैथिली उच्चारण आ सार्वजनिक प्रयोग फैलौलक

(D) लेख्य मानक भाषाक सार्वजनिक प्रयोगकेँ एकरूप आ सुबोध बनबैत अछि

८०८. मैथिली भाषाक कालक्रममे 'लेख्य मानक' केँ कोना समझल जाय?

(A) साहित्य अकादेमी जेकाँ संस्था मैथिली साहित्यक राष्ट्रीय पहचान बढ़बैत अछि

(B) अनुवाद मैथिलीकेँ अन्य भाषा-संसारसँ जोड़ैत अछि आ ओकर अभिव्यक्ति-क्षमता बढ़बैत अछि

(C) लेख्य मानक भाषाक सार्वजनिक प्रयोगकेँ एकरूप आ सुबोध बनबैत अछि

(D) वर्तनी-व्यवस्था भाषाक लिखित रूपमे स्पष्टता आ अनुशासन आनैत अछि

८०९. निम्नमे सँ 'लेख्य मानक'क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) लेख्य मानक भाषाक सार्वजनिक प्रयोगकेँ एकरूप आ सुबोध बनबैत अछि

(B) पुरान ग्रन्थक शोध-संपादन भाषा-इतिहासक भरोसेमंद पाठ तैयार करैत अछि

(C) भारतीय संविधानक आठम अनुसूचीमे मैथिलीक समावेश भाषिक मान्यताक महत्त्वपूर्ण पड़ाव अछि

(D) पाठ्यपुस्तक मैथिली भाषाकेँ बालक आ विद्यार्थी धरि व्यवस्थित रूपेँ पहुँचबैत अछि

८१०. विद्यार्थी जँ 'लेख्य मानक' लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) लेख्य मानक भाषाक सार्वजनिक प्रयोगकेँ एकरूप आ सुबोध बनबैत अछि

(B) रेडियो, दूरदर्शन आ अन्य माध्यम मैथिली उच्चारण आ सार्वजनिक प्रयोग फैलौलक

(C) डिजिटल संग्रह पाण्डुलिपि, पत्रिका, पुस्तक आ ध्वनि-सामग्रीकेँ सुरक्षित आ सुलभ बनबैत अछि

(D) विश्वविद्यालयीय अध्ययन मैथिली भाषा-इतिहासकेँ शोध आ आलोचनाक आधार दैत अछि

८११. 'वर्तनी' सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) अनुवाद मैथिलीकेँ अन्य भाषा-संसारसँ जोड़ैत अछि आ ओकर अभिव्यक्ति-क्षमता बढ़बैत अछि

(B) साहित्य अकादेमी जेकाँ संस्था मैथिली साहित्यक राष्ट्रीय पहचान बढ़बैत अछि

(C) लेख्य मानक भाषाक सार्वजनिक प्रयोगकेँ एकरूप आ सुबोध बनबैत अछि

(D) वर्तनी-व्यवस्था भाषाक लिखित रूपमे स्पष्टता आ अनुशासन आनैत अछि

८१२. जँ प्रश्न हो—'वर्तनी'क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) पाठ्यपुस्तक मैथिली भाषाकेँ बालक आ विद्यार्थी धरि व्यवस्थित रूपेँ पहुँचबैत अछि

(B) पुरान ग्रन्थक शोध-संपादन भाषा-इतिहासक भरोसेमंद पाठ तैयार करैत अछि

(C) भारतीय संविधानक आठम अनुसूचीमे मैथिलीक समावेश भाषिक मान्यताक महत्त्वपूर्ण पड़ाव अछि

(D) वर्तनी-व्यवस्था भाषाक लिखित रूपमे स्पष्टता आ अनुशासन आनैत अछि

८१३. 'वर्तनी'क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) पाठ्यपुस्तक मैथिली भाषाकेँ बालक आ विद्यार्थी धरि व्यवस्थित रूपेँ पहुँचबैत अछि

(B) वर्तनी-व्यवस्था भाषाक लिखित रूपमे स्पष्टता आ अनुशासन आनैत अछि

(C) भारतीय संविधानक आठम अनुसूचीमे मैथिलीक समावेश भाषिक मान्यताक महत्त्वपूर्ण पड़ाव अछि

(D) पुरान ग्रन्थक शोध-संपादन भाषा-इतिहासक भरोसेमंद पाठ तैयार करैत अछि

८१४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे 'वर्तनी'क महत्त्व की अछि?

(A) साहित्य अकादेमी जेकाँ संस्था मैथिली साहित्यक राष्ट्रीय पहचान बढ़बैत अछि

(B) लेख्य मानक भाषाक सार्वजनिक प्रयोगकेँ एकरूप आ सुबोध बनबैत अछि

(C) वर्तनी-व्यवस्था भाषाक लिखित रूपमे स्पष्टता आ अनुशासन आनैत अछि

(D) अनुवाद मैथिलीकेँ अन्य भाषा-संसारसँ जोड़ैत अछि आ ओकर अभिव्यक्ति-क्षमता बढ़बैत अछि

८१५. 'वर्तनी' केँ मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) साहित्य अकादेमी जेकाँ संस्था मैथिली साहित्यक राष्ट्रीय पहचान बढ़बैत अछि

(B) लेख्य मानक भाषाक सार्वजनिक प्रयोगकेँ एकरूप आ सुबोध बनबैत अछि

(C) अनुवाद मैथिलीकेँ अन्य भाषा-संसारसँ जोड़ैत अछि आ ओकर अभिव्यक्ति-क्षमता बढ़बैत अछि

(D) वर्तनी-व्यवस्था भाषाक लिखित रूपमे स्पष्टता आ अनुशासन आनैत अछि

८१६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल 'वर्तनी' ककर संकेत करैत अछि?

(A) भारतीय संविधानक आठम अनुसूचीमे मैथिलीक समावेश भाषिक मान्यताक महत्त्वपूर्ण पड़ाव अछि

(B) वर्तनी-व्यवस्था भाषाक लिखित रूपमे स्पष्टता आ अनुशासन आनैत अछि

(C) पाठ्यपुस्तक मैथिली भाषाकेँ बालक आ विद्यार्थी धरि व्यवस्थित रूपेँ पहुँचबैत अछि

(D) पुरान ग्रन्थक शोध-संपादन भाषा-इतिहासक भरोसेमंद पाठ तैयार करैत अछि

८१७. ‘वर्तनी’ पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) लेख्य मानक भाषाक सार्वजनिक प्रयोगकेँ एकरूप आ सुबोध बनबैत अछि

(B) वर्तनी-व्यवस्था भाषाक लिखित रूपमे स्पष्टता आ अनुशासन आनैत अछि

(C) साहित्य अकादेमी जेकाँ संस्था मैथिली साहित्यक राष्ट्रीय पहचान बढ़बैत अछि

(D) अनुवाद मैथिलीकेँ अन्य भाषा-संसारसँ जोड़ैत अछि आ ओकर अभिव्यक्ति-क्षमता बढ़बैत अछि

८१८. मैथिली भाषाक कालक्रममे ‘वर्तनी’ केँ कोना समझल जाय?

(A) साहित्य अकादेमी जेकाँ संस्था मैथिली साहित्यक राष्ट्रीय पहचान बढ़बैत अछि

(B) लेख्य मानक भाषाक सार्वजनिक प्रयोगकेँ एकरूप आ सुबोध बनबैत अछि

(C) वर्तनी-व्यवस्था भाषाक लिखित रूपमे स्पष्टता आ अनुशासन आनैत अछि

(D) अनुवाद मैथिलीकेँ अन्य भाषा-संसारसँ जोड़ैत अछि आ ओकर अभिव्यक्ति-क्षमता बढ़बैत अछि

८१९. निम्नमे सँ ‘वर्तनी’क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) भारतीय संविधानक आठम अनुसूचीमे मैथिलीक समावेश भाषिक मान्यताक महत्त्वपूर्ण पड़ाव अछि

(B) पाठ्यपुस्तक मैथिली भाषाकेँ बालक आ विद्यार्थी धरि व्यवस्थित रूपेँ पहुँचबैत अछि

(C) पुरान ग्रन्थक शोध-संपादन भाषा-इतिहासक भरोसेमंद पाठ तैयार करैत अछि

(D) वर्तनी-व्यवस्था भाषाक लिखित रूपमे स्पष्टता आ अनुशासन आनैत अछि

८२०. विद्यार्थी जँ ‘वर्तनी’ लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) वर्तनी-व्यवस्था भाषाक लिखित रूपमे स्पष्टता आ अनुशासन आनैत अछि

(B) साहित्य अकादेमी जेकाँ संस्था मैथिली साहित्यक राष्ट्रीय पहचान बढ़बैत अछि

(C) लेख्य मानक भाषाक सार्वजनिक प्रयोगकेँ एकरूप आ सुबोध बनबैत अछि

(D) अनुवाद मैथिलीकेँ अन्य भाषा-संसारसँ जोड़ैत अछि आ ओकर अभिव्यक्ति-क्षमता बढ़बैत अछि

८२१. ‘पाठ्यपुस्तक’ सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) भारतीय संविधानक आठम अनुसूचीमे मैथिलीक समावेश भाषिक मान्यताक महत्त्वपूर्ण पड़ाव अछि

(B) पुरान ग्रन्थक शोध-संपादन भाषा-इतिहासक भरोसेमंद पाठ तैयार करैत अछि

(C) पाठ्यपुस्तक मैथिली भाषाकेँ बालक आ विद्यार्थी धरि व्यवस्थित रूपेँ पहुँचबैत अछि

(D) वर्तनी-व्यवस्था भाषाक लिखित रूपमे स्पष्टता आ अनुशासन आनैत अछि

८२२. जँ प्रश्न हो—‘पाठ्यपुस्तक’क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) लेख्य मानक भाषाक सार्वजनिक प्रयोगकेँ एकरूप आ सुबोध बनबैत अछि

(B) पाठ्यपुस्तक मैथिली भाषाकेँ बालक आ विद्यार्थी धरि व्यवस्थित रूपेँ पहुँचबैत अछि

(C) साहित्य अकादेमी जेकाँ संस्था मैथिली साहित्यक राष्ट्रीय पहचान बढ़बैत अछि

(D) अनुवाद मैथिलीकेँ अन्य भाषा-संसारसँ जोड़ैत अछि आ ओकर अभिव्यक्ति-क्षमता बढ़बैत अछि

८२३. ‘पाठ्यपुस्तक’क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) पाठ्यपुस्तक मैथिली भाषाकेँ बालक आ विद्यार्थी धरि व्यवस्थित रूपेँ पहुँचबैत अछि

(B) लेख्य मानक भाषाक सार्वजनिक प्रयोगकेँ एकरूप आ सुबोध बनबैत अछि

(C) साहित्य अकादेमी जेकाँ संस्था मैथिली साहित्यक राष्ट्रीय पहचान बढ़बैत अछि

(D) अनुवाद मैथिलीकेँ अन्य भाषा-संसारसँ जोड़ैत अछि आ ओकर अभिव्यक्ति-क्षमता बढ़बैत अछि

८२४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे ‘पाठ्यपुस्तक’क महत्त्व की अछि?

(A) पाठ्यपुस्तक मैथिली भाषाकेँ बालक आ विद्यार्थी धरि व्यवस्थित रूपेँ पहुँचबैत अछि

(B) विश्वविद्यालयीय अध्ययन मैथिली भाषा-इतिहासकेँ शोध आ आलोचनाक आधार दैत अछि

(C) रेडियो, दूरदर्शन आ अन्य माध्यम मैथिली उच्चारण आ सार्वजनिक प्रयोग फैलौलक

(D) डिजिटल संग्रह पाण्डुलिपि, पत्रिका, पुस्तक आ ध्वनि-सामग्रीकेँ सुरक्षित आ सुलभ बनबैत अछि

८२५. 'पाठ्यपुस्तक' कैँ मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) अनुवाद मैथिलीकेँ अन्य भाषा-संसारसँ जोड़ैत अछि आ ओकर अभिव्यक्ति-क्षमता बढ़बैत अछि

(B) पाठ्यपुस्तक मैथिली भाषाकेँ बालक आ विद्यार्थी धरि व्यवस्थित रूपेँ पहुँचबैत अछि

(C) साहित्य अकादेमी जेकाँ संस्था मैथिली साहित्यक राष्ट्रीय पहचान बढ़बैत अछि

(D) लेख्य मानक भाषाक सार्वजनिक प्रयोगकेँ एकरूप आ सुबोध बनबैत अछि

८२६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल 'पाठ्यपुस्तक' ककर संकेत करैत अछि?

(A) पाठ्यपुस्तक मैथिली भाषाकेँ बालक आ विद्यार्थी धरि व्यवस्थित रूपेँ पहुँचबैत अछि

(B) विश्वविद्यालयीय अध्ययन मैथिली भाषा-इतिहासकेँ शोध आ आलोचनाक आधार दैत अछि

(C) डिजिटल संग्रह पाण्डुलिपि, पत्रिका, पुस्तक आ ध्वनि-सामग्रीकेँ सुरक्षित आ सुलभ बनबैत अछि

(D) रेडियो, दूरदर्शन आ अन्य माध्यम मैथिली उच्चारण आ सार्वजनिक प्रयोग फैलौलक

८२७. 'पाठ्यपुस्तक' पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) भारतीय संविधानक आठम अनुसूचीमे मैथिलीक समावेश भाषिक मान्यताक महत्त्वपूर्ण पड़ाव अछि

(B) पाठ्यपुस्तक मैथिली भाषाकेँ बालक आ विद्यार्थी धरि व्यवस्थित रूपेँ पहुँचबैत अछि

(C) वर्तनी-व्यवस्था भाषाक लिखित रूपमे स्पष्टता आ अनुशासन आनैत अछि

(D) पुरान ग्रन्थक शोध-संपादन भाषा-इतिहासक भरोसेमंद पाठ तैयार करैत अछि

८२८. मैथिली भाषाक कालक्रममे 'पाठ्यपुस्तक' कैँ कोना समझल जाय?

(A) पाठ्यपुस्तक मैथिली भाषाकेँ बालक आ विद्यार्थी धरि व्यवस्थित रूपेँ पहुँचबैत अछि

(B) वर्तनी-व्यवस्था भाषाक लिखित रूपमे स्पष्टता आ अनुशासन आनैत अछि

(C) पुरान ग्रन्थक शोध-संपादन भाषा-इतिहासक भरोसेमंद पाठ तैयार करैत अछि

(D) भारतीय संविधानक आठम अनुसूचीमे मैथिलीक समावेश भाषिक मान्यताक महत्त्वपूर्ण पड़ाव अछि

८२९. निम्नमे सँ 'पाठ्यपुस्तक'क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) पाठ्यपुस्तक मैथिली भाषाकेँ बालक आ विद्यार्थी धरि व्यवस्थित रूपेँ पहुँचबैत अछि

(B) साहित्य अकादेमी जेकाँ संस्था मैथिली साहित्यक राष्ट्रीय पहचान बढ़बैत अछि

(C) अनुवाद मैथिलीकेँ अन्य भाषा-संसारसँ जोड़ैत अछि आ ओकर अभिव्यक्ति-क्षमता बढ़बैत अछि

(D) लेख्य मानक भाषाक सार्वजनिक प्रयोगकेँ एकरूप आ सुबोध बनबैत अछि

८३०. विद्यार्थी जँ 'पाठ्यपुस्तक' लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) डिजिटल संग्रह पाण्डुलिपि, पत्रिका, पुस्तक आ ध्वनि-सामग्रीकेँ सुरक्षित आ सुलभ बनबैत अछि

(B) विश्वविद्यालयीय अध्ययन मैथिली भाषा-इतिहासकेँ शोध आ आलोचनाक आधार दैत अछि

(C) पाठ्यपुस्तक मैथिली भाषाकेँ बालक आ विद्यार्थी धरि व्यवस्थित रूपेँ पहुँचबैत अछि

(D) रेडियो, दूरदर्शन आ अन्य माध्यम मैथिली उच्चारण आ सार्वजनिक प्रयोग फैलौलक

८३१. 'विश्वविद्यालय' सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) वर्तनी-व्यवस्था भाषाक लिखित रूपमे स्पष्टता आ अनुशासन आनैत अछि

(B) पुरान ग्रन्थक शोध-संपादन भाषा-इतिहासक भरोसेमंद पाठ तैयार करैत अछि

(C) विश्वविद्यालयीय अध्ययन मैथिली भाषा-इतिहासकेँ शोध आ आलोचनाक आधार दैत अछि

(D) भारतीय संविधानक आठम अनुसूचीमे मैथिलीक समावेश भाषिक मान्यताक महत्त्वपूर्ण पड़ाव अछि

८३२. जँ प्रश्न हो—'विश्वविद्यालय'क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) लेख्य मानक भाषाक सार्वजनिक प्रयोगकेँ एकरूप आ सुबोध बनबैत अछि

(B) साहित्य अकादेमी जेकाँ संस्था मैथिली साहित्यक राष्ट्रीय पहचान बढ़बैत अछि

(C) अनुवाद मैथिलीकेँ अन्य भाषा-संसारसँ जोड़ैत अछि आ ओकर अभिव्यक्ति-क्षमता बढ़बैत अछि

(D) विश्वविद्यालयीय अध्ययन मैथिली भाषा-इतिहासकेँ शोध आ आलोचनाक आधार दैत अछि

८३३. 'विश्वविद्यालय'क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) विश्वविद्यालयीय अध्ययन मैथिली भाषा-इतिहासकेँ शोध आ आलोचनाक आधार दैत अछि

(B) डिजिटल संग्रह पाण्डुलिपि, पत्रिका, पुस्तक आ ध्वनि-सामग्रीकेँ सुरक्षित आ सुलभ बनबैत अछि

(C) रेडियो, दूरदर्शन आ अन्य माध्यम मैथिली उच्चारण आ सार्वजनिक प्रयोग फैलौलक

(D) पाठ्यपुस्तक मैथिली भाषाकेँ बालक आ विद्यार्थी धरि व्यवस्थित रूपेँ पहुँचबैत अछि

८३४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे 'विश्वविद्यालय'क महत्त्व की अछि?

(A) लेख्य मानक भाषाक सार्वजनिक प्रयोगकेँ एकरूप आ सुबोध बनबैत अछि

(B) विश्वविद्यालयीय अध्ययन मैथिली भाषा-इतिहासकेँ शोध आ आलोचनाक आधार दैत अछि

(C) अनुवाद मैथिलीकेँ अन्य भाषा-संसारसँ जोड़ैत अछि आ ओकर अभिव्यक्ति-क्षमता बढ़बैत अछि

(D) साहित्य अकादेमी जेकाँ संस्था मैथिली साहित्यक राष्ट्रीय पहचान बढ़बैत अछि

८३५. 'विश्वविद्यालय' केँ मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) रेडियो, दूरदर्शन आ अन्य माध्यम मैथिली उच्चारण आ सार्वजनिक प्रयोग फैलौलक

(B) विश्वविद्यालयीय अध्ययन मैथिली भाषा-इतिहासकेँ शोध आ आलोचनाक आधार दैत अछि

(C) पाठ्यपुस्तक मैथिली भाषाकेँ बालक आ विद्यार्थी धरि व्यवस्थित रूपेँ पहुँचबैत अछि

(D) डिजिटल संग्रह पाण्डुलिपि, पत्रिका, पुस्तक आ ध्वनि-सामग्रीकेँ सुरक्षित आ सुलभ बनबैत अछि

८३६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल 'विश्वविद्यालय' ककर संकेत करैत अछि?

(A) विश्वविद्यालयीय अध्ययन मैथिली भाषा-इतिहासकेँ शोध आ आलोचनाक आधार दैत अछि

(B) अनुवाद मैथिलीकेँ अन्य भाषा-संसारसँ जोड़ैत अछि आ ओकर अभिव्यक्ति-क्षमता बढ़बैत अछि

(C) साहित्य अकादेमी जेकाँ संस्था मैथिली साहित्यक राष्ट्रीय पहचान बढ़बैत अछि

(D) लेख्य मानक भाषाक सार्वजनिक प्रयोगकेँ एकरूप आ सुबोध बनबैत अछि

८३७. 'विश्वविद्यालय' पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) वर्तनी-व्यवस्था भाषाक लिखित रूपमे स्पष्टता आ अनुशासन आनैत अछि

(B) भारतीय संविधानक आठम अनुसूचीमे मैथिलीक समावेश भाषिक मान्यताक महत्त्वपूर्ण पड़ाव अछि

(C) विश्वविद्यालयीय अध्ययन मैथिली भाषा-इतिहासकेँ शोध आ आलोचनाक आधार दैत अछि

(D) पुरान ग्रन्थक शोध-संपादन भाषा-इतिहासक भरोसेमंद पाठ तैयार करैत अछि

८३८. मैथिली भाषाक कालक्रममे 'विश्वविद्यालय' केँ कोना समझल जाय?

(A) वर्तनी-व्यवस्था भाषाक लिखित रूपमे स्पष्टता आ अनुशासन आनैत अछि

(B) भारतीय संविधानक आठम अनुसूचीमे मैथिलीक समावेश भाषिक मान्यताक महत्त्वपूर्ण पड़ाव अछि

(C) पुरान ग्रन्थक शोध-संपादन भाषा-इतिहासक भरोसेमंद पाठ तैयार करैत अछि

(D) विश्वविद्यालयीय अध्ययन मैथिली भाषा-इतिहासकेँ शोध आ आलोचनाक आधार दैत अछि

८३९. निम्नमे सँ 'विश्वविद्यालय'क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) अनुवाद मैथिलीकेँ अन्य भाषा-संसारसँ जोड़ैत अछि आ ओकर अभिव्यक्ति-क्षमता बढ़बैत अछि

(B) विश्वविद्यालयीय अध्ययन मैथिली भाषा-इतिहासकेँ शोध आ आलोचनाक आधार दैत अछि

(C) लेख्य मानक भाषाक सार्वजनिक प्रयोगकेँ एकरूप आ सुबोध बनबैत अछि

(D) साहित्य अकादेमी जेकाँ संस्था मैथिली साहित्यक राष्ट्रीय पहचान बढ़बैत अछि

८४०. विद्यार्थी जँ 'विश्वविद्यालय' लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) वर्तनी-व्यवस्था भाषाक लिखित रूपमे स्पष्टता आ अनुशासन आनैत अछि

(B) पुरान ग्रन्थक शोध-संपादन भाषा-इतिहासक भरोसेमंद पाठ तैयार करैत अछि

(C) विश्वविद्यालयीय अध्ययन मैथिली भाषा-इतिहासकेँ शोध आ आलोचनाक आधार दैत अछि

(D) भारतीय संविधानक आठम अनुसूचीमे मैथिलीक समावेश भाषिक मान्यताक महत्त्वपूर्ण पड़ाव अछि

८४१. 'साहित्य अकादेमी' सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) पाठ्यपुस्तक मैथिली भाषाकेँ बालक आ विद्यार्थी धरि व्यवस्थित रूपेँ पहुँचबैत अछि

(B) साहित्य अकादेमी जेकाँ संस्था मैथिली साहित्यक राष्ट्रीय पहचान बढ़बैत अछि

(C) रेडियो, दूरदर्शन आ अन्य माध्यम मैथिली उच्चारण आ सार्वजनिक प्रयोग फैलौलक

(D) डिजिटल संग्रह पाण्डुलिपि, पत्रिका, पुस्तक आ ध्वनि-सामग्रीकेँ सुरक्षित आ सुलभ बनबैत अछि

८४२. जँ प्रश्न हो—'साहित्य अकादेमी'क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) पाठ्यपुस्तक मैथिली भाषाकेँ बालक आ विद्यार्थी धरि व्यवस्थित रूपेँ पहुँचबैत अछि

(B) डिजिटल संग्रह पाण्डुलिपि, पत्रिका, पुस्तक आ ध्वनि-सामग्रीकेँ सुरक्षित आ सुलभ बनबैत अछि

(C) रेडियो, दूरदर्शन आ अन्य माध्यम मैथिली उच्चारण आ सार्वजनिक प्रयोग फैलौलक

(D) साहित्य अकादेमी जेकाँ संस्था मैथिली साहित्यक राष्ट्रीय पहचान बढ़बैत अछि

८४३. 'साहित्य अकादेमी'क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) लेख्य मानक भाषाक सार्वजनिक प्रयोगकेँ एकरूप आ सुबोध बनबैत अछि

(B) अनुवाद मैथिलीकेँ अन्य भाषा-संसारसँ जोड़ैत अछि आ ओकर अभिव्यक्ति-क्षमता बढ़बैत अछि

(C) साहित्य अकादेमी जेकाँ संस्था मैथिली साहित्यक राष्ट्रीय पहचान बढ़बैत अछि

(D) विश्वविद्यालयीय अध्ययन मैथिली भाषा-इतिहासकेँ शोध आ आलोचनाक आधार दैत अछि

८४४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे 'साहित्य अकादेमी'क महत्त्व की अछि?

(A) डिजिटल संग्रह पाण्डुलिपि, पत्रिका, पुस्तक आ ध्वनि-सामग्रीकेँ सुरक्षित आ सुलभ बनबैत अछि

(B) साहित्य अकादेमी जेकाँ संस्था मैथिली साहित्यक राष्ट्रीय पहचान बढ़बैत अछि

(C) रेडियो, दूरदर्शन आ अन्य माध्यम मैथिली उच्चारण आ सार्वजनिक प्रयोग फैलौलक

(D) पाठ्यपुस्तक मैथिली भाषाकेँ बालक आ विद्यार्थी धरि व्यवस्थित रूपेँ पहुँचबैत अछि

८४५. 'साहित्य अकादेमी' केँ मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) साहित्य अकादेमी जेकाँ संस्था मैथिली साहित्यक राष्ट्रीय पहचान बढ़बैत अछि

(B) पाठ्यपुस्तक मैथिली भाषाकेँ बालक आ विद्यार्थी धरि व्यवस्थित रूपेँ पहुँचबैत अछि

(C) डिजिटल संग्रह पाण्डुलिपि, पत्रिका, पुस्तक आ ध्वनि-सामग्रीकेँ सुरक्षित आ सुलभ बनबैत अछि

(D) रेडियो, दूरदर्शन आ अन्य माध्यम मैथिली उच्चारण आ सार्वजनिक प्रयोग फैलौलक

८४६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल 'साहित्य अकादेमी' ककर संकेत करैत अछि?

(A) डिजिटल संग्रह पाण्डुलिपि, पत्रिका, पुस्तक आ ध्वनि-सामग्रीकेँ सुरक्षित आ सुलभ बनबैत अछि

(B) साहित्य अकादेमी जेकाँ संस्था मैथिली साहित्यक राष्ट्रीय पहचान बढ़बैत अछि

(C) पाठ्यपुस्तक मैथिली भाषाकेँ बालक आ विद्यार्थी धरि व्यवस्थित रूपेँ पहुँचबैत अछि

(D) रेडियो, दूरदर्शन आ अन्य माध्यम मैथिली उच्चारण आ सार्वजनिक प्रयोग फैलौलक

८४७. 'साहित्य अकादेमी' पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) पुरान ग्रन्थक शोध-संपादन भाषा-इतिहासक भरोसेमंद पाठ तैयार करैत अछि

(B) साहित्य अकादेमी जेकाँ संस्था मैथिली साहित्यक राष्ट्रीय पहचान बढ़बैत अछि

(C) वर्तनी-व्यवस्था भाषाक लिखित रूपमे स्पष्टता आ अनुशासन आनैत अछि

(D) भारतीय संविधानक आठम अनुसूचीमे मैथिलीक समावेश भाषिक मान्यताक महत्त्वपूर्ण पड़ाव अछि

८४८. मैथिली भाषाक कालक्रममे 'साहित्य अकादेमी' केँ कोना समझल जाय?

(A) लेख्य मानक भाषाक सार्वजनिक प्रयोगकेँ एकरूप आ सुबोध बनबैत अछि

(B) साहित्य अकादेमी जेकाँ संस्था मैथिली साहित्यक राष्ट्रीय पहचान बढ़बैत अछि

(C) अनुवाद मैथिलीकेँ अन्य भाषा-संसारसँ जोड़ैत अछि आ ओकर अभिव्यक्ति-क्षमता बढ़बैत अछि

(D) विश्वविद्यालयीय अध्ययन मैथिली भाषा-इतिहासकेँ शोध आ आलोचनाक आधार दैत अछि

८४९. निम्नमे सँ 'साहित्य अकादेमी'क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) साहित्य अकादेमी जेकाँ संस्था मैथिली साहित्यक राष्ट्रीय पहचान बढ़बैत अछि

(B) पाठ्यपुस्तक मैथिली भाषाकेँ बालक आ विद्यार्थी धरि व्यवस्थित रूपेँ पहुँचबैत अछि

(C) डिजिटल संग्रह पाण्डुलिपि, पत्रिका, पुस्तक आ ध्वनि-सामग्रीकेँ सुरक्षित आ सुलभ बनबैत अछि

(D) रेडियो, दूरदर्शन आ अन्य माध्यम मैथिली उच्चारण आ सार्वजनिक प्रयोग फैलौलक

८५०. विद्यार्थी जँ 'साहित्य अकादेमी' लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) साहित्य अकादेमी जेकाँ संस्था मैथिली साहित्यक राष्ट्रीय पहचान बढ़बैत अछि

(B) वर्तनी-व्यवस्था भाषाक लिखित रूपमे स्पष्टता आ अनुशासन आनैत अछि

(C) भारतीय संविधानक आठम अनुसूचीमे मैथिलीक समावेश भाषिक मान्यताक महत्त्वपूर्ण पड़ाव अछि

(D) पुरान ग्रन्थक शोध-संपादन भाषा-इतिहासक भरोसेमंद पाठ तैयार करैत अछि

८५१. 'आठम अनुसूची' सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) भारतीय संविधानक आठम अनुसूचीमे मैथिलीक समावेश भाषिक मान्यताक महत्त्वपूर्ण पड़ाव अछि

(B) रेडियो, दूरदर्शन आ अन्य माध्यम मैथिली उच्चारण आ सार्वजनिक प्रयोग फैलौलक

(C) डिजिटल संग्रह पाण्डुलिपि, पत्रिका, पुस्तक आ ध्वनि-सामग्रीकेँ सुरक्षित आ सुलभ बनबैत अछि

(D) पाठ्यपुस्तक मैथिली भाषाकेँ बालक आ विद्यार्थी धरि व्यवस्थित रूपेँ पहुँचबैत अछि

८५२. जँ प्रश्न हो—'आठम अनुसूची'क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) वर्तनी-व्यवस्था भाषाक लिखित रूपमे स्पष्टता आ अनुशासन आनैत अछि

(B) भारतीय संविधानक आठम अनुसूचीमे मैथिलीक समावेश भाषिक मान्यताक महत्त्वपूर्ण पड़ाव अछि

(C) साहित्य अकादेमी जेकाँ संस्था मैथिली साहित्यक राष्ट्रीय पहचान बढ़बैत अछि

(D) पुरान ग्रन्थक शोध-संपादन भाषा-इतिहासक भरोसेमंद पाठ तैयार करैत अछि

८५३. 'आठम अनुसूची'क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) वर्तनी-व्यवस्था भाषाक लिखित रूपमे स्पष्टता आ अनुशासन आनैत अछि

(B) भारतीय संविधानक आठम अनुसूचीमे मैथिलीक समावेश भाषिक मान्यताक महत्त्वपूर्ण पड़ाव अछि

(C) साहित्य अकादेमी जेकाँ संस्था मैथिली साहित्यक राष्ट्रीय पहचान बढ़बैत अछि

(D) पुरान ग्रन्थक शोध-संपादन भाषा-इतिहासक भरोसेमंद पाठ तैयार करैत अछि

८५४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे 'आठम अनुसूची'क महत्त्व की अछि?

(A) भारतीय संविधानक आठम अनुसूचीमे मैथिलीक समावेश भाषिक मान्यताक महत्त्वपूर्ण पड़ाव अछि

(B) अनुवाद मैथिलीकेँ अन्य भाषा-संसारसँ जोड़ैत अछि आ ओकर अभिव्यक्ति-क्षमता बढ़बैत अछि

(C) विश्वविद्यालयीय अध्ययन मैथिली भाषा-इतिहासकेँ शोध आ आलोचनाक आधार दैत अछि

(D) लेख्य मानक भाषाक सार्वजनिक प्रयोगकेँ एकरूप आ सुबोध बनबैत अछि

८५५. 'आठम अनुसूची' केँ मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) विश्वविद्यालयीय अध्ययन मैथिली भाषा-इतिहासकेँ शोध आ आलोचनाक आधार दैत अछि

(B) अनुवाद मैथिलीकेँ अन्य भाषा-संसारसँ जोड़ैत अछि आ ओकर अभिव्यक्ति-क्षमता बढ़बैत अछि

(C) भारतीय संविधानक आठम अनुसूचीमे मैथिलीक समावेश भाषिक मान्यताक महत्त्वपूर्ण पड़ाव अछि

(D) लेख्य मानक भाषाक सार्वजनिक प्रयोगकेँ एकरूप आ सुबोध बनबैत अछि

८५६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल 'आठम अनुसूची' ककर संकेत करैत अछि?

(A) पाठ्यपुस्तक मैथिली भाषाकेँ बालक आ विद्यार्थी धरि व्यवस्थित रूपेँ पहुँचबैत अछि

(B) भारतीय संविधानक आठम अनुसूचीमे मैथिलीक समावेश भाषिक मान्यताक महत्त्वपूर्ण पड़ाव अछि

(C) डिजिटल संग्रह पाण्डुलिपि, पत्रिका, पुस्तक आ ध्वनि-सामग्रीकेँ सुरक्षित आ सुलभ बनबैत अछि

(D) रेडियो, दूरदर्शन आ अन्य माध्यम मैथिली उच्चारण आ सार्वजनिक प्रयोग फैलौलक

८५७. 'आठम अनुसूची' पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) पुरान ग्रन्थक शोध-संपादन भाषा-इतिहासक भरोसेमंद पाठ तैयार करैत अछि

(B) भारतीय संविधानक आठम अनुसूचीमे मैथिलीक समावेश भाषिक मान्यताक महत्त्वपूर्ण पड़ाव अछि

(C) वर्तनी-व्यवस्था भाषाक लिखित रूपमे स्पष्टता आ अनुशासन आनैत अछि

(D) साहित्य अकादेमी जेकाँ संस्था मैथिली साहित्यक राष्ट्रीय पहचान बढ़बैत अछि

८५८. मैथिली भाषाक कालक्रममे 'आठम अनुसूची' कैँ कोना समझल जाय?

(A) भारतीय संविधानक आठम अनुसूचीमे मैथिलीक समावेश भाषिक मान्यताक महत्त्वपूर्ण पड़ाव अछि

(B) पाठ्यपुस्तक मैथिली भाषाकैँ बालक आ विद्यार्थी धरि व्यवस्थित रूपेँ पहुँचबैत अछि

(C) रेडियो, दूरदर्शन आ अन्य माध्यम मैथिली उच्चारण आ सार्वजनिक प्रयोग फैलौलक

(D) डिजिटल संग्रह पाण्डुलिपि, पत्रिका, पुस्तक आ ध्वनि-सामग्रीकैँ सुरक्षित आ सुलभ बनबैत अछि

८५९. निम्नमे सँ 'आठम अनुसूची'क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) डिजिटल संग्रह पाण्डुलिपि, पत्रिका, पुस्तक आ ध्वनि-सामग्रीकैँ सुरक्षित आ सुलभ बनबैत अछि

(B) पाठ्यपुस्तक मैथिली भाषाकैँ बालक आ विद्यार्थी धरि व्यवस्थित रूपेँ पहुँचबैत अछि

(C) भारतीय संविधानक आठम अनुसूचीमे मैथिलीक समावेश भाषिक मान्यताक महत्त्वपूर्ण पड़ाव अछि

(D) रेडियो, दूरदर्शन आ अन्य माध्यम मैथिली उच्चारण आ सार्वजनिक प्रयोग फैलौलक

८६०. विद्यार्थी जँ 'आठम अनुसूची' लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) साहित्य अकादेमी जेकाँ संस्था मैथिली साहित्यक राष्ट्रीय पहचान बढ़बैत अछि

(B) वर्तनी-व्यवस्था भाषाक लिखित रूपमे स्पष्टता आ अनुशासन आनैत अछि

(C) पुरान ग्रन्थक शोध-संपादन भाषा-इतिहासक भरोसेमंद पाठ तैयार करैत अछि

(D) भारतीय संविधानक आठम अनुसूचीमे मैथिलीक समावेश भाषिक मान्यताक महत्त्वपूर्ण पड़ाव अछि

८६१. 'रेडियो-मीडिया' सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) पुरान ग्रन्थक शोध-संपादन भाषा-इतिहासक भरोसेमंद पाठ तैयार करैत अछि

(B) वर्तनी-व्यवस्था भाषाक लिखित रूपमे स्पष्टता आ अनुशासन आनैत अछि

(C) रेडियो, दूरदर्शन आ अन्य माध्यम मैथिली उच्चारण आ सार्वजनिक प्रयोग फैलौलक

(D) साहित्य अकादेमी जेकाँ संस्था मैथिली साहित्यक राष्ट्रीय पहचान बढ़बैत अछि

८६२. जँ प्रश्न हो—'रेडियो-मीडिया'क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) भारतीय संविधानक आठम अनुसूचीमे मैथिलीक समावेश भाषिक मान्यताक महत्त्वपूर्ण पड़ाव अछि

(B) पाठ्यपुस्तक मैथिली भाषाकैँ बालक आ विद्यार्थी धरि व्यवस्थित रूपेँ पहुँचबैत अछि

(C) रेडियो, दूरदर्शन आ अन्य माध्यम मैथिली उच्चारण आ सार्वजनिक प्रयोग फैलौलक

(D) डिजिटल संग्रह पाण्डुलिपि, पत्रिका, पुस्तक आ ध्वनि-सामग्रीकैँ सुरक्षित आ सुलभ बनबैत अछि

८६३. 'रेडियो-मीडिया'क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) रेडियो, दूरदर्शन आ अन्य माध्यम मैथिली उच्चारण आ सार्वजनिक प्रयोग फैलौलक

(B) पाठ्यपुस्तक मैथिली भाषाकैँ बालक आ विद्यार्थी धरि व्यवस्थित रूपेँ पहुँचबैत अछि

(C) डिजिटल संग्रह पाण्डुलिपि, पत्रिका, पुस्तक आ ध्वनि-सामग्रीकैँ सुरक्षित आ सुलभ बनबैत अछि

(D) भारतीय संविधानक आठम अनुसूचीमे मैथिलीक समावेश भाषिक मान्यताक महत्त्वपूर्ण पड़ाव अछि

८६४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे 'रेडियो-मीडिया'क महत्त्व की अछि?

(A) रेडियो, दूरदर्शन आ अन्य माध्यम मैथिली उच्चारण आ सार्वजनिक प्रयोग फैलौलक

(B) विश्वविद्यालयीय अध्ययन मैथिली भाषा-इतिहासकैँ शोध आ आलोचनाक आधार दैत अछि

(C) अनुवाद मैथिलीकैँ अन्य भाषा-संसारसँ जोड़ैत अछि आ ओकर अभिव्यक्ति-क्षमता बढ़बैत अछि

(D) लेख्य मानक भाषाक सार्वजनिक प्रयोगकैँ एकरूप आ सुबोध बनबैत अछि

८६५. 'रेडियो-मीडिया' कैँ मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) रेडियो, दूरदर्शन आ अन्य माध्यम मैथिली उच्चारण आ सार्वजनिक प्रयोग फैलौलक

(B) डिजिटल संग्रह पाण्डुलिपि, पत्रिका, पुस्तक आ ध्वनि-सामग्रीकेँ सुरक्षित आ सुलभ बनबैत अछि

(C) भारतीय संविधानक आठम अनुसूचीमे मैथिलीक समावेश भाषिक मान्यताक महत्त्वपूर्ण पड़ाव अछि

(D) पाठ्यपुस्तक मैथिली भाषाकेँ बालक आ विद्यार्थी धरि व्यवस्थित रूपेँ पहुँचबैत अछि

८६६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल 'रेडियो-मीडिया' ककर संकेत करैत अछि?

(A) विश्वविद्यालयीय अध्ययन मैथिली भाषा-इतिहासकेँ शोध आ आलोचनाक आधार दैत अछि

(B) रेडियो, दूरदर्शन आ अन्य माध्यम मैथिली उच्चारण आ सार्वजनिक प्रयोग फैलौलक

(C) अनुवाद मैथिलीकेँ अन्य भाषा-संसारसँ जोड़ैत अछि आ ओकर अभिव्यक्ति-क्षमता बढ़बैत अछि

(D) लेख्य मानक भाषाक सार्वजनिक प्रयोगकेँ एकरूप आ सुबोध बनबैत अछि

८६७. 'रेडियो-मीडिया' पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) पुरान ग्रन्थक शोध-संपादन भाषा-इतिहासक भरोसेमंद पाठ तैयार करैत अछि

(B) वर्तनी-व्यवस्था भाषाक लिखित रूपमे स्पष्टता आ अनुशासन आनैत अछि

(C) रेडियो, दूरदर्शन आ अन्य माध्यम मैथिली उच्चारण आ सार्वजनिक प्रयोग फैलौलक

(D) साहित्य अकादेमी जेकाँ संस्था मैथिली साहित्यक राष्ट्रीय पहचान बढ़बैत अछि

८६८. मैथिली भाषाक कालक्रममे 'रेडियो-मीडिया' कैँ कोना समझल जाय?

(A) पाठ्यपुस्तक मैथिली भाषाकेँ बालक आ विद्यार्थी धरि व्यवस्थित रूपेँ पहुँचबैत अछि

(B) डिजिटल संग्रह पाण्डुलिपि, पत्रिका, पुस्तक आ ध्वनि-सामग्रीकेँ सुरक्षित आ सुलभ बनबैत अछि

(C) भारतीय संविधानक आठम अनुसूचीमे मैथिलीक समावेश भाषिक मान्यताक महत्त्वपूर्ण पड़ाव अछि

(D) रेडियो, दूरदर्शन आ अन्य माध्यम मैथिली उच्चारण आ सार्वजनिक प्रयोग फैलौलक

८६९. निम्नमे सँ 'रेडियो-मीडिया'क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) पुरान ग्रन्थक शोध-संपादन भाषा-इतिहासक भरोसेमंद पाठ तैयार करैत अछि

(B) साहित्य अकादेमी जेकाँ संस्था मैथिली साहित्यक राष्ट्रीय पहचान बढ़बैत अछि

(C) वर्तनी-व्यवस्था भाषाक लिखित रूपमे स्पष्टता आ अनुशासन आनैत अछि

(D) रेडियो, दूरदर्शन आ अन्य माध्यम मैथिली उच्चारण आ सार्वजनिक प्रयोग फैलौलक

८७०. विद्यार्थी जँ 'रेडियो-मीडिया' लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) रेडियो, दूरदर्शन आ अन्य माध्यम मैथिली उच्चारण आ सार्वजनिक प्रयोग फैलौलक

(B) पाठ्यपुस्तक मैथिली भाषाकेँ बालक आ विद्यार्थी धरि व्यवस्थित रूपेँ पहुँचबैत अछि

(C) भारतीय संविधानक आठम अनुसूचीमे मैथिलीक समावेश भाषिक मान्यताक महत्त्वपूर्ण पड़ाव अछि

(D) डिजिटल संग्रह पाण्डुलिपि, पत्रिका, पुस्तक आ ध्वनि-सामग्रीकेँ सुरक्षित आ सुलभ बनबैत अछि

८७१. 'अनुवाद' सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) अनुवाद मैथिलीकेँ अन्य भाषा-संसारसँ जोड़ैत अछि आ ओकर अभिव्यक्ति-क्षमता बढ़बैत अछि

(B) लेख्य मानक भाषाक सार्वजनिक प्रयोगकेँ एकरूप आ सुबोध बनबैत अछि

(C) रेडियो, दूरदर्शन आ अन्य माध्यम मैथिली उच्चारण आ सार्वजनिक प्रयोग फैलौलक

(D) विश्वविद्यालयीय अध्ययन मैथिली भाषा-इतिहासकेँ शोध आ आलोचनाक आधार दैत अछि

८७२. जँ प्रश्न हो—'अनुवाद'क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) पाठ्यपुस्तक मैथिली भाषाकेँ बालक आ विद्यार्थी धरि व्यवस्थित रूपेँ पहुँचबैत अछि

(B) अनुवाद मैथिलीकेँ अन्य भाषा-संसारसँ जोड़ैत अछि आ ओकर अभिव्यक्ति-क्षमता बढ़बैत अछि

(C) भारतीय संविधानक आठम अनुसूचीमे मैथिलीक समावेश भाषिक मान्यताक महत्त्वपूर्ण पड़ाव अछि

(D) डिजिटल संग्रह पाण्डुलिपि, पत्रिका, पुस्तक आ ध्वनि-सामग्रीकेँ सुरक्षित आ सुलभ बनबैत अछि

८७३. 'अनुवाद'क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) डिजिटल संग्रह पाण्डुलिपि, पत्रिका, पुस्तक आ ध्वनि-सामग्रीकेँ सुरक्षित आ सुलभ बनबैत अछि

(B) अनुवाद मैथिलीकेँ अन्य भाषा-संसारसँ जोड़ैत अछि आ ओकर अभिव्यक्ति-क्षमता बढ़बैत अछि

(C) भारतीय संविधानक आठम अनुसूचीमे मैथिलीक समावेश भाषिक मान्यताक महत्त्वपूर्ण पड़ाव अछि

(D) पाठ्यपुस्तक मैथिली भाषाकेँ बालक आ विद्यार्थी धरि व्यवस्थित रूपेँ पहुँचबैत अछि

८७४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे 'अनुवाद'क महत्त्व की अछि?

(A) अनुवाद मैथिलीकेँ अन्य भाषा-संसारसँ जोड़ैत अछि आ ओकर अभिव्यक्ति-क्षमता बढ़बैत अछि

(B) साहित्य अकादेमी जेकाँ संस्था मैथिली साहित्यक राष्ट्रीय पहचान बढ़बैत अछि

(C) वर्तनी-व्यवस्था भाषाक लिखित रूपमे स्पष्टता आ अनुशासन आनैत अछि

(D) पुरान ग्रन्थक शोध-संपादन भाषा-इतिहासक भरोसेमंद पाठ तैयार करैत अछि

८७५. 'अनुवाद' केँ मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) वर्तनी-व्यवस्था भाषाक लिखित रूपमे स्पष्टता आ अनुशासन आनैत अछि

(B) साहित्य अकादेमी जेकाँ संस्था मैथिली साहित्यक राष्ट्रीय पहचान बढ़बैत अछि

(C) अनुवाद मैथिलीकेँ अन्य भाषा-संसारसँ जोड़ैत अछि आ ओकर अभिव्यक्ति-क्षमता बढ़बैत अछि

(D) पुरान ग्रन्थक शोध-संपादन भाषा-इतिहासक भरोसेमंद पाठ तैयार करैत अछि

८७६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल 'अनुवाद' ककर संकेत करैत अछि?

(A) पुरान ग्रन्थक शोध-संपादन भाषा-इतिहासक भरोसेमंद पाठ तैयार करैत अछि

(B) साहित्य अकादेमी जेकाँ संस्था मैथिली साहित्यक राष्ट्रीय पहचान बढ़बैत अछि

(C) वर्तनी-व्यवस्था भाषाक लिखित रूपमे स्पष्टता आ अनुशासन आनैत अछि

(D) अनुवाद मैथिलीकेँ अन्य भाषा-संसारसँ जोड़ैत अछि आ ओकर अभिव्यक्ति-क्षमता बढ़बैत अछि

८७७. 'अनुवाद' पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) विश्वविद्यालयीय अध्ययन मैथिली भाषा-इतिहासकेँ शोध आ आलोचनाक आधार दैत अछि

(B) लेख्य मानक भाषाक सार्वजनिक प्रयोगकेँ एकरूप आ सुबोध बनबैत अछि

(C) अनुवाद मैथिलीकेँ अन्य भाषा-संसारसँ जोड़ैत अछि आ ओकर अभिव्यक्ति-क्षमता बढ़बैत अछि

(D) रेडियो, दूरदर्शन आ अन्य माध्यम मैथिली उच्चारण आ सार्वजनिक प्रयोग फैलौलक

८७८. मैथिली भाषाक कालक्रममे 'अनुवाद' केँ कोना समझल जाय?

(A) डिजिटल संग्रह पाण्डुलिपि, पत्रिका, पुस्तक आ ध्वनि-सामग्रीकेँ सुरक्षित आ सुलभ बनबैत अछि

(B) भारतीय संविधानक आठम अनुसूचीमे मैथिलीक समावेश भाषिक मान्यताक महत्त्वपूर्ण पड़ाव अछि

(C) पाठ्यपुस्तक मैथिली भाषाकेँ बालक आ विद्यार्थी धरि व्यवस्थित रूपेँ पहुँचबैत अछि

(D) अनुवाद मैथिलीकेँ अन्य भाषा-संसारसँ जोड़ैत अछि आ ओकर अभिव्यक्ति-क्षमता बढ़बैत अछि

८७९. निम्नमे सँ 'अनुवाद'क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) पुरान ग्रन्थक शोध-संपादन भाषा-इतिहासक भरोसेमंद पाठ तैयार करैत अछि

(B) अनुवाद मैथिलीकेँ अन्य भाषा-संसारसँ जोड़ैत अछि आ ओकर अभिव्यक्ति-क्षमता बढ़बैत अछि

(C) वर्तनी-व्यवस्था भाषाक लिखित रूपमे स्पष्टता आ अनुशासन आनैत अछि

(D) साहित्य अकादेमी जेकाँ संस्था मैथिली साहित्यक राष्ट्रीय पहचान बढ़बैत अछि

८८०. विद्यार्थी जँ 'अनुवाद' लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) वर्तनी-व्यवस्था भाषाक लिखित रूपमे स्पष्टता आ अनुशासन आनैत अछि

(B) पुरान ग्रन्थक शोध-संपादन भाषा-इतिहासक भरोसेमंद पाठ तैयार करैत अछि

(C) अनुवाद मैथिलीकेँ अन्य भाषा-संसारसँ जोड़ैत अछि आ ओकर अभिव्यक्ति-क्षमता बढ़बैत अछि

(D) साहित्य अकादेमी जेकाँ संस्था मैथिली साहित्यक राष्ट्रीय पहचान बढ़बैत अछि

८८१. ‘शोध-संपादन’ सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) अनुवाद मैथिलीकेँ अन्य भाषा-संसारसँ जोड़ैत अछि आ ओकर अभिव्यक्ति-क्षमता बढ़बैत अछि

(B) वर्तनी-व्यवस्था भाषाक लिखित रूपमे स्पष्टता आ अनुशासन आनैत अछि

(C) साहित्य अकादेमी जेकाँ संस्था मैथिली साहित्यक राष्ट्रीय पहचान बढ़बैत अछि

(D) पुरान ग्रन्थक शोध-संपादन भाषा-इतिहासक भरोसेमंद पाठ तैयार करैत अछि

८८२. जँ प्रश्न हो—‘शोध-संपादन’क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) साहित्य अकादेमी जेकाँ संस्था मैथिली साहित्यक राष्ट्रीय पहचान बढ़बैत अछि

(B) वर्तनी-व्यवस्था भाषाक लिखित रूपमे स्पष्टता आ अनुशासन आनैत अछि

(C) अनुवाद मैथिलीकेँ अन्य भाषा-संसारसँ जोड़ैत अछि आ ओकर अभिव्यक्ति-क्षमता बढ़बैत अछि

(D) पुरान ग्रन्थक शोध-संपादन भाषा-इतिहासक भरोसेमंद पाठ तैयार करैत अछि

८८३. ‘शोध-संपादन’क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) पुरान ग्रन्थक शोध-संपादन भाषा-इतिहासक भरोसेमंद पाठ तैयार करैत अछि

(B) डिजिटल संग्रह पाण्डुलिपि, पत्रिका, पुस्तक आ ध्वनि-सामग्रीकेँ सुरक्षित आ सुलभ बनबैत अछि

(C) पाठ्यपुस्तक मैथिली भाषाकेँ बालक आ विद्यार्थी धरि व्यवस्थित रूपेँ पहुँचबैत अछि

(D) भारतीय संविधानक आठम अनुसूचीमे मैथिलीक समावेश भाषिक मान्यताक महत्त्वपूर्ण पड़ाव अछि

८८४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे ‘शोध-संपादन’क महत्त्व की अछि?

(A) वर्तनी-व्यवस्था भाषाक लिखित रूपमे स्पष्टता आ अनुशासन आनैत अछि

(B) अनुवाद मैथिलीकेँ अन्य भाषा-संसारसँ जोड़ैत अछि आ ओकर अभिव्यक्ति-क्षमता बढ़बैत अछि

(C) पुरान ग्रन्थक शोध-संपादन भाषा-इतिहासक भरोसेमंद पाठ तैयार करैत अछि

(D) साहित्य अकादेमी जेकाँ संस्था मैथिली साहित्यक राष्ट्रीय पहचान बढ़बैत अछि

८८५. ‘शोध-संपादन’ केँ मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) पुरान ग्रन्थक शोध-संपादन भाषा-इतिहासक भरोसेमंद पाठ तैयार करैत अछि

(B) विश्वविद्यालयीय अध्ययन मैथिली भाषा-इतिहासकेँ शोध आ आलोचनाक आधार दैत अछि

(C) रेडियो, दूरदर्शन आ अन्य माध्यम मैथिली उच्चारण आ सार्वजनिक प्रयोग फैलौलक

(D) लेख्य मानक भाषाक सार्वजनिक प्रयोगकेँ एकरूप आ सुबोध बनबैत अछि

८८६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल ‘शोध-संपादन’ ककर संकेत करैत अछि?

(A) पुरान ग्रन्थक शोध-संपादन भाषा-इतिहासक भरोसेमंद पाठ तैयार करैत अछि

(B) अनुवाद मैथिलीकेँ अन्य भाषा-संसारसँ जोड़ैत अछि आ ओकर अभिव्यक्ति-क्षमता बढ़बैत अछि

(C) वर्तनी-व्यवस्था भाषाक लिखित रूपमे स्पष्टता आ अनुशासन आनैत अछि

(D) साहित्य अकादेमी जेकाँ संस्था मैथिली साहित्यक राष्ट्रीय पहचान बढ़बैत अछि

८८७. ‘शोध-संपादन’ पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) वर्तनी-व्यवस्था भाषाक लिखित रूपमे स्पष्टता आ अनुशासन आनैत अछि

(B) साहित्य अकादेमी जेकाँ संस्था मैथिली साहित्यक राष्ट्रीय पहचान बढ़बैत अछि

(C) पुरान ग्रन्थक शोध-संपादन भाषा-इतिहासक भरोसेमंद पाठ तैयार करैत अछि

(D) अनुवाद मैथिलीकेँ अन्य भाषा-संसारसँ जोड़ैत अछि आ ओकर अभिव्यक्ति-क्षमता बढ़बैत अछि

८८८. मैथिली भाषाक कालक्रममे ‘शोध-संपादन’ केँ कोना समझल जाय?

(A) रेडियो, दूरदर्शन आ अन्य माध्यम मैथिली उच्चारण आ सार्वजनिक प्रयोग फैलौलक

(B) विश्वविद्यालयीय अध्ययन मैथिली भाषा-इतिहासकेँ शोध आ आलोचनाक आधार दैत अछि

(C) पुरान ग्रन्थक शोध-संपादन भाषा-इतिहासक भरोसेमंद पाठ तैयार करैत अछि

(D) लेख्य मानक भाषाक सार्वजनिक प्रयोगकेँ एकरूप आ सुबोध बनबैत अछि

८८९. निम्नमे सँ 'शोध-संपादन'क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) पुरान ग्रन्थक शोध-संपादन भाषा-इतिहासक भरोसेमंद पाठ तैयार करैत अछि

(B) डिजिटल संग्रह पाण्डुलिपि, पत्रिका, पुस्तक आ ध्वनि-सामग्रीकेँ सुरक्षित आ सुलभ बनबैत अछि

(C) पाठ्यपुस्तक मैथिली भाषाकेँ बालक आ विद्यार्थी धरि व्यवस्थित रूपेँ पहुँचबैत अछि

(D) भारतीय संविधानक आठम अनुसूचीमे मैथिलीक समावेश भाषिक मान्यताक महत्त्वपूर्ण पड़ाव अछि

८९०. विद्यार्थी जँ 'शोध-संपादन' लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) लेख्य मानक भाषाक सार्वजनिक प्रयोगकेँ एकरूप आ सुबोध बनबैत अछि

(B) विश्वविद्यालयीय अध्ययन मैथिली भाषा-इतिहासकेँ शोध आ आलोचनाक आधार दैत अछि

(C) पुरान ग्रन्थक शोध-संपादन भाषा-इतिहासक भरोसेमंद पाठ तैयार करैत अछि

(D) रेडियो, दूरदर्शन आ अन्य माध्यम मैथिली उच्चारण आ सार्वजनिक प्रयोग फैलौलक

८९१. 'डिजिटल संग्रह' सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) पाठ्यपुस्तक मैथिली भाषाकेँ बालक आ विद्यार्थी धरि व्यवस्थित रूपेँ पहुँचबैत अछि

(B) पुरान ग्रन्थक शोध-संपादन भाषा-इतिहासक भरोसेमंद पाठ तैयार करैत अछि

(C) भारतीय संविधानक आठम अनुसूचीमे मैथिलीक समावेश भाषिक मान्यताक महत्त्वपूर्ण पड़ाव अछि

(D) डिजिटल संग्रह पाण्डुलिपि, पत्रिका, पुस्तक आ ध्वनि-सामग्रीकेँ सुरक्षित आ सुलभ बनबैत अछि

८९२. जँ प्रश्न हो—'डिजिटल संग्रह'क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) अनुवाद मैथिलीकेँ अन्य भाषा-संसारसँ जोड़ैत अछि आ ओकर अभिव्यक्ति-क्षमता बढ़बैत अछि

(B) डिजिटल संग्रह पाण्डुलिपि, पत्रिका, पुस्तक आ ध्वनि-सामग्रीकेँ सुरक्षित आ सुलभ बनबैत अछि

(C) वर्तनी-व्यवस्था भाषाक लिखित रूपमे स्पष्टता आ अनुशासन आनैत अछि

(D) साहित्य अकादेमी जेकाँ संस्था मैथिली साहित्यक राष्ट्रीय पहचान बढ़बैत अछि

८९३. 'डिजिटल संग्रह'क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) लेख्य मानक भाषाक सार्वजनिक प्रयोगकेँ एकरूप आ सुबोध बनबैत अछि

(B) रेडियो, दूरदर्शन आ अन्य माध्यम मैथिली उच्चारण आ सार्वजनिक प्रयोग फैलौलक

(C) विश्वविद्यालयीय अध्ययन मैथिली भाषा-इतिहासकेँ शोध आ आलोचनाक आधार दैत अछि

(D) डिजिटल संग्रह पाण्डुलिपि, पत्रिका, पुस्तक आ ध्वनि-सामग्रीकेँ सुरक्षित आ सुलभ बनबैत अछि

८९४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे 'डिजिटल संग्रह'क महत्त्व की अछि?

(A) लेख्य मानक भाषाक सार्वजनिक प्रयोगकेँ एकरूप आ सुबोध बनबैत अछि

(B) रेडियो, दूरदर्शन आ अन्य माध्यम मैथिली उच्चारण आ सार्वजनिक प्रयोग फैलौलक

(C) डिजिटल संग्रह पाण्डुलिपि, पत्रिका, पुस्तक आ ध्वनि-सामग्रीकेँ सुरक्षित आ सुलभ बनबैत अछि

(D) विश्वविद्यालयीय अध्ययन मैथिली भाषा-इतिहासकेँ शोध आ आलोचनाक आधार दैत अछि

८९५. 'डिजिटल संग्रह' केँ मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) डिजिटल संग्रह पाण्डुलिपि, पत्रिका, पुस्तक आ ध्वनि-सामग्रीकेँ सुरक्षित आ सुलभ बनबैत अछि

(B) पुरान ग्रन्थक शोध-संपादन भाषा-इतिहासक भरोसेमंद पाठ तैयार करैत अछि

(C) भारतीय संविधानक आठम अनुसूचीमे मैथिलीक समावेश भाषिक मान्यताक महत्त्वपूर्ण पड़ाव अछि

(D) पाठ्यपुस्तक मैथिली भाषाकेँ बालक आ विद्यार्थी धरि व्यवस्थित रूपेँ पहुँचबैत अछि

८९६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल 'डिजिटल संग्रह' ककर संकेत करैत अछि?

(A) रेडियो, दूरदर्शन आ अन्य माध्यम मैथिली उच्चारण आ सार्वजनिक प्रयोग फैलौलक

(B) लेख्य मानक भाषाक सार्वजनिक प्रयोगकेँ एकरूप आ सुबोध बनबैत अछि

(C) विश्वविद्यालयीय अध्ययन मैथिली भाषा-इतिहासकेँ शोध आ आलोचनाक आधार दैत अछि

(D) डिजिटल संग्रह पाण्डुलिपि, पत्रिका, पुस्तक आ ध्वनि-सामग्रीकेँ सुरक्षित आ सुलभ बनबैत अछि

८९७. 'डिजिटल संग्रह' पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) रेडियो, दूरदर्शन आ अन्य माध्यम मैथिली उच्चारण आ सार्वजनिक प्रयोग फैलौलक

(B) डिजिटल संग्रह पाण्डुलिपि, पत्रिका, पुस्तक आ ध्वनि-सामग्रीकेँ सुरक्षित आ सुलभ बनबैत अछि

(C) लेख्य मानक भाषाक सार्वजनिक प्रयोगकेँ एकरूप आ सुबोध बनबैत अछि

(D) विश्वविद्यालयीय अध्ययन मैथिली भाषा-इतिहासकेँ शोध आ आलोचनाक आधार दैत अछि

८९८. मैथिली भाषाक कालक्रममे 'डिजिटल संग्रह' केँ कोना समझल जाय?

(A) पुरान ग्रन्थक शोध-संपादन भाषा-इतिहासक भरोसेमंद पाठ तैयार करैत अछि

(B) पाठ्यपुस्तक मैथिली भाषाकेँ बालक आ विद्यार्थी धरि व्यवस्थित रूपेँ पहुँचबैत अछि

(C) भारतीय संविधानक आठम अनुसूचीमे मैथिलीक समावेश भाषिक मान्यताक महत्त्वपूर्ण पड़ाव अछि

(D) डिजिटल संग्रह पाण्डुलिपि, पत्रिका, पुस्तक आ ध्वनि-सामग्रीकेँ सुरक्षित आ सुलभ बनबैत अछि

८९९. निम्नमे सँ 'डिजिटल संग्रह'क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) डिजिटल संग्रह पाण्डुलिपि, पत्रिका, पुस्तक आ ध्वनि-सामग्रीकेँ सुरक्षित आ सुलभ बनबैत अछि

(B) अनुवाद मैथिलीकेँ अन्य भाषा-संसारसँ जोड़ैत अछि आ ओकर अभिव्यक्ति-क्षमता बढ़बैत अछि

(C) वर्तनी-व्यवस्था भाषाक लिखित रूपमे स्पष्टता आ अनुशासन आनैत अछि

(D) साहित्य अकादेमी जेकाँ संस्था मैथिली साहित्यक राष्ट्रीय पहचान बढ़बैत अछि

९००. विद्यार्थी जँ 'डिजिटल संग्रह' लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) पाठ्यपुस्तक मैथिली भाषाकेँ बालक आ विद्यार्थी धरि व्यवस्थित रूपेँ पहुँचबैत अछि

(B) पुरान ग्रन्थक शोध-संपादन भाषा-इतिहासक भरोसेमंद पाठ तैयार करैत अछि

(C) भारतीय संविधानक आठम अनुसूचीमे मैथिलीक समावेश भाषिक मान्यताक महत्त्वपूर्ण पड़ाव अछि

(D) डिजिटल संग्रह पाण्डुलिपि, पत्रिका, पुस्तक आ ध्वनि-सामग्रीकेँ सुरक्षित आ सुलभ बनबैत अछि

९०१. 'ई-पत्रिका' सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) ऑनलाइन पाठ मैथिली सीखबाक नब अवसर खोलैत अछि

(B) ऑडियो-दृश्य सामग्री मैथिली उच्चारण, गीत, कथा आ पाठकेँ अधिक प्रभावी बनबैत अछि

(C) सामुदायिक अभियान भाषाक प्रयोग, शिक्षण आ गौरवक वातावरण बनबैत अछि

(D) ई-पत्रिका मैथिली लेखनकेँ विश्वव्यापी पाठक धरि पहुँचाबयवला आधुनिक माध्यम अछि

९०२. जँ प्रश्न हो—'ई-पत्रिका'क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) सामुदायिक अभियान भाषाक प्रयोग, शिक्षण आ गौरवक वातावरण बनबैत अछि

(B) ऑडियो-दृश्य सामग्री मैथिली उच्चारण, गीत, कथा आ पाठकेँ अधिक प्रभावी बनबैत अछि

(C) ई-पत्रिका मैथिली लेखनकेँ विश्वव्यापी पाठक धरि पहुँचाबयवला आधुनिक माध्यम अछि

(D) ऑनलाइन पाठ मैथिली सीखबाक नब अवसर खोलैत अछि

९०३. 'ई-पत्रिका'क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) कम्प्यूटर फॉन्ट आ कीबोर्ड मैथिली लेखनकेँ आधुनिक उपकरण दैत अछि

(B) ई-पत्रिका मैथिली लेखनकेँ विश्वव्यापी पाठक धरि पहुँचाबयवला आधुनिक माध्यम अछि

(C) डिजिटल युगमे कविता, कथा, ब्लॉग आ नाटकक नब मैथिली लेखन उभरि रहल अछि

(D) ग्राम्य गीत, कथा, कहावत आ उच्चारणक डिजिटल अभिलेखन भविष्यक शोध लेल जरूरी अछि

९०४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे 'ई-पत्रिका'क महत्त्व की अछि?

(A) डिजिटल युगमे कविता, कथा, ब्लॉग आ नाटकक नब मैथिली लेखन उभरि रहल अछि

(B) ग्राम्य गीत, कथा, कहावत आ उच्चारणक डिजिटल अभिलेखन भविष्यक शोध लेल जरूरी अछि

(C) ई-पत्रिका मैथिली लेखनकेँ विश्वव्यापी पाठक धरि पहुँचाबयवला आधुनिक माध्यम अछि

(D) कम्प्यूटर फॉन्ट आ कीबोर्ड मैथिली लेखनकेँ आधुनिक उपकरण दैत अछि

९०५. 'ई-पत्रिका' कैं मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) ई-पत्रिका मैथिली लेखनकेँ विश्वव्यापी पाठक धरि पहुँचाबयवला आधुनिक माध्यम अछि

(B) मोबाइल पर मैथिली लिखब नव पीढ़ीक व्यवहारिक भाषा-प्रयोग बढ़बैत अछि

(C) विश्वभरि बसल मैथिल समुदाय डिजिटल माध्यमसँ मैथिलीकेँ जोड़े राखि सकैत अछि

(D) बाल-स्तर पर मैथिली सामग्री भविष्यक भाषा-संरक्षण लेल अत्यन्त आवश्यक अछि

९०६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल 'ई-पत्रिका' ककर संकेत करैत अछि?

(A) कम्प्यूटर फॉन्ट आ कीबोर्ड मैथिली लेखनकेँ आधुनिक उपकरण दैत अछि

(B) ग्राम्य गीत, कथा, कहावत आ उच्चारणक डिजिटल अभिलेखन भविष्यक शोध लेल जरूरी अछि

(C) ई-पत्रिका मैथिली लेखनकेँ विश्वव्यापी पाठक धरि पहुँचाबयवला आधुनिक माध्यम अछि

(D) डिजिटल युगमे कविता, कथा, ब्लॉग आ नाटकक नब मैथिली लेखन उभरि रहल अछि

९०७. 'ई-पत्रिका' पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) मोबाइल पर मैथिली लिखब नव पीढ़ीक व्यवहारिक भाषा-प्रयोग बढ़बैत अछि

(B) ई-पत्रिका मैथिली लेखनकेँ विश्वव्यापी पाठक धरि पहुँचाबयवला आधुनिक माध्यम अछि

(C) विश्वभरि बसल मैथिल समुदाय डिजिटल माध्यमसँ मैथिलीकेँ जोड़े राखि सकैत अछि

(D) बाल-स्तर पर मैथिली सामग्री भविष्यक भाषा-संरक्षण लेल अत्यन्त आवश्यक अछि

९०८. मैथिली भाषाक कालक्रममे 'ई-पत्रिका' कैं कोना समझल जाय?

(A) ग्राम्य गीत, कथा, कहावत आ उच्चारणक डिजिटल अभिलेखन भविष्यक शोध लेल जरूरी अछि

(B) कम्प्यूटर फॉन्ट आ कीबोर्ड मैथिली लेखनकेँ आधुनिक उपकरण दैत अछि

(C) डिजिटल युगमे कविता, कथा, ब्लॉग आ नाटकक नब मैथिली लेखन उभरि रहल अछि

(D) ई-पत्रिका मैथिली लेखनकेँ विश्वव्यापी पाठक धरि पहुँचाबयवला आधुनिक माध्यम अछि

९०९. निम्नमे सँ 'ई-पत्रिका'क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) ऑडियो-दृश्य सामग्री मैथिली उच्चारण, गीत, कथा आ पाठकेँ अधिक प्रभावी बनबैत अछि

(B) ई-पत्रिका मैथिली लेखनकेँ विश्वव्यापी पाठक धरि पहुँचाबयवला आधुनिक माध्यम अछि

(C) ऑनलाइन पाठ मैथिली सीखबाक नब अवसर खोलैत अछि

(D) सामुदायिक अभियान भाषाक प्रयोग, शिक्षण आ गौरवक वातावरण बनबैत अछि

९१०. विद्यार्थी जँ 'ई-पत्रिका' लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) मोबाइल पर मैथिली लिखब नव पीढ़ीक व्यवहारिक भाषा-प्रयोग बढ़बैत अछि

(B) बाल-स्तर पर मैथिली सामग्री भविष्यक भाषा-संरक्षण लेल अत्यन्त आवश्यक अछि

(C) ई-पत्रिका मैथिली लेखनकेँ विश्वव्यापी पाठक धरि पहुँचाबयवला आधुनिक माध्यम अछि

(D) विश्वभरि बसल मैथिल समुदाय डिजिटल माध्यमसँ मैथिलीकेँ जोड़े राखि सकैत अछि

९११. 'ऑनलाइन पाठ' सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) मोबाइल पर मैथिली लिखब नव पीढ़ीक व्यवहारिक भाषा-प्रयोग बढ़बैत अछि

(B) बाल-स्तर पर मैथिली सामग्री भविष्यक भाषा-संरक्षण लेल अत्यन्त आवश्यक अछि

(C) ऑनलाइन पाठ मैथिली सीखबाक नब अवसर खोलैत अछि

(D) विश्वभरि बसल मैथिल समुदाय डिजिटल माध्यमसँ मैथिलीकेँ जोड़े राखि सकैत अछि

९१२. जँ प्रश्न हो—'ऑनलाइन पाठ'क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) ई-पत्रिका मैथिली लेखनकेँ विश्वव्यापी पाठक धरि पहुँचाबयवला आधुनिक माध्यम अछि

(B) सामुदायिक अभियान भाषाक प्रयोग, शिक्षण आ गौरवक वातावरण बनबैत अछि

(C) ऑनलाइन पाठ मैथिली सीखबाक नब अवसर खोलैत अछि

(D) ऑडियो-दृश्य सामग्री मैथिली उच्चारण, गीत, कथा आ पाठकेँ अधिक प्रभावी बनबैत अछि

९१३. ‘ऑनलाइन पाठ’क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) विश्वभरि बसल मैथिल समुदाय डिजिटल माध्यमसँ मैथिलीकेँ जोड़े राखि सकैत अछि

(B) बाल-स्तर पर मैथिली सामग्री भविष्यक भाषा-संरक्षण लेल अत्यन्त आवश्यक अछि

(C) मोबाइल पर मैथिली लिखब नव पीढ़ीक व्यवहारिक भाषा-प्रयोग बढ़बैत अछि

(D) ऑनलाइन पाठ मैथिली सीखबाक नब अवसर खोलैत अछि

९१४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे ‘ऑनलाइन पाठ’क महत्त्व की अछि?

(A) ऑनलाइन पाठ मैथिली सीखबाक नब अवसर खोलैत अछि

(B) ऑडियो-दृश्य सामग्री मैथिली उच्चारण, गीत, कथा आ पाठकेँ अधिक प्रभावी बनबैत अछि

(C) सामुदायिक अभियान भाषाक प्रयोग, शिक्षण आ गौरवक वातावरण बनबैत अछि

(D) ई-पत्रिका मैथिली लेखनकेँ विश्वव्यापी पाठक धरि पहुँचाबयवला आधुनिक माध्यम अछि

९१५. ‘ऑनलाइन पाठ’ केँ मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) ऑनलाइन पाठ मैथिली सीखबाक नब अवसर खोलैत अछि

(B) ग्राम्य गीत, कथा, कहावत आ उच्चारणक डिजिटल अभिलेखन भविष्यक शोध लेल जरूरी अछि

(C) कम्प्यूटर फॉन्ट आ कीबोर्ड मैथिली लेखनकेँ आधुनिक उपकरण दैत अछि

(D) डिजिटल युगमे कविता, कथा, ब्लॉग आ नाटकक नब मैथिली लेखन उभरि रहल अछि

९१६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल ‘ऑनलाइन पाठ’ ककर संकेत करैत अछि?

(A) कम्प्यूटर फॉन्ट आ कीबोर्ड मैथिली लेखनकेँ आधुनिक उपकरण दैत अछि

(B) ऑनलाइन पाठ मैथिली सीखबाक नब अवसर खोलैत अछि

(C) डिजिटल युगमे कविता, कथा, ब्लॉग आ नाटकक नब मैथिली लेखन उभरि रहल अछि

(D) ग्राम्य गीत, कथा, कहावत आ उच्चारणक डिजिटल अभिलेखन भविष्यक शोध लेल जरूरी अछि

९१७. ‘ऑनलाइन पाठ’ पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) ऑनलाइन पाठ मैथिली सीखबाक नब अवसर खोलैत अछि

(B) मोबाइल पर मैथिली लिखब नव पीढ़ीक व्यवहारिक भाषा-प्रयोग बढ़बैत अछि

(C) विश्वभरि बसल मैथिल समुदाय डिजिटल माध्यमसँ मैथिलीकेँ जोड़े राखि सकैत अछि

(D) बाल-स्तर पर मैथिली सामग्री भविष्यक भाषा-संरक्षण लेल अत्यन्त आवश्यक अछि

९१८. मैथिली भाषाक कालक्रममे ‘ऑनलाइन पाठ’ केँ कोना समझल जाय?

(A) कम्प्यूटर फॉन्ट आ कीबोर्ड मैथिली लेखनकेँ आधुनिक उपकरण दैत अछि

(B) ऑनलाइन पाठ मैथिली सीखबाक नब अवसर खोलैत अछि

(C) डिजिटल युगमे कविता, कथा, ब्लॉग आ नाटकक नब मैथिली लेखन उभरि रहल अछि

(D) ग्राम्य गीत, कथा, कहावत आ उच्चारणक डिजिटल अभिलेखन भविष्यक शोध लेल जरूरी अछि

९१९. निम्नमे सँ ‘ऑनलाइन पाठ’क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) ई-पत्रिका मैथिली लेखनकेँ विश्वव्यापी पाठक धरि पहुँचाबयवला आधुनिक माध्यम अछि

(B) ऑनलाइन पाठ मैथिली सीखबाक नब अवसर खोलैत अछि

(C) ऑडियो-दृश्य सामग्री मैथिली उच्चारण, गीत, कथा आ पाठकेँ अधिक प्रभावी बनबैत अछि

(D) सामुदायिक अभियान भाषाक प्रयोग, शिक्षण आ गौरवक वातावरण बनबैत अछि

९२०. विद्यार्थी जँ ‘ऑनलाइन पाठ’ लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) सामुदायिक अभियान भाषाक प्रयोग, शिक्षण आ गौरवक वातावरण बनबैत अछि

(B) ऑनलाइन पाठ मैथिली सीखबाक नब अवसर खोलैत अछि

(C) ई-पत्रिका मैथिली लेखनकेँ विश्वव्यापी पाठक धरि पहुँचाबयवला आधुनिक माध्यम अछि

(D) ऑडियो-दृश्य सामग्री मैथिली उच्चारण, गीत, कथा आ पाठकेँ अधिक प्रभावी बनबैत अछि

९२१. 'कम्प्यूटर फॉन्ट' सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) ऑडियो-दृश्य सामग्री मैथिली उच्चारण, गीत, कथा आ पाठकेँ अधिक प्रभावी बनबैत अछि

(B) ई-पत्रिका मैथिली लेखनकेँ विश्वव्यापी पाठक धरि पहुँचाबयवला आधुनिक माध्यम अछि

(C) कम्प्यूटर फॉन्ट आ कीबोर्ड मैथिली लेखनकेँ आधुनिक उपकरण दैत अछि

(D) सामुदायिक अभियान भाषाक प्रयोग, शिक्षण आ गौरवक वातावरण बनबैत अछि

९२२. जँ प्रश्न हो—'कम्प्यूटर फॉन्ट'क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) ई-पत्रिका मैथिली लेखनकेँ विश्वव्यापी पाठक धरि पहुँचाबयवला आधुनिक माध्यम अछि

(B) ऑडियो-दृश्य सामग्री मैथिली उच्चारण, गीत, कथा आ पाठकेँ अधिक प्रभावी बनबैत अछि

(C) कम्प्यूटर फॉन्ट आ कीबोर्ड मैथिली लेखनकेँ आधुनिक उपकरण दैत अछि

(D) सामुदायिक अभियान भाषाक प्रयोग, शिक्षण आ गौरवक वातावरण बनबैत अछि

९२३. 'कम्प्यूटर फॉन्ट'क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) बाल-स्तर पर मैथिली सामग्री भविष्यक भाषा-संरक्षण लेल अत्यन्त आवश्यक अछि

(B) विश्वभरि बसल मैथिल समुदाय डिजिटल माध्यमसँ मैथिलीकेँ जोड़े राखि सकैत अछि

(C) कम्प्यूटर फॉन्ट आ कीबोर्ड मैथिली लेखनकेँ आधुनिक उपकरण दैत अछि

(D) मोबाइल पर मैथिली लिखब नव पीढ़ीक व्यवहारिक भाषा-प्रयोग बढ़बैत अछि

९२४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे 'कम्प्यूटर फॉन्ट'क महत्त्व की अछि?

(A) कम्प्यूटर फॉन्ट आ कीबोर्ड मैथिली लेखनकेँ आधुनिक उपकरण दैत अछि

(B) मोबाइल पर मैथिली लिखब नव पीढ़ीक व्यवहारिक भाषा-प्रयोग बढ़बैत अछि

(C) विश्वभरि बसल मैथिल समुदाय डिजिटल माध्यमसँ मैथिलीकेँ जोड़े राखि सकैत अछि

(D) बाल-स्तर पर मैथिली सामग्री भविष्यक भाषा-संरक्षण लेल अत्यन्त आवश्यक अछि

९२५. 'कम्प्यूटर फॉन्ट' केँ मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) सामुदायिक अभियान भाषाक प्रयोग, शिक्षण आ गौरवक वातावरण बनबैत अछि

(B) कम्प्यूटर फॉन्ट आ कीबोर्ड मैथिली लेखनकेँ आधुनिक उपकरण दैत अछि

(C) ई-पत्रिका मैथिली लेखनकेँ विश्वव्यापी पाठक धरि पहुँचाबयवला आधुनिक माध्यम अछि

(D) ऑडियो-दृश्य सामग्री मैथिली उच्चारण, गीत, कथा आ पाठकेँ अधिक प्रभावी बनबैत अछि

९२६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल 'कम्प्यूटर फॉन्ट' ककर संकेत करैत अछि?

(A) ग्राम्य गीत, कथा, कहावत आ उच्चारणक डिजिटल अभिलेखन भविष्यक शोध लेल जरूरी अछि

(B) डिजिटल युगमे कविता, कथा, ब्लॉग आ नाटकक नब मैथिली लेखन उभरि रहल अछि

(C) ऑनलाइन पाठ मैथिली सीखबाक नब अवसर खोलैत अछि

(D) कम्प्यूटर फॉन्ट आ कीबोर्ड मैथिली लेखनकेँ आधुनिक उपकरण दैत अछि

९२७. 'कम्प्यूटर फॉन्ट' पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) ऑनलाइन पाठ मैथिली सीखबाक नब अवसर खोलैत अछि

(B) कम्प्यूटर फॉन्ट आ कीबोर्ड मैथिली लेखनकेँ आधुनिक उपकरण दैत अछि

(C) ग्राम्य गीत, कथा, कहावत आ उच्चारणक डिजिटल अभिलेखन भविष्यक शोध लेल जरूरी अछि

(D) डिजिटल युगमे कविता, कथा, ब्लॉग आ नाटकक नब मैथिली लेखन उभरि रहल अछि

९२८. मैथिली भाषाक कालक्रममे 'कम्प्यूटर फॉन्ट' केँ कोना समझल जाय?

(A) बाल-स्तर पर मैथिली सामग्री भविष्यक भाषा-संरक्षण लेल अत्यन्त आवश्यक अछि

(B) मोबाइल पर मैथिली लिखब नव पीढ़ीक व्यवहारिक भाषा-प्रयोग बढ़बैत अछि

(C) विश्वभरि बसल मैथिल समुदाय डिजिटल माध्यमसँ मैथिलीकेँ जोड़े राखि सकैत अछि

(D) कम्प्यूटर फॉन्ट आ कीबोर्ड मैथिली लेखनकेँ आधुनिक उपकरण दैत अछि

९२९. निम्नमे सँ 'कम्प्यूटर फॉन्ट'क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) सामुदायिक अभियान भाषाक प्रयोग, शिक्षण आ गौरवक वातावरण बनबैत अछि

(B) कम्प्यूटर फॉन्ट आ कीबोर्ड मैथिली लेखनकेँ आधुनिक उपकरण दैत अछि

(C) ई-पत्रिका मैथिली लेखनकेँ विश्वव्यापी पाठक धरि पहुँचाबयवला आधुनिक माध्यम अछि

(D) ऑडियो-दृश्य सामग्री मैथिली उच्चारण, गीत, कथा आ पाठकेँ अधिक प्रभावी बनबैत अछि

९३०. विद्यार्थी जँ 'कम्प्यूटर फॉन्ट' लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) मोबाइल पर मैथिली लिखब नव पीढ़ीक व्यवहारिक भाषा-प्रयोग बढ़बैत अछि

(B) बाल-स्तर पर मैथिली सामग्री भविष्यक भाषा-संरक्षण लेल अत्यन्त आवश्यक अछि

(C) विश्वभरि बसल मैथिल समुदाय डिजिटल माध्यमसँ मैथिलीकेँ जोड़े राखि सकैत अछि

(D) कम्प्यूटर फॉन्ट आ कीबोर्ड मैथिली लेखनकेँ आधुनिक उपकरण दैत अछि

९३१. 'मोबाइल लेखन' सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) मोबाइल पर मैथिली लिखब नव पीढ़ीक व्यवहारिक भाषा-प्रयोग बढ़बैत अछि

(B) ऑनलाइन पाठ मैथिली सीखबाक नब अवसर खोलैत अछि

(C) डिजिटल युगमे कविता, कथा, ब्लॉग आ नाटकक नब मैथिली लेखन उभरि रहल अछि

(D) ग्राम्य गीत, कथा, कहावत आ उच्चारणक डिजिटल अभिलेखन भविष्यक शोध लेल जरूरी अछि

९३२. जँ प्रश्न हो—'मोबाइल लेखन'क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) कम्प्यूटर फॉन्ट आ कीबोर्ड मैथिली लेखनकेँ आधुनिक उपकरण दैत अछि

(B) मोबाइल पर मैथिली लिखब नव पीढ़ीक व्यवहारिक भाषा-प्रयोग बढ़बैत अछि

(C) बाल-स्तर पर मैथिली सामग्री भविष्यक भाषा-संरक्षण लेल अत्यन्त आवश्यक अछि

(D) विश्वभरि बसल मैथिल समुदाय डिजिटल माध्यमसँ मैथिलीकेँ जोड़े राखि सकैत अछि

९३३. 'मोबाइल लेखन'क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) ई-पत्रिका मैथिली लेखनकेँ विश्वव्यापी पाठक धरि पहुँचाबयवला आधुनिक माध्यम अछि

(B) ऑडियो-दृश्य सामग्री मैथिली उच्चारण, गीत, कथा आ पाठकेँ अधिक प्रभावी बनबैत अछि

(C) सामुदायिक अभियान भाषाक प्रयोग, शिक्षण आ गौरवक वातावरण बनबैत अछि

(D) मोबाइल पर मैथिली लिखब नव पीढ़ीक व्यवहारिक भाषा-प्रयोग बढ़बैत अछि

९३४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे 'मोबाइल लेखन'क महत्त्व की अछि?

(A) ई-पत्रिका मैथिली लेखनकेँ विश्वव्यापी पाठक धरि पहुँचाबयवला आधुनिक माध्यम अछि

(B) ऑडियो-दृश्य सामग्री मैथिली उच्चारण, गीत, कथा आ पाठकेँ अधिक प्रभावी बनबैत अछि

(C) मोबाइल पर मैथिली लिखब नव पीढ़ीक व्यवहारिक भाषा-प्रयोग बढ़बैत अछि

(D) सामुदायिक अभियान भाषाक प्रयोग, शिक्षण आ गौरवक वातावरण बनबैत अछि

९३५. 'मोबाइल लेखन' केँ मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) डिजिटल युगमे कविता, कथा, ब्लॉग आ नाटकक नब मैथिली लेखन उभरि रहल अछि

(B) मोबाइल पर मैथिली लिखब नव पीढ़ीक व्यवहारिक भाषा-प्रयोग बढ़बैत अछि

(C) ऑनलाइन पाठ मैथिली सीखबाक नब अवसर खोलैत अछि

(D) ग्राम्य गीत, कथा, कहावत आ उच्चारणक डिजिटल अभिलेखन भविष्यक शोध लेल जरूरी अछि

९३६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल 'मोबाइल लेखन' ककर संकेत करैत अछि?

(A) ग्राम्य गीत, कथा, कहावत आ उच्चारणक डिजिटल अभिलेखन भविष्यक शोध लेल जरूरी अछि

(B) डिजिटल युगमे कविता, कथा, ब्लॉग आ नाटकक नब मैथिली लेखन उभरि रहल अछि

(C) ऑनलाइन पाठ मैथिली सीखबाक नब अवसर खोलैत अछि

(D) मोबाइल पर मैथिली लिखब नव पीढ़ीक व्यवहारिक भाषा-प्रयोग बढ़बैत अछि

९३७. ‘मोबाइल लेखन’ पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) बाल-स्तर पर मैथिली सामग्री भविष्यक भाषा-संरक्षण लेल अत्यन्त आवश्यक अछि

(B) कम्प्यूटर फॉन्ट आ कीबोर्ड मैथिली लेखनकेँ आधुनिक उपकरण दैत अछि

(C) मोबाइल पर मैथिली लिखब नव पीढ़ीक व्यवहारिक भाषा-प्रयोग बढ़बैत अछि

(D) विश्वभरि बसल मैथिल समुदाय डिजिटल माध्यमसँ मैथिलीकेँ जोड़े राखि सकैत अछि

९३८. मैथिली भाषाक कालक्रममे ‘मोबाइल लेखन’ केँ कोना समझल जाय?

(A) बाल-स्तर पर मैथिली सामग्री भविष्यक भाषा-संरक्षण लेल अत्यन्त आवश्यक अछि

(B) कम्प्यूटर फॉन्ट आ कीबोर्ड मैथिली लेखनकेँ आधुनिक उपकरण दैत अछि

(C) मोबाइल पर मैथिली लिखब नव पीढ़ीक व्यवहारिक भाषा-प्रयोग बढ़बैत अछि

(D) विश्वभरि बसल मैथिल समुदाय डिजिटल माध्यमसँ मैथिलीकेँ जोड़े राखि सकैत अछि

९३९. निम्नमे सँ ‘मोबाइल लेखन’क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) डिजिटल युगमे कविता, कथा, ब्लॉग आ नाटकक नब मैथिली लेखन उभरि रहल अछि

(B) ऑनलाइन पाठ मैथिली सीखबाक नब अवसर खोलैत अछि

(C) मोबाइल पर मैथिली लिखब नव पीढ़ीक व्यवहारिक भाषा-प्रयोग बढ़बैत अछि

(D) ग्राम्य गीत, कथा, कहावत आ उच्चारणक डिजिटल अभिलेखन भविष्यक शोध लेल जरूरी अछि

९४०. विद्यार्थी जँ ‘मोबाइल लेखन’ लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) मोबाइल पर मैथिली लिखब नव पीढ़ीक व्यवहारिक भाषा-प्रयोग बढ़बैत अछि

(B) विश्वभरि बसल मैथिल समुदाय डिजिटल माध्यमसँ मैथिलीकेँ जोड़े राखि सकैत अछि

(C) कम्प्यूटर फॉन्ट आ कीबोर्ड मैथिली लेखनकेँ आधुनिक उपकरण दैत अछि

(D) बाल-स्तर पर मैथिली सामग्री भविष्यक भाषा-संरक्षण लेल अत्यन्त आवश्यक अछि

९४१. ‘ऑडियो-दृश्य’ सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) विश्वभरि बसल मैथिल समुदाय डिजिटल माध्यमसँ मैथिलीकेँ जोड़े राखि सकैत अछि

(B) बाल-स्तर पर मैथिली सामग्री भविष्यक भाषा-संरक्षण लेल अत्यन्त आवश्यक अछि

(C) ऑडियो-दृश्य सामग्री मैथिली उच्चारण, गीत, कथा आ पाठकेँ अधिक प्रभावी बनबैत अछि

(D) कम्प्यूटर फॉन्ट आ कीबोर्ड मैथिली लेखनकेँ आधुनिक उपकरण दैत अछि

९४२. जँ प्रश्न हो—‘ऑडियो-दृश्य’क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) सामुदायिक अभियान भाषाक प्रयोग, शिक्षण आ गौरवक वातावरण बनबैत अछि

(B) ऑडियो-दृश्य सामग्री मैथिली उच्चारण, गीत, कथा आ पाठकेँ अधिक प्रभावी बनबैत अछि

(C) ई-पत्रिका मैथिली लेखनकेँ विश्वव्यापी पाठक धरि पहुँचाबयवला आधुनिक माध्यम अछि

(D) मोबाइल पर मैथिली लिखब नव पीढ़ीक व्यवहारिक भाषा-प्रयोग बढ़बैत अछि

९४३. ‘ऑडियो-दृश्य’क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) कम्प्यूटर फॉन्ट आ कीबोर्ड मैथिली लेखनकेँ आधुनिक उपकरण दैत अछि

(B) ऑडियो-दृश्य सामग्री मैथिली उच्चारण, गीत, कथा आ पाठकेँ अधिक प्रभावी बनबैत अछि

(C) विश्वभरि बसल मैथिल समुदाय डिजिटल माध्यमसँ मैथिलीकेँ जोड़े राखि सकैत अछि

(D) बाल-स्तर पर मैथिली सामग्री भविष्यक भाषा-संरक्षण लेल अत्यन्त आवश्यक अछि

९४४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे ‘ऑडियो-दृश्य’क महत्त्व की अछि?

(A) विश्वभरि बसल मैथिल समुदाय डिजिटल माध्यमसँ मैथिलीकेँ जोड़े राखि सकैत अछि

(B) कम्प्यूटर फॉन्ट आ कीबोर्ड मैथिली लेखनकेँ आधुनिक उपकरण दैत अछि

(C) ऑडियो-दृश्य सामग्री मैथिली उच्चारण, गीत, कथा आ पाठकेँ अधिक प्रभावी बनबैत अछि

(D) बाल-स्तर पर मैथिली सामग्री भविष्यक भाषा-संरक्षण लेल अत्यन्त आवश्यक अछि

९४५. ‘ऑडियो-दृश्य’ कैं मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) बाल-स्तर पर मैथिली सामग्री भविष्यक भाषा-संरक्षण लेल अत्यन्त आवश्यक अछि

(B) ऑडियो-दृश्य सामग्री मैथिली उच्चारण, गीत, कथा आ पाठकेँ अधिक प्रभावी बनबैत अछि

(C) विश्वभरि बसल मैथिल समुदाय डिजिटल माध्यमसँ मैथिलीकेँ जोड़े राखि सकैत अछि

(D) कम्प्यूटर फॉन्ट आ कीबोर्ड मैथिली लेखनकेँ आधुनिक उपकरण दैत अछि

९४६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल ‘ऑडियो-दृश्य’ ककर संकेत करैत अछि?

(A) विश्वभरि बसल मैथिल समुदाय डिजिटल माध्यमसँ मैथिलीकेँ जोड़े राखि सकैत अछि

(B) कम्प्यूटर फॉन्ट आ कीबोर्ड मैथिली लेखनकेँ आधुनिक उपकरण दैत अछि

(C) बाल-स्तर पर मैथिली सामग्री भविष्यक भाषा-संरक्षण लेल अत्यन्त आवश्यक अछि

(D) ऑडियो-दृश्य सामग्री मैथिली उच्चारण, गीत, कथा आ पाठकेँ अधिक प्रभावी बनबैत अछि

९४७. ‘ऑडियो-दृश्य’ पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) मोबाइल पर मैथिली लिखब नव पीढ़ीक व्यवहारिक भाषा-प्रयोग बढ़बैत अछि

(B) सामुदायिक अभियान भाषाक प्रयोग, शिक्षण आ गौरवक वातावरण बनबैत अछि

(C) ऑडियो-दृश्य सामग्री मैथिली उच्चारण, गीत, कथा आ पाठकेँ अधिक प्रभावी बनबैत अछि

(D) ई-पत्रिका मैथिली लेखनकेँ विश्वव्यापी पाठक धरि पहुँचाबयवला आधुनिक माध्यम अछि

९४८. मैथिली भाषाक कालक्रममे ‘ऑडियो-दृश्य’ कैं कोना समझल जाय?

(A) ऑडियो-दृश्य सामग्री मैथिली उच्चारण, गीत, कथा आ पाठकेँ अधिक प्रभावी बनबैत अछि

(B) सामुदायिक अभियान भाषाक प्रयोग, शिक्षण आ गौरवक वातावरण बनबैत अछि

(C) ई-पत्रिका मैथिली लेखनकेँ विश्वव्यापी पाठक धरि पहुँचाबयवला आधुनिक माध्यम अछि

(D) मोबाइल पर मैथिली लिखब नव पीढ़ीक व्यवहारिक भाषा-प्रयोग बढ़बैत अछि

९४९. निम्नमे सँ ‘ऑडियो-दृश्य’क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) ऑडियो-दृश्य सामग्री मैथिली उच्चारण, गीत, कथा आ पाठकेँ अधिक प्रभावी बनबैत अछि

(B) डिजिटल युगमे कविता, कथा, ब्लॉग आ नाटकक नब मैथिली लेखन उभरि रहल अछि

(C) ग्राम्य गीत, कथा, कहावत आ उच्चारणक डिजिटल अभिलेखन भविष्यक शोध लेल जरूरी अछि

(D) ऑनलाइन पाठ मैथिली सीखबाक नब अवसर खोलैत अछि

९५०. विद्यार्थी जँ ‘ऑडियो-दृश्य’ लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) कम्प्यूटर फॉन्ट आ कीबोर्ड मैथिली लेखनकेँ आधुनिक उपकरण दैत अछि

(B) ऑडियो-दृश्य सामग्री मैथिली उच्चारण, गीत, कथा आ पाठकेँ अधिक प्रभावी बनबैत अछि

(C) बाल-स्तर पर मैथिली सामग्री भविष्यक भाषा-संरक्षण लेल अत्यन्त आवश्यक अछि

(D) विश्वभरि बसल मैथिल समुदाय डिजिटल माध्यमसँ मैथिलीकेँ जोड़े राखि सकैत अछि

९५१. ‘नवलेखन’ सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) सामुदायिक अभियान भाषाक प्रयोग, शिक्षण आ गौरवक वातावरण बनबैत अछि

(B) ई-पत्रिका मैथिली लेखनकेँ विश्वव्यापी पाठक धरि पहुँचाबयवला आधुनिक माध्यम अछि

(C) डिजिटल युगमे कविता, कथा, ब्लॉग आ नाटकक नब मैथिली लेखन उभरि रहल अछि

(D) मोबाइल पर मैथिली लिखब नव पीढ़ीक व्यवहारिक भाषा-प्रयोग बढ़बैत अछि

९५२. जँ प्रश्न हो—‘नवलेखन’क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) बाल-स्तर पर मैथिली सामग्री भविष्यक भाषा-संरक्षण लेल अत्यन्त आवश्यक अछि

(B) कम्प्यूटर फॉन्ट आ कीबोर्ड मैथिली लेखनकेँ आधुनिक उपकरण दैत अछि

(C) डिजिटल युगमे कविता, कथा, ब्लॉग आ नाटकक नब मैथिली लेखन उभरि रहल अछि

(D) विश्वभरि बसल मैथिल समुदाय डिजिटल माध्यमसँ मैथिलीकेँ जोड़े राखि सकैत अछि

९५३. ‘नवलेखन’क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) डिजिटल युगमे कविता, कथा, ब्लॉग आ नाटकक नब मैथिली लेखन उभरि रहल अछि

(B) विश्वभरि बसल मैथिल समुदाय डिजिटल माध्यमसँ मैथिलीकेँ जोड़े राखि सकैत अछि

(C) कम्प्यूटर फॉन्ट आ कीबोर्ड मैथिली लेखनकेँ आधुनिक उपकरण दैत अछि

(D) बाल-स्तर पर मैथिली सामग्री भविष्यक भाषा-संरक्षण लेल अत्यन्त आवश्यक अछि

९५४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे ‘नवलेखन’क महत्त्व की अछि?

(A) ऑडियो-दृश्य सामग्री मैथिली उच्चारण, गीत, कथा आ पाठकेँ अधिक प्रभावी बनबैत अछि

(B) डिजिटल युगमे कविता, कथा, ब्लॉग आ नाटकक नब मैथिली लेखन उभरि रहल अछि

(C) ऑनलाइन पाठ मैथिली सीखबाक नब अवसर खोलैत अछि

(D) ग्राम्य गीत, कथा, कहावत आ उच्चारणक डिजिटल अभिलेखन भविष्यक शोध लेल जरूरी अछि

९५५. ‘नवलेखन’ केँ मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) ऑडियो-दृश्य सामग्री मैथिली उच्चारण, गीत, कथा आ पाठकेँ अधिक प्रभावी बनबैत अछि

(B) ग्राम्य गीत, कथा, कहावत आ उच्चारणक डिजिटल अभिलेखन भविष्यक शोध लेल जरूरी अछि

(C) ऑनलाइन पाठ मैथिली सीखबाक नब अवसर खोलैत अछि

(D) डिजिटल युगमे कविता, कथा, ब्लॉग आ नाटकक नब मैथिली लेखन उभरि रहल अछि

९५६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल ‘नवलेखन’ ककर संकेत करैत अछि?

(A) बाल-स्तर पर मैथिली सामग्री भविष्यक भाषा-संरक्षण लेल अत्यन्त आवश्यक अछि

(B) कम्प्यूटर फॉन्ट आ कीबोर्ड मैथिली लेखनकेँ आधुनिक उपकरण दैत अछि

(C) विश्वभरि बसल मैथिल समुदाय डिजिटल माध्यमसँ मैथिलीकेँ जोड़े राखि सकैत अछि

(D) डिजिटल युगमे कविता, कथा, ब्लॉग आ नाटकक नब मैथिली लेखन उभरि रहल अछि

९५७. ‘नवलेखन’ पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) विश्वभरि बसल मैथिल समुदाय डिजिटल माध्यमसँ मैथिलीकेँ जोड़े राखि सकैत अछि

(B) डिजिटल युगमे कविता, कथा, ब्लॉग आ नाटकक नब मैथिली लेखन उभरि रहल अछि

(C) बाल-स्तर पर मैथिली सामग्री भविष्यक भाषा-संरक्षण लेल अत्यन्त आवश्यक अछि

(D) कम्प्यूटर फॉन्ट आ कीबोर्ड मैथिली लेखनकेँ आधुनिक उपकरण दैत अछि

९५८. मैथिली भाषाक कालक्रममे ‘नवलेखन’ केँ कोना समझल जाय?

(A) ग्राम्य गीत, कथा, कहावत आ उच्चारणक डिजिटल अभिलेखन भविष्यक शोध लेल जरूरी अछि

(B) ऑडियो-दृश्य सामग्री मैथिली उच्चारण, गीत, कथा आ पाठकेँ अधिक प्रभावी बनबैत अछि

(C) डिजिटल युगमे कविता, कथा, ब्लॉग आ नाटकक नब मैथिली लेखन उभरि रहल अछि

(D) ऑनलाइन पाठ मैथिली सीखबाक नब अवसर खोलैत अछि

९५९. निम्नमे सँ ‘नवलेखन’क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) कम्प्यूटर फॉन्ट आ कीबोर्ड मैथिली लेखनकेँ आधुनिक उपकरण दैत अछि

(B) डिजिटल युगमे कविता, कथा, ब्लॉग आ नाटकक नब मैथिली लेखन उभरि रहल अछि

(C) बाल-स्तर पर मैथिली सामग्री भविष्यक भाषा-संरक्षण लेल अत्यन्त आवश्यक अछि

(D) विश्वभरि बसल मैथिल समुदाय डिजिटल माध्यमसँ मैथिलीकेँ जोड़े राखि सकैत अछि

९६०. विद्यार्थी जँ ‘नवलेखन’ लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) ऑडियो-दृश्य सामग्री मैथिली उच्चारण, गीत, कथा आ पाठकेँ अधिक प्रभावी बनबैत अछि

(B) डिजिटल युगमे कविता, कथा, ब्लॉग आ नाटकक नब मैथिली लेखन उभरि रहल अछि

(C) ऑनलाइन पाठ मैथिली सीखबाक नब अवसर खोलैत अछि

(D) ग्राम्य गीत, कथा, कहावत आ उच्चारणक डिजिटल अभिलेखन भविष्यक शोध लेल जरूरी अछि

९६१. ‘बाल-शिक्षा’ सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) विश्वभरि बसल मैथिल समुदाय डिजिटल माध्यमसँ मैथिलीकेँ जोड़े राखि सकैत अछि

(B) बाल-स्तर पर मैथिली सामग्री भविष्यक भाषा-संरक्षण लेल अत्यन्त आवश्यक अछि

(C) कम्प्यूटर फॉन्ट आ कीबोर्ड मैथिली लेखनकेँ आधुनिक उपकरण दैत अछि

(D) डिजिटल युगमे कविता, कथा, ब्लॉग आ नाटकक नब मैथिली लेखन उभरि रहल अछि

९६२. जँ प्रश्न हो—‘बाल-शिक्षा’क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) बाल-स्तर पर मैथिली सामग्री भविष्यक भाषा-संरक्षण लेल अत्यन्त आवश्यक अछि

(B) ऑडियो-दृश्य सामग्री मैथिली उच्चारण, गीत, कथा आ पाठकेँ अधिक प्रभावी बनबैत अछि

(C) ऑनलाइन पाठ मैथिली सीखबाक नब अवसर खोलैत अछि

(D) ग्राम्य गीत, कथा, कहावत आ उच्चारणक डिजिटल अभिलेखन भविष्यक शोध लेल जरूरी अछि

९६३. ‘बाल-शिक्षा’क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) ई-पत्रिका मैथिली लेखनकेँ विश्वव्यापी पाठक धरि पहुँचाबयवला आधुनिक माध्यम अछि

(B) बाल-स्तर पर मैथिली सामग्री भविष्यक भाषा-संरक्षण लेल अत्यन्त आवश्यक अछि

(C) मोबाइल पर मैथिली लिखब नव पीढ़ीक व्यवहारिक भाषा-प्रयोग बढ़बैत अछि

(D) सामुदायिक अभियान भाषाक प्रयोग, शिक्षण आ गौरवक वातावरण बनबैत अछि

९६४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे ‘बाल-शिक्षा’क महत्त्व की अछि?

(A) कम्प्यूटर फॉन्ट आ कीबोर्ड मैथिली लेखनकेँ आधुनिक उपकरण दैत अछि

(B) विश्वभरि बसल मैथिल समुदाय डिजिटल माध्यमसँ मैथिलीकेँ जोड़े राखि सकैत अछि

(C) बाल-स्तर पर मैथिली सामग्री भविष्यक भाषा-संरक्षण लेल अत्यन्त आवश्यक अछि

(D) डिजिटल युगमे कविता, कथा, ब्लॉग आ नाटकक नब मैथिली लेखन उभरि रहल अछि

९६५. ‘बाल-शिक्षा’ केँ मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) कम्प्यूटर फॉन्ट आ कीबोर्ड मैथिली लेखनकेँ आधुनिक उपकरण दैत अछि

(B) विश्वभरि बसल मैथिल समुदाय डिजिटल माध्यमसँ मैथिलीकेँ जोड़े राखि सकैत अछि

(C) बाल-स्तर पर मैथिली सामग्री भविष्यक भाषा-संरक्षण लेल अत्यन्त आवश्यक अछि

(D) डिजिटल युगमे कविता, कथा, ब्लॉग आ नाटकक नब मैथिली लेखन उभरि रहल अछि

९६६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल ‘बाल-शिक्षा’ ककर संकेत करैत अछि?

(A) बाल-स्तर पर मैथिली सामग्री भविष्यक भाषा-संरक्षण लेल अत्यन्त आवश्यक अछि

(B) कम्प्यूटर फॉन्ट आ कीबोर्ड मैथिली लेखनकेँ आधुनिक उपकरण दैत अछि

(C) विश्वभरि बसल मैथिल समुदाय डिजिटल माध्यमसँ मैथिलीकेँ जोड़े राखि सकैत अछि

(D) डिजिटल युगमे कविता, कथा, ब्लॉग आ नाटकक नब मैथिली लेखन उभरि रहल अछि

९६७. ‘बाल-शिक्षा’ पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) ऑनलाइन पाठ मैथिली सीखबाक नब अवसर खोलैत अछि

(B) बाल-स्तर पर मैथिली सामग्री भविष्यक भाषा-संरक्षण लेल अत्यन्त आवश्यक अछि

(C) ऑडियो-दृश्य सामग्री मैथिली उच्चारण, गीत, कथा आ पाठकेँ अधिक प्रभावी बनबैत अछि

(D) ग्राम्य गीत, कथा, कहावत आ उच्चारणक डिजिटल अभिलेखन भविष्यक शोध लेल जरूरी अछि

९६८. मैथिली भाषाक कालक्रममे ‘बाल-शिक्षा’ केँ कोना समझल जाय?

(A) ग्राम्य गीत, कथा, कहावत आ उच्चारणक डिजिटल अभिलेखन भविष्यक शोध लेल जरूरी अछि

(B) ऑनलाइन पाठ मैथिली सीखबाक नब अवसर खोलैत अछि

(C) ऑडियो-दृश्य सामग्री मैथिली उच्चारण, गीत, कथा आ पाठकेँ अधिक प्रभावी बनबैत अछि

(D) बाल-स्तर पर मैथिली सामग्री भविष्यक भाषा-संरक्षण लेल अत्यन्त आवश्यक अछि

९६९. निम्नमे सँ 'बाल-शिक्षा'क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) कम्प्यूटर फॉन्ट आ कीबोर्ड मैथिली लेखनकेँ आधुनिक उपकरण दैत अछि

(B) बाल-स्तर पर मैथिली सामग्री भविष्यक भाषा-संरक्षण लेल अत्यन्त आवश्यक अछि

(C) डिजिटल युगमे कविता, कथा, ब्लॉग आ नाटकक नब मैथिली लेखन उभरि रहल अछि

(D) विश्वभरि बसल मैथिल समुदाय डिजिटल माध्यमसँ मैथिलीकेँ जोड़े राखि सकैत अछि

९७०. विद्यार्थी जँ 'बाल-शिक्षा' लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) विश्वभरि बसल मैथिल समुदाय डिजिटल माध्यमसँ मैथिलीकेँ जोड़े राखि सकैत अछि

(B) बाल-स्तर पर मैथिली सामग्री भविष्यक भाषा-संरक्षण लेल अत्यन्त आवश्यक अछि

(C) डिजिटल युगमे कविता, कथा, ब्लॉग आ नाटकक नब मैथिली लेखन उभरि रहल अछि

(D) कम्प्यूटर फॉन्ट आ कीबोर्ड मैथिली लेखनकेँ आधुनिक उपकरण दैत अछि

९७१. 'सामुदायिक अभियान' सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) विश्वभरि बसल मैथिल समुदाय डिजिटल माध्यमसँ मैथिलीकेँ जोड़े राखि सकैत अछि

(B) सामुदायिक अभियान भाषाक प्रयोग, शिक्षण आ गौरवक वातावरण बनबैत अछि

(C) कम्प्यूटर फॉन्ट आ कीबोर्ड मैथिली लेखनकेँ आधुनिक उपकरण दैत अछि

(D) डिजिटल युगमे कविता, कथा, ब्लॉग आ नाटकक नब मैथिली लेखन उभरि रहल अछि

९७२. जँ प्रश्न हो—'सामुदायिक अभियान'क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) बाल-स्तर पर मैथिली सामग्री भविष्यक भाषा-संरक्षण लेल अत्यन्त आवश्यक अछि

(B) ई-पत्रिका मैथिली लेखनकेँ विश्वव्यापी पाठक धरि पहुँचाबयवला आधुनिक माध्यम अछि

(C) मोबाइल पर मैथिली लिखब नव पीढ़ीक व्यवहारिक भाषा-प्रयोग बढ़बैत अछि

(D) सामुदायिक अभियान भाषाक प्रयोग, शिक्षण आ गौरवक वातावरण बनबैत अछि

९७३. 'सामुदायिक अभियान'क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) ई-पत्रिका मैथिली लेखनकेँ विश्वव्यापी पाठक धरि पहुँचाबयवला आधुनिक माध्यम अछि

(B) मोबाइल पर मैथिली लिखब नव पीढ़ीक व्यवहारिक भाषा-प्रयोग बढ़बैत अछि

(C) बाल-स्तर पर मैथिली सामग्री भविष्यक भाषा-संरक्षण लेल अत्यन्त आवश्यक अछि

(D) सामुदायिक अभियान भाषाक प्रयोग, शिक्षण आ गौरवक वातावरण बनबैत अछि

९७४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे 'सामुदायिक अभियान'क महत्त्व की अछि?

(A) डिजिटल युगमे कविता, कथा, ब्लॉग आ नाटकक नब मैथिली लेखन उभरि रहल अछि

(B) कम्प्यूटर फॉन्ट आ कीबोर्ड मैथिली लेखनकेँ आधुनिक उपकरण दैत अछि

(C) विश्वभरि बसल मैथिल समुदाय डिजिटल माध्यमसँ मैथिलीकेँ जोड़े राखि सकैत अछि

(D) सामुदायिक अभियान भाषाक प्रयोग, शिक्षण आ गौरवक वातावरण बनबैत अछि

९७५. 'सामुदायिक अभियान' केँ मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) डिजिटल युगमे कविता, कथा, ब्लॉग आ नाटकक नब मैथिली लेखन उभरि रहल अछि

(B) विश्वभरि बसल मैथिल समुदाय डिजिटल माध्यमसँ मैथिलीकेँ जोड़े राखि सकैत अछि

(C) कम्प्यूटर फॉन्ट आ कीबोर्ड मैथिली लेखनकेँ आधुनिक उपकरण दैत अछि

(D) सामुदायिक अभियान भाषाक प्रयोग, शिक्षण आ गौरवक वातावरण बनबैत अछि

९७६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल 'सामुदायिक अभियान' ककर संकेत करैत अछि?

(A) सामुदायिक अभियान भाषाक प्रयोग, शिक्षण आ गौरवक वातावरण बनबैत अछि

(B) बाल-स्तर पर मैथिली सामग्री भविष्यक भाषा-संरक्षण लेल अत्यन्त आवश्यक अछि

(C) मोबाइल पर मैथिली लिखब नव पीढ़ीक व्यवहारिक भाषा-प्रयोग बढ़बैत अछि

(D) ई-पत्रिका मैथिली लेखनकेँ विश्वव्यापी पाठक धरि पहुँचाबयवला आधुनिक माध्यम अछि

९७७. ‘सामुदायिक अभियान’ पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) डिजिटल युगमे कविता, कथा, ब्लॉग आ नाटकक नब मैथिली लेखन उभरि रहल अछि

(B) कम्प्यूटर फॉन्ट आ कीबोर्ड मैथिली लेखनकेँ आधुनिक उपकरण दैत अछि

(C) विश्वभरि बसल मैथिल समुदाय डिजिटल माध्यमसँ मैथिलीकेँ जोड़े राखि सकैत अछि

(D) सामुदायिक अभियान भाषाक प्रयोग, शिक्षण आ गौरवक वातावरण बनबैत अछि

९७८. मैथिली भाषाक कालक्रममे ‘सामुदायिक अभियान’ केँ कोना समझल जाय?

(A) ग्राम्य गीत, कथा, कहावत आ उच्चारणक डिजिटल अभिलेखन भविष्यक शोध लेल जरूरी अछि

(B) सामुदायिक अभियान भाषाक प्रयोग, शिक्षण आ गौरवक वातावरण बनबैत अछि

(C) ऑडियो-दृश्य सामग्री मैथिली उच्चारण, गीत, कथा आ पाठकेँ अधिक प्रभावी बनबैत अछि

(D) ऑनलाइन पाठ मैथिली सीखबाक नब अवसर खोलैत अछि

९७९. निम्नमे सँ ‘सामुदायिक अभियान’क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) सामुदायिक अभियान भाषाक प्रयोग, शिक्षण आ गौरवक वातावरण बनबैत अछि

(B) विश्वभरि बसल मैथिल समुदाय डिजिटल माध्यमसँ मैथिलीकेँ जोड़े राखि सकैत अछि

(C) कम्प्यूटर फॉन्ट आ कीबोर्ड मैथिली लेखनकेँ आधुनिक उपकरण दैत अछि

(D) डिजिटल युगमे कविता, कथा, ब्लॉग आ नाटकक नब मैथिली लेखन उभरि रहल अछि

९८०. विद्यार्थी जँ ‘सामुदायिक अभियान’ लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) ई-पत्रिका मैथिली लेखनकेँ विश्वव्यापी पाठक धरि पहुँचाबयवला आधुनिक माध्यम अछि

(B) मोबाइल पर मैथिली लिखब नव पीढ़ीक व्यवहारिक भाषा-प्रयोग बढ़बैत अछि

(C) बाल-स्तर पर मैथिली सामग्री भविष्यक भाषा-संरक्षण लेल अत्यन्त आवश्यक अछि

(D) सामुदायिक अभियान भाषाक प्रयोग, शिक्षण आ गौरवक वातावरण बनबैत अछि

९८१. ‘लोक अभिलेखन’ सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) ऑनलाइन पाठ मैथिली सीखबाक नब अवसर खोलैत अछि

(B) सामुदायिक अभियान भाषाक प्रयोग, शिक्षण आ गौरवक वातावरण बनबैत अछि

(C) ऑडियो-दृश्य सामग्री मैथिली उच्चारण, गीत, कथा आ पाठकेँ अधिक प्रभावी बनबैत अछि

(D) ग्राम्य गीत, कथा, कहावत आ उच्चारणक डिजिटल अभिलेखन भविष्यक शोध लेल जरूरी अछि

९८२. जँ प्रश्न हो—‘लोक अभिलेखन’क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) बाल-स्तर पर मैथिली सामग्री भविष्यक भाषा-संरक्षण लेल अत्यन्त आवश्यक अछि

(B) मोबाइल पर मैथिली लिखब नव पीढ़ीक व्यवहारिक भाषा-प्रयोग बढ़बैत अछि

(C) ग्राम्य गीत, कथा, कहावत आ उच्चारणक डिजिटल अभिलेखन भविष्यक शोध लेल जरूरी अछि

(D) ई-पत्रिका मैथिली लेखनकेँ विश्वव्यापी पाठक धरि पहुँचाबयवला आधुनिक माध्यम अछि

९८३. ‘लोक अभिलेखन’क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) बाल-स्तर पर मैथिली सामग्री भविष्यक भाषा-संरक्षण लेल अत्यन्त आवश्यक अछि

(B) मोबाइल पर मैथिली लिखब नव पीढ़ीक व्यवहारिक भाषा-प्रयोग बढ़बैत अछि

(C) ग्राम्य गीत, कथा, कहावत आ उच्चारणक डिजिटल अभिलेखन भविष्यक शोध लेल जरूरी अछि

(D) ई-पत्रिका मैथिली लेखनकेँ विश्वव्यापी पाठक धरि पहुँचाबयवला आधुनिक माध्यम अछि

९८४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे ‘लोक अभिलेखन’क महत्त्व की अछि?

(A) बाल-स्तर पर मैथिली सामग्री भविष्यक भाषा-संरक्षण लेल अत्यन्त आवश्यक अछि

(B) मोबाइल पर मैथिली लिखब नव पीढ़ीक व्यवहारिक भाषा-प्रयोग बढ़बैत अछि

(C) ई-पत्रिका मैथिली लेखनकेँ विश्वव्यापी पाठक धरि पहुँचाबयवला आधुनिक माध्यम अछि

(D) ग्राम्य गीत, कथा, कहावत आ उच्चारणक डिजिटल अभिलेखन भविष्यक शोध लेल जरूरी अछि

९८५. ‘लोक अभिलेखन’ कैँ मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) ग्राम्य गीत, कथा, कहावत आ उच्चारणक डिजिटल अभिलेखन भविष्यक शोध लेल जरूरी अछि

(B) कम्प्यूटर फॉन्ट आ कीबोर्ड मैथिली लेखनकेँ आधुनिक उपकरण दैत अछि

(C) विश्वभरि बसल मैथिल समुदाय डिजिटल माध्यमसँ मैथिलीकेँ जोड़े राखि सकैत अछि

(D) डिजिटल युगमे कविता, कथा, ब्लॉग आ नाटकक नब मैथिली लेखन उभरि रहल अछि

९८६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल ‘लोक अभिलेखन’ ककर संकेत करैत अछि?

(A) ग्राम्य गीत, कथा, कहावत आ उच्चारणक डिजिटल अभिलेखन भविष्यक शोध लेल जरूरी अछि

(B) विश्वभरि बसल मैथिल समुदाय डिजिटल माध्यमसँ मैथिलीकेँ जोड़े राखि सकैत अछि

(C) कम्प्यूटर फॉन्ट आ कीबोर्ड मैथिली लेखनकेँ आधुनिक उपकरण दैत अछि

(D) डिजिटल युगमे कविता, कथा, ब्लॉग आ नाटकक नब मैथिली लेखन उभरि रहल अछि

९८७. ‘लोक अभिलेखन’ पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) डिजिटल युगमे कविता, कथा, ब्लॉग आ नाटकक नब मैथिली लेखन उभरि रहल अछि

(B) ग्राम्य गीत, कथा, कहावत आ उच्चारणक डिजिटल अभिलेखन भविष्यक शोध लेल जरूरी अछि

(C) विश्वभरि बसल मैथिल समुदाय डिजिटल माध्यमसँ मैथिलीकेँ जोड़े राखि सकैत अछि

(D) कम्प्यूटर फॉन्ट आ कीबोर्ड मैथिली लेखनकेँ आधुनिक उपकरण दैत अछि

९८८. मैथिली भाषाक कालक्रममे ‘लोक अभिलेखन’ कैँ कोना समझल जाय?

(A) डिजिटल युगमे कविता, कथा, ब्लॉग आ नाटकक नब मैथिली लेखन उभरि रहल अछि

(B) ग्राम्य गीत, कथा, कहावत आ उच्चारणक डिजिटल अभिलेखन भविष्यक शोध लेल जरूरी अछि

(C) कम्प्यूटर फॉन्ट आ कीबोर्ड मैथिली लेखनकेँ आधुनिक उपकरण दैत अछि

(D) विश्वभरि बसल मैथिल समुदाय डिजिटल माध्यमसँ मैथिलीकेँ जोड़े राखि सकैत अछि

९८९. निम्नमे सँ ‘लोक अभिलेखन’क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) ग्राम्य गीत, कथा, कहावत आ उच्चारणक डिजिटल अभिलेखन भविष्यक शोध लेल जरूरी अछि

(B) मोबाइल पर मैथिली लिखब नव पीढ़ीक व्यवहारिक भाषा-प्रयोग बढ़बैत अछि

(C) ई-पत्रिका मैथिली लेखनकेँ विश्वव्यापी पाठक धरि पहुँचाबयवला आधुनिक माध्यम अछि

(D) बाल-स्तर पर मैथिली सामग्री भविष्यक भाषा-संरक्षण लेल अत्यन्त आवश्यक अछि

९९०. विद्यार्थी जँ ‘लोक अभिलेखन’ लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) सामुदायिक अभियान भाषाक प्रयोग, शिक्षण आ गौरवक वातावरण बनबैत अछि

(B) ऑनलाइन पाठ मैथिली सीखबाक नब अवसर खोलैत अछि

(C) ऑडियो-दृश्य सामग्री मैथिली उच्चारण, गीत, कथा आ पाठकेँ अधिक प्रभावी बनबैत अछि

(D) ग्राम्य गीत, कथा, कहावत आ उच्चारणक डिजिटल अभिलेखन भविष्यक शोध लेल जरूरी अछि

९९१. ‘वैश्विक प्रवासी’ सँ मैथिली भाषाक इतिहासमे मुख्यतः की संकेत भेटैत अछि?

(A) मोबाइल पर मैथिली लिखब नव पीढ़ीक व्यवहारिक भाषा-प्रयोग बढ़बैत अछि

(B) विश्वभरि बसल मैथिल समुदाय डिजिटल माध्यमसँ मैथिलीकेँ जोड़े राखि सकैत अछि

(C) बाल-स्तर पर मैथिली सामग्री भविष्यक भाषा-संरक्षण लेल अत्यन्त आवश्यक अछि

(D) ई-पत्रिका मैथिली लेखनकेँ विश्वव्यापी पाठक धरि पहुँचाबयवला आधुनिक माध्यम अछि

९९२. जँ प्रश्न हो—‘वैश्विक प्रवासी’क भूमिका की रहल?—तँ सही उत्तर कोन होयत?

(A) बाल-स्तर पर मैथिली सामग्री भविष्यक भाषा-संरक्षण लेल अत्यन्त आवश्यक अछि

(B) ई-पत्रिका मैथिली लेखनकेँ विश्वव्यापी पाठक धरि पहुँचाबयवला आधुनिक माध्यम अछि

(C) विश्वभरि बसल मैथिल समुदाय डिजिटल माध्यमसँ मैथिलीकेँ जोड़े राखि सकैत अछि

(D) मोबाइल पर मैथिली लिखब नव पीढ़ीक व्यवहारिक भाषा-प्रयोग बढ़बैत अछि

९९३. ‘वैश्विक प्रवासी’क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) मोबाइल पर मैथिली लिखब नव पीढ़ीक व्यवहारिक भाषा-प्रयोग बढ़बैत अछि

(B) ई-पत्रिका मैथिली लेखनकेँ विश्वव्यापी पाठक धरि पहुँचाबयवला आधुनिक माध्यम अछि

(C) बाल-स्तर पर मैथिली सामग्री भविष्यक भाषा-संरक्षण लेल अत्यन्त आवश्यक अछि

(D) विश्वभरि बसल मैथिल समुदाय डिजिटल माध्यमसँ मैथिलीकेँ जोड़े राखि सकैत अछि

९९४. मैथिली भाषाक विकासक सन्दर्भमे ‘वैश्विक प्रवासी’क महत्त्व की अछि?

(A) ग्राम्य गीत, कथा, कहावत आ उच्चारणक डिजिटल अभिलेखन भविष्यक शोध लेल जरूरी अछि

(B) कम्प्यूटर फॉन्ट आ कीबोर्ड मैथिली लेखनकेँ आधुनिक उपकरण दैत अछि

(C) विश्वभरि बसल मैथिल समुदाय डिजिटल माध्यमसँ मैथिलीकेँ जोड़े राखि सकैत अछि

(D) डिजिटल युगमे कविता, कथा, ब्लॉग आ नाटकक नब मैथिली लेखन उभरि रहल अछि

९९५. ‘वैश्विक प्रवासी’ केँ मैथिली भाषा-इतिहासमे कोन रूपमे बुझल जाय?

(A) विश्वभरि बसल मैथिल समुदाय डिजिटल माध्यमसँ मैथिलीकेँ जोड़े राखि सकैत अछि

(B) ऑनलाइन पाठ मैथिली सीखबाक नब अवसर खोलैत अछि

(C) ऑडियो-दृश्य सामग्री मैथिली उच्चारण, गीत, कथा आ पाठकेँ अधिक प्रभावी बनबैत अछि

(D) सामुदायिक अभियान भाषाक प्रयोग, शिक्षण आ गौरवक वातावरण बनबैत अछि

९९६. भाषा-इतिहास पढ़ैत काल ‘वैश्विक प्रवासी’ ककर संकेत करैत अछि?

(A) विश्वभरि बसल मैथिल समुदाय डिजिटल माध्यमसँ मैथिलीकेँ जोड़े राखि सकैत अछि

(B) सामुदायिक अभियान भाषाक प्रयोग, शिक्षण आ गौरवक वातावरण बनबैत अछि

(C) ऑडियो-दृश्य सामग्री मैथिली उच्चारण, गीत, कथा आ पाठकेँ अधिक प्रभावी बनबैत अछि

(D) ऑनलाइन पाठ मैथिली सीखबाक नब अवसर खोलैत अछि

९९७. ‘वैश्विक प्रवासी’ पर आधृत प्रश्नमे कोन विकल्प उचित अछि?

(A) ऑनलाइन पाठ मैथिली सीखबाक नब अवसर खोलैत अछि

(B) ऑडियो-दृश्य सामग्री मैथिली उच्चारण, गीत, कथा आ पाठकेँ अधिक प्रभावी बनबैत अछि

(C) सामुदायिक अभियान भाषाक प्रयोग, शिक्षण आ गौरवक वातावरण बनबैत अछि

(D) विश्वभरि बसल मैथिल समुदाय डिजिटल माध्यमसँ मैथिलीकेँ जोड़े राखि सकैत अछि

९९८. मैथिली भाषाक कालक्रममे ‘वैश्विक प्रवासी’ केँ कोना समझल जाय?

(A) ऑडियो-दृश्य सामग्री मैथिली उच्चारण, गीत, कथा आ पाठकेँ अधिक प्रभावी बनबैत अछि

(B) सामुदायिक अभियान भाषाक प्रयोग, शिक्षण आ गौरवक वातावरण बनबैत अछि

(C) ऑनलाइन पाठ मैथिली सीखबाक नब अवसर खोलैत अछि

(D) विश्वभरि बसल मैथिल समुदाय डिजिटल माध्यमसँ मैथिलीकेँ जोड़े राखि सकैत अछि

९९९. निम्नमे सँ ‘वैश्विक प्रवासी’क सबसँ नीक व्याख्या कोन अछि?

(A) ई-पत्रिका मैथिली लेखनकेँ विश्वव्यापी पाठक धरि पहुँचाबयवला आधुनिक माध्यम अछि

(B) बाल-स्तर पर मैथिली सामग्री भविष्यक भाषा-संरक्षण लेल अत्यन्त आवश्यक अछि

(C) मोबाइल पर मैथिली लिखब नव पीढ़ीक व्यवहारिक भाषा-प्रयोग बढ़बैत अछि

(D) विश्वभरि बसल मैथिल समुदाय डिजिटल माध्यमसँ मैथिलीकेँ जोड़े राखि सकैत अछि

१०००. विद्यार्थी जँ ‘वैश्विक प्रवासी’ लिखय, तकर पूरक तथ्य की होयत?

(A) बाल-स्तर पर मैथिली सामग्री भविष्यक भाषा-संरक्षण लेल अत्यन्त आवश्यक अछि

(B) मोबाइल पर मैथिली लिखब नव पीढ़ीक व्यवहारिक भाषा-प्रयोग बढ़बैत अछि

(C) विश्वभरि बसल मैथिल समुदाय डिजिटल माध्यमसँ मैथिलीकेँ जोड़े राखि सकैत अछि

(D) ई-पत्रिका मैथिली लेखनकेँ विश्वव्यापी पाठक धरि पहुँचाबयवला आधुनिक माध्यम अछि

उत्तरमाला — अध्याय १ (उत्तर ओ व्याख्या / Answers & Explanations)

१. (B) मैथिली नामक मूल सांस्कृतिक-भौगोलिक आधार मिथिला क्षेत्र अछि — मैथिली भाषा मिथिलाक लोकजीवन, विद्या-परम्परा आ सांस्कृतिक भूगोलसँ बनल पहचान रखैत अछि।

२. (B) मैथिली नामक मूल सांस्कृतिक-भौगोलिक आधार मिथिला क्षेत्र अछि — मैथिली भाषा मिथिलाक लोकजीवन, विद्या-परम्परा आ सांस्कृतिक भूगोलसँ बनल पहचान रखैत अछि।

३. (A) मैथिली नामक मूल सांस्कृतिक-भौगोलिक आधार मिथिला क्षेत्र अछि — मैथिली भाषा मिथिलाक लोकजीवन, विद्या-परम्परा आ सांस्कृतिक भूगोलसँ बनल पहचान रखैत अछि।

४. (C) मैथिली नामक मूल सांस्कृतिक-भौगोलिक आधार मिथिला क्षेत्र अछि — मैथिली भाषा मिथिलाक लोकजीवन, विद्या-परम्परा आ सांस्कृतिक भूगोलसँ बनल पहचान रखैत अछि।

५. (C) मैथिली नामक मूल सांस्कृतिक-भौगोलिक आधार मिथिला क्षेत्र अछि — मैथिली भाषा मिथिलाक लोकजीवन, विद्या-परम्परा आ सांस्कृतिक भूगोलसँ बनल पहचान रखैत अछि।

६. (A) मैथिली नामक मूल सांस्कृतिक-भौगोलिक आधार मिथिला क्षेत्र अछि — मैथिली भाषा मिथिलाक लोकजीवन, विद्या-परम्परा आ सांस्कृतिक भूगोलसँ बनल पहचान रखैत अछि।

७. (A) मैथिली नामक मूल सांस्कृतिक-भौगोलिक आधार मिथिला क्षेत्र अछि — मैथिली भाषा मिथिलाक लोकजीवन, विद्या-परम्परा आ सांस्कृतिक भूगोलसँ बनल पहचान रखैत अछि।

८. (A) मैथिली नामक मूल सांस्कृतिक-भौगोलिक आधार मिथिला क्षेत्र अछि — मैथिली भाषा मिथिलाक लोकजीवन, विद्या-परम्परा आ सांस्कृतिक भूगोलसँ बनल पहचान रखैत अछि।

९. (B) मैथिली नामक मूल सांस्कृतिक-भौगोलिक आधार मिथिला क्षेत्र अछि — मैथिली भाषा मिथिलाक लोकजीवन, विद्या-परम्परा आ सांस्कृतिक भूगोलसँ बनल पहचान रखैत अछि।

१०. (D) मैथिली नामक मूल सांस्कृतिक-भौगोलिक आधार मिथिला क्षेत्र अछि — मैथिली भाषा मिथिलाक लोकजीवन, विद्या-परम्परा आ सांस्कृतिक भूगोलसँ बनल पहचान रखैत अछि।

११. (A) तिरहुत नाम मैथिली भाषिक क्षेत्रक ऐतिहासिक नाम-परम्परासँ जुड़ल अछि — तिरहुत शब्दसँ ओहि क्षेत्रक स्मरण होइत अछि जतय मैथिली जनभाषा आ लेख्य-भाषा दुनू रूपमे विकसित भेल।

१२. (C) तिरहुत नाम मैथिली भाषिक क्षेत्रक ऐतिहासिक नाम-परम्परासँ जुड़ल अछि — तिरहुत शब्दसँ ओहि क्षेत्रक स्मरण होइत अछि जतय मैथिली जनभाषा आ लेख्य-भाषा दुनू रूपमे विकसित भेल।

१३. (D) तिरहुत नाम मैथिली भाषिक क्षेत्रक ऐतिहासिक नाम-परम्परासँ जुड़ल अछि — तिरहुत शब्दसँ ओहि क्षेत्रक स्मरण होइत अछि जतय मैथिली जनभाषा आ लेख्य-भाषा दुनू रूपमे विकसित भेल।

१४. (D) तिरहुत नाम मैथिली भाषिक क्षेत्रक ऐतिहासिक नाम-परम्परासँ जुड़ल अछि — तिरहुत शब्दसँ ओहि क्षेत्रक स्मरण होइत अछि जतय मैथिली जनभाषा आ लेख्य-भाषा दुनू रूपमे विकसित भेल।

१५. (C) तिरहुत नाम मैथिली भाषिक क्षेत्रक ऐतिहासिक नाम-परम्परासँ जुड़ल अछि — तिरहुत शब्दसँ ओहि क्षेत्रक स्मरण होइत अछि जतय मैथिली जनभाषा आ लेख्य-भाषा दुनू रूपमे विकसित भेल।

१६. (D) तिरहुत नाम मैथिली भाषिक क्षेत्रक ऐतिहासिक नाम-परम्परासँ जुड़ल अछि — तिरहुत शब्दसँ ओहि क्षेत्रक स्मरण होइत अछि जतय मैथिली जनभाषा आ लेख्य-भाषा दुनू रूपमे विकसित भेल।

१७. (B) तिरहुत नाम मैथिली भाषिक क्षेत्रक ऐतिहासिक नाम-परम्परासँ जुड़ल अछि — तिरहुत शब्दसँ ओहि क्षेत्रक स्मरण होइत अछि जतय मैथिली जनभाषा आ लेख्य-भाषा दुनू रूपमे विकसित भेल।

१८. (B) तिरहुत नाम मैथिली भाषिक क्षेत्रक ऐतिहासिक नाम-परम्परासँ जुड़ल अछि — तिरहुत शब्दसँ ओहि क्षेत्रक स्मरण होइत अछि जतय मैथिली जनभाषा आ लेख्य-भाषा दुनू रूपमे विकसित भेल।

१९. (A) तिरहुत नाम मैथिली भाषिक क्षेत्रक ऐतिहासिक नाम-परम्परासँ जुड़ल अछि — तिरहुत शब्दसँ ओहि क्षेत्रक स्मरण होइत अछि जतय मैथिली जनभाषा आ लेख्य-भाषा दुनू रूपमे विकसित भेल।

२०. (C) तिरहुत नाम मैथिली भाषिक क्षेत्रक ऐतिहासिक नाम-परम्परासँ जुड़ल अछि — तिरहुत शब्दसँ ओहि क्षेत्रक स्मरण होइत अछि जतय मैथिली जनभाषा आ लेख्य-भाषा दुनू रूपमे विकसित भेल।

२१. (B) मैथिली नाम क्षेत्र, समाज आ भाषिक परम्पराक संयुक्त पहचान दैत अछि — भाषाक नाम केवल बोलीक नाम नहि, मिथिला-समाजक दीर्घ सांस्कृतिक जीवनक चिन्ह अछि।

२२. (A) मैथिली नाम क्षेत्र, समाज आ भाषिक परम्पराक संयुक्त पहचान दैत अछि — भाषाक नाम केवल बोलीक नाम नहि, मिथिला-समाजक दीर्घ सांस्कृतिक जीवनक चिन्ह अछि।

२३. (D) मैथिली नाम क्षेत्र, समाज आ भाषिक परम्पराक संयुक्त पहचान दैत अछि — भाषाक नाम केवल बोलीक नाम नहि, मिथिला-समाजक दीर्घ सांस्कृतिक जीवनक चिन्ह अछि।

२४. (A) मैथिली नाम क्षेत्र, समाज आ भाषिक परम्पराक संयुक्त पहचान दैत अछि — भाषाक नाम केवल बोलीक नाम नहि, मिथिला-समाजक दीर्घ सांस्कृतिक जीवनक चिन्ह अछि।

२५. (B) मैथिली नाम क्षेत्र, समाज आ भाषिक परम्पराक संयुक्त पहचान दैत अछि — भाषाक नाम केवल बोलीक नाम नहि, मिथिला-समाजक दीर्घ सांस्कृतिक जीवनक चिन्ह अछि।

२६. (B) मैथिली नाम क्षेत्र, समाज आ भाषिक परम्पराक संयुक्त पहचान दैत अछि — भाषाक नाम केवल बोलीक नाम नहि, मिथिला-समाजक दीर्घ सांस्कृतिक जीवनक चिन्ह अछि।

२७. (B) मैथिली नाम क्षेत्र, समाज आ भाषिक परम्पराक संयुक्त पहचान दैत अछि — भाषाक नाम केवल बोलीक नाम नहि, मिथिला-समाजक दीर्घ सांस्कृतिक जीवनक चिन्ह अछि।

२८. (D) मैथिली नाम क्षेत्र, समाज आ भाषिक परम्पराक संयुक्त पहचान दैत अछि — भाषाक नाम केवल बोलीक नाम नहि, मिथिला-समाजक दीर्घ सांस्कृतिक जीवनक चिन्ह अछि।

२९. (A) मैथिली नाम क्षेत्र, समाज आ भाषिक परम्पराक संयुक्त पहचान दैत अछि — भाषाक नाम केवल बोलीक नाम नहि, मिथिला-समाजक दीर्घ सांस्कृतिक जीवनक चिन्ह अछि।

३०. (A) मैथिली नाम क्षेत्र, समाज आ भाषिक परम्पराक संयुक्त पहचान दैत अछि — भाषाक नाम केवल बोलीक नाम नहि, मिथिला-समाजक दीर्घ सांस्कृतिक जीवनक चिन्ह अछि।

३१. (C) मैथिली पहिने लोक-व्यवहारक भाषा रूपमे जीवित आ विस्तृत रहल — कुनो भाषाक स्थायित्व ओकर जन-प्रयोगसँ सिद्ध होइत अछि; मैथिली लोकसंवादमे निरन्तर रहल।

३२. (A) मैथिली पहिने लोक-व्यवहारक भाषा रूपमे जीवित आ विस्तृत रहल — कुनो भाषाक स्थायित्व ओकर जन-प्रयोगसँ सिद्ध होइत अछि; मैथिली लोकसंवादमे निरन्तर रहल।

३३. (C) मैथिली पहिने लोक-व्यवहारक भाषा रूपमे जीवित आ विस्तृत रहल — कुनो भाषाक स्थायित्व ओकर जन-प्रयोगसँ सिद्ध होइत अछि; मैथिली लोकसंवादमे निरन्तर रहल।

३४. (A) मैथिली पहिने लोक-व्यवहारक भाषा रूपमे जीवित आ विस्तृत रहल — कुनो भाषाक स्थायित्व ओकर जन-प्रयोगसँ सिद्ध होइत अछि; मैथिली लोकसंवादमे निरन्तर रहल।

३५. (D) मैथिली पहिने लोक-व्यवहारक भाषा रूपमे जीवित आ विस्तृत रहल — कुनो भाषाक स्थायित्व ओकर जन-प्रयोगसँ सिद्ध होइत अछि; मैथिली लोकसंवादमे निरन्तर रहल।

३६. (B) मैथिली पहिने लोक-व्यवहारक भाषा रूपमे जीवित आ विस्तृत रहल — कुनो भाषाक स्थायित्व ओकर जन-प्रयोगसँ सिद्ध होइत अछि; मैथिली लोकसंवादमे निरन्तर रहल।

३७. (D) मैथिली पहिने लोक-व्यवहारक भाषा रूपमे जीवित आ विस्तृत रहल — कुनो भाषाक स्थायित्व ओकर जन-प्रयोगसँ सिद्ध होइत अछि; मैथिली लोकसंवादमे निरन्तर रहल।

३८. (C) मैथिली पहिने लोक-व्यवहारक भाषा रूपमे जीवित आ विस्तृत रहल — कुनो भाषाक स्थायित्व ओकर जन-प्रयोगसँ सिद्ध होइत अछि; मैथिली लोकसंवादमे निरन्तर रहल।

३९. (B) मैथिली पहिने लोक-व्यवहारक भाषा रूपमे जीवित आ विस्तृत रहल — कुनो भाषाक स्थायित्व ओकर जन-प्रयोगसँ सिद्ध होइत अछि; मैथिली लोकसंवादमे निरन्तर रहल।

४०. (B) मैथिली पहिने लोक-व्यवहारक भाषा रूपमे जीवित आ विस्तृत रहल — कुनो भाषाक स्थायित्व ओकर जन-प्रयोगसँ सिद्ध होइत अछि; मैथिली लोकसंवादमे निरन्तर रहल।

४१. (B) परिवार आ आँगनमे मैथिलीक प्रयोग ओकर जीवित परम्पराक आधार रहल — घरक बोली साहित्यिक भाषा बनबाक पहिल धरातल तैयार करैत अछि।

४२. (A) परिवार आ आँगनमे मैथिलीक प्रयोग ओकर जीवित परम्पराक आधार रहल — घरक बोली साहित्यिक भाषा बनबाक पहिल धरातल तैयार करैत अछि।

४३. (A) परिवार आ आँगनमे मैथिलीक प्रयोग ओकर जीवित परम्पराक आधार रहल — घरक बोली साहित्यिक भाषा बनबाक पहिल धरातल तैयार करैत अछि।

४४. (A) परिवार आ आँगनमे मैथिलीक प्रयोग ओकर जीवित परम्पराक आधार रहल — घरक बोली साहित्यिक भाषा बनबाक पहिल धरातल तैयार करैत अछि।

४५. (A) परिवार आ आँगनमे मैथिलीक प्रयोग ओकर जीवित परम्पराक आधार रहल — घरक बोली साहित्यिक भाषा बनबाक पहिल धरातल तैयार करैत अछि।

४६. (D) परिवार आ आँगनमे मैथिलीक प्रयोग ओकर जीवित परम्पराक आधार रहल — घरक बोली साहित्यिक भाषा बनबाक पहिल धरातल तैयार करैत अछि।

४७. (A) परिवार आ आँगनमे मैथिलीक प्रयोग ओकर जीवित परम्पराक आधार रहल — घरक बोली साहित्यिक भाषा बनबाक पहिल धरातल तैयार करैत अछि।

४८. (B) परिवार आ आँगनमे मैथिलीक प्रयोग ओकर जीवित परम्पराक आधार रहल — घरक बोली साहित्यिक भाषा बनबाक पहिल धरातल तैयार करैत अछि।

४९. (D) परिवार आ आँगनमे मैथिलीक प्रयोग ओकर जीवित परम्पराक आधार रहल — घरक बोली साहित्यिक भाषा बनबाक पहिल धरातल तैयार करैत अछि।

५०. (B) परिवार आ आँगनमे मैथिलीक प्रयोग ओकर जीवित परम्पराक आधार रहल — घरक बोली साहित्यिक भाषा बनबाक पहिल धरातल तैयार करैत अछि।

५१. (B) हाट, खेत, गीत, कथा आ संस्कारमे मैथिली लोक-संवादक भाषा रहल — भाषा इतिहासमे लोक-प्रयोग केन्द्रीय प्रमाण मानल जाइत अछि।

५२. (D) हाट, खेत, गीत, कथा आ संस्कारमे मैथिली लोक-संवादक भाषा रहल — भाषा इतिहासमे लोक-प्रयोग केन्द्रीय प्रमाण मानल जाइत अछि।

५३. (B) हाट, खेत, गीत, कथा आ संस्कारमे मैथिली लोक-संवादक भाषा रहल — भाषा इतिहासमे लोक-प्रयोग केन्द्रीय प्रमाण मानल जाइत अछि।

५४. (B) हाट, खेत, गीत, कथा आ संस्कारमे मैथिली लोक-संवादक भाषा रहल — भाषा इतिहासमे लोक-प्रयोग केन्द्रीय प्रमाण मानल जाइत अछि।

५५. (B) हाट, खेत, गीत, कथा आ संस्कारमे मैथिली लोक-संवादक भाषा रहल — भाषा इतिहासमे लोक-प्रयोग केन्द्रीय प्रमाण मानल जाइत अछि।

५६. (D) हाट, खेत, गीत, कथा आ संस्कारमे मैथिली लोक-संवादक भाषा रहल — भाषा इतिहासमे लोक-प्रयोग केन्द्रीय प्रमाण मानल जाइत अछि।

५७. (A) हाट, खेत, गीत, कथा आ संस्कारमे मैथिली लोक-संवादक भाषा रहल — भाषा इतिहासमे लोक-प्रयोग केन्द्रीय प्रमाण मानल जाइत अछि।

५८. (B) हाट, खेत, गीत, कथा आ संस्कारमे मैथिली लोक-संवादक भाषा रहल — भाषा इतिहासमे लोक-प्रयोग केन्द्रीय प्रमाण मानल जाइत अछि।

५९. (A) हाट, खेत, गीत, कथा आ संस्कारमे मैथिली लोक-संवादक भाषा रहल — भाषा इतिहासमे लोक-प्रयोग केन्द्रीय प्रमाण मानल जाइत अछि।

६०. (C) हाट, खेत, गीत, कथा आ संस्कारमे मैथिली लोक-संवादक भाषा रहल — भाषा इतिहासमे लोक-प्रयोग केन्द्रीय प्रमाण मानल जाइत अछि।

६१. (A) किछु कालमे राज-दरबार आ पाण्डित्य-वर्ग मैथिलीकेँ प्रतिष्ठा देलक — दरबार, पाण्डित्य आ कवि-परम्परा भाषाकेँ लिखित गरिमा प्रदान करैत अछि।

६२. (A) किछु कालमे राज-दरबार आ पाण्डित्य-वर्ग मैथिलीकेँ प्रतिष्ठा देलक — दरबार, पाण्डित्य आ कवि-परम्परा भाषाकेँ लिखित गरिमा प्रदान करैत अछि।

६३. (A) किछु कालमे राज-दरबार आ पाण्डित्य-वर्ग मैथिलीकेँ प्रतिष्ठा देलक — दरबार, पाण्डित्य आ कवि-परम्परा भाषाकेँ लिखित गरिमा प्रदान करैत अछि।

६४. (B) किछु कालमे राज-दरबार आ पाण्डित्य-वर्ग मैथिलीकेँ प्रतिष्ठा देलक — दरबार, पाण्डित्य आ कवि-परम्परा भाषाकेँ लिखित गरिमा प्रदान करैत अछि।

६५. (A) किछु कालमे राज-दरबार आ पाण्डित्य-वर्ग मैथिलीकेँ प्रतिष्ठा देलक — दरबार, पाण्डित्य आ कवि-परम्परा भाषाकेँ लिखित गरिमा प्रदान करैत अछि।

६६. (C) किछु कालमे राज-दरबार आ पाण्डित्य-वर्ग मैथिलीकेँ प्रतिष्ठा देलक — दरबार, पाण्डित्य आ कवि-परम्परा भाषाकेँ लिखित गरिमा प्रदान करैत अछि।

६७. (B) किछु कालमे राज-दरबार आ पाण्डित्य-वर्ग मैथिलीकेँ प्रतिष्ठा देलक — दरबार, पाण्डित्य आ कवि-परम्परा भाषाकेँ लिखित गरिमा प्रदान करैत अछि।

६८. (C) किछु कालमे राज-दरबार आ पाण्डित्य-वर्ग मैथिलीकेँ प्रतिष्ठा देलक — दरबार, पाण्डित्य आ कवि-परम्परा भाषाकेँ लिखित गरिमा प्रदान करैत अछि।

६९. (B) किछु कालमे राज-दरबार आ पाण्डित्य-वर्ग मैथिलीकेँ प्रतिष्ठा देलक — दरबार, पाण्डित्य आ कवि-परम्परा भाषाकेँ लिखित गरिमा प्रदान करैत अछि।

७०. (C) किछु कालमे राज-दरबार आ पाण्डित्य-वर्ग मैथिलीकेँ प्रतिष्ठा देलक — दरबार, पाण्डित्य आ कवि-परम्परा भाषाकेँ लिखित गरिमा प्रदान करैत अछि।

७१. (D) संस्कृत-पाण्डित्यक संग मैथिली लोकभाषा निरन्तर संवादमे रहल — मिथिला विद्या-केंद्र रहल, तें लोकभाषा आ शास्त्र-भाषाक परस्पर प्रभाव स्वाभाविक छल।

७२. (D) संस्कृत-पाण्डित्यक संग मैथिली लोकभाषा निरन्तर संवादमे रहल — मिथिला विद्या-केंद्र रहल, तें लोकभाषा आ शास्त्र-भाषाक परस्पर प्रभाव स्वाभाविक छल।

७३. (B) संस्कृत-पाण्डित्यक संग मैथिली लोकभाषा निरन्तर संवादमे रहल — मिथिला विद्या-केंद्र रहल, तें लोकभाषा आ शास्त्र-भाषाक परस्पर प्रभाव स्वाभाविक छल।

७४. (A) संस्कृत-पाण्डित्यक संग मैथिली लोकभाषा निरन्तर संवादमे रहल — मिथिला विद्या-केंद्र रहल, तें लोकभाषा आ शास्त्र-भाषाक परस्पर प्रभाव स्वाभाविक छल।

७५. (D) संस्कृत-पाण्डित्यक संग मैथिली लोकभाषा निरन्तर संवादमे रहल — मिथिला विद्या-केंद्र रहल, तें लोकभाषा आ शास्त्र-भाषाक परस्पर प्रभाव स्वाभाविक छल।

७६. (D) संस्कृत-पाण्डित्यक संग मैथिली लोकभाषा निरन्तर संवादमे रहल — मिथिला विद्या-केंद्र रहल, तें लोकभाषा आ शास्त्र-भाषाक परस्पर प्रभाव स्वाभाविक छल।

७७. (C) संस्कृत-पाण्डित्यक संग मैथिली लोकभाषा निरन्तर संवादमे रहल — मिथिला विद्या-केंद्र रहल, तें लोकभाषा आ शास्त्र-भाषाक परस्पर प्रभाव स्वाभाविक छल।

७८. (D) संस्कृत-पाण्डित्यक संग मैथिली लोकभाषा निरन्तर संवादमे रहल — मिथिला विद्या-केंद्र रहल, तें लोकभाषा आ शास्त्र-भाषाक परस्पर प्रभाव स्वाभाविक छल।

७९. (B) संस्कृत-पाण्डित्यक संग मैथिली लोकभाषा निरन्तर संवादमे रहल — मिथिला विद्या-केंद्र रहल, तें लोकभाषा आ शास्त्र-भाषाक परस्पर प्रभाव स्वाभाविक छल।

८०. (C) संस्कृत-पाण्डित्यक संग मैथिली लोकभाषा निरन्तर संवादमे रहल — मिथिला विद्या-केंद्र रहल, तें लोकभाषा आ शास्त्र-भाषाक परस्पर प्रभाव स्वाभाविक छल।

८१. (C) मैथिली क्षेत्रीय सीमा मात्र नहि, सांस्कृतिक व्यवहारसँ सेहो चिन्हायल — भाषिक क्षेत्रक निर्धारण बोलबाक ढंग, संस्कार, साहित्य आ लोकस्मृतिसँ होइत अछि।

८२. (B) मैथिली क्षेत्रीय सीमा मात्र नहि, सांस्कृतिक व्यवहारसँ सेहो चिन्हायल — भाषिक क्षेत्रक निर्धारण बोलबाक ढंग, संस्कार, साहित्य आ लोकस्मृतिसँ होइत अछि।

८३. (D) मैथिली क्षेत्रीय सीमा मात्र नहि, सांस्कृतिक व्यवहारसँ सेहो चिन्हायल — भाषिक क्षेत्रक निर्धारण बोलबाक ढंग, संस्कार, साहित्य आ लोकस्मृतिसँ होइत अछि।

८४. (A) मैथिली क्षेत्रीय सीमा मात्र नहि, सांस्कृतिक व्यवहारसँ सेहो चिन्हायल — भाषिक क्षेत्रक निर्धारण बोलबाक ढंग, संस्कार, साहित्य आ लोकस्मृतिसँ होइत अछि।

८५. (A) मैथिली क्षेत्रीय सीमा मात्र नहि, सांस्कृतिक व्यवहारसँ सेहो चिन्हायल — भाषिक क्षेत्रक निर्धारण बोलबाक ढंग, संस्कार, साहित्य आ लोकस्मृतिसँ होइत अछि।

८६. (C) मैथिली क्षेत्रीय सीमा मात्र नहि, सांस्कृतिक व्यवहारसँ सेहो चिन्हायल — भाषिक क्षेत्रक निर्धारण बोलबाक ढंग, संस्कार, साहित्य आ लोकस्मृतिसँ होइत अछि।

८७. (A) मैथिली क्षेत्रीय सीमा मात्र नहि, सांस्कृतिक व्यवहारसँ सेहो चिन्हायल — भाषिक क्षेत्रक निर्धारण बोलबाक ढंग, संस्कार, साहित्य आ लोकस्मृतिसँ होइत अछि।

८८. (B) मैथिली क्षेत्रीय सीमा मात्र नहि, सांस्कृतिक व्यवहारसँ सेहो चिन्हायल — भाषिक क्षेत्रक निर्धारण बोलबाक ढंग, संस्कार, साहित्य आ लोकस्मृतिसँ होइत अछि।

८९. (B) मैथिली क्षेत्रीय सीमा मात्र नहि, सांस्कृतिक व्यवहारसँ सेहो चिन्हायल — भाषिक क्षेत्रक निर्धारण बोलबाक ढंग, संस्कार, साहित्य आ लोकस्मृतिसँ होइत अछि।

९०. (D) मैथिली क्षेत्रीय सीमा मात्र नहि, सांस्कृतिक व्यवहारसँ सेहो चिन्हायल — भाषिक क्षेत्रक निर्धारण बोलबाक ढंग, संस्कार, साहित्य आ लोकस्मृतिसँ होइत अछि।

९१. (B) मैथिली मिथिला सँ बाहर प्रवासी समुदायमे सेहो अपन पहचान रखलक — प्रवासमे भाषा सांस्कृतिक स्मृति आ सामूहिक पहचानक साधन बनैत अछि।

९२. (A) मैथिली मिथिला सँ बाहर प्रवासी समुदायमे सेहो अपन पहचान रखलक — प्रवासमे भाषा सांस्कृतिक स्मृति आ सामूहिक पहचानक साधन बनैत अछि।

९३. (A) मैथिली मिथिला सँ बाहर प्रवासी समुदायमे सेहो अपन पहचान रखलक — प्रवासमे भाषा सांस्कृतिक स्मृति आ सामूहिक पहचानक साधन बनैत अछि।

९४. (B) मैथिली मिथिला सँ बाहर प्रवासी समुदायमे सेहो अपन पहचान रखलक — प्रवासमे भाषा सांस्कृतिक स्मृति आ सामूहिक पहचानक साधन बनैत अछि।

९५. (C) मैथिली मिथिला सँ बाहर प्रवासी समुदायमे सेहो अपन पहचान रखलक — प्रवासमे भाषा सांस्कृतिक स्मृति आ सामूहिक पहचानक साधन बनैत अछि।

९६. (B) मैथिली मिथिला सँ बाहर प्रवासी समुदायमे सेहो अपन पहचान रखलक — प्रवासमे भाषा सांस्कृतिक स्मृति आ सामूहिक पहचानक साधन बनैत अछि।

९७. (C) मैथिली मिथिला सँ बाहर प्रवासी समुदायमे सेहो अपन पहचान रखलक — प्रवासमे भाषा सांस्कृतिक स्मृति आ सामूहिक पहचानक साधन बनैत अछि।

९८. (A) मैथिली मिथिला सँ बाहर प्रवासी समुदायमे सेहो अपन पहचान रखलक — प्रवासमे भाषा सांस्कृतिक स्मृति आ सामूहिक पहचानक साधन बनैत अछि।

९९. (B) मैथिली मिथिला सँ बाहर प्रवासी समुदायमे सेहो अपन पहचान रखलक — प्रवासमे भाषा सांस्कृतिक स्मृति आ सामूहिक पहचानक साधन बनैत अछि।

१००. (D) मैथिली मिथिला सँ बाहर प्रवासी समुदायमे सेहो अपन पहचान रखलक — प्रवासमे भाषा सांस्कृतिक स्मृति आ सामूहिक पहचानक साधन बनैत अछि।

१०१. (B) मैथिली भारोपीय भाषा-परिवारक भारत-आर्य शाखासँ सम्बन्धित भाषा अछि — भाषा-वर्गीकरणमे मैथिलीकेँ भारत-आर्य परम्पराक पूर्वी क्षेत्रक भाषा मानल जाइत अछि।

१०२. (D) मैथिली भारोपीय भाषा-परिवारक भारत-आर्य शाखासँ सम्बन्धित भाषा अछि — भाषा-वर्गीकरणमे मैथिलीकेँ भारत-आर्य परम्पराक पूर्वी क्षेत्रक भाषा मानल जाइत अछि।

१०३. (A) मैथिली भारोपीय भाषा-परिवारक भारत-आर्य शाखासँ सम्बन्धित भाषा अछि — भाषा-वर्गीकरणमे मैथिलीकेँ भारत-आर्य परम्पराक पूर्वी क्षेत्रक भाषा मानल जाइत अछि।

१०४. (B) मैथिली भारोपीय भाषा-परिवारक भारत-आर्य शाखासँ सम्बन्धित भाषा अछि — भाषा-वर्गीकरणमे मैथिलीकेँ भारत-आर्य परम्पराक पूर्वी क्षेत्रक भाषा मानल जाइत अछि।

१०५. (D) मैथिली भारोपीय भाषा-परिवारक भारत-आर्य शाखासँ सम्बन्धित भाषा अछि — भाषा-वर्गीकरणमे मैथिलीकेँ भारत-आर्य परम्पराक पूर्वी क्षेत्रक भाषा मानल जाइत अछि।

१०६. (B) मैथिली भारोपीय भाषा-परिवारक भारत-आर्य शाखासँ सम्बन्धित भाषा अछि — भाषा-वर्गीकरणमे मैथिलीकेँ भारत-आर्य परम्पराक पूर्वी क्षेत्रक भाषा मानल जाइत अछि।

१०७. (D) मैथिली भारोपीय भाषा-परिवारक भारत-आर्य शाखासँ सम्बन्धित भाषा अछि — भाषा-वर्गीकरणमे मैथिलीकेँ भारत-आर्य परम्पराक पूर्वी क्षेत्रक भाषा मानल जाइत अछि।

१०८. (A) मैथिली भारोपीय भाषा-परिवारक भारत-आर्य शाखासँ सम्बन्धित भाषा अछि — भाषा-वर्गीकरणमे मैथिलीकेँ भारत-आर्य परम्पराक पूर्वी क्षेत्रक भाषा मानल जाइत अछि।

१०९. (D) मैथिली भारोपीय भाषा-परिवारक भारत-आर्य शाखासँ सम्बन्धित भाषा अछि — भाषा-वर्गीकरणमे मैथिलीकेँ भारत-आर्य परम्पराक पूर्वी क्षेत्रक भाषा मानल जाइत अछि।

११०. (A) मैथिली भारोपीय भाषा-परिवारक भारत-आर्य शाखासँ सम्बन्धित भाषा अछि — भाषा-वर्गीकरणमे मैथिलीकेँ भारत-आर्य परम्पराक पूर्वी क्षेत्रक भाषा मानल जाइत अछि।

१११. (B) मैथिली भारतीय आर्यभाषाक ऐतिहासिक विकास-धारामे राखल जाइत अछि — ध्वनि, शब्द, व्याकरण आ ऐतिहासिक स्रोत एहि सम्बन्धकेँ स्पष्ट करैत अछि।

११२. (C) मैथिली भारतीय आर्यभाषाक ऐतिहासिक विकास-धारामे राखल जाइत अछि — ध्वनि, शब्द, व्याकरण आ ऐतिहासिक स्रोत एहि सम्बन्धकेँ स्पष्ट करैत अछि।

११३. (A) मैथिली भारतीय आर्यभाषाक ऐतिहासिक विकास-धारामे राखल जाइत अछि — ध्वनि, शब्द, व्याकरण आ ऐतिहासिक स्रोत एहि सम्बन्धकेँ स्पष्ट करैत अछि।

११४. (C) मैथिली भारतीय आर्यभाषाक ऐतिहासिक विकास-धारामे राखल जाइत अछि — ध्वनि, शब्द, व्याकरण आ ऐतिहासिक स्रोत एहि सम्बन्धकेँ स्पष्ट करैत अछि।

११५. (B) मैथिली भारतीय आर्यभाषाक ऐतिहासिक विकास-धारामे राखल जाइत अछि — ध्वनि, शब्द, व्याकरण आ ऐतिहासिक स्रोत एहि सम्बन्धकेँ स्पष्ट करैत अछि।

११६. (C) मैथिली भारतीय आर्यभाषाक ऐतिहासिक विकास-धारामे राखल जाइत अछि — ध्वनि, शब्द, व्याकरण आ ऐतिहासिक स्रोत एहि सम्बन्धकेँ स्पष्ट करैत अछि।

११७. (A) मैथिली भारतीय आर्यभाषाक ऐतिहासिक विकास-धारामे राखल जाइत अछि — ध्वनि, शब्द, व्याकरण आ ऐतिहासिक स्रोत एहि सम्बन्धकेँ स्पष्ट करैत अछि।

११८. (A) मैथिली भारतीय आर्यभाषाक ऐतिहासिक विकास-धारामे राखल जाइत अछि — ध्वनि, शब्द, व्याकरण आ ऐतिहासिक स्रोत एहि सम्बन्धकेँ स्पष्ट करैत अछि।

११९. (A) मैथिली भारतीय आर्यभाषाक ऐतिहासिक विकास-धारामे राखल जाइत अछि — ध्वनि, शब्द, व्याकरण आ ऐतिहासिक स्रोत एहि सम्बन्धकेँ स्पष्ट करैत अछि।

१२०. (A) मैथिली भारतीय आर्यभाषाक ऐतिहासिक विकास-धारामे राखल जाइत अछि — ध्वनि, शब्द, व्याकरण आ ऐतिहासिक स्रोत एहि सम्बन्धकेँ स्पष्ट करैत अछि।

१२१. (C) मैथिली पूर्वी भारतक आर्यभाषिक धरातलसँ विशेष निकटता रखैत अछि — मागधी-आधारित विकास-रेखा मैथिलीक ध्वनि आ रूपरचना बुझबामे सहायक अछि।

१२२. (D) मैथिली पूर्वी भारतक आर्यभाषिक धरातलसँ विशेष निकटता रखैत अछि — मागधी-आधारित विकास-रेखा मैथिलीक ध्वनि आ रूपरचना बुझबामे सहायक अछि।

१२३. (B) मैथिली पूर्वी भारतक आर्यभाषिक धरातलसँ विशेष निकटता रखैत अछि — मागधी-आधारित विकास-रेखा मैथिलीक ध्वनि आ रूपरचना बुझबामे सहायक अछि।

१२४. (C) मैथिली पूर्वी भारतक आर्यभाषिक धरातलसँ विशेष निकटता रखैत अछि — मागधी-आधारित विकास-रेखा मैथिलीक ध्वनि आ रूपरचना बुझबामे सहायक अछि।

१२५. (B) मैथिली पूर्वी भारतक आर्यभाषिक धरातलसँ विशेष निकटता रखैत अछि — मागधी-आधारित विकास-रेखा मैथिलीक ध्वनि आ रूपरचना बुझबामे सहायक अछि।

१२६. (B) मैथिली पूर्वी भारतक आर्यभाषिक धरातलसँ विशेष निकटता रखैत अछि — मागधी-आधारित विकास-रेखा मैथिलीक ध्वनि आ रूपरचना बुझबामे सहायक अछि।

१२७. (D) मैथिली पूर्वी भारतक आर्यभाषिक धरातलसँ विशेष निकटता रखैत अछि — मागधी-आधारित विकास-रेखा मैथिलीक ध्वनि आ रूपरचना बुझबामे सहायक अछि।

१२८. (C) मैथिली पूर्वी भारतक आर्यभाषिक धरातलसँ विशेष निकटता रखैत अछि — मागधी-आधारित विकास-रेखा मैथिलीक ध्वनि आ रूपरचना बुझबामे सहायक अछि।

१२९. (A) मैथिली पूर्वी भारतक आर्यभाषिक धरातलसँ विशेष निकटता रखैत अछि — मागधी-आधारित विकास-रेखा मैथिलीक ध्वनि आ रूपरचना बुझबामे सहायक अछि।

१३०. (C) मैथिली पूर्वी भारतक आर्यभाषिक धरातलसँ विशेष निकटता रखैत अछि — मागधी-आधारित विकास-रेखा मैथिलीक ध्वनि आ रूपरचना बुझबामे सहायक अछि।

१३१. (C) मैथिलीक पुरान आधार बुझबामे मागधी प्राकृतक परम्परा महत्त्वपूर्ण मानल जाइत अछि — पूर्वी आर्यभाषाक विकासमे मागधी प्राकृतक ऐतिहासिक भूमिका स्वीकार कएल जाइत अछि।

१३२. (A) मैथिलीक पुरान आधार बुझबामे मागधी प्राकृतक परम्परा महत्त्वपूर्ण मानल जाइत अछि — पूर्वी आर्यभाषाक विकासमे मागधी प्राकृतक ऐतिहासिक भूमिका स्वीकार कएल जाइत अछि।

१३३. (B) मैथिलीक पुरान आधार बुझबामे मागधी प्राकृतक परम्परा महत्त्वपूर्ण मानल जाइत अछि — पूर्वी आर्यभाषाक विकासमे मागधी प्राकृतक ऐतिहासिक भूमिका स्वीकार कएल जाइत अछि।

१३४. (D) मैथिलीक पुरान आधार बुझबामे मागधी प्राकृतक परम्परा महत्त्वपूर्ण मानल जाइत अछि — पूर्वी आर्यभाषाक विकासमे मागधी प्राकृतक ऐतिहासिक भूमिका स्वीकार कएल जाइत अछि।

१३५. (C) मैथिलीक पुरान आधार बुझबामे मागधी प्राकृतक परम्परा महत्त्वपूर्ण मानल जाइत अछि — पूर्वी आर्यभाषाक विकासमे मागधी प्राकृतक ऐतिहासिक भूमिका स्वीकार कएल जाइत अछि।

१३६. (D) मैथिलीक पुरान आधार बुझबामे मागधी प्राकृतक परम्परा महत्त्वपूर्ण मानल जाइत अछि — पूर्वी आर्यभाषाक विकासमे मागधी प्राकृतक ऐतिहासिक भूमिका स्वीकार कएल जाइत अछि।

१३७. (B) मैथिलीक पुरान आधार बुझबामे मागधी प्राकृतक परम्परा महत्त्वपूर्ण मानल जाइत अछि — पूर्वी आर्यभाषाक विकासमे मागधी प्राकृतक ऐतिहासिक भूमिका स्वीकार कएल जाइत अछि।

१३८. (B) मैथिलीक पुरान आधार बुझबामे मागधी प्राकृतक परम्परा महत्त्वपूर्ण मानल जाइत अछि — पूर्वी आर्यभाषाक विकासमे मागधी प्राकृतक ऐतिहासिक भूमिका स्वीकार कएल जाइत अछि।

१३९. (C) मैथिलीक पुरान आधार बुझबामे मागधी प्राकृतक परम्परा महत्त्वपूर्ण मानल जाइत अछि — पूर्वी आर्यभाषाक विकासमे मागधी प्राकृतक ऐतिहासिक भूमिका स्वीकार कएल जाइत अछि।

१४०. (C) मैथिलीक पुरान आधार बुझबामे मागधी प्राकृतक परम्परा महत्त्वपूर्ण मानल जाइत अछि — पूर्वी आर्यभाषाक विकासमे मागधी प्राकृतक ऐतिहासिक भूमिका स्वीकार कएल जाइत अछि।

१४१. (A) प्राकृतसँ नवभाषा धरि आबयमे अपभ्रंश मध्यवर्ती भाषा-चरण रहल — अपभ्रंशक माध्यमेँ पुरान रूप सभ धीरे-धीरे नब भारतीय भाषामे बदलल।

१४२. (B) प्राकृतसँ नवभाषा धरि आबयमे अपभ्रंश मध्यवर्ती भाषा-चरण रहल — अपभ्रंशक माध्यमेँ पुरान रूप सभ धीरे-धीरे नब भारतीय भाषामे बदलल।

१४३. (C) प्राकृतसँ नवभाषा धरि आबयमे अपभ्रंश मध्यवर्ती भाषा-चरण रहल — अपभ्रंशक माध्यमेँ पुरान रूप सभ धीरे-धीरे नब भारतीय भाषामे बदलल।

१४४. (C) प्राकृतसँ नवभाषा धरि आबयमे अपभ्रंश मध्यवर्ती भाषा-चरण रहल — अपभ्रंशक माध्यमेँ पुरान रूप सभ धीरे-धीरे नब भारतीय भाषामे बदलल।

१४५. (D) प्राकृतसँ नवभाषा धरि आबयमे अपभ्रंश मध्यवर्ती भाषा-चरण रहल — अपभ्रंशक माध्यमेँ पुरान रूप सभ धीरे-धीरे नब भारतीय भाषामे बदलल।

१४६. (A) प्राकृतसँ नवभाषा धरि आबयमे अपभ्रंश मध्यवर्ती भाषा-चरण रहल — अपभ्रंशक माध्यमेँ पुरान रूप सभ धीरे-धीरे नब भारतीय भाषामे बदलल।

१४७. (D) प्राकृतसँ नवभाषा धरि आबयमे अपभ्रंश मध्यवर्ती भाषा-चरण रहल — अपभ्रंशक माध्यमेँ पुरान रूप सभ धीरे-धीरे नब भारतीय भाषामे बदलल।

१४८. (A) प्राकृतसँ नवभाषा धरि आबयमे अपभ्रंश मध्यवर्ती भाषा-चरण रहल — अपभ्रंशक माध्यमेँ पुरान रूप सभ धीरे-धीरे नब भारतीय भाषामे बदलल।

१४९. (A) प्राकृतसँ नवभाषा धरि आबयमे अपभ्रंश मध्यवर्ती भाषा-चरण रहल — अपभ्रंशक माध्यमेँ पुरान रूप सभ धीरे-धीरे नब भारतीय भाषामे बदलल।

१५०. (B) प्राकृतसँ नवभाषा धरि आबयमे अपभ्रंश मध्यवर्ती भाषा-चरण रहल — अपभ्रंशक माध्यमेँ पुरान रूप सभ धीरे-धीरे नब भारतीय भाषामे बदलल।

१५१. (C) अवहट्ठ मैथिली सहित पूर्वी नवभाषाक निकट पूर्वरूप मानल जाइत अछि — अवहट्ठमे लोक-रूपक प्रबलता आ नवभाषा-दिशाक संकेत भेटैत अछि।

१५२. (D) अवहट्ठ मैथिली सहित पूर्वी नवभाषाक निकट पूर्वरूप मानल जाइत अछि — अवहट्ठमे लोक-रूपक प्रबलता आ नवभाषा-दिशाक संकेत भेटैत अछि।

१५३. (A) अवहट्ठ मैथिली सहित पूर्वी नवभाषाक निकट पूर्वरूप मानल जाइत अछि — अवहट्ठमे लोक-रूपक प्रबलता आ नवभाषा-दिशाक संकेत भेटैत अछि।

१५४. (A) अवहट्ठ मैथिली सहित पूर्वी नवभाषाक निकट पूर्वरूप मानल जाइत अछि — अवहट्ठमे लोक-रूपक प्रबलता आ नवभाषा-दिशाक संकेत भेटैत अछि।

१५५. (B) अवहट्ठ मैथिली सहित पूर्वी नवभाषाक निकट पूर्वरूप मानल जाइत अछि — अवहट्ठमे लोक-रूपक प्रबलता आ नवभाषा-दिशाक संकेत भेटैत अछि।

१५६. (B) अवहट्ठ मैथिली सहित पूर्वी नवभाषाक निकट पूर्वरूप मानल जाइत अछि — अवहट्ठमे लोक-रूपक प्रबलता आ नवभाषा-दिशाक संकेत भेटैत अछि।

१५७. (A) अवहट्ठ मैथिली सहित पूर्वी नवभाषाक निकट पूर्वरूप मानल जाइत अछि — अवहट्ठमे लोक-रूपक प्रबलता आ नवभाषा-दिशाक संकेत भेटैत अछि।

१५८. (D) अवहट्ठ मैथिली सहित पूर्वी नवभाषाक निकट पूर्वरूप मानल जाइत अछि — अवहट्ठमे लोक-रूपक प्रबलता आ नवभाषा-दिशाक संकेत भेटैत अछि।

१५९. (D) अवहट्ठ मैथिली सहित पूर्वी नवभाषाक निकट पूर्वरूप मानल जाइत अछि — अवहट्ठमे लोक-रूपक प्रबलता आ नवभाषा-दिशाक संकेत भेटैत अछि।

१६०. (B) अवहट्ठ मैथिली सहित पूर्वी नवभाषाक निकट पूर्वरूप मानल जाइत अछि — अवहट्ठमे लोक-रूपक प्रबलता आ नवभाषा-दिशाक संकेत भेटैत अछि।

१६१. (B) मैथिलीमे स्थानीय जीवन, कृषि, प्रकृति आ लोकसंस्कारसँ अनेक शब्द विकसित भेल — भाषा केवल शास्त्रीय स्रोतसँ नहि, लोक-जीवनक अपन शब्द-संसारसँ सेहो बनैत अछि।

१६२. (D) मैथिलीमे स्थानीय जीवन, कृषि, प्रकृति आ लोकसंस्कारसँ अनेक शब्द विकसित भेल — भाषा केवल शास्त्रीय स्रोतसँ नहि, लोक-जीवनक अपन शब्द-संसारसँ सेहो बनैत अछि।

१६३. (A) मैथिलीमे स्थानीय जीवन, कृषि, प्रकृति आ लोकसंस्कारसँ अनेक शब्द विकसित भेल — भाषा केवल शास्त्रीय स्रोतसँ नहि, लोक-जीवनक अपन शब्द-संसारसँ सेहो बनैत अछि।

१६४. (A) मैथिलीमे स्थानीय जीवन, कृषि, प्रकृति आ लोकसंस्कारसँ अनेक शब्द विकसित भेल — भाषा केवल शास्त्रीय स्रोतसँ नहि, लोक-जीवनक अपन शब्द-संसारसँ सेहो बनैत अछि।

१६५. (A) मैथिलीमे स्थानीय जीवन, कृषि, प्रकृति आ लोकसंस्कारसँ अनेक शब्द विकसित भेल — भाषा केवल शास्त्रीय स्रोतसँ नहि, लोक-जीवनक अपन शब्द-संसारसँ सेहो बनैत अछि।

१६६. (C) मैथिलीमे स्थानीय जीवन, कृषि, प्रकृति आ लोकसंस्कारसँ अनेक शब्द विकसित भेल — भाषा केवल शास्त्रीय स्रोतसँ नहि, लोक-जीवनक अपन शब्द-संसारसँ सेहो बनैत अछि।

१६७. (A) मैथिलीमे स्थानीय जीवन, कृषि, प्रकृति आ लोकसंस्कारसँ अनेक शब्द विकसित भेल — भाषा केवल शास्त्रीय स्रोतसँ नहि, लोक-जीवनक अपन शब्द-संसारसँ सेहो बनैत अछि।

१६८. (C) मैथिलीमे स्थानीय जीवन, कृषि, प्रकृति आ लोकसंस्कारसँ अनेक शब्द विकसित भेल — भाषा केवल शास्त्रीय स्रोतसँ नहि, लोक-जीवनक अपन शब्द-संसारसँ सेहो बनैत अछि।

१६९. (D) मैथिलीमे स्थानीय जीवन, कृषि, प्रकृति आ लोकसंस्कारसँ अनेक शब्द विकसित भेल — भाषा केवल शास्त्रीय स्रोतसँ नहि, लोक-जीवनक अपन शब्द-संसारसँ सेहो बनैत अछि।

१७०. (C) मैथिलीमे स्थानीय जीवन, कृषि, प्रकृति आ लोकसंस्कारसँ अनेक शब्द विकसित भेल — भाषा केवल शास्त्रीय स्रोतसँ नहि, लोक-जीवनक अपन शब्द-संसारसँ सेहो बनैत अछि।

१७१. (C) मैथिली शब्द-संपदा आ साहित्यिक शैली पर संस्कृतक गहिर प्रभाव रहल — मिथिला पाण्डित्य परम्पराक कारण संस्कृत शब्द, पदबंध आ भाव-रूप मैथिलीमे प्रवेश कएलक।

१७२. (A) मैथिली शब्द-संपदा आ साहित्यिक शैली पर संस्कृतक गहिर प्रभाव रहल — मिथिला पाण्डित्य परम्पराक कारण संस्कृत शब्द, पदबंध आ भाव-रूप मैथिलीमे प्रवेश कएलक।

१७३. (A) मैथिली शब्द-संपदा आ साहित्यिक शैली पर संस्कृतक गहिर प्रभाव रहल — मिथिला पाण्डित्य परम्पराक कारण संस्कृत शब्द, पदबंध आ भाव-रूप मैथिलीमे प्रवेश कएलक।

१७४. (D) मैथिली शब्द-संपदा आ साहित्यिक शैली पर संस्कृतक गहिर प्रभाव रहल — मिथिला पाण्डित्य परम्पराक कारण संस्कृत शब्द, पदबंध आ भाव-रूप मैथिलीमे प्रवेश कएलक।

१७५. (C) मैथिली शब्द-संपदा आ साहित्यिक शैली पर संस्कृतक गहिर प्रभाव रहल — मिथिला पाण्डित्य परम्पराक कारण संस्कृत शब्द, पदबंध आ भाव-रूप मैथिलीमे प्रवेश कएलक।

१७६. (C) मैथिली शब्द-संपदा आ साहित्यिक शैली पर संस्कृतक गहिर प्रभाव रहल — मिथिला पाण्डित्य परम्पराक कारण संस्कृत शब्द, पदबंध आ भाव-रूप मैथिलीमे प्रवेश कएलक।

१७७. (B) मैथिली शब्द-संपदा आ साहित्यिक शैली पर संस्कृतक गहिर प्रभाव रहल — मिथिला पाण्डित्य परम्पराक कारण संस्कृत शब्द, पदबंध आ भाव-रूप मैथिलीमे प्रवेश कएलक।

१७८. (C) मैथिली शब्द-संपदा आ साहित्यिक शैली पर संस्कृतक गहिर प्रभाव रहल — मिथिला पाण्डित्य परम्पराक कारण संस्कृत शब्द, पदबंध आ भाव-रूप मैथिलीमे प्रवेश कएलक।

१७९. (A) मैथिली शब्द-संपदा आ साहित्यिक शैली पर संस्कृतक गहिर प्रभाव रहल — मिथिला पाण्डित्य परम्पराक कारण संस्कृत शब्द, पदबंध आ भाव-रूप मैथिलीमे प्रवेश कएलक।

१८०. (A) मैथिली शब्द-संपदा आ साहित्यिक शैली पर संस्कृतक गहिर प्रभाव रहल — मिथिला पाण्डित्य परम्पराक कारण संस्कृत शब्द, पदबंध आ भाव-रूप मैथिलीमे प्रवेश कएलक।

१८१. (D) प्राकृत, अपभ्रंश आ लोकभाषा बीच निरन्तर आदान-प्रदानसँ मैथिली विकसित भेल — भाषा विकास सीध रेखा नहि, बल्कि अनेक बोलचाल आ लेख्य परम्पराक सम्मिलन अछि।

१८२. (A) प्राकृत, अपभ्रंश आ लोकभाषा बीच निरन्तर आदान-प्रदानसँ मैथिली विकसित भेल — भाषा विकास सीध रेखा नहि, बल्कि अनेक बोलचाल आ लेख्य परम्पराक सम्मिलन अछि।

१८३. (A) प्राकृत, अपभ्रंश आ लोकभाषा बीच निरन्तर आदान-प्रदानसँ मैथिली विकसित भेल — भाषा विकास सीध रेखा नहि, बल्कि अनेक बोलचाल आ लेख्य परम्पराक सम्मिलन अछि।

१८४. (B) प्राकृत, अपभ्रंश आ लोकभाषा बीच निरन्तर आदान-प्रदानसँ मैथिली विकसित भेल — भाषा विकास सीध रेखा नहि, बल्कि अनेक बोलचाल आ लेख्य परम्पराक सम्मिलन अछि।

१८५. (B) प्राकृत, अपभ्रंश आ लोकभाषा बीच निरन्तर आदान-प्रदानसँ मैथिली विकसित भेल — भाषा विकास सीध रेखा नहि, बल्कि अनेक बोलचाल आ लेख्य परम्पराक सम्मिलन अछि।

१८६. (B) प्राकृत, अपभ्रंश आ लोकभाषा बीच निरन्तर आदान-प्रदानसँ मैथिली विकसित भेल — भाषा विकास सीध रेखा नहि, बल्कि अनेक बोलचाल आ लेख्य परम्पराक सम्मिलन अछि।

१८७. (D) प्राकृत, अपभ्रंश आ लोकभाषा बीच निरन्तर आदान-प्रदानसँ मैथिली विकसित भेल — भाषा विकास सीध रेखा नहि, बल्कि अनेक बोलचाल आ लेख्य परम्पराक सम्मिलन अछि।

१८८. (D) प्राकृत, अपभ्रंश आ लोकभाषा बीच निरन्तर आदान-प्रदानसँ मैथिली विकसित भेल — भाषा विकास सीध रेखा नहि, बल्कि अनेक बोलचाल आ लेख्य परम्पराक सम्मिलन अछि।

१८९. (D) प्राकृत, अपभ्रंश आ लोकभाषा बीच निरन्तर आदान-प्रदानसँ मैथिली विकसित भेल — भाषा विकास सीध रेखा नहि, बल्कि अनेक बोलचाल आ लेख्य परम्पराक सम्मिलन अछि।

१९०. (D) प्राकृत, अपभ्रंश आ लोकभाषा बीच निरन्तर आदान-प्रदानसँ मैथिली विकसित भेल — भाषा विकास सीध रेखा नहि, बल्कि अनेक बोलचाल आ लेख्य परम्पराक सम्मिलन अछि।

१९१. (C) समयक संग उच्चारण, स्वर, व्यंजन आ शब्दरूप बदलैत गेल — ध्वनि-परिवर्तन भाषाक जीवन्तता आ ऐतिहासिक गति देखबैत अछि।

१९२. (B) समयक संग उच्चारण, स्वर, व्यंजन आ शब्दरूप बदलैत गेल — ध्वनि-परिवर्तन भाषाक जीवन्तता आ ऐतिहासिक गति देखबैत अछि।

१९३. (D) समयक संग उच्चारण, स्वर, व्यंजन आ शब्दरूप बदलैत गेल — ध्वनि-परिवर्तन भाषाक जीवन्तता आ ऐतिहासिक गति देखबैत अछि।

१९४. (A) समयक संग उच्चारण, स्वर, व्यंजन आ शब्दरूप बदलैत गेल — ध्वनि-परिवर्तन भाषाक जीवन्तता आ ऐतिहासिक गति देखबैत अछि।

१९५. (B) समयक संग उच्चारण, स्वर, व्यंजन आ शब्दरूप बदलैत गेल — ध्वनि-परिवर्तन भाषाक जीवन्तता आ ऐतिहासिक गति देखबैत अछि।

१९६. (D) समयक संग उच्चारण, स्वर, व्यंजन आ शब्दरूप बदलैत गेल — ध्वनि-परिवर्तन भाषाक जीवन्तता आ ऐतिहासिक गति देखबैत अछि।

१९७. (B) समयक संग उच्चारण, स्वर, व्यंजन आ शब्दरूप बदलैत गेल — ध्वनि-परिवर्तन भाषाक जीवन्तता आ ऐतिहासिक गति देखबैत अछि।

१९८. (A) समयक संग उच्चारण, स्वर, व्यंजन आ शब्दरूप बदलैत गेल — ध्वनि-परिवर्तन भाषाक जीवन्तता आ ऐतिहासिक गति देखबैत अछि।

१९९. (B) समयक संग उच्चारण, स्वर, व्यंजन आ शब्दरूप बदलैत गेल — ध्वनि-परिवर्तन भाषाक जीवन्तता आ ऐतिहासिक गति देखबैत अछि।

२००. (A) समयक संग उच्चारण, स्वर, व्यंजन आ शब्दरूप बदलैत गेल — ध्वनि-परिवर्तन भाषाक जीवन्तता आ ऐतिहासिक गति देखबैत अछि।

२०१. (C) पुरान पाण्डुलिपि मैथिलीक लिखित इतिहास बुझबाक महत्त्वपूर्ण आधार अछि — हस्तलिखित ग्रन्थ भाषा-रूप, लिपि, शब्द आ समाजक संकेत दैत अछि।

२०२. (C) पुरान पाण्डुलिपि मैथिलीक लिखित इतिहास बुझबाक महत्त्वपूर्ण आधार अछि — हस्तलिखित ग्रन्थ भाषा-रूप, लिपि, शब्द आ समाजक संकेत दैत अछि।

२०३. (C) पुरान पाण्डुलिपि मैथिलीक लिखित इतिहास बुझबाक महत्त्वपूर्ण आधार अछि — हस्तलिखित ग्रन्थ भाषा-रूप, लिपि, शब्द आ समाजक संकेत दैत अछि।

२०४. (D) पुरान पाण्डुलिपि मैथिलीक लिखित इतिहास बुझबाक महत्त्वपूर्ण आधार अछि — हस्तलिखित ग्रन्थ भाषा-रूप, लिपि, शब्द आ समाजक संकेत दैत अछि।

२०५. (C) पुरान पाण्डुलिपि मैथिलीक लिखित इतिहास बुझबाक महत्त्वपूर्ण आधार अछि — हस्तलिखित ग्रन्थ भाषा-रूप, लिपि, शब्द आ समाजक संकेत दैत अछि।

२०६. (B) पुरान पाण्डुलिपि मैथिलीक लिखित इतिहास बुझबाक महत्त्वपूर्ण आधार अछि — हस्तलिखित ग्रन्थ भाषा-रूप, लिपि, शब्द आ समाजक संकेत दैत अछि।

२०७. (C) पुरान पाण्डुलिपि मैथिलीक लिखित इतिहास बुझबाक महत्त्वपूर्ण आधार अछि — हस्तलिखित ग्रन्थ भाषा-रूप, लिपि, शब्द आ समाजक संकेत दैत अछि।

२०८. (C) पुरान पाण्डुलिपि मैथिलीक लिखित इतिहास बुझबाक महत्त्वपूर्ण आधार अछि — हस्तलिखित ग्रन्थ भाषा-रूप, लिपि, शब्द आ समाजक संकेत दैत अछि।

२०९. (C) पुरान पाण्डुलिपि मैथिलीक लिखित इतिहास बुझबाक महत्त्वपूर्ण आधार अछि — हस्तलिखित ग्रन्थ भाषा-रूप, लिपि, शब्द आ समाजक संकेत दैत अछि।

२१०. (C) पुरान पाण्डुलिपि मैथिलीक लिखित इतिहास बुझबाक महत्त्वपूर्ण आधार अछि — हस्तलिखित ग्रन्थ भाषा-रूप, लिपि, शब्द आ समाजक संकेत दैत अछि।

२११. (A) दानपत्र, लेख आ अभिलेख भाषिक इतिहासक सहायक प्रमाण बनैत अछि — अभिलेखमे नाम, स्थान, पद, भाषा-रूप आ प्रशासनिक शब्दक चिन्ह बचि जाइत अछि।

२१२. (B) दानपत्र, लेख आ अभिलेख भाषिक इतिहासक सहायक प्रमाण बनैत अछि — अभिलेखमे नाम, स्थान, पद, भाषा-रूप आ प्रशासनिक शब्दक चिन्ह बचि जाइत अछि।

२१३. (A) दानपत्र, लेख आ अभिलेख भाषिक इतिहासक सहायक प्रमाण बनैत अछि — अभिलेखमे नाम, स्थान, पद, भाषा-रूप आ प्रशासनिक शब्दक चिन्ह बचि जाइत अछि।

२१४. (A) दानपत्र, लेख आ अभिलेख भाषिक इतिहासक सहायक प्रमाण बनैत अछि — अभिलेखमे नाम, स्थान, पद, भाषा-रूप आ प्रशासनिक शब्दक चिन्ह बचि जाइत अछि।

२१५. (B) दानपत्र, लेख आ अभिलेख भाषिक इतिहासक सहायक प्रमाण बनैत अछि — अभिलेखमे नाम, स्थान, पद, भाषा-रूप आ प्रशासनिक शब्दक चिन्ह बचि जाइत अछि।

२१६. (C) दानपत्र, लेख आ अभिलेख भाषिक इतिहासक सहायक प्रमाण बनैत अछि — अभिलेखमे नाम, स्थान, पद, भाषा-रूप आ प्रशासनिक शब्दक चिन्ह बचि जाइत अछि।

२१७. (B) दानपत्र, लेख आ अभिलेख भाषिक इतिहासक सहायक प्रमाण बनैत अछि — अभिलेखमे नाम, स्थान, पद, भाषा-रूप आ प्रशासनिक शब्दक चिन्ह बचि जाइत अछि।

२१८. (B) दानपत्र, लेख आ अभिलेख भाषिक इतिहासक सहायक प्रमाण बनैत अछि — अभिलेखमे नाम, स्थान, पद, भाषा-रूप आ प्रशासनिक शब्दक चिन्ह बचि जाइत अछि।

२१९. (B) दानपत्र, लेख आ अभिलेख भाषिक इतिहासक सहायक प्रमाण बनैत अछि — अभिलेखमे नाम, स्थान, पद, भाषा-रूप आ प्रशासनिक शब्दक चिन्ह बचि जाइत अछि।

२२०. (B) दानपत्र, लेख आ अभिलेख भाषिक इतिहासक सहायक प्रमाण बनैत अछि — अभिलेखमे नाम, स्थान, पद, भाषा-रूप आ प्रशासनिक शब्दक चिन्ह बचि जाइत अछि।

२२१. (D) वर्णरत्नाकर मैथिली गद्य-परम्पराक प्राचीन महत्त्वपूर्ण कृति मानल जाइत अछि — ज्योतिरीश्वरक एहि ग्रन्थमे वर्णन-कौशल, शब्द-संपदा आ आरम्भिक गद्यक स्वरूप देखाइत अछि।

२२२. (A) वर्णरत्नाकर मैथिली गद्य-परम्पराक प्राचीन महत्त्वपूर्ण कृति मानल जाइत अछि — ज्योतिरीश्वरक एहि ग्रन्थमे वर्णन-कौशल, शब्द-संपदा आ आरम्भिक गद्यक स्वरूप देखाइत अछि।

२२३. (A) वर्णरत्नाकर मैथिली गद्य-परम्पराक प्राचीन महत्त्वपूर्ण कृति मानल जाइत अछि — ज्योतिरीश्वरक एहि ग्रन्थमे वर्णन-कौशल, शब्द-संपदा आ आरम्भिक गद्यक स्वरूप देखाइत अछि।

२२४. (A) वर्णरत्नाकर मैथिली गद्य-परम्पराक प्राचीन महत्त्वपूर्ण कृति मानल जाइत अछि — ज्योतिरीश्वरक एहि ग्रन्थमे वर्णन-कौशल, शब्द-संपदा आ आरम्भिक गद्यक स्वरूप देखाइत अछि।

२२५. (A) वर्णरत्नाकर मैथिली गद्य-परम्पराक प्राचीन महत्त्वपूर्ण कृति मानल जाइत अछि — ज्योतिरीश्वरक एहि ग्रन्थमे वर्णन-कौशल, शब्द-संपदा आ आरम्भिक गद्यक स्वरूप देखाइत अछि।

२२६. (A) वर्णरत्नाकर मैथिली गद्य-परम्पराक प्राचीन महत्त्वपूर्ण कृति मानल जाइत अछि — ज्योतिरीश्वरक एहि ग्रन्थमे वर्णन-कौशल, शब्द-संपदा आ आरम्भिक गद्यक स्वरूप देखाइत अछि।

२२७. (A) वर्णरत्नाकर मैथिली गद्य-परम्पराक प्राचीन महत्त्वपूर्ण कृति मानल जाइत अछि — ज्योतिरीश्वरक एहि ग्रन्थमे वर्णन-कौशल, शब्द-संपदा आ आरम्भिक गद्यक स्वरूप देखाइत अछि।

२२८. (A) वर्णरत्नाकर मैथिली गद्य-परम्पराक प्राचीन महत्त्वपूर्ण कृति मानल जाइत अछि — ज्योतिरीश्वरक एहि ग्रन्थमे वर्णन-कौशल, शब्द-संपदा आ आरम्भिक गद्यक स्वरूप देखाइत अछि।

२२९. (B) वर्णरत्नाकर मैथिली गद्य-परम्पराक प्राचीन महत्त्वपूर्ण कृति मानल जाइत अछि — ज्योतिरीश्वरक एहि ग्रन्थमे वर्णन-कौशल, शब्द-संपदा आ आरम्भिक गद्यक स्वरूप देखाइत अछि।

२३०. (A) वर्णरत्नाकर मैथिली गद्य-परम्पराक प्राचीन महत्त्वपूर्ण कृति मानल जाइत अछि — ज्योतिरीश्वरक एहि ग्रन्थमे वर्णन-कौशल, शब्द-संपदा आ आरम्भिक गद्यक स्वरूप देखाइत अछि।

२३१. (B) ज्योतिरीश्वर ठाकुर मैथिली गद्यक आरम्भिक इतिहासमे केन्द्रीय नाम छथि — ओहि कालमे मैथिलीकेँ गद्य-वर्णनक समर्थ भाषा रूपमे प्रतिष्ठा भेटल।

२३२. (D) ज्योतिरीश्वर ठाकुर मैथिली गद्यक आरम्भिक इतिहासमे केन्द्रीय नाम छथि — ओहि कालमे मैथिलीकेँ गद्य-वर्णनक समर्थ भाषा रूपमे प्रतिष्ठा भेटल।

२३३. (A) ज्योतिरीश्वर ठाकुर मैथिली गद्यक आरम्भिक इतिहासमे केन्द्रीय नाम छथि — ओहि कालमे मैथिलीकेँ गद्य-वर्णनक समर्थ भाषा रूपमे प्रतिष्ठा भेटल।

२३४. (A) ज्योतिरीश्वर ठाकुर मैथिली गद्यक आरम्भिक इतिहासमे केन्द्रीय नाम छथि — ओहि कालमे मैथिलीकेँ गद्य-वर्णनक समर्थ भाषा रूपमे प्रतिष्ठा भेटल।

२३५. (C) ज्योतिरीश्वर ठाकुर मैथिली गद्यक आरम्भिक इतिहासमे केन्द्रीय नाम छथि — ओहि कालमे मैथिलीकेँ गद्य-वर्णनक समर्थ भाषा रूपमे प्रतिष्ठा भेटल।

२३६. (B) ज्योतिरीश्वर ठाकुर मैथिली गद्यक आरम्भिक इतिहासमे केन्द्रीय नाम छथि — ओहि कालमे मैथिलीकेँ गद्य-वर्णनक समर्थ भाषा रूपमे प्रतिष्ठा भेटल।

२३७. (C) ज्योतिरीश्वर ठाकुर मैथिली गद्यक आरम्भिक इतिहासमे केन्द्रीय नाम छथि — ओहि कालमे मैथिलीकेँ गद्य-वर्णनक समर्थ भाषा रूपमे प्रतिष्ठा भेटल।

२३८. (C) ज्योतिरीश्वर ठाकुर मैथिली गद्यक आरम्भिक इतिहासमे केन्द्रीय नाम छथि — ओहि कालमे मैथिलीकेँ गद्य-वर्णनक समर्थ भाषा रूपमे प्रतिष्ठा भेटल।

२३९. (D) ज्योतिरीश्वर ठाकुर मैथिली गद्यक आरम्भिक इतिहासमे केन्द्रीय नाम छथि — ओहि कालमे मैथिलीकेँ गद्य-वर्णनक समर्थ भाषा रूपमे प्रतिष्ठा भेटल।

२४०. (A) ज्योतिरीश्वर ठाकुर मैथिली गद्यक आरम्भिक इतिहासमे केन्द्रीय नाम छथि — ओहि कालमे मैथिलीकेँ गद्य-वर्णनक समर्थ भाषा रूपमे प्रतिष्ठा भेटल।

२४१. (A) मैथिली आरम्भिक कालमे केवल गीतक भाषा नहि, गद्य-वर्णनक भाषा सेहो बनल — गद्यक विकास भाषाक बौद्धिक विस्तार आ अभिव्यक्ति-सामर्थ्य देखबैत अछि।

२४२. (D) मैथिली आरम्भिक कालमे केवल गीतक भाषा नहि, गद्य-वर्णनक भाषा सेहो बनल — गद्यक विकास भाषाक बौद्धिक विस्तार आ अभिव्यक्ति-सामर्थ्य देखबैत अछि।

२४३. (C) मैथिली आरम्भिक कालमे केवल गीतक भाषा नहि, गद्य-वर्णनक भाषा सेहो बनल — गद्यक विकास भाषाक बौद्धिक विस्तार आ अभिव्यक्ति-सामर्थ्य देखबैत अछि।

२४४. (B) मैथिली आरम्भिक कालमे केवल गीतक भाषा नहि, गद्य-वर्णनक भाषा सेहो बनल — गद्यक विकास भाषाक बौद्धिक विस्तार आ अभिव्यक्ति-सामर्थ्य देखबैत अछि।

२४५. (A) मैथिली आरम्भिक कालमे केवल गीतक भाषा नहि, गद्य-वर्णनक भाषा सेहो बनल — गद्यक विकास भाषाक बौद्धिक विस्तार आ अभिव्यक्ति-सामर्थ्य देखबैत अछि।

२४६. (B) मैथिली आरम्भिक कालमे केवल गीतक भाषा नहि, गद्य-वर्णनक भाषा सेहो बनल — गद्यक विकास भाषाक बौद्धिक विस्तार आ अभिव्यक्ति-सामर्थ्य देखबैत अछि।

२४७. (C) मैथिली आरम्भिक कालमे केवल गीतक भाषा नहि, गद्य-वर्णनक भाषा सेहो बनल — गद्यक विकास भाषाक बौद्धिक विस्तार आ अभिव्यक्ति-सामर्थ्य देखबैत अछि।

२४८. (C) मैथिली आरम्भिक कालमे केवल गीतक भाषा नहि, गद्य-वर्णनक भाषा सेहो बनल — गद्यक विकास भाषाक बौद्धिक विस्तार आ अभिव्यक्ति-सामर्थ्य देखबैत अछि।

२४९. (C) मैथिली आरम्भिक कालमे केवल गीतक भाषा नहि, गद्य-वर्णनक भाषा सेहो बनल — गद्यक विकास भाषाक बौद्धिक विस्तार आ अभिव्यक्ति-सामर्थ्य देखबैत अछि।

२५०. (A) मैथिली आरम्भिक कालमे केवल गीतक भाषा नहि, गद्य-वर्णनक भाषा सेहो बनल — गद्यक विकास भाषाक बौद्धिक विस्तार आ अभिव्यक्ति-सामर्थ्य देखबैत अछि।

२५१. (B) लिखित प्रमाणक संग लोकगीत सेहो भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि — लोकगीतमे उच्चारण, वाक्य, लोक-भाव आ पुरान शब्द सुरक्षित रहि सकैत अछि।

२५२. (D) लिखित प्रमाणक संग लोकगीत सेहो भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि — लोकगीतमे उच्चारण, वाक्य, लोक-भाव आ पुरान शब्द सुरक्षित रहि सकैत अछि।

२५३. (D) लिखित प्रमाणक संग लोकगीत सेहो भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि — लोकगीतमे उच्चारण, वाक्य, लोक-भाव आ पुरान शब्द सुरक्षित रहि सकैत अछि।

२५४. (D) लिखित प्रमाणक संग लोकगीत सेहो भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि — लोकगीतमे उच्चारण, वाक्य, लोक-भाव आ पुरान शब्द सुरक्षित रहि सकैत अछि।

२५५. (B) लिखित प्रमाणक संग लोकगीत सेहो भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि — लोकगीतमे उच्चारण, वाक्य, लोक-भाव आ पुरान शब्द सुरक्षित रहि सकैत अछि।

२५६. (B) लिखित प्रमाणक संग लोकगीत सेहो भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि — लोकगीतमे उच्चारण, वाक्य, लोक-भाव आ पुरान शब्द सुरक्षित रहि सकैत अछि।

२५७. (B) लिखित प्रमाणक संग लोकगीत सेहो भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि — लोकगीतमे उच्चारण, वाक्य, लोक-भाव आ पुरान शब्द सुरक्षित रहि सकैत अछि।

२५८. (C) लिखित प्रमाणक संग लोकगीत सेहो भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि — लोकगीतमे उच्चारण, वाक्य, लोक-भाव आ पुरान शब्द सुरक्षित रहि सकैत अछि।

२५९. (B) लिखित प्रमाणक संग लोकगीत सेहो भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि — लोकगीतमे उच्चारण, वाक्य, लोक-भाव आ पुरान शब्द सुरक्षित रहि सकैत अछि।

२६०. (C) लिखित प्रमाणक संग लोकगीत सेहो भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि — लोकगीतमे उच्चारण, वाक्य, लोक-भाव आ पुरान शब्द सुरक्षित रहि सकैत अछि।

२६१. (C) पुरान मैथिली लेखनमे तिरहुता लिपिक विशेष स्थान रहल — लिपि भाषाक लिखित स्मृति सुरक्षित करैत अछि; तिरहुता मैथिली पाण्डुलिपिक महत्त्वपूर्ण चिन्ह अछि।

२६२. (C) पुरान मैथिली लेखनमे तिरहुता लिपिक विशेष स्थान रहल — लिपि भाषाक लिखित स्मृति सुरक्षित करैत अछि; तिरहुता मैथिली पाण्डुलिपिक महत्त्वपूर्ण चिन्ह अछि।

२६३. (C) पुरान मैथिली लेखनमे तिरहुता लिपिक विशेष स्थान रहल — लिपि भाषाक लिखित स्मृति सुरक्षित करैत अछि; तिरहुता मैथिली पाण्डुलिपिक महत्त्वपूर्ण चिन्ह अछि।

२६४. (B) पुरान मैथिली लेखनमे तिरहुता लिपिक विशेष स्थान रहल — लिपि भाषाक लिखित स्मृति सुरक्षित करैत अछि; तिरहुता मैथिली पाण्डुलिपिक महत्त्वपूर्ण चिन्ह अछि।

२६५. (D) पुरान मैथिली लेखनमे तिरहुता लिपिक विशेष स्थान रहल — लिपि भाषाक लिखित स्मृति सुरक्षित करैत अछि; तिरहुता मैथिली पाण्डुलिपिक महत्त्वपूर्ण चिन्ह अछि।

२६६. (B) पुरान मैथिली लेखनमे तिरहुता लिपिक विशेष स्थान रहल — लिपि भाषाक लिखित स्मृति सुरक्षित करैत अछि; तिरहुता मैथिली पाण्डुलिपिक महत्त्वपूर्ण चिन्ह अछि।

२६७. (B) पुरान मैथिली लेखनमे तिरहुता लिपिक विशेष स्थान रहल — लिपि भाषाक लिखित स्मृति सुरक्षित करैत अछि; तिरहुता मैथिली पाण्डुलिपिक महत्त्वपूर्ण चिन्ह अछि।

२६८. (D) पुरान मैथिली लेखनमे तिरहुता लिपिक विशेष स्थान रहल — लिपि भाषाक लिखित स्मृति सुरक्षित करैत अछि; तिरहुता मैथिली पाण्डुलिपिक महत्त्वपूर्ण चिन्ह अछि।

२६९. (A) पुरान मैथिली लेखनमे तिरहुता लिपिक विशेष स्थान रहल — लिपि भाषाक लिखित स्मृति सुरक्षित करैत अछि; तिरहुता मैथिली पाण्डुलिपिक महत्त्वपूर्ण चिन्ह अछि।

२७०. (C) पुरान मैथिली लेखनमे तिरहुता लिपिक विशेष स्थान रहल — लिपि भाषाक लिखित स्मृति सुरक्षित करैत अछि; तिरहुता मैथिली पाण्डुलिपिक महत्त्वपूर्ण चिन्ह अछि।

२७१. (C) पञ्जी-परम्परा मैथिल समाज आ भाषा-दस्तावेजक अनोखा स्रोत अछि — वंशावली आ सामाजिक अभिलेखमे अनेक भाषिक रूप आ नाम-संरचना सुरक्षित रहैत अछि।

२७२. (D) पञ्जी-परम्परा मैथिल समाज आ भाषा-दस्तावेजक अनोखा स्रोत अछि — वंशावली आ सामाजिक अभिलेखमे अनेक भाषिक रूप आ नाम-संरचना सुरक्षित रहैत अछि।

२७३. (C) पञ्जी-परम्परा मैथिल समाज आ भाषा-दस्तावेजक अनोखा स्रोत अछि — वंशावली आ सामाजिक अभिलेखमे अनेक भाषिक रूप आ नाम-संरचना सुरक्षित रहैत अछि।

२७४. (A) पञ्जी-परम्परा मैथिल समाज आ भाषा-दस्तावेजक अनोखा स्रोत अछि — वंशावली आ सामाजिक अभिलेखमे अनेक भाषिक रूप आ नाम-संरचना सुरक्षित रहैत अछि।

२७५. (A) पञ्जी-परम्परा मैथिल समाज आ भाषा-दस्तावेजक अनोखा स्रोत अछि — वंशावली आ सामाजिक अभिलेखमे अनेक भाषिक रूप आ नाम-संरचना सुरक्षित रहैत अछि।

२७६. (B) पञ्जी-परम्परा मैथिल समाज आ भाषा-दस्तावेजक अनोखा स्रोत अछि — वंशावली आ सामाजिक अभिलेखमे अनेक भाषिक रूप आ नाम-संरचना सुरक्षित रहैत अछि।

२७७. (C) पञ्जी-परम्परा मैथिल समाज आ भाषा-दस्तावेजक अनोखा स्रोत अछि — वंशावली आ सामाजिक अभिलेखमे अनेक भाषिक रूप आ नाम-संरचना सुरक्षित रहैत अछि।

२७८. (B) पञ्जी-परम्परा मैथिल समाज आ भाषा-दस्तावेजक अनोखा स्रोत अछि — वंशावली आ सामाजिक अभिलेखमे अनेक भाषिक रूप आ नाम-संरचना सुरक्षित रहैत अछि।

२७९. (B) पञ्जी-परम्परा मैथिल समाज आ भाषा-दस्तावेजक अनोखा स्रोत अछि — वंशावली आ सामाजिक अभिलेखमे अनेक भाषिक रूप आ नाम-संरचना सुरक्षित रहैत अछि।

२८०. (D) पञ्जी-परम्परा मैथिल समाज आ भाषा-दस्तावेजक अनोखा स्रोत अछि — वंशावली आ सामाजिक अभिलेखमे अनेक भाषिक रूप आ नाम-संरचना सुरक्षित रहैत अछि।

२८१. (B) दानपत्र सभमे स्थान-नाम, व्यक्ति-नाम आ व्यवहारिक भाषा-रूप भेटि सकैत अछि — ऐतिहासिक भाषा-अध्ययनमे एहन व्यवहारिक दस्तावेज बहुत उपयोगी होइत अछि।

२८२. (A) दानपत्र सभमे स्थान-नाम, व्यक्ति-नाम आ व्यवहारिक भाषा-रूप भेटि सकैत अछि — ऐतिहासिक भाषा-अध्ययनमे एहन व्यवहारिक दस्तावेज बहुत उपयोगी होइत अछि।

२८३. (D) दानपत्र सभमे स्थान-नाम, व्यक्ति-नाम आ व्यवहारिक भाषा-रूप भेटि सकैत अछि — ऐतिहासिक भाषा-अध्ययनमे एहन व्यवहारिक दस्तावेज बहुत उपयोगी होइत अछि।

२८४. (C) दानपत्र सभमे स्थान-नाम, व्यक्ति-नाम आ व्यवहारिक भाषा-रूप भेटि सकैत अछि — ऐतिहासिक भाषा-अध्ययनमे एहन व्यवहारिक दस्तावेज बहुत उपयोगी होइत अछि।

२८५. (B) दानपत्र सभमे स्थान-नाम, व्यक्ति-नाम आ व्यवहारिक भाषा-रूप भेटि सकैत अछि — ऐतिहासिक भाषा-अध्ययनमे एहन व्यवहारिक दस्तावेज बहुत उपयोगी होइत अछि।

२८६. (A) दानपत्र सभमे स्थान-नाम, व्यक्ति-नाम आ व्यवहारिक भाषा-रूप भेटि सकैत अछि — ऐतिहासिक भाषा-अध्ययनमे एहन व्यवहारिक दस्तावेज बहुत उपयोगी होइत अछि।

२८७. (B) दानपत्र सभमे स्थान-नाम, व्यक्ति-नाम आ व्यवहारिक भाषा-रूप भेटि सकैत अछि — ऐतिहासिक भाषा-अध्ययनमे एहन व्यवहारिक दस्तावेज बहुत उपयोगी होइत अछि।

२८८. (A) दानपत्र सभमे स्थान-नाम, व्यक्ति-नाम आ व्यवहारिक भाषा-रूप भेटि सकैत अछि — ऐतिहासिक भाषा-अध्ययनमे एहन व्यवहारिक दस्तावेज बहुत उपयोगी होइत अछि।

२८९. (D) दानपत्र सभमे स्थान-नाम, व्यक्ति-नाम आ व्यवहारिक भाषा-रूप भेटि सकैत अछि — ऐतिहासिक भाषा-अध्ययनमे एहन व्यवहारिक दस्तावेज बहुत उपयोगी होइत अछि।

२९०. (D) दानपत्र सभमे स्थान-नाम, व्यक्ति-नाम आ व्यवहारिक भाषा-रूप भेटि सकैत अछि — ऐतिहासिक भाषा-अध्ययनमे एहन व्यवहारिक दस्तावेज बहुत उपयोगी होइत अछि।

२९१. (B) मौखिक कथा, गीत आ कहावत लिखित इतिहासक पूरक स्रोत अछि — बहुत पुरान भाषा-संस्कार पहिले लोक-मुखमे सुरक्षित रहैत अछि, बादमे लिखित होइत अछि।

२९२. (C) मौखिक कथा, गीत आ कहावत लिखित इतिहासक पूरक स्रोत अछि — बहुत पुरान भाषा-संस्कार पहिले लोक-मुखमे सुरक्षित रहैत अछि, बादमे लिखित होइत अछि।

२९३. (C) मौखिक कथा, गीत आ कहावत लिखित इतिहासक पूरक स्रोत अछि — बहुत पुरान भाषा-संस्कार पहिले लोक-मुखमे सुरक्षित रहैत अछि, बादमे लिखित होइत अछि।

२९४. (C) मौखिक कथा, गीत आ कहावत लिखित इतिहासक पूरक स्रोत अछि — बहुत पुरान भाषा-संस्कार पहिले लोक-मुखमे सुरक्षित रहैत अछि, बादमे लिखित होइत अछि।

२९५. (D) मौखिक कथा, गीत आ कहावत लिखित इतिहासक पूरक स्रोत अछि — बहुत पुरान भाषा-संस्कार पहिले लोक-मुखमे सुरक्षित रहैत अछि, बादमे लिखित होइत अछि।

२९६. (D) मौखिक कथा, गीत आ कहावत लिखित इतिहासक पूरक स्रोत अछि — बहुत पुरान भाषा-संस्कार पहिले लोक-मुखमे सुरक्षित रहैत अछि, बादमे लिखित होइत अछि।

२९७. (D) मौखिक कथा, गीत आ कहावत लिखित इतिहासक पूरक स्रोत अछि — बहुत पुरान भाषा-संस्कार पहिले लोक-मुखमे सुरक्षित रहैत अछि, बादमे लिखित होइत अछि।

२९८. (A) मौखिक कथा, गीत आ कहावत लिखित इतिहासक पूरक स्रोत अछि — बहुत पुरान भाषा-संस्कार पहिले लोक-मुखमे सुरक्षित रहैत अछि, बादमे लिखित होइत अछि।

२९९. (A) मौखिक कथा, गीत आ कहावत लिखित इतिहासक पूरक स्रोत अछि — बहुत पुरान भाषा-संस्कार पहिले लोक-मुखमे सुरक्षित रहैत अछि, बादमे लिखित होइत अछि।

३००. (A) मौखिक कथा, गीत आ कहावत लिखित इतिहासक पूरक स्रोत अछि — बहुत पुरान भाषा-संस्कार पहिले लोक-मुखमे सुरक्षित रहैत अछि, बादमे लिखित होइत अछि।

३०१. (B) विद्यापति मैथिली पदावलीकेँ व्यापक काव्य-प्रतिष्ठा देनिहार प्रमुख कवि छथि — हुनक पद सभ मैथिलीकेँ गीत, प्रेम, भक्ति आ काव्य-सौन्दर्यक ऊँच प्रतिष्ठा देलक।

३०२. (C) विद्यापति मैथिली पदावलीकेँ व्यापक काव्य-प्रतिष्ठा देनिहार प्रमुख कवि छथि — हुनक पद सभ मैथिलीकेँ गीत, प्रेम, भक्ति आ काव्य-सौन्दर्यक ऊँच प्रतिष्ठा देलक।

३०३. (C) विद्यापति मैथिली पदावलीकेँ व्यापक काव्य-प्रतिष्ठा देनिहार प्रमुख कवि छथि — हुनक पद सभ मैथिलीकेँ गीत, प्रेम, भक्ति आ काव्य-सौन्दर्यक ऊँच प्रतिष्ठा देलक।

३०४. (C) विद्यापति मैथिली पदावलीकेँ व्यापक काव्य-प्रतिष्ठा देनिहार प्रमुख कवि छथि — हुनक पद सभ मैथिलीकेँ गीत, प्रेम, भक्ति आ काव्य-सौन्दर्यक ऊँच प्रतिष्ठा देलक।

३०५. (A) विद्यापति मैथिली पदावलीकेँ व्यापक काव्य-प्रतिष्ठा देनिहार प्रमुख कवि छथि — हुनक पद सभ मैथिलीकेँ गीत, प्रेम, भक्ति आ काव्य-सौन्दर्यक ऊँच प्रतिष्ठा देलक।

३०६. (A) विद्यापति मैथिली पदावलीकेँ व्यापक काव्य-प्रतिष्ठा देनिहार प्रमुख कवि छथि — हुनक पद सभ मैथिलीकेँ गीत, प्रेम, भक्ति आ काव्य-सौन्दर्यक ऊँच प्रतिष्ठा देलक।

३०७. (B) विद्यापति मैथिली पदावलीकेँ व्यापक काव्य-प्रतिष्ठा देनिहार प्रमुख कवि छथि — हुनक पद सभ मैथिलीकेँ गीत, प्रेम, भक्ति आ काव्य-सौन्दर्यक ऊँच प्रतिष्ठा देलक।

३०८. (A) विद्यापति मैथिली पदावलीकेँ व्यापक काव्य-प्रतिष्ठा देनिहार प्रमुख कवि छथि — हुनक पद सभ मैथिलीकेँ गीत, प्रेम, भक्ति आ काव्य-सौन्दर्यक ऊँच प्रतिष्ठा देलक।

३०९. (C) विद्यापति मैथिली पदावलीकेँ व्यापक काव्य-प्रतिष्ठा देनिहार प्रमुख कवि छथि — हुनक पद सभ मैथिलीकेँ गीत, प्रेम, भक्ति आ काव्य-सौन्दर्यक ऊँच प्रतिष्ठा देलक।

३१०. (D) विद्यापति मैथिली पदावलीकेँ व्यापक काव्य-प्रतिष्ठा देनिहार प्रमुख कवि छथि — हुनक पद सभ मैथिलीकेँ गीत, प्रेम, भक्ति आ काव्य-सौन्दर्यक ऊँच प्रतिष्ठा देलक।

३११. (D) पदावली परम्परा मैथिलीक गीतात्मक विकासक महत्त्वपूर्ण चरण अछि — गायनयोग्य पद भाषा-सौन्दर्य आ लोक-प्रसार दुनूकेँ बल दैत अछि।

३१२. (C) पदावली परम्परा मैथिलीक गीतात्मक विकासक महत्त्वपूर्ण चरण अछि — गायनयोग्य पद भाषा-सौन्दर्य आ लोक-प्रसार दुनूकेँ बल दैत अछि।

३१३. (C) पदावली परम्परा मैथिलीक गीतात्मक विकासक महत्त्वपूर्ण चरण अछि — गायनयोग्य पद भाषा-सौन्दर्य आ लोक-प्रसार दुनूकेँ बल दैत अछि।

३१४. (B) पदावली परम्परा मैथिलीक गीतात्मक विकासक महत्त्वपूर्ण चरण अछि — गायनयोग्य पद भाषा-सौन्दर्य आ लोक-प्रसार दुनूकेँ बल दैत अछि।

३१५. (D) पदावली परम्परा मैथिलीक गीतात्मक विकासक महत्त्वपूर्ण चरण अछि — गायनयोग्य पद भाषा-सौन्दर्य आ लोक-प्रसार दुनूकेँ बल दैत अछि।

३१६. (C) पदावली परम्परा मैथिलीक गीतात्मक विकासक महत्त्वपूर्ण चरण अछि — गायनयोग्य पद भाषा-सौन्दर्य आ लोक-प्रसार दुनूकेँ बल दैत अछि।

३१७. (B) पदावली परम्परा मैथिलीक गीतात्मक विकासक महत्त्वपूर्ण चरण अछि — गायनयोग्य पद भाषा-सौन्दर्य आ लोक-प्रसार दुनूकेँ बल दैत अछि।

३१८. (D) पदावली परम्परा मैथिलीक गीतात्मक विकासक महत्त्वपूर्ण चरण अछि — गायनयोग्य पद भाषा-सौन्दर्य आ लोक-प्रसार दुनूकेँ बल दैत अछि।

३१९. (C) पदावली परम्परा मैथिलीक गीतात्मक विकासक महत्त्वपूर्ण चरण अछि — गायनयोग्य पद भाषा-सौन्दर्य आ लोक-प्रसार दुनूकेँ बल दैत अछि।

३२०. (C) पदावली परम्परा मैथिलीक गीतात्मक विकासक महत्त्वपूर्ण चरण अछि — गायनयोग्य पद भाषा-सौन्दर्य आ लोक-प्रसार दुनूकेँ बल दैत अछि।

३२१. (B) मध्ययुगमे दरबार आ सामन्ती संरक्षणसँ काव्य, नाटक आ संगीतक विकास भेल — सांस्कृतिक संरक्षण साहित्यिक भाषा-रूपकेँ प्रतिष्ठा आ प्रसार दैत अछि।

३२२. (C) मध्ययुगमे दरबार आ सामन्ती संरक्षणसँ काव्य, नाटक आ संगीतक विकास भेल — सांस्कृतिक संरक्षण साहित्यिक भाषा-रूपकेँ प्रतिष्ठा आ प्रसार दैत अछि।

३२३. (C) मध्ययुगमे दरबार आ सामन्ती संरक्षणसँ काव्य, नाटक आ संगीतक विकास भेल — सांस्कृतिक संरक्षण साहित्यिक भाषा-रूपकेँ प्रतिष्ठा आ प्रसार दैत अछि।

३२४. (B) मध्ययुगमे दरबार आ सामन्ती संरक्षणसँ काव्य, नाटक आ संगीतक विकास भेल — सांस्कृतिक संरक्षण साहित्यिक भाषा-रूपकेँ प्रतिष्ठा आ प्रसार दैत अछि।

३२५. (A) मध्ययुगमे दरबार आ सामन्ती संरक्षणसँ काव्य, नाटक आ संगीतक विकास भेल — सांस्कृतिक संरक्षण साहित्यिक भाषा-रूपकेँ प्रतिष्ठा आ प्रसार दैत अछि।

३२६. (C) मध्ययुगमे दरबार आ सामन्ती संरक्षणसँ काव्य, नाटक आ संगीतक विकास भेल — सांस्कृतिक संरक्षण साहित्यिक भाषा-रूपकेँ प्रतिष्ठा आ प्रसार दैत अछि।

३२७. (C) मध्ययुगमे दरबार आ सामन्ती संरक्षणसँ काव्य, नाटक आ संगीतक विकास भेल — सांस्कृतिक संरक्षण साहित्यिक भाषा-रूपकेँ प्रतिष्ठा आ प्रसार दैत अछि।

३२८. (D) मध्ययुगमे दरबार आ सामन्ती संरक्षणसँ काव्य, नाटक आ संगीतक विकास भेल — सांस्कृतिक संरक्षण साहित्यिक भाषा-रूपकेँ प्रतिष्ठा आ प्रसार दैत अछि।

३२९. (C) मध्ययुगमे दरबार आ सामन्ती संरक्षणसँ काव्य, नाटक आ संगीतक विकास भेल — सांस्कृतिक संरक्षण साहित्यिक भाषा-रूपकेँ प्रतिष्ठा आ प्रसार दैत अछि।

३३०. (B) मध्ययुगमे दरबार आ सामन्ती संरक्षणसँ काव्य, नाटक आ संगीतक विकास भेल — सांस्कृतिक संरक्षण साहित्यिक भाषा-रूपकेँ प्रतिष्ठा आ प्रसार दैत अछि।

३३१. (A) मध्यकालीन मैथिली काव्यमे भक्ति आ शृङ्गारक समन्वय विशेष देखाइत अछि — राधा-कृष्ण भाव, प्रेम, विरह आ भक्ति भाषाकेँ भावसमृद्ध बनबैत अछि।

३३२. (D) मध्यकालीन मैथिली काव्यमे भक्ति आ शृङ्गारक समन्वय विशेष देखाइत अछि — राधा-कृष्ण भाव, प्रेम, विरह आ भक्ति भाषाकेँ भावसमृद्ध बनबैत अछि।

३३३. (C) मध्यकालीन मैथिली काव्यमे भक्ति आ शृङ्गारक समन्वय विशेष देखाइत अछि — राधा-कृष्ण भाव, प्रेम, विरह आ भक्ति भाषाकेँ भावसमृद्ध बनबैत अछि।

३३४. (B) मध्यकालीन मैथिली काव्यमे भक्ति आ शृङ्गारक समन्वय विशेष देखाइत अछि — राधा-कृष्ण भाव, प्रेम, विरह आ भक्ति भाषाकेँ भावसमृद्ध बनबैत अछि।

३३५. (C) मध्यकालीन मैथिली काव्यमे भक्ति आ शृङ्गारक समन्वय विशेष देखाइत अछि — राधा-कृष्ण भाव, प्रेम, विरह आ भक्ति भाषाकेँ भावसमृद्ध बनबैत अछि।

३३६. (A) मध्यकालीन मैथिली काव्यमे भक्ति आ शृङ्गारक समन्वय विशेष देखाइत अछि — राधा-कृष्ण भाव, प्रेम, विरह आ भक्ति भाषाकेँ भावसमृद्ध बनबैत अछि।

३३७. (C) मध्यकालीन मैथिली काव्यमे भक्ति आ शृङ्गारक समन्वय विशेष देखाइत अछि — राधा-कृष्ण भाव, प्रेम, विरह आ भक्ति भाषाकेँ भावसमृद्ध बनबैत अछि।

३३८. (B) मध्यकालीन मैथिली काव्यमे भक्ति आ शृङ्गारक समन्वय विशेष देखाइत अछि — राधा-कृष्ण भाव, प्रेम, विरह आ भक्ति भाषाकेँ भावसमृद्ध बनबैत अछि।

३३९. (D) मध्यकालीन मैथिली काव्यमे भक्ति आ शृङ्गारक समन्वय विशेष देखाइत अछि — राधा-कृष्ण भाव, प्रेम, विरह आ भक्ति भाषाकेँ भावसमृद्ध बनबैत अछि।

३४०. (C) मध्यकालीन मैथिली काव्यमे भक्ति आ शृङ्गारक समन्वय विशेष देखाइत अछि — राधा-कृष्ण भाव, प्रेम, विरह आ भक्ति भाषाकेँ भावसमृद्ध बनबैत अछि।

३४१. (D) नेपालक मल्ल दरबारमे मैथिली नाटक आ गीतक उल्लेखनीय परम्परा रहल — मिथिला सँ बाहर मैथिलीक दरबारी प्रयोग भाषाक क्षेत्रीय प्रभाव देखबैत अछि।

३४२. (A) नेपालक मल्ल दरबारमे मैथिली नाटक आ गीतक उल्लेखनीय परम्परा रहल — मिथिला सँ बाहर मैथिलीक दरबारी प्रयोग भाषाक क्षेत्रीय प्रभाव देखबैत अछि।

३४३. (C) नेपालक मल्ल दरबारमे मैथिली नाटक आ गीतक उल्लेखनीय परम्परा रहल — मिथिला सँ बाहर मैथिलीक दरबारी प्रयोग भाषाक क्षेत्रीय प्रभाव देखबैत अछि।

३४४. (B) नेपालक मल्ल दरबारमे मैथिली नाटक आ गीतक उल्लेखनीय परम्परा रहल — मिथिला सँ बाहर मैथिलीक दरबारी प्रयोग भाषाक क्षेत्रीय प्रभाव देखबैत अछि।

३४५. (A) नेपालक मल्ल दरबारमे मैथिली नाटक आ गीतक उल्लेखनीय परम्परा रहल — मिथिला सँ बाहर मैथिलीक दरबारी प्रयोग भाषाक क्षेत्रीय प्रभाव देखबैत अछि।

३४६. (A) नेपालक मल्ल दरबारमे मैथिली नाटक आ गीतक उल्लेखनीय परम्परा रहल — मिथिला सँ बाहर मैथिलीक दरबारी प्रयोग भाषाक क्षेत्रीय प्रभाव देखबैत अछि।

३४७. (C) नेपालक मल्ल दरबारमे मैथिली नाटक आ गीतक उल्लेखनीय परम्परा रहल — मिथिला सँ बाहर मैथिलीक दरबारी प्रयोग भाषाक क्षेत्रीय प्रभाव देखबैत अछि।

३४८. (B) नेपालक मल्ल दरबारमे मैथिली नाटक आ गीतक उल्लेखनीय परम्परा रहल — मिथिला सँ बाहर मैथिलीक दरबारी प्रयोग भाषाक क्षेत्रीय प्रभाव देखबैत अछि।

३४९. (B) नेपालक मल्ल दरबारमे मैथिली नाटक आ गीतक उल्लेखनीय परम्परा रहल — मिथिला सँ बाहर मैथिलीक दरबारी प्रयोग भाषाक क्षेत्रीय प्रभाव देखबैत अछि।

३५०. (B) नेपालक मल्ल दरबारमे मैथिली नाटक आ गीतक उल्लेखनीय परम्परा रहल — मिथिला सँ बाहर मैथिलीक दरबारी प्रयोग भाषाक क्षेत्रीय प्रभाव देखबैत अछि।

३५१. (D) कीर्तनिया नाटकमे गीत, अभिनय आ धार्मिक कथा मैथिली प्रयोगक संग जुड़ल — एहि परम्परामे भाषा मंच, संगीत आ कथा-विन्यासक माध्यम बनल।

३५२. (C) कीर्तनिया नाटकमे गीत, अभिनय आ धार्मिक कथा मैथिली प्रयोगक संग जुड़ल — एहि परम्परामे भाषा मंच, संगीत आ कथा-विन्यासक माध्यम बनल।

३५३. (A) कीर्तनिया नाटकमे गीत, अभिनय आ धार्मिक कथा मैथिली प्रयोगक संग जुड़ल — एहि परम्परामे भाषा मंच, संगीत आ कथा-विन्यासक माध्यम बनल।

३५४. (A) कीर्तनिया नाटकमे गीत, अभिनय आ धार्मिक कथा मैथिली प्रयोगक संग जुड़ल — एहि परम्परामे भाषा मंच, संगीत आ कथा-विन्यासक माध्यम बनल।

३५५. (A) कीर्तनिया नाटकमे गीत, अभिनय आ धार्मिक कथा मैथिली प्रयोगक संग जुड़ल — एहि परम्परामे भाषा मंच, संगीत आ कथा-विन्यासक माध्यम बनल।

३५६. (C) कीर्तनिया नाटकमे गीत, अभिनय आ धार्मिक कथा मैथिली प्रयोगक संग जुड़ल — एहि परम्परामे भाषा मंच, संगीत आ कथा-विन्यासक माध्यम बनल।

३५७. (B) कीर्तनिया नाटकमे गीत, अभिनय आ धार्मिक कथा मैथिली प्रयोगक संग जुड़ल — एहि परम्परामे भाषा मंच, संगीत आ कथा-विन्यासक माध्यम बनल।

३५८. (D) कीर्तनिया नाटकमे गीत, अभिनय आ धार्मिक कथा मैथिली प्रयोगक संग जुड़ल — एहि परम्परामे भाषा मंच, संगीत आ कथा-विन्यासक माध्यम बनल।

३५९. (C) कीर्तनिया नाटकमे गीत, अभिनय आ धार्मिक कथा मैथिली प्रयोगक संग जुड़ल — एहि परम्परामे भाषा मंच, संगीत आ कथा-विन्यासक माध्यम बनल।

३६०. (A) कीर्तनिया नाटकमे गीत, अभिनय आ धार्मिक कथा मैथिली प्रयोगक संग जुड़ल — एहि परम्परामे भाषा मंच, संगीत आ कथा-विन्यासक माध्यम बनल।

३६१. (D) गीतिनाट्य परम्परा मैथिलीक श्रव्य-अभिनय रूपकेँ मजबूत करैत अछि — गीत आ संवादक मेल भाषाकेँ सामूहिक प्रस्तुति योग्य बनबैत अछि।

३६२. (C) गीतिनाट्य परम्परा मैथिलीक श्रव्य-अभिनय रूपकेँ मजबूत करैत अछि — गीत आ संवादक मेल भाषाकेँ सामूहिक प्रस्तुति योग्य बनबैत अछि।

३६३. (C) गीतिनाट्य परम्परा मैथिलीक श्रव्य-अभिनय रूपकेँ मजबूत करैत अछि — गीत आ संवादक मेल भाषाकेँ सामूहिक प्रस्तुति योग्य बनबैत अछि।

३६४. (C) गीतिनाट्य परम्परा मैथिलीक श्रव्य-अभिनय रूपकेँ मजबूत करैत अछि — गीत आ संवादक मेल भाषाकेँ सामूहिक प्रस्तुति योग्य बनबैत अछि।

३६५. (C) गीतिनाट्य परम्परा मैथिलीक श्रव्य-अभिनय रूपकेँ मजबूत करैत अछि — गीत आ संवादक मेल भाषाकेँ सामूहिक प्रस्तुति योग्य बनबैत अछि।

३६६. (A) गीतिनाट्य परम्परा मैथिलीक श्रव्य-अभिनय रूपकेँ मजबूत करैत अछि — गीत आ संवादक मेल भाषाकेँ सामूहिक प्रस्तुति योग्य बनबैत अछि।

३६७. (D) गीतिनाट्य परम्परा मैथिलीक श्रव्य-अभिनय रूपकेँ मजबूत करैत अछि — गीत आ संवादक मेल भाषाकेँ सामूहिक प्रस्तुति योग्य बनबैत अछि।

३६८. (D) गीतिनाट्य परम्परा मैथिलीक श्रव्य-अभिनय रूपकेँ मजबूत करैत अछि — गीत आ संवादक मेल भाषाकेँ सामूहिक प्रस्तुति योग्य बनबैत अछि।

३६९. (D) गीतिनाट्य परम्परा मैथिलीक श्रव्य-अभिनय रूपकेँ मजबूत करैत अछि — गीत आ संवादक मेल भाषाकेँ सामूहिक प्रस्तुति योग्य बनबैत अछि।

३७०. (B) गीतिनाट्य परम्परा मैथिलीक श्रव्य-अभिनय रूपकेँ मजबूत करैत अछि — गीत आ संवादक मेल भाषाकेँ सामूहिक प्रस्तुति योग्य बनबैत अछि।

३७१. (B) मिथिला पाण्डित्य-वर्ग भाषिक संस्कार आ शास्त्रीय संपर्कक संवाहक रहल — न्याय, मीमांसा, धर्मशास्त्र आ काव्यपरम्परा लोकभाषा पर सेहो प्रभाव डालैत रहल।

३७२. (C) मिथिला पाण्डित्य-वर्ग भाषिक संस्कार आ शास्त्रीय संपर्कक संवाहक रहल — न्याय, मीमांसा, धर्मशास्त्र आ काव्यपरम्परा लोकभाषा पर सेहो प्रभाव डालैत रहल।

३७३. (A) मिथिला पाण्डित्य-वर्ग भाषिक संस्कार आ शास्त्रीय संपर्कक संवाहक रहल — न्याय, मीमांसा, धर्मशास्त्र आ काव्यपरम्परा लोकभाषा पर सेहो प्रभाव डालैत रहल।

३७४. (D) मिथिला पाण्डित्य-वर्ग भाषिक संस्कार आ शास्त्रीय संपर्कक संवाहक रहल — न्याय, मीमांसा, धर्मशास्त्र आ काव्यपरम्परा लोकभाषा पर सेहो प्रभाव डालैत रहल।

३७५. (A) मिथिला पाण्डित्य-वर्ग भाषिक संस्कार आ शास्त्रीय संपर्कक संवाहक रहल — न्याय, मीमांसा, धर्मशास्त्र आ काव्यपरम्परा लोकभाषा पर सेहो प्रभाव डालैत रहल।

३७६. (B) मिथिला पाण्डित्य-वर्ग भाषिक संस्कार आ शास्त्रीय संपर्कक संवाहक रहल — न्याय, मीमांसा, धर्मशास्त्र आ काव्यपरम्परा लोकभाषा पर सेहो प्रभाव डालैत रहल।

३७७. (B) मिथिला पाण्डित्य-वर्ग भाषिक संस्कार आ शास्त्रीय संपर्कक संवाहक रहल — न्याय, मीमांसा, धर्मशास्त्र आ काव्यपरम्परा लोकभाषा पर सेहो प्रभाव डालैत रहल।

३७८. (C) मिथिला पाण्डित्य-वर्ग भाषिक संस्कार आ शास्त्रीय संपर्कक संवाहक रहल — न्याय, मीमांसा, धर्मशास्त्र आ काव्यपरम्परा लोकभाषा पर सेहो प्रभाव डालैत रहल।

३७९. (B) मिथिला पाण्डित्य-वर्ग भाषिक संस्कार आ शास्त्रीय संपर्कक संवाहक रहल — न्याय, मीमांसा, धर्मशास्त्र आ काव्यपरम्परा लोकभाषा पर सेहो प्रभाव डालैत रहल।

३८०. (D) मिथिला पाण्डित्य-वर्ग भाषिक संस्कार आ शास्त्रीय संपर्कक संवाहक रहल — न्याय, मीमांसा, धर्मशास्त्र आ काव्यपरम्परा लोकभाषा पर सेहो प्रभाव डालैत रहल।

३८१. (D) मध्ययुगीन मैथिलीमे दरबारी साहित्यक संग लोक-अभिव्यक्ति समानान्तर चलैत रहल — साहित्यिक इतिहासमे राजाश्रय आ लोकाश्रय दुनूकेँ देखब आवश्यक अछि।

३८२. (A) मध्ययुगीन मैथिलीमे दरबारी साहित्यक संग लोक-अभिव्यक्ति समानान्तर चलैत रहल — साहित्यिक इतिहासमे राजाश्रय आ लोकाश्रय दुनूकेँ देखब आवश्यक अछि।

३८३. (C) मध्ययुगीन मैथिलीमे दरबारी साहित्यक संग लोक-अभिव्यक्ति समानान्तर चलैत रहल — साहित्यिक इतिहासमे राजाश्रय आ लोकाश्रय दुनूकेँ देखब आवश्यक अछि।

३८४. (D) मध्ययुगीन मैथिलीमे दरबारी साहित्यक संग लोक-अभिव्यक्ति समानान्तर चलैत रहल — साहित्यिक इतिहासमे राजाश्रय आ लोकाश्रय दुनूकेँ देखब आवश्यक अछि।

३८५. (C) मध्ययुगीन मैथिलीमे दरबारी साहित्यक संग लोक-अभिव्यक्ति समानान्तर चलैत रहल — साहित्यिक इतिहासमे राजाश्रय आ लोकाश्रय दुनूकेँ देखब आवश्यक अछि।

३८६. (D) मध्ययुगीन मैथिलीमे दरबारी साहित्यक संग लोक-अभिव्यक्ति समानान्तर चलैत रहल — साहित्यिक इतिहासमे राजाश्रय आ लोकाश्रय दुनूकेँ देखब आवश्यक अछि।

३८७. (A) मध्ययुगीन मैथिलीमे दरबारी साहित्यक संग लोक-अभिव्यक्ति समानान्तर चलैत रहल — साहित्यिक इतिहासमे राजाश्रय आ लोकाश्रय दुनूकेँ देखब आवश्यक अछि।

३८८. (A) मध्ययुगीन मैथिलीमे दरबारी साहित्यक संग लोक-अभिव्यक्ति समानान्तर चलैत रहल — साहित्यिक इतिहासमे राजाश्रय आ लोकाश्रय दुनूकेँ देखब आवश्यक अछि।

३८९. (D) मध्ययुगीन मैथिलीमे दरबारी साहित्यक संग लोक-अभिव्यक्ति समानान्तर चलैत रहल — साहित्यिक इतिहासमे राजाश्रय आ लोकाश्रय दुनूकेँ देखब आवश्यक अछि।

३९०. (A) मध्ययुगीन मैथिलीमे दरबारी साहित्यक संग लोक-अभिव्यक्ति समानान्तर चलैत रहल — साहित्यिक इतिहासमे राजाश्रय आ लोकाश्रय दुनूकेँ देखब आवश्यक अछि।

३९१. (C) मैथिली मध्ययुगमे संस्कृत, अवहट्ठ, ब्रज, बंगाली आ नेपाली परिवेशसँ संवाद करैत रहल — भाषा-संपर्कसँ शब्द, शैली आ काव्य-विन्यासमे नव रूप प्रवेश करैत अछि।

३९२. (A) मैथिली मध्ययुगमे संस्कृत, अवहट्ठ, ब्रज, बंगाली आ नेपाली परिवेशसँ संवाद करैत रहल — भाषा-संपर्कसँ शब्द, शैली आ काव्य-विन्यासमे नव रूप प्रवेश करैत अछि।

३९३. (C) मैथिली मध्ययुगमे संस्कृत, अवहट्ठ, ब्रज, बंगाली आ नेपाली परिवेशसँ संवाद करैत रहल — भाषा-संपर्कसँ शब्द, शैली आ काव्य-विन्यासमे नव रूप प्रवेश करैत अछि।

३९४. (C) मैथिली मध्ययुगमे संस्कृत, अवहट्ठ, ब्रज, बंगाली आ नेपाली परिवेशसँ संवाद करैत रहल — भाषा-संपर्कसँ शब्द, शैली आ काव्य-विन्यासमे नव रूप प्रवेश करैत अछि।

३९५. (A) मैथिली मध्ययुगमे संस्कृत, अवहट्ठ, ब्रज, बंगाली आ नेपाली परिवेशसँ संवाद करैत रहल — भाषा-संपर्कसँ शब्द, शैली आ काव्य-विन्यासमे नव रूप प्रवेश करैत अछि।

३९६. (A) मैथिली मध्ययुगमे संस्कृत, अवहट्ठ, ब्रज, बंगाली आ नेपाली परिवेशसँ संवाद करैत रहल — भाषा-संपर्कसँ शब्द, शैली आ काव्य-विन्यासमे नव रूप प्रवेश करैत अछि।

३९७. (B) मैथिली मध्ययुगमे संस्कृत, अवहट्ठ, ब्रज, बंगाली आ नेपाली परिवेशसँ संवाद करैत रहल — भाषा-संपर्कसँ शब्द, शैली आ काव्य-विन्यासमे नव रूप प्रवेश करैत अछि।

३९८. (C) मैथिली मध्ययुगमे संस्कृत, अवहट्ठ, ब्रज, बंगाली आ नेपाली परिवेशसँ संवाद करैत रहल — भाषा-संपर्कसँ शब्द, शैली आ काव्य-विन्यासमे नव रूप प्रवेश करैत अछि।

३९९. (D) मैथिली मध्ययुगमे संस्कृत, अवहट्ठ, ब्रज, बंगाली आ नेपाली परिवेशसँ संवाद करैत रहल — भाषा-संपर्कसँ शब्द, शैली आ काव्य-विन्यासमे नव रूप प्रवेश करैत अछि।

४००. (C) मैथिली मध्ययुगमे संस्कृत, अवहट्ठ, ब्रज, बंगाली आ नेपाली परिवेशसँ संवाद करैत रहल — भाषा-संपर्कसँ शब्द, शैली आ काव्य-विन्यासमे नव रूप प्रवेश करैत अछि।

४०१. (D) मैथिलीमे सर्वनामक आदरसूचक स्तर सामाजिक सम्बन्धक सूक्ष्मता देखबैत अछि — तोँ, अहाँ, अपने आदि रूप सामाजिक दूरी, निकटता आ सम्मानक भाव व्यक्त करैत अछि।

४०२. (C) मैथिलीमे सर्वनामक आदरसूचक स्तर सामाजिक सम्बन्धक सूक्ष्मता देखबैत अछि — तोँ, अहाँ, अपने आदि रूप सामाजिक दूरी, निकटता आ सम्मानक भाव व्यक्त करैत अछि।

४०३. (B) मैथिलीमे सर्वनामक आदरसूचक स्तर सामाजिक सम्बन्धक सूक्ष्मता देखबैत अछि — तोँ, अहाँ, अपने आदि रूप सामाजिक दूरी, निकटता आ सम्मानक भाव व्यक्त करैत अछि।

४०४. (A) मैथिलीमे सर्वनामक आदरसूचक स्तर सामाजिक सम्बन्धक सूक्ष्मता देखबैत अछि — तोँ, अहाँ, अपने आदि रूप सामाजिक दूरी, निकटता आ सम्मानक भाव व्यक्त करैत अछि।

४०५. (A) मैथिलीमे सर्वनामक आदरसूचक स्तर सामाजिक सम्बन्धक सूक्ष्मता देखबैत अछि — तोँ, अहाँ, अपने आदि रूप सामाजिक दूरी, निकटता आ सम्मानक भाव व्यक्त करैत अछि।

४०६. (A) मैथिलीमे सर्वनामक आदरसूचक स्तर सामाजिक सम्बन्धक सूक्ष्मता देखबैत अछि — तोँ, अहाँ, अपने आदि रूप सामाजिक दूरी, निकटता आ सम्मानक भाव व्यक्त करैत अछि।

४०७. (D) मैथिलीमे सर्वनामक आदरसूचक स्तर सामाजिक सम्बन्धक सूक्ष्मता देखबैत अछि — तोँ, अहाँ, अपने आदि रूप सामाजिक दूरी, निकटता आ सम्मानक भाव व्यक्त करैत अछि।

४०८. (A) मैथिलीमे सर्वनामक आदरसूचक स्तर सामाजिक सम्बन्धक सूक्ष्मता देखबैत अछि — तोँ, अहाँ, अपने आदि रूप सामाजिक दूरी, निकटता आ सम्मानक भाव व्यक्त करैत अछि।

४०९. (A) मैथिलीमे सर्वनामक आदरसूचक स्तर सामाजिक सम्बन्धक सूक्ष्मता देखबैत अछि — तोँ, अहाँ, अपने आदि रूप सामाजिक दूरी, निकटता आ सम्मानक भाव व्यक्त करैत अछि।

४१०. (A) मैथिलीमे सर्वनामक आदरसूचक स्तर सामाजिक सम्बन्धक सूक्ष्मता देखबैत अछि — तोँ, अहाँ, अपने आदि रूप सामाजिक दूरी, निकटता आ सम्मानक भाव व्यक्त करैत अछि।

४११. (C) मैथिली क्रियामे आदर आ पुरुषक मेल भाषा-रूपक महत्त्वपूर्ण विशेषता अछि — क्रिया-रूप केवल समय नहि, बोलयवला आ सुनयवलाक सम्बन्ध सेहो बतबैत अछि।

४१२. (D) मैथिली क्रियामे आदर आ पुरुषक मेल भाषा-रूपक महत्त्वपूर्ण विशेषता अछि — क्रिया-रूप केवल समय नहि, बोलयवला आ सुनयवलाक सम्बन्ध सेहो बतबैत अछि।

४१३. (B) मैथिली क्रियामे आदर आ पुरुषक मेल भाषा-रूपक महत्त्वपूर्ण विशेषता अछि — क्रिया-रूप केवल समय नहि, बोलयवला आ सुनयवलाक सम्बन्ध सेहो बतबैत अछि।

४१४. (B) मैथिली क्रियामे आदर आ पुरुषक मेल भाषा-रूपक महत्त्वपूर्ण विशेषता अछि — क्रिया-रूप केवल समय नहि, बोलयवला आ सुनयवलाक सम्बन्ध सेहो बतबैत अछि।

४१५. (A) मैथिली क्रियामे आदर आ पुरुषक मेल भाषा-रूपक महत्त्वपूर्ण विशेषता अछि — क्रिया-रूप केवल समय नहि, बोलयवला आ सुनयवलाक सम्बन्ध सेहो बतबैत अछि।

४१६. (B) मैथिली क्रियामे आदर आ पुरुषक मेल भाषा-रूपक महत्त्वपूर्ण विशेषता अछि — क्रिया-रूप केवल समय नहि, बोलयवला आ सुनयवलाक सम्बन्ध सेहो बतबैत अछि।

४१७. (D) मैथिली क्रियामे आदर आ पुरुषक मेल भाषा-रूपक महत्त्वपूर्ण विशेषता अछि — क्रिया-रूप केवल समय नहि, बोलयवला आ सुनयवलाक सम्बन्ध सेहो बतबैत अछि।

४१८. (C) मैथिली क्रियामे आदर आ पुरुषक मेल भाषा-रूपक महत्त्वपूर्ण विशेषता अछि — क्रिया-रूप केवल समय नहि, बोलयवला आ सुनयवलाक सम्बन्ध सेहो बतबैत अछि।

४१९. (A) मैथिली क्रियामे आदर आ पुरुषक मेल भाषा-रूपक महत्त्वपूर्ण विशेषता अछि — क्रिया-रूप केवल समय नहि, बोलयवला आ सुनयवलाक सम्बन्ध सेहो बतबैत अछि।

४२०. (B) मैथिली क्रियामे आदर आ पुरुषक मेल भाषा-रूपक महत्त्वपूर्ण विशेषता अछि — क्रिया-रूप केवल समय नहि, बोलयवला आ सुनयवलाक सम्बन्ध सेहो बतबैत अछि।

४२१. (C) मैथिलीमे भूत, वर्तमान, भविष्य आ पक्षगत रूप अर्थ-भेद बनबैत अछि — काल आ पक्षक बदलाब वाक्यक समय, पूर्णता, निरन्तरता आ सम्भावना प्रकट करैत अछि।

४२२. (C) मैथिलीमे भूत, वर्तमान, भविष्य आ पक्षगत रूप अर्थ-भेद बनबैत अछि — काल आ पक्षक बदलाब वाक्यक समय, पूर्णता, निरन्तरता आ सम्भावना प्रकट करैत अछि।

४२३. (B) मैथिलीमे भूत, वर्तमान, भविष्य आ पक्षगत रूप अर्थ-भेद बनबैत अछि — काल आ पक्षक बदलाब वाक्यक समय, पूर्णता, निरन्तरता आ सम्भावना प्रकट करैत अछि।

४२४. (B) मैथिलीमे भूत, वर्तमान, भविष्य आ पक्षगत रूप अर्थ-भेद बनबैत अछि — काल आ पक्षक बदलाब वाक्यक समय, पूर्णता, निरन्तरता आ सम्भावना प्रकट करैत अछि।

४२५. (B) मैथिलीमे भूत, वर्तमान, भविष्य आ पक्षगत रूप अर्थ-भेद बनबैत अछि — काल आ पक्षक बदलाब वाक्यक समय, पूर्णता, निरन्तरता आ सम्भावना प्रकट करैत अछि।

४२६. (D) मैथिलीमे भूत, वर्तमान, भविष्य आ पक्षगत रूप अर्थ-भेद बनबैत अछि — काल आ पक्षक बदलाब वाक्यक समय, पूर्णता, निरन्तरता आ सम्भावना प्रकट करैत अछि।

४२७. (B) मैथिलीमे भूत, वर्तमान, भविष्य आ पक्षगत रूप अर्थ-भेद बनबैत अछि — काल आ पक्षक बदलाब वाक्यक समय, पूर्णता, निरन्तरता आ सम्भावना प्रकट करैत अछि।

४२८. (A) मैथिलीमे भूत, वर्तमान, भविष्य आ पक्षगत रूप अर्थ-भेद बनबैत अछि — काल आ पक्षक बदलाब वाक्यक समय, पूर्णता, निरन्तरता आ सम्भावना प्रकट करैत अछि।

४२९. (D) मैथिलीमे भूत, वर्तमान, भविष्य आ पक्षगत रूप अर्थ-भेद बनबैत अछि — काल आ पक्षक बदलाब वाक्यक समय, पूर्णता, निरन्तरता आ सम्भावना प्रकट करैत अछि।

४३०. (A) मैथिलीमे भूत, वर्तमान, भविष्य आ पक्षगत रूप अर्थ-भेद बनबैत अछि — काल आ पक्षक बदलाब वाक्यक समय, पूर्णता, निरन्तरता आ सम्भावना प्रकट करैत अछि।

४३१. (B) मैथिलीमे संज्ञा-सर्वनामक सम्बन्ध कारक-चिह्नसँ स्पष्ट होइत अछि — कर्म, करण, सम्प्रदान, अधिकरण आदि सम्बन्ध भाषा-संरचना बुझबामे आवश्यक अछि।

४३२. (D) मैथिलीमे संज्ञा-सर्वनामक सम्बन्ध कारक-चिह्नसँ स्पष्ट होइत अछि — कर्म, करण, सम्प्रदान, अधिकरण आदि सम्बन्ध भाषा-संरचना बुझबामे आवश्यक अछि।

४३३. (C) मैथिलीमे संज्ञा-सर्वनामक सम्बन्ध कारक-चिह्नसँ स्पष्ट होइत अछि — कर्म, करण, सम्प्रदान, अधिकरण आदि सम्बन्ध भाषा-संरचना बुझबामे आवश्यक अछि।

४३४. (B) मैथिलीमे संज्ञा-सर्वनामक सम्बन्ध कारक-चिह्नसँ स्पष्ट होइत अछि — कर्म, करण, सम्प्रदान, अधिकरण आदि सम्बन्ध भाषा-संरचना बुझबामे आवश्यक अछि।

४३५. (B) मैथिलीमे संज्ञा-सर्वनामक सम्बन्ध कारक-चिह्नसँ स्पष्ट होइत अछि — कर्म, करण, सम्प्रदान, अधिकरण आदि सम्बन्ध भाषा-संरचना बुझबामे आवश्यक अछि।

४३६. (B) मैथिलीमे संज्ञा-सर्वनामक सम्बन्ध कारक-चिह्नसँ स्पष्ट होइत अछि — कर्म, करण, सम्प्रदान, अधिकरण आदि सम्बन्ध भाषा-संरचना बुझबामे आवश्यक अछि।

४३७. (D) मैथिलीमे संज्ञा-सर्वनामक सम्बन्ध कारक-चिह्नसँ स्पष्ट होइत अछि — कर्म, करण, सम्प्रदान, अधिकरण आदि सम्बन्ध भाषा-संरचना बुझबामे आवश्यक अछि।

४३८. (D) मैथिलीमे संज्ञा-सर्वनामक सम्बन्ध कारक-चिह्नसँ स्पष्ट होइत अछि — कर्म, करण, सम्प्रदान, अधिकरण आदि सम्बन्ध भाषा-संरचना बुझबामे आवश्यक अछि।

४३९. (B) मैथिलीमे संज्ञा-सर्वनामक सम्बन्ध कारक-चिह्नसँ स्पष्ट होइत अछि — कर्म, करण, सम्प्रदान, अधिकरण आदि सम्बन्ध भाषा-संरचना बुझबामे आवश्यक अछि।

४४०. (A) मैथिलीमे संज्ञा-सर्वनामक सम्बन्ध कारक-चिह्नसँ स्पष्ट होइत अछि — कर्म, करण, सम्प्रदान, अधिकरण आदि सम्बन्ध भाषा-संरचना बुझबामे आवश्यक अछि।

४४१. (D) नहि, ने, नै आदि नकार-रूप क्षेत्रीय आ शैलीगत विविधता देखबैत अछि — नकारक रूप भाषाक ध्वनि, बोलचाल आ साहित्यिक मानकक इतिहास बतबैत अछि।

४४२. (B) नहि, ने, नै आदि नकार-रूप क्षेत्रीय आ शैलीगत विविधता देखबैत अछि — नकारक रूप भाषाक ध्वनि, बोलचाल आ साहित्यिक मानकक इतिहास बतबैत अछि।

४४३. (D) नहि, ने, नै आदि नकार-रूप क्षेत्रीय आ शैलीगत विविधता देखबैत अछि — नकारक रूप भाषाक ध्वनि, बोलचाल आ साहित्यिक मानकक इतिहास बतबैत अछि।

४४४. (A) नहि, ने, नै आदि नकार-रूप क्षेत्रीय आ शैलीगत विविधता देखबैत अछि — नकारक रूप भाषाक ध्वनि, बोलचाल आ साहित्यिक मानकक इतिहास बतबैत अछि।

४४५. (C) नहि, ने, नै आदि नकार-रूप क्षेत्रीय आ शैलीगत विविधता देखबैत अछि — नकारक रूप भाषाक ध्वनि, बोलचाल आ साहित्यिक मानकक इतिहास बतबैत अछि।

४४६. (B) नहि, ने, नै आदि नकार-रूप क्षेत्रीय आ शैलीगत विविधता देखबैत अछि — नकारक रूप भाषाक ध्वनि, बोलचाल आ साहित्यिक मानकक इतिहास बतबैत अछि।

४४७. (A) नहि, ने, नै आदि नकार-रूप क्षेत्रीय आ शैलीगत विविधता देखबैत अछि — नकारक रूप भाषाक ध्वनि, बोलचाल आ साहित्यिक मानकक इतिहास बतबैत अछि।

४४८. (C) नहि, ने, नै आदि नकार-रूप क्षेत्रीय आ शैलीगत विविधता देखबैत अछि — नकारक रूप भाषाक ध्वनि, बोलचाल आ साहित्यिक मानकक इतिहास बतबैत अछि।

४४९. (B) नहि, ने, नै आदि नकार-रूप क्षेत्रीय आ शैलीगत विविधता देखबैत अछि — नकारक रूप भाषाक ध्वनि, बोलचाल आ साहित्यिक मानकक इतिहास बतबैत अछि।

४५०. (C) नहि, ने, नै आदि नकार-रूप क्षेत्रीय आ शैलीगत विविधता देखबैत अछि — नकारक रूप भाषाक ध्वनि, बोलचाल आ साहित्यिक मानकक इतिहास बतबैत अछि।

४५१. (B) मैथिलीमे बहुवचनक विविध रूप लोक-प्रयोग आ मानक दुनूक संकेत दैत अछि — सभ, लोकनि, जन आदि रूप मात्रा नहि, सम्मान आ समूहभाव सेहो व्यक्त करैत अछि।

४५२. (A) मैथिलीमे बहुवचनक विविध रूप लोक-प्रयोग आ मानक दुनूक संकेत दैत अछि — सभ, लोकनि, जन आदि रूप मात्रा नहि, सम्मान आ समूहभाव सेहो व्यक्त करैत अछि।

४५३. (C) मैथिलीमे बहुवचनक विविध रूप लोक-प्रयोग आ मानक दुनूक संकेत दैत अछि — सभ, लोकनि, जन आदि रूप मात्रा नहि, सम्मान आ समूहभाव सेहो व्यक्त करैत अछि।

४५४. (B) मैथिलीमे बहुवचनक विविध रूप लोक-प्रयोग आ मानक दुनूक संकेत दैत अछि — सभ, लोकनि, जन आदि रूप मात्रा नहि, सम्मान आ समूहभाव सेहो व्यक्त करैत अछि।

४५५. (C) मैथिलीमे बहुवचनक विविध रूप लोक-प्रयोग आ मानक दुनूक संकेत दैत अछि — सभ, लोकनि, जन आदि रूप मात्रा नहि, सम्मान आ समूहभाव सेहो व्यक्त करैत अछि।

४५६. (C) मैथिलीमे बहुवचनक विविध रूप लोक-प्रयोग आ मानक दुनूक संकेत दैत अछि — सभ, लोकनि, जन आदि रूप मात्रा नहि, सम्मान आ समूहभाव सेहो व्यक्त करैत अछि।

४५७. (D) मैथिलीमे बहुवचनक विविध रूप लोक-प्रयोग आ मानक दुनूक संकेत दैत अछि — सभ, लोकनि, जन आदि रूप मात्रा नहि, सम्मान आ समूहभाव सेहो व्यक्त करैत अछि।

४५८. (C) मैथिलीमे बहुवचनक विविध रूप लोक-प्रयोग आ मानक दुनूक संकेत दैत अछि — सभ, लोकनि, जन आदि रूप मात्रा नहि, सम्मान आ समूहभाव सेहो व्यक्त करैत अछि।

४५९. (C) मैथिलीमे बहुवचनक विविध रूप लोक-प्रयोग आ मानक दुनूक संकेत दैत अछि — सभ, लोकनि, जन आदि रूप मात्रा नहि, सम्मान आ समूहभाव सेहो व्यक्त करैत अछि।

४६०. (D) मैथिलीमे बहुवचनक विविध रूप लोक-प्रयोग आ मानक दुनूक संकेत दैत अछि — सभ, लोकनि, जन आदि रूप मात्रा नहि, सम्मान आ समूहभाव सेहो व्यक्त करैत अछि।

४६१. (C) प्रत्ययसँ मैथिलीमे नब शब्द, भाव आ व्याकरणिक रूप बनैत अछि — प्रत्यय-प्रयोग भाषा-सृजनशीलता आ शब्द-विकासक आधार अछि।

४६२. (D) प्रत्ययसँ मैथिलीमे नब शब्द, भाव आ व्याकरणिक रूप बनैत अछि — प्रत्यय-प्रयोग भाषा-सृजनशीलता आ शब्द-विकासक आधार अछि।

४६३. (B) प्रत्ययसँ मैथिलीमे नब शब्द, भाव आ व्याकरणिक रूप बनैत अछि — प्रत्यय-प्रयोग भाषा-सृजनशीलता आ शब्द-विकासक आधार अछि।

४६४. (C) प्रत्ययसँ मैथिलीमे नब शब्द, भाव आ व्याकरणिक रूप बनैत अछि — प्रत्यय-प्रयोग भाषा-सृजनशीलता आ शब्द-विकासक आधार अछि।

४६५. (A) प्रत्ययसँ मैथिलीमे नब शब्द, भाव आ व्याकरणिक रूप बनैत अछि — प्रत्यय-प्रयोग भाषा-सृजनशीलता आ शब्द-विकासक आधार अछि।

४६६. (B) प्रत्ययसँ मैथिलीमे नब शब्द, भाव आ व्याकरणिक रूप बनैत अछि — प्रत्यय-प्रयोग भाषा-सृजनशीलता आ शब्द-विकासक आधार अछि।

४६७. (C) प्रत्ययसँ मैथिलीमे नब शब्द, भाव आ व्याकरणिक रूप बनैत अछि — प्रत्यय-प्रयोग भाषा-सृजनशीलता आ शब्द-विकासक आधार अछि।

४६८. (A) प्रत्ययसँ मैथिलीमे नब शब्द, भाव आ व्याकरणिक रूप बनैत अछि — प्रत्यय-प्रयोग भाषा-सृजनशीलता आ शब्द-विकासक आधार अछि।

४६९. (B) प्रत्ययसँ मैथिलीमे नब शब्द, भाव आ व्याकरणिक रूप बनैत अछि — प्रत्यय-प्रयोग भाषा-सृजनशीलता आ शब्द-विकासक आधार अछि।

४७०. (B) प्रत्ययसँ मैथिलीमे नब शब्द, भाव आ व्याकरणिक रूप बनैत अछि — प्रत्यय-प्रयोग भाषा-सृजनशीलता आ शब्द-विकासक आधार अछि।

४७१. (D) ध्वनि-संयोग आ सरलीकरण बोलचालक इतिहास देखबैत अछि — जन-उच्चारण कठिन समूहकेँ सरल करैत अछि आ भाषा कालक्रमे बदलैत अछि।

४७२. (A) ध्वनि-संयोग आ सरलीकरण बोलचालक इतिहास देखबैत अछि — जन-उच्चारण कठिन समूहकेँ सरल करैत अछि आ भाषा कालक्रमे बदलैत अछि।

४७३. (B) ध्वनि-संयोग आ सरलीकरण बोलचालक इतिहास देखबैत अछि — जन-उच्चारण कठिन समूहकेँ सरल करैत अछि आ भाषा कालक्रमे बदलैत अछि।

४७४. (B) ध्वनि-संयोग आ सरलीकरण बोलचालक इतिहास देखबैत अछि — जन-उच्चारण कठिन समूहकेँ सरल करैत अछि आ भाषा कालक्रमे बदलैत अछि।

४७५. (D) ध्वनि-संयोग आ सरलीकरण बोलचालक इतिहास देखबैत अछि — जन-उच्चारण कठिन समूहकेँ सरल करैत अछि आ भाषा कालक्रमे बदलैत अछि।

४७६. (D) ध्वनि-संयोग आ सरलीकरण बोलचालक इतिहास देखबैत अछि — जन-उच्चारण कठिन समूहकेँ सरल करैत अछि आ भाषा कालक्रमे बदलैत अछि।

४७७. (C) ध्वनि-संयोग आ सरलीकरण बोलचालक इतिहास देखबैत अछि — जन-उच्चारण कठिन समूहकेँ सरल करैत अछि आ भाषा कालक्रमे बदलैत अछि।

४७८. (A) ध्वनि-संयोग आ सरलीकरण बोलचालक इतिहास देखबैत अछि — जन-उच्चारण कठिन समूहकेँ सरल करैत अछि आ भाषा कालक्रमे बदलैत अछि।

४७९. (D) ध्वनि-संयोग आ सरलीकरण बोलचालक इतिहास देखबैत अछि — जन-उच्चारण कठिन समूहकेँ सरल करैत अछि आ भाषा कालक्रमे बदलैत अछि।

४८०. (C) ध्वनि-संयोग आ सरलीकरण बोलचालक इतिहास देखबैत अछि — जन-उच्चारण कठिन समूहकेँ सरल करैत अछि आ भाषा कालक्रमे बदलैत अछि।

४८१. (C) मैथिलीमे सामान्यतः कर्ता-कर्म-क्रिया क्रम प्रमुख रहल — वाक्यक्रम अर्थ-स्पष्टता आ भाषिक स्वभाव बुझबाक आधार होइत अछि।

४८२. (C) मैथिलीमे सामान्यतः कर्ता-कर्म-क्रिया क्रम प्रमुख रहल — वाक्यक्रम अर्थ-स्पष्टता आ भाषिक स्वभाव बुझबाक आधार होइत अछि।

४८३. (A) मैथिलीमे सामान्यतः कर्ता-कर्म-क्रिया क्रम प्रमुख रहल — वाक्यक्रम अर्थ-स्पष्टता आ भाषिक स्वभाव बुझबाक आधार होइत अछि।

४८४. (A) मैथिलीमे सामान्यतः कर्ता-कर्म-क्रिया क्रम प्रमुख रहल — वाक्यक्रम अर्थ-स्पष्टता आ भाषिक स्वभाव बुझबाक आधार होइत अछि।

४८५. (A) मैथिलीमे सामान्यतः कर्ता-कर्म-क्रिया क्रम प्रमुख रहल — वाक्यक्रम अर्थ-स्पष्टता आ भाषिक स्वभाव बुझबाक आधार होइत अछि।

४८६. (B) मैथिलीमे सामान्यतः कर्ता-कर्म-क्रिया क्रम प्रमुख रहल — वाक्यक्रम अर्थ-स्पष्टता आ भाषिक स्वभाव बुझबाक आधार होइत अछि।

४८७. (B) मैथिलीमे सामान्यतः कर्ता-कर्म-क्रिया क्रम प्रमुख रहल — वाक्यक्रम अर्थ-स्पष्टता आ भाषिक स्वभाव बुझबाक आधार होइत अछि।

४८८. (B) मैथिलीमे सामान्यतः कर्ता-कर्म-क्रिया क्रम प्रमुख रहल — वाक्यक्रम अर्थ-स्पष्टता आ भाषिक स्वभाव बुझबाक आधार होइत अछि।

४८९. (B) मैथिलीमे सामान्यतः कर्ता-कर्म-क्रिया क्रम प्रमुख रहल — वाक्यक्रम अर्थ-स्पष्टता आ भाषिक स्वभाव बुझबाक आधार होइत अछि।

४९०. (C) मैथिलीमे सामान्यतः कर्ता-कर्म-क्रिया क्रम प्रमुख रहल — वाक्यक्रम अर्थ-स्पष्टता आ भाषिक स्वभाव बुझबाक आधार होइत अछि।

४९१. (A) लोक-उच्चारण साहित्यिक रूपकेँ जीवित आधार प्रदान करैत अछि — मानक भाषा लोक-स्वरकेँ नकारि नहि सकैत; ओहिमे ओकर जीवन-रस रहैत अछि।

४९२. (D) लोक-उच्चारण साहित्यिक रूपकेँ जीवित आधार प्रदान करैत अछि — मानक भाषा लोक-स्वरकेँ नकारि नहि सकैत; ओहिमे ओकर जीवन-रस रहैत अछि।

४९३. (A) लोक-उच्चारण साहित्यिक रूपकेँ जीवित आधार प्रदान करैत अछि — मानक भाषा लोक-स्वरकेँ नकारि नहि सकैत; ओहिमे ओकर जीवन-रस रहैत अछि।

४९४. (C) लोक-उच्चारण साहित्यिक रूपकेँ जीवित आधार प्रदान करैत अछि — मानक भाषा लोक-स्वरकेँ नकारि नहि सकैत; ओहिमे ओकर जीवन-रस रहैत अछि।

४९५. (C) लोक-उच्चारण साहित्यिक रूपकेँ जीवित आधार प्रदान करैत अछि — मानक भाषा लोक-स्वरकेँ नकारि नहि सकैत; ओहिमे ओकर जीवन-रस रहैत अछि।

४९६. (C) लोक-उच्चारण साहित्यिक रूपकेँ जीवित आधार प्रदान करैत अछि — मानक भाषा लोक-स्वरकेँ नकारि नहि सकैत; ओहिमे ओकर जीवन-रस रहैत अछि।

४९७. (D) लोक-उच्चारण साहित्यिक रूपकेँ जीवित आधार प्रदान करैत अछि — मानक भाषा लोक-स्वरकेँ नकारि नहि सकैत; ओहिमे ओकर जीवन-रस रहैत अछि।

४९८. (B) लोक-उच्चारण साहित्यिक रूपकेँ जीवित आधार प्रदान करैत अछि — मानक भाषा लोक-स्वरकेँ नकारि नहि सकैत; ओहिमे ओकर जीवन-रस रहैत अछि।

४९९. (B) लोक-उच्चारण साहित्यिक रूपकेँ जीवित आधार प्रदान करैत अछि — मानक भाषा लोक-स्वरकेँ नकारि नहि सकैत; ओहिमे ओकर जीवन-रस रहैत अछि।

५००. (A) लोक-उच्चारण साहित्यिक रूपकेँ जीवित आधार प्रदान करैत अछि — मानक भाषा लोक-स्वरकेँ नकारि नहि सकैत; ओहिमे ओकर जीवन-रस रहैत अछि।

५०१. (A) तिरहुता मैथिली लेखनक पारम्परिक लिपि रूपमे प्रसिद्ध अछि — मिथिला क्षेत्रक पाण्डुलिपि आ पारम्परिक लेखनमे तिरहुता लिपि महत्त्वपूर्ण रहल।

५०२. (A) तिरहुता मैथिली लेखनक पारम्परिक लिपि रूपमे प्रसिद्ध अछि — मिथिला क्षेत्रक पाण्डुलिपि आ पारम्परिक लेखनमे तिरहुता लिपि महत्त्वपूर्ण रहल।

५०३. (A) तिरहुता मैथिली लेखनक पारम्परिक लिपि रूपमे प्रसिद्ध अछि — मिथिला क्षेत्रक पाण्डुलिपि आ पारम्परिक लेखनमे तिरहुता लिपि महत्त्वपूर्ण रहल।

५०४. (D) तिरहुता मैथिली लेखनक पारम्परिक लिपि रूपमे प्रसिद्ध अछि — मिथिला क्षेत्रक पाण्डुलिपि आ पारम्परिक लेखनमे तिरहुता लिपि महत्त्वपूर्ण रहल।

५०५. (A) तिरहुता मैथिली लेखनक पारम्परिक लिपि रूपमे प्रसिद्ध अछि — मिथिला क्षेत्रक पाण्डुलिपि आ पारम्परिक लेखनमे तिरहुता लिपि महत्त्वपूर्ण रहल।

५०६. (D) तिरहुता मैथिली लेखनक पारम्परिक लिपि रूपमे प्रसिद्ध अछि — मिथिला क्षेत्रक पाण्डुलिपि आ पारम्परिक लेखनमे तिरहुता लिपि महत्त्वपूर्ण रहल।

५०७. (C) तिरहुता मैथिली लेखनक पारम्परिक लिपि रूपमे प्रसिद्ध अछि — मिथिला क्षेत्रक पाण्डुलिपि आ पारम्परिक लेखनमे तिरहुता लिपि महत्त्वपूर्ण रहल।

५०८. (C) तिरहुता मैथिली लेखनक पारम्परिक लिपि रूपमे प्रसिद्ध अछि — मिथिला क्षेत्रक पाण्डुलिपि आ पारम्परिक लेखनमे तिरहुता लिपि महत्त्वपूर्ण रहल।

५०९. (A) तिरहुता मैथिली लेखनक पारम्परिक लिपि रूपमे प्रसिद्ध अछि — मिथिला क्षेत्रक पाण्डुलिपि आ पारम्परिक लेखनमे तिरहुता लिपि महत्त्वपूर्ण रहल।

५१०. (D) तिरहुता मैथिली लेखनक पारम्परिक लिपि रूपमे प्रसिद्ध अछि — मिथिला क्षेत्रक पाण्डुलिपि आ पारम्परिक लेखनमे तिरहुता लिपि महत्त्वपूर्ण रहल।

५११. (D) मिथिलाक्षर तिरहुता लिपिक दोसर प्रचलित नाम रूपमे बुझल जाइत अछि — नाम अलग हो मुदा संकेत मैथिली लेखनक पारम्परिक अक्षर-परम्पराक ओर अछि।

५१२. (C) मिथिलाक्षर तिरहुता लिपिक दोसर प्रचलित नाम रूपमे बुझल जाइत अछि — नाम अलग हो मुदा संकेत मैथिली लेखनक पारम्परिक अक्षर-परम्पराक ओर अछि।

५१३. (A) मिथिलाक्षर तिरहुता लिपिक दोसर प्रचलित नाम रूपमे बुझल जाइत अछि — नाम अलग हो मुदा संकेत मैथिली लेखनक पारम्परिक अक्षर-परम्पराक ओर अछि।

५१४. (C) मिथिलाक्षर तिरहुता लिपिक दोसर प्रचलित नाम रूपमे बुझल जाइत अछि — नाम अलग हो मुदा संकेत मैथिली लेखनक पारम्परिक अक्षर-परम्पराक ओर अछि।

५१५. (C) मिथिलाक्षर तिरहुता लिपिक दोसर प्रचलित नाम रूपमे बुझल जाइत अछि — नाम अलग हो मुदा संकेत मैथिली लेखनक पारम्परिक अक्षर-परम्पराक ओर अछि।

५१६. (C) मिथिलाक्षर तिरहुता लिपिक दोसर प्रचलित नाम रूपमे बुझल जाइत अछि — नाम अलग हो मुदा संकेत मैथिली लेखनक पारम्परिक अक्षर-परम्पराक ओर अछि।

५१७. (D) मिथिलाक्षर तिरहुता लिपिक दोसर प्रचलित नाम रूपमे बुझल जाइत अछि — नाम अलग हो मुदा संकेत मैथिली लेखनक पारम्परिक अक्षर-परम्पराक ओर अछि।

५१८. (C) मिथिलाक्षर तिरहुता लिपिक दोसर प्रचलित नाम रूपमे बुझल जाइत अछि — नाम अलग हो मुदा संकेत मैथिली लेखनक पारम्परिक अक्षर-परम्पराक ओर अछि।

५१९. (C) मिथिलाक्षर तिरहुता लिपिक दोसर प्रचलित नाम रूपमे बुझल जाइत अछि — नाम अलग हो मुदा संकेत मैथिली लेखनक पारम्परिक अक्षर-परम्पराक ओर अछि।

५२०. (C) मिथिलाक्षर तिरहुता लिपिक दोसर प्रचलित नाम रूपमे बुझल जाइत अछि — नाम अलग हो मुदा संकेत मैथिली लेखनक पारम्परिक अक्षर-परम्पराक ओर अछि।

५२१. (D) आधुनिक कालमे मैथिली लेखनमे देवनागरीक प्रयोग अत्यधिक फैलल — मुद्रण, पाठ्यपुस्तक आ सार्वजनिक लेखनक कारण देवनागरी व्यापक बनल।

५२२. (A) आधुनिक कालमे मैथिली लेखनमे देवनागरीक प्रयोग अत्यधिक फैलल — मुद्रण, पाठ्यपुस्तक आ सार्वजनिक लेखनक कारण देवनागरी व्यापक बनल।

५२३. (A) आधुनिक कालमे मैथिली लेखनमे देवनागरीक प्रयोग अत्यधिक फैलल — मुद्रण, पाठ्यपुस्तक आ सार्वजनिक लेखनक कारण देवनागरी व्यापक बनल।

५२४. (B) आधुनिक कालमे मैथिली लेखनमे देवनागरीक प्रयोग अत्यधिक फैलल — मुद्रण, पाठ्यपुस्तक आ सार्वजनिक लेखनक कारण देवनागरी व्यापक बनल।

५२५. (B) आधुनिक कालमे मैथिली लेखनमे देवनागरीक प्रयोग अत्यधिक फैलल — मुद्रण, पाठ्यपुस्तक आ सार्वजनिक लेखनक कारण देवनागरी व्यापक बनल।

५२६. (D) आधुनिक कालमे मैथिली लेखनमे देवनागरीक प्रयोग अत्यधिक फैलल — मुद्रण, पाठ्यपुस्तक आ सार्वजनिक लेखनक कारण देवनागरी व्यापक बनल।

५२७. (B) आधुनिक कालमे मैथिली लेखनमे देवनागरीक प्रयोग अत्यधिक फैलल — मुद्रण, पाठ्यपुस्तक आ सार्वजनिक लेखनक कारण देवनागरी व्यापक बनल।

५२८. (A) आधुनिक कालमे मैथिली लेखनमे देवनागरीक प्रयोग अत्यधिक फैलल — मुद्रण, पाठ्यपुस्तक आ सार्वजनिक लेखनक कारण देवनागरी व्यापक बनल।

५२९. (B) आधुनिक कालमे मैथिली लेखनमे देवनागरीक प्रयोग अत्यधिक फैलल — मुद्रण, पाठ्यपुस्तक आ सार्वजनिक लेखनक कारण देवनागरी व्यापक बनल।

५३०. (B) आधुनिक कालमे मैथिली लेखनमे देवनागरीक प्रयोग अत्यधिक फैलल — मुद्रण, पाठ्यपुस्तक आ सार्वजनिक लेखनक कारण देवनागरी व्यापक बनल।

५३१. (D) व्यवहारिक लेखनक किछु क्षेत्रमे कैथी जेकाँ लिपिक उपयोगक संकेत भेटैत अछि — प्रशासनिक आ व्यवहारिक लेखनमे कतेक लिपि-रूप समानान्तर चलैत रहल।

५३२. (D) व्यवहारिक लेखनक किछु क्षेत्रमे कैथी जेकाँ लिपिक उपयोगक संकेत भेटैत अछि — प्रशासनिक आ व्यवहारिक लेखनमे कतेक लिपि-रूप समानान्तर चलैत रहल।

५३३. (B) व्यवहारिक लेखनक किछु क्षेत्रमे कैथी जेकाँ लिपिक उपयोगक संकेत भेटैत अछि — प्रशासनिक आ व्यवहारिक लेखनमे कतेक लिपि-रूप समानान्तर चलैत रहल।

५३४. (A) व्यवहारिक लेखनक किछु क्षेत्रमे कैथी जेकाँ लिपिक उपयोगक संकेत भेटैत अछि — प्रशासनिक आ व्यवहारिक लेखनमे कतेक लिपि-रूप समानान्तर चलैत रहल।

५३५. (D) व्यवहारिक लेखनक किछु क्षेत्रमे कैथी जेकाँ लिपिक उपयोगक संकेत भेटैत अछि — प्रशासनिक आ व्यवहारिक लेखनमे कतेक लिपि-रूप समानान्तर चलैत रहल।

५३६. (C) व्यवहारिक लेखनक किछु क्षेत्रमे कैथी जेकाँ लिपिक उपयोगक संकेत भेटैत अछि — प्रशासनिक आ व्यवहारिक लेखनमे कतेक लिपि-रूप समानान्तर चलैत रहल।

५३७. (B) व्यवहारिक लेखनक किछु क्षेत्रमे कैथी जेकाँ लिपिक उपयोगक संकेत भेटैत अछि — प्रशासनिक आ व्यवहारिक लेखनमे कतेक लिपि-रूप समानान्तर चलैत रहल।

५३८. (B) व्यवहारिक लेखनक किछु क्षेत्रमे कैथी जेकाँ लिपिक उपयोगक संकेत भेटैत अछि — प्रशासनिक आ व्यवहारिक लेखनमे कतेक लिपि-रूप समानान्तर चलैत रहल।

५३९. (B) व्यवहारिक लेखनक किछु क्षेत्रमे कैथी जेकाँ लिपिक उपयोगक संकेत भेटैत अछि — प्रशासनिक आ व्यवहारिक लेखनमे कतेक लिपि-रूप समानान्तर चलैत रहल।

५४०. (C) व्यवहारिक लेखनक किछु क्षेत्रमे कैथी जेकाँ लिपिक उपयोगक संकेत भेटैत अछि — प्रशासनिक आ व्यवहारिक लेखनमे कतेक लिपि-रूप समानान्तर चलैत रहल।

५४१. (A) घर-परिवार, पञ्जी आ सामाजिक संवादमे पत्र-लेखन भाषाक व्यवहारिक रूप देखबैत अछि — पत्र भाषा-इतिहासक स्वाभाविक स्रोत होइत अछि, कारण ओहिमे बोलचालक निकटता रहैत अछि।

५४२. (A) घर-परिवार, पञ्जी आ सामाजिक संवादमे पत्र-लेखन भाषाक व्यवहारिक रूप देखबैत अछि — पत्र भाषा-इतिहासक स्वाभाविक स्रोत होइत अछि, कारण ओहिमे बोलचालक निकटता रहैत अछि।

५४३. (A) घर-परिवार, पञ्जी आ सामाजिक संवादमे पत्र-लेखन भाषाक व्यवहारिक रूप देखबैत अछि — पत्र भाषा-इतिहासक स्वाभाविक स्रोत होइत अछि, कारण ओहिमे बोलचालक निकटता रहैत अछि।

५४४. (D) घर-परिवार, पञ्जी आ सामाजिक संवादमे पत्र-लेखन भाषाक व्यवहारिक रूप देखबैत अछि — पत्र भाषा-इतिहासक स्वाभाविक स्रोत होइत अछि, कारण ओहिमे बोलचालक निकटता रहैत अछि।

५४५. (B) घर-परिवार, पञ्जी आ सामाजिक संवादमे पत्र-लेखन भाषाक व्यवहारिक रूप देखबैत अछि — पत्र भाषा-इतिहासक स्वाभाविक स्रोत होइत अछि, कारण ओहिमे बोलचालक निकटता रहैत अछि।

५४६. (D) घर-परिवार, पञ्जी आ सामाजिक संवादमे पत्र-लेखन भाषाक व्यवहारिक रूप देखबैत अछि — पत्र भाषा-इतिहासक स्वाभाविक स्रोत होइत अछि, कारण ओहिमे बोलचालक निकटता रहैत अछि।

५४७. (D) घर-परिवार, पञ्जी आ सामाजिक संवादमे पत्र-लेखन भाषाक व्यवहारिक रूप देखबैत अछि — पत्र भाषा-इतिहासक स्वाभाविक स्रोत होइत अछि, कारण ओहिमे बोलचालक निकटता रहैत अछि।

५४८. (D) घर-परिवार, पञ्जी आ सामाजिक संवादमे पत्र-लेखन भाषाक व्यवहारिक रूप देखबैत अछि — पत्र भाषा-इतिहासक स्वाभाविक स्रोत होइत अछि, कारण ओहिमे बोलचालक निकटता रहैत अछि।

५४९. (B) घर-परिवार, पञ्जी आ सामाजिक संवादमे पत्र-लेखन भाषाक व्यवहारिक रूप देखबैत अछि — पत्र भाषा-इतिहासक स्वाभाविक स्रोत होइत अछि, कारण ओहिमे बोलचालक निकटता रहैत अछि।

५५०. (A) घर-परिवार, पञ्जी आ सामाजिक संवादमे पत्र-लेखन भाषाक व्यवहारिक रूप देखबैत अछि — पत्र भाषा-इतिहासक स्वाभाविक स्रोत होइत अछि, कारण ओहिमे बोलचालक निकटता रहैत अछि।

५५१. (A) मुद्रणक विकास मैथिलीकेँ व्यापक पाठक-वर्ग धरि पहुँचौलक — छापाखाना भाषा-मानक, वर्तनी आ पत्र-पत्रिकाक प्रसारमे निर्णायक रहल।

५५२. (B) मुद्रणक विकास मैथिलीकेँ व्यापक पाठक-वर्ग धरि पहुँचौलक — छापाखाना भाषा-मानक, वर्तनी आ पत्र-पत्रिकाक प्रसारमे निर्णायक रहल।

५५३. (C) मुद्रणक विकास मैथिलीकेँ व्यापक पाठक-वर्ग धरि पहुँचौलक — छापाखाना भाषा-मानक, वर्तनी आ पत्र-पत्रिकाक प्रसारमे निर्णायक रहल।

५५४. (A) मुद्रणक विकास मैथिलीकेँ व्यापक पाठक-वर्ग धरि पहुँचौलक — छापाखाना भाषा-मानक, वर्तनी आ पत्र-पत्रिकाक प्रसारमे निर्णायक रहल।

५५५. (C) मुद्रणक विकास मैथिलीकेँ व्यापक पाठक-वर्ग धरि पहुँचौलक — छापाखाना भाषा-मानक, वर्तनी आ पत्र-पत्रिकाक प्रसारमे निर्णायक रहल।

५५६. (B) मुद्रणक विकास मैथिलीकेँ व्यापक पाठक-वर्ग धरि पहुँचौलक — छापाखाना भाषा-मानक, वर्तनी आ पत्र-पत्रिकाक प्रसारमे निर्णायक रहल।

५५७. (B) मुद्रणक विकास मैथिलीकेँ व्यापक पाठक-वर्ग धरि पहुँचौलक — छापाखाना भाषा-मानक, वर्तनी आ पत्र-पत्रिकाक प्रसारमे निर्णायक रहल।

५५८. (D) मुद्रणक विकास मैथिलीकेँ व्यापक पाठक-वर्ग धरि पहुँचौलक — छापाखाना भाषा-मानक, वर्तनी आ पत्र-पत्रिकाक प्रसारमे निर्णायक रहल।

५५९. (B) मुद्रणक विकास मैथिलीकेँ व्यापक पाठक-वर्ग धरि पहुँचौलक — छापाखाना भाषा-मानक, वर्तनी आ पत्र-पत्रिकाक प्रसारमे निर्णायक रहल।

५६०. (B) मुद्रणक विकास मैथिलीकेँ व्यापक पाठक-वर्ग धरि पहुँचौलक — छापाखाना भाषा-मानक, वर्तनी आ पत्र-पत्रिकाक प्रसारमे निर्णायक रहल।

५६१. (C) टाइप आ कम्प्यूटर लेखन मैथिलीकेँ आधुनिक माध्यममे प्रवेश करौलक — लिपि आ तकनीकक मेल भाषा-प्रसारक नब बाट खोलैत अछि।

५६२. (D) टाइप आ कम्प्यूटर लेखन मैथिलीकेँ आधुनिक माध्यममे प्रवेश करौलक — लिपि आ तकनीकक मेल भाषा-प्रसारक नब बाट खोलैत अछि।

५६३. (C) टाइप आ कम्प्यूटर लेखन मैथिलीकेँ आधुनिक माध्यममे प्रवेश करौलक — लिपि आ तकनीकक मेल भाषा-प्रसारक नब बाट खोलैत अछि।

५६४. (B) टाइप आ कम्प्यूटर लेखन मैथिलीकेँ आधुनिक माध्यममे प्रवेश करौलक — लिपि आ तकनीकक मेल भाषा-प्रसारक नब बाट खोलैत अछि।

५६५. (D) टाइप आ कम्प्यूटर लेखन मैथिलीकेँ आधुनिक माध्यममे प्रवेश करौलक — लिपि आ तकनीकक मेल भाषा-प्रसारक नब बाट खोलैत अछि।

५६६. (B) टाइप आ कम्प्यूटर लेखन मैथिलीकेँ आधुनिक माध्यममे प्रवेश करौलक — लिपि आ तकनीकक मेल भाषा-प्रसारक नब बाट खोलैत अछि।

५६७. (A) टाइप आ कम्प्यूटर लेखन मैथिलीकेँ आधुनिक माध्यममे प्रवेश करौलक — लिपि आ तकनीकक मेल भाषा-प्रसारक नब बाट खोलैत अछि।

५६८. (B) टाइप आ कम्प्यूटर लेखन मैथिलीकेँ आधुनिक माध्यममे प्रवेश करौलक — लिपि आ तकनीकक मेल भाषा-प्रसारक नब बाट खोलैत अछि।

५६९. (D) टाइप आ कम्प्यूटर लेखन मैथिलीकेँ आधुनिक माध्यममे प्रवेश करौलक — लिपि आ तकनीकक मेल भाषा-प्रसारक नब बाट खोलैत अछि।

५७०. (D) टाइप आ कम्प्यूटर लेखन मैथिलीकेँ आधुनिक माध्यममे प्रवेश करौलक — लिपि आ तकनीकक मेल भाषा-प्रसारक नब बाट खोलैत अछि।

५७१. (B) यूनिकोड मानकीकरण तिरहुता आ मैथिली डिजिटल लेखन लेल महत्त्वपूर्ण अछि — डिजिटल युगमे लिपिक मानकीकृत कोड भाषा-संरक्षणक आधार बनैत अछि।

५७२. (C) यूनिकोड मानकीकरण तिरहुता आ मैथिली डिजिटल लेखन लेल महत्त्वपूर्ण अछि — डिजिटल युगमे लिपिक मानकीकृत कोड भाषा-संरक्षणक आधार बनैत अछि।

५७३. (A) यूनिकोड मानकीकरण तिरहुता आ मैथिली डिजिटल लेखन लेल महत्त्वपूर्ण अछि — डिजिटल युगमे लिपिक मानकीकृत कोड भाषा-संरक्षणक आधार बनैत अछि।

५७४. (B) यूनिकोड मानकीकरण तिरहुता आ मैथिली डिजिटल लेखन लेल महत्त्वपूर्ण अछि — डिजिटल युगमे लिपिक मानकीकृत कोड भाषा-संरक्षणक आधार बनैत अछि।

५७५. (D) यूनिकोड मानकीकरण तिरहुता आ मैथिली डिजिटल लेखन लेल महत्त्वपूर्ण अछि — डिजिटल युगमे लिपिक मानकीकृत कोड भाषा-संरक्षणक आधार बनैत अछि।

५७६. (B) यूनिकोड मानकीकरण तिरहुता आ मैथिली डिजिटल लेखन लेल महत्त्वपूर्ण अछि — डिजिटल युगमे लिपिक मानकीकृत कोड भाषा-संरक्षणक आधार बनैत अछि।

५७७. (A) यूनिकोड मानकीकरण तिरहुता आ मैथिली डिजिटल लेखन लेल महत्त्वपूर्ण अछि — डिजिटल युगमे लिपिक मानकीकृत कोड भाषा-संरक्षणक आधार बनैत अछि।

५७८. (B) यूनिकोड मानकीकरण तिरहुता आ मैथिली डिजिटल लेखन लेल महत्त्वपूर्ण अछि — डिजिटल युगमे लिपिक मानकीकृत कोड भाषा-संरक्षणक आधार बनैत अछि।

५७९. (B) यूनिकोड मानकीकरण तिरहुता आ मैथिली डिजिटल लेखन लेल महत्त्वपूर्ण अछि — डिजिटल युगमे लिपिक मानकीकृत कोड भाषा-संरक्षणक आधार बनैत अछि।

५८०. (B) यूनिकोड मानकीकरण तिरहुता आ मैथिली डिजिटल लेखन लेल महत्त्वपूर्ण अछि — डिजिटल युगमे लिपिक मानकीकृत कोड भाषा-संरक्षणक आधार बनैत अछि।

५८१. (D) हस्तलिखित ग्रन्थ भाषाक पुरान रूप आ सांस्कृतिक स्मृति सुरक्षित रखैत अछि — पाण्डुलिपि-संरक्षण बिना भाषा-इतिहासक अनेक सूत्र हराय सकैत अछि।

५८२. (D) हस्तलिखित ग्रन्थ भाषाक पुरान रूप आ सांस्कृतिक स्मृति सुरक्षित रखैत अछि — पाण्डुलिपि-संरक्षण बिना भाषा-इतिहासक अनेक सूत्र हराय सकैत अछि।

५८३. (B) हस्तलिखित ग्रन्थ भाषाक पुरान रूप आ सांस्कृतिक स्मृति सुरक्षित रखैत अछि — पाण्डुलिपि-संरक्षण बिना भाषा-इतिहासक अनेक सूत्र हराय सकैत अछि।

५८४. (D) हस्तलिखित ग्रन्थ भाषाक पुरान रूप आ सांस्कृतिक स्मृति सुरक्षित रखैत अछि — पाण्डुलिपि-संरक्षण बिना भाषा-इतिहासक अनेक सूत्र हराय सकैत अछि।

५८५. (C) हस्तलिखित ग्रन्थ भाषाक पुरान रूप आ सांस्कृतिक स्मृति सुरक्षित रखैत अछि — पाण्डुलिपि-संरक्षण बिना भाषा-इतिहासक अनेक सूत्र हराय सकैत अछि।

५८६. (D) हस्तलिखित ग्रन्थ भाषाक पुरान रूप आ सांस्कृतिक स्मृति सुरक्षित रखैत अछि — पाण्डुलिपि-संरक्षण बिना भाषा-इतिहासक अनेक सूत्र हराय सकैत अछि।

५८७. (B) हस्तलिखित ग्रन्थ भाषाक पुरान रूप आ सांस्कृतिक स्मृति सुरक्षित रखैत अछि — पाण्डुलिपि-संरक्षण बिना भाषा-इतिहासक अनेक सूत्र हराय सकैत अछि।

५८८. (B) हस्तलिखित ग्रन्थ भाषाक पुरान रूप आ सांस्कृतिक स्मृति सुरक्षित रखैत अछि — पाण्डुलिपि-संरक्षण बिना भाषा-इतिहासक अनेक सूत्र हराय सकैत अछि।

५८९. (A) हस्तलिखित ग्रन्थ भाषाक पुरान रूप आ सांस्कृतिक स्मृति सुरक्षित रखैत अछि — पाण्डुलिपि-संरक्षण बिना भाषा-इतिहासक अनेक सूत्र हराय सकैत अछि।

५९०. (C) हस्तलिखित ग्रन्थ भाषाक पुरान रूप आ सांस्कृतिक स्मृति सुरक्षित रखैत अछि — पाण्डुलिपि-संरक्षण बिना भाषा-इतिहासक अनेक सूत्र हराय सकैत अछि।

५९१. (C) लिपि-शिक्षा भाषिक गौरव आ परम्परा-संरक्षणक महत्त्वपूर्ण साधन अछि — जखन बच्चा अपन भाषा आ लिपि सीखैत अछि, तखन सांस्कृतिक निरन्तरता मजबूत होइत अछि।

५९२. (C) लिपि-शिक्षा भाषिक गौरव आ परम्परा-संरक्षणक महत्त्वपूर्ण साधन अछि — जखन बच्चा अपन भाषा आ लिपि सीखैत अछि, तखन सांस्कृतिक निरन्तरता मजबूत होइत अछि।

५९३. (B) लिपि-शिक्षा भाषिक गौरव आ परम्परा-संरक्षणक महत्त्वपूर्ण साधन अछि — जखन बच्चा अपन भाषा आ लिपि सीखैत अछि, तखन सांस्कृतिक निरन्तरता मजबूत होइत अछि।

५९४. (C) लिपि-शिक्षा भाषिक गौरव आ परम्परा-संरक्षणक महत्त्वपूर्ण साधन अछि — जखन बच्चा अपन भाषा आ लिपि सीखैत अछि, तखन सांस्कृतिक निरन्तरता मजबूत होइत अछि।

५९५. (B) लिपि-शिक्षा भाषिक गौरव आ परम्परा-संरक्षणक महत्त्वपूर्ण साधन अछि — जखन बच्चा अपन भाषा आ लिपि सीखैत अछि, तखन सांस्कृतिक निरन्तरता मजबूत होइत अछि।

५९६. (C) लिपि-शिक्षा भाषिक गौरव आ परम्परा-संरक्षणक महत्त्वपूर्ण साधन अछि — जखन बच्चा अपन भाषा आ लिपि सीखैत अछि, तखन सांस्कृतिक निरन्तरता मजबूत होइत अछि।

५९७. (B) लिपि-शिक्षा भाषिक गौरव आ परम्परा-संरक्षणक महत्त्वपूर्ण साधन अछि — जखन बच्चा अपन भाषा आ लिपि सीखैत अछि, तखन सांस्कृतिक निरन्तरता मजबूत होइत अछि।

५९८. (D) लिपि-शिक्षा भाषिक गौरव आ परम्परा-संरक्षणक महत्त्वपूर्ण साधन अछि — जखन बच्चा अपन भाषा आ लिपि सीखैत अछि, तखन सांस्कृतिक निरन्तरता मजबूत होइत अछि।

५९९. (C) लिपि-शिक्षा भाषिक गौरव आ परम्परा-संरक्षणक महत्त्वपूर्ण साधन अछि — जखन बच्चा अपन भाषा आ लिपि सीखैत अछि, तखन सांस्कृतिक निरन्तरता मजबूत होइत अछि।

६००. (D) लिपि-शिक्षा भाषिक गौरव आ परम्परा-संरक्षणक महत्त्वपूर्ण साधन अछि — जखन बच्चा अपन भाषा आ लिपि सीखैत अछि, तखन सांस्कृतिक निरन्तरता मजबूत होइत अछि।

६०१. (A) मुद्रणालयक प्रसारसँ मैथिली साहित्य, व्याकरण आ पत्र-पत्रिकाक विकास तेज भेल — छपाइ भाषाकेँ निजी पाण्डुलिपि सँ सार्वजनिक पाठ्य-संसारमे आनल।

६०२. (D) मुद्रणालयक प्रसारसँ मैथिली साहित्य, व्याकरण आ पत्र-पत्रिकाक विकास तेज भेल — छपाइ भाषाकेँ निजी पाण्डुलिपि सँ सार्वजनिक पाठ्य-संसारमे आनल।

६०३. (C) मुद्रणालयक प्रसारसँ मैथिली साहित्य, व्याकरण आ पत्र-पत्रिकाक विकास तेज भेल — छपाइ भाषाकेँ निजी पाण्डुलिपि सँ सार्वजनिक पाठ्य-संसारमे आनल।

६०४. (C) मुद्रणालयक प्रसारसँ मैथिली साहित्य, व्याकरण आ पत्र-पत्रिकाक विकास तेज भेल — छपाइ भाषाकेँ निजी पाण्डुलिपि सँ सार्वजनिक पाठ्य-संसारमे आनल।

६०५. (C) मुद्रणालयक प्रसारसँ मैथिली साहित्य, व्याकरण आ पत्र-पत्रिकाक विकास तेज भेल — छपाइ भाषाकेँ निजी पाण्डुलिपि सँ सार्वजनिक पाठ्य-संसारमे आनल।

६०६. (A) मुद्रणालयक प्रसारसँ मैथिली साहित्य, व्याकरण आ पत्र-पत्रिकाक विकास तेज भेल — छपाइ भाषाकेँ निजी पाण्डुलिपि सँ सार्वजनिक पाठ्य-संसारमे आनल।

६०७. (A) मुद्रणालयक प्रसारसँ मैथिली साहित्य, व्याकरण आ पत्र-पत्रिकाक विकास तेज भेल — छपाइ भाषाकेँ निजी पाण्डुलिपि सँ सार्वजनिक पाठ्य-संसारमे आनल।

६०८. (D) मुद्रणालयक प्रसारसँ मैथिली साहित्य, व्याकरण आ पत्र-पत्रिकाक विकास तेज भेल — छपाइ भाषाकेँ निजी पाण्डुलिपि सँ सार्वजनिक पाठ्य-संसारमे आनल।

६०९. (B) मुद्रणालयक प्रसारसँ मैथिली साहित्य, व्याकरण आ पत्र-पत्रिकाक विकास तेज भेल — छपाइ भाषाकेँ निजी पाण्डुलिपि सँ सार्वजनिक पाठ्य-संसारमे आनल।

६१०. (C) मुद्रणालयक प्रसारसँ मैथिली साहित्य, व्याकरण आ पत्र-पत्रिकाक विकास तेज भेल — छपाइ भाषाकेँ निजी पाण्डुलिपि सँ सार्वजनिक पाठ्य-संसारमे आनल।

६११. (D) पत्र-पत्रिका मैथिली भाषाक आधुनिक चेतना आ मानकीकरणक वाहक बनल — समाचार, लेख, कविता आ वाद-विवादसँ भाषा सार्वजनिक क्षेत्रमे मजबूत भेल।

६१२. (C) पत्र-पत्रिका मैथिली भाषाक आधुनिक चेतना आ मानकीकरणक वाहक बनल — समाचार, लेख, कविता आ वाद-विवादसँ भाषा सार्वजनिक क्षेत्रमे मजबूत भेल।

६१३. (A) पत्र-पत्रिका मैथिली भाषाक आधुनिक चेतना आ मानकीकरणक वाहक बनल — समाचार, लेख, कविता आ वाद-विवादसँ भाषा सार्वजनिक क्षेत्रमे मजबूत भेल।

६१४. (B) पत्र-पत्रिका मैथिली भाषाक आधुनिक चेतना आ मानकीकरणक वाहक बनल — समाचार, लेख, कविता आ वाद-विवादसँ भाषा सार्वजनिक क्षेत्रमे मजबूत भेल।

६१५. (B) पत्र-पत्रिका मैथिली भाषाक आधुनिक चेतना आ मानकीकरणक वाहक बनल — समाचार, लेख, कविता आ वाद-विवादसँ भाषा सार्वजनिक क्षेत्रमे मजबूत भेल।

६१६. (D) पत्र-पत्रिका मैथिली भाषाक आधुनिक चेतना आ मानकीकरणक वाहक बनल — समाचार, लेख, कविता आ वाद-विवादसँ भाषा सार्वजनिक क्षेत्रमे मजबूत भेल।

६१७. (C) पत्र-पत्रिका मैथिली भाषाक आधुनिक चेतना आ मानकीकरणक वाहक बनल — समाचार, लेख, कविता आ वाद-विवादसँ भाषा सार्वजनिक क्षेत्रमे मजबूत भेल।

६१८. (D) पत्र-पत्रिका मैथिली भाषाक आधुनिक चेतना आ मानकीकरणक वाहक बनल — समाचार, लेख, कविता आ वाद-विवादसँ भाषा सार्वजनिक क्षेत्रमे मजबूत भेल।

६१९. (D) पत्र-पत्रिका मैथिली भाषाक आधुनिक चेतना आ मानकीकरणक वाहक बनल — समाचार, लेख, कविता आ वाद-विवादसँ भाषा सार्वजनिक क्षेत्रमे मजबूत भेल।

६२०. (D) पत्र-पत्रिका मैथिली भाषाक आधुनिक चेतना आ मानकीकरणक वाहक बनल — समाचार, लेख, कविता आ वाद-विवादसँ भाषा सार्वजनिक क्षेत्रमे मजबूत भेल।

६२१. (D) मैथिल हित साधन मैथिली पत्रकारिताक आरम्भिक स्मरणीय पड़ाव मानल जाइत अछि — एहन पत्र-पत्रिका भाषा-जागरण आ समाज-चिन्तनक मंच बनल।

६२२. (D) मैथिल हित साधन मैथिली पत्रकारिताक आरम्भिक स्मरणीय पड़ाव मानल जाइत अछि — एहन पत्र-पत्रिका भाषा-जागरण आ समाज-चिन्तनक मंच बनल।

६२३. (B) मैथिल हित साधन मैथिली पत्रकारिताक आरम्भिक स्मरणीय पड़ाव मानल जाइत अछि — एहन पत्र-पत्रिका भाषा-जागरण आ समाज-चिन्तनक मंच बनल।

६२४. (B) मैथिल हित साधन मैथिली पत्रकारिताक आरम्भिक स्मरणीय पड़ाव मानल जाइत अछि — एहन पत्र-पत्रिका भाषा-जागरण आ समाज-चिन्तनक मंच बनल।

६२५. (C) मैथिल हित साधन मैथिली पत्रकारिताक आरम्भिक स्मरणीय पड़ाव मानल जाइत अछि — एहन पत्र-पत्रिका भाषा-जागरण आ समाज-चिन्तनक मंच बनल।

६२६. (D) मैथिल हित साधन मैथिली पत्रकारिताक आरम्भिक स्मरणीय पड़ाव मानल जाइत अछि — एहन पत्र-पत्रिका भाषा-जागरण आ समाज-चिन्तनक मंच बनल।

६२७. (C) मैथिल हित साधन मैथिली पत्रकारिताक आरम्भिक स्मरणीय पड़ाव मानल जाइत अछि — एहन पत्र-पत्रिका भाषा-जागरण आ समाज-चिन्तनक मंच बनल।

६२८. (D) मैथिल हित साधन मैथिली पत्रकारिताक आरम्भिक स्मरणीय पड़ाव मानल जाइत अछि — एहन पत्र-पत्रिका भाषा-जागरण आ समाज-चिन्तनक मंच बनल।

६२९. (A) मैथिल हित साधन मैथिली पत्रकारिताक आरम्भिक स्मरणीय पड़ाव मानल जाइत अछि — एहन पत्र-पत्रिका भाषा-जागरण आ समाज-चिन्तनक मंच बनल।

६३०. (D) मैथिल हित साधन मैथिली पत्रकारिताक आरम्भिक स्मरणीय पड़ाव मानल जाइत अछि — एहन पत्र-पत्रिका भाषा-जागरण आ समाज-चिन्तनक मंच बनल।

६३१. (A) मिथिला मिहिर मैथिली पत्रकारिता आ साहित्यिक चेतनाक प्रभावशाली नाम रहल — ई पत्रिका आधुनिक मैथिली लेखन आ सार्वजनिक विमर्शक केन्द्र रूपमे चर्चित रहल।

६३२. (B) मिथिला मिहिर मैथिली पत्रकारिता आ साहित्यिक चेतनाक प्रभावशाली नाम रहल — ई पत्रिका आधुनिक मैथिली लेखन आ सार्वजनिक विमर्शक केन्द्र रूपमे चर्चित रहल।

६३३. (C) मिथिला मिहिर मैथिली पत्रकारिता आ साहित्यिक चेतनाक प्रभावशाली नाम रहल — ई पत्रिका आधुनिक मैथिली लेखन आ सार्वजनिक विमर्शक केन्द्र रूपमे चर्चित रहल।

६३४. (C) मिथिला मिहिर मैथिली पत्रकारिता आ साहित्यिक चेतनाक प्रभावशाली नाम रहल — ई पत्रिका आधुनिक मैथिली लेखन आ सार्वजनिक विमर्शक केन्द्र रूपमे चर्चित रहल।

६३५. (C) मिथिला मिहिर मैथिली पत्रकारिता आ साहित्यिक चेतनाक प्रभावशाली नाम रहल — ई पत्रिका आधुनिक मैथिली लेखन आ सार्वजनिक विमर्शक केन्द्र रूपमे चर्चित रहल।

६३६. (B) मिथिला मिहिर मैथिली पत्रकारिता आ साहित्यिक चेतनाक प्रभावशाली नाम रहल — ई पत्रिका आधुनिक मैथिली लेखन आ सार्वजनिक विमर्शक केन्द्र रूपमे चर्चित रहल।

६३७. (B) मिथिला मिहिर मैथिली पत्रकारिता आ साहित्यिक चेतनाक प्रभावशाली नाम रहल — ई पत्रिका आधुनिक मैथिली लेखन आ सार्वजनिक विमर्शक केन्द्र रूपमे चर्चित रहल।

६३८. (C) मिथिला मिहिर मैथिली पत्रकारिता आ साहित्यिक चेतनाक प्रभावशाली नाम रहल — ई पत्रिका आधुनिक मैथिली लेखन आ सार्वजनिक विमर्शक केन्द्र रूपमे चर्चित रहल।

६३९. (D) मिथिला मिहिर मैथिली पत्रकारिता आ साहित्यिक चेतनाक प्रभावशाली नाम रहल — ई पत्रिका आधुनिक मैथिली लेखन आ सार्वजनिक विमर्शक केन्द्र रूपमे चर्चित रहल।

६४०. (C) मिथिला मिहिर मैथिली पत्रकारिता आ साहित्यिक चेतनाक प्रभावशाली नाम रहल — ई पत्रिका आधुनिक मैथिली लेखन आ सार्वजनिक विमर्शक केन्द्र रूपमे चर्चित रहल।

६४१. (A) मिथिला मोद जेकाँ पत्रिका भाषिक-सांस्कृतिक जागरणमे भूमिका निभबैत रहल — पत्रिका सभ समाज, साहित्य आ भाषा-पहचानक संवाद-स्थल बनैत अछि।

६४२. (D) मिथिला मोद जेकाँ पत्रिका भाषिक-सांस्कृतिक जागरणमे भूमिका निभबैत रहल — पत्रिका सभ समाज, साहित्य आ भाषा-पहचानक संवाद-स्थल बनैत अछि।

६४३. (A) मिथिला मोद जेकाँ पत्रिका भाषिक-सांस्कृतिक जागरणमे भूमिका निभबैत रहल — पत्रिका सभ समाज, साहित्य आ भाषा-पहचानक संवाद-स्थल बनैत अछि।

६४४. (C) मिथिला मोद जेकाँ पत्रिका भाषिक-सांस्कृतिक जागरणमे भूमिका निभबैत रहल — पत्रिका सभ समाज, साहित्य आ भाषा-पहचानक संवाद-स्थल बनैत अछि।

६४५. (C) मिथिला मोद जेकाँ पत्रिका भाषिक-सांस्कृतिक जागरणमे भूमिका निभबैत रहल — पत्रिका सभ समाज, साहित्य आ भाषा-पहचानक संवाद-स्थल बनैत अछि।

६४६. (C) मिथिला मोद जेकाँ पत्रिका भाषिक-सांस्कृतिक जागरणमे भूमिका निभबैत रहल — पत्रिका सभ समाज, साहित्य आ भाषा-पहचानक संवाद-स्थल बनैत अछि।

६४७. (D) मिथिला मोद जेकाँ पत्रिका भाषिक-सांस्कृतिक जागरणमे भूमिका निभबैत रहल — पत्रिका सभ समाज, साहित्य आ भाषा-पहचानक संवाद-स्थल बनैत अछि।

६४८. (B) मिथिला मोद जेकाँ पत्रिका भाषिक-सांस्कृतिक जागरणमे भूमिका निभबैत रहल — पत्रिका सभ समाज, साहित्य आ भाषा-पहचानक संवाद-स्थल बनैत अछि।

६४९. (A) मिथिला मोद जेकाँ पत्रिका भाषिक-सांस्कृतिक जागरणमे भूमिका निभबैत रहल — पत्रिका सभ समाज, साहित्य आ भाषा-पहचानक संवाद-स्थल बनैत अछि।

६५०. (C) मिथिला मोद जेकाँ पत्रिका भाषिक-सांस्कृतिक जागरणमे भूमिका निभबैत रहल — पत्रिका सभ समाज, साहित्य आ भाषा-पहचानक संवाद-स्थल बनैत अछि।

६५१. (D) संस्था सभ मैथिलीकेँ सभा, प्रकाशन, पुरस्कार आ शोधक आधार देलक — भाषा-आन्दोलनमे व्यक्तिगत लेखनक संग संस्थागत श्रम जरूरी होइत अछि।

६५२. (B) संस्था सभ मैथिलीकेँ सभा, प्रकाशन, पुरस्कार आ शोधक आधार देलक — भाषा-आन्दोलनमे व्यक्तिगत लेखनक संग संस्थागत श्रम जरूरी होइत अछि।

६५३. (A) संस्था सभ मैथिलीकेँ सभा, प्रकाशन, पुरस्कार आ शोधक आधार देलक — भाषा-आन्दोलनमे व्यक्तिगत लेखनक संग संस्थागत श्रम जरूरी होइत अछि।

६५४. (B) संस्था सभ मैथिलीकेँ सभा, प्रकाशन, पुरस्कार आ शोधक आधार देलक — भाषा-आन्दोलनमे व्यक्तिगत लेखनक संग संस्थागत श्रम जरूरी होइत अछि।

६५५. (D) संस्था सभ मैथिलीकेँ सभा, प्रकाशन, पुरस्कार आ शोधक आधार देलक — भाषा-आन्दोलनमे व्यक्तिगत लेखनक संग संस्थागत श्रम जरूरी होइत अछि।

६५६. (A) संस्था सभ मैथिलीकेँ सभा, प्रकाशन, पुरस्कार आ शोधक आधार देलक — भाषा-आन्दोलनमे व्यक्तिगत लेखनक संग संस्थागत श्रम जरूरी होइत अछि।

६५७. (C) संस्था सभ मैथिलीकेँ सभा, प्रकाशन, पुरस्कार आ शोधक आधार देलक — भाषा-आन्दोलनमे व्यक्तिगत लेखनक संग संस्थागत श्रम जरूरी होइत अछि।

६५८. (C) संस्था सभ मैथिलीकेँ सभा, प्रकाशन, पुरस्कार आ शोधक आधार देलक — भाषा-आन्दोलनमे व्यक्तिगत लेखनक संग संस्थागत श्रम जरूरी होइत अछि।

६५९. (B) संस्था सभ मैथिलीकेँ सभा, प्रकाशन, पुरस्कार आ शोधक आधार देलक — भाषा-आन्दोलनमे व्यक्तिगत लेखनक संग संस्थागत श्रम जरूरी होइत अछि।

६६०. (D) संस्था सभ मैथिलीकेँ सभा, प्रकाशन, पुरस्कार आ शोधक आधार देलक — भाषा-आन्दोलनमे व्यक्तिगत लेखनक संग संस्थागत श्रम जरूरी होइत अछि।

६६१. (A) शब्दकोश-निर्माण मैथिली शब्द-संपदा आ मानक प्रयोगक रक्षा करैत अछि — कोश भाषा इतिहास, अर्थ-विकास आ वर्तनीक महत्त्वपूर्ण दस्तावेज होइत अछि।

६६२. (D) शब्दकोश-निर्माण मैथिली शब्द-संपदा आ मानक प्रयोगक रक्षा करैत अछि — कोश भाषा इतिहास, अर्थ-विकास आ वर्तनीक महत्त्वपूर्ण दस्तावेज होइत अछि।

६६३. (B) शब्दकोश-निर्माण मैथिली शब्द-संपदा आ मानक प्रयोगक रक्षा करैत अछि — कोश भाषा इतिहास, अर्थ-विकास आ वर्तनीक महत्त्वपूर्ण दस्तावेज होइत अछि।

६६४. (B) शब्दकोश-निर्माण मैथिली शब्द-संपदा आ मानक प्रयोगक रक्षा करैत अछि — कोश भाषा इतिहास, अर्थ-विकास आ वर्तनीक महत्त्वपूर्ण दस्तावेज होइत अछि।

६६५. (D) शब्दकोश-निर्माण मैथिली शब्द-संपदा आ मानक प्रयोगक रक्षा करैत अछि — कोश भाषा इतिहास, अर्थ-विकास आ वर्तनीक महत्त्वपूर्ण दस्तावेज होइत अछि।

६६६. (C) शब्दकोश-निर्माण मैथिली शब्द-संपदा आ मानक प्रयोगक रक्षा करैत अछि — कोश भाषा इतिहास, अर्थ-विकास आ वर्तनीक महत्त्वपूर्ण दस्तावेज होइत अछि।

६६७. (D) शब्दकोश-निर्माण मैथिली शब्द-संपदा आ मानक प्रयोगक रक्षा करैत अछि — कोश भाषा इतिहास, अर्थ-विकास आ वर्तनीक महत्त्वपूर्ण दस्तावेज होइत अछि।

६६८. (D) शब्दकोश-निर्माण मैथिली शब्द-संपदा आ मानक प्रयोगक रक्षा करैत अछि — कोश भाषा इतिहास, अर्थ-विकास आ वर्तनीक महत्त्वपूर्ण दस्तावेज होइत अछि।

६६९. (B) शब्दकोश-निर्माण मैथिली शब्द-संपदा आ मानक प्रयोगक रक्षा करैत अछि — कोश भाषा इतिहास, अर्थ-विकास आ वर्तनीक महत्त्वपूर्ण दस्तावेज होइत अछि।

६७०. (C) शब्दकोश-निर्माण मैथिली शब्द-संपदा आ मानक प्रयोगक रक्षा करैत अछि — कोश भाषा इतिहास, अर्थ-विकास आ वर्तनीक महत्त्वपूर्ण दस्तावेज होइत अछि।

६७१. (D) व्याकरण-ग्रन्थ भाषाक रूप-रचना व्यवस्थित करबाक साधन बनैत अछि — व्याकरण बिना पाठ्यक्रम, शिक्षण आ मानक लेखन कठिन भऽ जाइत अछि।

६७२. (C) व्याकरण-ग्रन्थ भाषाक रूप-रचना व्यवस्थित करबाक साधन बनैत अछि — व्याकरण बिना पाठ्यक्रम, शिक्षण आ मानक लेखन कठिन भऽ जाइत अछि।

६७३. (D) व्याकरण-ग्रन्थ भाषाक रूप-रचना व्यवस्थित करबाक साधन बनैत अछि — व्याकरण बिना पाठ्यक्रम, शिक्षण आ मानक लेखन कठिन भऽ जाइत अछि।

६७४. (D) व्याकरण-ग्रन्थ भाषाक रूप-रचना व्यवस्थित करबाक साधन बनैत अछि — व्याकरण बिना पाठ्यक्रम, शिक्षण आ मानक लेखन कठिन भऽ जाइत अछि।

६७५. (C) व्याकरण-ग्रन्थ भाषाक रूप-रचना व्यवस्थित करबाक साधन बनैत अछि — व्याकरण बिना पाठ्यक्रम, शिक्षण आ मानक लेखन कठिन भऽ जाइत अछि।

६७६. (C) व्याकरण-ग्रन्थ भाषाक रूप-रचना व्यवस्थित करबाक साधन बनैत अछि — व्याकरण बिना पाठ्यक्रम, शिक्षण आ मानक लेखन कठिन भऽ जाइत अछि।

६७७. (B) व्याकरण-ग्रन्थ भाषाक रूप-रचना व्यवस्थित करबाक साधन बनैत अछि — व्याकरण बिना पाठ्यक्रम, शिक्षण आ मानक लेखन कठिन भऽ जाइत अछि।

६७८. (D) व्याकरण-ग्रन्थ भाषाक रूप-रचना व्यवस्थित करबाक साधन बनैत अछि — व्याकरण बिना पाठ्यक्रम, शिक्षण आ मानक लेखन कठिन भऽ जाइत अछि।

६७९. (C) व्याकरण-ग्रन्थ भाषाक रूप-रचना व्यवस्थित करबाक साधन बनैत अछि — व्याकरण बिना पाठ्यक्रम, शिक्षण आ मानक लेखन कठिन भऽ जाइत अछि।

६८०. (D) व्याकरण-ग्रन्थ भाषाक रूप-रचना व्यवस्थित करबाक साधन बनैत अछि — व्याकरण बिना पाठ्यक्रम, शिक्षण आ मानक लेखन कठिन भऽ जाइत अछि।

६८१. (D) विद्यालय आ विश्वविद्यालयक पाठ्यक्रम मैथिली अध्ययनकेँ संस्थागत आधार दैत अछि — पाठ्यक्रम भाषाकेँ पीढ़ी-दर-पीढ़ी व्यवस्थित रूपेँ पहुँचबैत अछि।

६८२. (A) विद्यालय आ विश्वविद्यालयक पाठ्यक्रम मैथिली अध्ययनकेँ संस्थागत आधार दैत अछि — पाठ्यक्रम भाषाकेँ पीढ़ी-दर-पीढ़ी व्यवस्थित रूपेँ पहुँचबैत अछि।

६८३. (B) विद्यालय आ विश्वविद्यालयक पाठ्यक्रम मैथिली अध्ययनकेँ संस्थागत आधार दैत अछि — पाठ्यक्रम भाषाकेँ पीढ़ी-दर-पीढ़ी व्यवस्थित रूपेँ पहुँचबैत अछि।

६८४. (D) विद्यालय आ विश्वविद्यालयक पाठ्यक्रम मैथिली अध्ययनकेँ संस्थागत आधार दैत अछि — पाठ्यक्रम भाषाकेँ पीढ़ी-दर-पीढ़ी व्यवस्थित रूपेँ पहुँचबैत अछि।

६८५. (D) विद्यालय आ विश्वविद्यालयक पाठ्यक्रम मैथिली अध्ययनकेँ संस्थागत आधार दैत अछि — पाठ्यक्रम भाषाकेँ पीढ़ी-दर-पीढ़ी व्यवस्थित रूपेँ पहुँचबैत अछि।

६८६. (A) विद्यालय आ विश्वविद्यालयक पाठ्यक्रम मैथिली अध्ययनकेँ संस्थागत आधार दैत अछि — पाठ्यक्रम भाषाकेँ पीढ़ी-दर-पीढ़ी व्यवस्थित रूपेँ पहुँचबैत अछि।

६८७. (B) विद्यालय आ विश्वविद्यालयक पाठ्यक्रम मैथिली अध्ययनकेँ संस्थागत आधार दैत अछि — पाठ्यक्रम भाषाकेँ पीढ़ी-दर-पीढ़ी व्यवस्थित रूपेँ पहुँचबैत अछि।

६८८. (B) विद्यालय आ विश्वविद्यालयक पाठ्यक्रम मैथिली अध्ययनकेँ संस्थागत आधार दैत अछि — पाठ्यक्रम भाषाकेँ पीढ़ी-दर-पीढ़ी व्यवस्थित रूपेँ पहुँचबैत अछि।

६८९. (D) विद्यालय आ विश्वविद्यालयक पाठ्यक्रम मैथिली अध्ययनकेँ संस्थागत आधार दैत अछि — पाठ्यक्रम भाषाकेँ पीढ़ी-दर-पीढ़ी व्यवस्थित रूपेँ पहुँचबैत अछि।

६९०. (B) विद्यालय आ विश्वविद्यालयक पाठ्यक्रम मैथिली अध्ययनकेँ संस्थागत आधार दैत अछि — पाठ्यक्रम भाषाकेँ पीढ़ी-दर-पीढ़ी व्यवस्थित रूपेँ पहुँचबैत अछि।

६९१. (C) मैथिली भाषा-आन्दोलन पहचान, अधिकार आ शिक्षणक प्रश्नसँ जुड़ल रहल — भाषा-सम्मान सामाजिक चेतना आ सांस्कृतिक आत्मबोधसँ मजबूत होइत अछि।

६९२. (A) मैथिली भाषा-आन्दोलन पहचान, अधिकार आ शिक्षणक प्रश्नसँ जुड़ल रहल — भाषा-सम्मान सामाजिक चेतना आ सांस्कृतिक आत्मबोधसँ मजबूत होइत अछि।

६९३. (C) मैथिली भाषा-आन्दोलन पहचान, अधिकार आ शिक्षणक प्रश्नसँ जुड़ल रहल — भाषा-सम्मान सामाजिक चेतना आ सांस्कृतिक आत्मबोधसँ मजबूत होइत अछि।

६९४. (C) मैथिली भाषा-आन्दोलन पहचान, अधिकार आ शिक्षणक प्रश्नसँ जुड़ल रहल — भाषा-सम्मान सामाजिक चेतना आ सांस्कृतिक आत्मबोधसँ मजबूत होइत अछि।

६९५. (C) मैथिली भाषा-आन्दोलन पहचान, अधिकार आ शिक्षणक प्रश्नसँ जुड़ल रहल — भाषा-सम्मान सामाजिक चेतना आ सांस्कृतिक आत्मबोधसँ मजबूत होइत अछि।

६९६. (B) मैथिली भाषा-आन्दोलन पहचान, अधिकार आ शिक्षणक प्रश्नसँ जुड़ल रहल — भाषा-सम्मान सामाजिक चेतना आ सांस्कृतिक आत्मबोधसँ मजबूत होइत अछि।

६९७. (C) मैथिली भाषा-आन्दोलन पहचान, अधिकार आ शिक्षणक प्रश्नसँ जुड़ल रहल — भाषा-सम्मान सामाजिक चेतना आ सांस्कृतिक आत्मबोधसँ मजबूत होइत अछि।

६९८. (C) मैथिली भाषा-आन्दोलन पहचान, अधिकार आ शिक्षणक प्रश्नसँ जुड़ल रहल — भाषा-सम्मान सामाजिक चेतना आ सांस्कृतिक आत्मबोधसँ मजबूत होइत अछि।

६९९. (C) मैथिली भाषा-आन्दोलन पहचान, अधिकार आ शिक्षणक प्रश्नसँ जुड़ल रहल — भाषा-सम्मान सामाजिक चेतना आ सांस्कृतिक आत्मबोधसँ मजबूत होइत अछि।

७००. (B) मैथिली भाषा-आन्दोलन पहचान, अधिकार आ शिक्षणक प्रश्नसँ जुड़ल रहल — भाषा-सम्मान सामाजिक चेतना आ सांस्कृतिक आत्मबोधसँ मजबूत होइत अछि।

७०१. (D) जन्म, उपनयन, विवाह आ मृत्यु-संस्कारमे मैथिली गीत भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि — संस्कार-गीतमे पुरान शब्द, लोकविश्वास आ सामाजिक सम्बन्ध सुरक्षित रहैत अछि।

७०२. (A) जन्म, उपनयन, विवाह आ मृत्यु-संस्कारमे मैथिली गीत भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि — संस्कार-गीतमे पुरान शब्द, लोकविश्वास आ सामाजिक सम्बन्ध सुरक्षित रहैत अछि।

७०३. (D) जन्म, उपनयन, विवाह आ मृत्यु-संस्कारमे मैथिली गीत भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि — संस्कार-गीतमे पुरान शब्द, लोकविश्वास आ सामाजिक सम्बन्ध सुरक्षित रहैत अछि।

७०४. (B) जन्म, उपनयन, विवाह आ मृत्यु-संस्कारमे मैथिली गीत भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि — संस्कार-गीतमे पुरान शब्द, लोकविश्वास आ सामाजिक सम्बन्ध सुरक्षित रहैत अछि।

७०५. (A) जन्म, उपनयन, विवाह आ मृत्यु-संस्कारमे मैथिली गीत भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि — संस्कार-गीतमे पुरान शब्द, लोकविश्वास आ सामाजिक सम्बन्ध सुरक्षित रहैत अछि।

७०६. (B) जन्म, उपनयन, विवाह आ मृत्यु-संस्कारमे मैथिली गीत भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि — संस्कार-गीतमे पुरान शब्द, लोकविश्वास आ सामाजिक सम्बन्ध सुरक्षित रहैत अछि।

७०७. (A) जन्म, उपनयन, विवाह आ मृत्यु-संस्कारमे मैथिली गीत भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि — संस्कार-गीतमे पुरान शब्द, लोकविश्वास आ सामाजिक सम्बन्ध सुरक्षित रहैत अछि।

७०८. (C) जन्म, उपनयन, विवाह आ मृत्यु-संस्कारमे मैथिली गीत भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि — संस्कार-गीतमे पुरान शब्द, लोकविश्वास आ सामाजिक सम्बन्ध सुरक्षित रहैत अछि।

७०९. (C) जन्म, उपनयन, विवाह आ मृत्यु-संस्कारमे मैथिली गीत भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि — संस्कार-गीतमे पुरान शब्द, लोकविश्वास आ सामाजिक सम्बन्ध सुरक्षित रहैत अछि।

७१०. (A) जन्म, उपनयन, विवाह आ मृत्यु-संस्कारमे मैथिली गीत भाषा-इतिहासक जीवित स्रोत अछि — संस्कार-गीतमे पुरान शब्द, लोकविश्वास आ सामाजिक सम्बन्ध सुरक्षित रहैत अछि।

७११. (B) विवाह गीत मैथिली स्त्री-स्वर आ पारिवारिक संस्कृति बुझबाक महत्त्वपूर्ण माध्यम अछि — एहि गीतमे हास्य, करुणा, आशीष, व्यंग्य आ लोक-संस्कारक मेल भेटैत अछि।

७१२. (B) विवाह गीत मैथिली स्त्री-स्वर आ पारिवारिक संस्कृति बुझबाक महत्त्वपूर्ण माध्यम अछि — एहि गीतमे हास्य, करुणा, आशीष, व्यंग्य आ लोक-संस्कारक मेल भेटैत अछि।

७१३. (B) विवाह गीत मैथिली स्त्री-स्वर आ पारिवारिक संस्कृति बुझबाक महत्त्वपूर्ण माध्यम अछि — एहि गीतमे हास्य, करुणा, आशीष, व्यंग्य आ लोक-संस्कारक मेल भेटैत अछि।

७१४. (A) विवाह गीत मैथिली स्त्री-स्वर आ पारिवारिक संस्कृति बुझबाक महत्त्वपूर्ण माध्यम अछि — एहि गीतमे हास्य, करुणा, आशीष, व्यंग्य आ लोक-संस्कारक मेल भेटैत अछि।

७१५. (B) विवाह गीत मैथिली स्त्री-स्वर आ पारिवारिक संस्कृति बुझबाक महत्त्वपूर्ण माध्यम अछि — एहि गीतमे हास्य, करुणा, आशीष, व्यंग्य आ लोक-संस्कारक मेल भेटैत अछि।

७१६. (D) विवाह गीत मैथिली स्त्री-स्वर आ पारिवारिक संस्कृति बुझबाक महत्त्वपूर्ण माध्यम अछि — एहि गीतमे हास्य, करुणा, आशीष, व्यंग्य आ लोक-संस्कारक मेल भेटैत अछि।

७१७. (A) विवाह गीत मैथिली स्त्री-स्वर आ पारिवारिक संस्कृति बुझबाक महत्त्वपूर्ण माध्यम अछि — एहि गीतमे हास्य, करुणा, आशीष, व्यंग्य आ लोक-संस्कारक मेल भेटैत अछि।

७१८. (D) विवाह गीत मैथिली स्त्री-स्वर आ पारिवारिक संस्कृति बुझबाक महत्त्वपूर्ण माध्यम अछि — एहि गीतमे हास्य, करुणा, आशीष, व्यंग्य आ लोक-संस्कारक मेल भेटैत अछि।

७१९. (B) विवाह गीत मैथिली स्त्री-स्वर आ पारिवारिक संस्कृति बुझबाक महत्त्वपूर्ण माध्यम अछि — एहि गीतमे हास्य, करुणा, आशीष, व्यंग्य आ लोक-संस्कारक मेल भेटैत अछि।

७२०. (C) विवाह गीत मैथिली स्त्री-स्वर आ पारिवारिक संस्कृति बुझबाक महत्त्वपूर्ण माध्यम अछि — एहि गीतमे हास्य, करुणा, आशीष, व्यंग्य आ लोक-संस्कारक मेल भेटैत अछि।

७२१. (C) पर्व-त्योहारक गीत मैथिलीक ऋतु, धर्म आ लोक-उत्सवसँ सम्बन्ध देखबैत अछि — समय, मौसम आ देव-पूजनक संग भाषा भाव-रंग ग्रहण करैत अछि।

७२२. (A) पर्व-त्योहारक गीत मैथिलीक ऋतु, धर्म आ लोक-उत्सवसँ सम्बन्ध देखबैत अछि — समय, मौसम आ देव-पूजनक संग भाषा भाव-रंग ग्रहण करैत अछि।

७२३. (C) पर्व-त्योहारक गीत मैथिलीक ऋतु, धर्म आ लोक-उत्सवसँ सम्बन्ध देखबैत अछि — समय, मौसम आ देव-पूजनक संग भाषा भाव-रंग ग्रहण करैत अछि।

७२४. (C) पर्व-त्योहारक गीत मैथिलीक ऋतु, धर्म आ लोक-उत्सवसँ सम्बन्ध देखबैत अछि — समय, मौसम आ देव-पूजनक संग भाषा भाव-रंग ग्रहण करैत अछि।

७२५. (C) पर्व-त्योहारक गीत मैथिलीक ऋतु, धर्म आ लोक-उत्सवसँ सम्बन्ध देखबैत अछि — समय, मौसम आ देव-पूजनक संग भाषा भाव-रंग ग्रहण करैत अछि।

७२६. (B) पर्व-त्योहारक गीत मैथिलीक ऋतु, धर्म आ लोक-उत्सवसँ सम्बन्ध देखबैत अछि — समय, मौसम आ देव-पूजनक संग भाषा भाव-रंग ग्रहण करैत अछि।

७२७. (C) पर्व-त्योहारक गीत मैथिलीक ऋतु, धर्म आ लोक-उत्सवसँ सम्बन्ध देखबैत अछि — समय, मौसम आ देव-पूजनक संग भाषा भाव-रंग ग्रहण करैत अछि।

७२८. (C) पर्व-त्योहारक गीत मैथिलीक ऋतु, धर्म आ लोक-उत्सवसँ सम्बन्ध देखबैत अछि — समय, मौसम आ देव-पूजनक संग भाषा भाव-रंग ग्रहण करैत अछि।

७२९. (D) पर्व-त्योहारक गीत मैथिलीक ऋतु, धर्म आ लोक-उत्सवसँ सम्बन्ध देखबैत अछि — समय, मौसम आ देव-पूजनक संग भाषा भाव-रंग ग्रहण करैत अछि।

७३०. (C) पर्व-त्योहारक गीत मैथिलीक ऋतु, धर्म आ लोक-उत्सवसँ सम्बन्ध देखबैत अछि — समय, मौसम आ देव-पूजनक संग भाषा भाव-रंग ग्रहण करैत अछि।

७३१. (C) गामक कथा-बातमे मैथिलीक सहज कथन-शैली विकसित भेल — लोककथा भाषाक कथात्मक स्वभाव, संवाद आ मुहावराकेँ सुरक्षित रखैत अछि।

७३२. (B) गामक कथा-बातमे मैथिलीक सहज कथन-शैली विकसित भेल — लोककथा भाषाक कथात्मक स्वभाव, संवाद आ मुहावराकेँ सुरक्षित रखैत अछि।

७३३. (A) गामक कथा-बातमे मैथिलीक सहज कथन-शैली विकसित भेल — लोककथा भाषाक कथात्मक स्वभाव, संवाद आ मुहावराकेँ सुरक्षित रखैत अछि।

७३४. (D) गामक कथा-बातमे मैथिलीक सहज कथन-शैली विकसित भेल — लोककथा भाषाक कथात्मक स्वभाव, संवाद आ मुहावराकेँ सुरक्षित रखैत अछि।

७३५. (D) गामक कथा-बातमे मैथिलीक सहज कथन-शैली विकसित भेल — लोककथा भाषाक कथात्मक स्वभाव, संवाद आ मुहावराकेँ सुरक्षित रखैत अछि।

७३६. (D) गामक कथा-बातमे मैथिलीक सहज कथन-शैली विकसित भेल — लोककथा भाषाक कथात्मक स्वभाव, संवाद आ मुहावराकेँ सुरक्षित रखैत अछि।

७३७. (D) गामक कथा-बातमे मैथिलीक सहज कथन-शैली विकसित भेल — लोककथा भाषाक कथात्मक स्वभाव, संवाद आ मुहावराकेँ सुरक्षित रखैत अछि।

७३८. (C) गामक कथा-बातमे मैथिलीक सहज कथन-शैली विकसित भेल — लोककथा भाषाक कथात्मक स्वभाव, संवाद आ मुहावराकेँ सुरक्षित रखैत अछि।

७३९. (B) गामक कथा-बातमे मैथिलीक सहज कथन-शैली विकसित भेल — लोककथा भाषाक कथात्मक स्वभाव, संवाद आ मुहावराकेँ सुरक्षित रखैत अछि।

७४०. (A) गामक कथा-बातमे मैथिलीक सहज कथन-शैली विकसित भेल — लोककथा भाषाक कथात्मक स्वभाव, संवाद आ मुहावराकेँ सुरक्षित रखैत अछि।

७४१. (A) लोकनाट्य मैथिलीकेँ मंच, गीत, नृत्य आ सामूहिक प्रस्तुति सँ जोड़ैत अछि — भाषा जखन रंगमंच पर आबैत अछि, तखन ओकर श्रव्य-नाट्य रूप मजबूत होइत अछि।

७४२. (B) लोकनाट्य मैथिलीकेँ मंच, गीत, नृत्य आ सामूहिक प्रस्तुति सँ जोड़ैत अछि — भाषा जखन रंगमंच पर आबैत अछि, तखन ओकर श्रव्य-नाट्य रूप मजबूत होइत अछि।

७४३. (D) लोकनाट्य मैथिलीकेँ मंच, गीत, नृत्य आ सामूहिक प्रस्तुति सँ जोड़ैत अछि — भाषा जखन रंगमंच पर आबैत अछि, तखन ओकर श्रव्य-नाट्य रूप मजबूत होइत अछि।

७४४. (C) लोकनाट्य मैथिलीकेँ मंच, गीत, नृत्य आ सामूहिक प्रस्तुति सँ जोड़ैत अछि — भाषा जखन रंगमंच पर आबैत अछि, तखन ओकर श्रव्य-नाट्य रूप मजबूत होइत अछि।

७४५. (B) लोकनाट्य मैथिलीकेँ मंच, गीत, नृत्य आ सामूहिक प्रस्तुति सँ जोड़ैत अछि — भाषा जखन रंगमंच पर आबैत अछि, तखन ओकर श्रव्य-नाट्य रूप मजबूत होइत अछि।

७४६. (C) लोकनाट्य मैथिलीकेँ मंच, गीत, नृत्य आ सामूहिक प्रस्तुति सँ जोड़ैत अछि — भाषा जखन रंगमंच पर आबैत अछि, तखन ओकर श्रव्य-नाट्य रूप मजबूत होइत अछि।

७४७. (B) लोकनाट्य मैथिलीकेँ मंच, गीत, नृत्य आ सामूहिक प्रस्तुति सँ जोड़ैत अछि — भाषा जखन रंगमंच पर आबैत अछि, तखन ओकर श्रव्य-नाट्य रूप मजबूत होइत अछि।

७४८. (C) लोकनाट्य मैथिलीकेँ मंच, गीत, नृत्य आ सामूहिक प्रस्तुति सँ जोड़ैत अछि — भाषा जखन रंगमंच पर आबैत अछि, तखन ओकर श्रव्य-नाट्य रूप मजबूत होइत अछि।

७४९. (B) लोकनाट्य मैथिलीकेँ मंच, गीत, नृत्य आ सामूहिक प्रस्तुति सँ जोड़ैत अछि — भाषा जखन रंगमंच पर आबैत अछि, तखन ओकर श्रव्य-नाट्य रूप मजबूत होइत अछि।

७५०. (D) लोकनाट्य मैथिलीकेँ मंच, गीत, नृत्य आ सामूहिक प्रस्तुति सँ जोड़ैत अछि — भाषा जखन रंगमंच पर आबैत अछि, तखन ओकर श्रव्य-नाट्य रूप मजबूत होइत अछि।

७५१. (B) कृषि, मौसम, जल, पशु आ औजार सम्बन्धी शब्द मैथिलीकेँ ग्रामीण धरातल दैत अछि — कृषि-जीवन भाषाक देशज शब्दावलीक बड़ स्रोत रहल अछि।

७५२. (D) कृषि, मौसम, जल, पशु आ औजार सम्बन्धी शब्द मैथिलीकेँ ग्रामीण धरातल दैत अछि — कृषि-जीवन भाषाक देशज शब्दावलीक बड़ स्रोत रहल अछि।

७५३. (C) कृषि, मौसम, जल, पशु आ औजार सम्बन्धी शब्द मैथिलीकेँ ग्रामीण धरातल दैत अछि — कृषि-जीवन भाषाक देशज शब्दावलीक बड़ स्रोत रहल अछि।

७५४. (D) कृषि, मौसम, जल, पशु आ औजार सम्बन्धी शब्द मैथिलीकेँ ग्रामीण धरातल दैत अछि — कृषि-जीवन भाषाक देशज शब्दावलीक बड़ स्रोत रहल अछि।

७५५. (D) कृषि, मौसम, जल, पशु आ औजार सम्बन्धी शब्द मैथिलीकेँ ग्रामीण धरातल दैत अछि — कृषि-जीवन भाषाक देशज शब्दावलीक बड़ स्रोत रहल अछि।

७५६. (B) कृषि, मौसम, जल, पशु आ औजार सम्बन्धी शब्द मैथिलीकेँ ग्रामीण धरातल दैत अछि — कृषि-जीवन भाषाक देशज शब्दावलीक बड़ स्रोत रहल अछि।

७५७. (D) कृषि, मौसम, जल, पशु आ औजार सम्बन्धी शब्द मैथिलीकेँ ग्रामीण धरातल दैत अछि — कृषि-जीवन भाषाक देशज शब्दावलीक बड़ स्रोत रहल अछि।

७५८. (D) कृषि, मौसम, जल, पशु आ औजार सम्बन्धी शब्द मैथिलीकेँ ग्रामीण धरातल दैत अछि — कृषि-जीवन भाषाक देशज शब्दावलीक बड़ स्रोत रहल अछि।

७५९. (D) कृषि, मौसम, जल, पशु आ औजार सम्बन्धी शब्द मैथिलीकेँ ग्रामीण धरातल दैत अछि — कृषि-जीवन भाषाक देशज शब्दावलीक बड़ स्रोत रहल अछि।

७६०. (C) कृषि, मौसम, जल, पशु आ औजार सम्बन्धी शब्द मैथिलीकेँ ग्रामीण धरातल दैत अछि — कृषि-जीवन भाषाक देशज शब्दावलीक बड़ स्रोत रहल अछि।

७६१. (A) मैथिली लोकभाषामे स्त्री-स्वर भाषा-संरक्षणक महत्त्वपूर्ण आधार रहल — घर-आँगन, गीत, कथा आ संस्कारमे स्त्री-समुदाय भाषा परम्परा बचबैत रहल।

७६२. (A) मैथिली लोकभाषामे स्त्री-स्वर भाषा-संरक्षणक महत्त्वपूर्ण आधार रहल — घर-आँगन, गीत, कथा आ संस्कारमे स्त्री-समुदाय भाषा परम्परा बचबैत रहल।

७६३. (B) मैथिली लोकभाषामे स्त्री-स्वर भाषा-संरक्षणक महत्त्वपूर्ण आधार रहल — घर-आँगन, गीत, कथा आ संस्कारमे स्त्री-समुदाय भाषा परम्परा बचबैत रहल।

७६४. (D) मैथिली लोकभाषामे स्त्री-स्वर भाषा-संरक्षणक महत्त्वपूर्ण आधार रहल — घर-आँगन, गीत, कथा आ संस्कारमे स्त्री-समुदाय भाषा परम्परा बचबैत रहल।

७६५. (D) मैथिली लोकभाषामे स्त्री-स्वर भाषा-संरक्षणक महत्त्वपूर्ण आधार रहल — घर-आँगन, गीत, कथा आ संस्कारमे स्त्री-समुदाय भाषा परम्परा बचबैत रहल।

७६६. (C) मैथिली लोकभाषामे स्त्री-स्वर भाषा-संरक्षणक महत्त्वपूर्ण आधार रहल — घर-आँगन, गीत, कथा आ संस्कारमे स्त्री-समुदाय भाषा परम्परा बचबैत रहल।

७६७. (B) मैथिली लोकभाषामे स्त्री-स्वर भाषा-संरक्षणक महत्त्वपूर्ण आधार रहल — घर-आँगन, गीत, कथा आ संस्कारमे स्त्री-समुदाय भाषा परम्परा बचबैत रहल।

७६८. (D) मैथिली लोकभाषामे स्त्री-स्वर भाषा-संरक्षणक महत्त्वपूर्ण आधार रहल — घर-आँगन, गीत, कथा आ संस्कारमे स्त्री-समुदाय भाषा परम्परा बचबैत रहल।

७६९. (C) मैथिली लोकभाषामे स्त्री-स्वर भाषा-संरक्षणक महत्त्वपूर्ण आधार रहल — घर-आँगन, गीत, कथा आ संस्कारमे स्त्री-समुदाय भाषा परम्परा बचबैत रहल।

७७०. (D) मैथिली लोकभाषामे स्त्री-स्वर भाषा-संरक्षणक महत्त्वपूर्ण आधार रहल — घर-आँगन, गीत, कथा आ संस्कारमे स्त्री-समुदाय भाषा परम्परा बचबैत रहल।

७७१. (A) प्रवासी मैथिल समाज मैथिलीकेँ स्मृति, उत्सव आ संस्था द्वारा जीवित रखैत अछि — प्रवास भाषाक नब परिस्थिति बनबैत अछि, मुदा पहचानक आग्रह सेहो बढ़बैत अछि।

७७२. (A) प्रवासी मैथिल समाज मैथिलीकेँ स्मृति, उत्सव आ संस्था द्वारा जीवित रखैत अछि — प्रवास भाषाक नब परिस्थिति बनबैत अछि, मुदा पहचानक आग्रह सेहो बढ़बैत अछि।

७७३. (C) प्रवासी मैथिल समाज मैथिलीकेँ स्मृति, उत्सव आ संस्था द्वारा जीवित रखैत अछि — प्रवास भाषाक नब परिस्थिति बनबैत अछि, मुदा पहचानक आग्रह सेहो बढ़बैत अछि।

७७४. (B) प्रवासी मैथिल समाज मैथिलीकेँ स्मृति, उत्सव आ संस्था द्वारा जीवित रखैत अछि — प्रवास भाषाक नब परिस्थिति बनबैत अछि, मुदा पहचानक आग्रह सेहो बढ़बैत अछि।

७७५. (D) प्रवासी मैथिल समाज मैथिलीकेँ स्मृति, उत्सव आ संस्था द्वारा जीवित रखैत अछि — प्रवास भाषाक नब परिस्थिति बनबैत अछि, मुदा पहचानक आग्रह सेहो बढ़बैत अछि।

७७६. (A) प्रवासी मैथिल समाज मैथिलीकेँ स्मृति, उत्सव आ संस्था द्वारा जीवित रखैत अछि — प्रवास भाषाक नब परिस्थिति बनबैत अछि, मुदा पहचानक आग्रह सेहो बढ़बैत अछि।

७७७. (A) प्रवासी मैथिल समाज मैथिलीकेँ स्मृति, उत्सव आ संस्था द्वारा जीवित रखैत अछि — प्रवास भाषाक नब परिस्थिति बनबैत अछि, मुदा पहचानक आग्रह सेहो बढ़बैत अछि।

७७८. (A) प्रवासी मैथिल समाज मैथिलीकेँ स्मृति, उत्सव आ संस्था द्वारा जीवित रखैत अछि — प्रवास भाषाक नब परिस्थिति बनबैत अछि, मुदा पहचानक आग्रह सेहो बढ़बैत अछि।

७७९. (D) प्रवासी मैथिल समाज मैथिलीकेँ स्मृति, उत्सव आ संस्था द्वारा जीवित रखैत अछि — प्रवास भाषाक नब परिस्थिति बनबैत अछि, मुदा पहचानक आग्रह सेहो बढ़बैत अछि।

७८०. (A) प्रवासी मैथिल समाज मैथिलीकेँ स्मृति, उत्सव आ संस्था द्वारा जीवित रखैत अछि — प्रवास भाषाक नब परिस्थिति बनबैत अछि, मुदा पहचानक आग्रह सेहो बढ़बैत अछि।

७८१. (A) मातृभाषा-शिक्षा मैथिली इतिहासक नब पीढ़ीमे स्थान बनबै छै — शिक्षा भाषाक सामाजिक प्रतिष्ठा आ व्यवहारिक उपयोग दुनू बढ़बैत अछि।

७८२. (A) मातृभाषा-शिक्षा मैथिली इतिहासक नब पीढ़ीमे स्थान बनबै छै — शिक्षा भाषाक सामाजिक प्रतिष्ठा आ व्यवहारिक उपयोग दुनू बढ़बैत अछि।

७८३. (B) मातृभाषा-शिक्षा मैथिली इतिहासक नब पीढ़ीमे स्थान बनबै छै — शिक्षा भाषाक सामाजिक प्रतिष्ठा आ व्यवहारिक उपयोग दुनू बढ़बैत अछि।

७८४. (C) मातृभाषा-शिक्षा मैथिली इतिहासक नब पीढ़ीमे स्थान बनबै छै — शिक्षा भाषाक सामाजिक प्रतिष्ठा आ व्यवहारिक उपयोग दुनू बढ़बैत अछि।

७८५. (A) मातृभाषा-शिक्षा मैथिली इतिहासक नब पीढ़ीमे स्थान बनबै छै — शिक्षा भाषाक सामाजिक प्रतिष्ठा आ व्यवहारिक उपयोग दुनू बढ़बैत अछि।

७८६. (C) मातृभाषा-शिक्षा मैथिली इतिहासक नब पीढ़ीमे स्थान बनबै छै — शिक्षा भाषाक सामाजिक प्रतिष्ठा आ व्यवहारिक उपयोग दुनू बढ़बैत अछि।

७८७. (A) मातृभाषा-शिक्षा मैथिली इतिहासक नब पीढ़ीमे स्थान बनबै छै — शिक्षा भाषाक सामाजिक प्रतिष्ठा आ व्यवहारिक उपयोग दुनू बढ़बैत अछि।

७८८. (B) मातृभाषा-शिक्षा मैथिली इतिहासक नब पीढ़ीमे स्थान बनबै छै — शिक्षा भाषाक सामाजिक प्रतिष्ठा आ व्यवहारिक उपयोग दुनू बढ़बैत अछि।

७८९. (C) मातृभाषा-शिक्षा मैथिली इतिहासक नब पीढ़ीमे स्थान बनबै छै — शिक्षा भाषाक सामाजिक प्रतिष्ठा आ व्यवहारिक उपयोग दुनू बढ़बैत अछि।

७९०. (A) मातृभाषा-शिक्षा मैथिली इतिहासक नब पीढ़ीमे स्थान बनबै छै — शिक्षा भाषाक सामाजिक प्रतिष्ठा आ व्यवहारिक उपयोग दुनू बढ़बैत अछि।

७९१. (A) आधुनिक मैथिलीमे गामक शब्द आ शहरक अनुभव दुनू मिलि रहल अछि — भाषा समाज बदललाक संग नव प्रसंग, नव शब्द आ नव शैली ग्रहण करैत अछि।

७९२. (A) आधुनिक मैथिलीमे गामक शब्द आ शहरक अनुभव दुनू मिलि रहल अछि — भाषा समाज बदललाक संग नव प्रसंग, नव शब्द आ नव शैली ग्रहण करैत अछि।

७९३. (A) आधुनिक मैथिलीमे गामक शब्द आ शहरक अनुभव दुनू मिलि रहल अछि — भाषा समाज बदललाक संग नव प्रसंग, नव शब्द आ नव शैली ग्रहण करैत अछि।

७९४. (C) आधुनिक मैथिलीमे गामक शब्द आ शहरक अनुभव दुनू मिलि रहल अछि — भाषा समाज बदललाक संग नव प्रसंग, नव शब्द आ नव शैली ग्रहण करैत अछि।

७९५. (B) आधुनिक मैथिलीमे गामक शब्द आ शहरक अनुभव दुनू मिलि रहल अछि — भाषा समाज बदललाक संग नव प्रसंग, नव शब्द आ नव शैली ग्रहण करैत अछि।

७९६. (B) आधुनिक मैथिलीमे गामक शब्द आ शहरक अनुभव दुनू मिलि रहल अछि — भाषा समाज बदललाक संग नव प्रसंग, नव शब्द आ नव शैली ग्रहण करैत अछि।

७९७. (A) आधुनिक मैथिलीमे गामक शब्द आ शहरक अनुभव दुनू मिलि रहल अछि — भाषा समाज बदललाक संग नव प्रसंग, नव शब्द आ नव शैली ग्रहण करैत अछि।

७९८. (B) आधुनिक मैथिलीमे गामक शब्द आ शहरक अनुभव दुनू मिलि रहल अछि — भाषा समाज बदललाक संग नव प्रसंग, नव शब्द आ नव शैली ग्रहण करैत अछि।

७९९. (A) आधुनिक मैथिलीमे गामक शब्द आ शहरक अनुभव दुनू मिलि रहल अछि — भाषा समाज बदललाक संग नव प्रसंग, नव शब्द आ नव शैली ग्रहण करैत अछि।

८००. (B) आधुनिक मैथिलीमे गामक शब्द आ शहरक अनुभव दुनू मिलि रहल अछि — भाषा समाज बदललाक संग नव प्रसंग, नव शब्द आ नव शैली ग्रहण करैत अछि।

८०१. (D) लेख्य मानक भाषाक सार्वजनिक प्रयोगकेँ एकरूप आ सुबोध बनबैत अछि — मानक लेखन विद्यालय, प्रकाशन, परीक्षा आ शोधक सुविधा बढ़बैत अछि।

८०२. (C) लेख्य मानक भाषाक सार्वजनिक प्रयोगकेँ एकरूप आ सुबोध बनबैत अछि — मानक लेखन विद्यालय, प्रकाशन, परीक्षा आ शोधक सुविधा बढ़बैत अछि।

८०३. (A) लेख्य मानक भाषाक सार्वजनिक प्रयोगकेँ एकरूप आ सुबोध बनबैत अछि — मानक लेखन विद्यालय, प्रकाशन, परीक्षा आ शोधक सुविधा बढ़बैत अछि।

८०४. (C) लेख्य मानक भाषाक सार्वजनिक प्रयोगकेँ एकरूप आ सुबोध बनबैत अछि — मानक लेखन विद्यालय, प्रकाशन, परीक्षा आ शोधक सुविधा बढ़बैत अछि।

८०५. (D) लेख्य मानक भाषाक सार्वजनिक प्रयोगकेँ एकरूप आ सुबोध बनबैत अछि — मानक लेखन विद्यालय, प्रकाशन, परीक्षा आ शोधक सुविधा बढ़बैत अछि।

८०६. (B) लेख्य मानक भाषाक सार्वजनिक प्रयोगकेँ एकरूप आ सुबोध बनबैत अछि — मानक लेखन विद्यालय, प्रकाशन, परीक्षा आ शोधक सुविधा बढ़बैत अछि।

८०७. (D) लेख्य मानक भाषाक सार्वजनिक प्रयोगकेँ एकरूप आ सुबोध बनबैत अछि — मानक लेखन विद्यालय, प्रकाशन, परीक्षा आ शोधक सुविधा बढ़बैत अछि।

८०८. (C) लेख्य मानक भाषाक सार्वजनिक प्रयोगकेँ एकरूप आ सुबोध बनबैत अछि — मानक लेखन विद्यालय, प्रकाशन, परीक्षा आ शोधक सुविधा बढ़बैत अछि।

८०९. (A) लेख्य मानक भाषाक सार्वजनिक प्रयोगकेँ एकरूप आ सुबोध बनबैत अछि — मानक लेखन विद्यालय, प्रकाशन, परीक्षा आ शोधक सुविधा बढ़बैत अछि।

८१०. (A) लेख्य मानक भाषाक सार्वजनिक प्रयोगकेँ एकरूप आ सुबोध बनबैत अछि — मानक लेखन विद्यालय, प्रकाशन, परीक्षा आ शोधक सुविधा बढ़बैत अछि।

८११. (D) वर्तनी-व्यवस्था भाषाक लिखित रूपमे स्पष्टता आ अनुशासन आनैत अछि — वर्तनीक असंगति कम भेलासँ पाठक आ विद्यार्थी दुनूक सुविधा होइत अछि।

८१२. (D) वर्तनी-व्यवस्था भाषाक लिखित रूपमे स्पष्टता आ अनुशासन आनैत अछि — वर्तनीक असंगति कम भेलासँ पाठक आ विद्यार्थी दुनूक सुविधा होइत अछि।

८१३. (B) वर्तनी-व्यवस्था भाषाक लिखित रूपमे स्पष्टता आ अनुशासन आनैत अछि — वर्तनीक असंगति कम भेलासँ पाठक आ विद्यार्थी दुनूक सुविधा होइत अछि।

८१४. (C) वर्तनी-व्यवस्था भाषाक लिखित रूपमे स्पष्टता आ अनुशासन आनैत अछि — वर्तनीक असंगति कम भेलासँ पाठक आ विद्यार्थी दुनूक सुविधा होइत अछि।

८१५. (D) वर्तनी-व्यवस्था भाषाक लिखित रूपमे स्पष्टता आ अनुशासन आनैत अछि — वर्तनीक असंगति कम भेलासँ पाठक आ विद्यार्थी दुनूक सुविधा होइत अछि।

८१६. (B) वर्तनी-व्यवस्था भाषाक लिखित रूपमे स्पष्टता आ अनुशासन आनैत अछि — वर्तनीक असंगति कम भेलासँ पाठक आ विद्यार्थी दुनूक सुविधा होइत अछि।

८१७. (B) वर्तनी-व्यवस्था भाषाक लिखित रूपमे स्पष्टता आ अनुशासन आनैत अछि — वर्तनीक असंगति कम भेलासँ पाठक आ विद्यार्थी दुनूक सुविधा होइत अछि।

८१८. (C) वर्तनी-व्यवस्था भाषाक लिखित रूपमे स्पष्टता आ अनुशासन आनैत अछि — वर्तनीक असंगति कम भेलासँ पाठक आ विद्यार्थी दुनूक सुविधा होइत अछि।

८१९. (D) वर्तनी-व्यवस्था भाषाक लिखित रूपमे स्पष्टता आ अनुशासन आनैत अछि — वर्तनीक असंगति कम भेलासँ पाठक आ विद्यार्थी दुनूक सुविधा होइत अछि।

८२०. (A) वर्तनी-व्यवस्था भाषाक लिखित रूपमे स्पष्टता आ अनुशासन आनैत अछि — वर्तनीक असंगति कम भेलासँ पाठक आ विद्यार्थी दुनूक सुविधा होइत अछि।

८२१. (C) पाठ्यपुस्तक मैथिली भाषाकेँ बालक आ विद्यार्थी धरि व्यवस्थित रूपेँ पहुँचबैत अछि — शिक्षण-सामग्री भाषा-संरक्षणक ठोस साधन अछि।

८२२. (B) पाठ्यपुस्तक मैथिली भाषाकेँ बालक आ विद्यार्थी धरि व्यवस्थित रूपेँ पहुँचबैत अछि — शिक्षण-सामग्री भाषा-संरक्षणक ठोस साधन अछि।

८२३. (A) पाठ्यपुस्तक मैथिली भाषाकेँ बालक आ विद्यार्थी धरि व्यवस्थित रूपेँ पहुँचबैत अछि — शिक्षण-सामग्री भाषा-संरक्षणक ठोस साधन अछि।

८२४. (A) पाठ्यपुस्तक मैथिली भाषाकेँ बालक आ विद्यार्थी धरि व्यवस्थित रूपेँ पहुँचबैत अछि — शिक्षण-सामग्री भाषा-संरक्षणक ठोस साधन अछि।

८२५. (B) पाठ्यपुस्तक मैथिली भाषाकेँ बालक आ विद्यार्थी धरि व्यवस्थित रूपेँ पहुँचबैत अछि — शिक्षण-सामग्री भाषा-संरक्षणक ठोस साधन अछि।

८२६. (A) पाठ्यपुस्तक मैथिली भाषाकेँ बालक आ विद्यार्थी धरि व्यवस्थित रूपेँ पहुँचबैत अछि — शिक्षण-सामग्री भाषा-संरक्षणक ठोस साधन अछि।

८२७. (B) पाठ्यपुस्तक मैथिली भाषाकेँ बालक आ विद्यार्थी धरि व्यवस्थित रूपेँ पहुँचबैत अछि — शिक्षण-सामग्री भाषा-संरक्षणक ठोस साधन अछि।

८२८. (A) पाठ्यपुस्तक मैथिली भाषाकेँ बालक आ विद्यार्थी धरि व्यवस्थित रूपेँ पहुँचबैत अछि — शिक्षण-सामग्री भाषा-संरक्षणक ठोस साधन अछि।

८२९. (A) पाठ्यपुस्तक मैथिली भाषाकेँ बालक आ विद्यार्थी धरि व्यवस्थित रूपेँ पहुँचबैत अछि — शिक्षण-सामग्री भाषा-संरक्षणक ठोस साधन अछि।

८३०. (C) पाठ्यपुस्तक मैथिली भाषाकेँ बालक आ विद्यार्थी धरि व्यवस्थित रूपेँ पहुँचबैत अछि — शिक्षण-सामग्री भाषा-संरक्षणक ठोस साधन अछि।

८३१. (C) विश्वविद्यालयीय अध्ययन मैथिली भाषा-इतिहासकेँ शोध आ आलोचनाक आधार दैत अछि — उच्च शिक्षा भाषाकेँ अकादमिक प्रतिष्ठा आ नब शोध-विषय दैत अछि।

८३२. (D) विश्वविद्यालयीय अध्ययन मैथिली भाषा-इतिहासकेँ शोध आ आलोचनाक आधार दैत अछि — उच्च शिक्षा भाषाकेँ अकादमिक प्रतिष्ठा आ नब शोध-विषय दैत अछि।

८३३. (A) विश्वविद्यालयीय अध्ययन मैथिली भाषा-इतिहासकेँ शोध आ आलोचनाक आधार दैत अछि — उच्च शिक्षा भाषाकेँ अकादमिक प्रतिष्ठा आ नब शोध-विषय दैत अछि।

८३४. (B) विश्वविद्यालयीय अध्ययन मैथिली भाषा-इतिहासकेँ शोध आ आलोचनाक आधार दैत अछि — उच्च शिक्षा भाषाकेँ अकादमिक प्रतिष्ठा आ नब शोध-विषय दैत अछि।

८३५. (B) विश्वविद्यालयीय अध्ययन मैथिली भाषा-इतिहासकेँ शोध आ आलोचनाक आधार दैत अछि — उच्च शिक्षा भाषाकेँ अकादमिक प्रतिष्ठा आ नब शोध-विषय दैत अछि।

८३६. (A) विश्वविद्यालयीय अध्ययन मैथिली भाषा-इतिहासकेँ शोध आ आलोचनाक आधार दैत अछि — उच्च शिक्षा भाषाकेँ अकादमिक प्रतिष्ठा आ नब शोध-विषय दैत अछि।

८३७. (C) विश्वविद्यालयीय अध्ययन मैथिली भाषा-इतिहासकेँ शोध आ आलोचनाक आधार दैत अछि — उच्च शिक्षा भाषाकेँ अकादमिक प्रतिष्ठा आ नब शोध-विषय दैत अछि।

८३८. (D) विश्वविद्यालयीय अध्ययन मैथिली भाषा-इतिहासकेँ शोध आ आलोचनाक आधार दैत अछि — उच्च शिक्षा भाषाकेँ अकादमिक प्रतिष्ठा आ नब शोध-विषय दैत अछि।

८३९. (B) विश्वविद्यालयीय अध्ययन मैथिली भाषा-इतिहासकेँ शोध आ आलोचनाक आधार दैत अछि — उच्च शिक्षा भाषाकेँ अकादमिक प्रतिष्ठा आ नब शोध-विषय दैत अछि।

८४०. (C) विश्वविद्यालयीय अध्ययन मैथिली भाषा-इतिहासकेँ शोध आ आलोचनाक आधार दैत अछि — उच्च शिक्षा भाषाकेँ अकादमिक प्रतिष्ठा आ नब शोध-विषय दैत अछि।

८४१. (B) साहित्य अकादेमी जेकाँ संस्था मैथिली साहित्यक राष्ट्रीय पहचान बढ़बैत अछि — संस्थागत स्वीकृति भाषा आ साहित्यक व्यापक परिचयमे सहायक होइत अछि।

८४२. (D) साहित्य अकादेमी जेकाँ संस्था मैथिली साहित्यक राष्ट्रीय पहचान बढ़बैत अछि — संस्थागत स्वीकृति भाषा आ साहित्यक व्यापक परिचयमे सहायक होइत अछि।

८४३. (C) साहित्य अकादेमी जेकाँ संस्था मैथिली साहित्यक राष्ट्रीय पहचान बढ़बैत अछि — संस्थागत स्वीकृति भाषा आ साहित्यक व्यापक परिचयमे सहायक होइत अछि।

८४४. (B) साहित्य अकादेमी जेकाँ संस्था मैथिली साहित्यक राष्ट्रीय पहचान बढ़बैत अछि — संस्थागत स्वीकृति भाषा आ साहित्यक व्यापक परिचयमे सहायक होइत अछि।

८४५. (A) साहित्य अकादेमी जेकाँ संस्था मैथिली साहित्यक राष्ट्रीय पहचान बढ़बैत अछि — संस्थागत स्वीकृति भाषा आ साहित्यक व्यापक परिचयमे सहायक होइत अछि।

८४६. (B) साहित्य अकादेमी जेकाँ संस्था मैथिली साहित्यक राष्ट्रीय पहचान बढ़बैत अछि — संस्थागत स्वीकृति भाषा आ साहित्यक व्यापक परिचयमे सहायक होइत अछि।

८४७. (B) साहित्य अकादेमी जेकाँ संस्था मैथिली साहित्यक राष्ट्रीय पहचान बढ़बैत अछि — संस्थागत स्वीकृति भाषा आ साहित्यक व्यापक परिचयमे सहायक होइत अछि।

८४८. (B) साहित्य अकादेमी जेकाँ संस्था मैथिली साहित्यक राष्ट्रीय पहचान बढ़बैत अछि — संस्थागत स्वीकृति भाषा आ साहित्यक व्यापक परिचयमे सहायक होइत अछि।

८४९. (A) साहित्य अकादेमी जेकाँ संस्था मैथिली साहित्यक राष्ट्रीय पहचान बढ़बैत अछि — संस्थागत स्वीकृति भाषा आ साहित्यक व्यापक परिचयमे सहायक होइत अछि।

८५०. (A) साहित्य अकादेमी जेकाँ संस्था मैथिली साहित्यक राष्ट्रीय पहचान बढ़बैत अछि — संस्थागत स्वीकृति भाषा आ साहित्यक व्यापक परिचयमे सहायक होइत अछि।

८५१. (A) भारतीय संविधानक आठम अनुसूचीमे मैथिलीक समावेश भाषिक मान्यताक महत्त्वपूर्ण पड़ाव अछि — संवैधानिक मान्यता भाषा-अधिकार आ सांस्कृतिक सम्मानक दृष्टिसँ उल्लेखनीय अछि।

८५२. (B) भारतीय संविधानक आठम अनुसूचीमे मैथिलीक समावेश भाषिक मान्यताक महत्त्वपूर्ण पड़ाव अछि — संवैधानिक मान्यता भाषा-अधिकार आ सांस्कृतिक सम्मानक दृष्टिसँ उल्लेखनीय अछि।

८५३. (B) भारतीय संविधानक आठम अनुसूचीमे मैथिलीक समावेश भाषिक मान्यताक महत्त्वपूर्ण पड़ाव अछि — संवैधानिक मान्यता भाषा-अधिकार आ सांस्कृतिक सम्मानक दृष्टिसँ उल्लेखनीय अछि।

८५४. (A) भारतीय संविधानक आठम अनुसूचीमे मैथिलीक समावेश भाषिक मान्यताक महत्त्वपूर्ण पड़ाव अछि — संवैधानिक मान्यता भाषा-अधिकार आ सांस्कृतिक सम्मानक दृष्टिसँ उल्लेखनीय अछि।

८५५. (C) भारतीय संविधानक आठम अनुसूचीमे मैथिलीक समावेश भाषिक मान्यताक महत्त्वपूर्ण पड़ाव अछि — संवैधानिक मान्यता भाषा-अधिकार आ सांस्कृतिक सम्मानक दृष्टिसँ उल्लेखनीय अछि।

८५६. (B) भारतीय संविधानक आठम अनुसूचीमे मैथिलीक समावेश भाषिक मान्यताक महत्त्वपूर्ण पड़ाव अछि — संवैधानिक मान्यता भाषा-अधिकार आ सांस्कृतिक सम्मानक दृष्टिसँ उल्लेखनीय अछि।

८५७. (B) भारतीय संविधानक आठम अनुसूचीमे मैथिलीक समावेश भाषिक मान्यताक महत्त्वपूर्ण पड़ाव अछि — संवैधानिक मान्यता भाषा-अधिकार आ सांस्कृतिक सम्मानक दृष्टिसँ उल्लेखनीय अछि।

८५८. (A) भारतीय संविधानक आठम अनुसूचीमे मैथिलीक समावेश भाषिक मान्यताक महत्त्वपूर्ण पड़ाव अछि — संवैधानिक मान्यता भाषा-अधिकार आ सांस्कृतिक सम्मानक दृष्टिसँ उल्लेखनीय अछि।

८५९. (C) भारतीय संविधानक आठम अनुसूचीमे मैथिलीक समावेश भाषिक मान्यताक महत्त्वपूर्ण पड़ाव अछि — संवैधानिक मान्यता भाषा-अधिकार आ सांस्कृतिक सम्मानक दृष्टिसँ उल्लेखनीय अछि।

८६०. (D) भारतीय संविधानक आठम अनुसूचीमे मैथिलीक समावेश भाषिक मान्यताक महत्त्वपूर्ण पड़ाव अछि — संवैधानिक मान्यता भाषा-अधिकार आ सांस्कृतिक सम्मानक दृष्टिसँ उल्लेखनीय अछि।

८६१. (C) रेडियो, दूरदर्शन आ अन्य माध्यम मैथिली उच्चारण आ सार्वजनिक प्रयोग फैलौलक — श्रव्य-दृश्य माध्यम भाषाक लोकप्रियता आ मानकीकरणमे योगदान दैत अछि।

८६२. (C) रेडियो, दूरदर्शन आ अन्य माध्यम मैथिली उच्चारण आ सार्वजनिक प्रयोग फैलौलक — श्रव्य-दृश्य माध्यम भाषाक लोकप्रियता आ मानकीकरणमे योगदान दैत अछि।

८६३. (A) रेडियो, दूरदर्शन आ अन्य माध्यम मैथिली उच्चारण आ सार्वजनिक प्रयोग फैलौलक — श्रव्य-दृश्य माध्यम भाषाक लोकप्रियता आ मानकीकरणमे योगदान दैत अछि।

८६४. (A) रेडियो, दूरदर्शन आ अन्य माध्यम मैथिली उच्चारण आ सार्वजनिक प्रयोग फैलौलक — श्रव्य-दृश्य माध्यम भाषाक लोकप्रियता आ मानकीकरणमे योगदान दैत अछि।

८६५. (A) रेडियो, दूरदर्शन आ अन्य माध्यम मैथिली उच्चारण आ सार्वजनिक प्रयोग फैलौलक — श्रव्य-दृश्य माध्यम भाषाक लोकप्रियता आ मानकीकरणमे योगदान दैत अछि।

८६६. (B) रेडियो, दूरदर्शन आ अन्य माध्यम मैथिली उच्चारण आ सार्वजनिक प्रयोग फैलौलक — श्रव्य-दृश्य माध्यम भाषाक लोकप्रियता आ मानकीकरणमे योगदान दैत अछि।

८६७. (C) रेडियो, दूरदर्शन आ अन्य माध्यम मैथिली उच्चारण आ सार्वजनिक प्रयोग फैलौलक — श्रव्य-दृश्य माध्यम भाषाक लोकप्रियता आ मानकीकरणमे योगदान दैत अछि।

८६८. (D) रेडियो, दूरदर्शन आ अन्य माध्यम मैथिली उच्चारण आ सार्वजनिक प्रयोग फैलौलक — श्रव्य-दृश्य माध्यम भाषाक लोकप्रियता आ मानकीकरणमे योगदान दैत अछि।

८६९. (D) रेडियो, दूरदर्शन आ अन्य माध्यम मैथिली उच्चारण आ सार्वजनिक प्रयोग फैलौलक — श्रव्य-दृश्य माध्यम भाषाक लोकप्रियता आ मानकीकरणमे योगदान दैत अछि।

८७०. (A) रेडियो, दूरदर्शन आ अन्य माध्यम मैथिली उच्चारण आ सार्वजनिक प्रयोग फैलौलक — श्रव्य-दृश्य माध्यम भाषाक लोकप्रियता आ मानकीकरणमे योगदान दैत अछि।

८७१. (A) अनुवाद मैथिलीकेँ अन्य भाषा-संसारसँ जोड़ैत अछि आ ओकर अभिव्यक्ति-क्षमता बढ़बैत अछि — अनुवादसँ नव विषय, नव शब्द आ तुलनात्मक दृष्टि भाषा भीतर आबैत अछि।

८७२. (B) अनुवाद मैथिलीकेँ अन्य भाषा-संसारसँ जोड़ैत अछि आ ओकर अभिव्यक्ति-क्षमता बढ़बैत अछि — अनुवादसँ नव विषय, नव शब्द आ तुलनात्मक दृष्टि भाषा भीतर आबैत अछि।

८७३. (B) अनुवाद मैथिलीकेँ अन्य भाषा-संसारसँ जोड़ैत अछि आ ओकर अभिव्यक्ति-क्षमता बढ़बैत अछि — अनुवादसँ नव विषय, नव शब्द आ तुलनात्मक दृष्टि भाषा भीतर आबैत अछि।

८७४. (A) अनुवाद मैथिलीकेँ अन्य भाषा-संसारसँ जोड़ैत अछि आ ओकर अभिव्यक्ति-क्षमता बढ़बैत अछि — अनुवादसँ नव विषय, नव शब्द आ तुलनात्मक दृष्टि भाषा भीतर आबैत अछि।

८७५. (C) अनुवाद मैथिलीकेँ अन्य भाषा-संसारसँ जोड़ैत अछि आ ओकर अभिव्यक्ति-क्षमता बढ़बैत अछि — अनुवादसँ नव विषय, नव शब्द आ तुलनात्मक दृष्टि भाषा भीतर आबैत अछि।

८७६. (D) अनुवाद मैथिलीकेँ अन्य भाषा-संसारसँ जोड़ैत अछि आ ओकर अभिव्यक्ति-क्षमता बढ़बैत अछि — अनुवादसँ नव विषय, नव शब्द आ तुलनात्मक दृष्टि भाषा भीतर आबैत अछि।

८७७. (C) अनुवाद मैथिलीकेँ अन्य भाषा-संसारसँ जोड़ैत अछि आ ओकर अभिव्यक्ति-क्षमता बढ़बैत अछि — अनुवादसँ नव विषय, नव शब्द आ तुलनात्मक दृष्टि भाषा भीतर आबैत अछि।

८७८. (D) अनुवाद मैथिलीकेँ अन्य भाषा-संसारसँ जोड़ैत अछि आ ओकर अभिव्यक्ति-क्षमता बढ़बैत अछि — अनुवादसँ नव विषय, नव शब्द आ तुलनात्मक दृष्टि भाषा भीतर आबैत अछि।

८७९. (B) अनुवाद मैथिलीकेँ अन्य भाषा-संसारसँ जोड़ैत अछि आ ओकर अभिव्यक्ति-क्षमता बढ़बैत अछि — अनुवादसँ नव विषय, नव शब्द आ तुलनात्मक दृष्टि भाषा भीतर आबैत अछि।

८८०. (C) अनुवाद मैथिलीकेँ अन्य भाषा-संसारसँ जोड़ैत अछि आ ओकर अभिव्यक्ति-क्षमता बढ़बैत अछि — अनुवादसँ नव विषय, नव शब्द आ तुलनात्मक दृष्टि भाषा भीतर आबैत अछि।

८८१. (D) पुरान ग्रन्थक शोध-संपादन भाषा-इतिहासक भरोसेमंद पाठ तैयार करैत अछि — सम्पादित पाठ बिना ऐतिहासिक अध्ययनमे भ्रम आ अपूर्णता बढ़ि सकैत अछि।

८८२. (D) पुरान ग्रन्थक शोध-संपादन भाषा-इतिहासक भरोसेमंद पाठ तैयार करैत अछि — सम्पादित पाठ बिना ऐतिहासिक अध्ययनमे भ्रम आ अपूर्णता बढ़ि सकैत अछि।

८८३. (A) पुरान ग्रन्थक शोध-संपादन भाषा-इतिहासक भरोसेमंद पाठ तैयार करैत अछि — सम्पादित पाठ बिना ऐतिहासिक अध्ययनमे भ्रम आ अपूर्णता बढ़ि सकैत अछि।

८८४. (C) पुरान ग्रन्थक शोध-संपादन भाषा-इतिहासक भरोसेमंद पाठ तैयार करैत अछि — सम्पादित पाठ बिना ऐतिहासिक अध्ययनमे भ्रम आ अपूर्णता बढ़ि सकैत अछि।

८८५. (A) पुरान ग्रन्थक शोध-संपादन भाषा-इतिहासक भरोसेमंद पाठ तैयार करैत अछि — सम्पादित पाठ बिना ऐतिहासिक अध्ययनमे भ्रम आ अपूर्णता बढ़ि सकैत अछि।

८८६. (A) पुरान ग्रन्थक शोध-संपादन भाषा-इतिहासक भरोसेमंद पाठ तैयार करैत अछि — सम्पादित पाठ बिना ऐतिहासिक अध्ययनमे भ्रम आ अपूर्णता बढ़ि सकैत अछि।

८८७. (C) पुरान ग्रन्थक शोध-संपादन भाषा-इतिहासक भरोसेमंद पाठ तैयार करैत अछि — सम्पादित पाठ बिना ऐतिहासिक अध्ययनमे भ्रम आ अपूर्णता बढ़ि सकैत अछि।

८८८. (C) पुरान ग्रन्थक शोध-संपादन भाषा-इतिहासक भरोसेमंद पाठ तैयार करैत अछि — सम्पादित पाठ बिना ऐतिहासिक अध्ययनमे भ्रम आ अपूर्णता बढ़ि सकैत अछि।

८८९. (A) पुरान ग्रन्थक शोध-संपादन भाषा-इतिहासक भरोसेमंद पाठ तैयार करैत अछि — सम्पादित पाठ बिना ऐतिहासिक अध्ययनमे भ्रम आ अपूर्णता बढ़ि सकैत अछि।

८९०. (C) पुरान ग्रन्थक शोध-संपादन भाषा-इतिहासक भरोसेमंद पाठ तैयार करैत अछि — सम्पादित पाठ बिना ऐतिहासिक अध्ययनमे भ्रम आ अपूर्णता बढ़ि सकैत अछि।

८९१. (D) डिजिटल संग्रह पाण्डुलिपि, पत्रिका, पुस्तक आ ध्वनि-सामग्रीकेँ सुरक्षित आ सुलभ बनबैत अछि — डिजिटल अभिलेखन भाषा-इतिहासक नब संरक्षण-पद्धति अछि।

८९२. (B) डिजिटल संग्रह पाण्डुलिपि, पत्रिका, पुस्तक आ ध्वनि-सामग्रीकेँ सुरक्षित आ सुलभ बनबैत अछि — डिजिटल अभिलेखन भाषा-इतिहासक नब संरक्षण-पद्धति अछि।

८९३. (D) डिजिटल संग्रह पाण्डुलिपि, पत्रिका, पुस्तक आ ध्वनि-सामग्रीकेँ सुरक्षित आ सुलभ बनबैत अछि — डिजिटल अभिलेखन भाषा-इतिहासक नब संरक्षण-पद्धति अछि।

८९४. (C) डिजिटल संग्रह पाण्डुलिपि, पत्रिका, पुस्तक आ ध्वनि-सामग्रीकेँ सुरक्षित आ सुलभ बनबैत अछि — डिजिटल अभिलेखन भाषा-इतिहासक नब संरक्षण-पद्धति अछि।

८९५. (A) डिजिटल संग्रह पाण्डुलिपि, पत्रिका, पुस्तक आ ध्वनि-सामग्रीकेँ सुरक्षित आ सुलभ बनबैत अछि — डिजिटल अभिलेखन भाषा-इतिहासक नब संरक्षण-पद्धति अछि।

८९६. (D) डिजिटल संग्रह पाण्डुलिपि, पत्रिका, पुस्तक आ ध्वनि-सामग्रीकेँ सुरक्षित आ सुलभ बनबैत अछि — डिजिटल अभिलेखन भाषा-इतिहासक नब संरक्षण-पद्धति अछि।

८९७. (B) डिजिटल संग्रह पाण्डुलिपि, पत्रिका, पुस्तक आ ध्वनि-सामग्रीकेँ सुरक्षित आ सुलभ बनबैत अछि — डिजिटल अभिलेखन भाषा-इतिहासक नब संरक्षण-पद्धति अछि।

८९८. (D) डिजिटल संग्रह पाण्डुलिपि, पत्रिका, पुस्तक आ ध्वनि-सामग्रीकेँ सुरक्षित आ सुलभ बनबैत अछि — डिजिटल अभिलेखन भाषा-इतिहासक नब संरक्षण-पद्धति अछि।

८९९. (A) डिजिटल संग्रह पाण्डुलिपि, पत्रिका, पुस्तक आ ध्वनि-सामग्रीकेँ सुरक्षित आ सुलभ बनबैत अछि — डिजिटल अभिलेखन भाषा-इतिहासक नब संरक्षण-पद्धति अछि।

९००. (D) डिजिटल संग्रह पाण्डुलिपि, पत्रिका, पुस्तक आ ध्वनि-सामग्रीकेँ सुरक्षित आ सुलभ बनबैत अछि — डिजिटल अभिलेखन भाषा-इतिहासक नब संरक्षण-पद्धति अछि।

९०१. (D) ई-पत्रिका मैथिली लेखनकेँ विश्वव्यापी पाठक धरि पहुँचाबयवला आधुनिक माध्यम अछि — अंतरजालक कारण मैथिली सामग्री स्थान-सीमासँ बाहर निकलि वैश्विक रूपेँ पढ़ल जाइत अछि।

९०२. (C) ई-पत्रिका मैथिली लेखनकेँ विश्वव्यापी पाठक धरि पहुँचाबयवला आधुनिक माध्यम अछि — अंतरजालक कारण मैथिली सामग्री स्थान-सीमासँ बाहर निकलि वैश्विक रूपेँ पढ़ल जाइत अछि।

९०३. (B) ई-पत्रिका मैथिली लेखनकेँ विश्वव्यापी पाठक धरि पहुँचाबयवला आधुनिक माध्यम अछि — अंतरजालक कारण मैथिली सामग्री स्थान-सीमासँ बाहर निकलि वैश्विक रूपेँ पढ़ल जाइत अछि।

९०४. (C) ई-पत्रिका मैथिली लेखनकेँ विश्वव्यापी पाठक धरि पहुँचाबयवला आधुनिक माध्यम अछि — अंतरजालक कारण मैथिली सामग्री स्थान-सीमासँ बाहर निकलि वैश्विक रूपेँ पढ़ल जाइत अछि।

९०५. (A) ई-पत्रिका मैथिली लेखनकेँ विश्वव्यापी पाठक धरि पहुँचाबयवला आधुनिक माध्यम अछि — अंतरजालक कारण मैथिली सामग्री स्थान-सीमासँ बाहर निकलि वैश्विक रूपेँ पढ़ल जाइत अछि।

९०६. (C) ई-पत्रिका मैथिली लेखनकेँ विश्वव्यापी पाठक धरि पहुँचाबयवला आधुनिक माध्यम अछि — अंतरजालक कारण मैथिली सामग्री स्थान-सीमासँ बाहर निकलि वैश्विक रूपेँ पढ़ल जाइत अछि।

९०७. (B) ई-पत्रिका मैथिली लेखनकेँ विश्वव्यापी पाठक धरि पहुँचाबयवला आधुनिक माध्यम अछि — अंतरजालक कारण मैथिली सामग्री स्थान-सीमासँ बाहर निकलि वैश्विक रूपेँ पढ़ल जाइत अछि।

९०८. (D) ई-पत्रिका मैथिली लेखनकेँ विश्वव्यापी पाठक धरि पहुँचाबयवला आधुनिक माध्यम अछि — अंतरजालक कारण मैथिली सामग्री स्थान-सीमासँ बाहर निकलि वैश्विक रूपेँ पढ़ल जाइत अछि।

९०९. (B) ई-पत्रिका मैथिली लेखनकेँ विश्वव्यापी पाठक धरि पहुँचाबयवला आधुनिक माध्यम अछि — अंतरजालक कारण मैथिली सामग्री स्थान-सीमासँ बाहर निकलि वैश्विक रूपेँ पढ़ल जाइत अछि।

९१०. (C) ई-पत्रिका मैथिली लेखनकेँ विश्वव्यापी पाठक धरि पहुँचाबयवला आधुनिक माध्यम अछि — अंतरजालक कारण मैथिली सामग्री स्थान-सीमासँ बाहर निकलि वैश्विक रूपेँ पढ़ल जाइत अछि।

९११. (C) ऑनलाइन पाठ मैथिली सीखबाक नब अवसर खोलैत अछि — डिजिटल कक्षा, ध्वनि, चित्र आ अभ्याससँ भाषा-शिक्षा सहज बनि सकैत अछि।

९१२. (C) ऑनलाइन पाठ मैथिली सीखबाक नब अवसर खोलैत अछि — डिजिटल कक्षा, ध्वनि, चित्र आ अभ्याससँ भाषा-शिक्षा सहज बनि सकैत अछि।

९१३. (D) ऑनलाइन पाठ मैथिली सीखबाक नब अवसर खोलैत अछि — डिजिटल कक्षा, ध्वनि, चित्र आ अभ्याससँ भाषा-शिक्षा सहज बनि सकैत अछि।

९१४. (A) ऑनलाइन पाठ मैथिली सीखबाक नब अवसर खोलैत अछि — डिजिटल कक्षा, ध्वनि, चित्र आ अभ्याससँ भाषा-शिक्षा सहज बनि सकैत अछि।

९१५. (A) ऑनलाइन पाठ मैथिली सीखबाक नब अवसर खोलैत अछि — डिजिटल कक्षा, ध्वनि, चित्र आ अभ्याससँ भाषा-शिक्षा सहज बनि सकैत अछि।

९१६. (B) ऑनलाइन पाठ मैथिली सीखबाक नब अवसर खोलैत अछि — डिजिटल कक्षा, ध्वनि, चित्र आ अभ्याससँ भाषा-शिक्षा सहज बनि सकैत अछि।

९१७. (A) ऑनलाइन पाठ मैथिली सीखबाक नब अवसर खोलैत अछि — डिजिटल कक्षा, ध्वनि, चित्र आ अभ्याससँ भाषा-शिक्षा सहज बनि सकैत अछि।

९१८. (B) ऑनलाइन पाठ मैथिली सीखबाक नब अवसर खोलैत अछि — डिजिटल कक्षा, ध्वनि, चित्र आ अभ्याससँ भाषा-शिक्षा सहज बनि सकैत अछि।

९१९. (B) ऑनलाइन पाठ मैथिली सीखबाक नब अवसर खोलैत अछि — डिजिटल कक्षा, ध्वनि, चित्र आ अभ्याससँ भाषा-शिक्षा सहज बनि सकैत अछि।

९२०. (B) ऑनलाइन पाठ मैथिली सीखबाक नब अवसर खोलैत अछि — डिजिटल कक्षा, ध्वनि, चित्र आ अभ्याससँ भाषा-शिक्षा सहज बनि सकैत अछि।

९२१. (C) कम्प्यूटर फॉन्ट आ कीबोर्ड मैथिली लेखनकेँ आधुनिक उपकरण दैत अछि — तकनीकी सुविधा बिना डिजिटल भाषिक प्रसार सीमित रहि जाइत अछि।

९२२. (C) कम्प्यूटर फॉन्ट आ कीबोर्ड मैथिली लेखनकेँ आधुनिक उपकरण दैत अछि — तकनीकी सुविधा बिना डिजिटल भाषिक प्रसार सीमित रहि जाइत अछि।

९२३. (C) कम्प्यूटर फॉन्ट आ कीबोर्ड मैथिली लेखनकेँ आधुनिक उपकरण दैत अछि — तकनीकी सुविधा बिना डिजिटल भाषिक प्रसार सीमित रहि जाइत अछि।

९२४. (A) कम्प्यूटर फॉन्ट आ कीबोर्ड मैथिली लेखनकेँ आधुनिक उपकरण दैत अछि — तकनीकी सुविधा बिना डिजिटल भाषिक प्रसार सीमित रहि जाइत अछि।

९२५. (B) कम्प्यूटर फॉन्ट आ कीबोर्ड मैथिली लेखनकेँ आधुनिक उपकरण दैत अछि — तकनीकी सुविधा बिना डिजिटल भाषिक प्रसार सीमित रहि जाइत अछि।

९२६. (D) कम्प्यूटर फॉन्ट आ कीबोर्ड मैथिली लेखनकेँ आधुनिक उपकरण दैत अछि — तकनीकी सुविधा बिना डिजिटल भाषिक प्रसार सीमित रहि जाइत अछि।

९२७. (B) कम्प्यूटर फॉन्ट आ कीबोर्ड मैथिली लेखनकेँ आधुनिक उपकरण दैत अछि — तकनीकी सुविधा बिना डिजिटल भाषिक प्रसार सीमित रहि जाइत अछि।

९२८. (D) कम्प्यूटर फॉन्ट आ कीबोर्ड मैथिली लेखनकेँ आधुनिक उपकरण दैत अछि — तकनीकी सुविधा बिना डिजिटल भाषिक प्रसार सीमित रहि जाइत अछि।

९२९. (B) कम्प्यूटर फॉन्ट आ कीबोर्ड मैथिली लेखनकेँ आधुनिक उपकरण दैत अछि — तकनीकी सुविधा बिना डिजिटल भाषिक प्रसार सीमित रहि जाइत अछि।

९३०. (D) कम्प्यूटर फॉन्ट आ कीबोर्ड मैथिली लेखनकेँ आधुनिक उपकरण दैत अछि — तकनीकी सुविधा बिना डिजिटल भाषिक प्रसार सीमित रहि जाइत अछि।

९३१. (A) मोबाइल पर मैथिली लिखब नव पीढ़ीक व्यवहारिक भाषा-प्रयोग बढ़बैत अछि — सामाजिक माध्यममे मातृभाषाक प्रयोग दैनिक भाषिक जीवंतता देखबैत अछि।

९३२. (B) मोबाइल पर मैथिली लिखब नव पीढ़ीक व्यवहारिक भाषा-प्रयोग बढ़बैत अछि — सामाजिक माध्यममे मातृभाषाक प्रयोग दैनिक भाषिक जीवंतता देखबैत अछि।

९३३. (D) मोबाइल पर मैथिली लिखब नव पीढ़ीक व्यवहारिक भाषा-प्रयोग बढ़बैत अछि — सामाजिक माध्यममे मातृभाषाक प्रयोग दैनिक भाषिक जीवंतता देखबैत अछि।

९३४. (C) मोबाइल पर मैथिली लिखब नव पीढ़ीक व्यवहारिक भाषा-प्रयोग बढ़बैत अछि — सामाजिक माध्यममे मातृभाषाक प्रयोग दैनिक भाषिक जीवंतता देखबैत अछि।

९३५. (B) मोबाइल पर मैथिली लिखब नव पीढ़ीक व्यवहारिक भाषा-प्रयोग बढ़बैत अछि — सामाजिक माध्यममे मातृभाषाक प्रयोग दैनिक भाषिक जीवंतता देखबैत अछि।

९३६. (D) मोबाइल पर मैथिली लिखब नव पीढ़ीक व्यवहारिक भाषा-प्रयोग बढ़बैत अछि — सामाजिक माध्यममे मातृभाषाक प्रयोग दैनिक भाषिक जीवंतता देखबैत अछि।

९३७. (C) मोबाइल पर मैथिली लिखब नव पीढ़ीक व्यवहारिक भाषा-प्रयोग बढ़बैत अछि — सामाजिक माध्यममे मातृभाषाक प्रयोग दैनिक भाषिक जीवंतता देखबैत अछि।

९३८. (C) मोबाइल पर मैथिली लिखब नव पीढ़ीक व्यवहारिक भाषा-प्रयोग बढ़बैत अछि — सामाजिक माध्यममे मातृभाषाक प्रयोग दैनिक भाषिक जीवंतता देखबैत अछि।

९३९. (C) मोबाइल पर मैथिली लिखब नव पीढ़ीक व्यवहारिक भाषा-प्रयोग बढ़बैत अछि — सामाजिक माध्यममे मातृभाषाक प्रयोग दैनिक भाषिक जीवंतता देखबैत अछि।

९४०. (A) मोबाइल पर मैथिली लिखब नव पीढ़ीक व्यवहारिक भाषा-प्रयोग बढ़बैत अछि — सामाजिक माध्यममे मातृभाषाक प्रयोग दैनिक भाषिक जीवंतता देखबैत अछि।

९४१. (C) ऑडियो-दृश्य सामग्री मैथिली उच्चारण, गीत, कथा आ पाठकेँ अधिक प्रभावी बनबैत अछि — सुनबाक आ देखबाक माध्यम भाषा-शिक्षा आ लोक-संस्कृति दुनूकेँ बल दैत अछि।

९४२. (B) ऑडियो-दृश्य सामग्री मैथिली उच्चारण, गीत, कथा आ पाठकेँ अधिक प्रभावी बनबैत अछि — सुनबाक आ देखबाक माध्यम भाषा-शिक्षा आ लोक-संस्कृति दुनूकेँ बल दैत अछि।

९४३. (B) ऑडियो-दृश्य सामग्री मैथिली उच्चारण, गीत, कथा आ पाठकेँ अधिक प्रभावी बनबैत अछि — सुनबाक आ देखबाक माध्यम भाषा-शिक्षा आ लोक-संस्कृति दुनूकेँ बल दैत अछि।

९४४. (C) ऑडियो-दृश्य सामग्री मैथिली उच्चारण, गीत, कथा आ पाठकेँ अधिक प्रभावी बनबैत अछि — सुनबाक आ देखबाक माध्यम भाषा-शिक्षा आ लोक-संस्कृति दुनूकेँ बल दैत अछि।

९४५. (B) ऑडियो-दृश्य सामग्री मैथिली उच्चारण, गीत, कथा आ पाठकेँ अधिक प्रभावी बनबैत अछि — सुनबाक आ देखबाक माध्यम भाषा-शिक्षा आ लोक-संस्कृति दुनूकेँ बल दैत अछि।

९४६. (D) ऑडियो-दृश्य सामग्री मैथिली उच्चारण, गीत, कथा आ पाठकेँ अधिक प्रभावी बनबैत अछि — सुनबाक आ देखबाक माध्यम भाषा-शिक्षा आ लोक-संस्कृति दुनूकेँ बल दैत अछि।

९४७. (C) ऑडियो-दृश्य सामग्री मैथिली उच्चारण, गीत, कथा आ पाठकेँ अधिक प्रभावी बनबैत अछि — सुनबाक आ देखबाक माध्यम भाषा-शिक्षा आ लोक-संस्कृति दुनूकेँ बल दैत अछि।

९४८. (A) ऑडियो-दृश्य सामग्री मैथिली उच्चारण, गीत, कथा आ पाठकेँ अधिक प्रभावी बनबैत अछि — सुनबाक आ देखबाक माध्यम भाषा-शिक्षा आ लोक-संस्कृति दुनूकेँ बल दैत अछि।

९४९. (A) ऑडियो-दृश्य सामग्री मैथिली उच्चारण, गीत, कथा आ पाठकेँ अधिक प्रभावी बनबैत अछि — सुनबाक आ देखबाक माध्यम भाषा-शिक्षा आ लोक-संस्कृति दुनूकेँ बल दैत अछि।

९५०. (B) ऑडियो-दृश्य सामग्री मैथिली उच्चारण, गीत, कथा आ पाठकेँ अधिक प्रभावी बनबैत अछि — सुनबाक आ देखबाक माध्यम भाषा-शिक्षा आ लोक-संस्कृति दुनूकेँ बल दैत अछि।

९५१. (C) डिजिटल युगमे कविता, कथा, ब्लॉग आ नाटकक नब मैथिली लेखन उभरि रहल अछि — नव माध्यम नव विधा, नव पाठक आ नब भाषा-शैली उत्पन्न करैत अछि।

९५२. (C) डिजिटल युगमे कविता, कथा, ब्लॉग आ नाटकक नब मैथिली लेखन उभरि रहल अछि — नव माध्यम नव विधा, नव पाठक आ नब भाषा-शैली उत्पन्न करैत अछि।

९५३. (A) डिजिटल युगमे कविता, कथा, ब्लॉग आ नाटकक नब मैथिली लेखन उभरि रहल अछि — नव माध्यम नव विधा, नव पाठक आ नब भाषा-शैली उत्पन्न करैत अछि।

९५४. (B) डिजिटल युगमे कविता, कथा, ब्लॉग आ नाटकक नब मैथिली लेखन उभरि रहल अछि — नव माध्यम नव विधा, नव पाठक आ नब भाषा-शैली उत्पन्न करैत अछि।

९५५. (D) डिजिटल युगमे कविता, कथा, ब्लॉग आ नाटकक नब मैथिली लेखन उभरि रहल अछि — नव माध्यम नव विधा, नव पाठक आ नब भाषा-शैली उत्पन्न करैत अछि।

९५६. (D) डिजिटल युगमे कविता, कथा, ब्लॉग आ नाटकक नब मैथिली लेखन उभरि रहल अछि — नव माध्यम नव विधा, नव पाठक आ नब भाषा-शैली उत्पन्न करैत अछि।

९५७. (B) डिजिटल युगमे कविता, कथा, ब्लॉग आ नाटकक नब मैथिली लेखन उभरि रहल अछि — नव माध्यम नव विधा, नव पाठक आ नब भाषा-शैली उत्पन्न करैत अछि।

९५८. (C) डिजिटल युगमे कविता, कथा, ब्लॉग आ नाटकक नब मैथिली लेखन उभरि रहल अछि — नव माध्यम नव विधा, नव पाठक आ नब भाषा-शैली उत्पन्न करैत अछि।

९५९. (B) डिजिटल युगमे कविता, कथा, ब्लॉग आ नाटकक नब मैथिली लेखन उभरि रहल अछि — नव माध्यम नव विधा, नव पाठक आ नब भाषा-शैली उत्पन्न करैत अछि।

९६०. (B) डिजिटल युगमे कविता, कथा, ब्लॉग आ नाटकक नब मैथिली लेखन उभरि रहल अछि — नव माध्यम नव विधा, नव पाठक आ नब भाषा-शैली उत्पन्न करैत अछि।

९६१. (B) बाल-स्तर पर मैथिली सामग्री भविष्यक भाषा-संरक्षण लेल अत्यन्त आवश्यक अछि — बच्चा जखन भाषा पढ़ैत, सुनैत आ खेलैत सीखैत अछि, तखन भाषा-निरन्तरता मजबूत होइत अछि।

९६२. (A) बाल-स्तर पर मैथिली सामग्री भविष्यक भाषा-संरक्षण लेल अत्यन्त आवश्यक अछि — बच्चा जखन भाषा पढ़ैत, सुनैत आ खेलैत सीखैत अछि, तखन भाषा-निरन्तरता मजबूत होइत अछि।

९६३. (B) बाल-स्तर पर मैथिली सामग्री भविष्यक भाषा-संरक्षण लेल अत्यन्त आवश्यक अछि — बच्चा जखन भाषा पढ़ैत, सुनैत आ खेलैत सीखैत अछि, तखन भाषा-निरन्तरता मजबूत होइत अछि।

९६४. (C) बाल-स्तर पर मैथिली सामग्री भविष्यक भाषा-संरक्षण लेल अत्यन्त आवश्यक अछि — बच्चा जखन भाषा पढ़ैत, सुनैत आ खेलैत सीखैत अछि, तखन भाषा-निरन्तरता मजबूत होइत अछि।

९६५. (C) बाल-स्तर पर मैथिली सामग्री भविष्यक भाषा-संरक्षण लेल अत्यन्त आवश्यक अछि — बच्चा जखन भाषा पढ़ैत, सुनैत आ खेलैत सीखैत अछि, तखन भाषा-निरन्तरता मजबूत होइत अछि।

९६६. (A) बाल-स्तर पर मैथिली सामग्री भविष्यक भाषा-संरक्षण लेल अत्यन्त आवश्यक अछि — बच्चा जखन भाषा पढ़ैत, सुनैत आ खेलैत सीखैत अछि, तखन भाषा-निरन्तरता मजबूत होइत अछि।

९६७. (B) बाल-स्तर पर मैथिली सामग्री भविष्यक भाषा-संरक्षण लेल अत्यन्त आवश्यक अछि — बच्चा जखन भाषा पढ़ैत, सुनैत आ खेलैत सीखैत अछि, तखन भाषा-निरन्तरता मजबूत होइत अछि।

९६८. (D) बाल-स्तर पर मैथिली सामग्री भविष्यक भाषा-संरक्षण लेल अत्यन्त आवश्यक अछि — बच्चा जखन भाषा पढ़ैत, सुनैत आ खेलैत सीखैत अछि, तखन भाषा-निरन्तरता मजबूत होइत अछि।

९६९. (B) बाल-स्तर पर मैथिली सामग्री भविष्यक भाषा-संरक्षण लेल अत्यन्त आवश्यक अछि — बच्चा जखन भाषा पढ़ैत, सुनैत आ खेलैत सीखैत अछि, तखन भाषा-निरन्तरता मजबूत होइत अछि।

९७०. (B) बाल-स्तर पर मैथिली सामग्री भविष्यक भाषा-संरक्षण लेल अत्यन्त आवश्यक अछि — बच्चा जखन भाषा पढ़ैत, सुनैत आ खेलैत सीखैत अछि, तखन भाषा-निरन्तरता मजबूत होइत अछि।

९७१. (B) सामुदायिक अभियान भाषाक प्रयोग, शिक्षण आ गौरवक वातावरण बनबैत अछि — भाषा केवल ग्रन्थसँ नहि, समाजक सक्रिय सहभागितासँ जीवित रहैत अछि।

९७२. (D) सामुदायिक अभियान भाषाक प्रयोग, शिक्षण आ गौरवक वातावरण बनबैत अछि — भाषा केवल ग्रन्थसँ नहि, समाजक सक्रिय सहभागितासँ जीवित रहैत अछि।

९७३. (D) सामुदायिक अभियान भाषाक प्रयोग, शिक्षण आ गौरवक वातावरण बनबैत अछि — भाषा केवल ग्रन्थसँ नहि, समाजक सक्रिय सहभागितासँ जीवित रहैत अछि।

९७४. (D) सामुदायिक अभियान भाषाक प्रयोग, शिक्षण आ गौरवक वातावरण बनबैत अछि — भाषा केवल ग्रन्थसँ नहि, समाजक सक्रिय सहभागितासँ जीवित रहैत अछि।

९७५. (D) सामुदायिक अभियान भाषाक प्रयोग, शिक्षण आ गौरवक वातावरण बनबैत अछि — भाषा केवल ग्रन्थसँ नहि, समाजक सक्रिय सहभागितासँ जीवित रहैत अछि।

९७६. (A) सामुदायिक अभियान भाषाक प्रयोग, शिक्षण आ गौरवक वातावरण बनबैत अछि — भाषा केवल ग्रन्थसँ नहि, समाजक सक्रिय सहभागितासँ जीवित रहैत अछि।

९७७. (D) सामुदायिक अभियान भाषाक प्रयोग, शिक्षण आ गौरवक वातावरण बनबैत अछि — भाषा केवल ग्रन्थसँ नहि, समाजक सक्रिय सहभागितासँ जीवित रहैत अछि।

९७८. (B) सामुदायिक अभियान भाषाक प्रयोग, शिक्षण आ गौरवक वातावरण बनबैत अछि — भाषा केवल ग्रन्थसँ नहि, समाजक सक्रिय सहभागितासँ जीवित रहैत अछि।

९७९. (A) सामुदायिक अभियान भाषाक प्रयोग, शिक्षण आ गौरवक वातावरण बनबैत अछि — भाषा केवल ग्रन्थसँ नहि, समाजक सक्रिय सहभागितासँ जीवित रहैत अछि।

९८०. (D) सामुदायिक अभियान भाषाक प्रयोग, शिक्षण आ गौरवक वातावरण बनबैत अछि — भाषा केवल ग्रन्थसँ नहि, समाजक सक्रिय सहभागितासँ जीवित रहैत अछि।

९८१. (D) ग्राम्य गीत, कथा, कहावत आ उच्चारणक डिजिटल अभिलेखन भविष्यक शोध लेल जरूरी अछि — आज जे जीवित लोकस्मृति अछि, तकरा समय पर संकलित नहि केलासँ ओ नष्ट भऽ सकैत अछि।

९८२. (C) ग्राम्य गीत, कथा, कहावत आ उच्चारणक डिजिटल अभिलेखन भविष्यक शोध लेल जरूरी अछि — आज जे जीवित लोकस्मृति अछि, तकरा समय पर संकलित नहि केलासँ ओ नष्ट भऽ सकैत अछि।

९८३. (C) ग्राम्य गीत, कथा, कहावत आ उच्चारणक डिजिटल अभिलेखन भविष्यक शोध लेल जरूरी अछि — आज जे जीवित लोकस्मृति अछि, तकरा समय पर संकलित नहि केलासँ ओ नष्ट भऽ सकैत अछि।

९८४. (D) ग्राम्य गीत, कथा, कहावत आ उच्चारणक डिजिटल अभिलेखन भविष्यक शोध लेल जरूरी अछि — आज जे जीवित लोकस्मृति अछि, तकरा समय पर संकलित नहि केलासँ ओ नष्ट भऽ सकैत अछि।

९८५. (A) ग्राम्य गीत, कथा, कहावत आ उच्चारणक डिजिटल अभिलेखन भविष्यक शोध लेल जरूरी अछि — आज जे जीवित लोकस्मृति अछि, तकरा समय पर संकलित नहि केलासँ ओ नष्ट भऽ सकैत अछि।

९८६. (A) ग्राम्य गीत, कथा, कहावत आ उच्चारणक डिजिटल अभिलेखन भविष्यक शोध लेल जरूरी अछि — आज जे जीवित लोकस्मृति अछि, तकरा समय पर संकलित नहि केलासँ ओ नष्ट भऽ सकैत अछि।

९८७. (B) ग्राम्य गीत, कथा, कहावत आ उच्चारणक डिजिटल अभिलेखन भविष्यक शोध लेल जरूरी अछि — आज जे जीवित लोकस्मृति अछि, तकरा समय पर संकलित नहि केलासँ ओ नष्ट भऽ सकैत अछि।

९८८. (B) ग्राम्य गीत, कथा, कहावत आ उच्चारणक डिजिटल अभिलेखन भविष्यक शोध लेल जरूरी अछि — आज जे जीवित लोकस्मृति अछि, तकरा समय पर संकलित नहि केलासँ ओ नष्ट भऽ सकैत अछि।

९८९. (A) ग्राम्य गीत, कथा, कहावत आ उच्चारणक डिजिटल अभिलेखन भविष्यक शोध लेल जरूरी अछि — आज जे जीवित लोकस्मृति अछि, तकरा समय पर संकलित नहि केलासँ ओ नष्ट भऽ सकैत अछि।

९९०. (D) ग्राम्य गीत, कथा, कहावत आ उच्चारणक डिजिटल अभिलेखन भविष्यक शोध लेल जरूरी अछि — आज जे जीवित लोकस्मृति अछि, तकरा समय पर संकलित नहि केलासँ ओ नष्ट भऽ सकैत अछि।

९९१. (B) विश्वभरि बसल मैथिल समुदाय डिजिटल माध्यमसँ मैथिलीकेँ जोड़े राखि सकैत अछि — प्रवासी समाज भाषा केँ घर, मंच, पाठशाला आ ऑनलाइन समूहमे जीवित रखैत अछि।

९९२. (C) विश्वभरि बसल मैथिल समुदाय डिजिटल माध्यमसँ मैथिलीकेँ जोड़े राखि सकैत अछि — प्रवासी समाज भाषा केँ घर, मंच, पाठशाला आ ऑनलाइन समूहमे जीवित रखैत अछि।

९९३. (D) विश्वभरि बसल मैथिल समुदाय डिजिटल माध्यमसँ मैथिलीकेँ जोड़े राखि सकैत अछि — प्रवासी समाज भाषा केँ घर, मंच, पाठशाला आ ऑनलाइन समूहमे जीवित रखैत अछि।

९९४. (C) विश्वभरि बसल मैथिल समुदाय डिजिटल माध्यमसँ मैथिलीकेँ जोड़े राखि सकैत अछि — प्रवासी समाज भाषा केँ घर, मंच, पाठशाला आ ऑनलाइन समूहमे जीवित रखैत अछि।

९९५. (A) विश्वभरि बसल मैथिल समुदाय डिजिटल माध्यमसँ मैथिलीकेँ जोड़े राखि सकैत अछि — प्रवासी समाज भाषा केँ घर, मंच, पाठशाला आ ऑनलाइन समूहमे जीवित रखैत अछि।

९९६. (A) विश्वभरि बसल मैथिल समुदाय डिजिटल माध्यमसँ मैथिलीकेँ जोड़े राखि सकैत अछि — प्रवासी समाज भाषा केँ घर, मंच, पाठशाला आ ऑनलाइन समूहमे जीवित रखैत अछि।

९९७. (D) विश्वभरि बसल मैथिल समुदाय डिजिटल माध्यमसँ मैथिलीकेँ जोड़े राखि सकैत अछि — प्रवासी समाज भाषा केँ घर, मंच, पाठशाला आ ऑनलाइन समूहमे जीवित रखैत अछि।

९९८. (D) विश्वभरि बसल मैथिल समुदाय डिजिटल माध्यमसँ मैथिलीकेँ जोड़े राखि सकैत अछि — प्रवासी समाज भाषा केँ घर, मंच, पाठशाला आ ऑनलाइन समूहमे जीवित रखैत अछि।

९९९. (D) विश्वभरि बसल मैथिल समुदाय डिजिटल माध्यमसँ मैथिलीकेँ जोड़े राखि सकैत अछि — प्रवासी समाज भाषा केँ घर, मंच, पाठशाला आ ऑनलाइन समूहमे जीवित रखैत अछि।

१०००. (C) विश्वभरि बसल मैथिल समुदाय डिजिटल माध्यमसँ मैथिलीकेँ जोड़े राखि सकैत अछि — प्रवासी समाज भाषा केँ घर, मंच, पाठशाला आ ऑनलाइन समूहमे जीवित रखैत अछि।

अध्याय २ : इंडो-यूरोपीय भाषा परिवार मे मैथिलीक स्थान

१. भाषा-परिवार सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) एक देशक सरकारी सूची
(B) सामान्य पूर्वजसँ विकसित भाषासभक समूह
(C) केवल एके लिपिमे लिखल भाषासभ
(D) एक धर्मक लोकक बोली

२. भाषा-परिवार विषयक परीक्षा-योग्य उत्तर की अछि?

(A) एक धर्मक लोकक बोली
(B) सामान्य पूर्वजसँ विकसित भाषासभक समूह
(C) एक देशक सरकारी सूची
(D) केवल एके लिपिमे लिखल भाषासभ

३. भाषा-परिवार कैँ मैथिलीक स्थान बुझबामे कोन रूपैँ देखल जाए?

(A) केवल एके लिपिमे लिखल भाषासभ
(B) एक देशक सरकारी सूची
(C) एक धर्मक लोकक बोली
(D) सामान्य पूर्वजसँ विकसित भाषासभक समूह

४. भाषा-परिवार पर आधारित सही विकल्प चुनू।

(A) एक धर्मक लोकक बोली
(B) सामान्य पूर्वजसँ विकसित भाषासभक समूह
(C) एक देशक सरकारी सूची
(D) केवल एके लिपिमे लिखल भाषासभ

५. भाषा-परिवार सम्बन्धी कारण-फलमे सही उत्तर चुनू।

(A) एक देशक सरकारी सूची
(B) सामान्य पूर्वजसँ विकसित भाषासभक समूह
(C) एक धर्मक लोकक बोली
(D) केवल एके लिपिमे लिखल भाषासभ

६. भाषा-परिवार विषयक गलत धारणा सँ बचि सही कथन चुनू।

(A) सामान्य पूर्वजसँ विकसित भाषासभक समूह
(B) केवल एके लिपिमे लिखल भाषासभ
(C) एक धर्मक लोकक बोली
(D) एक देशक सरकारी सूची

७. भाषा-परिवार कैँ भाषा-परिवारक दृष्टिसँ केना बुझल जाए?

(A) एक धर्मक लोकक बोली
(B) एक देशक सरकारी सूची
(C) केवल एके लिपिमे लिखल भाषासभ
(D) सामान्य पूर्वजसँ विकसित भाषासभक समूह

८. भाषा-परिवार पर संक्षिप्त सही परिभाषा की अछि?

(A) एक धर्मक लोकक बोली
(B) केवल एके लिपिमे लिखल भाषासभ
(C) सामान्य पूर्वजसँ विकसित भाषासभक समूह
(D) एक देशक सरकारी सूची

९. भाषा-परिवार पर तुलनात्मक भाषाविज्ञानक दृष्टि सँ सही विकल्प चुनू।

(A) सामान्य पूर्वजसँ विकसित भाषासभक समूह

(B) एक देशक सरकारी सूची

(C) एक धर्मक लोकक बोली

(D) केवल एके लिपिमे लिखल भाषासभ

१०. भाषा-परिवार विषयक मुख्य बात की अछि?

(A) सामान्य पूर्वजसँ विकसित भाषासभक समूह

(B) केवल एके लिपिमे लिखल भाषासभ

(C) एक देशक सरकारी सूची

(D) एक धर्मक लोकक बोली

११. पूर्वज-भाषा सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) नूतन शब्दकोशक नाम

(B) सम्बद्ध भाषासभक पुरान वा पुनर्निर्मित आधार

(C) लिपिक आकार

(D) आजुक राजभाषा

१२. पूर्वज-भाषा विषयक परीक्षा-योग्य उत्तर की अछि?

(A) सम्बद्ध भाषासभक पुरान वा पुनर्निर्मित आधार

(B) नूतन शब्दकोशक नाम

(C) लिपिक आकार

(D) आजुक राजभाषा

१३. पूर्वज-भाषा कैँ मैथिलीक स्थान बुझबामे कोन रूपेँ देखल जाए?

(A) लिपिक आकार

(B) नूतन शब्दकोशक नाम

(C) सम्बद्ध भाषासभक पुरान वा पुनर्निर्मित आधार

(D) आजुक राजभाषा

१४. पूर्वज-भाषा पर आधारित सही विकल्प चुनू।

(A) आजुक राजभाषा

(B) लिपिक आकार

(C) सम्बद्ध भाषासभक पुरान वा पुनर्निर्मित आधार

(D) नूतन शब्दकोशक नाम

१५. पूर्वज-भाषा सम्बन्धी कारण-फलमे सही उत्तर चुनू।

(A) आजुक राजभाषा

(B) सम्बद्ध भाषासभक पुरान वा पुनर्निर्मित आधार

(C) नूतन शब्दकोशक नाम

(D) लिपिक आकार

१६. पूर्वज-भाषा विषयक गलत धारणा सँ बचि सही कथन चुनू।

(A) आजुक राजभाषा

(B) नूतन शब्दकोशक नाम

(C) सम्बद्ध भाषासभक पुरान वा पुनर्निर्मित आधार

(D) लिपिक आकार

१७. पूर्वज-भाषा कैँ भाषा-परिवारक दृष्टिसँ केना बुझल जाए?

(A) लिपिक आकार

(B) सम्बद्ध भाषासभक पुरान वा पुनर्निर्मित आधार

(C) नूतन शब्दकोशक नाम

(D) आजुक राजभाषा

१८. पूर्वज-भाषा पर संक्षिप्त सही परिभाषा की अछि?

(A) सम्बद्ध भाषासभक पुरान वा पुनर्निर्मित आधार

(B) आजुक राजभाषा

(C) नूतन शब्दकोशक नाम

(D) लिपिक आकार

१९. पूर्वज-भाषा पर तुलनात्मक भाषाविज्ञानक दृष्टि सँ सही विकल्प चुनू।

(A) आजुक राजभाषा

(B) लिपिक आकार

(C) नूतन शब्दकोशक नाम

(D) सम्बद्ध भाषासभक पुरान वा पुनर्निर्मित आधार

२०. पूर्वज-भाषा विषयक मुख्य बात की अछि?

(A) लिपिक आकार

(B) नूतन शब्दकोशक नाम

(C) आजुक राजभाषा

(D) सम्बद्ध भाषासभक पुरान वा पुनर्निर्मित आधार

२१. तुलनात्मक पद्धति सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) चित्रकला तुलना

(B) ध्वनि, शब्द आ व्याकरण तुलना करबाक विधि

(C) कविता-पाठक नियम

(D) केवल भूगोल देखबाक तरीका

२२. तुलनात्मक पद्धति विषयक परीक्षा-योग्य उत्तर की अछि?

(A) कविता-पाठक नियम

(B) ध्वनि, शब्द आ व्याकरण तुलना करबाक विधि

(C) चित्रकला तुलना

(D) केवल भूगोल देखबाक तरीका

२३. तुलनात्मक पद्धति कैँ मैथिलीक स्थान बुझबामे कोन रूपेँ देखल जाए?

(A) कविता-पाठक नियम

(B) चित्रकला तुलना

(C) केवल भूगोल देखबाक तरीका

(D) ध्वनि, शब्द आ व्याकरण तुलना करबाक विधि

२४. तुलनात्मक पद्धति पर आधारित सही विकल्प चुनू।

(A) कविता-पाठक नियम

(B) केवल भूगोल देखबाक तरीका

(C) चित्रकला तुलना

(D) ध्वनि, शब्द आ व्याकरण तुलना करबाक विधि

२५. तुलनात्मक पद्धति सम्बन्धी कारण-फलमे सही उत्तर चुनू।

(A) चित्रकला तुलना

(B) ध्वनि, शब्द आ व्याकरण तुलना करबाक विधि

(C) कविता-पाठक नियम

(D) केवल भूगोल देखबाक तरीका

२६. तुलनात्मक पद्धति विषयक गलत धारणा सँ बचि सही कथन चुनू।

(A) ध्वनि, शब्द आ व्याकरण तुलना करबाक विधि

(B) केवल भूगोल देखबाक तरीका

(C) चित्रकला तुलना

(D) कविता-पाठक नियम

२७. तुलनात्मक पद्धति कैँ भाषा-परिवारक दृष्टिसँ केना बुझल जाए?

(A) कविता-पाठक नियम

(B) केवल भूगोल देखबाक तरीका

(C) चित्रकला तुलना

(D) ध्वनि, शब्द आ व्याकरण तुलना करबाक विधि

२८. तुलनात्मक पद्धति पर संक्षिप्त सही परिभाषा की अछि?

(A) केवल भूगोल देखबाक तरीका

(B) चित्रकला तुलना

(C) ध्वनि, शब्द आ व्याकरण तुलना करबाक विधि

(D) कविता-पाठक नियम

२९. तुलनात्मक पद्धति पर तुलनात्मक भाषाविज्ञानक दृष्टि सँ सही विकल्प चुनू।

(A) केवल भूगोल देखबाक तरीका

(B) चित्रकला तुलना

(C) ध्वनि, शब्द आ व्याकरण तुलना करबाक विधि

(D) कविता-पाठक नियम

३०. तुलनात्मक पद्धति विषयक मुख्य बात की अछि?

(A) केवल भूगोल देखबाक तरीका

(B) कविता-पाठक नियम

(C) चित्रकला तुलना

(D) ध्वनि, शब्द आ व्याकरण तुलना करबाक विधि

३१. समधर्मी शब्द सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) विपरीत अर्थक शब्द

(B) समान पूर्वज रूपसँ निकलल सम्बन्धित शब्द

(C) केवल उधार शब्द

(D) समान वर्तनी मात्र

३२. समधर्मी शब्द विषयक परीक्षा-योग्य उत्तर की अछि?

(A) केवल उधार शब्द

(B) समान वर्तनी मात्र

(C) समान पूर्वज रूपसँ निकलल सम्बन्धित शब्द

(D) विपरीत अर्थक शब्द

३३. समधर्मी शब्द कैं मैथिलीक स्थान बुझबामे कोन रूपैं देखल जाए?

(A) विपरीत अर्थक शब्द

(B) समान वर्तनी मात्र

(C) समान पूर्वज रूपसँ निकलल सम्बन्धित शब्द

(D) केवल उधार शब्द

३४. समधर्मी शब्द पर आधारित सही विकल्प चुनू।

(A) समान पूर्वज रूपसँ निकलल सम्बन्धित शब्द

(B) समान वर्तनी मात्र

(C) केवल उधार शब्द

(D) विपरीत अर्थक शब्द

३५. समधर्मी शब्द सम्बन्धी कारण-फलमे सही उत्तर चुनू।

(A) समान वर्तनी मात्र

(B) केवल उधार शब्द

(C) समान पूर्वज रूपसँ निकलल सम्बन्धित शब्द

(D) विपरीत अर्थक शब्द

३६. समधर्मी शब्द विषयक गलत धारणा सँ बचि सही कथन चुनू।

(A) समान पूर्वज रूपसँ निकलल सम्बन्धित शब्द

(B) समान वर्तनी मात्र

(C) केवल उधार शब्द

(D) विपरीत अर्थक शब्द

३७. समधर्मी शब्द कैं भाषा-परिवारक दृष्टिसँ केना बुझल जाए?

(A) विपरीत अर्थक शब्द

(B) समान वर्तनी मात्र

(C) केवल उधार शब्द

(D) समान पूर्वज रूपसँ निकलल सम्बन्धित शब्द

३८. समधर्मी शब्द पर संक्षिप्त सही परिभाषा की अछि?

(A) समान वर्तनी मात्र

(B) केवल उधार शब्द

(C) विपरीत अर्थक शब्द

(D) समान पूर्वज रूपसँ निकलल सम्बन्धित शब्द

३९. समधर्मी शब्द पर तुलनात्मक भाषाविज्ञानक दृष्टि सँ सही विकल्प चुनू।

(A) केवल उधार शब्द

(B) समान पूर्वज रूपसँ निकलल सम्बन्धित शब्द

(C) समान वर्तनी मात्र

(D) विपरीत अर्थक शब्द

४०. समधर्मी शब्द विषयक मुख्य बात की अछि?

(A) केवल उधार शब्द

(B) समान वर्तनी मात्र

(C) विपरीत अर्थक शब्द

(D) समान पूर्वज रूपसँ निकलल सम्बन्धित शब्द

४१. ध्वनि-साम्य सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) नियमित ध्वनि-सम्बन्धक प्रमाण

(B) आकस्मिक शोर

(C) संगीतक ताल

(D) लिपिक रंग

४२. ध्वनि-साम्य विषयक परीक्षा-योग्य उत्तर की अछि?

(A) नियमित ध्वनि-सम्बन्धक प्रमाण

(B) लिपिक रंग

(C) संगीतक ताल

(D) आकस्मिक शोर

४३. ध्वनि-साम्य कैं मैथिलीक स्थान बुझबामे कोन रूपैं देखल जाए?

(A) नियमित ध्वनि-सम्बन्धक प्रमाण

(B) लिपिक रंग

(C) आकस्मिक शोर

(D) संगीतक ताल

४४. ध्वनि-साम्य पर आधारित सही विकल्प चुनू।

(A) लिपिक रंग

(B) नियमित ध्वनि-सम्बन्धक प्रमाण

(C) संगीतक ताल

(D) आकस्मिक शोर

४५. ध्वनि-साम्य सम्बन्धी कारण-फलमे सही उत्तर चुनू।

(A) आकस्मिक शोर

(B) संगीतक ताल

(C) नियमित ध्वनि-सम्बन्धक प्रमाण

(D) लिपिक रंग

४६. ध्वनि-साम्य विषयक गलत धारणा सँ बचि सही कथन चुनू।

(A) आकस्मिक शोर

(B) नियमित ध्वनि-सम्बन्धक प्रमाण

(C) लिपिक रंग

(D) संगीतक ताल

४७. ध्वनि-साम्य कैं भाषा-परिवारक दृष्टिसँ केना बुझल जाए?

(A) आकस्मिक शोर

(B) संगीतक ताल

(C) लिपिक रंग

(D) नियमित ध्वनि-सम्बन्धक प्रमाण

४८. ध्वनि-साम्य पर संक्षिप्त सही परिभाषा की अछि?

(A) आकस्मिक शोर

(B) नियमित ध्वनि-सम्बन्धक प्रमाण

(C) लिपिक रंग

(D) संगीतक ताल

४९. ध्वनि-साम्य पर तुलनात्मक भाषाविज्ञानक दृष्टि सँ सही विकल्प चुनू।

(A) लिपिक रंग

(B) संगीतक ताल

(C) नियमित ध्वनि-सम्बन्धक प्रमाण

(D) आकस्मिक शोर

५०. ध्वनि-साम्य विषयक मुख्य बात की अछि?

(A) आकस्मिक शोर

(B) संगीतक ताल

(C) लिपिक रंग

(D) नियमित ध्वनि-सम्बन्धक प्रमाण

५१. व्याकरणिक साम्य सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) रूप, प्रत्यय, क्रिया आ वाक्यक साम्य

(B) एके पोशाक

(C) केवल देशक सीमा

(D) एके कागज

५२. व्याकरणिक साम्य विषयक परीक्षा-योग्य उत्तर की अछि?

(A) रूप, प्रत्यय, क्रिया आ वाक्यक साम्य

(B) केवल देशक सीमा

(C) एके पोशाक

(D) एके कागज

५३. व्याकरणिक साम्य कैँ मैथिलीक स्थान बुझबामे कोन रूपैँ देखल जाए?

(A) रूप, प्रत्यय, क्रिया आ वाक्यक साम्य

(B) केवल देशक सीमा

(C) एके पोशाक

(D) एके कागज

५४. व्याकरणिक साम्य पर आधारित सही विकल्प चुनू।

(A) एके कागज

(B) रूप, प्रत्यय, क्रिया आ वाक्यक साम्य

(C) एके पोशाक

(D) केवल देशक सीमा

५५. व्याकरणिक साम्य सम्बन्धी कारण-फलमे सही उत्तर चुनू।

(A) एके कागज

(B) एके पोशाक

(C) केवल देशक सीमा

(D) रूप, प्रत्यय, क्रिया आ वाक्यक साम्य

५६. व्याकरणिक साम्य विषयक गलत धारणा सँ बचि सही कथन चुनू।

(A) एके कागज

(B) रूप, प्रत्यय, क्रिया आ वाक्यक साम्य

(C) केवल देशक सीमा

(D) एके पोशाक

५७. व्याकरणिक साम्य कैं भाषा-परिवारक दृष्टिसँ केना बुझल जाए?

(A) एके पोशाक

(B) एके कागज

(C) रूप, प्रत्यय, क्रिया आ वाक्यक साम्य

(D) केवल देशक सीमा

५८. व्याकरणिक साम्य पर संक्षिप्त सही परिभाषा की अछि?

(A) रूप, प्रत्यय, क्रिया आ वाक्यक साम्य

(B) केवल देशक सीमा

(C) एके पोशाक

(D) एके कागज

५९. व्याकरणिक साम्य पर तुलनात्मक भाषाविज्ञानक दृष्टि सँ सही विकल्प चुनू।

(A) केवल देशक सीमा

(B) रूप, प्रत्यय, क्रिया आ वाक्यक साम्य

(C) एके पोशाक

(D) एके कागज

६०. व्याकरणिक साम्य विषयक मुख्य बात की अछि?

(A) केवल देशक सीमा

(B) एके कागज

(C) रूप, प्रत्यय, क्रिया आ वाक्यक साम्य

(D) एके पोशाक

६१. उधार शब्द सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) लिपिक नाम

(B) मौन संकेत

(C) सम्पर्कसँ दोसर भाषासँ आयल शब्द

(D) वंशगत सम्बन्धक अकेला प्रमाण

६२. उधार शब्द विषयक परीक्षा-योग्य उत्तर की अछि?

(A) लिपिक नाम

(B) वंशगत सम्बन्धक अकेला प्रमाण

(C) मौन संकेत

(D) सम्पर्कसँ दोसर भाषासँ आयल शब्द

६३. उधार शब्द कैं मैथिलीक स्थान बुझबामे कोन रूपैं देखल जाए?

(A) सम्पर्कसँ दोसर भाषासँ आयल शब्द

(B) मौन संकेत

(C) लिपिक नाम

(D) वंशगत सम्बन्धक अकेला प्रमाण

६४. उधार शब्द पर आधारित सही विकल्प चुनू।

(A) लिपिक नाम

(B) मौन संकेत

(C) वंशगत सम्बन्धक अकेला प्रमाण

(D) सम्पर्कसँ दोसर भाषासँ आयल शब्द

६५. उधार शब्द सम्बन्धी कारण-फलमे सही उत्तर चुनू।

(A) वंशगत सम्बन्धक अकेला प्रमाण

(B) सम्पर्कसँ दोसर भाषासँ आयल शब्द

(C) मौन संकेत

(D) लिपिक नाम

६६. उधार शब्द विषयक गलत धारणा सँ बचि सही कथन चुनू।

(A) लिपिक नाम

(B) मौन संकेत

(C) सम्पर्कसँ दोसर भाषासँ आयल शब्द

(D) वंशगत सम्बन्धक अकेला प्रमाण

६७. उधार शब्द कैँ भाषा-परिवारक दृष्टिसँ केना बुझल जाए?

(A) मौन संकेत

(B) वंशगत सम्बन्धक अकेला प्रमाण

(C) लिपिक नाम

(D) सम्पर्कसँ दोसर भाषासँ आयल शब्द

६८. उधार शब्द पर संक्षिप्त सही परिभाषा की अछि?

(A) वंशगत सम्बन्धक अकेला प्रमाण

(B) मौन संकेत

(C) लिपिक नाम

(D) सम्पर्कसँ दोसर भाषासँ आयल शब्द

६९. उधार शब्द पर तुलनात्मक भाषाविज्ञानक दृष्टि सँ सही विकल्प चुनू।

(A) सम्पर्कसँ दोसर भाषासँ आयल शब्द

(B) लिपिक नाम

(C) मौन संकेत

(D) वंशगत सम्बन्धक अकेला प्रमाण

७०. उधार शब्द विषयक मुख्य बात की अछि?

(A) मौन संकेत

(B) वंशगत सम्बन्धक अकेला प्रमाण

(C) सम्पर्कसँ दोसर भाषासँ आयल शब्द

(D) लिपिक नाम

७१. लिपि आ भाषा सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) लिपि बदललासँ परिवार बदलैत

(B) लिपिए भाषा-परिवार छी

(C) लिपि बिना भाषा रहिये नहि सकैत

(D) लिपि भाषा लिखबाक साधन छी

७२. लिपि आ भाषा विषयक परीक्षा-योग्य उत्तर की अछि?

(A) लिपि बिना भाषा रहिये नहि सकैत

(B) लिपिए भाषा-परिवार छी

(C) लिपि बदललासँ परिवार बदलैत

(D) लिपि भाषा लिखबाक साधन छी

७३. लिपि आ भाषा कैँ मैथिलीक स्थान बुझबामे कोन रूपैँ देखल जाए?

(A) लिपि बदललासँ परिवार बदलैत

(B) लिपिए भाषा-परिवार छी

(C) लिपि भाषा लिखबाक साधन छी

(D) लिपि बिना भाषा रहिये नहि सकैत

७४. लिपि आ भाषा पर आधारित सही विकल्प चुनू।

(A) लिपि बिना भाषा रहिये नहि सकैत

(B) लिपि बदललासँ परिवार बदलैत

(C) लिपि भाषा लिखबाक साधन छी

(D) लिपिए भाषा-परिवार छी

७५. लिपि आ भाषा सम्बन्धी कारण-फलमे सही उत्तर चुनू।

(A) लिपि बदललासँ परिवार बदलैत

(B) लिपिए भाषा-परिवार छी

(C) लिपि भाषा लिखबाक साधन छी

(D) लिपि बिना भाषा रहिये नहि सकैत

७६. लिपि आ भाषा विषयक गलत धारणा सँ बचि सही कथन चुनू।

(A) लिपिए भाषा-परिवार छी

(B) लिपि भाषा लिखबाक साधन छी

(C) लिपि बदललासँ परिवार बदलैत

(D) लिपि बिना भाषा रहिये नहि सकैत

७७. लिपि आ भाषा कैँ भाषा-परिवारक दृष्टिसँ केना बुझल जाए?

(A) लिपि बदललासँ परिवार बदलैत

(B) लिपि बिना भाषा रहिये नहि सकैत

(C) लिपि भाषा लिखबाक साधन छी

(D) लिपिए भाषा-परिवार छी

७८. लिपि आ भाषा पर संक्षिप्त सही परिभाषा की अछि?

(A) लिपि भाषा लिखबाक साधन छी

(B) लिपि बदललासँ परिवार बदलैत

(C) लिपि बिना भाषा रहिये नहि सकैत

(D) लिपिए भाषा-परिवार छी

७९. लिपि आ भाषा पर तुलनात्मक भाषाविज्ञानक दृष्टि सँ सही विकल्प चुनू।

(A) लिपिए भाषा-परिवार छी

(B) लिपि भाषा लिखबाक साधन छी

(C) लिपि बदललासँ परिवार बदलैत

(D) लिपि बिना भाषा रहिये नहि सकैत

८०. लिपि आ भाषा विषयक मुख्य बात की अछि?

(A) लिपि बदललासँ परिवार बदलैत

(B) लिपिए भाषा-परिवार छी

(C) लिपि बिना भाषा रहिये नहि सकैत

(D) लिपि भाषा लिखबाक साधन छी

८१. भाषिक प्रमाण सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) मात्र लिखावट

(B) लोककथा मात्र

(C) नक्शाक रंग

(D) ध्वनि, रूप, शब्द, वाक्य आ इतिहासक संयुक्त आधार

८२. भाषिक प्रमाण विषयक परीक्षा-योग्य उत्तर की अछि?

(A) मात्र लिखावट

(B) ध्वनि, रूप, शब्द, वाक्य आ इतिहासक संयुक्त आधार

(C) नक्शाक रंग

(D) लोककथा मात्र

८३. भाषिक प्रमाण कैँ मैथिलीक स्थान बुझबामे कोन रूपेँ देखल जाए?

(A) लोककथा मात्र

(B) मात्र लिखावट

(C) नक्शाक रंग

(D) ध्वनि, रूप, शब्द, वाक्य आ इतिहासक संयुक्त आधार

८४. भाषिक प्रमाण पर आधारित सही विकल्प चुनू।

(A) लोककथा मात्र

(B) ध्वनि, रूप, शब्द, वाक्य आ इतिहासक संयुक्त आधार

(C) नक्शाक रंग

(D) मात्र लिखावट

८५. भाषिक प्रमाण सम्बन्धी कारण-फलमे सही उत्तर चुनू।

(A) मात्र लिखावट

(B) लोककथा मात्र

(C) नक्शाक रंग

(D) ध्वनि, रूप, शब्द, वाक्य आ इतिहासक संयुक्त आधार

८६. भाषिक प्रमाण विषयक गलत धारणा सँ बचि सही कथन चुनू।

(A) नक्शाक रंग

(B) लोककथा मात्र

(C) मात्र लिखावट

(D) ध्वनि, रूप, शब्द, वाक्य आ इतिहासक संयुक्त आधार

८७. भाषिक प्रमाण कैँ भाषा-परिवारक दृष्टिसँ केना बुझल जाए?

(A) ध्वनि, रूप, शब्द, वाक्य आ इतिहासक संयुक्त आधार

(B) मात्र लिखावट

(C) नक्शाक रंग

(D) लोककथा मात्र

८८. भाषिक प्रमाण पर संक्षिप्त सही परिभाषा की अछि?

(A) नक्शाक रंग

(B) मात्र लिखावट

(C) ध्वनि, रूप, शब्द, वाक्य आ इतिहासक संयुक्त आधार

(D) लोककथा मात्र

८९. भाषिक प्रमाण पर तुलनात्मक भाषाविज्ञानक दृष्टि सँ सही विकल्प चुनू।

(A) मात्र लिखावट

(B) लोककथा मात्र

(C) नक्शाक रंग

(D) ध्वनि, रूप, शब्द, वाक्य आ इतिहासक संयुक्त आधार

९०. भाषिक प्रमाण विषयक मुख्य बात की अछि?

(A) लोककथा मात्र

(B) ध्वनि, रूप, शब्द, वाक्य आ इतिहासक संयुक्त आधार

(C) मात्र लिखावट

(D) नक्शाक रंग

९१. मैथिलीक मूल स्थान सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) जर्मनिक यूरोपीय शाखा

(B) तिब्बती-बर्मी पहाड़ी समूह

(C) भारोपीय परिवारक हिन्द-आर्य शाखाक पूर्वी क्षेत्र

(D) द्रविड़ दक्षिणी समूह

९२. मैथिलीक मूल स्थान विषयक परीक्षा-योग्य उत्तर की अछि?

(A) तिब्बती-बर्मी पहाड़ी समूह

(B) द्रविड़ दक्षिणी समूह

(C) जर्मनिक यूरोपीय शाखा

(D) भारोपीय परिवारक हिन्द-आर्य शाखाक पूर्वी क्षेत्र

९३. मैथिलीक मूल स्थान कैँ मैथिलीक स्थान बुझबामे कोन रूपेँ देखल जाए?

(A) तिब्बती-बर्मी पहाड़ी समूह

(B) भारोपीय परिवारक हिन्द-आर्य शाखाक पूर्वी क्षेत्र

(C) द्रविड़ दक्षिणी समूह

(D) जर्मनिक यूरोपीय शाखा

९४. मैथिलीक मूल स्थान पर आधारित सही विकल्प चुनू।

(A) द्रविड़ दक्षिणी समूह

(B) तिब्बती-बर्मी पहाड़ी समूह

(C) जर्मनिक यूरोपीय शाखा

(D) भारोपीय परिवारक हिन्द-आर्य शाखाक पूर्वी क्षेत्र

९५. मैथिलीक मूल स्थान सम्बन्धी कारण-फलमे सही उत्तर चुनू।

(A) द्रविड़ दक्षिणी समूह

(B) जर्मनिक यूरोपीय शाखा

(C) भारोपीय परिवारक हिन्द-आर्य शाखाक पूर्वी क्षेत्र

(D) तिब्बती-बर्मी पहाड़ी समूह

९६. मैथिलीक मूल स्थान विषयक गलत धारणा सँ बचि सही कथन चुनू।

(A) द्रविड़ दक्षिणी समूह

(B) तिब्बती-बर्मी पहाड़ी समूह

(C) जर्मनिक यूरोपीय शाखा

(D) भारोपीय परिवारक हिन्द-आर्य शाखाक पूर्वी क्षेत्र

९७. मैथिलीक मूल स्थान कैँ भाषा-परिवारक दृष्टिसँ केना बुझल जाए?

(A) भारोपीय परिवारक हिन्द-आर्य शाखाक पूर्वी क्षेत्र

(B) द्रविड़ दक्षिणी समूह

(C) जर्मनिक यूरोपीय शाखा

(D) तिब्बती-बर्मी पहाड़ी समूह

९८. मैथिलीक मूल स्थान पर संक्षिप्त सही परिभाषा की अछि?

(A) जर्मनिक यूरोपीय शाखा

(B) भारोपीय परिवारक हिन्द-आर्य शाखाक पूर्वी क्षेत्र

(C) द्रविड़ दक्षिणी समूह

(D) तिब्बती-बर्मी पहाड़ी समूह

९९. मैथिलीक मूल स्थान पर तुलनात्मक भाषाविज्ञानक दृष्टि सँ सही विकल्प चुनू।

(A) तिब्बती-बर्मी पहाड़ी समूह

(B) भारोपीय परिवारक हिन्द-आर्य शाखाक पूर्वी क्षेत्र

(C) जर्मनिक यूरोपीय शाखा

(D) द्रविड़ दक्षिणी समूह

१००. मैथिलीक मूल स्थान विषयक मुख्य बात की अछि?

(A) भारोपीय परिवारक हिन्द-आर्य शाखाक पूर्वी क्षेत्र

(B) द्रविड़ दक्षिणी समूह

(C) तिब्बती-बर्मी पहाड़ी समूह

(D) जर्मनिक यूरोपीय शाखा

१०१. भारोपीय परिवार सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) केवल मैथिली लिपि

(B) विश्वक विस्तृत भाषा-परिवार जाहिमे हिन्द-आर्य सेहो अछि

(C) द्रविड़ भाषाक समूह

(D) एक नाट्य-शैली

१०२. भारोपीय परिवार विषयक परीक्षा-योग्य उत्तर की अछि?

(A) केवल मैथिली लिपि

(B) द्रविड़ भाषाक समूह

(C) एक नाट्य-शैली

(D) विश्वक विस्तृत भाषा-परिवार जाहिमे हिन्द-आर्य सेहो अछि

१०३. भारोपीय परिवार कैँ मैथिलीक स्थान बुझबामे कोन रूपेँ देखल जाए?

(A) केवल मैथिली लिपि

(B) द्रविड़ भाषाक समूह

(C) विश्वक विस्तृत भाषा-परिवार जाहिमे हिन्द-आर्य सेहो अछि

(D) एक नाट्य-शैली

१०४. भारोपीय परिवार पर आधारित सही विकल्प चुनू।

(A) विश्वक विस्तृत भाषा-परिवार जाहिमे हिन्द-आर्य सेहो अछि

(B) केवल मैथिली लिपि

(C) द्रविड़ भाषाक समूह

(D) एक नाट्य-शैली

१०५. भारोपीय परिवार सम्बन्धी कारण-फलमे सही उत्तर चुनू।

(A) केवल मैथिली लिपि

(B) द्रविड़ भाषाक समूह

(C) विश्वक विस्तृत भाषा-परिवार जाहिमे हिन्द-आर्य सेहो अछि

(D) एक नाट्य-शैली

१०६. भारोपीय परिवार विषयक गलत धारणा सँ बचि सही कथन चुनू।

(A) विश्वक विस्तृत भाषा-परिवार जाहिमे हिन्द-आर्य सेहो अछि

(B) द्रविड़ भाषाक समूह

(C) केवल मैथिली लिपि

(D) एक नाट्य-शैली

१०७. भारोपीय परिवार कैँ भाषा-परिवारक दृष्टिसँ केना बुझल जाए?

(A) केवल मैथिली लिपि

(B) एक नाट्य-शैली

(C) विश्वक विस्तृत भाषा-परिवार जाहिमे हिन्द-आर्य सेहो अछि

(D) द्रविड़ भाषाक समूह

१०८. भारोपीय परिवार पर संक्षिप्त सही परिभाषा की अछि?

(A) केवल मैथिली लिपि

(B) एक नाट्य-शैली

(C) द्रविड़ भाषाक समूह

(D) विश्वक विस्तृत भाषा-परिवार जाहिमे हिन्द-आर्य सेहो अछि

१०९. भारोपीय परिवार पर तुलनात्मक भाषाविज्ञानक दृष्टि सँ सही विकल्प चुनू।

(A) द्रविड़ भाषाक समूह

(B) विश्वक विस्तृत भाषा-परिवार जाहिमे हिन्द-आर्य सेहो अछि

(C) केवल मैथिली लिपि

(D) एक नाट्य-शैली

११०. भारोपीय परिवार विषयक मुख्य बात की अछि?

(A) द्रविड़ भाषाक समूह

(B) एक नाट्य-शैली

(C) विश्वक विस्तृत भाषा-परिवार जाहिमे हिन्द-आर्य सेहो अछि

(D) केवल मैथिली लिपि

१११. शाखा सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) राजनीतिक दल

(B) गाछक डारि मात्र

(C) लिपिक बिन्दु

(D) भाषा-परिवारक भीतर निकट सम्बन्धित समूह

११२. शाखा विषयक परीक्षा-योग्य उत्तर की अछि?

(A) लिपिक बिन्दु

(B) भाषा-परिवारक भीतर निकट सम्बन्धित समूह

(C) राजनीतिक दल

(D) गाछक डारि मात्र

११३. शाखा कैँ मैथिलीक स्थान बुझबामे कोन रूपेँ देखल जाए?

(A) भाषा-परिवारक भीतर निकट सम्बन्धित समूह

(B) राजनीतिक दल

(C) लिपिक बिन्दु

(D) गाछक डारि मात्र

११४. शाखा पर आधारित सही विकल्प चुनू।

(A) भाषा-परिवारक भीतर निकट सम्बन्धित समूह

(B) गाछक डारि मात्र

(C) राजनीतिक दल

(D) लिपिक बिन्दु

११५. शाखा सम्बन्धी कारण-फलमे सही उत्तर चुनू।

(A) लिपिक बिन्दु

(B) राजनीतिक दल

(C) गाछक डारि मात्र

(D) भाषा-परिवारक भीतर निकट सम्बन्धित समूह

११६. शाखा विषयक गलत धारणा सँ बचि सही कथन चुनू।

(A) लिपिक बिन्दु

(B) राजनीतिक दल

(C) भाषा-परिवारक भीतर निकट सम्बन्धित समूह

(D) गाछक डारि मात्र

११७. शाखा कैँ भाषा-परिवारक दृष्टिसँ केना बुझल जाए?

(A) लिपिक बिन्दु

(B) राजनीतिक दल

(C) गाछक डारि मात्र

(D) भाषा-परिवारक भीतर निकट सम्बन्धित समूह

११८. शाखा पर संक्षिप्त सही परिभाषा की अछि?

(A) गाछक डारि मात्र

(B) राजनीतिक दल

(C) लिपिक बिन्दु

(D) भाषा-परिवारक भीतर निकट सम्बन्धित समूह

११९. शाखा पर तुलनात्मक भाषाविज्ञानक दृष्टि सँ सही विकल्प चुनू।

(A) भाषा-परिवारक भीतर निकट सम्बन्धित समूह

(B) गाछक डारि मात्र

(C) राजनीतिक दल

(D) लिपिक बिन्दु

१२०. शाखा विषयक मुख्य बात की अछि?

(A) गाछक डारि मात्र

(B) भाषा-परिवारक भीतर निकट सम्बन्धित समूह

(C) लिपिक बिन्दु

(D) राजनीतिक दल

१२१. उपशाखा सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) लिपि-सूची

(B) शासन-आदेश

(C) मुख्य शाखाक भीतर आरो निकट समूह

(D) कविता-छन्द

१२२. उपशाखा विषयक परीक्षा-योग्य उत्तर की अछि?

(A) कविता-छन्द

(B) लिपि-सूची

(C) मुख्य शाखाक भीतर आरो निकट समूह

(D) शासन-आदेश

१२३. उपशाखा कैं मैथिलीक स्थान बुझबामे कोन रूपैं देखल जाए?

(A) कविता-छन्द

(B) शासन-आदेश

(C) मुख्य शाखाक भीतर आरो निकट समूह

(D) लिपि-सूची

१२४. उपशाखा पर आधारित सही विकल्प चुनू।

(A) मुख्य शाखाक भीतर आरो निकट समूह

(B) शासन-आदेश

(C) लिपि-सूची

(D) कविता-छन्द

१२५. उपशाखा सम्बन्धी कारण-फलमे सही उत्तर चुनू।

(A) मुख्य शाखाक भीतर आरो निकट समूह

(B) कविता-छन्द

(C) शासन-आदेश

(D) लिपि-सूची

१२६. उपशाखा विषयक गलत धारणा सँ बचि सही कथन चुनू।

(A) शासन-आदेश

(B) लिपि-सूची

(C) कविता-छन्द

(D) मुख्य शाखाक भीतर आरो निकट समूह

१२७. उपशाखा कैं भाषा-परिवारक दृष्टिसँ केना बुझल जाए?

(A) मुख्य शाखाक भीतर आरो निकट समूह

(B) लिपि-सूची

(C) कविता-छन्द

(D) शासन-आदेश

१२८. उपशाखा पर संक्षिप्त सही परिभाषा की अछि?

(A) शासन-आदेश

(B) कविता-छन्द

(C) लिपि-सूची

(D) मुख्य शाखाक भीतर आरो निकट समूह

१२९. उपशाखा पर तुलनात्मक भाषाविज्ञानक दृष्टि सँ सही विकल्प चुनू।

(A) शासन-आदेश

(B) मुख्य शाखाक भीतर आरो निकट समूह

(C) लिपि-सूची

(D) कविता-छन्द

१३०. उपशाखा विषयक मुख्य बात की अछि?

(A) लिपि-सूची

(B) कविता-छन्द

(C) मुख्य शाखाक भीतर आरो निकट समूह

(D) शासन-आदेश

१३१. हिन्द-ईरानी शाखा सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) मौन संकेत

(B) केवल आधुनिक देशक नाम

(C) भारोपीय परिवारक शाखा जाहिसँ हिन्द-आर्य आ ईरानी धारा जुड़ैत अछि

(D) द्रविड़ उपशाखा

१३२. हिन्द-ईरानी शाखा विषयक परीक्षा-योग्य उत्तर की अछि?

(A) मौन संकेत

(B) भारोपीय परिवारक शाखा जाहिसँ हिन्द-आर्य आ ईरानी धारा जुड़ैत अछि

(C) द्रविड़ उपशाखा

(D) केवल आधुनिक देशक नाम

१३३. हिन्द-ईरानी शाखा कैँ मैथिलीक स्थान बुझबामे कोन रूपेँ देखल जाए?

(A) केवल आधुनिक देशक नाम

(B) द्रविड़ उपशाखा

(C) मौन संकेत

(D) भारोपीय परिवारक शाखा जाहिसँ हिन्द-आर्य आ ईरानी धारा जुड़ैत अछि

१३४. हिन्द-ईरानी शाखा पर आधारित सही विकल्प चुनू।

(A) केवल आधुनिक देशक नाम

(B) मौन संकेत

(C) भारोपीय परिवारक शाखा जाहिसँ हिन्द-आर्य आ ईरानी धारा जुड़ैत अछि

(D) द्रविड़ उपशाखा

१३५. हिन्द-ईरानी शाखा सम्बन्धी कारण-फलमे सही उत्तर चुनू।

(A) मौन संकेत

(B) भारोपीय परिवारक शाखा जाहिसँ हिन्द-आर्य आ ईरानी धारा जुड़ैत अछि

(C) केवल आधुनिक देशक नाम

(D) द्रविड़ उपशाखा

१३६. हिन्द-ईरानी शाखा विषयक गलत धारणा सँ बचि सही कथन चुनू।

(A) केवल आधुनिक देशक नाम

(B) मौन संकेत

(C) द्रविड़ उपशाखा

(D) भारोपीय परिवारक शाखा जाहिसँ हिन्द-आर्य आ ईरानी धारा जुड़ैत अछि

१३७. हिन्द-ईरानी शाखा कैँ भाषा-परिवारक दृष्टिसँ केना बुझल जाए?

(A) भारोपीय परिवारक शाखा जाहिसँ हिन्द-आर्य आ ईरानी धारा जुड़ैत अछि

(B) द्रविड़ उपशाखा

(C) केवल आधुनिक देशक नाम

(D) मौन संकेत

१३८. हिन्द-ईरानी शाखा पर संक्षिप्त सही परिभाषा की अछि?

(A) मौन संकेत

(B) केवल आधुनिक देशक नाम

(C) द्रविड़ उपशाखा

(D) भारोपीय परिवारक शाखा जाहिसँ हिन्द-आर्य आ ईरानी धारा जुड़ैत अछि

१३९. हिन्द-ईरानी शाखा पर तुलनात्मक भाषाविज्ञानक दृष्टि सँ सही विकल्प चुनू।

(A) केवल आधुनिक देशक नाम

(B) भारोपीय परिवारक शाखा जाहिसँ हिन्द-आर्य आ ईरानी धारा जुड़ैत अछि

(C) द्रविड़ उपशाखा

(D) मौन संकेत

१४०. हिन्द-ईरानी शाखा विषयक मुख्य बात की अछि?

(A) द्रविड़ उपशाखा

(B) भारोपीय परिवारक शाखा जाहिसँ हिन्द-आर्य आ ईरानी धारा जुड़ैत अछि

(C) मौन संकेत

(D) केवल आधुनिक देशक नाम

१४१. हिन्द-आर्य शाखा सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) भारतीय आर्य भाषासभक निकट वंशगत धारा

(B) तिब्बती-बर्मी शाखा

(C) जर्मनिक शाखा

(D) केवल लिपि-परिवार

१४२. हिन्द-आर्य शाखा विषयक परीक्षा-योग्य उत्तर की अछि?

(A) जर्मनिक शाखा

(B) भारतीय आर्य भाषासभक निकट वंशगत धारा

(C) तिब्बती-बर्मी शाखा

(D) केवल लिपि-परिवार

१४३. हिन्द-आर्य शाखा कैँ मैथिलीक स्थान बुझबामे कोन रूपैँ देखल जाए?

(A) केवल लिपि-परिवार

(B) भारतीय आर्य भाषासभक निकट वंशगत धारा

(C) जर्मनिक शाखा

(D) तिब्बती-बर्मी शाखा

१४४. हिन्द-आर्य शाखा पर आधारित सही विकल्प चुनू।

(A) भारतीय आर्य भाषासभक निकट वंशगत धारा

(B) जर्मनिक शाखा

(C) केवल लिपि-परिवार

(D) तिब्बती-बर्मी शाखा

१४५. हिन्द-आर्य शाखा सम्बन्धी कारण-फलमे सही उत्तर चुनू।

(A) केवल लिपि-परिवार

(B) तिब्बती-बर्मी शाखा

(C) जर्मनिक शाखा

(D) भारतीय आर्य भाषासभक निकट वंशगत धारा

१४६. हिन्द-आर्य शाखा विषयक गलत धारणा सँ बचि सही कथन चुनू।

(A) तिब्बती-बर्मी शाखा

(B) भारतीय आर्य भाषासभक निकट वंशगत धारा

(C) केवल लिपि-परिवार

(D) जर्मनिक शाखा

१४७. हिन्द-आर्य शाखा कैँ भाषा-परिवारक दृष्टिसँ केना बुझल जाए?

(A) भारतीय आर्य भाषासभक निकट वंशगत धारा

(B) जर्मनिक शाखा

(C) तिब्बती-बर्मी शाखा

(D) केवल लिपि-परिवार

१४८. हिन्द-आर्य शाखा पर संक्षिप्त सही परिभाषा की अछि?

(A) जर्मनिक शाखा

(B) केवल लिपि-परिवार

(C) भारतीय आर्य भाषासभक निकट वंशगत धारा

(D) तिब्बती-बर्मी शाखा

१४९. हिन्द-आर्य शाखा पर तुलनात्मक भाषाविज्ञानक दृष्टि सँ सही विकल्प चुनू।

(A) भारतीय आर्य भाषासभक निकट वंशगत धारा

(B) जर्मनिक शाखा

(C) तिब्बती-बर्मी शाखा

(D) केवल लिपि-परिवार

१५०. हिन्द-आर्य शाखा विषयक मुख्य बात की अछि?

(A) भारतीय आर्य भाषासभक निकट वंशगत धारा

(B) केवल लिपि-परिवार

(C) तिब्बती-बर्मी शाखा

(D) जर्मनिक शाखा

१५१. पूर्वी हिन्द-आर्य सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) पश्चिमी यूरोपक शाखा

(B) केवल लोकगीत

(C) दक्षिणी द्रविड़ समूह

(D) पूर्वी भारतक आर्य भाषासभक समूह

१५२. पूर्वी हिन्द-आर्य विषयक परीक्षा-योग्य उत्तर की अछि?

(A) पूर्वी भारतक आर्य भाषासभक समूह

(B) केवल लोकगीत

(C) पश्चिमी यूरोपक शाखा

(D) दक्षिणी द्रविड़ समूह

१५३. पूर्वी हिन्द-आर्य कैं मैथिलीक स्थान बुझबामे कोन रूपैं देखल जाए?

(A) केवल लोकगीत

(B) पश्चिमी यूरोपक शाखा

(C) पूर्वी भारतक आर्य भाषासभक समूह

(D) दक्षिणी द्रविड़ समूह

१५४. पूर्वी हिन्द-आर्य पर आधारित सही विकल्प चुनू।

(A) पूर्वी भारतक आर्य भाषासभक समूह

(B) पश्चिमी यूरोपक शाखा

(C) दक्षिणी द्रविड़ समूह

(D) केवल लोकगीत

१५५. पूर्वी हिन्द-आर्य सम्बन्धी कारण-फलमे सही उत्तर चुनू।

(A) पूर्वी भारतक आर्य भाषासभक समूह

(B) केवल लोकगीत

(C) पश्चिमी यूरोपक शाखा

(D) दक्षिणी द्रविड़ समूह

१५६. पूर्वी हिन्द-आर्य विषयक गलत धारणा सँ बचि सही कथन चुनू।

(A) दक्षिणी द्रविड़ समूह

(B) पश्चिमी यूरोपक शाखा

(C) केवल लोकगीत

(D) पूर्वी भारतक आर्य भाषासभक समूह

१५७. पूर्वी हिन्द-आर्य कैं भाषा-परिवारक दृष्टिसँ केना बुझल जाए?

(A) पूर्वी भारतक आर्य भाषासभक समूह

(B) दक्षिणी द्रविड़ समूह

(C) पश्चिमी यूरोपक शाखा

(D) केवल लोकगीत

१५८. पूर्वी हिन्द-आर्य पर संक्षिप्त सही परिभाषा की अछि?

(A) पूर्वी भारतक आर्य भाषासभक समूह

(B) दक्षिणी द्रविड़ समूह

(C) केवल लोकगीत

(D) पश्चिमी यूरोपक शाखा

१५९. पूर्वी हिन्द-आर्य पर तुलनात्मक भाषाविज्ञानक दृष्टि सँ सही विकल्प चुनू।

(A) पूर्वी भारतक आर्य भाषासभक समूह

(B) केवल लोकगीत

(C) दक्षिणी द्रविड़ समूह

(D) पश्चिमी यूरोपक शाखा

१६०. पूर्वी हिन्द-आर्य विषयक मुख्य बात की अछि?

(A) दक्षिणी द्रविड़ समूह

(B) पश्चिमी यूरोपक शाखा

(C) पूर्वी भारतक आर्य भाषासभक समूह

(D) केवल लोकगीत

१६१. विस्तृत परिवार सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) मिथिला क्षेत्र मात्र

(B) पत्रिका-सूची

(C) घरक कुलनाम

(D) भारोपीय स्तर पर मैथिलीक दूरस्थ सम्बन्ध

१६२. विस्तृत परिवार विषयक परीक्षा-योग्य उत्तर की अछि?

(A) पत्रिका-सूची

(B) भारोपीय स्तर पर मैथिलीक दूरस्थ सम्बन्ध

(C) मिथिला क्षेत्र मात्र

(D) घरक कुलनाम

१६३. विस्तृत परिवार कैँ मैथिलीक स्थान बुझबामे कोन रूपैँ देखल जाए?

(A) घरक कुलनाम

(B) भारोपीय स्तर पर मैथिलीक दूरस्थ सम्बन्ध

(C) मिथिला क्षेत्र मात्र

(D) पत्रिका-सूची

१६४. विस्तृत परिवार पर आधारित सही विकल्प चुनू।

(A) पत्रिका-सूची

(B) भारोपीय स्तर पर मैथिलीक दूरस्थ सम्बन्ध

(C) घरक कुलनाम

(D) मिथिला क्षेत्र मात्र

१६५. विस्तृत परिवार सम्बन्धी कारण-फलमे सही उत्तर चुनू।

(A) पत्रिका-सूची

(B) मिथिला क्षेत्र मात्र

(C) घरक कुलनाम

(D) भारोपीय स्तर पर मैथिलीक दूरस्थ सम्बन्ध

१६६. विस्तृत परिवार विषयक गलत धारणा सँ बचि सही कथन चुनू।

(A) भारोपीय स्तर पर मैथिलीक दूरस्थ सम्बन्ध

(B) मिथिला क्षेत्र मात्र

(C) पत्रिका-सूची

(D) घरक कुलनाम

१६७. विस्तृत परिवार कैँ भाषा-परिवारक दृष्टिसँ केना बुझल जाए?

(A) घरक कुलनाम

(B) पत्रिका-सूची

(C) भारोपीय स्तर पर मैथिलीक दूरस्थ सम्बन्ध

(D) मिथिला क्षेत्र मात्र

१६८. विस्तृत परिवार पर संक्षिप्त सही परिभाषा की अछि?

(A) मिथिला क्षेत्र मात्र

(B) घरक कुलनाम

(C) भारोपीय स्तर पर मैथिलीक दूरस्थ सम्बन्ध

(D) पत्रिका-सूची

१६९. विस्तृत परिवार पर तुलनात्मक भाषाविज्ञानक दृष्टि सँ सही विकल्प चुनू।

(A) घरक कुलनाम

(B) पत्रिका-सूची

(C) मिथिला क्षेत्र मात्र

(D) भारोपीय स्तर पर मैथिलीक दूरस्थ सम्बन्ध

१७०. विस्तृत परिवार विषयक मुख्य बात की अछि?

(A) मिथिला क्षेत्र मात्र

(B) भारोपीय स्तर पर मैथिलीक दूरस्थ सम्बन्ध

(C) घरक कुलनाम

(D) पत्रिका-सूची

१७१. निकट परिवार सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) ईरानी उपनाम

(B) हिन्द-आर्य आ पूर्वी आर्य स्तरक सम्बन्ध

(C) चित्रलिपि

(D) जर्मनिक समूह

१७२. निकट परिवार विषयक परीक्षा-योग्य उत्तर की अछि?

(A) ईरानी उपनाम

(B) जर्मनिक समूह

(C) हिन्द-आर्य आ पूर्वी आर्य स्तरक सम्बन्ध

(D) चित्रलिपि

१७३. निकट परिवार कैँ मैथिलीक स्थान बुझबामे कोन रूपेँ देखल जाए?

(A) जर्मनिक समूह

(B) ईरानी उपनाम

(C) चित्रलिपि

(D) हिन्द-आर्य आ पूर्वी आर्य स्तरक सम्बन्ध

१७४. निकट परिवार पर आधारित सही विकल्प चुनू।

(A) हिन्द-आर्य आ पूर्वी आर्य स्तरक सम्बन्ध

(B) जर्मनिक समूह

(C) चित्रलिपि

(D) ईरानी उपनाम

१७५. निकट परिवार सम्बन्धी कारण-फलमे सही उत्तर चुनू।

(A) हिन्द-आर्य आ पूर्वी आर्य स्तरक सम्बन्ध

(B) जर्मनिक समूह

(C) ईरानी उपनाम

(D) चित्रलिपि

१७६. निकट परिवार विषयक गलत धारणा सँ बचि सही कथन चुनू।

(A) हिन्द-आर्य आ पूर्वी आर्य स्तरक सम्बन्ध

(B) चित्रलिपि

(C) जर्मनिक समूह

(D) ईरानी उपनाम

१७७. निकट परिवार कैँ भाषा-परिवारक दृष्टिसँ केना बुझल जाए?

(A) हिन्द-आर्य आ पूर्वी आर्य स्तरक सम्बन्ध

(B) ईरानी उपनाम

(C) जर्मनिक समूह

(D) चित्रलिपि

१७८. निकट परिवार पर संक्षिप्त सही परिभाषा की अछि?

(A) हिन्द-आर्य आ पूर्वी आर्य स्तरक सम्बन्ध

(B) जर्मनिक समूह

(C) चित्रलिपि

(D) ईरानी उपनाम

१७९. निकट परिवार पर तुलनात्मक भाषाविज्ञानक दृष्टि सँ सही विकल्प चुनू।

(A) जर्मनिक समूह

(B) हिन्द-आर्य आ पूर्वी आर्य स्तरक सम्बन्ध

(C) ईरानी उपनाम

(D) चित्रलिपि

१८०. निकट परिवार विषयक मुख्य बात की अछि?

(A) हिन्द-आर्य आ पूर्वी आर्य स्तरक सम्बन्ध

(B) चित्रलिपि

(C) जर्मनिक समूह

(D) ईरानी उपनाम

१८१. यूरोपीय शाखासभ सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) तिरहुता, देवनागरी, कैथी

(B) मगही, भोजपुरी, मैथिली मात्र

(C) ग्रीक, इतालिक, जर्मनिक, सेल्टिक, स्लाविक आदि

(D) दोहा, चौपाइ, रोला

१८२. यूरोपीय शाखासभ विषयक परीक्षा-योग्य उत्तर की अछि?

(A) मगही, भोजपुरी, मैथिली मात्र

(B) ग्रीक, इतालिक, जर्मनिक, सेल्टिक, स्लाविक आदि

(C) दोहा, चौपाइ, रोला

(D) तिरहुता, देवनागरी, कैथी

१८३. यूरोपीय शाखासभ कैँ मैथिलीक स्थान बुझबामे कोन रूपैँ देखल जाए?

(A) मगही, भोजपुरी, मैथिली मात्र

(B) तिरहुता, देवनागरी, कैथी

(C) ग्रीक, इतालिक, जर्मनिक, सेल्टिक, स्लाविक आदि

(D) दोहा, चौपाइ, रोला

१८४. यूरोपीय शाखासभ पर आधारित सही विकल्प चुनू।

(A) तिरहुता, देवनागरी, कैथी

(B) मगही, भोजपुरी, मैथिली मात्र

(C) दोहा, चौपाइ, रोला

(D) ग्रीक, इतालिक, जर्मनिक, सेल्टिक, स्लाविक आदि

१८५. यूरोपीय शाखासभ सम्बन्धी कारण-फलमे सही उत्तर चुनू।

(A) दोहा, चौपाइ, रोला

(B) तिरहुता, देवनागरी, कैथी

(C) ग्रीक, इतालिक, जर्मनिक, सेल्टिक, स्लाविक आदि

(D) मगही, भोजपुरी, मैथिली मात्र

१८६. यूरोपीय शाखासभ विषयक गलत धारणा सँ बचि सही कथन चुनू।

(A) ग्रीक, इतालिक, जर्मनिक, सेल्टिक, स्लाविक आदि

(B) दोहा, चौपाइ, रोला

(C) तिरहुता, देवनागरी, कैथी

(D) मगही, भोजपुरी, मैथिली मात्र

१८७. यूरोपीय शाखासभ कैँ भाषा-परिवारक दृष्टिसँ केना बुझल जाए?

(A) दोहा, चौपाइ, रोला

(B) मगही, भोजपुरी, मैथिली मात्र

(C) तिरहुता, देवनागरी, कैथी

(D) ग्रीक, इतालिक, जर्मनिक, सेल्टिक, स्लाविक आदि

१८८. यूरोपीय शाखासभ पर संक्षिप्त सही परिभाषा की अछि?

(A) तिरहुता, देवनागरी, कैथी

(B) ग्रीक, इतालिक, जर्मनिक, सेल्टिक, स्लाविक आदि

(C) दोहा, चौपाइ, रोला

(D) मगही, भोजपुरी, मैथिली मात्र

१८९. यूरोपीय शाखासभ पर तुलनात्मक भाषाविज्ञानक दृष्टि सँ सही विकल्प चुनू।

(A) मगही, भोजपुरी, मैथिली मात्र

(B) दोहा, चौपाइ, रोला

(C) तिरहुता, देवनागरी, कैथी

(D) ग्रीक, इतालिक, जर्मनिक, सेल्टिक, स्लाविक आदि

१९०. यूरोपीय शाखासभ विषयक मुख्य बात की अछि?

(A) मगही, भोजपुरी, मैथिली मात्र

(B) दोहा, चौपाइ, रोला

(C) तिरहुता, देवनागरी, कैथी

(D) ग्रीक, इतालिक, जर्मनिक, सेल्टिक, स्लाविक आदि

१९१. श्रृंखला-क्रम सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) भारोपीय → हिन्द-ईरानी → हिन्द-आर्य → पूर्वी हिन्द-आर्य → मैथिली

(B) द्रविड़ → जर्मनिक → मैथिली

(C) लिपि → कागज → भाषा

(D) कविता → नाटक → भाषा

१९२. श्रृंखला-क्रम विषयक परीक्षा-योग्य उत्तर की अछि?

(A) कविता → नाटक → भाषा

(B) द्रविड़ → जर्मनिक → मैथिली

(C) भारोपीय → हिन्द-ईरानी → हिन्द-आर्य → पूर्वी हिन्द-आर्य → मैथिली

(D) लिपि → कागज → भाषा

१९३. श्रृंखला-क्रम कैं मैथिलीक स्थान बुझबामे कोन रूपैं देखल जाए?

(A) कविता → नाटक → भाषा

(B) भारोपीय → हिन्द-ईरानी → हिन्द-आर्य → पूर्वी हिन्द-आर्य → मैथिली

(C) लिपि → कागज → भाषा

(D) द्रविड़ → जर्मनिक → मैथिली

१९४. श्रृंखला-क्रम पर आधारित सही विकल्प चुनू।

(A) द्रविड़ → जर्मनिक → मैथिली

(B) भारोपीय → हिन्द-ईरानी → हिन्द-आर्य → पूर्वी हिन्द-आर्य → मैथिली

(C) कविता → नाटक → भाषा

(D) लिपि → कागज → भाषा

१९५. श्रृंखला-क्रम सम्बन्धी कारण-फलमे सही उत्तर चुनू।

(A) लिपि → कागज → भाषा

(B) भारोपीय → हिन्द-ईरानी → हिन्द-आर्य → पूर्वी हिन्द-आर्य → मैथिली

(C) कविता → नाटक → भाषा

(D) द्रविड़ → जर्मनिक → मैथिली

१९६. श्रृंखला-क्रम विषयक गलत धारणा सँ बचि सही कथन चुनू।

(A) द्रविड़ → जर्मनिक → मैथिली

(B) कविता → नाटक → भाषा

(C) भारोपीय → हिन्द-ईरानी → हिन्द-आर्य → पूर्वी हिन्द-आर्य → मैथिली

(D) लिपि → कागज → भाषा

१९७. श्रृंखला-क्रम कैं भाषा-परिवारक दृष्टिसँ केना बुझल जाए?

(A) कविता → नाटक → भाषा

(B) भारोपीय → हिन्द-ईरानी → हिन्द-आर्य → पूर्वी हिन्द-आर्य → मैथिली

(C) द्रविड़ → जर्मनिक → मैथिली

(D) लिपि → कागज → भाषा

१९८. श्रृंखला-क्रम पर संक्षिप्त सही परिभाषा की अछि?

(A) कविता → नाटक → भाषा

(B) द्रविड़ → जर्मनिक → मैथिली

(C) भारोपीय → हिन्द-ईरानी → हिन्द-आर्य → पूर्वी हिन्द-आर्य → मैथिली

(D) लिपि → कागज → भाषा

१९९. श्रृंखला-क्रम पर तुलनात्मक भाषाविज्ञानक दृष्टि सँ सही विकल्प चुनू।

(A) कविता → नाटक → भाषा

(B) लिपि → कागज → भाषा

(C) द्रविड़ → जर्मनिक → मैथिली

(D) भारोपीय → हिन्द-ईरानी → हिन्द-आर्य → पूर्वी हिन्द-आर्य → मैथिली

२००. श्रृंखला-क्रम विषयक मुख्य बात की अछि?

(A) भारोपीय → हिन्द-ईरानी → हिन्द-आर्य → पूर्वी हिन्द-आर्य → मैथिली

(B) कविता → नाटक → भाषा

(C) द्रविड़ → जर्मनिक → मैथिली

(D) लिपि → कागज → भाषा

२०१. पुरान हिन्द-आर्य सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) द्रविड़ बोली

(B) आधुनिक मोबाइल भाषा

(C) वैदिक आ संस्कृत परम्परासँ जुड़ल आरम्भिक आर्य चरण

(D) पत्रिका नाम

२०२. पुरान हिन्द-आर्य विषयक परीक्षा-योग्य उत्तर की अछि?

(A) द्रविड़ बोली

(B) पत्रिका नाम

(C) आधुनिक मोबाइल भाषा

(D) वैदिक आ संस्कृत परम्परासँ जुड़ल आरम्भिक आर्य चरण

२०३. पुरान हिन्द-आर्य कैँ मैथिलीक स्थान बुझबामे कोन रूपेँ देखल जाए?

(A) पत्रिका नाम

(B) आधुनिक मोबाइल भाषा

(C) द्रविड़ बोली

(D) वैदिक आ संस्कृत परम्परासँ जुड़ल आरम्भिक आर्य चरण

२०४. पुरान हिन्द-आर्य पर आधारित सही विकल्प चुनू।

(A) आधुनिक मोबाइल भाषा

(B) पत्रिका नाम

(C) द्रविड़ बोली

(D) वैदिक आ संस्कृत परम्परासँ जुड़ल आरम्भिक आर्य चरण

२०५. पुरान हिन्द-आर्य सम्बन्धी कारण-फलमे सही उत्तर चुनू।

(A) आधुनिक मोबाइल भाषा

(B) पत्रिका नाम

(C) द्रविड़ बोली

(D) वैदिक आ संस्कृत परम्परासँ जुड़ल आरम्भिक आर्य चरण

२०६. पुरान हिन्द-आर्य विषयक गलत धारणा सँ बचि सही कथन चुनू।

(A) आधुनिक मोबाइल भाषा

(B) द्रविड़ बोली

(C) वैदिक आ संस्कृत परम्परासँ जुड़ल आरम्भिक आर्य चरण

(D) पत्रिका नाम

२०७. पुरान हिन्द-आर्य कैँ भाषा-परिवारक दृष्टिसँ केना बुझल जाए?

(A) आधुनिक मोबाइल भाषा

(B) द्रविड़ बोली

(C) वैदिक आ संस्कृत परम्परासँ जुड़ल आरम्भिक आर्य चरण

(D) पत्रिका नाम

२०८. पुरान हिन्द-आर्य पर संक्षिप्त सही परिभाषा की अछि?

(A) पत्रिका नाम

(B) वैदिक आ संस्कृत परम्परासँ जुड़ल आरम्भिक आर्य चरण

(C) द्रविड़ बोली

(D) आधुनिक मोबाइल भाषा

२०९. पुरान हिन्द-आर्य पर तुलनात्मक भाषाविज्ञानक दृष्टि सँ सही विकल्प चुनू।

(A) वैदिक आ संस्कृत परम्परासँ जुड़ल आरम्भिक आर्य चरण

(B) पत्रिका नाम

(C) द्रविड़ बोली

(D) आधुनिक मोबाइल भाषा

२१०. पुरान हिन्द-आर्य विषयक मुख्य बात की अछि?

(A) आधुनिक मोबाइल भाषा

(B) वैदिक आ संस्कृत परम्परासँ जुड़ल आरम्भिक आर्य चरण

(C) पत्रिका नाम

(D) द्रविड़ बोली

२११. मध्य हिन्द-आर्य सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) प्राकृत, पाली, अपभ्रंश जकाँ मध्यवर्ती चरण

(B) मात्र देवनागरी लिपि

(C) जर्मनिक शाखा

(D) आधुनिक समाचार भाषा

२१२. मध्य हिन्द-आर्य विषयक परीक्षा-योग्य उत्तर की अछि?

(A) प्राकृत, पाली, अपभ्रंश जकाँ मध्यवर्ती चरण

(B) आधुनिक समाचार भाषा

(C) जर्मनिक शाखा

(D) मात्र देवनागरी लिपि

२१३. मध्य हिन्द-आर्य कैँ मैथिलीक स्थान बुझबामे कोन रूपैँ देखल जाए?

(A) प्राकृत, पाली, अपभ्रंश जकाँ मध्यवर्ती चरण

(B) मात्र देवनागरी लिपि

(C) आधुनिक समाचार भाषा

(D) जर्मनिक शाखा

२१४. मध्य हिन्द-आर्य पर आधारित सही विकल्प चुनू।

(A) प्राकृत, पाली, अपभ्रंश जकाँ मध्यवर्ती चरण

(B) आधुनिक समाचार भाषा

(C) जर्मनिक शाखा

(D) मात्र देवनागरी लिपि

२१५. मध्य हिन्द-आर्य सम्बन्धी कारण-फलमे सही उत्तर चुनू।

(A) जर्मनिक शाखा

(B) आधुनिक समाचार भाषा

(C) प्राकृत, पाली, अपभ्रंश जकाँ मध्यवर्ती चरण

(D) मात्र देवनागरी लिपि

२१६. मध्य हिन्द-आर्य विषयक गलत धारणा सँ बचि सही कथन चुनू।

(A) मात्र देवनागरी लिपि

(B) आधुनिक समाचार भाषा

(C) जर्मनिक शाखा

(D) प्राकृत, पाली, अपभ्रंश जकाँ मध्यवर्ती चरण

२१७. मध्य हिन्द-आर्य कैँ भाषा-परिवारक दृष्टिसँ केना बुझल जाए?

(A) जर्मनिक शाखा

(B) मात्र देवनागरी लिपि

(C) आधुनिक समाचार भाषा

(D) प्राकृत, पाली, अपभ्रंश जकाँ मध्यवर्ती चरण

२१८. मध्य हिन्द-आर्य पर संक्षिप्त सही परिभाषा की अछि?

(A) जर्मनिक शाखा

(B) मात्र देवनागरी लिपि

(C) आधुनिक समाचार भाषा

(D) प्राकृत, पाली, अपभ्रंश जकाँ मध्यवर्ती चरण

२१९. मध्य हिन्द-आर्य पर तुलनात्मक भाषाविज्ञानक दृष्टि सँ सही विकल्प चुनू।

(A) आधुनिक समाचार भाषा

(B) मात्र देवनागरी लिपि

(C) प्राकृत, पाली, अपभ्रंश जकाँ मध्यवर्ती चरण

(D) जर्मनिक शाखा

२२०. मध्य हिन्द-आर्य विषयक मुख्य बात की अछि?

(A) जर्मनिक शाखा

(B) प्राकृत, पाली, अपभ्रंश जकाँ मध्यवर्ती चरण

(C) आधुनिक समाचार भाषा

(D) मात्र देवनागरी लिपि

२२१. नव हिन्द-आर्य सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) मैथिली सहित आधुनिक भारतीय आर्य भाषासभक चरण

(B) केवल वेदक भाषा

(C) द्रविड़ चरण

(D) मौन लेखन

२२२. नव हिन्द-आर्य विषयक परीक्षा-योग्य उत्तर की अछि?

(A) मौन लेखन

(B) द्रविड़ चरण

(C) केवल वेदक भाषा

(D) मैथिली सहित आधुनिक भारतीय आर्य भाषासभक चरण

२२३. नव हिन्द-आर्य कैँ मैथिलीक स्थान बुझबामे कोन रूपैँ देखल जाए?

(A) केवल वेदक भाषा

(B) मैथिली सहित आधुनिक भारतीय आर्य भाषासभक चरण

(C) मौन लेखन

(D) द्रविड़ चरण

२२४. नव हिन्द-आर्य पर आधारित सही विकल्प चुनू।

(A) केवल वेदक भाषा

(B) मैथिली सहित आधुनिक भारतीय आर्य भाषासभक चरण

(C) द्रविड़ चरण

(D) मौन लेखन

२२५. नव हिन्द-आर्य सम्बन्धी कारण-फलमे सही उत्तर चुनू।

(A) मौन लेखन

(B) केवल वेदक भाषा

(C) द्रविड़ चरण

(D) मैथिली सहित आधुनिक भारतीय आर्य भाषासभक चरण

२२६. नव हिन्द-आर्य विषयक गलत धारणा सँ बचि सही कथन चुनू।

(A) द्रविड़ चरण

(B) मैथिली सहित आधुनिक भारतीय आर्य भाषासभक चरण

(C) मौन लेखन

(D) केवल वेदक भाषा

२२७. नव हिन्द-आर्य कैँ भाषा-परिवारक दृष्टिसँ केना बुझल जाए?

(A) मैथिली सहित आधुनिक भारतीय आर्य भाषासभक चरण

(B) केवल वेदक भाषा

(C) द्रविड़ चरण

(D) मौन लेखन

२२८. नव हिन्द-आर्य पर संक्षिप्त सही परिभाषा की अछि?

(A) द्रविड़ चरण

(B) मैथिली सहित आधुनिक भारतीय आर्य भाषासभक चरण

(C) मौन लेखन

(D) केवल वेदक भाषा

२२९. नव हिन्द-आर्य पर तुलनात्मक भाषाविज्ञानक दृष्टि सँ सही विकल्प चुनू।

(A) मैथिली सहित आधुनिक भारतीय आर्य भाषासभक चरण

(B) मौन लेखन

(C) केवल वेदक भाषा

(D) द्रविड़ चरण

२३०. नव हिन्द-आर्य विषयक मुख्य बात की अछि?

(A) मौन लेखन

(B) केवल वेदक भाषा

(C) मैथिली सहित आधुनिक भारतीय आर्य भाषासभक चरण

(D) द्रविड़ चरण

२३१. संस्कृत सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) तिब्बती भाषा

(B) पुरान हिन्द-आर्यक महत्त्वपूर्ण साहित्यिक भाषा

(C) मैथिलीक बिना बदलावक रूप

(D) द्रविड़ शाखा

२३२. संस्कृत विषयक परीक्षा-योग्य उत्तर की अछि?

(A) पुरान हिन्द-आर्यक महत्त्वपूर्ण साहित्यिक भाषा

(B) मैथिलीक बिना बदलावक रूप

(C) तिब्बती भाषा

(D) द्रविड़ शाखा

२३३. संस्कृत कैँ मैथिलीक स्थान बुझबामे कोन रूपेँ देखल जाए?

(A) पुरान हिन्द-आर्यक महत्त्वपूर्ण साहित्यिक भाषा

(B) मैथिलीक बिना बदलावक रूप

(C) तिब्बती भाषा

(D) द्रविड़ शाखा

२३४. संस्कृत पर आधारित सही विकल्प चुनू।

(A) द्रविड़ शाखा

(B) तिब्बती भाषा

(C) पुरान हिन्द-आर्यक महत्त्वपूर्ण साहित्यिक भाषा

(D) मैथिलीक बिना बदलावक रूप

२३५. संस्कृत सम्बन्धी कारण-फलमे सही उत्तर चुनू।

(A) मैथिलीक बिना बदलावक रूप

(B) पुरान हिन्द-आर्यक महत्त्वपूर्ण साहित्यिक भाषा

(C) तिब्बती भाषा

(D) द्रविड़ शाखा

२३६. संस्कृत विषयक गलत धारणा सँ बचि सही कथन चुनू।

(A) मैथिलीक बिना बदलावक रूप

(B) तिब्बती भाषा

(C) पुरान हिन्द-आर्यक महत्त्वपूर्ण साहित्यिक भाषा

(D) द्रविड़ शाखा

२३७. संस्कृत कैँ भाषा-परिवारक दृष्टिसँ केना बुझल जाए?

(A) द्रविड़ शाखा

(B) तिब्बती भाषा

(C) मैथिलीक बिना बदलावक रूप

(D) पुरान हिन्द-आर्यक महत्त्वपूर्ण साहित्यिक भाषा

२३८. संस्कृत पर संक्षिप्त सही परिभाषा की अछि?

(A) मैथिलीक बिना बदलावक रूप

(B) तिब्बती भाषा

(C) द्रविड़ शाखा

(D) पुरान हिन्द-आर्यक महत्त्वपूर्ण साहित्यिक भाषा

२३९. संस्कृत पर तुलनात्मक भाषाविज्ञानक दृष्टि सँ सही विकल्प चुनू।

(A) तिब्बती भाषा

(B) द्रविड़ शाखा

(C) मैथिलीक बिना बदलावक रूप

(D) पुरान हिन्द-आर्यक महत्त्वपूर्ण साहित्यिक भाषा

२४०. संस्कृत विषयक मुख्य बात की अछि?

(A) पुरान हिन्द-आर्यक महत्त्वपूर्ण साहित्यिक भाषा

(B) मैथिलीक बिना बदलावक रूप

(C) तिब्बती भाषा

(D) द्रविड़ शाखा

२४१. प्राकृत सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) केवल कविता अलंकार

(B) यूरोपीय लिपि

(C) आधुनिक मशीन भाषा

(D) मध्य आर्यक लोक-निकट भाषिक रूपसभ

२४२. प्राकृत विषयक परीक्षा-योग्य उत्तर की अछि?

(A) आधुनिक मशीन भाषा

(B) यूरोपीय लिपि

(C) मध्य आर्यक लोक-निकट भाषिक रूपसभ

(D) केवल कविता अलंकार

२४३. प्राकृत कैँ मैथिलीक स्थान बुझबामे कोन रूपैँ देखल जाए?

(A) यूरोपीय लिपि

(B) आधुनिक मशीन भाषा

(C) केवल कविता अलंकार

(D) मध्य आर्यक लोक-निकट भाषिक रूपसभ

२४४. प्राकृत पर आधारित सही विकल्प चुनू।

(A) आधुनिक मशीन भाषा

(B) केवल कविता अलंकार

(C) यूरोपीय लिपि

(D) मध्य आर्यक लोक-निकट भाषिक रूपसभ

२४५. प्राकृत सम्बन्धी कारण-फलमे सही उत्तर चुनू।

(A) मध्य आर्यक लोक-निकट भाषिक रूपसभ

(B) यूरोपीय लिपि

(C) आधुनिक मशीन भाषा

(D) केवल कविता अलंकार

२४६. प्राकृत विषयक गलत धारणा सँ बचि सही कथन चुनू।

(A) आधुनिक मशीन भाषा

(B) यूरोपीय लिपि

(C) केवल कविता अलंकार

(D) मध्य आर्यक लोक-निकट भाषिक रूपसभ

२४७. प्राकृत कैँ भाषा-परिवारक दृष्टिसँ केना बुझल जाए?

(A) आधुनिक मशीन भाषा

(B) मध्य आर्यक लोक-निकट भाषिक रूपसभ

(C) केवल कविता अलंकार

(D) यूरोपीय लिपि

२४८. प्राकृत पर संक्षिप्त सही परिभाषा की अछि?

(A) केवल कविता अलंकार

(B) यूरोपीय लिपि

(C) मध्य आर्यक लोक-निकट भाषिक रूपसभ

(D) आधुनिक मशीन भाषा

२४९. प्राकृत पर तुलनात्मक भाषाविज्ञानक दृष्टि सँ सही विकल्प चुनू।

(A) आधुनिक मशीन भाषा

(B) मध्य आर्यक लोक-निकट भाषिक रूपसभ

(C) यूरोपीय लिपि

(D) केवल कविता अलंकार

२५०. प्राकृत विषयक मुख्य बात की अछि?

(A) आधुनिक मशीन भाषा

(B) यूरोपीय लिपि

(C) मध्य आर्यक लोक-निकट भाषिक रूपसभ

(D) केवल कविता अलंकार

२५१. मागधी प्राकृत सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) दक्षिणी द्रविड़ रूप

(B) पूर्वीय आर्य विकासमे महत्त्वपूर्ण सन्दर्भ

(C) जर्मनिक शाखा

(D) लिपिक बिन्दु

२५२. मागधी प्राकृत विषयक परीक्षा-योग्य उत्तर की अछि?

(A) जर्मनिक शाखा

(B) पूर्वीय आर्य विकासमे महत्त्वपूर्ण सन्दर्भ

(C) दक्षिणी द्रविड़ रूप

(D) लिपिक बिन्दु

२५३. मागधी प्राकृत कैँ मैथिलीक स्थान बुझबामे कोन रूपैँ देखल जाए?

(A) जर्मनिक शाखा

(B) पूर्वीय आर्य विकासमे महत्त्वपूर्ण सन्दर्भ

(C) दक्षिणी द्रविड़ रूप

(D) लिपिक बिन्दु

२५४. मागधी प्राकृत पर आधारित सही विकल्प चुनू।

(A) दक्षिणी द्रविड़ रूप

(B) जर्मनिक शाखा

(C) लिपिक बिन्दु

(D) पूर्वीय आर्य विकासमे महत्त्वपूर्ण सन्दर्भ

२५५. मागधी प्राकृत सम्बन्धी कारण-फलमे सही उत्तर चुनू।

(A) दक्षिणी द्रविड़ रूप

(B) पूर्वीय आर्य विकासमे महत्त्वपूर्ण सन्दर्भ

(C) लिपिक बिन्दु

(D) जर्मनिक शाखा

२५६. मागधी प्राकृत विषयक गलत धारणा सँ बचि सही कथन चुनू।

(A) पूर्वीय आर्य विकासमे महत्त्वपूर्ण सन्दर्भ

(B) दक्षिणी द्रविड़ रूप

(C) लिपिक बिन्दु

(D) जर्मनिक शाखा

२५७. मागधी प्राकृत कैँ भाषा-परिवारक दृष्टिसँ केना बुझल जाए?

(A) जर्मनिक शाखा

(B) पूर्वीय आर्य विकासमे महत्त्वपूर्ण सन्दर्भ

(C) लिपिक बिन्दु

(D) दक्षिणी द्रविड़ रूप

२५८. मागधी प्राकृत पर संक्षिप्त सही परिभाषा की अछि?

(A) जर्मनिक शाखा

(B) दक्षिणी द्रविड़ रूप

(C) लिपिक बिन्दु

(D) पूर्वीय आर्य विकासमे महत्त्वपूर्ण सन्दर्भ

२५९. मागधी प्राकृत पर तुलनात्मक भाषाविज्ञानक दृष्टि सँ सही विकल्प चुनू।

(A) दक्षिणी द्रविड़ रूप

(B) जर्मनिक शाखा

(C) पूर्वीय आर्य विकासमे महत्त्वपूर्ण सन्दर्भ

(D) लिपिक बिन्दु

२६०. मागधी प्राकृत विषयक मुख्य बात की अछि?

(A) पूर्वीय आर्य विकासमे महत्त्वपूर्ण सन्दर्भ

(B) जर्मनिक शाखा

(C) लिपिक बिन्दु

(D) दक्षिणी द्रविड़ रूप

२६१. अपभ्रंश सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) केवल अशुद्धि

(B) नृत्यक नाम

(C) मध्य आर्यसँ नव आर्य संक्रमणक चरण

(D) लिपि-रंग

२६२. अपभ्रंश विषयक परीक्षा-योग्य उत्तर की अछि?

(A) नृत्यक नाम

(B) लिपि-रंग

(C) मध्य आर्यसँ नव आर्य संक्रमणक चरण

(D) केवल अशुद्धि

२६३. अपभ्रंश कैँ मैथिलीक स्थान बुझबामे कोन रूपेँ देखल जाए?

(A) नृत्यक नाम

(B) मध्य आर्यसँ नव आर्य संक्रमणक चरण

(C) केवल अशुद्धि

(D) लिपि-रंग

२६४. अपभ्रंश पर आधारित सही विकल्प चुनू।

(A) नृत्यक नाम

(B) केवल अशुद्धि

(C) मध्य आर्यसँ नव आर्य संक्रमणक चरण

(D) लिपि-रंग

२६५. अपभ्रंश सम्बन्धी कारण-फलमे सही उत्तर चुनू।

(A) केवल अशुद्धि

(B) नृत्यक नाम

(C) लिपि-रंग

(D) मध्य आर्यसँ नव आर्य संक्रमणक चरण

२६६. अपभ्रंश विषयक गलत धारणा सँ बचि सही कथन चुनू।

(A) केवल अशुद्धि

(B) मध्य आर्यसँ नव आर्य संक्रमणक चरण

(C) लिपि-रंग

(D) नृत्यक नाम

२६७. अपभ्रंश कैँ भाषा-परिवारक दृष्टिसँ केना बुझल जाए?

(A) नृत्यक नाम

(B) लिपि-रंग

(C) मध्य आर्यसँ नव आर्य संक्रमणक चरण

(D) केवल अशुद्धि

२६८. अपभ्रंश पर संक्षिप्त सही परिभाषा की अछि?

(A) लिपि-रंग

(B) केवल अशुद्धि

(C) नृत्यक नाम

(D) मध्य आर्यसँ नव आर्य संक्रमणक चरण

२६९. अपभ्रंश पर तुलनात्मक भाषाविज्ञानक दृष्टि सँ सही विकल्प चुनू।

(A) नृत्यक नाम

(B) केवल अशुद्धि

(C) लिपि-रंग

(D) मध्य आर्यसँ नव आर्य संक्रमणक चरण

२७०. अपभ्रंश विषयक मुख्य बात की अछि?

(A) मध्य आर्यसँ नव आर्य संक्रमणक चरण

(B) नृत्यक नाम

(C) लिपि-रंग

(D) केवल अशुद्धि

२७१. अवहट्ठ सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) उत्तर-अपभ्रंशीय रूप, पूर्वी नव आर्यक आरम्भिक धरातल

(B) काठक औजार

(C) जर्मनिक ध्वनि

(D) आधुनिक पत्रिका

२७२. अवहट्ठ विषयक परीक्षा-योग्य उत्तर की अछि?

(A) काठक औजार

(B) उत्तर-अपभ्रंशीय रूप, पूर्वी नव आर्यक आरम्भिक धरातल

(C) आधुनिक पत्रिका

(D) जर्मनिक ध्वनि

२७३. अवहट्ठ कैँ मैथिलीक स्थान बुझबामे कोन रूपेँ देखल जाए?

(A) जर्मनिक ध्वनि

(B) आधुनिक पत्रिका

(C) उत्तर-अपभ्रंशीय रूप, पूर्वी नव आर्यक आरम्भिक धरातल

(D) काठक औजार

२७४. अवहट्ठ पर आधारित सही विकल्प चुनू।

(A) आधुनिक पत्रिका

(B) जर्मनिक ध्वनि

(C) उत्तर-अपभ्रंशीय रूप, पूर्वी नव आर्यक आरम्भिक धरातल

(D) काठक औजार

२७५. अवहट्ठ सम्बन्धी कारण-फलमे सही उत्तर चुनू।

(A) आधुनिक पत्रिका

(B) उत्तर-अपभ्रंशीय रूप, पूर्वी नव आर्यक आरम्भिक धरातल

(C) काठक औजार

(D) जर्मनिक ध्वनि

२७६. अवहट्ठ विषयक गलत धारणा सँ बचि सही कथन चुनू।

(A) काठक औजार

(B) उत्तर-अपभ्रंशीय रूप, पूर्वी नव आर्यक आरम्भिक धरातल

(C) आधुनिक पत्रिका

(D) जर्मनिक ध्वनि

२७७. अवहट्ठ कैँ भाषा-परिवारक दृष्टिसँ केना बुझल जाए?

(A) उत्तर-अपभ्रंशीय रूप, पूर्वी नव आर्यक आरम्भिक धरातल

(B) आधुनिक पत्रिका

(C) जर्मनिक ध्वनि

(D) काठक औजार

२७८. अवहट्ठ पर संक्षिप्त सही परिभाषा की अछि?

(A) उत्तर-अपभ्रंशीय रूप, पूर्वी नव आर्यक आरम्भिक धरातल

(B) आधुनिक पत्रिका

(C) जर्मनिक ध्वनि

(D) काठक औजार

२७९. अवहट्ठ पर तुलनात्मक भाषाविज्ञानक दृष्टि सँ सही विकल्प चुनू।

(A) काठक औजार

(B) उत्तर-अपभ्रंशीय रूप, पूर्वी नव आर्यक आरम्भिक धरातल

(C) आधुनिक पत्रिका

(D) जर्मनिक ध्वनि

२८०. अवहट्ठ विषयक मुख्य बात की अछि?

(A) आधुनिक पत्रिका

(B) जर्मनिक ध्वनि

(C) काठक औजार

(D) उत्तर-अपभ्रंशीय रूप, पूर्वी नव आर्यक आरम्भिक धरातल

२८१. ईरानी धारा सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) हिन्द-ईरानी शाखाक अलग पक्ष

(B) मैथिलीक सीधा उपशाखा

(C) द्रविड़ परिवार

(D) मिथिलाक्षरक नाम

२८२. ईरानी धारा विषयक परीक्षा-योग्य उत्तर की अछि?

(A) द्रविड़ परिवार

(B) मैथिलीक सीधा उपशाखा

(C) मिथिलाक्षरक नाम

(D) हिन्द-ईरानी शाखाक अलग पक्ष

२८३. ईरानी धारा कैँ मैथिलीक स्थान बुझबामे कोन रूपेँ देखल जाए?

(A) हिन्द-ईरानी शाखाक अलग पक्ष

(B) मिथिलाक्षरक नाम

(C) मैथिलीक सीधा उपशाखा

(D) द्रविड़ परिवार

२८४. ईरानी धारा पर आधारित सही विकल्प चुनू।

(A) हिन्द-ईरानी शाखाक अलग पक्ष

(B) मिथिलाक्षरक नाम

(C) मैथिलीक सीधा उपशाखा

(D) द्रविड़ परिवार

२८५. ईरानी धारा सम्बन्धी कारण-फलमे सही उत्तर चुनू।

(A) मैथिलीक सीधा उपशाखा

(B) हिन्द-ईरानी शाखाक अलग पक्ष

(C) द्रविड़ परिवार

(D) मिथिलाक्षरक नाम

२८६. ईरानी धारा विषयक गलत धारणा सँ बचि सही कथन चुनू।

(A) हिन्द-ईरानी शाखाक अलग पक्ष

(B) मैथिलीक सीधा उपशाखा

(C) मिथिलाक्षरक नाम

(D) द्रविड़ परिवार

२८७. ईरानी धारा कैँ भाषा-परिवारक दृष्टिसँ केना बुझल जाए?

(A) द्रविड़ परिवार

(B) हिन्द-ईरानी शाखाक अलग पक्ष

(C) मिथिलाक्षरक नाम

(D) मैथिलीक सीधा उपशाखा

२८८. ईरानी धारा पर संक्षिप्त सही परिभाषा की अछि?

(A) मिथिलाक्षरक नाम

(B) द्रविड़ परिवार

(C) मैथिलीक सीधा उपशाखा

(D) हिन्द-ईरानी शाखाक अलग पक्ष

२८९. ईरानी धारा पर तुलनात्मक भाषाविज्ञानक दृष्टि सँ सही विकल्प चुनू।

(A) मैथिलीक सीधा उपशाखा

(B) द्रविड़ परिवार

(C) मिथिलाक्षरक नाम

(D) हिन्द-ईरानी शाखाक अलग पक्ष

२९०. ईरानी धारा विषयक मुख्य बात की अछि?

(A) मैथिलीक सीधा उपशाखा

(B) हिन्द-ईरानी शाखाक अलग पक्ष

(C) द्रविड़ परिवार

(D) मिथिलाक्षरक नाम

२९१. हिन्द-आर्य विविधता सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) मैथिली बाहर अछि

(B) हिन्द-आर्य भाषासभमे समानता संग क्षेत्रीय भिन्नता सेहो अछि

(C) सभ भाषा समान रूपमे विकसित

(D) हिन्द-आर्यमे केवल एक भाषा

२९२. हिन्द-आर्य विविधता विषयक परीक्षा-योग्य उत्तर की अछि?

(A) हिन्द-आर्य भाषासभमे समानता संग क्षेत्रीय भिन्नता सेहो अछि

(B) मैथिली बाहर अछि

(C) सभ भाषा समान रूपमे विकसित

(D) हिन्द-आर्यमे केवल एक भाषा

२९३. हिन्द-आर्य विविधता कैँ मैथिलीक स्थान बुझबामे कोन रूपैँ देखल जाए?

(A) हिन्द-आर्य भाषासभमे समानता संग क्षेत्रीय भिन्नता सेहो अछि

(B) हिन्द-आर्यमे केवल एक भाषा

(C) मैथिली बाहर अछि

(D) सभ भाषा समान रूपमे विकसित

२९४. हिन्द-आर्य विविधता पर आधारित सही विकल्प चुनू।

(A) हिन्द-आर्यमे केवल एक भाषा

(B) सभ भाषा समान रूपमे विकसित

(C) हिन्द-आर्य भाषासभमे समानता संग क्षेत्रीय भिन्नता सेहो अछि

(D) मैथिली बाहर अछि

२९५. हिन्द-आर्य विविधता सम्बन्धी कारण-फलमे सही उत्तर चुनू।

(A) हिन्द-आर्यमे केवल एक भाषा

(B) सभ भाषा समान रूपमे विकसित

(C) मैथिली बाहर अछि

(D) हिन्द-आर्य भाषासभमे समानता संग क्षेत्रीय भिन्नता सेहो अछि

२९६. हिन्द-आर्य विविधता विषयक गलत धारणा सँ बचि सही कथन चुनू।

(A) हिन्द-आर्यमे केवल एक भाषा

(B) हिन्द-आर्य भाषासभमे समानता संग क्षेत्रीय भिन्नता सेहो अछि

(C) मैथिली बाहर अछि

(D) सभ भाषा समान रूपमे विकसित

२९७. हिन्द-आर्य विविधता कैँ भाषा-परिवारक दृष्टिसँ केना बुझल जाए?

(A) मैथिली बाहर अछि

(B) हिन्द-आर्यमे केवल एक भाषा

(C) सभ भाषा समान रूपमे विकसित

(D) हिन्द-आर्य भाषासभमे समानता संग क्षेत्रीय भिन्नता सेहो अछि

२९८. हिन्द-आर्य विविधता पर संक्षिप्त सही परिभाषा की अछि?

(A) सभ भाषा समान रूपमे विकसित

(B) मैथिली बाहर अछि

(C) हिन्द-आर्यमे केवल एक भाषा

(D) हिन्द-आर्य भाषासभमे समानता संग क्षेत्रीय भिन्नता सेहो अछि

२९९. हिन्द-आर्य विविधता पर तुलनात्मक भाषाविज्ञानक दृष्टि सँ सही विकल्प चुनू।

(A) हिन्द-आर्य भाषासभमे समानता संग क्षेत्रीय भिन्नता सेहो अछि

(B) हिन्द-आर्यमे केवल एक भाषा

(C) मैथिली बाहर अछि

(D) सभ भाषा समान रूपमे विकसित

३००. हिन्द-आर्य विविधता विषयक मुख्य बात की अछि?

(A) सभ भाषा समान रूपमे विकसित

(B) मैथिली बाहर अछि

(C) हिन्द-आर्यमे केवल एक भाषा

(D) हिन्द-आर्य भाषासभमे समानता संग क्षेत्रीय भिन्नता सेहो अछि

३०१. पूर्वी आर्य पहचान सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) मैथिली द्रविड़ भाषा

(B) मैथिली पूर्वी हिन्द-आर्य क्षेत्रमे राखल जाइत अछि

(C) मैथिली केवल लिपि

(D) मैथिली जर्मनिक भाषा

३०२. पूर्वी आर्य पहचान विषयक परीक्षा-योग्य उत्तर की अछि?

(A) मैथिली पूर्वी हिन्द-आर्य क्षेत्रमे राखल जाइत अछि

(B) मैथिली जर्मनिक भाषा

(C) मैथिली केवल लिपि

(D) मैथिली द्रविड़ भाषा

३०३. पूर्वी आर्य पहचान कैँ मैथिलीक स्थान बुझबामे कोन रूपेँ देखल जाए?

(A) मैथिली पूर्वी हिन्द-आर्य क्षेत्रमे राखल जाइत अछि

(B) मैथिली केवल लिपि

(C) मैथिली द्रविड़ भाषा

(D) मैथिली जर्मनिक भाषा

३०४. पूर्वी आर्य पहचान पर आधारित सही विकल्प चुनू।

(A) मैथिली जर्मनिक भाषा

(B) मैथिली पूर्वी हिन्द-आर्य क्षेत्रमे राखल जाइत अछि

(C) मैथिली द्रविड़ भाषा

(D) मैथिली केवल लिपि

३०५. पूर्वी आर्य पहचान सम्बन्धी कारण-फलमे सही उत्तर चुनू।

(A) मैथिली द्रविड़ भाषा

(B) मैथिली पूर्वी हिन्द-आर्य क्षेत्रमे राखल जाइत अछि

(C) मैथिली जर्मनिक भाषा

(D) मैथिली केवल लिपि

३०६. पूर्वी आर्य पहचान विषयक गलत धारणा सँ बचि सही कथन चुनू।

(A) मैथिली केवल लिपि

(B) मैथिली द्रविड़ भाषा

(C) मैथिली जर्मनिक भाषा

(D) मैथिली पूर्वी हिन्द-आर्य क्षेत्रमे राखल जाइत अछि

३०७. पूर्वी आर्य पहचान कैँ भाषा-परिवारक दृष्टिसँ केना बुझल जाए?

(A) मैथिली केवल लिपि

(B) मैथिली जर्मनिक भाषा

(C) मैथिली द्रविड़ भाषा

(D) मैथिली पूर्वी हिन्द-आर्य क्षेत्रमे राखल जाइत अछि

३०८. पूर्वी आर्य पहचान पर संक्षिप्त सही परिभाषा की अछि?

(A) मैथिली पूर्वी हिन्द-आर्य क्षेत्रमे राखल जाइत अछि

(B) मैथिली केवल लिपि

(C) मैथिली जर्मनिक भाषा

(D) मैथिली द्रविड़ भाषा

३०९. पूर्वी आर्य पहचान पर तुलनात्मक भाषाविज्ञानक दृष्टि सँ सही विकल्प चुनू।

(A) मैथिली केवल लिपि

(B) मैथिली पूर्वी हिन्द-आर्य क्षेत्रमे राखल जाइत अछि

(C) मैथिली जर्मनिक भाषा

(D) मैथिली द्रविड़ भाषा

३१०. पूर्वी आर्य पहचान विषयक मुख्य बात की अछि?

(A) मैथिली पूर्वी हिन्द-आर्य क्षेत्रमे राखल जाइत अछि

(B) मैथिली जर्मनिक भाषा

(C) मैथिली द्रविड़ भाषा

(D) मैथिली केवल लिपि

३११. बिहारी समूह सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) किछु वर्गीकरणमे मैथिली, मगही, भोजपुरीक क्षेत्रीय समूह

(B) केवल नाचक दल

(C) यूरोपीय शाखा

(D) राजनीतिक दल

३१२. बिहारी समूह विषयक परीक्षा-योग्य उत्तर की अछि?

(A) यूरोपीय शाखा

(B) केवल नाचक दल

(C) राजनीतिक दल

(D) किछु वर्गीकरणमे मैथिली, मगही, भोजपुरीक क्षेत्रीय समूह

३१३. बिहारी समूह कैँ मैथिलीक स्थान बुझबामे कोन रूपैँ देखल जाए?

(A) यूरोपीय शाखा

(B) केवल नाचक दल

(C) किछु वर्गीकरणमे मैथिली, मगही, भोजपुरीक क्षेत्रीय समूह

(D) राजनीतिक दल

३१४. बिहारी समूह पर आधारित सही विकल्प चुनू।

(A) किछु वर्गीकरणमे मैथिली, मगही, भोजपुरीक क्षेत्रीय समूह

(B) यूरोपीय शाखा

(C) केवल नाचक दल

(D) राजनीतिक दल

३१५. बिहारी समूह सम्बन्धी कारण-फलमे सही उत्तर चुनू।

(A) राजनीतिक दल

(B) किछु वर्गीकरणमे मैथिली, मगही, भोजपुरीक क्षेत्रीय समूह

(C) केवल नाचक दल

(D) यूरोपीय शाखा

३१६. बिहारी समूह विषयक गलत धारणा सँ बचि सही कथन चुनू।

(A) राजनीतिक दल

(B) यूरोपीय शाखा

(C) केवल नाचक दल

(D) किछु वर्गीकरणमे मैथिली, मगही, भोजपुरीक क्षेत्रीय समूह

३१७. बिहारी समूह कैँ भाषा-परिवारक दृष्टिसँ केना बुझल जाए?

(A) किछु वर्गीकरणमे मैथिली, मगही, भोजपुरीक क्षेत्रीय समूह

(B) राजनीतिक दल

(C) केवल नाचक दल

(D) यूरोपीय शाखा

३१८. बिहारी समूह पर संक्षिप्त सही परिभाषा की अछि?

(A) किछु वर्गीकरणमे मैथिली, मगही, भोजपुरीक क्षेत्रीय समूह

(B) राजनीतिक दल

(C) केवल नाचक दल

(D) यूरोपीय शाखा

३१९. बिहारी समूह पर तुलनात्मक भाषाविज्ञानक दृष्टि सँ सही विकल्प चुनू।

(A) केवल नाचक दल

(B) राजनीतिक दल

(C) किछु वर्गीकरणमे मैथिली, मगही, भोजपुरीक क्षेत्रीय समूह

(D) यूरोपीय शाखा

३२०. बिहारी समूह विषयक मुख्य बात की अछि?

(A) केवल नाचक दल

(B) राजनीतिक दल

(C) किछु वर्गीकरणमे मैथिली, मगही, भोजपुरीक क्षेत्रीय समूह

(D) यूरोपीय शाखा

३२१. मैथिली आ बांग्ला सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) पूर्ण असम्बद्ध

(B) लिपि मात्र

(C) दुनू पूर्वी आर्य पृष्ठभूमिसँ जुड़ल मुदा स्वतंत्र भाषा

(D) एके भाषा

३२२. मैथिली आ बांग्ला विषयक परीक्षा-योग्य उत्तर की अछि?

(A) लिपि मात्र

(B) एके भाषा

(C) पूर्ण असम्बद्ध

(D) दुनू पूर्वी आर्य पृष्ठभूमिसँ जुड़ल मुदा स्वतंत्र भाषा

३२३. मैथिली आ बांग्ला कैँ मैथिलीक स्थान बुझबामे कोन रूपेँ देखल जाए?

(A) लिपि मात्र

(B) एके भाषा

(C) दुनू पूर्वी आर्य पृष्ठभूमिसँ जुड़ल मुदा स्वतंत्र भाषा

(D) पूर्ण असम्बद्ध

३२४. मैथिली आ बांग्ला पर आधारित सही विकल्प चुनू।

(A) लिपि मात्र

(B) दुनू पूर्वी आर्य पृष्ठभूमिसँ जुड़ल मुदा स्वतंत्र भाषा

(C) एके भाषा

(D) पूर्ण असम्बद्ध

३२५. मैथिली आ बांग्ला सम्बन्धी कारण-फलमे सही उत्तर चुनू।

(A) एके भाषा

(B) दुनू पूर्वी आर्य पृष्ठभूमिसँ जुड़ल मुदा स्वतंत्र भाषा

(C) लिपि मात्र

(D) पूर्ण असम्बद्ध

३२६. मैथिली आ बांग्ला विषयक गलत धारणा सँ बचि सही कथन चुनू।

(A) एके भाषा

(B) दुनू पूर्वी आर्य पृष्ठभूमिसँ जुड़ल मुदा स्वतंत्र भाषा

(C) पूर्ण असम्बद्ध

(D) लिपि मात्र

३२७. मैथिली आ बांग्ला कैँ भाषा-परिवारक दृष्टिसँ केना बुझल जाए?

(A) लिपि मात्र

(B) पूर्ण असम्बद्ध

(C) एके भाषा

(D) दुनू पूर्वी आर्य पृष्ठभूमिसँ जुड़ल मुदा स्वतंत्र भाषा

३२८. मैथिली आ बांग्ला पर संक्षिप्त सही परिभाषा की अछि?

(A) दुनू पूर्वी आर्य पृष्ठभूमिसँ जुड़ल मुदा स्वतंत्र भाषा

(B) एके भाषा

(C) पूर्ण असम्बद्ध

(D) लिपि मात्र

३२९. मैथिली आ बांग्ला पर तुलनात्मक भाषाविज्ञानक दृष्टि सँ सही विकल्प चुनू।

(A) पूर्ण असम्बद्ध

(B) दुनू पूर्वी आर्य पृष्ठभूमिसँ जुड़ल मुदा स्वतंत्र भाषा

(C) लिपि मात्र

(D) एके भाषा

३३०. मैथिली आ बांग्ला विषयक मुख्य बात की अछि?

(A) दुनू पूर्वी आर्य पृष्ठभूमिसँ जुड़ल मुदा स्वतंत्र भाषा

(B) एके भाषा

(C) लिपि मात्र

(D) पूर्ण असम्बद्ध

३३१. मैथिली आ असमिया सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) दुनू द्रविड़

(B) मैथिली असमियाक लिपि

(C) पूर्वी आर्य परिदृश्य मे सम्बन्ध, मुदा अलग भाषा

(D) असमिया मैथिलीक बोली

३३२. मैथिली आ असमिया विषयक परीक्षा-योग्य उत्तर की अछि?

(A) दुनू द्रविड़

(B) पूर्वी आर्य परिदृश्य मे सम्बन्ध, मुदा अलग भाषा

(C) मैथिली असमियाक लिपि

(D) असमिया मैथिलीक बोली

३३३. मैथिली आ असमिया कैँ मैथिलीक स्थान बुझबामे कोन रूपेँ देखल जाए?

(A) पूर्वी आर्य परिदृश्य मे सम्बन्ध, मुदा अलग भाषा

(B) असमिया मैथिलीक बोली

(C) मैथिली असमियाक लिपि

(D) दुनू द्रविड़

३३४. मैथिली आ असमिया पर आधारित सही विकल्प चुनू।

(A) दुनू द्रविड़

(B) असमिया मैथिलीक बोली

(C) पूर्वी आर्य परिदृश्य मे सम्बन्ध, मुदा अलग भाषा

(D) मैथिली असमियाक लिपि

३३५. मैथिली आ असमिया सम्बन्धी कारण-फलमे सही उत्तर चुनू।

(A) दुनू द्रविड़

(B) मैथिली असमियाक लिपि

(C) पूर्वी आर्य परिदृश्य मे सम्बन्ध, मुदा अलग भाषा

(D) असमिया मैथिलीक बोली

३३६. मैथिली आ असमिया विषयक गलत धारणा सँ बचि सही कथन चुनू।

(A) असमिया मैथिलीक बोली

(B) मैथिली असमियाक लिपि

(C) दुनू द्रविड़

(D) पूर्वी आर्य परिदृश्य मे सम्बन्ध, मुदा अलग भाषा

३३७. मैथिली आ असमिया कैं भाषा-परिवारक दृष्टिसँ केना बुझल जाए?

(A) मैथिली असमियाक लिपि

(B) पूर्वी आर्य परिदृश्य मे सम्बन्ध, मुदा अलग भाषा

(C) दुनू द्रविड़

(D) असमिया मैथिलीक बोली

३३८. मैथिली आ असमिया पर संक्षिप्त सही परिभाषा की अछि?

(A) पूर्वी आर्य परिदृश्य मे सम्बन्ध, मुदा अलग भाषा

(B) दुनू द्रविड़

(C) मैथिली असमियाक लिपि

(D) असमिया मैथिलीक बोली

३३९. मैथिली आ असमिया पर तुलनात्मक भाषाविज्ञानक दृष्टि सँ सही विकल्प चुनू।

(A) दुनू द्रविड़

(B) पूर्वी आर्य परिदृश्य मे सम्बन्ध, मुदा अलग भाषा

(C) असमिया मैथिलीक बोली

(D) मैथिली असमियाक लिपि

३४०. मैथिली आ असमिया विषयक मुख्य बात की अछि?

(A) मैथिली असमियाक लिपि

(B) दुनू द्रविड़

(C) पूर्वी आर्य परिदृश्य मे सम्बन्ध, मुदा अलग भाषा

(D) असमिया मैथिलीक बोली

३४१. मैथिली आ ओड़िया सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) ओड़िया मैथिलीक उपनाम

(B) पूर्वी हिन्द-आर्य धारा सँ व्यापक सम्बन्ध

(C) मैथिली ओड़ियाक लिपि

(D) दुनू तिब्बती

३४२. मैथिली आ ओड़िया विषयक परीक्षा-योग्य उत्तर की अछि?

(A) दुनू तिब्बती

(B) ओड़िया मैथिलीक उपनाम

(C) मैथिली ओड़ियाक लिपि

(D) पूर्वी हिन्द-आर्य धारा सँ व्यापक सम्बन्ध

३४३. मैथिली आ ओड़िया कैं मैथिलीक स्थान बुझबामे कोन रूपैं देखल जाए?

(A) ओड़िया मैथिलीक उपनाम

(B) दुनू तिब्बती

(C) मैथिली ओड़ियाक लिपि

(D) पूर्वी हिन्द-आर्य धारा सँ व्यापक सम्बन्ध

३४४. मैथिली आ ओड़िया पर आधारित सही विकल्प चुनू।

(A) पूर्वी हिन्द-आर्य धारा सँ व्यापक सम्बन्ध

(B) ओड़िया मैथिलीक उपनाम

(C) मैथिली ओड़ियाक लिपि

(D) दुनू तिब्बती

३४५. मैथिली आ ओड़िया सम्बन्धी कारण-फलमे सही उत्तर चुनू।

(A) दुनू तिब्बती

(B) मैथिली ओड़ियाक लिपि

(C) पूर्वी हिन्द-आर्य धारा सँ व्यापक सम्बन्ध

(D) ओड़िया मैथिलीक उपनाम

३४६. मैथिली आ ओड़िया विषयक गलत धारणा सँ बचि सही कथन चुनू।

(A) ओड़िया मैथिलीक उपनाम

(B) मैथिली ओड़ियाक लिपि

(C) दुनू तिब्बती

(D) पूर्वी हिन्द-आर्य धारा सँ व्यापक सम्बन्ध

३४७. मैथिली आ ओड़िया कैं भाषा-परिवारक दृष्टिसँ केना बुझल जाए?

(A) मैथिली ओड़ियाक लिपि

(B) दुनू तिब्बती

(C) पूर्वी हिन्द-आर्य धारा सँ व्यापक सम्बन्ध

(D) ओड़िया मैथिलीक उपनाम

३४८. मैथिली आ ओड़िया पर संक्षिप्त सही परिभाषा की अछि?

(A) ओड़िया मैथिलीक उपनाम

(B) मैथिली ओड़ियाक लिपि

(C) दुनू तिब्बती

(D) पूर्वी हिन्द-आर्य धारा सँ व्यापक सम्बन्ध

३४९. मैथिली आ ओड़िया पर तुलनात्मक भाषाविज्ञानक दृष्टि सँ सही विकल्प चुनू।

(A) मैथिली ओड़ियाक लिपि

(B) पूर्वी हिन्द-आर्य धारा सँ व्यापक सम्बन्ध

(C) ओड़िया मैथिलीक उपनाम

(D) दुनू तिब्बती

३५०. मैथिली आ ओड़िया विषयक मुख्य बात की अछि?

(A) मैथिली ओड़ियाक लिपि

(B) पूर्वी हिन्द-आर्य धारा सँ व्यापक सम्बन्ध

(C) दुनू तिब्बती

(D) ओड़िया मैथिलीक उपनाम

३५१. मिथिला क्षेत्र सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) यूरोपक नदी

(B) मैथिली भाषाक सांस्कृतिक-ऐतिहासिक आधारभूमि

(C) लिपि-परिवार

(D) भाषासँ असम्बद्ध भूभाग

३५२. मिथिला क्षेत्र विषयक परीक्षा-योग्य उत्तर की अछि?

(A) लिपि-परिवार

(B) यूरोपक नदी

(C) मैथिली भाषाक सांस्कृतिक-ऐतिहासिक आधारभूमि

(D) भाषासँ असम्बद्ध भूभाग

३५३. मिथिला क्षेत्र कैँ मैथिलीक स्थान बुझबामे कोन रूपेँ देखल जाए?

(A) मैथिली भाषाक सांस्कृतिक-ऐतिहासिक आधारभूमि

(B) यूरोपक नदी

(C) लिपि-परिवार

(D) भाषासँ असम्बद्ध भूभाग

३५४. मिथिला क्षेत्र पर आधारित सही विकल्प चुनू।

(A) लिपि-परिवार

(B) मैथिली भाषाक सांस्कृतिक-ऐतिहासिक आधारभूमि

(C) यूरोपक नदी

(D) भाषासँ असम्बद्ध भूभाग

३५५. मिथिला क्षेत्र सम्बन्धी कारण-फलमे सही उत्तर चुनू।

(A) भाषासँ असम्बद्ध भूभाग

(B) यूरोपक नदी

(C) लिपि-परिवार

(D) मैथिली भाषाक सांस्कृतिक-ऐतिहासिक आधारभूमि

३५६. मिथिला क्षेत्र विषयक गलत धारणा सँ बचि सही कथन चुनू।

(A) लिपि-परिवार

(B) मैथिली भाषाक सांस्कृतिक-ऐतिहासिक आधारभूमि

(C) यूरोपक नदी

(D) भाषासँ असम्बद्ध भूभाग

३५७. मिथिला क्षेत्र कैँ भाषा-परिवारक दृष्टिसँ केना बुझल जाए?

(A) लिपि-परिवार

(B) यूरोपक नदी

(C) भाषासँ असम्बद्ध भूभाग

(D) मैथिली भाषाक सांस्कृतिक-ऐतिहासिक आधारभूमि

३५८. मिथिला क्षेत्र पर संक्षिप्त सही परिभाषा की अछि?

(A) लिपि-परिवार

(B) भाषासँ असम्बद्ध भूभाग

(C) मैथिली भाषाक सांस्कृतिक-ऐतिहासिक आधारभूमि

(D) यूरोपक नदी

३५९. मिथिला क्षेत्र पर तुलनात्मक भाषाविज्ञानक दृष्टि सँ सही विकल्प चुनू।

(A) मैथिली भाषाक सांस्कृतिक-ऐतिहासिक आधारभूमि

(B) लिपि-परिवार

(C) यूरोपक नदी

(D) भाषासँ असम्बद्ध भूभाग

३६०. मिथिला क्षेत्र विषयक मुख्य बात की अछि?

(A) लिपि-परिवार

(B) भाषासँ असम्बद्ध भूभाग

(C) मैथिली भाषाक सांस्कृतिक-ऐतिहासिक आधारभूमि

(D) यूरोपक नदी

३६१. नेपालमे मैथिली सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) क्षेत्रीय प्रसारक प्रमाण, परिवारगत स्थान पूर्वी आर्ये

(B) मैथिली नेपालमे नहि बोलल जाइत

(C) नेपालमे गेलासँ नेपाली बोली

(D) तिब्बती भाषा बनि जाइत

३६२. नेपालमे मैथिली विषयक परीक्षा-योग्य उत्तर की अछि?

(A) क्षेत्रीय प्रसारक प्रमाण, परिवारगत स्थान पूर्वी आर्ये

(B) नेपालमे गेलासँ नेपाली बोली

(C) मैथिली नेपालमे नहि बोलल जाइत

(D) तिब्बती भाषा बनि जाइत

३६३. नेपालमे मैथिली कैँ मैथिलीक स्थान बुझबामे कोन रूपेँ देखल जाए?

(A) नेपालमे गेलासँ नेपाली बोली

(B) तिब्बती भाषा बनि जाइत

(C) क्षेत्रीय प्रसारक प्रमाण, परिवारगत स्थान पूर्वी आर्ये

(D) मैथिली नेपालमे नहि बोलल जाइत

३६४. नेपालमे मैथिली पर आधारित सही विकल्प चुनू।

(A) तिब्बती भाषा बनि जाइत

(B) क्षेत्रीय प्रसारक प्रमाण, परिवारगत स्थान पूर्वी आर्ये

(C) नेपालमे गेलासँ नेपाली बोली

(D) मैथिली नेपालमे नहि बोलल जाइत

३६५. नेपालमे मैथिली सम्बन्धी कारण-फलमे सही उत्तर चुनू।

(A) मैथिली नेपालमे नहि बोलल जाइत

(B) क्षेत्रीय प्रसारक प्रमाण, परिवारगत स्थान पूर्वी आर्ये

(C) तिब्बती भाषा बनि जाइत

(D) नेपालमे गेलासँ नेपाली बोली

३६६. नेपालमे मैथिली विषयक गलत धारणा सँ बचि सही कथन चुनू।

(A) मैथिली नेपालमे नहि बोलल जाइत

(B) तिब्बती भाषा बनि जाइत

(C) नेपालमे गेलासँ नेपाली बोली

(D) क्षेत्रीय प्रसारक प्रमाण, परिवारगत स्थान पूर्वी आर्ये

३६७. नेपालमे मैथिली कैँ भाषा-परिवारक दृष्टिसँ केना बुझल जाए?

(A) नेपालमे गेलासँ नेपाली बोली

(B) तिब्बती भाषा बनि जाइत

(C) मैथिली नेपालमे नहि बोलल जाइत

(D) क्षेत्रीय प्रसारक प्रमाण, परिवारगत स्थान पूर्वी आर्ये

३६८. नेपालमे मैथिली पर संक्षिप्त सही परिभाषा की अछि?

(A) मैथिली नेपालमे नहि बोलल जाइत

(B) तिब्बती भाषा बनि जाइत

(C) नेपालमे गेलासँ नेपाली बोली

(D) क्षेत्रीय प्रसारक प्रमाण, परिवारगत स्थान पूर्वी आर्ये

३६९. नेपालमे मैथिली पर तुलनात्मक भाषाविज्ञानक दृष्टि सँ सही विकल्प चुनू।

(A) तिब्बती भाषा बनि जाइत

(B) नेपालमे गेलासँ नेपाली बोली

(C) मैथिली नेपालमे नहि बोलल जाइत

(D) क्षेत्रीय प्रसारक प्रमाण, परिवारगत स्थान पूर्वी आर्ये

३७०. नेपालमे मैथिली विषयक मुख्य बात की अछि?

(A) नेपालमे गेलासँ नेपाली बोली

(B) तिब्बती भाषा बनि जाइत

(C) मैथिली नेपालमे नहि बोलल जाइत

(D) क्षेत्रीय प्रसारक प्रमाण, परिवारगत स्थान पूर्वी आर्ये

३७१. स्वतंत्र साहित्यिक परम्परा सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) भाषा-पहिचानमे कोनो भूमिका नहि

(B) मात्र लिपि-सूची

(C) परिवार बदलि दैत अछि

(D) मैथिलीकेँ स्वतंत्र भाषा-पहिचान दैत अछि

३७२. स्वतंत्र साहित्यिक परम्परा विषयक परीक्षा-योग्य उत्तर की अछि?

(A) मात्र लिपि-सूची

(B) मैथिलीकेँ स्वतंत्र भाषा-पहिचान दैत अछि

(C) भाषा-पहिचानमे कोनो भूमिका नहि

(D) परिवार बदलि दैत अछि

३७३. स्वतंत्र साहित्यिक परम्परा केँ मैथिलीक स्थान बुझबामे कोन रूपेँ देखल जाए?

(A) मैथिलीकेँ स्वतंत्र भाषा-पहिचान दैत अछि

(B) मात्र लिपि-सूची

(C) भाषा-पहिचानमे कोनो भूमिका नहि

(D) परिवार बदलि दैत अछि

३७४. स्वतंत्र साहित्यिक परम्परा पर आधारित सही विकल्प चुनू।

(A) मैथिलीकेँ स्वतंत्र भाषा-पहिचान दैत अछि

(B) मात्र लिपि-सूची

(C) परिवार बदलि दैत अछि

(D) भाषा-पहिचानमे कोनो भूमिका नहि

३७५. स्वतंत्र साहित्यिक परम्परा सम्बन्धी कारण-फलमे सही उत्तर चुनू।

(A) भाषा-पहिचानमे कोनो भूमिका नहि

(B) परिवार बदलि दैत अछि

(C) मैथिलीकेँ स्वतंत्र भाषा-पहिचान दैत अछि

(D) मात्र लिपि-सूची

३७६. स्वतंत्र साहित्यिक परम्परा विषयक गलत धारणा सँ बचि सही कथन चुनू।

(A) मैथिलीकेँ स्वतंत्र भाषा-पहिचान दैत अछि

(B) परिवार बदलि दैत अछि

(C) मात्र लिपि-सूची

(D) भाषा-पहिचानमे कोनो भूमिका नहि

३७७. स्वतंत्र साहित्यिक परम्परा कैँ भाषा-परिवारक दृष्टिसँ केना बुझल जाए?

(A) मात्र लिपि-सूची

(B) परिवार बदलि दैत अछि

(C) भाषा-पहिचानमे कोनो भूमिका नहि

(D) मैथिलीकेँ स्वतंत्र भाषा-पहिचान दैत अछि

३७८. स्वतंत्र साहित्यिक परम्परा पर संक्षिप्त सही परिभाषा की अछि?

(A) मात्र लिपि-सूची

(B) मैथिलीकेँ स्वतंत्र भाषा-पहिचान दैत अछि

(C) परिवार बदलि दैत अछि

(D) भाषा-पहिचानमे कोनो भूमिका नहि

३७९. स्वतंत्र साहित्यिक परम्परा पर तुलनात्मक भाषाविज्ञानक दृष्टि सँ सही विकल्प चुनू।

(A) मात्र लिपि-सूची

(B) मैथिलीकेँ स्वतंत्र भाषा-पहिचान दैत अछि

(C) परिवार बदलि दैत अछि

(D) भाषा-पहिचानमे कोनो भूमिका नहि

३८०. स्वतंत्र साहित्यिक परम्परा विषयक मुख्य बात की अछि?

(A) मैथिलीकेँ स्वतंत्र भाषा-पहिचान दैत अछि

(B) भाषा-पहिचानमे कोनो भूमिका नहि

(C) मात्र लिपि-सूची

(D) परिवार बदलि दैत अछि

३८१. मानक मैथिली सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) मौन संकेत

(B) परिवार बदलनिहार रूप

(C) शिक्षा, लेखन आ प्रकाशनक समन्वित रूप

(D) एक घरक निजी बोली

३८२. मानक मैथिली विषयक परीक्षा-योग्य उत्तर की अछि?

(A) शिक्षा, लेखन आ प्रकाशनक समन्वित रूप

(B) मौन संकेत

(C) एक घरक निजी बोली

(D) परिवार बदलनिहार रूप

३८३. मानक मैथिली कैँ मैथिलीक स्थान बुझबामे कोन रूपेँ देखल जाए?

(A) परिवार बदलनिहार रूप

(B) मौन संकेत

(C) शिक्षा, लेखन आ प्रकाशनक समन्वित रूप

(D) एक घरक निजी बोली

३८४. मानक मैथिली पर आधारित सही विकल्प चुनू।

(A) मौन संकेत

(B) शिक्षा, लेखन आ प्रकाशनक समन्वित रूप

(C) एक घरक निजी बोली

(D) परिवार बदलनिहार रूप

३८५. मानक मैथिली सम्बन्धी कारण-फलमे सही उत्तर चुनू।

(A) एक घरक निजी बोली

(B) शिक्षा, लेखन आ प्रकाशनक समन्वित रूप

(C) परिवार बदलनिहार रूप

(D) मौन संकेत

३८६. मानक मैथिली विषयक गलत धारणा सँ बचि सही कथन चुनू।

(A) परिवार बदलनिहार रूप

(B) एक घरक निजी बोली

(C) शिक्षा, लेखन आ प्रकाशनक समन्वित रूप

(D) मौन संकेत

३८७. मानक मैथिली कैँ भाषा-परिवारक दृष्टिसँ केना बुझल जाए?

(A) परिवार बदलनिहार रूप

(B) एक घरक निजी बोली

(C) मौन संकेत

(D) शिक्षा, लेखन आ प्रकाशनक समन्वित रूप

३८८. मानक मैथिली पर संक्षिप्त सही परिभाषा की अछि?

(A) मौन संकेत

(B) परिवार बदलनिहार रूप

(C) एक घरक निजी बोली

(D) शिक्षा, लेखन आ प्रकाशनक समन्वित रूप

३८९. मानक मैथिली पर तुलनात्मक भाषाविज्ञानक दृष्टि सँ सही विकल्प चुनू।

(A) शिक्षा, लेखन आ प्रकाशनक समन्वित रूप

(B) एक घरक निजी बोली

(C) परिवार बदलनिहार रूप

(D) मौन संकेत

३९०. मानक मैथिली विषयक मुख्य बात की अछि?

(A) एक घरक निजी बोली

(B) परिवार बदलनिहार रूप

(C) शिक्षा, लेखन आ प्रकाशनक समन्वित रूप

(D) मौन संकेत

३९१. संकलित स्थान सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) जर्मनिक शाखा

(B) मैथिली भारोपीयक हिन्द-ईरानी, हिन्द-आर्य, पूर्वी आर्य धारा मे स्थित

(C) द्रविड़-तिब्बती धारा

(D) लिपि मात्र

३९२. संकलित स्थान विषयक परीक्षा-योग्य उत्तर की अछि?

(A) जर्मनिक शाखा

(B) द्रविड़-तिब्बती धारा

(C) लिपि मात्र

(D) मैथिली भारोपीयक हिन्द-ईरानी, हिन्द-आर्य, पूर्वी आर्य धारा मे स्थित

३९३. संकलित स्थान कैँ मैथिलीक स्थान बुझबामे कोन रूपेँ देखल जाए?

(A) लिपि मात्र

(B) द्रविड़-तिब्बती धारा

(C) मैथिली भारोपीयक हिन्द-ईरानी, हिन्द-आर्य, पूर्वी आर्य धारा मे स्थित

(D) जर्मनिक शाखा

३९४. संकलित स्थान पर आधारित सही विकल्प चुनू।

(A) लिपि मात्र

(B) जर्मनिक शाखा

(C) मैथिली भारोपीयक हिन्द-ईरानी, हिन्द-आर्य, पूर्वी आर्य धारा मे स्थित

(D) द्रविड़-तिब्बती धारा

३९५. संकलित स्थान सम्बन्धी कारण-फलमे सही उत्तर चुनू।

(A) मैथिली भारोपीयक हिन्द-ईरानी, हिन्द-आर्य, पूर्वी आर्य धारा मे स्थित

(B) द्रविड़-तिब्बती धारा

(C) जर्मनिक शाखा

(D) लिपि मात्र

३९६. संकलित स्थान विषयक गलत धारणा सँ बचि सही कथन चुनू।

(A) लिपि मात्र

(B) जर्मनिक शाखा

(C) द्रविड़-तिब्बती धारा

(D) मैथिली भारोपीयक हिन्द-ईरानी, हिन्द-आर्य, पूर्वी आर्य धारा मे स्थित

३९७. संकलित स्थान कैँ भाषा-परिवारक दृष्टिसँ केना बुझल जाए?

(A) द्रविड़-तिब्बती धारा

(B) मैथिली भारोपीयक हिन्द-ईरानी, हिन्द-आर्य, पूर्वी आर्य धारा मे स्थित

(C) जर्मनिक शाखा

(D) लिपि मात्र

३९८. संकलित स्थान पर संक्षिप्त सही परिभाषा की अछि?

(A) लिपि मात्र

(B) द्रविड़-तिब्बती धारा

(C) मैथिली भारोपीयक हिन्द-ईरानी, हिन्द-आर्य, पूर्वी आर्य धारा मे स्थित

(D) जर्मनिक शाखा

३९९. संकलित स्थान पर तुलनात्मक भाषाविज्ञानक दृष्टि सँ सही विकल्प चुनू।

(A) मैथिली भारोपीयक हिन्द-ईरानी, हिन्द-आर्य, पूर्वी आर्य धारा मे स्थित

(B) लिपि मात्र

(C) जर्मनिक शाखा

(D) द्रविड़-तिब्बती धारा

४००. संकलित स्थान विषयक मुख्य बात की अछि?

(A) द्रविड़-तिब्बती धारा

(B) लिपि मात्र

(C) जर्मनिक शाखा

(D) मैथिली भारोपीयक हिन्द-ईरानी, हिन्द-आर्य, पूर्वी आर्य धारा मे स्थित

४०१. मैथिली आ मगही सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) निकट पड़ोसी हिन्द-आर्य भाषा, मुदा अलग पहचान

(B) असम्बद्ध परिवार

(C) पूर्ण एके भाषा

(D) लिपि मात्र

४०२. मैथिली आ मगही विषयक परीक्षा-योग्य उत्तर की अछि?

(A) पूर्ण एके भाषा

(B) निकट पड़ोसी हिन्द-आर्य भाषा, मुदा अलग पहचान

(C) असम्बद्ध परिवार

(D) लिपि मात्र

४०३. मैथिली आ मगही कैँ मैथिलीक स्थान बुझबामे कोन रूपेँ देखल जाए?

(A) असम्बद्ध परिवार

(B) निकट पड़ोसी हिन्द-आर्य भाषा, मुदा अलग पहचान

(C) पूर्ण एके भाषा

(D) लिपि मात्र

४०४. मैथिली आ मगही पर आधारित सही विकल्प चुनू।

(A) लिपि मात्र

(B) असम्बद्ध परिवार

(C) निकट पड़ोसी हिन्द-आर्य भाषा, मुदा अलग पहचान

(D) पूर्ण एके भाषा

४०५. मैथिली आ मगही सम्बन्धी कारण-फलमे सही उत्तर चुनू।

(A) निकट पड़ोसी हिन्द-आर्य भाषा, मुदा अलग पहचान

(B) पूर्ण एके भाषा

(C) असम्बद्ध परिवार

(D) लिपि मात्र

४०६. मैथिली आ मगही विषयक गलत धारणा सँ बचि सही कथन चुनू।

(A) लिपि मात्र

(B) निकट पड़ोसी हिन्द-आर्य भाषा, मुदा अलग पहचान

(C) असम्बद्ध परिवार

(D) पूर्ण एके भाषा

४०७. मैथिली आ मगही कैँ भाषा-परिवारक दृष्टिसँ केना बुझल जाए?

(A) निकट पड़ोसी हिन्द-आर्य भाषा, मुदा अलग पहचान

(B) लिपि मात्र

(C) असम्बद्ध परिवार

(D) पूर्ण एके भाषा

४०८. मैथिली आ मगही पर संक्षिप्त सही परिभाषा की अछि?

(A) असम्बद्ध परिवार

(B) निकट पड़ोसी हिन्द-आर्य भाषा, मुदा अलग पहचान

(C) लिपि मात्र

(D) पूर्ण एके भाषा

४०९. मैथिली आ मगही पर तुलनात्मक भाषाविज्ञानक दृष्टि सँ सही विकल्प चुनू।

(A) लिपि मात्र

(B) पूर्ण एके भाषा

(C) असम्बद्ध परिवार

(D) निकट पड़ोसी हिन्द-आर्य भाषा, मुदा अलग पहचान

४१०. मैथिली आ मगही विषयक मुख्य बात की अछि?

(A) पूर्ण एके भाषा

(B) असम्बद्ध परिवार

(C) निकट पड़ोसी हिन्द-आर्य भाषा, मुदा अलग पहचान

(D) लिपि मात्र

४११. मैथिली आ भोजपुरी सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) दुनू इतिहासविहीन

(B) दुनू हिन्द-आर्य, किछु वर्गीकरणमे बिहारी समूहमे

(C) भोजपुरी मैथिलीक वर्ण

(D) भोजपुरी द्रविड़, मैथिली तिब्बती

४१२. मैथिली आ भोजपुरी विषयक परीक्षा-योग्य उत्तर की अछि?

(A) दुनू इतिहासविहीन

(B) भोजपुरी द्रविड़, मैथिली तिब्बती

(C) भोजपुरी मैथिलीक वर्ण

(D) दुनू हिन्द-आर्य, किछु वर्गीकरणमे बिहारी समूहमे

४१३. मैथिली आ भोजपुरी कैँ मैथिलीक स्थान बुझबामे कोन रूपैँ देखल जाए?

(A) दुनू इतिहासविहीन

(B) भोजपुरी द्रविड़, मैथिली तिब्बती

(C) दुनू हिन्द-आर्य, किछु वर्गीकरणमे बिहारी समूहमे

(D) भोजपुरी मैथिलीक वर्ण

४१४. मैथिली आ भोजपुरी पर आधारित सही विकल्प चुनू।

(A) भोजपुरी मैथिलीक वर्ण

(B) दुनू हिन्द-आर्य, किछु वर्गीकरणमे बिहारी समूहमे

(C) भोजपुरी द्रविड़, मैथिली तिब्बती

(D) दुनू इतिहासविहीन

४१५. मैथिली आ भोजपुरी सम्बन्धी कारण-फलमे सही उत्तर चुनू।

(A) भोजपुरी द्रविड़, मैथिली तिब्बती

(B) दुनू हिन्द-आर्य, किछु वर्गीकरणमे बिहारी समूहमे

(C) दुनू इतिहासविहीन

(D) भोजपुरी मैथिलीक वर्ण

४१६. मैथिली आ भोजपुरी विषयक गलत धारणा सँ बचि सही कथन चुनू।

(A) दुनू हिन्द-आर्य, किछु वर्गीकरणमे बिहारी समूहमे

(B) भोजपुरी मैथिलीक वर्ण

(C) दुनू इतिहासविहीन

(D) भोजपुरी द्रविड़, मैथिली तिब्बती

४१७. मैथिली आ भोजपुरी कैँ भाषा-परिवारक दृष्टिसँ केना बुझल जाए?

(A) दुनू इतिहासविहीन

(B) भोजपुरी द्रविड़, मैथिली तिब्बती

(C) भोजपुरी मैथिलीक वर्ण

(D) दुनू हिन्द-आर्य, किछु वर्गीकरणमे बिहारी समूहमे

४१८. मैथिली आ भोजपुरी पर संक्षिप्त सही परिभाषा की अछि?

(A) भोजपुरी द्रविड़, मैथिली तिब्बती

(B) दुनू इतिहासविहीन

(C) भोजपुरी मैथिलीक वर्ण

(D) दुनू हिन्द-आर्य, किछु वर्गीकरणमे बिहारी समूहमे

४१९. मैथिली आ भोजपुरी पर तुलनात्मक भाषाविज्ञानक दृष्टि सँ सही विकल्प चुनू।

(A) दुनू हिन्द-आर्य, किछु वर्गीकरणमे बिहारी समूहमे

(B) दुनू इतिहासविहीन

(C) भोजपुरी द्रविड़, मैथिली तिब्बती

(D) भोजपुरी मैथिलीक वर्ण

४२०. मैथिली आ भोजपुरी विषयक मुख्य बात की अछि?

(A) दुनू हिन्द-आर्य, किछु वर्गीकरणमे बिहारी समूहमे

(B) भोजपुरी द्रविड़, मैथिली तिब्बती

(C) भोजपुरी मैथिलीक वर्ण

(D) दुनू इतिहासविहीन

४२१. मैथिली आ हिन्दी सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) दुनू असम्बद्ध परिवार

(B) हिन्दीसँ भिन्न कोनो रूप नहि

(C) मैथिली हिन्दी लिखबाक ढंग

(D) दुनू हिन्द-आर्य, मुदा स्वतंत्र इतिहास-साहित्य

४२२. मैथिली आ हिन्दी विषयक परीक्षा-योग्य उत्तर की अछि?

(A) दुनू असम्बद्ध परिवार

(B) मैथिली हिन्दी लिखबाक ढंग

(C) दुनू हिन्द-आर्य, मुदा स्वतंत्र इतिहास-साहित्य

(D) हिन्दीसँ भिन्न कोनो रूप नहि

४२३. मैथिली आ हिन्दी कैँ मैथिलीक स्थान बुझबामे कोन रूपेँ देखल जाए?

(A) मैथिली हिन्दी लिखबाक ढंग

(B) दुनू असम्बद्ध परिवार

(C) हिन्दीसँ भिन्न कोनो रूप नहि

(D) दुनू हिन्द-आर्य, मुदा स्वतंत्र इतिहास-साहित्य

४२४. मैथिली आ हिन्दी पर आधारित सही विकल्प चुनू।

(A) दुनू हिन्द-आर्य, मुदा स्वतंत्र इतिहास-साहित्य

(B) मैथिली हिन्दी लिखबाक ढंग

(C) हिन्दीसँ भिन्न कोनो रूप नहि

(D) दुनू असम्बद्ध परिवार

४२५. मैथिली आ हिन्दी सम्बन्धी कारण-फलमे सही उत्तर चुनू।

(A) दुनू हिन्द-आर्य, मुदा स्वतंत्र इतिहास-साहित्य

(B) मैथिली हिन्दी लिखबाक ढंग

(C) हिन्दीसँ भिन्न कोनो रूप नहि

(D) दुनू असम्बद्ध परिवार

४२६. मैथिली आ हिन्दी विषयक गलत धारणा सँ बचि सही कथन चुनू।

(A) हिन्दीसँ भिन्न कोनो रूप नहि

(B) दुनू असम्बद्ध परिवार

(C) मैथिली हिन्दी लिखबाक ढंग

(D) दुनू हिन्द-आर्य, मुदा स्वतंत्र इतिहास-साहित्य

४२७. मैथिली आ हिन्दी कैँ भाषा-परिवारक दृष्टिसँ केना बुझल जाए?

(A) दुनू असम्बद्ध परिवार

(B) दुनू हिन्द-आर्य, मुदा स्वतंत्र इतिहास-साहित्य

(C) हिन्दीसँ भिन्न कोनो रूप नहि

(D) मैथिली हिन्दी लिखबाक ढंग

४२८. मैथिली आ हिन्दी पर संक्षिप्त सही परिभाषा की अछि?

(A) मैथिली हिन्दी लिखबाक ढंग

(B) दुनू हिन्द-आर्य, मुदा स्वतंत्र इतिहास-साहित्य

(C) हिन्दीसँ भिन्न कोनो रूप नहि

(D) दुनू असम्बद्ध परिवार

४२९. मैथिली आ हिन्दी पर तुलनात्मक भाषाविज्ञानक दृष्टि सँ सही विकल्प चुनू।

(A) मैथिली हिन्दी लिखबाक ढंग

(B) दुनू हिन्द-आर्य, मुदा स्वतंत्र इतिहास-साहित्य

(C) हिन्दीसँ भिन्न कोनो रूप नहि

(D) दुनू असम्बद्ध परिवार

४३०. मैथिली आ हिन्दी विषयक मुख्य बात की अछि?

(A) हिन्दीसँ भिन्न कोनो रूप नहि

(B) दुनू हिन्द-आर्य, मुदा स्वतंत्र इतिहास-साहित्य

(C) मैथिली हिन्दी लिखबाक ढंग

(D) दुनू असम्बद्ध परिवार

४३१. मैथिली आ नेपाली सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) सीमा परिवार बदलैत

(B) मैथिली नेपालीक बोली

(C) नेपालमे मैथिली प्रयोगित, मुदा नेपालीसँ समान स्तरक निकटता नहि

(D) मैथिली नेपालसँ असम्बद्ध

४३२. मैथिली आ नेपाली विषयक परीक्षा-योग्य उत्तर की अछि?

(A) मैथिली नेपालसँ असम्बद्ध

(B) सीमा परिवार बदलैत

(C) नेपालमे मैथिली प्रयोगित, मुदा नेपालीसँ समान स्तरक निकटता नहि

(D) मैथिली नेपालीक बोली

४३३. मैथिली आ नेपाली कैँ मैथिलीक स्थान बुझबामे कोन रूपैँ देखल जाए?

(A) मैथिली नेपालीक बोली

(B) सीमा परिवार बदलैत

(C) मैथिली नेपालसँ असम्बद्ध

(D) नेपालमे मैथिली प्रयोगित, मुदा नेपालीसँ समान स्तरक निकटता नहि

४३४. मैथिली आ नेपाली पर आधारित सही विकल्प चुनू।

(A) मैथिली नेपालसँ असम्बद्ध

(B) नेपालमे मैथिली प्रयोगित, मुदा नेपालीसँ समान स्तरक निकटता नहि

(C) मैथिली नेपालीक बोली

(D) सीमा परिवार बदलैत

४३५. मैथिली आ नेपाली सम्बन्धी कारण-फलमे सही उत्तर चुनू।

(A) मैथिली नेपालसँ असम्बद्ध

(B) सीमा परिवार बदलैत

(C) मैथिली नेपालीक बोली

(D) नेपालमे मैथिली प्रयोगित, मुदा नेपालीसँ समान स्तरक निकटता नहि

४३६. मैथिली आ नेपाली विषयक गलत धारणा सँ बचि सही कथन चुनू।

(A) नेपालमे मैथिली प्रयोगित, मुदा नेपालीसँ समान स्तरक निकटता नहि

(B) सीमा परिवार बदलैत

(C) मैथिली नेपालीक बोली

(D) मैथिली नेपालसँ असम्बद्ध

४३७. मैथिली आ नेपाली कैँ भाषा-परिवारक दृष्टिसँ केना बुझल जाए?

(A) मैथिली नेपालीक बोली

(B) मैथिली नेपालसँ असम्बद्ध

(C) सीमा परिवार बदलैत

(D) नेपालमे मैथिली प्रयोगित, मुदा नेपालीसँ समान स्तरक निकटता नहि

४३८. मैथिली आ नेपाली पर संक्षिप्त सही परिभाषा की अछि?

(A) सीमा परिवार बदलैत

(B) मैथिली नेपालीक बोली

(C) मैथिली नेपालसँ असम्बद्ध

(D) नेपालमे मैथिली प्रयोगित, मुदा नेपालीसँ समान स्तरक निकटता नहि

४३९. मैथिली आ नेपाली पर तुलनात्मक भाषाविज्ञानक दृष्टि सँ सही विकल्प चुनू।

(A) नेपालमे मैथिली प्रयोगित, मुदा नेपालीसँ समान स्तरक निकटता नहि

(B) सीमा परिवार बदलैत

(C) मैथिली नेपालसँ असम्बद्ध

(D) मैथिली नेपालीक बोली

४४०. मैथिली आ नेपाली विषयक मुख्य बात की अछि?

(A) सीमा परिवार बदलैत

(B) मैथिली नेपालसँ असम्बद्ध

(C) मैथिली नेपालीक बोली

(D) नेपालमे मैथिली प्रयोगित, मुदा नेपालीसँ समान स्तरक निकटता नहि

४४१. ग्राम्य बोली सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) भाषा-जीवनक लोक आधार

(B) इतिहासहीन

(C) अशुद्धि मात्र

(D) परिवार बदलनिहार

४४२. ग्राम्य बोली विषयक परीक्षा-योग्य उत्तर की अछि?

(A) परिवार बदलनिहार

(B) भाषा-जीवनक लोक आधार

(C) अशुद्धि मात्र

(D) इतिहासहीन

४४३. ग्राम्य बोली कैँ मैथिलीक स्थान बुझबामे कोन रूपेँ देखल जाए?

(A) परिवार बदलनिहार

(B) भाषा-जीवनक लोक आधार

(C) इतिहासहीन

(D) अशुद्धि मात्र

४४४. ग्राम्य बोली पर आधारित सही विकल्प चुनू।

(A) अशुद्धि मात्र

(B) भाषा-जीवनक लोक आधार

(C) इतिहासहीन

(D) परिवार बदलनिहार

४४५. ग्राम्य बोली सम्बन्धी कारण-फलमे सही उत्तर चुनू।

(A) परिवार बदलनिहार

(B) भाषा-जीवनक लोक आधार

(C) इतिहासहीन

(D) अशुद्धि मात्र

४४६. ग्राम्य बोली विषयक गलत धारणा सँ बचि सही कथन चुनू।

(A) इतिहासहीन

(B) अशुद्धि मात्र

(C) भाषा-जीवनक लोक आधार

(D) परिवार बदलनिहार

४४७. ग्राम्य बोली कैँ भाषा-परिवारक दृष्टिसँ केना बुझल जाए?

(A) परिवार बदलनिहार

(B) अशुद्धि मात्र

(C) इतिहासहीन

(D) भाषा-जीवनक लोक आधार

४४८. ग्राम्य बोली पर संक्षिप्त सही परिभाषा की अछि?

(A) परिवार बदलनिहार

(B) अशुद्धि मात्र

(C) भाषा-जीवनक लोक आधार

(D) इतिहासहीन

४४९. ग्राम्य बोली पर तुलनात्मक भाषाविज्ञानक दृष्टि सँ सही विकल्प चुनू।

(A) इतिहासहीन

(B) अशुद्धि मात्र

(C) परिवार बदलनिहार

(D) भाषा-जीवनक लोक आधार

४५०. ग्राम्य बोली विषयक मुख्य बात की अछि?

(A) भाषा-जीवनक लोक आधार

(B) परिवार बदलनिहार

(C) इतिहासहीन

(D) अशुद्धि मात्र

४५१. क्षेत्रीय उच्चारण सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) सदा गलती

(B) भाषा-समुदायक स्वाभाविक विविधता

(C) भाषा नष्ट करैत

(D) भाषाविज्ञानमे निषिद्ध

४५२. क्षेत्रीय उच्चारण विषयक परीक्षा-योग्य उत्तर की अछि?

(A) भाषाविज्ञानमे निषिद्ध

(B) भाषा नष्ट करैत

(C) भाषा-समुदायक स्वाभाविक विविधता

(D) सदा गलती

४५३. क्षेत्रीय उच्चारण कैँ मैथिलीक स्थान बुझबामे कोन रूपेँ देखल जाए?

(A) भाषा-समुदायक स्वाभाविक विविधता

(B) भाषाविज्ञानमे निषिद्ध

(C) भाषा नष्ट करैत

(D) सदा गलती

४५४. क्षेत्रीय उच्चारण पर आधारित सही विकल्प चुनू।

(A) सदा गलती

(B) भाषाविज्ञानमे निषिद्ध

(C) भाषा-समुदायक स्वाभाविक विविधता

(D) भाषा नष्ट करैत

४५५. क्षेत्रीय उच्चारण सम्बन्धी कारण-फलमे सही उत्तर चुनू।

(A) भाषाविज्ञानमे निषिद्ध

(B) भाषा नष्ट करैत

(C) सदा गलती

(D) भाषा-समुदायक स्वाभाविक विविधता

४५६. क्षेत्रीय उच्चारण विषयक गलत धारणा सँ बचि सही कथन चुनू।

(A) भाषाविज्ञानमे निषिद्ध

(B) सदा गलती

(C) भाषा नष्ट करैत

(D) भाषा-समुदायक स्वाभाविक विविधता

४५७. क्षेत्रीय उच्चारण कैँ भाषा-परिवारक दृष्टिसँ केना बुझल जाए?

(A) भाषा-समुदायक स्वाभाविक विविधता

(B) सदा गलती

(C) भाषा नष्ट करैत

(D) भाषाविज्ञानमे निषिद्ध

४५८. क्षेत्रीय उच्चारण पर संक्षिप्त सही परिभाषा की अछि?

(A) सदा गलती

(B) भाषा-समुदायक स्वाभाविक विविधता

(C) भाषा नष्ट करैत

(D) भाषाविज्ञानमे निषिद्ध

४५९. क्षेत्रीय उच्चारण पर तुलनात्मक भाषाविज्ञानक दृष्टि सँ सही विकल्प चुनू।

(A) भाषाविज्ञानमे निषिद्ध

(B) सदा गलती

(C) भाषा-समुदायक स्वाभाविक विविधता

(D) भाषा नष्ट करैत

४६०. क्षेत्रीय उच्चारण विषयक मुख्य बात की अछि?

(A) भाषा नष्ट करैत

(B) सदा गलती

(C) भाषा-समुदायक स्वाभाविक विविधता

(D) भाषाविज्ञानमे निषिद्ध

४६१. तत्सम शब्द सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) संस्कृत-रूपक निकट शब्द

(B) विदेशी उधार मात्र

(C) लोकमे बदलल रूप

(D) द्रविड़ मूलक शब्द

४६२. तत्सम शब्द विषयक परीक्षा-योग्य उत्तर की अछि?

(A) लोकमे बदलल रूप

(B) विदेशी उधार मात्र

(C) संस्कृत-रूपक निकट शब्द

(D) द्रविड़ मूलक शब्द

४६३. तत्सम शब्द कैँ मैथिलीक स्थान बुझबामे कोन रूपैँ देखल जाए?

(A) लोकमे बदलल रूप

(B) द्रविड़ मूलक शब्द

(C) विदेशी उधार मात्र

(D) संस्कृत-रूपक निकट शब्द

४६४. तत्सम शब्द पर आधारित सही विकल्प चुनू।

(A) लोकमे बदलल रूप

(B) द्रविड़ मूलक शब्द

(C) विदेशी उधार मात्र

(D) संस्कृत-रूपक निकट शब्द

४६५. तत्सम शब्द सम्बन्धी कारण-फलमे सही उत्तर चुनू।

(A) संस्कृत-रूपक निकट शब्द

(B) लोकमे बदलल रूप

(C) विदेशी उधार मात्र

(D) द्रविड़ मूलक शब्द

४६६. तत्सम शब्द विषयक गलत धारणा सँ बचि सही कथन चुनू।

(A) लोकमे बदलल रूप

(B) संस्कृत-रूपक निकट शब्द

(C) विदेशी उधार मात्र

(D) द्रविड़ मूलक शब्द

४६७. तत्सम शब्द कैँ भाषा-परिवारक दृष्टिसँ केना बुझल जाए?

(A) विदेशी उधार मात्र

(B) संस्कृत-रूपक निकट शब्द

(C) द्रविड़ मूलक शब्द

(D) लोकमे बदलल रूप

४६८. तत्सम शब्द पर संक्षिप्त सही परिभाषा की अछि?

(A) संस्कृत-रूपक निकट शब्द

(B) विदेशी उधार मात्र

(C) द्रविड़ मूलक शब्द

(D) लोकमे बदलल रूप

४६९. तत्सम शब्द पर तुलनात्मक भाषाविज्ञानक दृष्टि सँ सही विकल्प चुनू।

(A) लोकमे बदलल रूप

(B) विदेशी उधार मात्र

(C) द्रविड़ मूलक शब्द

(D) संस्कृत-रूपक निकट शब्द

४७०. तत्सम शब्द विषयक मुख्य बात की अछि?

(A) संस्कृत-रूपक निकट शब्द

(B) लोकमे बदलल रूप

(C) द्रविड़ मूलक शब्द

(D) विदेशी उधार मात्र

४७१. तद्भव शब्द सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) लिपिक नाम

(B) विदेशी चिह्न

(C) अपरिवर्तित संस्कृत शब्द

(D) ऐतिहासिक ध्वनि-परिवर्तनसँ विकसित आर्य शब्द

४७२. तद्भव शब्द विषयक परीक्षा-योग्य उत्तर की अछि?

(A) विदेशी चिह्न

(B) लिपिक नाम

(C) ऐतिहासिक ध्वनि-परिवर्तनसँ विकसित आर्य शब्द

(D) अपरिवर्तित संस्कृत शब्द

४७३. तद्भव शब्द कैँ मैथिलीक स्थान बुझबामे कोन रूपैँ देखल जाए?

(A) अपरिवर्तित संस्कृत शब्द

(B) लिपिक नाम

(C) विदेशी चिह्न

(D) ऐतिहासिक ध्वनि-परिवर्तनसँ विकसित आर्य शब्द

४७४. तद्भव शब्द पर आधारित सही विकल्प चुनू।

(A) लिपिक नाम

(B) ऐतिहासिक ध्वनि-परिवर्तनसँ विकसित आर्य शब्द

(C) अपरिवर्तित संस्कृत शब्द

(D) विदेशी चिह्न

४७५. तद्भव शब्द सम्बन्धी कारण-फलमे सही उत्तर चुनू।

(A) अपरिवर्तित संस्कृत शब्द

(B) लिपिक नाम

(C) ऐतिहासिक ध्वनि-परिवर्तनसँ विकसित आर्य शब्द

(D) विदेशी चिह्न

४७६. तद्भव शब्द विषयक गलत धारणा सँ बचि सही कथन चुनू।

(A) अपरिवर्तित संस्कृत शब्द

(B) विदेशी चिह्न

(C) लिपिक नाम

(D) ऐतिहासिक ध्वनि-परिवर्तनसँ विकसित आर्य शब्द

४७७. तद्भव शब्द कैँ भाषा-परिवारक दृष्टिसँ केना बुझल जाए?

(A) लिपिक नाम

(B) ऐतिहासिक ध्वनि-परिवर्तनसँ विकसित आर्य शब्द

(C) अपरिवर्तित संस्कृत शब्द

(D) विदेशी चिह्न

४७८. तद्भव शब्द पर संक्षिप्त सही परिभाषा की अछि?

(A) अपरिवर्तित संस्कृत शब्द

(B) विदेशी चिह्न

(C) लिपिक नाम

(D) ऐतिहासिक ध्वनि-परिवर्तनसँ विकसित आर्य शब्द

४७९. तद्भव शब्द पर तुलनात्मक भाषाविज्ञानक दृष्टि सँ सही विकल्प चुनू।

(A) विदेशी चिह्न

(B) लिपिक नाम

(C) ऐतिहासिक ध्वनि-परिवर्तनसँ विकसित आर्य शब्द

(D) अपरिवर्तित संस्कृत शब्द

४८०. तद्भव शब्द विषयक मुख्य बात की अछि?

(A) अपरिवर्तित संस्कृत शब्द

(B) लिपिक नाम

(C) ऐतिहासिक ध्वनि-परिवर्तनसँ विकसित आर्य शब्द

(D) विदेशी चिह्न

४८१. देशज शब्द सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) स्थानीय लोकजीवनसँ उपजल शब्द

(B) अर्थहीन ध्वनि

(C) सदा राजकीय उधार

(D) तत्सम रूप

४८२. देशज शब्द विषयक परीक्षा-योग्य उत्तर की अछि?

(A) स्थानीय लोकजीवनसँ उपजल शब्द

(B) अर्थहीन ध्वनि

(C) तत्सम रूप

(D) सदा राजकीय उधार

४८३. देशज शब्द कैँ मैथिलीक स्थान बुझबामे कोन रूपैँ देखल जाए?

(A) सदा राजकीय उधार

(B) तत्सम रूप

(C) अर्थहीन ध्वनि

(D) स्थानीय लोकजीवनसँ उपजल शब्द

४८४. देशज शब्द पर आधारित सही विकल्प चुनू।

(A) स्थानीय लोकजीवनसँ उपजल शब्द

(B) अर्थहीन ध्वनि

(C) तत्सम रूप

(D) सदा राजकीय उधार

४८५. देशज शब्द सम्बन्धी कारण-फलमे सही उत्तर चुनू।

(A) अर्थहीन ध्वनि

(B) स्थानीय लोकजीवनसँ उपजल शब्द

(C) सदा राजकीय उधार

(D) तत्सम रूप

४८६. देशज शब्द विषयक गलत धारणा सँ बचि सही कथन चुनू।

(A) तत्सम रूप

(B) स्थानीय लोकजीवनसँ उपजल शब्द

(C) सदा राजकीय उधार

(D) अर्थहीन ध्वनि

४८७. देशज शब्द कैँ भाषा-परिवारक दृष्टिसँ केना बुझल जाए?

(A) स्थानीय लोकजीवनसँ उपजल शब्द

(B) तत्सम रूप

(C) सदा राजकीय उधार

(D) अर्थहीन ध्वनि

४८८. देशज शब्द पर संक्षिप्त सही परिभाषा की अछि?

(A) सदा राजकीय उधार

(B) तत्सम रूप

(C) स्थानीय लोकजीवनसँ उपजल शब्द

(D) अर्थहीन ध्वनि

४८९. देशज शब्द पर तुलनात्मक भाषाविज्ञानक दृष्टि सँ सही विकल्प चुनू।

(A) अर्थहीन ध्वनि

(B) तत्सम रूप

(C) सदा राजकीय उधार

(D) स्थानीय लोकजीवनसँ उपजल शब्द

४९०. देशज शब्द विषयक मुख्य बात की अछि?

(A) तत्सम रूप

(B) सदा राजकीय उधार

(C) स्थानीय लोकजीवनसँ उपजल शब्द

(D) अर्थहीन ध्वनि

४९१. आगन्तुक शब्द सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) सम्पर्कसँ दोसर भाषासँ आयल शब्द

(B) मूल आर्य शब्द मात्र

(C) समान पूर्वजक पक्का प्रमाण

(D) लिपि-चिह्न

४९२. आगन्तुक शब्द विषयक परीक्षा-योग्य उत्तर की अछि?

(A) लिपि-चिह्न

(B) समान पूर्वजक पक्का प्रमाण

(C) सम्पर्कसँ दोसर भाषासँ आयल शब्द

(D) मूल आर्य शब्द मात्र

४९३. आगन्तुक शब्द कैँ मैथिलीक स्थान बुझबामे कोन रूपेँ देखल जाए?

(A) सम्पर्कसँ दोसर भाषासँ आयल शब्द

(B) मूल आर्य शब्द मात्र

(C) समान पूर्वजक पक्का प्रमाण

(D) लिपि-चिह्न

४९४. आगन्तुक शब्द पर आधारित सही विकल्प चुनू।

(A) समान पूर्वजक पक्का प्रमाण

(B) सम्पर्कसँ दोसर भाषासँ आयल शब्द

(C) लिपि-चिह्न

(D) मूल आर्य शब्द मात्र

४९५. आगन्तुक शब्द सम्बन्धी कारण-फलमे सही उत्तर चुनू।

(A) मूल आर्य शब्द मात्र

(B) समान पूर्वजक पक्का प्रमाण

(C) लिपि-चिह्न

(D) सम्पर्कसँ दोसर भाषासँ आयल शब्द

४९६. आगन्तुक शब्द विषयक गलत धारणा सँ बचि सही कथन चुनू।

(A) लिपि-चिह्न

(B) सम्पर्कसँ दोसर भाषासँ आयल शब्द

(C) समान पूर्वजक पक्का प्रमाण

(D) मूल आर्य शब्द मात्र

४९७. आगन्तुक शब्द कैं भाषा-परिवारक दृष्टिसँ केना बुझल जाए?

(A) मूल आर्य शब्द मात्र

(B) लिपि-चिह्न

(C) समान पूर्वजक पक्का प्रमाण

(D) सम्पर्कसँ दोसर भाषासँ आयल शब्द

४९८. आगन्तुक शब्द पर संक्षिप्त सही परिभाषा की अछि?

(A) लिपि-चिह्न

(B) समान पूर्वजक पक्का प्रमाण

(C) मूल आर्य शब्द मात्र

(D) सम्पर्कसँ दोसर भाषासँ आयल शब्द

४९९. आगन्तुक शब्द पर तुलनात्मक भाषाविज्ञानक दृष्टि सँ सही विकल्प चुनू।

(A) समान पूर्वजक पक्का प्रमाण

(B) सम्पर्कसँ दोसर भाषासँ आयल शब्द

(C) मूल आर्य शब्द मात्र

(D) लिपि-चिह्न

५००. आगन्तुक शब्द विषयक मुख्य बात की अछि?

(A) सम्पर्कसँ दोसर भाषासँ आयल शब्द

(B) समान पूर्वजक पक्का प्रमाण

(C) मूल आर्य शब्द मात्र

(D) लिपि-चिह्न

५०१. संस्कृत सँ मैथिली सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) क्रमिक विकासक ऐतिहासिक सम्बन्ध, प्रत्यक्ष बिना बदलावक समानता नहि

(B) संस्कृतक प्रभाव नहि

(C) मैथिली द्रविड़ मूलक

(D) मैथिली शुद्ध संस्कृत मात्र

५०२. संस्कृत सँ मैथिली विषयक परीक्षा-योग्य उत्तर की अछि?

(A) क्रमिक विकासक ऐतिहासिक सम्बन्ध, प्रत्यक्ष बिना बदलावक समानता नहि

(B) मैथिली शुद्ध संस्कृत मात्र

(C) मैथिली द्रविड़ मूलक

(D) संस्कृतक प्रभाव नहि

५०३. संस्कृत सँ मैथिली कैं मैथिलीक स्थान बुझबामे कोन रूपेँ देखल जाए?

(A) मैथिली शुद्ध संस्कृत मात्र

(B) मैथिली द्रविड़ मूलक

(C) क्रमिक विकासक ऐतिहासिक सम्बन्ध, प्रत्यक्ष बिना बदलावक समानता नहि

(D) संस्कृतक प्रभाव नहि

५०४. संस्कृत सँ मैथिली पर आधारित सही विकल्प चुनू।

(A) क्रमिक विकासक ऐतिहासिक सम्बन्ध, प्रत्यक्ष बिना बदलावक समानता नहि

(B) मैथिली द्रविड़ मूलक

(C) संस्कृतक प्रभाव नहि

(D) मैथिली शुद्ध संस्कृत मात्र

५०५. संस्कृत सँ मैथिली सम्बन्धी कारण-फलमे सही उत्तर चुनू।

(A) क्रमिक विकासक ऐतिहासिक सम्बन्ध, प्रत्यक्ष बिना बदलावक समानता नहि

(B) मैथिली द्रविड़ मूलक

(C) मैथिली शुद्ध संस्कृत मात्र

(D) संस्कृतक प्रभाव नहि

५०६. संस्कृत सँ मैथिली विषयक गलत धारणा सँ बचि सही कथन चुनू।

(A) मैथिली द्रविड़ मूलक

(B) संस्कृतक प्रभाव नहि

(C) क्रमिक विकासक ऐतिहासिक सम्बन्ध, प्रत्यक्ष बिना बदलावक समानता नहि

(D) मैथिली शुद्ध संस्कृत मात्र

५०७. संस्कृत सँ मैथिली कैँ भाषा-परिवारक दृष्टिसँ केना बुझल जाए?

(A) मैथिली द्रविड़ मूलक

(B) क्रमिक विकासक ऐतिहासिक सम्बन्ध, प्रत्यक्ष बिना बदलावक समानता नहि

(C) संस्कृतक प्रभाव नहि

(D) मैथिली शुद्ध संस्कृत मात्र

५०८. संस्कृत सँ मैथिली पर संक्षिप्त सही परिभाषा की अछि?

(A) क्रमिक विकासक ऐतिहासिक सम्बन्ध, प्रत्यक्ष बिना बदलावक समानता नहि

(B) संस्कृतक प्रभाव नहि

(C) मैथिली द्रविड़ मूलक

(D) मैथिली शुद्ध संस्कृत मात्र

५०९. संस्कृत सँ मैथिली पर तुलनात्मक भाषाविज्ञानक दृष्टि सँ सही विकल्प चुनू।

(A) मैथिली शुद्ध संस्कृत मात्र

(B) मैथिली द्रविड़ मूलक

(C) संस्कृतक प्रभाव नहि

(D) क्रमिक विकासक ऐतिहासिक सम्बन्ध, प्रत्यक्ष बिना बदलावक समानता नहि

५१०. संस्कृत सँ मैथिली विषयक मुख्य बात की अछि?

(A) मैथिली शुद्ध संस्कृत मात्र

(B) क्रमिक विकासक ऐतिहासिक सम्बन्ध, प्रत्यक्ष बिना बदलावक समानता नहि

(C) मैथिली द्रविड़ मूलक

(D) संस्कृतक प्रभाव नहि

५११. पाली सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) मध्य आर्य परम्पराक महत्त्वपूर्ण भाषा

(B) देवनागरीक उपनाम

(C) जर्मनिक भाषा

(D) मिथिलाक्षर मात्र

५१२. पाली विषयक परीक्षा-योग्य उत्तर की अछि?

(A) देवनागरीक उपनाम

(B) मध्य आर्य परम्पराक महत्त्वपूर्ण भाषा

(C) मिथिलाक्षर मात्र

(D) जर्मनिक भाषा

५१३. पाली कैँ मैथिलीक स्थान बुझबामे कोन रूपेँ देखल जाए?

(A) मध्य आर्य परम्पराक महत्त्वपूर्ण भाषा

(B) मिथिलाक्षर मात्र

(C) जर्मनिक भाषा

(D) देवनागरीक उपनाम

५१४. पाली पर आधारित सही विकल्प चुनू।

(A) मध्य आर्य परम्पराक महत्त्वपूर्ण भाषा

(B) जर्मनिक भाषा

(C) देवनागरीक उपनाम

(D) मिथिलाक्षर मात्र

५१५. पाली सम्बन्धी कारण-फलमे सही उत्तर चुनू।

(A) मध्य आर्य परम्पराक महत्त्वपूर्ण भाषा

(B) जर्मनिक भाषा

(C) देवनागरीक उपनाम

(D) मिथिलाक्षर मात्र

५१६. पाली विषयक गलत धारणा सँ बचि सही कथन चुनू।

(A) मिथिलाक्षर मात्र

(B) देवनागरीक उपनाम

(C) मध्य आर्य परम्पराक महत्त्वपूर्ण भाषा

(D) जर्मनिक भाषा

५१७. पाली कैँ भाषा-परिवारक दृष्टिसँ केना बुझल जाए?

(A) मध्य आर्य परम्पराक महत्त्वपूर्ण भाषा

(B) मिथिलाक्षर मात्र

(C) जर्मनिक भाषा

(D) देवनागरीक उपनाम

५१८. पाली पर संक्षिप्त सही परिभाषा की अछि?

(A) मध्य आर्य परम्पराक महत्त्वपूर्ण भाषा

(B) जर्मनिक भाषा

(C) मिथिलाक्षर मात्र

(D) देवनागरीक उपनाम

५१९. पाली पर तुलनात्मक भाषाविज्ञानक दृष्टि सँ सही विकल्प चुनू।

(A) जर्मनिक भाषा

(B) मिथिलाक्षर मात्र

(C) देवनागरीक उपनाम

(D) मध्य आर्य परम्पराक महत्त्वपूर्ण भाषा

५२०. पाली विषयक मुख्य बात की अछि?

(A) मध्य आर्य परम्पराक महत्त्वपूर्ण भाषा

(B) जर्मनिक भाषा

(C) मिथिलाक्षर मात्र

(D) देवनागरीक उपनाम

५२१. अर्धमागधी सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) द्रविड़ दक्षिणी शाखा

(B) आधुनिक ई-पत्रिका

(C) पशुध्वनि

(D) पूर्वीय सम्बन्धित मध्य आर्य रूपसभमे चर्चित

५२२. अर्धमागधी विषयक परीक्षा-योग्य उत्तर की अछि?

(A) पूर्वीय सम्बन्धित मध्य आर्य रूपसभमे चर्चित

(B) आधुनिक ई-पत्रिका

(C) पशुध्वनि

(D) द्रविड़ दक्षिणी शाखा

५२३. अर्धमागधी कैँ मैथिलीक स्थान बुझबामे कोन रूपैँ देखल जाए?

(A) आधुनिक ई-पत्रिका

(B) पूर्वीय सम्बन्धित मध्य आर्य रूपसभमे चर्चित

(C) द्रविड़ दक्षिणी शाखा

(D) पशुध्वनि

५२४. अर्धमागधी पर आधारित सही विकल्प चुनू।

(A) आधुनिक ई-पत्रिका

(B) पूर्वीय सम्बन्धित मध्य आर्य रूपसभमे चर्चित

(C) पशुध्वनि

(D) द्रविड़ दक्षिणी शाखा

५२५. अर्धमागधी सम्बन्धी कारण-फलमे सही उत्तर चुनू।

(A) पूर्वीय सम्बन्धित मध्य आर्य रूपसभमे चर्चित

(B) आधुनिक ई-पत्रिका

(C) द्रविड़ दक्षिणी शाखा

(D) पशुध्वनि

५२६. अर्धमागधी विषयक गलत धारणा सँ बचि सही कथन चुनू।

(A) आधुनिक ई-पत्रिका

(B) द्रविड़ दक्षिणी शाखा

(C) पूर्वीय सम्बन्धित मध्य आर्य रूपसभमे चर्चित

(D) पशुध्वनि

५२७. अर्धमागधी कैँ भाषा-परिवारक दृष्टिसँ केना बुझल जाए?

(A) द्रविड़ दक्षिणी शाखा

(B) पशुध्वनि

(C) आधुनिक ई-पत्रिका

(D) पूर्वीय सम्बन्धित मध्य आर्य रूपसभमे चर्चित

५२८. अर्धमागधी पर संक्षिप्त सही परिभाषा की अछि?

(A) पूर्वीय सम्बन्धित मध्य आर्य रूपसभमे चर्चित

(B) आधुनिक ई-पत्रिका

(C) द्रविड़ दक्षिणी शाखा

(D) पशुध्वनि

५२९. अर्धमागधी पर तुलनात्मक भाषाविज्ञानक दृष्टि सँ सही विकल्प चुनू।

(A) पशुध्वनि

(B) पूर्वीय सम्बन्धित मध्य आर्य रूपसभमे चर्चित

(C) आधुनिक ई-पत्रिका

(D) द्रविड़ दक्षिणी शाखा

५३०. अर्धमागधी विषयक मुख्य बात की अछि?

(A) आधुनिक ई-पत्रिका

(B) द्रविड़ दक्षिणी शाखा

(C) पशुध्वनि

(D) पूर्वीय सम्बन्धित मध्य आर्य रूपसभमे चर्चित

५३१. उत्तर-अपभ्रंश सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) नव आर्य भाषाक आरम्भिक रूप स्पष्ट करयवला चरण

(B) मौन संकेत

(C) मैथिलीसँ असम्बद्ध

(D) भाषिक विकासक अन्त

५३२. उत्तर-अपभ्रंश विषयक परीक्षा-योग्य उत्तर की अछि?

(A) भाषिक विकासक अन्त

(B) मौन संकेत

(C) नव आर्य भाषाक आरम्भिक रूप स्पष्ट करयवला चरण

(D) मैथिलीसँ असम्बद्ध

५३३. उत्तर-अपभ्रंश कैँ मैथिलीक स्थान बुझबामे कोन रूपैँ देखल जाए?

(A) नव आर्य भाषाक आरम्भिक रूप स्पष्ट करयवला चरण

(B) भाषिक विकासक अन्त

(C) मौन संकेत

(D) मैथिलीसँ असम्बद्ध

५३४. उत्तर-अपभ्रंश पर आधारित सही विकल्प चुनू।

(A) मैथिलीसँ असम्बद्ध

(B) भाषिक विकासक अन्त

(C) मौन संकेत

(D) नव आर्य भाषाक आरम्भिक रूप स्पष्ट करयवला चरण

५३५. उत्तर-अपभ्रंश सम्बन्धी कारण-फलमे सही उत्तर चुनू।

(A) मौन संकेत

(B) भाषिक विकासक अन्त

(C) नव आर्य भाषाक आरम्भिक रूप स्पष्ट करयवला चरण

(D) मैथिलीसँ असम्बद्ध

५३६. उत्तर-अपभ्रंश विषयक गलत धारणा सँ बचि सही कथन चुनू।

(A) मैथिलीसँ असम्बद्ध

(B) भाषिक विकासक अन्त

(C) नव आर्य भाषाक आरम्भिक रूप स्पष्ट करयवला चरण

(D) मौन संकेत

५३७. उत्तर-अपभ्रंश कैँ भाषा-परिवारक दृष्टिसँ केना बुझल जाए?

(A) भाषिक विकासक अन्त

(B) मैथिलीसँ असम्बद्ध

(C) मौन संकेत

(D) नव आर्य भाषाक आरम्भिक रूप स्पष्ट करयवला चरण

५३८. उत्तर-अपभ्रंश पर संक्षिप्त सही परिभाषा की अछि?

(A) नव आर्य भाषाक आरम्भिक रूप स्पष्ट करयवला चरण

(B) मैथिलीसँ असम्बद्ध

(C) मौन संकेत

(D) भाषिक विकासक अन्त

५३९. उत्तर-अपभ्रंश पर तुलनात्मक भाषाविज्ञानक दृष्टि सँ सही विकल्प चुनू।

(A) नव आर्य भाषाक आरम्भिक रूप स्पष्ट करयवला चरण

(B) मौन संकेत

(C) भाषिक विकासक अन्त

(D) मैथिलीसँ असम्बद्ध

५४०. उत्तर-अपभ्रंश विषयक मुख्य बात की अछि?

(A) मैथिलीसँ असम्बद्ध

(B) भाषिक विकासक अन्त

(C) मौन संकेत

(D) नव आर्य भाषाक आरम्भिक रूप स्पष्ट करयवला चरण

५४१. भाषा-परिवर्तनक कड़ी सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) लिपि → कागज → भाषा

(B) नाटक → गीत → भाषा

(C) द्रविड़ → जर्मनिक → मैथिली

(D) संस्कृत → प्राकृत → अपभ्रंश → अवहट्ठ → मैथिली

५४२. भाषा-परिवर्तनक कड़ी विषयक परीक्षा-योग्य उत्तर की अछि?

(A) संस्कृत → प्राकृत → अपभ्रंश → अवहट्ठ → मैथिली

(B) नाटक → गीत → भाषा

(C) लिपि → कागज → भाषा

(D) द्रविड़ → जर्मनिक → मैथिली

५४३. भाषा-परिवर्तनक कड़ी कैँ मैथिलीक स्थान बुझबामे कोन रूपेँ देखल जाए?

(A) संस्कृत → प्राकृत → अपभ्रंश → अवहट्ठ → मैथिली

(B) लिपि → कागज → भाषा

(C) द्रविड़ → जर्मनिक → मैथिली

(D) नाटक → गीत → भाषा

५४४. भाषा-परिवर्तनक कड़ी पर आधारित सही विकल्प चुनू।

(A) द्रविड़ → जर्मनिक → मैथिली

(B) लिपि → कागज → भाषा

(C) संस्कृत → प्राकृत → अपभ्रंश → अवहट्ठ → मैथिली

(D) नाटक → गीत → भाषा

५४५. भाषा-परिवर्तनक कड़ी सम्बन्धी कारण-फलमे सही उत्तर चुनू।

(A) नाटक → गीत → भाषा

(B) लिपि → कागज → भाषा

(C) द्रविड़ → जर्मनिक → मैथिली

(D) संस्कृत → प्राकृत → अपभ्रंश → अवहट्ठ → मैथिली

५४६. भाषा-परिवर्तनक कड़ी विषयक गलत धारणा सँ बचि सही कथन चुनू।

(A) संस्कृत → प्राकृत → अपभ्रंश → अवहट्ठ → मैथिली

(B) लिपि → कागज → भाषा

(C) द्रविड़ → जर्मनिक → मैथिली

(D) नाटक → गीत → भाषा

५४७. भाषा-परिवर्तनक कड़ी कैं भाषा-परिवारक दृष्टिसँ केना बुझल जाए?

(A) द्रविड़ → जर्मनिक → मैथिली

(B) नाटक → गीत → भाषा

(C) संस्कृत → प्राकृत → अपभ्रंश → अवहट्ठ → मैथिली

(D) लिपि → कागज → भाषा

५४८. भाषा-परिवर्तनक कड़ी पर संक्षिप्त सही परिभाषा की अछि?

(A) संस्कृत → प्राकृत → अपभ्रंश → अवहट्ठ → मैथिली

(B) द्रविड़ → जर्मनिक → मैथिली

(C) लिपि → कागज → भाषा

(D) नाटक → गीत → भाषा

५४९. भाषा-परिवर्तनक कड़ी पर तुलनात्मक भाषाविज्ञानक दृष्टि सँ सही विकल्प चुनू।

(A) लिपि → कागज → भाषा

(B) द्रविड़ → जर्मनिक → मैथिली

(C) संस्कृत → प्राकृत → अपभ्रंश → अवहट्ठ → मैथिली

(D) नाटक → गीत → भाषा

५५०. भाषा-परिवर्तनक कड़ी विषयक मुख्य बात की अछि?

(A) लिपि → कागज → भाषा

(B) संस्कृत → प्राकृत → अपभ्रंश → अवहट्ठ → मैथिली

(C) नाटक → गीत → भाषा

(D) द्रविड़ → जर्मनिक → मैथिली

५५१. ध्वनि-बदलाव सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) पुरान रूप नव भाषामे बदलि भिन्न ध्वनि ग्रहण करैत अछि

(B) भाषिक प्रमाण नहि

(C) परिवार-विरोधी

(D) संगीत मात्र

५५२. ध्वनि-बदलाव विषयक परीक्षा-योग्य उत्तर की अछि?

(A) परिवार-विरोधी

(B) पुरान रूप नव भाषामे बदलि भिन्न ध्वनि ग्रहण करैत अछि

(C) संगीत मात्र

(D) भाषिक प्रमाण नहि

५५३. ध्वनि-बदलाव कैँ मैथिलीक स्थान बुझबामे कोन रूपेँ देखल जाए?

(A) संगीत मात्र

(B) परिवार-विरोधी

(C) भाषिक प्रमाण नहि

(D) पुरान रूप नव भाषामे बदलि भिन्न ध्वनि ग्रहण करैत अछि

५५४. ध्वनि-बदलाव पर आधारित सही विकल्प चुनू।

(A) भाषिक प्रमाण नहि

(B) संगीत मात्र

(C) पुरान रूप नव भाषामे बदलि भिन्न ध्वनि ग्रहण करैत अछि

(D) परिवार-विरोधी

५५५. ध्वनि-बदलाव सम्बन्धी कारण-फलमे सही उत्तर चुनू।

(A) भाषिक प्रमाण नहि

(B) पुरान रूप नव भाषामे बदलि भिन्न ध्वनि ग्रहण करैत अछि

(C) संगीत मात्र

(D) परिवार-विरोधी

५५६. ध्वनि-बदलाव विषयक गलत धारणा सँ बचि सही कथन चुनू।

(A) पुरान रूप नव भाषामे बदलि भिन्न ध्वनि ग्रहण करैत अछि

(B) परिवार-विरोधी

(C) भाषिक प्रमाण नहि

(D) संगीत मात्र

५५७. ध्वनि-बदलाव कैँ भाषा-परिवारक दृष्टिसँ केना बुझल जाए?

(A) भाषिक प्रमाण नहि

(B) पुरान रूप नव भाषामे बदलि भिन्न ध्वनि ग्रहण करैत अछि

(C) संगीत मात्र

(D) परिवार-विरोधी

५५८. ध्वनि-बदलाव पर संक्षिप्त सही परिभाषा की अछि?

(A) संगीत मात्र

(B) भाषिक प्रमाण नहि

(C) पुरान रूप नव भाषामे बदलि भिन्न ध्वनि ग्रहण करैत अछि

(D) परिवार-विरोधी

५५९. ध्वनि-बदलाव पर तुलनात्मक भाषाविज्ञानक दृष्टि सँ सही विकल्प चुनू।

(A) भाषिक प्रमाण नहि

(B) परिवार-विरोधी

(C) पुरान रूप नव भाषामे बदलि भिन्न ध्वनि ग्रहण करैत अछि

(D) संगीत मात्र

५६०. ध्वनि-बदलाव विषयक मुख्य बात की अछि?

(A) पुरान रूप नव भाषामे बदलि भिन्न ध्वनि ग्रहण करैत अछि

(B) संगीत मात्र

(C) भाषिक प्रमाण नहि

(D) परिवार-विरोधी

५६१. रूप-परिवर्तन सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) मात्र लिपि-सुधार

(B) चित्रक आकार

(C) विभक्ति, प्रत्यय, क्रिया आदि मे ऐतिहासिक बदलाव

(D) भाषासँ असम्बद्ध

५६२. रूप-परिवर्तन विषयक परीक्षा-योग्य उत्तर की अछि?

(A) चित्रक आकार

(B) मात्र लिपि-सुधार

(C) भाषासँ असम्बद्ध

(D) विभक्ति, प्रत्यय, क्रिया आदि मे ऐतिहासिक बदलाव

५६३. रूप-परिवर्तन कैँ मैथिलीक स्थान बुझबामे कोन रूपेँ देखल जाए?

(A) मात्र लिपि-सुधार

(B) विभक्ति, प्रत्यय, क्रिया आदि मे ऐतिहासिक बदलाव

(C) चित्रक आकार

(D) भाषासँ असम्बद्ध

५६४. रूप-परिवर्तन पर आधारित सही विकल्प चुनू।

(A) भाषासँ असम्बद्ध

(B) मात्र लिपि-सुधार

(C) विभक्ति, प्रत्यय, क्रिया आदि मे ऐतिहासिक बदलाव

(D) चित्रक आकार

५६५. रूप-परिवर्तन सम्बन्धी कारण-फलमे सही उत्तर चुनू।

(A) विभक्ति, प्रत्यय, क्रिया आदि मे ऐतिहासिक बदलाव

(B) भाषासँ असम्बद्ध

(C) मात्र लिपि-सुधार

(D) चित्रक आकार

५६६. रूप-परिवर्तन विषयक गलत धारणा सँ बचि सही कथन चुनू।

(A) भाषासँ असम्बद्ध

(B) मात्र लिपि-सुधार

(C) विभक्ति, प्रत्यय, क्रिया आदि मे ऐतिहासिक बदलाव

(D) चित्रक आकार

५६७. रूप-परिवर्तन कैँ भाषा-परिवारक दृष्टिसँ केना बुझल जाए?

(A) भाषासँ असम्बद्ध

(B) मात्र लिपि-सुधार

(C) विभक्ति, प्रत्यय, क्रिया आदि मे ऐतिहासिक बदलाव

(D) चित्रक आकार

५६८. रूप-परिवर्तन पर संक्षिप्त सही परिभाषा की अछि?

(A) विभक्ति, प्रत्यय, क्रिया आदि मे ऐतिहासिक बदलाव

(B) मात्र लिपि-सुधार

(C) चित्रक आकार

(D) भाषासँ असम्बद्ध

५६९. रूप-परिवर्तन पर तुलनात्मक भाषाविज्ञानक दृष्टि सँ सही विकल्प चुनू।

(A) मात्र लिपि-सुधार

(B) विभक्ति, प्रत्यय, क्रिया आदि मे ऐतिहासिक बदलाव

(C) भाषासँ असम्बद्ध

(D) चित्रक आकार

५७०. रूप-परिवर्तन विषयक मुख्य बात की अछि?

(A) मात्र लिपि-सुधार

(B) चित्रक आकार

(C) विभक्ति, प्रत्यय, क्रिया आदि मे ऐतिहासिक बदलाव

(D) भाषासँ असम्बद्ध

५७१. अर्थ-परिवर्तन सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) शासन-आदेश

(B) असम्भव घटना

(C) रंगक बदलाव

(D) शब्दक अर्थ समयक संग बदलि सकैत अछि

५७२. अर्थ-परिवर्तन विषयक परीक्षा-योग्य उत्तर की अछि?

(A) असम्भव घटना

(B) शासन-आदेश

(C) रंगक बदलाव

(D) शब्दक अर्थ समयक संग बदलि सकैत अछि

५७३. अर्थ-परिवर्तन कैँ मैथिलीक स्थान बुझबामे कोन रूपैँ देखल जाए?

(A) रंगक बदलाव

(B) शासन-आदेश

(C) शब्दक अर्थ समयक संग बदलि सकैत अछि

(D) असम्भव घटना

५७४. अर्थ-परिवर्तन पर आधारित सही विकल्प चुनू।

(A) शासन-आदेश

(B) शब्दक अर्थ समयक संग बदलि सकैत अछि

(C) असम्भव घटना

(D) रंगक बदलाव

५७५. अर्थ-परिवर्तन सम्बन्धी कारण-फलमे सही उत्तर चुनू।

(A) शब्दक अर्थ समयक संग बदलि सकैत अछि

(B) शासन-आदेश

(C) असम्भव घटना

(D) रंगक बदलाव

५७६. अर्थ-परिवर्तन विषयक गलत धारणा सँ बचि सही कथन चुनू।

(A) शब्दक अर्थ समयक संग बदलि सकैत अछि

(B) शासन-आदेश

(C) असम्भव घटना

(D) रंगक बदलाव

५७७. अर्थ-परिवर्तन कैँ भाषा-परिवारक दृष्टिसँ केना बुझल जाए?

(A) रंगक बदलाव

(B) शब्दक अर्थ समयक संग बदलि सकैत अछि

(C) शासन-आदेश

(D) असम्भव घटना

५७८. अर्थ-परिवर्तन पर संक्षिप्त सही परिभाषा की अछि?

(A) रंगक बदलाव

(B) शब्दक अर्थ समयक संग बदलि सकैत अछि

(C) असम्भव घटना

(D) शासन-आदेश

५७९. अर्थ-परिवर्तन पर तुलनात्मक भाषाविज्ञानक दृष्टि सँ सही विकल्प चुनू।

(A) शब्दक अर्थ समयक संग बदलि सकैत अछि

(B) रंगक बदलाव

(C) शासन-आदेश

(D) असम्भव घटना

५८०. अर्थ-परिवर्तन विषयक मुख्य बात की अछि?

(A) असम्भव घटना

(B) शब्दक अर्थ समयक संग बदलि सकैत अछि

(C) रंगक बदलाव

(D) शासन-आदेश

५८१. साहित्यिक प्रमाण सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) भाषाविज्ञानमे बेकार

(B) पुरान रचना भाषाक रूप आ शब्दक साक्ष्य दैत अछि

(C) सदा झूठ

(D) केवल कथा-रस

५८२. साहित्यिक प्रमाण विषयक परीक्षा-योग्य उत्तर की अछि?

(A) पुरान रचना भाषाक रूप आ शब्दक साक्ष्य दैत अछि

(B) भाषाविज्ञानमे बेकार

(C) केवल कथा-रस

(D) सदा झूठ

५८३. साहित्यिक प्रमाण कैँ मैथिलीक स्थान बुझबामे कोन रूपैँ देखल जाए?

(A) भाषाविज्ञानमे बेकार

(B) केवल कथा-रस

(C) पुरान रचना भाषाक रूप आ शब्दक साक्ष्य दैत अछि

(D) सदा झूठ

५८४. साहित्यिक प्रमाण पर आधारित सही विकल्प चुनू।

(A) पुरान रचना भाषाक रूप आ शब्दक साक्ष्य दैत अछि

(B) सदा झूठ

(C) भाषाविज्ञानमे बेकार

(D) केवल कथा-रस

५८५. साहित्यिक प्रमाण सम्बन्धी कारण-फलमे सही उत्तर चुनू।

(A) भाषाविज्ञानमे बेकार

(B) पुरान रचना भाषाक रूप आ शब्दक साक्ष्य दैत अछि

(C) केवल कथा-रस

(D) सदा झूठ

५८६. साहित्यिक प्रमाण विषयक गलत धारणा सँ बचि सही कथन चुनू।

(A) पुरान रचना भाषाक रूप आ शब्दक साक्ष्य दैत अछि

(B) भाषाविज्ञानमे बेकार

(C) केवल कथा-रस

(D) सदा झूठ

५८७. साहित्यिक प्रमाण कैं भाषा-परिवारक दृष्टिसँ केना बुझल जाए?

(A) सदा झूठ

(B) भाषाविज्ञानमे बेकार

(C) पुरान रचना भाषाक रूप आ शब्दक साक्ष्य दैत अछि

(D) केवल कथा-रस

५८८. साहित्यिक प्रमाण पर संक्षिप्त सही परिभाषा की अछि?

(A) सदा झूठ

(B) केवल कथा-रस

(C) पुरान रचना भाषाक रूप आ शब्दक साक्ष्य दैत अछि

(D) भाषाविज्ञानमे बेकार

५८९. साहित्यिक प्रमाण पर तुलनात्मक भाषाविज्ञानक दृष्टि सँ सही विकल्प चुनू।

(A) पुरान रचना भाषाक रूप आ शब्दक साक्ष्य दैत अछि

(B) केवल कथा-रस

(C) सदा झूठ

(D) भाषाविज्ञानमे बेकार

५९०. साहित्यिक प्रमाण विषयक मुख्य बात की अछि?

(A) भाषाविज्ञानमे बेकार

(B) पुरान रचना भाषाक रूप आ शब्दक साक्ष्य दैत अछि

(C) केवल कथा-रस

(D) सदा झूठ

५९१. कालक्रम सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) लिपिक रंग

(B) भाषासँ असम्बद्ध

(C) राजकुमारक सूची

(D) भाषाक विकास बुझबाक क्रमबद्ध आधार

५९२. कालक्रम विषयक परीक्षा-योग्य उत्तर की अछि?

(A) लिपिक रंग

(B) भाषासँ असम्बद्ध

(C) भाषाक विकास बुझबाक क्रमबद्ध आधार

(D) राजकुमारक सूची

५९३. कालक्रम कैं मैथिलीक स्थान बुझबामे कोन रूपैं देखल जाए?

(A) भाषासँ असम्बद्ध

(B) लिपिक रंग

(C) राजकुमारक सूची

(D) भाषाक विकास बुझबाक क्रमबद्ध आधार

५९४. कालक्रम पर आधारित सही विकल्प चुनू।

(A) राजकुमारक सूची

(B) भाषासँ असम्बद्ध

(C) लिपिक रंग

(D) भाषाक विकास बुझबाक क्रमबद्ध आधार

५९५. कालक्रम सम्बन्धी कारण-फलमे सही उत्तर चुनू।

(A) राजकुमारक सूची

(B) लिपिक रंग

(C) भाषासँ असम्बद्ध

(D) भाषाक विकास बुझबाक क्रमबद्ध आधार

५९६. कालक्रम विषयक गलत धारणा सँ बचि सही कथन चुनू।

(A) राजकुमारक सूची

(B) भाषाक विकास बुझबाक क्रमबद्ध आधार

(C) भाषासँ असम्बद्ध

(D) लिपिक रंग

५९७. कालक्रम कैं भाषा-परिवारक दृष्टिसँ केना बुझल जाए?

(A) लिपिक रंग

(B) भाषाक विकास बुझबाक क्रमबद्ध आधार

(C) भाषासँ असम्बद्ध

(D) राजकुमारक सूची

५९८. कालक्रम पर संक्षिप्त सही परिभाषा की अछि?

(A) लिपिक रंग

(B) राजकुमारक सूची

(C) भाषासँ असम्बद्ध

(D) भाषाक विकास बुझबाक क्रमबद्ध आधार

५९९. कालक्रम पर तुलनात्मक भाषाविज्ञानक दृष्टि सँ सही विकल्प चुनू।

(A) राजकुमारक सूची

(B) भाषासँ असम्बद्ध

(C) भाषाक विकास बुझबाक क्रमबद्ध आधार

(D) लिपिक रंग

६००. कालक्रम विषयक मुख्य बात की अछि?

(A) राजकुमारक सूची

(B) भाषाक विकास बुझबाक क्रमबद्ध आधार

(C) भाषासँ असम्बद्ध

(D) लिपिक रंग

६०१. स्वर-प्रणाली सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) कृषि-औजार

(B) भाषाक ध्वनि-संरचना बुझबाक साधन

(C) मौन अवस्था

(D) रंग-तालिका

६०२. स्वर-प्रणाली विषयक परीक्षा-योग्य उत्तर की अछि?

(A) रंग-तालिका

(B) भाषाक ध्वनि-संरचना बुझबाक साधन

(C) मौन अवस्था

(D) कृषि-औजार

६०३. स्वर-प्रणाली कैँ मैथिलीक स्थान बुझबामे कोन रूपैँ देखल जाए?

(A) मौन अवस्था

(B) कृषि-औजार

(C) भाषाक ध्वनि-संरचना बुझबाक साधन

(D) रंग-तालिका

६०४. स्वर-प्रणाली पर आधारित सही विकल्प चुनू।

(A) भाषाक ध्वनि-संरचना बुझबाक साधन

(B) मौन अवस्था

(C) रंग-तालिका

(D) कृषि-औजार

६०५. स्वर-प्रणाली सम्बन्धी कारण-फलमे सही उत्तर चुनू।

(A) भाषाक ध्वनि-संरचना बुझबाक साधन

(B) मौन अवस्था

(C) रंग-तालिका

(D) कृषि-औजार

६०६. स्वर-प्रणाली विषयक गलत धारणा सँ बचि सही कथन चुनू।

(A) भाषाक ध्वनि-संरचना बुझबाक साधन

(B) कृषि-औजार

(C) मौन अवस्था

(D) रंग-तालिका

६०७. स्वर-प्रणाली कैँ भाषा-परिवारक दृष्टिसँ केना बुझल जाए?

(A) कृषि-औजार

(B) रंग-तालिका

(C) मौन अवस्था

(D) भाषाक ध्वनि-संरचना बुझबाक साधन

६०८. स्वर-प्रणाली पर संक्षिप्त सही परिभाषा की अछि?

(A) भाषाक ध्वनि-संरचना बुझबाक साधन

(B) मौन अवस्था

(C) रंग-तालिका

(D) कृषि-औजार

६०९. स्वर-प्रणाली पर तुलनात्मक भाषाविज्ञानक दृष्टि सँ सही विकल्प चुनू।

(A) भाषाक ध्वनि-संरचना बुझबाक साधन

(B) कृषि-औजार

(C) मौन अवस्था

(D) रंग-तालिका

६१०. स्वर-प्रणाली विषयक मुख्य बात की अछि?

(A) भाषाक ध्वनि-संरचना बुझबाक साधन

(B) मौन अवस्था

(C) कृषि-औजार

(D) रंग-तालिका

६११. व्यंजन-प्रणाली सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) लिपिक रंग

(B) उच्चारण-स्थान आ रीति पर आधारित ध्वनि-विन्यास

(C) राजकीय सूची

(D) काव्य-अलंकार मात्र

६१२. व्यंजन-प्रणाली विषयक परीक्षा-योग्य उत्तर की अछि?

(A) उच्चारण-स्थान आ रीति पर आधारित ध्वनि-विन्यास

(B) लिपिक रंग

(C) काव्य-अलंकार मात्र

(D) राजकीय सूची

६१३. व्यंजन-प्रणाली कैँ मैथिलीक स्थान बुझबामे कोन रूपेँ देखल जाए?

(A) राजकीय सूची

(B) उच्चारण-स्थान आ रीति पर आधारित ध्वनि-विन्यास

(C) काव्य-अलंकार मात्र

(D) लिपिक रंग

६१४. व्यंजन-प्रणाली पर आधारित सही विकल्प चुनू।

(A) राजकीय सूची

(B) उच्चारण-स्थान आ रीति पर आधारित ध्वनि-विन्यास

(C) काव्य-अलंकार मात्र

(D) लिपिक रंग

६१५. व्यंजन-प्रणाली सम्बन्धी कारण-फलमे सही उत्तर चुनू।

(A) लिपिक रंग

(B) राजकीय सूची

(C) उच्चारण-स्थान आ रीति पर आधारित ध्वनि-विन्यास

(D) काव्य-अलंकार मात्र

६१६. व्यंजन-प्रणाली विषयक गलत धारणा सँ बचि सही कथन चुनू।

(A) काव्य-अलंकार मात्र

(B) राजकीय सूची

(C) उच्चारण-स्थान आ रीति पर आधारित ध्वनि-विन्यास

(D) लिपिक रंग

६१७. व्यंजन-प्रणाली कैँ भाषा-परिवारक दृष्टिसँ केना बुझल जाए?

(A) काव्य-अलंकार मात्र

(B) लिपिक रंग

(C) उच्चारण-स्थान आ रीति पर आधारित ध्वनि-विन्यास

(D) राजकीय सूची

६१८. व्यंजन-प्रणाली पर संक्षिप्त सही परिभाषा की अछि?

(A) लिपिक रंग

(B) राजकीय सूची

(C) काव्य-अलंकार मात्र

(D) उच्चारण-स्थान आ रीति पर आधारित ध्वनि-विन्यास

६१९. व्यंजन-प्रणाली पर तुलनात्मक भाषाविज्ञानक दृष्टि सँ सही विकल्प चुनू।

(A) राजकीय सूची

(B) उच्चारण-स्थान आ रीति पर आधारित ध्वनि-विन्यास

(C) लिपिक रंग

(D) काव्य-अलंकार मात्र

६२०. व्यंजन-प्रणाली विषयक मुख्य बात की अछि?

(A) काव्य-अलंकार मात्र

(B) राजकीय सूची

(C) लिपिक रंग

(D) उच्चारण-स्थान आ रीति पर आधारित ध्वनि-विन्यास

६२१. नासिक्यकरण सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) सजावटी बिन्दु मात्र

(B) उच्चारणक नासिक्य रूप जे अर्थ आ ध्वनि पर प्रभाव डालि सकैत अछि

(C) विदेशी घटना मात्र

(D) भाषासँ असम्बद्ध

६२२. नासिक्यकरण विषयक परीक्षा-योग्य उत्तर की अछि?

(A) विदेशी घटना मात्र

(B) सजावटी बिन्दु मात्र

(C) भाषासँ असम्बद्ध

(D) उच्चारणक नासिक्य रूप जे अर्थ आ ध्वनि पर प्रभाव डालि सकैत अछि

६२३. नासिक्यकरण कैँ मैथिलीक स्थान बुझबामे कोन रूपेँ देखल जाए?

(A) भाषासँ असम्बद्ध

(B) विदेशी घटना मात्र

(C) उच्चारणक नासिक्य रूप जे अर्थ आ ध्वनि पर प्रभाव डालि सकैत अछि

(D) सजावटी बिन्दु मात्र

६२४. नासिक्यकरण पर आधारित सही विकल्प चुनू।

(A) सजावटी बिन्दु मात्र

(B) भाषासँ असम्बद्ध

(C) विदेशी घटना मात्र

(D) उच्चारणक नासिक्य रूप जे अर्थ आ ध्वनि पर प्रभाव डालि सकैत अछि

६२५. नासिक्यकरण सम्बन्धी कारण-फलमे सही उत्तर चुनू।

(A) सजावटी बिन्दु मात्र

(B) विदेशी घटना मात्र

(C) भाषासँ असम्बद्ध

(D) उच्चारणक नासिक्य रूप जे अर्थ आ ध्वनि पर प्रभाव डालि सकैत अछि

६२६. नासिक्यकरण विषयक गलत धारणा सँ बचि सही कथन चुनू।

(A) भाषासँ असम्बद्ध

(B) उच्चारणक नासिक्य रूप जे अर्थ आ ध्वनि पर प्रभाव डालि सकैत अछि

(C) सजावटी बिन्दु मात्र

(D) विदेशी घटना मात्र

६२७. नासिक्यकरण कैँ भाषा-परिवारक दृष्टिसँ केना बुझल जाए?

(A) सजावटी बिन्दु मात्र

(B) विदेशी घटना मात्र

(C) उच्चारणक नासिक्य रूप जे अर्थ आ ध्वनि पर प्रभाव डालि सकैत अछि

(D) भाषासँ असम्बद्ध

६२८. नासिक्यकरण पर संक्षिप्त सही परिभाषा की अछि?

(A) भाषासँ असम्बद्ध

(B) सजावटी बिन्दु मात्र

(C) उच्चारणक नासिक्य रूप जे अर्थ आ ध्वनि पर प्रभाव डालि सकैत अछि

(D) विदेशी घटना मात्र

६२९. नासिक्यकरण पर तुलनात्मक भाषाविज्ञानक दृष्टि सँ सही विकल्प चुनू।

(A) विदेशी घटना मात्र

(B) सजावटी बिन्दु मात्र

(C) उच्चारणक नासिक्य रूप जे अर्थ आ ध्वनि पर प्रभाव डालि सकैत अछि

(D) भाषासँ असम्बद्ध

६३०. नासिक्यकरण विषयक मुख्य बात की अछि?

(A) उच्चारणक नासिक्य रूप जे अर्थ आ ध्वनि पर प्रभाव डालि सकैत अछि

(B) विदेशी घटना मात्र

(C) भाषासँ असम्बद्ध

(D) सजावटी बिन्दु मात्र

६३१. विभक्ति सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) क्रोधक नाम

(B) भाषिक रचना नहि

(C) चित्रक आकार

(D) संज्ञा-सर्वनामक वाक्यगत सम्बन्ध सूचित करैत अछि

६३२. विभक्ति विषयक परीक्षा-योग्य उत्तर की अछि?

(A) क्रोधक नाम

(B) चित्रक आकार

(C) संज्ञा-सर्वनामक वाक्यगत सम्बन्ध सूचित करैत अछि

(D) भाषिक रचना नहि

६३३. विभक्ति कैँ मैथिलीक स्थान बुझबामे कोन रूपेँ देखल जाए?

(A) चित्रक आकार

(B) संज्ञा-सर्वनामक वाक्यगत सम्बन्ध सूचित करैत अछि

(C) भाषिक रचना नहि

(D) क्रोधक नाम

६३४. विभक्ति पर आधारित सही विकल्प चुनू।

(A) संज्ञा-सर्वनामक वाक्यगत सम्बन्ध सूचित करैत अछि

(B) भाषिक रचना नहि

(C) क्रोधक नाम

(D) चित्रक आकार

६३५. विभक्ति सम्बन्धी कारण-फलमे सही उत्तर चुनू।

(A) संज्ञा-सर्वनामक वाक्यगत सम्बन्ध सूचित करैत अछि

(B) क्रोधक नाम

(C) चित्रक आकार

(D) भाषिक रचना नहि

६३६. विभक्ति विषयक गलत धारणा सँ बचि सही कथन चुनू।

(A) चित्रक आकार

(B) क्रोधक नाम

(C) भाषिक रचना नहि

(D) संज्ञा-सर्वनामक वाक्यगत सम्बन्ध सूचित करैत अछि

६३७. विभक्ति कैँ भाषा-परिवारक दृष्टिसँ केना बुझल जाए?

(A) क्रोधक नाम

(B) चित्रक आकार

(C) संज्ञा-सर्वनामक वाक्यगत सम्बन्ध सूचित करैत अछि

(D) भाषिक रचना नहि

६३८. विभक्ति पर संक्षिप्त सही परिभाषा की अछि?

(A) चित्रक आकार

(B) संज्ञा-सर्वनामक वाक्यगत सम्बन्ध सूचित करैत अछि

(C) भाषिक रचना नहि

(D) क्रोधक नाम

६३९. विभक्ति पर तुलनात्मक भाषाविज्ञानक दृष्टि सँ सही विकल्प चुनू।

(A) चित्रक आकार

(B) भाषिक रचना नहि

(C) क्रोधक नाम

(D) संज्ञा-सर्वनामक वाक्यगत सम्बन्ध सूचित करैत अछि

६४०. विभक्ति विषयक मुख्य बात की अछि?

(A) भाषिक रचना नहि

(B) चित्रक आकार

(C) क्रोधक नाम

(D) संज्ञा-सर्वनामक वाक्यगत सम्बन्ध सूचित करैत अछि

६४१. कारक सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) वाक्यमे पदक भूमिका बतबैत अछि

(B) वाहनक चालक मात्र

(C) लिपिक नाम

(D) अर्थहीन ध्वनि

६४२. कारक विषयक परीक्षा-योग्य उत्तर की अछि?

(A) वाक्यमे पदक भूमिका बतबैत अछि

(B) वाहनक चालक मात्र

(C) अर्थहीन ध्वनि

(D) लिपिक नाम

६४३. कारक कैँ मैथिलीक स्थान बुझबामे कोन रूपेँ देखल जाए?

(A) वाक्यमे पदक भूमिका बतबैत अछि

(B) अर्थहीन ध्वनि

(C) लिपिक नाम

(D) वाहनक चालक मात्र

६४४. कारक पर आधारित सही विकल्प चुनू।

(A) अर्थहीन ध्वनि

(B) वाक्यमे पदक भूमिका बतबैत अछि

(C) वाहनक चालक मात्र

(D) लिपिक नाम

६४५. कारक सम्बन्धी कारण-फलमे सही उत्तर चुनू।

(A) वाक्यमे पदक भूमिका बतबैत अछि

(B) लिपिक नाम

(C) अर्थहीन ध्वनि

(D) वाहनक चालक मात्र

६४६. कारक विषयक गलत धारणा सँ बचि सही कथन चुनू।

(A) वाक्यमे पदक भूमिका बतबैत अछि

(B) लिपिक नाम

(C) वाहनक चालक मात्र

(D) अर्थहीन ध्वनि

६४७. कारक कैँ भाषा-परिवारक दृष्टिसँ केना बुझल जाए?

(A) अर्थहीन ध्वनि

(B) लिपिक नाम

(C) वाक्यमे पदक भूमिका बतबैत अछि

(D) वाहनक चालक मात्र

६४८. कारक पर संक्षिप्त सही परिभाषा की अछि?

(A) वाहनक चालक मात्र

(B) अर्थहीन ध्वनि

(C) वाक्यमे पदक भूमिका बतबैत अछि

(D) लिपिक नाम

६४९. कारक पर तुलनात्मक भाषाविज्ञानक दृष्टि सँ सही विकल्प चुनू।

(A) वाक्यमे पदक भूमिका बतबैत अछि

(B) वाहनक चालक मात्र

(C) लिपिक नाम

(D) अर्थहीन ध्वनि

६५०. कारक विषयक मुख्य बात की अछि?

(A) अर्थहीन ध्वनि

(B) लिपिक नाम

(C) वाक्यमे पदक भूमिका बतबैत अछि

(D) वाहनक चालक मात्र

६५१. क्रिया-मेल सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) संगीतक आयोजन

(B) भाषामे नहि होइत

(C) कर्त्ता, पुरुष, वचन, आदर आ कालसँ क्रिया-रूपक सम्बन्ध

(D) परिवार बदलि दैत

६५२. क्रिया-मेल विषयक परीक्षा-योग्य उत्तर की अछि?

(A) संगीतक आयोजन

(B) भाषामे नहि होइत

(C) कर्त्ता, पुरुष, वचन, आदर आ कालसँ क्रिया-रूपक सम्बन्ध

(D) परिवार बदलि दैत

६५३. क्रिया-मेल कैँ मैथिलीक स्थान बुझबामे कोन रूपैँ देखल जाए?

(A) परिवार बदलि दैत

(B) संगीतक आयोजन

(C) कर्त्ता, पुरुष, वचन, आदर आ कालसँ क्रिया-रूपक सम्बन्ध

(D) भाषामे नहि होइत

६५४. क्रिया-मेल पर आधारित सही विकल्प चुनू।

(A) भाषामे नहि होइत

(B) संगीतक आयोजन

(C) कर्त्ता, पुरुष, वचन, आदर आ कालसँ क्रिया-रूपक सम्बन्ध

(D) परिवार बदलि दैत

६५५. क्रिया-मेल सम्बन्धी कारण-फलमे सही उत्तर चुनू।

(A) भाषामे नहि होइत

(B) परिवार बदलि दैत

(C) संगीतक आयोजन

(D) कर्त्ता, पुरुष, वचन, आदर आ कालसँ क्रिया-रूपक सम्बन्ध

६५६. क्रिया-मेल विषयक गलत धारणा सँ बचि सही कथन चुनू।

(A) भाषामे नहि होइत

(B) संगीतक आयोजन

(C) परिवार बदलि दैत

(D) कर्त्ता, पुरुष, वचन, आदर आ कालसँ क्रिया-रूपक सम्बन्ध

६५७. क्रिया-मेल कैँ भाषा-परिवारक दृष्टिसँ केना बुझल जाए?

(A) परिवार बदलि दैत

(B) भाषामे नहि होइत

(C) कर्त्ता, पुरुष, वचन, आदर आ कालसँ क्रिया-रूपक सम्बन्ध

(D) संगीतक आयोजन

६५८. क्रिया-मेल पर संक्षिप्त सही परिभाषा की अछि?

(A) संगीतक आयोजन

(B) परिवार बदलि दैत

(C) कर्त्ता, पुरुष, वचन, आदर आ कालसँ क्रिया-रूपक सम्बन्ध

(D) भाषामे नहि होइत

६५९. क्रिया-मेल पर तुलनात्मक भाषाविज्ञानक दृष्टि सँ सही विकल्प चुनू।

(A) परिवार बदलि दैत

(B) संगीतक आयोजन

(C) भाषामे नहि होइत

(D) कर्त्ता, पुरुष, वचन, आदर आ कालसँ क्रिया-रूपक सम्बन्ध

६६०. क्रिया-मेल विषयक मुख्य बात की अछि?

(A) कर्त्ता, पुरुष, वचन, आदर आ कालसँ क्रिया-रूपक सम्बन्ध

(B) परिवार बदलि दैत

(C) भाषामे नहि होइत

(D) संगीतक आयोजन

६६१. सर्वनाम-रूप सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) भाषिक सम्बन्ध आ सामाजिक आदर दुनू देखबैत अछि

(B) कला-रूप

(C) अर्थहीन शब्द

(D) लिपि-सूची

६६२. सर्वनाम-रूप विषयक परीक्षा-योग्य उत्तर की अछि?

(A) भाषिक सम्बन्ध आ सामाजिक आदर दुनू देखबैत अछि

(B) कला-रूप

(C) लिपि-सूची

(D) अर्थहीन शब्द

६६३. सर्वनाम-रूप कैँ मैथिलीक स्थान बुझबामे कोन रूपेँ देखल जाए?

(A) अर्थहीन शब्द

(B) कला-रूप

(C) भाषिक सम्बन्ध आ सामाजिक आदर दुनू देखबैत अछि

(D) लिपि-सूची

६६४. सर्वनाम-रूप पर आधारित सही विकल्प चुनू।

(A) कला-रूप

(B) लिपि-सूची

(C) अर्थहीन शब्द

(D) भाषिक सम्बन्ध आ सामाजिक आदर दुनू देखबैत अछि

६६५. सर्वनाम-रूप सम्बन्धी कारण-फलमे सही उत्तर चुनू।

(A) लिपि-सूची

(B) भाषिक सम्बन्ध आ सामाजिक आदर दुनू देखबैत अछि

(C) अर्थहीन शब्द

(D) कला-रूप

६६६. सर्वनाम-रूप विषयक गलत धारणा सँ बचि सही कथन चुनू।

(A) अर्थहीन शब्द

(B) भाषिक सम्बन्ध आ सामाजिक आदर दुनू देखबैत अछि

(C) कला-रूप

(D) लिपि-सूची

६६७. सर्वनाम-रूप कैँ भाषा-परिवारक दृष्टिसँ केना बुझल जाए?

(A) लिपि-सूची

(B) अर्थहीन शब्द

(C) भाषिक सम्बन्ध आ सामाजिक आदर दुनू देखबैत अछि

(D) कला-रूप

६६८. सर्वनाम-रूप पर संक्षिप्त सही परिभाषा की अछि?

(A) कला-रूप

(B) भाषिक सम्बन्ध आ सामाजिक आदर दुनू देखबैत अछि

(C) अर्थहीन शब्द

(D) लिपि-सूची

६६९. सर्वनाम-रूप पर तुलनात्मक भाषाविज्ञानक दृष्टि सँ सही विकल्प चुनू।

(A) लिपि-सूची

(B) अर्थहीन शब्द

(C) भाषिक सम्बन्ध आ सामाजिक आदर दुनू देखबैत अछि

(D) कला-रूप

६७०. सर्वनाम-रूप विषयक मुख्य बात की अछि?

(A) कला-रूप

(B) अर्थहीन शब्द

(C) लिपि-सूची

(D) भाषिक सम्बन्ध आ सामाजिक आदर दुनू देखबैत अछि

६७१. नकार सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) परिवारक नाम

(B) चित्रक चिह्न

(C) वाक्यक अस्वीकारार्थक रूप बनबैत अछि

(D) मौन रहब मात्र

६७२. नकार विषयक परीक्षा-योग्य उत्तर की अछि?

(A) चित्रक चिह्न

(B) परिवारक नाम

(C) वाक्यक अस्वीकारार्थक रूप बनबैत अछि

(D) मौन रहब मात्र

६७३. नकार कैँ मैथिलीक स्थान बुझबामे कोन रूपैँ देखल जाए?

(A) वाक्यक अस्वीकारार्थक रूप बनबैत अछि

(B) परिवारक नाम

(C) मौन रहब मात्र

(D) चित्रक चिह्न

६७४. नकार पर आधारित सही विकल्प चुनू।

(A) मौन रहब मात्र

(B) वाक्यक अस्वीकारार्थक रूप बनबैत अछि

(C) परिवारक नाम

(D) चित्रक चिह्न

६७५. नकार सम्बन्धी कारण-फलमे सही उत्तर चुनू।

(A) चित्रक चिह्न

(B) परिवारक नाम

(C) मौन रहब मात्र

(D) वाक्यक अस्वीकारार्थक रूप बनबैत अछि

६७६. नकार विषयक गलत धारणा सँ बचि सही कथन चुनू।

(A) चित्रक चिह्न

(B) वाक्यक अस्वीकारार्थक रूप बनबैत अछि

(C) मौन रहब मात्र

(D) परिवारक नाम

६७७. नकार कैँ भाषा-परिवारक दृष्टिसँ केना बुझल जाए?

(A) मौन रहब मात्र

(B) चित्रक चिह्न

(C) वाक्यक अस्वीकारार्थक रूप बनबैत अछि

(D) परिवारक नाम

६७८. नकार पर संक्षिप्त सही परिभाषा की अछि?

(A) चित्रक चिह्न

(B) मौन रहब मात्र

(C) वाक्यक अस्वीकारार्थक रूप बनबैत अछि

(D) परिवारक नाम

६७९. नकार पर तुलनात्मक भाषाविज्ञानक दृष्टि सँ सही विकल्प चुनू।

(A) चित्रक चिह्न

(B) वाक्यक अस्वीकारार्थक रूप बनबैत अछि

(C) मौन रहब मात्र

(D) परिवारक नाम

६८०. नकार विषयक मुख्य बात की अछि?

(A) वाक्यक अस्वीकारार्थक रूप बनबैत अछि

(B) परिवारक नाम

(C) मौन रहब मात्र

(D) चित्रक चिह्न

६८१. पदक्रम सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) कृषि पद्धति

(B) लिपि-रंग

(C) वाक्यमे शब्दक व्यवस्था

(D) नृत्यक चाल

६८२. पदक्रम विषयक परीक्षा-योग्य उत्तर की अछि?

(A) लिपि-रंग

(B) कृषि पद्धति

(C) नृत्यक चाल

(D) वाक्यमे शब्दक व्यवस्था

६८३. पदक्रम कैं मैथिलीक स्थान बुझबामे कोन रूपैं देखल जाए?

(A) वाक्यमे शब्दक व्यवस्था

(B) लिपि-रंग

(C) कृषि पद्धति

(D) नृत्यक चाल

६८४. पदक्रम पर आधारित सही विकल्प चुनू।

(A) नृत्यक चाल

(B) कृषि पद्धति

(C) वाक्यमे शब्दक व्यवस्था

(D) लिपि-रंग

६८५. पदक्रम सम्बन्धी कारण-फलमे सही उत्तर चुनू।

(A) लिपि-रंग

(B) नृत्यक चाल

(C) कृषि पद्धति

(D) वाक्यमे शब्दक व्यवस्था

६८६. पदक्रम विषयक गलत धारणा सँ बचि सही कथन चुनू।

(A) वाक्यमे शब्दक व्यवस्था

(B) लिपि-रंग

(C) कृषि पद्धति

(D) नृत्यक चाल

६८७. पदक्रम कैं भाषा-परिवारक दृष्टिसँ केना बुझल जाए?

(A) वाक्यमे शब्दक व्यवस्था

(B) नृत्यक चाल

(C) कृषि पद्धति

(D) लिपि-रंग

६८८. पदक्रम पर संक्षिप्त सही परिभाषा की अछि?

(A) लिपि-रंग

(B) कृषि पद्धति

(C) नृत्यक चाल

(D) वाक्यमे शब्दक व्यवस्था

६८९. पदक्रम पर तुलनात्मक भाषाविज्ञानक दृष्टि सँ सही विकल्प चुनू।

(A) लिपि-रंग

(B) नृत्यक चाल

(C) कृषि पद्धति

(D) वाक्यमे शब्दक व्यवस्था

६९०. पदक्रम विषयक मुख्य बात की अछि?

(A) नृत्यक चाल

(B) कृषि पद्धति

(C) लिपि-रंग

(D) वाक्यमे शब्दक व्यवस्था

६९१. लक्षण-संग्रह सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) एक लक्षण मात्र

(B) ध्वनि, रूप, शब्द, वाक्यक संयुक्त अध्ययन

(C) परिवार-विरोधी

(D) स्मृति-क्रीड़ा

६९२. लक्षण-संग्रह विषयक परीक्षा-योग्य उत्तर की अछि?

(A) ध्वनि, रूप, शब्द, वाक्यक संयुक्त अध्ययन

(B) परिवार-विरोधी

(C) एक लक्षण मात्र

(D) स्मृति-क्रीड़ा

६९३. लक्षण-संग्रह कैँ मैथिलीक स्थान बुझबामे कोन रूपैँ देखल जाए?

(A) ध्वनि, रूप, शब्द, वाक्यक संयुक्त अध्ययन

(B) परिवार-विरोधी

(C) स्मृति-क्रीड़ा

(D) एक लक्षण मात्र

६९४. लक्षण-संग्रह पर आधारित सही विकल्प चुनू।

(A) एक लक्षण मात्र

(B) स्मृति-क्रीड़ा

(C) ध्वनि, रूप, शब्द, वाक्यक संयुक्त अध्ययन

(D) परिवार-विरोधी

६९५. लक्षण-संग्रह सम्बन्धी कारण-फलमे सही उत्तर चुनू।

(A) स्मृति-क्रीड़ा

(B) एक लक्षण मात्र

(C) ध्वनि, रूप, शब्द, वाक्यक संयुक्त अध्ययन

(D) परिवार-विरोधी

६९६. लक्षण-संग्रह विषयक गलत धारणा सँ बचि सही कथन चुनू।

(A) एक लक्षण मात्र

(B) परिवार-विरोधी

(C) स्मृति-क्रीड़ा

(D) ध्वनि, रूप, शब्द, वाक्यक संयुक्त अध्ययन

६९७. लक्षण-संग्रह कैँ भाषा-परिवारक दृष्टिसँ केना बुझल जाए?

(A) परिवार-विरोधी

(B) ध्वनि, रूप, शब्द, वाक्यक संयुक्त अध्ययन

(C) एक लक्षण मात्र

(D) स्मृति-क्रीड़ा

६९८. लक्षण-संग्रह पर संक्षिप्त सही परिभाषा की अछि?

(A) परिवार-विरोधी

(B) ध्वनि, रूप, शब्द, वाक्यक संयुक्त अध्ययन

(C) स्मृति-क्रीड़ा

(D) एक लक्षण मात्र

६९९. लक्षण-संग्रह पर तुलनात्मक भाषाविज्ञानक दृष्टि सँ सही विकल्प चुनू।

(A) परिवार-विरोधी

(B) ध्वनि, रूप, शब्द, वाक्यक संयुक्त अध्ययन

(C) एक लक्षण मात्र

(D) स्मृति-क्रीड़ा

७००. लक्षण-संग्रह विषयक मुख्य बात की अछि?

(A) स्मृति-क्रीड़ा

(B) परिवार-विरोधी

(C) ध्वनि, रूप, शब्द, वाक्यक संयुक्त अध्ययन

(D) एक लक्षण मात्र

७०१. मिथिलाक्षर सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) पत्रिका नाम

(B) भाषा-परिवार

(C) मैथिलीक पारम्परिक लिपि-परम्परासँ जुड़ल लिपि

(D) द्रविड़ शाखा

७०२. मिथिलाक्षर विषयक परीक्षा-योग्य उत्तर की अछि?

(A) पत्रिका नाम

(B) भाषा-परिवार

(C) द्रविड़ शाखा

(D) मैथिलीक पारम्परिक लिपि-परम्परासँ जुड़ल लिपि

७०३. मिथिलाक्षर कैँ मैथिलीक स्थान बुझबामे कोन रूपैँ देखल जाए?

(A) द्रविड़ शाखा

(B) भाषा-परिवार

(C) पत्रिका नाम

(D) मैथिलीक पारम्परिक लिपि-परम्परासँ जुड़ल लिपि

७०४. मिथिलाक्षर पर आधारित सही विकल्प चुनू।

(A) पत्रिका नाम

(B) भाषा-परिवार

(C) द्रविड़ शाखा

(D) मैथिलीक पारम्परिक लिपि-परम्परासँ जुड़ल लिपि

७०५. मिथिलाक्षर सम्बन्धी कारण-फलमे सही उत्तर चुनू।

(A) पत्रिका नाम

(B) मैथिलीक पारम्परिक लिपि-परम्परासँ जुड़ल लिपि

(C) द्रविड़ शाखा

(D) भाषा-परिवार

७०६. मिथिलाक्षर विषयक गलत धारणा सँ बचि सही कथन चुनू।

(A) मैथिलीक पारम्परिक लिपि-परम्परासँ जुड़ल लिपि

(B) भाषा-परिवार

(C) द्रविड़ शाखा

(D) पत्रिका नाम

७०७. मिथिलाक्षर कैँ भाषा-परिवारक दृष्टिसँ केना बुझल जाए?

(A) पत्रिका नाम

(B) भाषा-परिवार

(C) मैथिलीक पारम्परिक लिपि-परम्परासँ जुड़ल लिपि

(D) द्रविड़ शाखा

७०८. मिथिलाक्षर पर संक्षिप्त सही परिभाषा की अछि?

(A) पत्रिका नाम

(B) मैथिलीक पारम्परिक लिपि-परम्परासँ जुड़ल लिपि

(C) भाषा-परिवार

(D) द्रविड़ शाखा

७०९. मिथिलाक्षर पर तुलनात्मक भाषाविज्ञानक दृष्टि सँ सही विकल्प चुनू।

(A) मैथिलीक पारम्परिक लिपि-परम्परासँ जुड़ल लिपि

(B) भाषा-परिवार

(C) पत्रिका नाम

(D) द्रविड़ शाखा

७१०. मिथिलाक्षर विषयक मुख्य बात की अछि?

(A) मैथिलीक पारम्परिक लिपि-परम्परासँ जुड़ल लिपि

(B) पत्रिका नाम

(C) भाषा-परिवार

(D) द्रविड़ शाखा

७११. तिरहुता सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) हिन्द-आर्य शाखा

(B) बोलीक उपनाम

(C) जर्मनिक लिपि

(D) मिथिलाक्षर लिपिक नामसँ जुड़ल परम्परा

७१२. तिरहुता विषयक परीक्षा-योग्य उत्तर की अछि?

(A) बोलीक उपनाम

(B) मिथिलाक्षर लिपिक नामसँ जुड़ल परम्परा

(C) हिन्द-आर्य शाखा

(D) जर्मनिक लिपि

७१३. तिरहुता कैं मैथिलीक स्थान बुझबामे कोन रूपैं देखल जाए?

(A) बोलीक उपनाम

(B) जर्मनिक लिपि

(C) हिन्द-आर्य शाखा

(D) मिथिलाक्षर लिपिक नामसँ जुड़ल परम्परा

७१४. तिरहुता पर आधारित सही विकल्प चुनू।

(A) मिथिलाक्षर लिपिक नामसँ जुड़ल परम्परा

(B) हिन्द-आर्य शाखा

(C) जर्मनिक लिपि

(D) बोलीक उपनाम

७१५. तिरहुता सम्बन्धी कारण-फलमे सही उत्तर चुनू।

(A) हिन्द-आर्य शाखा

(B) बोलीक उपनाम

(C) मिथिलाक्षर लिपिक नामसँ जुड़ल परम्परा

(D) जर्मनिक लिपि

७१६. तिरहुता विषयक गलत धारणा सँ बचि सही कथन चुनू।

(A) जर्मनिक लिपि

(B) बोलीक उपनाम

(C) मिथिलाक्षर लिपिक नामसँ जुड़ल परम्परा

(D) हिन्द-आर्य शाखा

७१७. तिरहुता कैं भाषा-परिवारक दृष्टिसँ केना बुझल जाए?

(A) मिथिलाक्षर लिपिक नामसँ जुड़ल परम्परा

(B) जर्मनिक लिपि

(C) हिन्द-आर्य शाखा

(D) बोलीक उपनाम

७१८. तिरहुता पर संक्षिप्त सही परिभाषा की अछि?

(A) हिन्द-आर्य शाखा

(B) मिथिलाक्षर लिपिक नामसँ जुड़ल परम्परा

(C) बोलीक उपनाम

(D) जर्मनिक लिपि

७१९. तिरहुता पर तुलनात्मक भाषाविज्ञानक दृष्टि सँ सही विकल्प चुनू।

(A) बोलीक उपनाम

(B) हिन्द-आर्य शाखा

(C) मिथिलाक्षर लिपिक नामसँ जुड़ल परम्परा

(D) जर्मनिक लिपि

७२०. तिरहुता विषयक मुख्य बात की अछि?

(A) जर्मनिक लिपि

(B) मिथिलाक्षर लिपिक नामसँ जुड़ल परम्परा

(C) हिन्द-आर्य शाखा

(D) बोलीक उपनाम

७२१. देवनागरी सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) द्रविड़ उपशाखा

(B) मैथिलीक मूल वंश

(C) भाषा-परिवार

(D) आधुनिक मैथिली लेखनमे व्यापक लिपि

७२२. देवनागरी विषयक परीक्षा-योग्य उत्तर की अछि?

(A) भाषा-परिवार

(B) मैथिलीक मूल वंश

(C) आधुनिक मैथिली लेखनमे व्यापक लिपि

(D) द्रविड़ उपशाखा

७२३. देवनागरी कैँ मैथिलीक स्थान बुझबामे कोन रूपैँ देखल जाए?

(A) मैथिलीक मूल वंश

(B) द्रविड़ उपशाखा

(C) भाषा-परिवार

(D) आधुनिक मैथिली लेखनमे व्यापक लिपि

७२४. देवनागरी पर आधारित सही विकल्प चुनू।

(A) भाषा-परिवार

(B) मैथिलीक मूल वंश

(C) द्रविड़ उपशाखा

(D) आधुनिक मैथिली लेखनमे व्यापक लिपि

७२५. देवनागरी सम्बन्धी कारण-फलमे सही उत्तर चुनू।

(A) द्रविड़ उपशाखा

(B) भाषा-परिवार

(C) आधुनिक मैथिली लेखनमे व्यापक लिपि

(D) मैथिलीक मूल वंश

७२६. देवनागरी विषयक गलत धारणा सँ बचि सही कथन चुनू।

(A) द्रविड़ उपशाखा

(B) भाषा-परिवार

(C) मैथिलीक मूल वंश

(D) आधुनिक मैथिली लेखनमे व्यापक लिपि

७२७. देवनागरी कैँ भाषा-परिवारक दृष्टिसँ केना बुझल जाए?

(A) भाषा-परिवार

(B) द्रविड़ उपशाखा

(C) आधुनिक मैथिली लेखनमे व्यापक लिपि

(D) मैथिलीक मूल वंश

७२८. देवनागरी पर संक्षिप्त सही परिभाषा की अछि?

(A) भाषा-परिवार

(B) द्रविड़ उपशाखा

(C) मैथिलीक मूल वंश

(D) आधुनिक मैथिली लेखनमे व्यापक लिपि

७२९. देवनागरी पर तुलनात्मक भाषाविज्ञानक दृष्टि सँ सही विकल्प चुनू।

(A) भाषा-परिवार

(B) मैथिलीक मूल वंश

(C) आधुनिक मैथिली लेखनमे व्यापक लिपि

(D) द्रविड़ उपशाखा

७३०. देवनागरी विषयक मुख्य बात की अछि?

(A) द्रविड़ उपशाखा

(B) आधुनिक मैथिली लेखनमे व्यापक लिपि

(C) मैथिलीक मूल वंश

(D) भाषा-परिवार

७३१. पाण्डुलिपि सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) मात्र चित्र

(B) भाषाहीन वस्तु

(C) पुरान भाषा-रूप, लिपि आ पाठक साक्ष्य

(D) आधुनिक टंकण

७३२. पाण्डुलिपि विषयक परीक्षा-योग्य उत्तर की अछि?

(A) मात्र चित्र

(B) आधुनिक टंकण

(C) पुरान भाषा-रूप, लिपि आ पाठक साक्ष्य

(D) भाषाहीन वस्तु

७३३. पाण्डुलिपि कैँ मैथिलीक स्थान बुझबामे कोन रूपैँ देखल जाए?

(A) मात्र चित्र

(B) भाषाहीन वस्तु

(C) आधुनिक टंकण

(D) पुरान भाषा-रूप, लिपि आ पाठक साक्ष्य

७३४. पाण्डुलिपि पर आधारित सही विकल्प चुनू।

(A) मात्र चित्र

(B) आधुनिक टंकण

(C) भाषाहीन वस्तु

(D) पुरान भाषा-रूप, लिपि आ पाठक साक्ष्य

७३५. पाण्डुलिपि सम्बन्धी कारण-फलमे सही उत्तर चुनू।

(A) भाषाहीन वस्तु

(B) मात्र चित्र

(C) पुरान भाषा-रूप, लिपि आ पाठक साक्ष्य

(D) आधुनिक टंकण

७३६. पाण्डुलिपि विषयक गलत धारणा सँ बचि सही कथन चुनू।

(A) पुरान भाषा-रूप, लिपि आ पाठक साक्ष्य

(B) मात्र चित्र

(C) आधुनिक टंकण

(D) भाषाहीन वस्तु

७३७. पाण्डुलिपि कैँ भाषा-परिवारक दृष्टिसँ केना बुझल जाए?

(A) पुरान भाषा-रूप, लिपि आ पाठक साक्ष्य

(B) आधुनिक टंकण

(C) मात्र चित्र

(D) भाषाहीन वस्तु

७३८. पाण्डुलिपि पर संक्षिप्त सही परिभाषा की अछि?

(A) पुरान भाषा-रूप, लिपि आ पाठक साक्ष्य

(B) मात्र चित्र

(C) आधुनिक टंकण

(D) भाषाहीन वस्तु

७३९. पाण्डुलिपि पर तुलनात्मक भाषाविज्ञानक दृष्टि सँ सही विकल्प चुनू।

(A) मात्र चित्र

(B) पुरान भाषा-रूप, लिपि आ पाठक साक्ष्य

(C) आधुनिक टंकण

(D) भाषाहीन वस्तु

७४०. पाण्डुलिपि विषयक मुख्य बात की अछि?

(A) पुरान भाषा-रूप, लिपि आ पाठक साक्ष्य

(B) भाषाहीन वस्तु

(C) आधुनिक टंकण

(D) मात्र चित्र

७४१. मुद्रण-युग सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) ध्वनि-निरोध

(B) मानक वर्तनी, पाठक-वर्ग आ सार्वजनिक गद्यक विकास

(C) भाषा-विनाश

(D) मौन परम्परा

७४२. मुद्रण-युग विषयक परीक्षा-योग्य उत्तर की अछि?

(A) मानक वर्तनी, पाठक-वर्ग आ सार्वजनिक गद्यक विकास

(B) मौन परम्परा

(C) भाषा-विनाश

(D) ध्वनि-निरोध

७४३. मुद्रण-युग कैँ मैथिलीक स्थान बुझबामे कोन रूपैँ देखल जाए?

(A) मानक वर्तनी, पाठक-वर्ग आ सार्वजनिक गद्यक विकास

(B) ध्वनि-निरोध

(C) मौन परम्परा

(D) भाषा-विनाश

७४४. मुद्रण-युग पर आधारित सही विकल्प चुनू।

(A) मानक वर्तनी, पाठक-वर्ग आ सार्वजनिक गद्यक विकास

(B) मौन परम्परा

(C) ध्वनि-निरोध

(D) भाषा-विनाश

७४५. मुद्रण-युग सम्बन्धी कारण-फलमे सही उत्तर चुनू।

(A) मानक वर्तनी, पाठक-वर्ग आ सार्वजनिक गद्यक विकास

(B) भाषा-विनाश

(C) मौन परम्परा

(D) ध्वनि-निरोध

७४६. मुद्रण-युग विषयक गलत धारणा सँ बचि सही कथन चुनू।

(A) भाषा-विनाश

(B) मानक वर्तनी, पाठक-वर्ग आ सार्वजनिक गद्यक विकास

(C) मौन परम्परा

(D) ध्वनि-निरोध

७४७. मुद्रण-युग कैं भाषा-परिवारक दृष्टिसँ केना बुझल जाए?

(A) मानक वर्तनी, पाठक-वर्ग आ सार्वजनिक गद्यक विकास

(B) ध्वनि-निरोध

(C) भाषा-विनाश

(D) मौन परम्परा

७४८. मुद्रण-युग पर संक्षिप्त सही परिभाषा की अछि?

(A) ध्वनि-निरोध

(B) मानक वर्तनी, पाठक-वर्ग आ सार्वजनिक गद्यक विकास

(C) मौन परम्परा

(D) भाषा-विनाश

७४९. मुद्रण-युग पर तुलनात्मक भाषाविज्ञानक दृष्टि सँ सही विकल्प चुनू।

(A) मौन परम्परा

(B) ध्वनि-निरोध

(C) भाषा-विनाश

(D) मानक वर्तनी, पाठक-वर्ग आ सार्वजनिक गद्यक विकास

७५०. मुद्रण-युग विषयक मुख्य बात की अछि?

(A) मानक वर्तनी, पाठक-वर्ग आ सार्वजनिक गद्यक विकास

(B) भाषा-विनाश

(C) मौन परम्परा

(D) ध्वनि-निरोध

७५१. पत्र-पत्रिका सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) नाटक मंच मात्र

(B) आधुनिक मैथिली गद्य आ समाज-चेतनाक मंच

(C) परिवार बदलनिहार साधन

(D) भाषासँ असम्बद्ध

७५२. पत्र-पत्रिका विषयक परीक्षा-योग्य उत्तर की अछि?

(A) भाषासँ असम्बद्ध

(B) नाटक मंच मात्र

(C) आधुनिक मैथिली गद्य आ समाज-चेतनाक मंच

(D) परिवार बदलनिहार साधन

७५३. पत्र-पत्रिका कैं मैथिलीक स्थान बुझबामे कोन रूपैं देखल जाए?

(A) आधुनिक मैथिली गद्य आ समाज-चेतनाक मंच

(B) परिवार बदलनिहार साधन

(C) भाषासँ असम्बद्ध

(D) नाटक मंच मात्र

७५४. पत्र-पत्रिका पर आधारित सही विकल्प चुनू।

(A) आधुनिक मैथिली गद्य आ समाज-चेतनाक मंच

(B) नाटक मंच मात्र

(C) भाषासँ असम्बद्ध

(D) परिवार बदलनिहार साधन

७५५. पत्र-पत्रिका सम्बन्धी कारण-फलमे सही उत्तर चुनू।

(A) नाटक मंच मात्र

(B) आधुनिक मैथिली गद्य आ समाज-चेतनाक मंच

(C) परिवार बदलनिहार साधन

(D) भाषासँ असम्बद्ध

७५६. पत्र-पत्रिका विषयक गलत धारणा सँ बचि सही कथन चुनू।

(A) नाटक मंच मात्र

(B) आधुनिक मैथिली गद्य आ समाज-चेतनाक मंच

(C) परिवार बदलनिहार साधन

(D) भाषासँ असम्बद्ध

७५७. पत्र-पत्रिका कैं भाषा-परिवारक दृष्टिसँ केना बुझल जाए?

(A) आधुनिक मैथिली गद्य आ समाज-चेतनाक मंच

(B) नाटक मंच मात्र

(C) भाषासँ असम्बद्ध

(D) परिवार बदलनिहार साधन

७५८. पत्र-पत्रिका पर संक्षिप्त सही परिभाषा की अछि?

(A) परिवार बदलनिहार साधन

(B) भाषासँ असम्बद्ध

(C) नाटक मंच मात्र

(D) आधुनिक मैथिली गद्य आ समाज-चेतनाक मंच

७५९. पत्र-पत्रिका पर तुलनात्मक भाषाविज्ञानक दृष्टि सँ सही विकल्प चुनू।

(A) आधुनिक मैथिली गद्य आ समाज-चेतनाक मंच

(B) भाषासँ असम्बद्ध

(C) नाटक मंच मात्र

(D) परिवार बदलनिहार साधन

७६०. पत्र-पत्रिका विषयक मुख्य बात की अछि?

(A) नाटक मंच मात्र

(B) भाषासँ असम्बद्ध

(C) परिवार बदलनिहार साधन

(D) आधुनिक मैथिली गद्य आ समाज-चेतनाक मंच

७६१. शब्दकोश सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) भाषा-विरोधी

(B) मौन सूची

(C) शब्दावली, अर्थ आ प्रयोगक दस्तावेज

(D) चित्र-संग्रह मात्र

७६२. शब्दकोश विषयक परीक्षा-योग्य उत्तर की अछि?

(A) मौन सूची

(B) भाषा-विरोधी

(C) शब्दावली, अर्थ आ प्रयोगक दस्तावेज

(D) चित्र-संग्रह मात्र

७६३. शब्दकोश कैँ मैथिलीक स्थान बुझबामे कोन रूपेँ देखल जाए?

(A) चित्र-संग्रह मात्र

(B) भाषा-विरोधी

(C) शब्दावली, अर्थ आ प्रयोगक दस्तावेज

(D) मौन सूची

७६४. शब्दकोश पर आधारित सही विकल्प चुनू।

(A) भाषा-विरोधी

(B) शब्दावली, अर्थ आ प्रयोगक दस्तावेज

(C) चित्र-संग्रह मात्र

(D) मौन सूची

७६५. शब्दकोश सम्बन्धी कारण-फलमे सही उत्तर चुनू।

(A) चित्र-संग्रह मात्र

(B) शब्दावली, अर्थ आ प्रयोगक दस्तावेज

(C) मौन सूची

(D) भाषा-विरोधी

७६६. शब्दकोश विषयक गलत धारणा सँ बचि सही कथन चुनू।

(A) भाषा-विरोधी

(B) शब्दावली, अर्थ आ प्रयोगक दस्तावेज

(C) मौन सूची

(D) चित्र-संग्रह मात्र

७६७. शब्दकोश कैँ भाषा-परिवारक दृष्टिसँ केना बुझल जाए?

(A) मौन सूची

(B) चित्र-संग्रह मात्र

(C) शब्दावली, अर्थ आ प्रयोगक दस्तावेज

(D) भाषा-विरोधी

७६८. शब्दकोश पर संक्षिप्त सही परिभाषा की अछि?

(A) मौन सूची

(B) भाषा-विरोधी

(C) शब्दावली, अर्थ आ प्रयोगक दस्तावेज

(D) चित्र-संग्रह मात्र

७६९. शब्दकोश पर तुलनात्मक भाषाविज्ञानक दृष्टि सँ सही विकल्प चुनू।

(A) मौन सूची

(B) चित्र-संग्रह मात्र

(C) भाषा-विरोधी

(D) शब्दावली, अर्थ आ प्रयोगक दस्तावेज

७७०. शब्दकोश विषयक मुख्य बात की अछि?

(A) चित्र-संग्रह मात्र

(B) मौन सूची

(C) भाषा-विरोधी

(D) शब्दावली, अर्थ आ प्रयोगक दस्तावेज

७७१. व्याकरण-ग्रन्थ सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) रंग-पुस्तक

(B) संख्या-सूची

(C) भाषा-नियम, रूप आ प्रयोगक विवरण

(D) भाषिक संरचना नहि

७७२. व्याकरण-ग्रन्थ विषयक परीक्षा-योग्य उत्तर की अछि?

(A) भाषिक संरचना नहि

(B) भाषा-नियम, रूप आ प्रयोगक विवरण

(C) संख्या-सूची

(D) रंग-पुस्तक

७७३. व्याकरण-ग्रन्थ कैँ मैथिलीक स्थान बुझबामे कोन रूपेँ देखल जाए?

(A) रंग-पुस्तक

(B) भाषा-नियम, रूप आ प्रयोगक विवरण

(C) भाषिक संरचना नहि

(D) संख्या-सूची

७७४. व्याकरण-ग्रन्थ पर आधारित सही विकल्प चुनू।

(A) भाषा-नियम, रूप आ प्रयोगक विवरण

(B) संख्या-सूची

(C) रंग-पुस्तक

(D) भाषिक संरचना नहि

७७५. व्याकरण-ग्रन्थ सम्बन्धी कारण-फलमे सही उत्तर चुनू।

(A) संख्या-सूची

(B) रंग-पुस्तक

(C) भाषिक संरचना नहि

(D) भाषा-नियम, रूप आ प्रयोगक विवरण

७७६. व्याकरण-ग्रन्थ विषयक गलत धारणा सँ बचि सही कथन चुनू।

(A) भाषा-नियम, रूप आ प्रयोगक विवरण

(B) रंग-पुस्तक

(C) संख्या-सूची

(D) भाषिक संरचना नहि

७७७. व्याकरण-ग्रन्थ कैं भाषा-परिवारक दृष्टिसँ केना बुझल जाए?

(A) रंग-पुस्तक

(B) भाषा-नियम, रूप आ प्रयोगक विवरण

(C) भाषिक संरचना नहि

(D) संख्या-सूची

७७८. व्याकरण-ग्रन्थ पर संक्षिप्त सही परिभाषा की अछि?

(A) संख्या-सूची

(B) भाषिक संरचना नहि

(C) भाषा-नियम, रूप आ प्रयोगक विवरण

(D) रंग-पुस्तक

७७९. व्याकरण-ग्रन्थ पर तुलनात्मक भाषाविज्ञानक दृष्टि सँ सही विकल्प चुनू।

(A) भाषा-नियम, रूप आ प्रयोगक विवरण

(B) रंग-पुस्तक

(C) संख्या-सूची

(D) भाषिक संरचना नहि

७८०. व्याकरण-ग्रन्थ विषयक मुख्य बात की अछि?

(A) भाषिक संरचना नहि

(B) भाषा-नियम, रूप आ प्रयोगक विवरण

(C) रंग-पुस्तक

(D) संख्या-सूची

७८१. यूनिकोड सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) भाषा-परिवार

(B) मातृभाषा

(C) द्रविड़ शाखा

(D) डिजिटल लिपि-चिह्नक मानकीकरणक साधन

७८२. यूनिकोड विषयक परीक्षा-योग्य उत्तर की अछि?

(A) भाषा-परिवार

(B) मातृभाषा

(C) डिजिटल लिपि-चिह्नक मानकीकरणक साधन

(D) द्रविड़ शाखा

७८३. यूनिकोड कैं मैथिलीक स्थान बुझबामे कोन रूपैं देखल जाए?

(A) डिजिटल लिपि-चिह्नक मानकीकरणक साधन

(B) मातृभाषा

(C) द्रविड़ शाखा

(D) भाषा-परिवार

७८४. यूनिकोड पर आधारित सही विकल्प चुनू।

(A) डिजिटल लिपि-चिह्नक मानकीकरणक साधन

(B) द्रविड़ शाखा

(C) मातृभाषा

(D) भाषा-परिवार

७८५. यूनिकोड सम्बन्धी कारण-फलमे सही उत्तर चुनू।

(A) डिजिटल लिपि-चिह्नक मानकीकरणक साधन

(B) मातृभाषा

(C) भाषा-परिवार

(D) द्रविड़ शाखा

७८६. यूनिकोड विषयक गलत धारणा सँ बचि सही कथन चुनू।

(A) डिजिटल लिपि-चिह्नक मानकीकरणक साधन

(B) द्रविड़ शाखा

(C) भाषा-परिवार

(D) मातृभाषा

७८७. यूनिकोड कैँ भाषा-परिवारक दृष्टिसँ केना बुझल जाए?

(A) द्रविड़ शाखा

(B) डिजिटल लिपि-चिह्नक मानकीकरणक साधन

(C) भाषा-परिवार

(D) मातृभाषा

७८८. यूनिकोड पर संक्षिप्त सही परिभाषा की अछि?

(A) द्रविड़ शाखा

(B) भाषा-परिवार

(C) मातृभाषा

(D) डिजिटल लिपि-चिह्नक मानकीकरणक साधन

७८९. यूनिकोड पर तुलनात्मक भाषाविज्ञानक दृष्टि सँ सही विकल्प चुनू।

(A) डिजिटल लिपि-चिह्नक मानकीकरणक साधन

(B) द्रविड़ शाखा

(C) भाषा-परिवार

(D) मातृभाषा

७९०. यूनिकोड विषयक मुख्य बात की अछि?

(A) मातृभाषा

(B) डिजिटल लिपि-चिह्नक मानकीकरणक साधन

(C) भाषा-परिवार

(D) द्रविड़ शाखा

७९१. लिपि-बहुलता सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) लिपि बदलिते भाषा बदलैत

(B) एक भाषाक केवल एक लिपि संभव

(C) लिपि नहि तँ भाषा नहि

(D) एक भाषा एक सँ बेसी लिपिमे लिखल जा सकैत अछि

७९२. लिपि-बहुलता विषयक परीक्षा-योग्य उत्तर की अछि?

(A) एक भाषा एक सँ बेसी लिपिमे लिखल जा सकैत अछि

(B) लिपि बदलिते भाषा बदलैत

(C) लिपि नहि तँ भाषा नहि

(D) एक भाषाक केवल एक लिपि संभव

७९३. लिपि-बहुलता कैँ मैथिलीक स्थान बुझबामे कोन रूपैँ देखल जाए?

(A) एक भाषाक केवल एक लिपि संभव

(B) लिपि बदलिते भाषा बदलैत

(C) एक भाषा एक सँ बेसी लिपिमे लिखल जा सकैत अछि

(D) लिपि नहि तँ भाषा नहि

७९४. लिपि-बहुलता पर आधारित सही विकल्प चुनू।

(A) लिपि बदलिते भाषा बदलैत

(B) लिपि नहि तँ भाषा नहि

(C) एक भाषाक केवल एक लिपि संभव

(D) एक भाषा एक सँ बेसी लिपिमे लिखल जा सकैत अछि

७९५. लिपि-बहुलता सम्बन्धी कारण-फलमे सही उत्तर चुनू।

(A) लिपि नहि तँ भाषा नहि

(B) एक भाषा एक सँ बेसी लिपिमे लिखल जा सकैत अछि

(C) एक भाषाक केवल एक लिपि संभव

(D) लिपि बदलिते भाषा बदलैत

७९६. लिपि-बहुलता विषयक गलत धारणा सँ बचि सही कथन चुनू।

(A) लिपि नहि तँ भाषा नहि

(B) एक भाषाक केवल एक लिपि संभव

(C) लिपि बदलिते भाषा बदलैत

(D) एक भाषा एक सँ बेसी लिपिमे लिखल जा सकैत अछि

७९७. लिपि-बहुलता कैँ भाषा-परिवारक दृष्टिसँ केना बुझल जाए?

(A) लिपि नहि तँ भाषा नहि

(B) एक भाषाक केवल एक लिपि संभव

(C) लिपि बदलिते भाषा बदलैत

(D) एक भाषा एक सँ बेसी लिपिमे लिखल जा सकैत अछि

७९८. लिपि-बहुलता पर संक्षिप्त सही परिभाषा की अछि?

(A) लिपि बदलिते भाषा बदलैत

(B) लिपि नहि तँ भाषा नहि

(C) एक भाषा एक सँ बेसी लिपिमे लिखल जा सकैत अछि

(D) एक भाषाक केवल एक लिपि संभव

७९९. लिपि-बहुलता पर तुलनात्मक भाषाविज्ञानक दृष्टि सँ सही विकल्प चुनू।

(A) एक भाषा एक सँ बेसी लिपिमे लिखल जा सकैत अछि

(B) लिपि बदलिते भाषा बदलैत

(C) लिपि नहि तँ भाषा नहि

(D) एक भाषाक केवल एक लिपि संभव

८००. लिपि-बहुलता विषयक मुख्य बात की अछि?

(A) लिपि नहि तँ भाषा नहि

(B) एक भाषा एक सँ बेसी लिपिमे लिखल जा सकैत अछि

(C) लिपि बदलिते भाषा बदलैत

(D) एक भाषाक केवल एक लिपि संभव

८०१. भाषा-संपर्क सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) भाषाक मृत्यु

(B) असम्भव घटना

(C) शब्द, उच्चारण आ शैलीक आदान-प्रदान

(D) वंशक एकमात्र प्रमाण

८०२. भाषा-संपर्क विषयक परीक्षा-योग्य उत्तर की अछि?

(A) भाषाक मृत्यु

(B) असम्भव घटना

(C) शब्द, उच्चारण आ शैलीक आदान-प्रदान

(D) वंशक एकमात्र प्रमाण

८०३. भाषा-संपर्क कैं मैथिलीक स्थान बुझबामे कोन रूपैं देखल जाए?

(A) शब्द, उच्चारण आ शैलीक आदान-प्रदान

(B) वंशक एकमात्र प्रमाण

(C) भाषाक मृत्यु

(D) असम्भव घटना

८०४. भाषा-संपर्क पर आधारित सही विकल्प चुनू।

(A) शब्द, उच्चारण आ शैलीक आदान-प्रदान

(B) वंशक एकमात्र प्रमाण

(C) भाषाक मृत्यु

(D) असम्भव घटना

८०५. भाषा-संपर्क सम्बन्धी कारण-फलमे सही उत्तर चुनू।

(A) असम्भव घटना

(B) शब्द, उच्चारण आ शैलीक आदान-प्रदान

(C) वंशक एकमात्र प्रमाण

(D) भाषाक मृत्यु

८०६. भाषा-संपर्क विषयक गलत धारणा सँ बचि सही कथन चुनू।

(A) शब्द, उच्चारण आ शैलीक आदान-प्रदान

(B) भाषाक मृत्यु

(C) वंशक एकमात्र प्रमाण

(D) असम्भव घटना

८०७. भाषा-संपर्क कैं भाषा-परिवारक दृष्टिसँ केना बुझल जाए?

(A) भाषाक मृत्यु

(B) वंशक एकमात्र प्रमाण

(C) असम्भव घटना

(D) शब्द, उच्चारण आ शैलीक आदान-प्रदान

८०८. भाषा-संपर्क पर संक्षिप्त सही परिभाषा की अछि?

(A) असम्भव घटना

(B) वंशक एकमात्र प्रमाण

(C) शब्द, उच्चारण आ शैलीक आदान-प्रदान

(D) भाषाक मृत्यु

८०९. भाषा-संपर्क पर तुलनात्मक भाषाविज्ञानक दृष्टि सँ सही विकल्प चुनू।

(A) भाषाक मृत्यु

(B) शब्द, उच्चारण आ शैलीक आदान-प्रदान

(C) वंशक एकमात्र प्रमाण

(D) असम्भव घटना

८१०. भाषा-संपर्क विषयक मुख्य बात की अछि?

(A) भाषाक मृत्यु

(B) वंशक एकमात्र प्रमाण

(C) शब्द, उच्चारण आ शैलीक आदान-प्रदान

(D) असम्भव घटना

८११. द्विभाषिकता सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) परिवार बदलनाइ

(B) दू भाषा व्यवहार करबाक क्षमता

(C) भाषामे असम्भव

(D) लिपि बदलब मात्र

८१२. द्विभाषिकता विषयक परीक्षा-योग्य उत्तर की अछि?

(A) परिवार बदलनाइ

(B) दू भाषा व्यवहार करबाक क्षमता

(C) लिपि बदलब मात्र

(D) भाषामे असम्भव

८१३. द्विभाषिकता कैँ मैथिलीक स्थान बुझबामे कोन रूपैँ देखल जाए?

(A) परिवार बदलनाइ

(B) भाषामे असम्भव

(C) लिपि बदलब मात्र

(D) दू भाषा व्यवहार करबाक क्षमता

८१४. द्विभाषिकता पर आधारित सही विकल्प चुनू।

(A) भाषामे असम्भव

(B) परिवार बदलनाइ

(C) दू भाषा व्यवहार करबाक क्षमता

(D) लिपि बदलब मात्र

८१५. द्विभाषिकता सम्बन्धी कारण-फलमे सही उत्तर चुनू।

(A) दू भाषा व्यवहार करबाक क्षमता

(B) परिवार बदलनाइ

(C) लिपि बदलब मात्र

(D) भाषामे असम्भव

८१६. द्विभाषिकता विषयक गलत धारणा सँ बचि सही कथन चुनू।

(A) दू भाषा व्यवहार करबाक क्षमता

(B) परिवार बदलनाइ

(C) भाषामे असम्भव

(D) लिपि बदलब मात्र

८१७. द्विभाषिकता कैँ भाषा-परिवारक दृष्टिसँ केना बुझल जाए?

(A) लिपि बदलब मात्र

(B) भाषामे असम्भव

(C) दू भाषा व्यवहार करबाक क्षमता

(D) परिवार बदलनाइ

८१८. द्विभाषिकता पर संक्षिप्त सही परिभाषा की अछि?

(A) परिवार बदलनाइ

(B) लिपि बदलब मात्र

(C) दू भाषा व्यवहार करबाक क्षमता

(D) भाषामे असम्भव

८१९. द्विभाषिकता पर तुलनात्मक भाषाविज्ञानक दृष्टि सँ सही विकल्प चुनू।

(A) भाषामे असम्भव

(B) परिवार बदलनाइ

(C) लिपि बदलब मात्र

(D) दू भाषा व्यवहार करबाक क्षमता

८२०. द्विभाषिकता विषयक मुख्य बात की अछि?

(A) लिपि बदलब मात्र

(B) परिवार बदलनाइ

(C) भाषामे असम्भव

(D) दू भाषा व्यवहार करबाक क्षमता

८२१. बहुभाषिकता सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) एक समाजमे एक सँ बेसी भाषाक उपयोग

(B) भाषा-विरोध

(C) मौन अवस्था

(D) भारतमे अनुपस्थित

८२२. बहुभाषिकता विषयक परीक्षा-योग्य उत्तर की अछि?

(A) मौन अवस्था

(B) भारतमे अनुपस्थित

(C) एक समाजमे एक सँ बेसी भाषाक उपयोग

(D) भाषा-विरोध

८२३. बहुभाषिकता कैँ मैथिलीक स्थान बुझबामे कोन रूपेँ देखल जाए?

(A) भारतमे अनुपस्थित

(B) एक समाजमे एक सँ बेसी भाषाक उपयोग

(C) मौन अवस्था

(D) भाषा-विरोध

८२४. बहुभाषिकता पर आधारित सही विकल्प चुनू।

(A) एक समाजमे एक सँ बेसी भाषाक उपयोग

(B) भारतमे अनुपस्थित

(C) मौन अवस्था

(D) भाषा-विरोध

८२५. बहुभाषिकता सम्बन्धी कारण-फलमे सही उत्तर चुनू।

(A) मौन अवस्था

(B) एक समाजमे एक सँ बेसी भाषाक उपयोग

(C) भाषा-विरोध

(D) भारतमे अनुपस्थित

८२६. बहुभाषिकता विषयक गलत धारणा सँ बचि सही कथन चुनू।

(A) मौन अवस्था

(B) भाषा-विरोध

(C) भारतमे अनुपस्थित

(D) एक समाजमे एक सँ बेसी भाषाक उपयोग

८२७. बहुभाषिकता कैँ भाषा-परिवारक दृष्टिसँ केना बुझल जाए?

(A) भारतमे अनुपस्थित

(B) भाषा-विरोध

(C) मौन अवस्था

(D) एक समाजमे एक सँ बेसी भाषाक उपयोग

८२८. बहुभाषिकता पर संक्षिप्त सही परिभाषा की अछि?

(A) एक समाजमे एक सँ बेसी भाषाक उपयोग

(B) भाषा-विरोध

(C) मौन अवस्था

(D) भारतमे अनुपस्थित

८२९. बहुभाषिकता पर तुलनात्मक भाषाविज्ञानक दृष्टि सँ सही विकल्प चुनू।

(A) भारतमे अनुपस्थित

(B) मौन अवस्था

(C) भाषा-विरोध

(D) एक समाजमे एक सँ बेसी भाषाक उपयोग

८३०. बहुभाषिकता विषयक मुख्य बात की अछि?

(A) भाषा-विरोध

(B) मौन अवस्था

(C) एक समाजमे एक सँ बेसी भाषाक उपयोग

(D) भारतमे अनुपस्थित

८३१. कोड-परिवर्तन सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) प्रसंग अनुसार भाषा वा रूप बदलनाइ

(B) व्याकरण-विनाश

(C) चित्रक नाम

(D) गुप्त संख्या

८३२. कोड-परिवर्तन विषयक परीक्षा-योग्य उत्तर की अछि?

(A) चित्रक नाम

(B) प्रसंग अनुसार भाषा वा रूप बदलनाइ

(C) व्याकरण-विनाश

(D) गुप्त संख्या

८३३. कोड-परिवर्तन कैँ मैथिलीक स्थान बुझबामे कोन रूपैँ देखल जाए?

(A) चित्रक नाम

(B) गुप्त संख्या

(C) व्याकरण-विनाश

(D) प्रसंग अनुसार भाषा वा रूप बदलनाइ

८३४. कोड-परिवर्तन पर आधारित सही विकल्प चुनू।

(A) प्रसंग अनुसार भाषा वा रूप बदलनाइ

(B) गुप्त संख्या

(C) चित्रक नाम

(D) व्याकरण-विनाश

८३५. कोड-परिवर्तन सम्बन्धी कारण-फलमे सही उत्तर चुनू।

(A) व्याकरण-विनाश

(B) गुप्त संख्या

(C) प्रसंग अनुसार भाषा वा रूप बदलनाइ

(D) चित्रक नाम

८३६. कोड-परिवर्तन विषयक गलत धारणा सँ बचि सही कथन चुनू।

(A) गुप्त संख्या

(B) चित्रक नाम

(C) व्याकरण-विनाश

(D) प्रसंग अनुसार भाषा वा रूप बदलनाइ

८३७. कोड-परिवर्तन कैँ भाषा-परिवारक दृष्टिसँ केना बुझल जाए?

(A) चित्रक नाम

(B) गुप्त संख्या

(C) व्याकरण-विनाश

(D) प्रसंग अनुसार भाषा वा रूप बदलनाइ

८३८. कोड-परिवर्तन पर संक्षिप्त सही परिभाषा की अछि?

(A) चित्रक नाम

(B) व्याकरण-विनाश

(C) प्रसंग अनुसार भाषा वा रूप बदलनाइ

(D) गुप्त संख्या

८३९. कोड-परिवर्तन पर तुलनात्मक भाषाविज्ञानक दृष्टि सँ सही विकल्प चुनू।

(A) गुप्त संख्या

(B) चित्रक नाम

(C) प्रसंग अनुसार भाषा वा रूप बदलनाइ

(D) व्याकरण-विनाश

८४०. कोड-परिवर्तन विषयक मुख्य बात की अछि?

(A) प्रसंग अनुसार भाषा वा रूप बदलनाइ

(B) गुप्त संख्या

(C) व्याकरण-विनाश

(D) चित्रक नाम

८४१. भाषा-प्रतिष्ठा सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) ध्वनि-सूची

(B) परिवार-वर्गीकरण

(C) लिपिक रंग

(D) समाजमे भाषाक मान, अवसर आ उपयोग

८४२. भाषा-प्रतिष्ठा विषयक परीक्षा-योग्य उत्तर की अछि?

(A) लिपिक रंग

(B) ध्वनि-सूची

(C) समाजमे भाषाक मान, अवसर आ उपयोग

(D) परिवार-वर्गीकरण

८४३. भाषा-प्रतिष्ठा कैं मैथिलीक स्थान बुझबामे कोन रूपैं देखल जाए?

(A) ध्वनि-सूची

(B) समाजमे भाषाक मान, अवसर आ उपयोग

(C) परिवार-वर्गीकरण

(D) लिपिक रंग

८४४. भाषा-प्रतिष्ठा पर आधारित सही विकल्प चुनू।

(A) परिवार-वर्गीकरण

(B) समाजमे भाषाक मान, अवसर आ उपयोग

(C) लिपिक रंग

(D) ध्वनि-सूची

८४५. भाषा-प्रतिष्ठा सम्बन्धी कारण-फलमे सही उत्तर चुनू।

(A) लिपिक रंग

(B) ध्वनि-सूची

(C) परिवार-वर्गीकरण

(D) समाजमे भाषाक मान, अवसर आ उपयोग

८४६. भाषा-प्रतिष्ठा विषयक गलत धारणा सँ बचि सही कथन चुनू।

(A) समाजमे भाषाक मान, अवसर आ उपयोग

(B) ध्वनि-सूची

(C) परिवार-वर्गीकरण

(D) लिपिक रंग

८४७. भाषा-प्रतिष्ठा कैं भाषा-परिवारक दृष्टिसँ केना बुझल जाए?

(A) लिपिक रंग

(B) ध्वनि-सूची

(C) परिवार-वर्गीकरण

(D) समाजमे भाषाक मान, अवसर आ उपयोग

८४८. भाषा-प्रतिष्ठा पर संक्षिप्त सही परिभाषा की अछि?

(A) समाजमे भाषाक मान, अवसर आ उपयोग

(B) परिवार-वर्गीकरण

(C) लिपिक रंग

(D) ध्वनि-सूची

८४९. भाषा-प्रतिष्ठा पर तुलनात्मक भाषाविज्ञानक दृष्टि सँ सही विकल्प चुनू।

(A) ध्वनि-सूची

(B) परिवार-वर्गीकरण

(C) लिपिक रंग

(D) समाजमे भाषाक मान, अवसर आ उपयोग

८५०. भाषा-प्रतिष्ठा विषयक मुख्य बात की अछि?

(A) ध्वनि-सूची

(B) लिपिक रंग

(C) परिवार-वर्गीकरण

(D) समाजमे भाषाक मान, अवसर आ उपयोग

८५१. मातृभाषा शिक्षा सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) आरम्भिक समझ आ भाषिक आत्मविश्वासक आधार

(B) ज्ञान रोकैत

(C) भाषा घटबैत

(D) समाजसँ असम्बद्ध

८५२. मातृभाषा शिक्षा विषयक परीक्षा-योग्य उत्तर की अछि?

(A) ज्ञान रोकैत

(B) आरम्भिक समझ आ भाषिक आत्मविश्वासक आधार

(C) समाजसँ असम्बद्ध

(D) भाषा घटबैत

८५३. मातृभाषा शिक्षा कैँ मैथिलीक स्थान बुझबामे कोन रूपेँ देखल जाए?

(A) समाजसँ असम्बद्ध

(B) भाषा घटबैत

(C) आरम्भिक समझ आ भाषिक आत्मविश्वासक आधार

(D) ज्ञान रोकैत

८५४. मातृभाषा शिक्षा पर आधारित सही विकल्प चुनू।

(A) आरम्भिक समझ आ भाषिक आत्मविश्वासक आधार

(B) भाषा घटबैत

(C) ज्ञान रोकैत

(D) समाजसँ असम्बद्ध

८५५. मातृभाषा शिक्षा सम्बन्धी कारण-फलमे सही उत्तर चुनू।

(A) समाजसँ असम्बद्ध

(B) आरम्भिक समझ आ भाषिक आत्मविश्वासक आधार

(C) ज्ञान रोकैत

(D) भाषा घटबैत

८५६. मातृभाषा शिक्षा विषयक गलत धारणा सँ बचि सही कथन चुनू।

(A) आरम्भिक समझ आ भाषिक आत्मविश्वासक आधार

(B) भाषा घटबैत

(C) समाजसँ असम्बद्ध

(D) ज्ञान रोकैत

८५७. मातृभाषा शिक्षा कैँ भाषा-परिवारक दृष्टिसँ केना बुझल जाए?

(A) समाजसँ असम्बद्ध

(B) आरम्भिक समझ आ भाषिक आत्मविश्वासक आधार

(C) भाषा घटबैत

(D) ज्ञान रोकैत

८५८. मातृभाषा शिक्षा पर संक्षिप्त सही परिभाषा की अछि?

(A) भाषा घटबैत

(B) ज्ञान रोकैत

(C) समाजसँ असम्बद्ध

(D) आरम्भिक समझ आ भाषिक आत्मविश्वासक आधार

८५९. मातृभाषा शिक्षा पर तुलनात्मक भाषाविज्ञानक दृष्टि सँ सही विकल्प चुनू।

(A) ज्ञान रोकैत

(B) समाजसँ असम्बद्ध

(C) भाषा घटबैत

(D) आरम्भिक समझ आ भाषिक आत्मविश्वासक आधार

८६०. मातृभाषा शिक्षा विषयक मुख्य बात की अछि?

(A) समाजसँ असम्बद्ध

(B) भाषा घटबैत

(C) आरम्भिक समझ आ भाषिक आत्मविश्वासक आधार

(D) ज्ञान रोकैत

८६१. प्रवास सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) मातृभाषा असम्भव

(B) भाषासँ असम्बद्ध

(C) भाषाक तुरन्त अन्त

(D) नूतन क्षेत्रमे भाषा-समुदायक विस्तार

८६२. प्रवास विषयक परीक्षा-योग्य उत्तर की अछि?

(A) भाषाक तुरन्त अन्त

(B) मातृभाषा असम्भव

(C) नूतन क्षेत्रमे भाषा-समुदायक विस्तार

(D) भाषासँ असम्बद्ध

८६३. प्रवास कैँ मैथिलीक स्थान बुझबामे कोन रूपैँ देखल जाए?

(A) भाषासँ असम्बद्ध

(B) मातृभाषा असम्भव

(C) भाषाक तुरन्त अन्त

(D) नूतन क्षेत्रमे भाषा-समुदायक विस्तार

८६४. प्रवास पर आधारित सही विकल्प चुनू।

(A) भाषासँ असम्बद्ध

(B) नूतन क्षेत्रमे भाषा-समुदायक विस्तार

(C) मातृभाषा असम्भव

(D) भाषाक तुरन्त अन्त

८६५. प्रवास सम्बन्धी कारण-फलमे सही उत्तर चुनू।

(A) भाषासँ असम्बद्ध

(B) भाषाक तुरन्त अन्त

(C) मातृभाषा असम्भव

(D) नूतन क्षेत्रमे भाषा-समुदायक विस्तार

८६६. प्रवास विषयक गलत धारणा सँ बचि सही कथन चुनू।

(A) नूतन क्षेत्रमे भाषा-समुदायक विस्तार

(B) भाषासँ असम्बद्ध

(C) भाषाक तुरन्त अन्त

(D) मातृभाषा असम्भव

८६७. प्रवास कैँ भाषा-परिवारक दृष्टिसँ केना बुझल जाए?

(A) नूतन क्षेत्रमे भाषा-समुदायक विस्तार

(B) भाषासँ असम्बद्ध

(C) भाषाक तुरन्त अन्त

(D) मातृभाषा असम्भव

८६८. प्रवास पर संक्षिप्त सही परिभाषा की अछि?

(A) मातृभाषा असम्भव

(B) नूतन क्षेत्रमे भाषा-समुदायक विस्तार

(C) भाषाक तुरन्त अन्त

(D) भाषासँ असम्बद्ध

८६९. प्रवास पर तुलनात्मक भाषाविज्ञानक दृष्टि सँ सही विकल्प चुनू।

(A) मातृभाषा असम्भव

(B) भाषाक तुरन्त अन्त

(C) भाषासँ असम्बद्ध

(D) नूतन क्षेत्रमे भाषा-समुदायक विस्तार

८७०. प्रवास विषयक मुख्य बात की अछि?

(A) नूतन क्षेत्रमे भाषा-समुदायक विस्तार

(B) मातृभाषा असम्भव

(C) भाषाक तुरन्त अन्त

(D) भाषासँ असम्बद्ध

८७१. लोकगीत आ लोककथा सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) भाषाहीन ध्वनि

(B) विदेशी पाठ मात्र

(C) भाषाक बोली, मुहावरा आ सामूहिक स्मृति सुरक्षित करैत अछि

(D) अध्ययन योग्य नहि

८७२. लोकगीत आ लोककथा विषयक परीक्षा-योग्य उत्तर की अछि?

(A) अध्ययन योग्य नहि

(B) विदेशी पाठ मात्र

(C) भाषाक बोली, मुहावरा आ सामूहिक स्मृति सुरक्षित करैत अछि

(D) भाषाहीन ध्वनि

८७३. लोकगीत आ लोककथा कैँ मैथिलीक स्थान बुझबामे कोन रूपेँ देखल जाए?

(A) विदेशी पाठ मात्र

(B) अध्ययन योग्य नहि

(C) भाषाहीन ध्वनि

(D) भाषाक बोली, मुहावरा आ सामूहिक स्मृति सुरक्षित करैत अछि

८७४. लोकगीत आ लोककथा पर आधारित सही विकल्प चुनू।

(A) भाषाक बोली, मुहावरा आ सामूहिक स्मृति सुरक्षित करैत अछि

(B) अध्ययन योग्य नहि

(C) विदेशी पाठ मात्र

(D) भाषाहीन ध्वनि

८७५. लोकगीत आ लोककथा सम्बन्धी कारण-फलमे सही उत्तर चुनू।

(A) अध्ययन योग्य नहि

(B) भाषाहीन ध्वनि

(C) भाषाक बोली, मुहावरा आ सामूहिक स्मृति सुरक्षित करैत अछि

(D) विदेशी पाठ मात्र

८७६. लोकगीत आ लोककथा विषयक गलत धारणा सँ बचि सही कथन चुनू।

(A) भाषाक बोली, मुहावरा आ सामूहिक स्मृति सुरक्षित करैत अछि

(B) विदेशी पाठ मात्र

(C) भाषाहीन ध्वनि

(D) अध्ययन योग्य नहि

८७७. लोकगीत आ लोककथा कैँ भाषा-परिवारक दृष्टिसँ केना बुझल जाए?

(A) भाषाक बोली, मुहावरा आ सामूहिक स्मृति सुरक्षित करैत अछि

(B) अध्ययन योग्य नहि

(C) भाषाहीन ध्वनि

(D) विदेशी पाठ मात्र

८७८. लोकगीत आ लोककथा पर संक्षिप्त सही परिभाषा की अछि?

(A) अध्ययन योग्य नहि

(B) भाषाहीन ध्वनि

(C) विदेशी पाठ मात्र

(D) भाषाक बोली, मुहावरा आ सामूहिक स्मृति सुरक्षित करैत अछि

८७९. लोकगीत आ लोककथा पर तुलनात्मक भाषाविज्ञानक दृष्टि सँ सही विकल्प चुनू।

(A) विदेशी पाठ मात्र

(B) अध्ययन योग्य नहि

(C) भाषाक बोली, मुहावरा आ सामूहिक स्मृति सुरक्षित करैत अछि

(D) भाषाहीन ध्वनि

८८०. लोकगीत आ लोककथा विषयक मुख्य बात की अछि?

(A) विदेशी पाठ मात्र

(B) भाषाहीन ध्वनि

(C) अध्ययन योग्य नहि

(D) भाषाक बोली, मुहावरा आ सामूहिक स्मृति सुरक्षित करैत अछि

८८१. भाषा-नीति सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) भाषासँ असम्बद्ध

(B) कथा-सूची

(C) शिक्षण, प्रशासन, प्रकाशन आ मान्यता पर प्रभाव

(D) ध्वनि-नियम मात्र

८८२. भाषा-नीति विषयक परीक्षा-योग्य उत्तर की अछि?

(A) शिक्षण, प्रशासन, प्रकाशन आ मान्यता पर प्रभाव

(B) कथा-सूची

(C) भाषासँ असम्बद्ध

(D) ध्वनि-नियम मात्र

८८३. भाषा-नीति कैँ मैथिलीक स्थान बुझबामे कोन रूपेँ देखल जाए?

(A) ध्वनि-नियम मात्र

(B) भाषासँ असम्बद्ध

(C) कथा-सूची

(D) शिक्षण, प्रशासन, प्रकाशन आ मान्यता पर प्रभाव

८८४. भाषा-नीति पर आधारित सही विकल्प चुनू।

(A) ध्वनि-नियम मात्र

(B) भाषासँ असम्बद्ध

(C) शिक्षण, प्रशासन, प्रकाशन आ मान्यता पर प्रभाव

(D) कथा-सूची

८८५. भाषा-नीति सम्बन्धी कारण-फलमे सही उत्तर चुनू।

(A) शिक्षण, प्रशासन, प्रकाशन आ मान्यता पर प्रभाव

(B) ध्वनि-नियम मात्र

(C) कथा-सूची

(D) भाषासँ असम्बद्ध

८८६. भाषा-नीति विषयक गलत धारणा सँ बचि सही कथन चुनू।

(A) भाषासँ असम्बद्ध

(B) कथा-सूची

(C) ध्वनि-नियम मात्र

(D) शिक्षण, प्रशासन, प्रकाशन आ मान्यता पर प्रभाव

८८७. भाषा-नीति कैँ भाषा-परिवारक दृष्टिसँ केना बुझल जाए?

(A) ध्वनि-नियम मात्र

(B) कथा-सूची

(C) भाषासँ असम्बद्ध

(D) शिक्षण, प्रशासन, प्रकाशन आ मान्यता पर प्रभाव

८८८. भाषा-नीति पर संक्षिप्त सही परिभाषा की अछि?

(A) कथा-सूची

(B) भाषासँ असम्बद्ध

(C) ध्वनि-नियम मात्र

(D) शिक्षण, प्रशासन, प्रकाशन आ मान्यता पर प्रभाव

८८९. भाषा-नीति पर तुलनात्मक भाषाविज्ञानक दृष्टि सँ सही विकल्प चुनू।

(A) भाषासँ असम्बद्ध

(B) शिक्षण, प्रशासन, प्रकाशन आ मान्यता पर प्रभाव

(C) ध्वनि-नियम मात्र

(D) कथा-सूची

८९०. भाषा-नीति विषयक मुख्य बात की अछि?

(A) कथा-सूची

(B) शिक्षण, प्रशासन, प्रकाशन आ मान्यता पर प्रभाव

(C) भाषासँ असम्बद्ध

(D) ध्वनि-नियम मात्र

८९१. भाषा-संरक्षण सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) संग्रहालयमे बन्द करब मात्र

(B) समाजविहीन योजना

(C) घर, विद्यालय, साहित्य, डिजिटल संग्रह आ प्रयोगक संयुक्त काज

(D) विकास रोकनाइ

८९२. भाषा-संरक्षण विषयक परीक्षा-योग्य उत्तर की अछि?

(A) विकास रोकनाइ

(B) घर, विद्यालय, साहित्य, डिजिटल संग्रह आ प्रयोगक संयुक्त काज

(C) संग्रहालयमे बन्द करब मात्र

(D) समाजविहीन योजना

८९३. भाषा-संरक्षण कैँ मैथिलीक स्थान बुझबामे कोन रूपेँ देखल जाए?

(A) समाजविहीन योजना

(B) संग्रहालयमे बन्द करब मात्र

(C) घर, विद्यालय, साहित्य, डिजिटल संग्रह आ प्रयोगक संयुक्त काज

(D) विकास रोकनाइ

८९४. भाषा-संरक्षण पर आधारित सही विकल्प चुनू।

(A) समाजविहीन योजना

(B) विकास रोकनाइ

(C) घर, विद्यालय, साहित्य, डिजिटल संग्रह आ प्रयोगक संयुक्त काज

(D) संग्रहालयमे बन्द करब मात्र

८९५. भाषा-संरक्षण सम्बन्धी कारण-फलमे सही उत्तर चुनू।

(A) विकास रोकनाइ

(B) समाजविहीन योजना

(C) संग्रहालयमे बन्द करब मात्र

(D) घर, विद्यालय, साहित्य, डिजिटल संग्रह आ प्रयोगक संयुक्त काज

८९६. भाषा-संरक्षण विषयक गलत धारणा सँ बचि सही कथन चुनू।

(A) समाजविहीन योजना

(B) संग्रहालयमे बन्द करब मात्र

(C) विकास रोकनाइ

(D) घर, विद्यालय, साहित्य, डिजिटल संग्रह आ प्रयोगक संयुक्त काज

८९७. भाषा-संरक्षण कैँ भाषा-परिवारक दृष्टिसँ केना बुझल जाए?

(A) विकास रोकनाइ

(B) समाजविहीन योजना

(C) घर, विद्यालय, साहित्य, डिजिटल संग्रह आ प्रयोगक संयुक्त काज

(D) संग्रहालयमे बन्द करब मात्र

८९८. भाषा-संरक्षण पर संक्षिप्त सही परिभाषा की अछि?

(A) समाजविहीन योजना

(B) संग्रहालयमे बन्द करब मात्र

(C) घर, विद्यालय, साहित्य, डिजिटल संग्रह आ प्रयोगक संयुक्त काज

(D) विकास रोकनाइ

८९९. भाषा-संरक्षण पर तुलनात्मक भाषाविज्ञानक दृष्टि सँ सही विकल्प चुनू।

(A) समाजविहीन योजना

(B) घर, विद्यालय, साहित्य, डिजिटल संग्रह आ प्रयोगक संयुक्त काज

(C) विकास रोकनाइ

(D) संग्रहालयमे बन्द करब मात्र

९००. भाषा-संरक्षण विषयक मुख्य बात की अछि?

(A) समाजविहीन योजना

(B) घर, विद्यालय, साहित्य, डिजिटल संग्रह आ प्रयोगक संयुक्त काज

(C) संग्रहालयमे बन्द करब मात्र

(D) विकास रोकनाइ

९०१. पूरा वर्गीकरण सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) नाटक → कविता → भाषा

(B) भारोपीय → हिन्द-ईरानी → हिन्द-आर्य → पूर्वी हिन्द-आर्य → मैथिली

(C) द्रविड़ → जर्मनिक → मैथिली

(D) लिपि → भाषा → परिवार

९०२. पूरा वर्गीकरण विषयक परीक्षा-योग्य उत्तर की अछि?

(A) नाटक → कविता → भाषा

(B) लिपि → भाषा → परिवार

(C) द्रविड़ → जर्मनिक → मैथिली

(D) भारोपीय → हिन्द-ईरानी → हिन्द-आर्य → पूर्वी हिन्द-आर्य → मैथिली

९०३. पूरा वर्गीकरण कैँ मैथिलीक स्थान बुझबामे कोन रूपैँ देखल जाए?

(A) भारोपीय → हिन्द-ईरानी → हिन्द-आर्य → पूर्वी हिन्द-आर्य → मैथिली

(B) द्रविड़ → जर्मनिक → मैथिली

(C) नाटक → कविता → भाषा

(D) लिपि → भाषा → परिवार

९०४. पूरा वर्गीकरण पर आधारित सही विकल्प चुनू।

(A) लिपि → भाषा → परिवार

(B) द्रविड़ → जर्मनिक → मैथिली

(C) नाटक → कविता → भाषा

(D) भारोपीय → हिन्द-ईरानी → हिन्द-आर्य → पूर्वी हिन्द-आर्य → मैथिली

९०५. पूरा वर्गीकरण सम्बन्धी कारण-फलमे सही उत्तर चुनू।

(A) भारोपीय → हिन्द-ईरानी → हिन्द-आर्य → पूर्वी हिन्द-आर्य → मैथिली

(B) लिपि → भाषा → परिवार

(C) द्रविड़ → जर्मनिक → मैथिली

(D) नाटक → कविता → भाषा

९०६. पूरा वर्गीकरण विषयक गलत धारणा सँ बचि सही कथन चुनू।

(A) नाटक → कविता → भाषा

(B) भारोपीय → हिन्द-ईरानी → हिन्द-आर्य → पूर्वी हिन्द-आर्य → मैथिली

(C) द्रविड़ → जर्मनिक → मैथिली

(D) लिपि → भाषा → परिवार

९०७. पूरा वर्गीकरण कैँ भाषा-परिवारक दृष्टिसँ केना बुझल जाए?

(A) नाटक → कविता → भाषा

(B) लिपि → भाषा → परिवार

(C) द्रविड़ → जर्मनिक → मैथिली

(D) भारोपीय → हिन्द-ईरानी → हिन्द-आर्य → पूर्वी हिन्द-आर्य → मैथिली

९०८. पूरा वर्गीकरण पर संक्षिप्त सही परिभाषा की अछि?

(A) द्रविड़ → जर्मनिक → मैथिली

(B) नाटक → कविता → भाषा

(C) भारोपीय → हिन्द-ईरानी → हिन्द-आर्य → पूर्वी हिन्द-आर्य → मैथिली

(D) लिपि → भाषा → परिवार

९०९. पूरा वर्गीकरण पर तुलनात्मक भाषाविज्ञानक दृष्टि सँ सही विकल्प चुनू।

(A) भारोपीय → हिन्द-ईरानी → हिन्द-आर्य → पूर्वी हिन्द-आर्य → मैथिली

(B) लिपि → भाषा → परिवार

(C) द्रविड़ → जर्मनिक → मैथिली

(D) नाटक → कविता → भाषा

९१०. पूरा वर्गीकरण विषयक मुख्य बात की अछि?

(A) नाटक → कविता → भाषा

(B) द्रविड़ → जर्मनिक → मैथिली

(C) भारोपीय → हिन्द-ईरानी → हिन्द-आर्य → पूर्वी हिन्द-आर्य → मैथिली

(D) लिपि → भाषा → परिवार

९११. सही कथन सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) मैथिली भाषाविज्ञानमे मान्य नहि

(B) मैथिली हिन्दी लिखबाक ढंग मात्र

(C) मैथिली स्वतंत्र आधुनिक हिन्द-आर्य भाषा छी

(D) मैथिली तिब्बती-बर्मी भाषा

९१२. सही कथन विषयक परीक्षा-योग्य उत्तर की अछि?

(A) मैथिली तिब्बती-बर्मी भाषा

(B) मैथिली हिन्दी लिखबाक ढंग मात्र

(C) मैथिली भाषाविज्ञानमे मान्य नहि

(D) मैथिली स्वतंत्र आधुनिक हिन्द-आर्य भाषा छी

९१३. सही कथन कैँ मैथिलीक स्थान बुझबामे कोन रूपैँ देखल जाए?

(A) मैथिली स्वतंत्र आधुनिक हिन्द-आर्य भाषा छी

(B) मैथिली तिब्बती-बर्मी भाषा

(C) मैथिली भाषाविज्ञानमे मान्य नहि

(D) मैथिली हिन्दी लिखबाक ढंग मात्र

९१४. सही कथन पर आधारित सही विकल्प चुनू।

(A) मैथिली भाषाविज्ञानमे मान्य नहि

(B) मैथिली हिन्दी लिखबाक ढंग मात्र

(C) मैथिली तिब्बती-बर्मी भाषा

(D) मैथिली स्वतंत्र आधुनिक हिन्द-आर्य भाषा छी

९१५. सही कथन सम्बन्धी कारण-फलमे सही उत्तर चुनू।

(A) मैथिली हिन्दी लिखबाक ढंग मात्र

(B) मैथिली भाषाविज्ञानमे मान्य नहि

(C) मैथिली तिब्बती-बर्मी भाषा

(D) मैथिली स्वतंत्र आधुनिक हिन्द-आर्य भाषा छी

९१६. सही कथन विषयक गलत धारणा सँ बचि सही कथन चुनू।

(A) मैथिली भाषाविज्ञानमे मान्य नहि

(B) मैथिली तिब्बती-बर्मी भाषा

(C) मैथिली स्वतंत्र आधुनिक हिन्द-आर्य भाषा छी

(D) मैथिली हिन्दी लिखबाक ढंग मात्र

९१७. सही कथन कैँ भाषा-परिवारक दृष्टिसँ केना बुझल जाए?

(A) मैथिली स्वतंत्र आधुनिक हिन्द-आर्य भाषा छी

(B) मैथिली भाषाविज्ञानमे मान्य नहि

(C) मैथिली हिन्दी लिखबाक ढंग मात्र

(D) मैथिली तिब्बती-बर्मी भाषा

९१८. सही कथन पर संक्षिप्त सही परिभाषा की अछि?

(A) मैथिली स्वतंत्र आधुनिक हिन्द-आर्य भाषा छी

(B) मैथिली हिन्दी लिखबाक ढंग मात्र

(C) मैथिली भाषाविज्ञानमे मान्य नहि

(D) मैथिली तिब्बती-बर्मी भाषा

९१९. सही कथन पर तुलनात्मक भाषाविज्ञानक दृष्टि सँ सही विकल्प चुनू।

(A) मैथिली स्वतंत्र आधुनिक हिन्द-आर्य भाषा छी

(B) मैथिली हिन्दी लिखबाक ढंग मात्र

(C) मैथिली तिब्बती-बर्मी भाषा

(D) मैथिली भाषाविज्ञानमे मान्य नहि

९२०. सही कथन विषयक मुख्य बात की अछि?

(A) मैथिली स्वतंत्र आधुनिक हिन्द-आर्य भाषा छी

(B) मैथिली हिन्दी लिखबाक ढंग मात्र

(C) मैथिली तिब्बती-बर्मी भाषा

(D) मैथिली भाषाविज्ञानमे मान्य नहि

९२१. गलत धारणा सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) लिपि बदललासँ इतिहास बदलैत

(B) देवनागरी प्रयोगसँ सभ भाषा एक परिवारक

(C) लिपि समान भेलासँ परिवार समान नहि होइत

(D) लिपि परिवार तय करैत

९२२. गलत धारणा विषयक परीक्षा-योग्य उत्तर की अछि?

(A) लिपि समान भेलासँ परिवार समान नहि होइत

(B) लिपि परिवार तय करैत

(C) लिपि बदललासँ इतिहास बदलैत

(D) देवनागरी प्रयोगसँ सभ भाषा एक परिवारक

९२३. गलत धारणा कैँ मैथिलीक स्थान बुझबामे कोन रूपेँ देखल जाए?

(A) लिपि समान भेलासँ परिवार समान नहि होइत

(B) लिपि बदललासँ इतिहास बदलैत

(C) देवनागरी प्रयोगसँ सभ भाषा एक परिवारक

(D) लिपि परिवार तय करैत

९२४. गलत धारणा पर आधारित सही विकल्प चुनू।

(A) लिपि समान भेलासँ परिवार समान नहि होइत

(B) देवनागरी प्रयोगसँ सभ भाषा एक परिवारक

(C) लिपि बदललासँ इतिहास बदलैत

(D) लिपि परिवार तय करैत

९२५. गलत धारणा सम्बन्धी कारण-फलमे सही उत्तर चुनू।

(A) देवनागरी प्रयोगसँ सभ भाषा एक परिवारक

(B) लिपि समान भेलासँ परिवार समान नहि होइत

(C) लिपि परिवार तय करैत

(D) लिपि बदललासँ इतिहास बदलैत

९२६. गलत धारणा विषयक गलत धारणा सँ बचि सही कथन चुनू।

(A) लिपि समान भेलासँ परिवार समान नहि होइत

(B) लिपि परिवार तय करैत

(C) देवनागरी प्रयोगसँ सभ भाषा एक परिवारक

(D) लिपि बदललासँ इतिहास बदलैत

९२७. गलत धारणा कैँ भाषा-परिवारक दृष्टिसँ केना बुझल जाए?

(A) लिपि समान भेलासँ परिवार समान नहि होइत

(B) लिपि परिवार तय करैत

(C) लिपि बदललासँ इतिहास बदलैत

(D) देवनागरी प्रयोगसँ सभ भाषा एक परिवारक

९२८. गलत धारणा पर संक्षिप्त सही परिभाषा की अछि?

(A) लिपि परिवार तय करैत

(B) लिपि समान भेलासँ परिवार समान नहि होइत

(C) देवनागरी प्रयोगसँ सभ भाषा एक परिवारक

(D) लिपि बदललासँ इतिहास बदलैत

९२९. गलत धारणा पर तुलनात्मक भाषाविज्ञानक दृष्टि सँ सही विकल्प चुनू।

(A) लिपि समान भेलासँ परिवार समान नहि होइत

(B) देवनागरी प्रयोगसँ सभ भाषा एक परिवारक

(C) लिपि बदललासँ इतिहास बदलैत

(D) लिपि परिवार तय करैत

९३०. गलत धारणा विषयक मुख्य बात की अछि?

(A) लिपि समान भेलासँ परिवार समान नहि होइत

(B) देवनागरी प्रयोगसँ सभ भाषा एक परिवारक

(C) लिपि बदललासँ इतिहास बदलैत

(D) लिपि परिवार तय करैत

९३१. कारण-फल सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) ई लिपि-सूची मात्र

(B) संस्कृत-प्राकृत-अपभ्रंश-अवहट्ठ क्रम विकास बुझबामे सहायक

(C) ई क्रम परिवार बदलि दैत

(D) ई लोककथा मात्र

९३२. कारण-फल विषयक परीक्षा-योग्य उत्तर की अछि?

(A) ई लिपि-सूची मात्र

(B) ई लोककथा मात्र

(C) ई क्रम परिवार बदलि दैत

(D) संस्कृत-प्राकृत-अपभ्रंश-अवहट्ठ क्रम विकास बुझबामे सहायक

९३३. कारण-फल कैँ मैथिलीक स्थान बुझबामे कोन रूपेँ देखल जाए?

(A) संस्कृत-प्राकृत-अपभ्रंश-अवहट्ठ क्रम विकास बुझबामे सहायक

(B) ई लोककथा मात्र

(C) ई क्रम परिवार बदलि दैत

(D) ई लिपि-सूची मात्र

९३४. कारण-फल पर आधारित सही विकल्प चुनू।

(A) ई क्रम परिवार बदलि दैत

(B) ई लोककथा मात्र

(C) संस्कृत-प्राकृत-अपभ्रंश-अवहट्ठ क्रम विकास बुझबामे सहायक

(D) ई लिपि-सूची मात्र

९३५. कारण-फल सम्बन्धी कारण-फलमे सही उत्तर चुनू।

(A) ई क्रम परिवार बदलि दैत

(B) ई लिपि-सूची मात्र

(C) संस्कृत-प्राकृत-अपभ्रंश-अवहट्ठ क्रम विकास बुझबामे सहायक

(D) ई लोककथा मात्र

९३६. कारण-फल विषयक गलत धारणा सँ बचि सही कथन चुनू।

(A) संस्कृत-प्राकृत-अपभ्रंश-अवहट्ठ क्रम विकास बुझबामे सहायक

(B) ई लिपि-सूची मात्र

(C) ई क्रम परिवार बदलि दैत

(D) ई लोककथा मात्र

९३७. कारण-फल कैँ भाषा-परिवारक दृष्टिसँ केना बुझल जाए?

(A) ई क्रम परिवार बदलि दैत

(B) संस्कृत-प्राकृत-अपभ्रंश-अवहट्ठ क्रम विकास बुझबामे सहायक

(C) ई लिपि-सूची मात्र

(D) ई लोककथा मात्र

९३८. कारण-फल पर संक्षिप्त सही परिभाषा की अछि?

(A) ई लोककथा मात्र

(B) संस्कृत-प्राकृत-अपभ्रंश-अवहट्ठ क्रम विकास बुझबामे सहायक

(C) ई लिपि-सूची मात्र

(D) ई क्रम परिवार बदलि दैत

९३९. कारण-फल पर तुलनात्मक भाषाविज्ञानक दृष्टि सँ सही विकल्प चुनू।

(A) ई लिपि-सूची मात्र

(B) ई लोककथा मात्र

(C) ई क्रम परिवार बदलि दैत

(D) संस्कृत-प्राकृत-अपभ्रंश-अवहट्ठ क्रम विकास बुझबामे सहायक

९४०. कारण-फल विषयक मुख्य बात की अछि?

(A) ई क्रम परिवार बदलि दैत

(B) ई लिपि-सूची मात्र

(C) ई लोककथा मात्र

(D) संस्कृत-प्राकृत-अपभ्रंश-अवहट्ठ क्रम विकास बुझबामे सहायक

९४१. पूर्वी सम्बन्ध सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) मैथिली पूर्वी आर्य भाषिक परिदृश्यसँ जुड़ल अछि

(B) मैथिलीक पूर्वी आर्यसँ सम्बन्ध नहि

(C) मैथिली पश्चिमी यूरोपीय भाषा

(D) पूर्वी सम्बन्ध रंगक बात

९४२. पूर्वी सम्बन्ध विषयक परीक्षा-योग्य उत्तर की अछि?

(A) मैथिली पूर्वी आर्य भाषिक परिदृश्यसँ जुड़ल अछि

(B) मैथिलीक पूर्वी आर्यसँ सम्बन्ध नहि

(C) मैथिली पश्चिमी यूरोपीय भाषा

(D) पूर्वी सम्बन्ध रंगक बात

९४३. पूर्वी सम्बन्ध कैँ मैथिलीक स्थान बुझबामे कोन रूपेँ देखल जाए?

(A) पूर्वी सम्बन्ध रंगक बात

(B) मैथिली पश्चिमी यूरोपीय भाषा

(C) मैथिली पूर्वी आर्य भाषिक परिदृश्यसँ जुड़ल अछि

(D) मैथिलीक पूर्वी आर्यसँ सम्बन्ध नहि

९४४. पूर्वी सम्बन्ध पर आधारित सही विकल्प चुनू।

(A) मैथिली पूर्वी आर्य भाषिक परिदृश्यसँ जुड़ल अछि

(B) पूर्वी सम्बन्ध रंगक बात

(C) मैथिलीक पूर्वी आर्यसँ सम्बन्ध नहि

(D) मैथिली पश्चिमी यूरोपीय भाषा

९४५. पूर्वी सम्बन्ध सम्बन्धी कारण-फलमे सही उत्तर चुनू।

(A) पूर्वी सम्बन्ध रंगक बात

(B) मैथिली पश्चिमी यूरोपीय भाषा

(C) मैथिली पूर्वी आर्य भाषिक परिदृश्यसँ जुड़ल अछि

(D) मैथिलीक पूर्वी आर्यसँ सम्बन्ध नहि

९४६. पूर्वी सम्बन्ध विषयक गलत धारणा सँ बचि सही कथन चुनू।

(A) मैथिली पूर्वी आर्य भाषिक परिदृश्यसँ जुड़ल अछि

(B) मैथिलीक पूर्वी आर्यसँ सम्बन्ध नहि

(C) मैथिली पश्चिमी यूरोपीय भाषा

(D) पूर्वी सम्बन्ध रंगक बात

९४७. पूर्वी सम्बन्ध कैँ भाषा-परिवारक दृष्टिसँ केना बुझल जाए?

(A) पूर्वी सम्बन्ध रंगक बात

(B) मैथिली पूर्वी आर्य भाषिक परिदृश्यसँ जुड़ल अछि

(C) मैथिली पश्चिमी यूरोपीय भाषा

(D) मैथिलीक पूर्वी आर्यसँ सम्बन्ध नहि

९४८. पूर्वी सम्बन्ध पर संक्षिप्त सही परिभाषा की अछि?

(A) मैथिलीक पूर्वी आर्यसँ सम्बन्ध नहि

(B) मैथिली पूर्वी आर्य भाषिक परिदृश्यसँ जुड़ल अछि

(C) पूर्वी सम्बन्ध रंगक बात

(D) मैथिली पश्चिमी यूरोपीय भाषा

९४९. पूर्वी सम्बन्ध पर तुलनात्मक भाषाविज्ञानक दृष्टि सँ सही विकल्प चुनू।

(A) मैथिलीक पूर्वी आर्यसँ सम्बन्ध नहि

(B) पूर्वी सम्बन्ध रंगक बात

(C) मैथिली पश्चिमी यूरोपीय भाषा

(D) मैथिली पूर्वी आर्य भाषिक परिदृश्यसँ जुड़ल अछि

९५०. पूर्वी सम्बन्ध विषयक मुख्य बात की अछि?

(A) मैथिलीक पूर्वी आर्यसँ सम्बन्ध नहि

(B) मैथिली पश्चिमी यूरोपीय भाषा

(C) मैथिली पूर्वी आर्य भाषिक परिदृश्यसँ जुड़ल अछि

(D) पूर्वी सम्बन्ध रंगक बात

९५१. व्याकरण प्रमाण सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) काव्य अलंकार मात्र

(B) व्याकरण केवल अनुशासन

(C) भाषा-परिवारमे काम नहि

(D) सर्वनाम, क्रिया, विभक्ति आ वाक्य-रचना सम्बन्ध देखबैत अछि

९५२. व्याकरण प्रमाण विषयक परीक्षा-योग्य उत्तर की अछि?

(A) व्याकरण केवल अनुशासन

(B) भाषा-परिवारमे काम नहि

(C) काव्य अलंकार मात्र

(D) सर्वनाम, क्रिया, विभक्ति आ वाक्य-रचना सम्बन्ध देखबैत अछि

९५३. व्याकरण प्रमाण कैँ मैथिलीक स्थान बुझबामे कोन रूपेँ देखल जाए?

(A) व्याकरण केवल अनुशासन

(B) काव्य अलंकार मात्र

(C) सर्वनाम, क्रिया, विभक्ति आ वाक्य-रचना सम्बन्ध देखबैत अछि

(D) भाषा-परिवारमे काम नहि

९५४. व्याकरण प्रमाण पर आधारित सही विकल्प चुनू।

(A) भाषा-परिवारमे काम नहि

(B) काव्य अलंकार मात्र

(C) व्याकरण केवल अनुशासन

(D) सर्वनाम, क्रिया, विभक्ति आ वाक्य-रचना सम्बन्ध देखबैत अछि

९५५. व्याकरण प्रमाण सम्बन्धी कारण-फलमे सही उत्तर चुनू।

(A) व्याकरण केवल अनुशासन

(B) काव्य अलंकार मात्र

(C) भाषा-परिवारमे काम नहि

(D) सर्वनाम, क्रिया, विभक्ति आ वाक्य-रचना सम्बन्ध देखबैत अछि

९५६. व्याकरण प्रमाण विषयक गलत धारणा सँ बचि सही कथन चुनू।

(A) भाषा-परिवारमे काम नहि

(B) सर्वनाम, क्रिया, विभक्ति आ वाक्य-रचना सम्बन्ध देखबैत अछि

(C) काव्य अलंकार मात्र

(D) व्याकरण केवल अनुशासन

९५७. व्याकरण प्रमाण कैँ भाषा-परिवारक दृष्टिसँ केना बुझल जाए?

(A) भाषा-परिवारमे काम नहि

(B) काव्य अलंकार मात्र

(C) सर्वनाम, क्रिया, विभक्ति आ वाक्य-रचना सम्बन्ध देखबैत अछि

(D) व्याकरण केवल अनुशासन

९५८. व्याकरण प्रमाण पर संक्षिप्त सही परिभाषा की अछि?

(A) भाषा-परिवारमे काम नहि

(B) व्याकरण केवल अनुशासन

(C) काव्य अलंकार मात्र

(D) सर्वनाम, क्रिया, विभक्ति आ वाक्य-रचना सम्बन्ध देखबैत अछि

९५९. व्याकरण प्रमाण पर तुलनात्मक भाषाविज्ञानक दृष्टि सँ सही विकल्प चुनू।

(A) भाषा-परिवारमे काम नहि

(B) व्याकरण केवल अनुशासन

(C) सर्वनाम, क्रिया, विभक्ति आ वाक्य-रचना सम्बन्ध देखबैत अछि

(D) काव्य अलंकार मात्र

९६०. व्याकरण प्रमाण विषयक मुख्य बात की अछि?

(A) भाषा-परिवारमे काम नहि

(B) सर्वनाम, क्रिया, विभक्ति आ वाक्य-रचना सम्बन्ध देखबैत अछि

(C) काव्य अलंकार मात्र

(D) व्याकरण केवल अनुशासन

९६१. साहित्य प्रमाण सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) साहित्यक भूमिका नहि

(B) दीर्घ साहित्यिक परम्परा मैथिलीक स्वतंत्र पहचान बल करैत अछि

(C) साहित्य भाषा मेटबैत

(D) साहित्य परिवारक अकेला प्रमाण

९६२. साहित्य प्रमाण विषयक परीक्षा-योग्य उत्तर की अछि?

(A) साहित्यक भूमिका नहि

(B) साहित्य परिवारक अकेला प्रमाण

(C) साहित्य भाषा मेटबैत

(D) दीर्घ साहित्यिक परम्परा मैथिलीक स्वतंत्र पहचान बल करैत अछि

९६३. साहित्य प्रमाण कैँ मैथिलीक स्थान बुझबामे कोन रूपैँ देखल जाए?

(A) साहित्य परिवारक अकेला प्रमाण

(B) साहित्यक भूमिका नहि

(C) साहित्य भाषा मेटबैत

(D) दीर्घ साहित्यिक परम्परा मैथिलीक स्वतंत्र पहचान बल करैत अछि

९६४. साहित्य प्रमाण पर आधारित सही विकल्प चुनू।

(A) साहित्य परिवारक अकेला प्रमाण

(B) साहित्यक भूमिका नहि

(C) साहित्य भाषा मेटबैत

(D) दीर्घ साहित्यिक परम्परा मैथिलीक स्वतंत्र पहचान बल करैत अछि

९६५. साहित्य प्रमाण सम्बन्धी कारण-फलमे सही उत्तर चुनू।

(A) साहित्य भाषा मेटबैत

(B) साहित्यक भूमिका नहि

(C) साहित्य परिवारक अकेला प्रमाण

(D) दीर्घ साहित्यिक परम्परा मैथिलीक स्वतंत्र पहचान बल करैत अछि

९६६. साहित्य प्रमाण विषयक गलत धारणा सँ बचि सही कथन चुनू।

(A) दीर्घ साहित्यिक परम्परा मैथिलीक स्वतंत्र पहचान बल करैत अछि

(B) साहित्य भाषा मेटबैत

(C) साहित्य परिवारक अकेला प्रमाण

(D) साहित्यक भूमिका नहि

९६७. साहित्य प्रमाण कैँ भाषा-परिवारक दृष्टिसँ केना बुझल जाए?

(A) साहित्य परिवारक अकेला प्रमाण

(B) साहित्यक भूमिका नहि

(C) साहित्य भाषा मेटबैत

(D) दीर्घ साहित्यिक परम्परा मैथिलीक स्वतंत्र पहचान बल करैत अछि

९६८. साहित्य प्रमाण पर संक्षिप्त सही परिभाषा की अछि?

(A) दीर्घ साहित्यिक परम्परा मैथिलीक स्वतंत्र पहचान बल करैत अछि

(B) साहित्य भाषा मेटबैत

(C) साहित्यक भूमिका नहि

(D) साहित्य परिवारक अकेला प्रमाण

९६९. साहित्य प्रमाण पर तुलनात्मक भाषाविज्ञानक दृष्टि सँ सही विकल्प चुनू।

(A) साहित्य परिवारक अकेला प्रमाण

(B) दीर्घ साहित्यिक परम्परा मैथिलीक स्वतंत्र पहचान बल करैत अछि

(C) साहित्य भाषा मेटबैत

(D) साहित्यक भूमिका नहि

९७०. साहित्य प्रमाण विषयक मुख्य बात की अछि?

(A) साहित्य परिवारक अकेला प्रमाण

(B) साहित्य भाषा मेटबैत

(C) दीर्घ साहित्यिक परम्परा मैथिलीक स्वतंत्र पहचान बल करैत अछि

(D) साहित्यक भूमिका नहि

९७१. नेपाल प्रसंग सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) नेपाल असम्बद्ध

(B) सीमा परिवार बदलैत

(C) नेपालमे प्रयोगसँ नेपालीक बोली

(D) नेपालमे प्रयोग क्षेत्रीय प्रसार देखबैत, वंशगत स्थान नहि बदलैत

९७२. नेपाल प्रसंग विषयक परीक्षा-योग्य उत्तर की अछि?

(A) नेपालमे प्रयोगसँ नेपालीक बोली

(B) सीमा परिवार बदलैत

(C) नेपाल असम्बद्ध

(D) नेपालमे प्रयोग क्षेत्रीय प्रसार देखबैत, वंशगत स्थान नहि बदलैत

९७३. नेपाल प्रसंग कैँ मैथिलीक स्थान बुझबामे कोन रूपैँ देखल जाए?

(A) नेपालमे प्रयोग क्षेत्रीय प्रसार देखबैत, वंशगत स्थान नहि बदलैत

(B) नेपाल असम्बद्ध

(C) नेपालमे प्रयोगसँ नेपालीक बोली

(D) सीमा परिवार बदलैत

९७४. नेपाल प्रसंग पर आधारित सही विकल्प चुनू।

(A) नेपाल असम्बद्ध

(B) सीमा परिवार बदलैत

(C) नेपालमे प्रयोग क्षेत्रीय प्रसार देखबैत, वंशगत स्थान नहि बदलैत

(D) नेपालमे प्रयोगसँ नेपालीक बोली

९७५. नेपाल प्रसंग सम्बन्धी कारण-फलमे सही उत्तर चुनू।

(A) सीमा परिवार बदलैत

(B) नेपालमे प्रयोगसँ नेपालीक बोली

(C) नेपालमे प्रयोग क्षेत्रीय प्रसार देखबैत, वंशगत स्थान नहि बदलैत

(D) नेपाल असम्बद्ध

९७६. नेपाल प्रसंग विषयक गलत धारणा सँ बचि सही कथन चुनू।

(A) नेपाल असम्बद्ध

(B) नेपालमे प्रयोग क्षेत्रीय प्रसार देखबैत, वंशगत स्थान नहि बदलैत

(C) सीमा परिवार बदलैत

(D) नेपालमे प्रयोगसँ नेपालीक बोली

९७७. नेपाल प्रसंग कैँ भाषा-परिवारक दृष्टिसँ केना बुझल जाए?

(A) सीमा परिवार बदलैत

(B) नेपालमे प्रयोगसँ नेपालीक बोली

(C) नेपालमे प्रयोग क्षेत्रीय प्रसार देखबैत, वंशगत स्थान नहि बदलैत

(D) नेपाल असम्बद्ध

९७८. नेपाल प्रसंग पर संक्षिप्त सही परिभाषा की अछि?

(A) सीमा परिवार बदलैत

(B) नेपाल असम्बद्ध

(C) नेपालमे प्रयोगसँ नेपालीक बोली

(D) नेपालमे प्रयोग क्षेत्रीय प्रसार देखबैत, वंशगत स्थान नहि बदलैत

९७९. नेपाल प्रसंग पर तुलनात्मक भाषाविज्ञानक दृष्टि सँ सही विकल्प चुनू।

(A) सीमा परिवार बदलैत

(B) नेपाल असम्बद्ध

(C) नेपालमे प्रयोगसँ नेपालीक बोली

(D) नेपालमे प्रयोग क्षेत्रीय प्रसार देखबैत, वंशगत स्थान नहि बदलैत

९८०. नेपाल प्रसंग विषयक मुख्य बात की अछि?

(A) सीमा परिवार बदलैत

(B) नेपालमे प्रयोग क्षेत्रीय प्रसार देखबैत, वंशगत स्थान नहि बदलैत

(C) नेपाल असम्बद्ध

(D) नेपालमे प्रयोगसँ नेपालीक बोली

९८१. संवैधानिक मान्यता सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) मान्यता परिवार बदलैत

(B) संसद वंश तय करैत

(C) सामाजिक-राजकीय प्रतिष्ठा दैत, वंशगत वर्गीकरण नहि तय करैत

(D) मान्यता बिना भाषा नहि

९८२. संवैधानिक मान्यता विषयक परीक्षा-योग्य उत्तर की अछि?

(A) संसद वंश तय करैत

(B) सामाजिक-राजकीय प्रतिष्ठा दैत, वंशगत वर्गीकरण नहि तय करैत

(C) मान्यता परिवार बदलैत

(D) मान्यता बिना भाषा नहि

९८३. संवैधानिक मान्यता कैँ मैथिलीक स्थान बुझबामे कोन रूपेँ देखल जाए?

(A) मान्यता बिना भाषा नहि

(B) मान्यता परिवार बदलैत

(C) संसद वंश तय करैत

(D) सामाजिक-राजकीय प्रतिष्ठा दैत, वंशगत वर्गीकरण नहि तय करैत

९८४. संवैधानिक मान्यता पर आधारित सही विकल्प चुनू।

(A) संसद वंश तय करैत

(B) सामाजिक-राजकीय प्रतिष्ठा दैत, वंशगत वर्गीकरण नहि तय करैत

(C) मान्यता बिना भाषा नहि

(D) मान्यता परिवार बदलैत

९८५. संवैधानिक मान्यता सम्बन्धी कारण-फलमे सही उत्तर चुनू।

(A) संसद वंश तय करैत

(B) सामाजिक-राजकीय प्रतिष्ठा दैत, वंशगत वर्गीकरण नहि तय करैत

(C) मान्यता बिना भाषा नहि

(D) मान्यता परिवार बदलैत

९८६. संवैधानिक मान्यता विषयक गलत धारणा सँ बचि सही कथन चुनू।

(A) सामाजिक-राजकीय प्रतिष्ठा दैत, वंशगत वर्गीकरण नहि तय करैत

(B) मान्यता परिवार बदलैत

(C) संसद वंश तय करैत

(D) मान्यता बिना भाषा नहि

९८७. संवैधानिक मान्यता कैँ भाषा-परिवारक दृष्टिसँ केना बुझल जाए?

(A) मान्यता परिवार बदलैत

(B) मान्यता बिना भाषा नहि

(C) सामाजिक-राजकीय प्रतिष्ठा दैत, वंशगत वर्गीकरण नहि तय करैत

(D) संसद वंश तय करैत

९८८. संवैधानिक मान्यता पर संक्षिप्त सही परिभाषा की अछि?

(A) संसद वंश तय करैत

(B) मान्यता बिना भाषा नहि

(C) सामाजिक-राजकीय प्रतिष्ठा दैत, वंशगत वर्गीकरण नहि तय करैत

(D) मान्यता परिवार बदलैत

९८९. संवैधानिक मान्यता पर तुलनात्मक भाषाविज्ञानक दृष्टि सँ सही विकल्प चुनू।

(A) सामाजिक-राजकीय प्रतिष्ठा दैत, वंशगत वर्गीकरण नहि तय करैत

(B) मान्यता बिना भाषा नहि

(C) संसद वंश तय करैत

(D) मान्यता परिवार बदलैत

९९०. संवैधानिक मान्यता विषयक मुख्य बात की अछि?

(A) सामाजिक-राजकीय प्रतिष्ठा दैत, वंशगत वर्गीकरण नहि तय करैत

(B) मान्यता बिना भाषा नहि

(C) संसद वंश तय करैत

(D) मान्यता परिवार बदलैत

९९१. अंतिम सार सम्बन्धमे सही कथन चुनू।

(A) मैथिली द्रविड़ भाषा

(B) मैथिली पूर्वी हिन्द-आर्यक स्वतंत्र भाषा छी, जकर दूरस्थ सम्बन्ध भारोपीय परिवारसँ अछि

(C) मैथिली परिवारविहीन लिपि

(D) मैथिलीक इतिहास नहि

९९२. अंतिम सार विषयक परीक्षा-योग्य उत्तर की अछि?

(A) मैथिली परिवारविहीन लिपि

(B) मैथिली पूर्वी हिन्द-आर्यक स्वतंत्र भाषा छी, जकर दूरस्थ सम्बन्ध भारोपीय परिवारसँ अछि

(C) मैथिली द्रविड़ भाषा

(D) मैथिलीक इतिहास नहि

९९३. अंतिम सार कैं मैथिलीक स्थान बुझबामे कोन रूपेँ देखल जाए?

(A) मैथिलीक इतिहास नहि

(B) मैथिली परिवारविहीन लिपि

(C) मैथिली द्रविड़ भाषा

(D) मैथिली पूर्वी हिन्द-आर्यक स्वतंत्र भाषा छी, जकर दूरस्थ सम्बन्ध भारोपीय परिवारसँ अछि

९९४. अंतिम सार पर आधारित सही विकल्प चुनू।

(A) मैथिली पूर्वी हिन्द-आर्यक स्वतंत्र भाषा छी, जकर दूरस्थ सम्बन्ध भारोपीय परिवारसँ अछि

(B) मैथिली परिवारविहीन लिपि

(C) मैथिलीक इतिहास नहि

(D) मैथिली द्रविड़ भाषा

९९५. अंतिम सार सम्बन्धी कारण-फलमे सही उत्तर चुनू।

(A) मैथिली द्रविड़ भाषा

(B) मैथिली परिवारविहीन लिपि

(C) मैथिलीक इतिहास नहि

(D) मैथिली पूर्वी हिन्द-आर्यक स्वतंत्र भाषा छी, जकर दूरस्थ सम्बन्ध भारोपीय परिवारसँ अछि

९९६. अंतिम सार विषयक गलत धारणा सँ बचि सही कथन चुनू।

(A) मैथिली द्रविड़ भाषा

(B) मैथिली परिवारविहीन लिपि

(C) मैथिलीक इतिहास नहि

(D) मैथिली पूर्वी हिन्द-आर्यक स्वतंत्र भाषा छी, जकर दूरस्थ सम्बन्ध भारोपीय परिवारसँ अछि

९९७. अंतिम सार कैं भाषा-परिवारक दृष्टिसँ केना बुझल जाए?

(A) मैथिलीक इतिहास नहि

(B) मैथिली द्रविड़ भाषा

(C) मैथिली परिवारविहीन लिपि

(D) मैथिली पूर्वी हिन्द-आर्यक स्वतंत्र भाषा छी, जकर दूरस्थ सम्बन्ध भारोपीय परिवारसँ अछि

९९८. अंतिम सार पर संक्षिप्त सही परिभाषा की अछि?

(A) मैथिली द्रविड़ भाषा

(B) मैथिलीक इतिहास नहि

(C) मैथिली परिवारविहीन लिपि

(D) मैथिली पूर्वी हिन्द-आर्यक स्वतंत्र भाषा छी, जकर दूरस्थ सम्बन्ध भारोपीय परिवारसँ अछि

९९९. अंतिम सार पर तुलनात्मक भाषाविज्ञानक दृष्टि सँ सही विकल्प चुनू।

(A) मैथिली परिवारविहीन लिपि

(B) मैथिलीक इतिहास नहि

(C) मैथिली द्रविड़ भाषा

(D) मैथिली पूर्वी हिन्द-आर्यक स्वतंत्र भाषा छी, जकर दूरस्थ सम्बन्ध भारोपीय परिवारसँ अछि

१०००. अंतिम सार विषयक मुख्य बात की अछि?

(A) मैथिली परिवारविहीन लिपि

(B) मैथिली द्रविड़ भाषा

(C) मैथिलीक इतिहास नहि

(D) मैथिली पूर्वी हिन्द-आर्यक स्वतंत्र भाषा छी, जकर दूरस्थ सम्बन्ध भारोपीय परिवारसँ अछि

उत्तरमाला — अध्याय २ (उत्तर ओ व्याख्या / Answers & Explanations)

१. **(B) सामान्य पूर्वजसँ विकसित भाषासभक समूह** — भाषा-परिवारक आधार ऐतिहासिक वंश-सम्बन्ध होइत अछि।

२. **(B) सामान्य पूर्वजसँ विकसित भाषासभक समूह** — भाषा-परिवारक आधार ऐतिहासिक वंश-सम्बन्ध होइत अछि।

३. **(D) सामान्य पूर्वजसँ विकसित भाषासभक समूह** — भाषा-परिवारक आधार ऐतिहासिक वंश-सम्बन्ध होइत अछि।

४. **(B) सामान्य पूर्वजसँ विकसित भाषासभक समूह** — भाषा-परिवारक आधार ऐतिहासिक वंश-सम्बन्ध होइत अछि।

५. **(B) सामान्य पूर्वजसँ विकसित भाषासभक समूह** — भाषा-परिवारक आधार ऐतिहासिक वंश-सम्बन्ध होइत अछि।

६. **(A) सामान्य पूर्वजसँ विकसित भाषासभक समूह** — भाषा-परिवारक आधार ऐतिहासिक वंश-सम्बन्ध होइत अछि।

७. **(D) सामान्य पूर्वजसँ विकसित भाषासभक समूह** — भाषा-परिवारक आधार ऐतिहासिक वंश-सम्बन्ध होइत अछि।

८. **(C) सामान्य पूर्वजसँ विकसित भाषासभक समूह** — भाषा-परिवारक आधार ऐतिहासिक वंश-सम्बन्ध होइत अछि।

९. **(A) सामान्य पूर्वजसँ विकसित भाषासभक समूह** — भाषा-परिवारक आधार ऐतिहासिक वंश-सम्बन्ध होइत अछि।

१०. **(A) सामान्य पूर्वजसँ विकसित भाषासभक समूह** — भाषा-परिवारक आधार ऐतिहासिक वंश-सम्बन्ध होइत अछि।

११. **(B) सम्बद्ध भाषासभक पुरान वा पुनर्निर्मित आधार** — पूर्वज-भाषा तुलनात्मक अध्ययनसँ अनुमानित कएल जा सकैत अछि।

१२. **(A) सम्बद्ध भाषासभक पुरान वा पुनर्निर्मित आधार** — पूर्वज-भाषा तुलनात्मक अध्ययनसँ अनुमानित कएल जा सकैत अछि।

१३. **(C) सम्बद्ध भाषासभक पुरान वा पुनर्निर्मित आधार** — पूर्वज-भाषा तुलनात्मक अध्ययनसँ अनुमानित कएल जा सकैत अछि।

१४. **(C) सम्बद्ध भाषासभक पुरान वा पुनर्निर्मित आधार** — पूर्वज-भाषा तुलनात्मक अध्ययनसँ अनुमानित कएल जा सकैत अछि।

१५. **(B) सम्बद्ध भाषासभक पुरान वा पुनर्निर्मित आधार** — पूर्वज-भाषा तुलनात्मक अध्ययनसँ अनुमानित कएल जा सकैत अछि।

१६. **(C) सम्बद्ध भाषासभक पुरान वा पुनर्निर्मित आधार** — पूर्वज-भाषा तुलनात्मक अध्ययनसँ अनुमानित कएल जा सकैत अछि।

१७. **(B) सम्बद्ध भाषासभक पुरान वा पुनर्निर्मित आधार** — पूर्वज-भाषा तुलनात्मक अध्ययनसँ अनुमानित कएल जा सकैत अछि।

१८. **(A) सम्बद्ध भाषासभक पुरान वा पुनर्निर्मित आधार** — पूर्वज-भाषा तुलनात्मक अध्ययनसँ अनुमानित कएल जा सकैत अछि।

१९. **(D) सम्बद्ध भाषासभक पुरान वा पुनर्निर्मित आधार** — पूर्वज-भाषा तुलनात्मक अध्ययनसँ अनुमानित कएल जा सकैत अछि।

२०. **(D) सम्बद्ध भाषासभक पुरान वा पुनर्निर्मित आधार** — पूर्वज-भाषा तुलनात्मक अध्ययनसँ अनुमानित कएल जा सकैत अछि।

२१. **(B) ध्वनि, शब्द आ व्याकरण तुलना करबाक विधि** — मैथिलीक स्थान बुझबा लेल तुलनात्मक पद्धति उपयोगी अछि।

२२. **(B) ध्वनि, शब्द आ व्याकरण तुलना करबाक विधि** — मैथिलीक स्थान बुझबा लेल तुलनात्मक पद्धति उपयोगी अछि।

२३. **(D) ध्वनि, शब्द आ व्याकरण तुलना करबाक विधि** — मैथिलीक स्थान बुझबा लेल तुलनात्मक पद्धति उपयोगी अछि।

२४. **(D) ध्वनि, शब्द आ व्याकरण तुलना करबाक विधि** — मैथिलीक स्थान बुझबा लेल तुलनात्मक पद्धति उपयोगी अछि।

२५. **(B) ध्वनि, शब्द आ व्याकरण तुलना करबाक विधि** — मैथिलीक स्थान बुझबा लेल तुलनात्मक पद्धति उपयोगी अछि।

२६. **(A) ध्वनि, शब्द आ व्याकरण तुलना करबाक विधि** — मैथिलीक स्थान बुझबा लेल तुलनात्मक पद्धति उपयोगी अछि।

२७. **(D) ध्वनि, शब्द आ व्याकरण तुलना करबाक विधि** — मैथिलीक स्थान बुझबा लेल तुलनात्मक पद्धति उपयोगी अछि।

२८. **(C) ध्वनि, शब्द आ व्याकरण तुलना करबाक विधि** — मैथिलीक स्थान बुझबा लेल तुलनात्मक पद्धति उपयोगी अछि।

२९. **(C) ध्वनि, शब्द आ व्याकरण तुलना करबाक विधि** — मैथिलीक स्थान बुझबा लेल तुलनात्मक पद्धति उपयोगी अछि।

३०. **(D) ध्वनि, शब्द आ व्याकरण तुलना करबाक विधि** — मैथिलीक स्थान बुझबा लेल तुलनात्मक पद्धति उपयोगी अछि।

३१. **(B) समान पूर्वज रूपसँ निकलल सम्बन्धित शब्द** — समधर्मी शब्द वंशगत सम्बन्धक संकेत दैत अछि।

३२. **(C) समान पूर्वज रूपसँ निकलल सम्बन्धित शब्द** — समधर्मी शब्द वंशगत सम्बन्धक संकेत दैत अछि।

३३. **(C) समान पूर्वज रूपसँ निकलल सम्बन्धित शब्द** — समधर्मी शब्द वंशगत सम्बन्धक संकेत दैत अछि।

३४. **(A) समान पूर्वज रूपसँ निकलल सम्बन्धित शब्द** — समधर्मी शब्द वंशगत सम्बन्धक संकेत दैत अछि।

३५. (C) **समान पूर्वज रूपसँ निकलल सम्बन्धित शब्द** — समधर्मी शब्द वंशगत सम्बन्धक संकेत दैत अछि।

३६. (A) **समान पूर्वज रूपसँ निकलल सम्बन्धित शब्द** — समधर्मी शब्द वंशगत सम्बन्धक संकेत दैत अछि।

३७. (D) **समान पूर्वज रूपसँ निकलल सम्बन्धित शब्द** — समधर्मी शब्द वंशगत सम्बन्धक संकेत दैत अछि।

३८. (D) **समान पूर्वज रूपसँ निकलल सम्बन्धित शब्द** — समधर्मी शब्द वंशगत सम्बन्धक संकेत दैत अछि।

३९. (B) **समान पूर्वज रूपसँ निकलल सम्बन्धित शब्द** — समधर्मी शब्द वंशगत सम्बन्धक संकेत दैत अछि।

४०. (D) **समान पूर्वज रूपसँ निकलल सम्बन्धित शब्द** — समधर्मी शब्द वंशगत सम्बन्धक संकेत दैत अछि।

४१. (A) **नियमित ध्वनि-सम्बन्धक प्रमाण** — नियमित ध्वनि-साम्य भाषा-इतिहासमे महत्त्वपूर्ण अछि।

४२. (A) **नियमित ध्वनि-सम्बन्धक प्रमाण** — नियमित ध्वनि-साम्य भाषा-इतिहासमे महत्त्वपूर्ण अछि।

४३. (A) **नियमित ध्वनि-सम्बन्धक प्रमाण** — नियमित ध्वनि-साम्य भाषा-इतिहासमे महत्त्वपूर्ण अछि।

४४. (B) **नियमित ध्वनि-सम्बन्धक प्रमाण** — नियमित ध्वनि-साम्य भाषा-इतिहासमे महत्त्वपूर्ण अछि।

४५. (C) **नियमित ध्वनि-सम्बन्धक प्रमाण** — नियमित ध्वनि-साम्य भाषा-इतिहासमे महत्त्वपूर्ण अछि।

४६. (B) **नियमित ध्वनि-सम्बन्धक प्रमाण** — नियमित ध्वनि-साम्य भाषा-इतिहासमे महत्त्वपूर्ण अछि।

४७. (D) **नियमित ध्वनि-सम्बन्धक प्रमाण** — नियमित ध्वनि-साम्य भाषा-इतिहासमे महत्त्वपूर्ण अछि।

४८. (B) **नियमित ध्वनि-सम्बन्धक प्रमाण** — नियमित ध्वनि-साम्य भाषा-इतिहासमे महत्त्वपूर्ण अछि।

४९. (C) **नियमित ध्वनि-सम्बन्धक प्रमाण** — नियमित ध्वनि-साम्य भाषा-इतिहासमे महत्त्वपूर्ण अछि।

५०. (D) **नियमित ध्वनि-सम्बन्धक प्रमाण** — नियमित ध्वनि-साम्य भाषा-इतिहासमे महत्त्वपूर्ण अछि।

५१. (A) **रूप, प्रत्यय, क्रिया आ वाक्यक साम्य** — व्याकरणिक साम्य गहन भाषिक सम्बन्ध देखबैत अछि।

५२. (A) **रूप, प्रत्यय, क्रिया आ वाक्यक साम्य** — व्याकरणिक साम्य गहन भाषिक सम्बन्ध देखबैत अछि।

५३. (A) **रूप, प्रत्यय, क्रिया आ वाक्यक साम्य** — व्याकरणिक साम्य गहन भाषिक सम्बन्ध देखबैत अछि।

५४. (B) **रूप, प्रत्यय, क्रिया आ वाक्यक साम्य** — व्याकरणिक साम्य गहन भाषिक सम्बन्ध देखबैत अछि।

५५. (D) **रूप, प्रत्यय, क्रिया आ वाक्यक साम्य** — व्याकरणिक साम्य गहन भाषिक सम्बन्ध देखबैत अछि।

५६. (B) **रूप, प्रत्यय, क्रिया आ वाक्यक साम्य** — व्याकरणिक साम्य गहन भाषिक सम्बन्ध देखबैत अछि।

५७. (C) **रूप, प्रत्यय, क्रिया आ वाक्यक साम्य** — व्याकरणिक साम्य गहन भाषिक सम्बन्ध देखबैत अछि।

५८. (A) **रूप, प्रत्यय, क्रिया आ वाक्यक साम्य** — व्याकरणिक साम्य गहन भाषिक सम्बन्ध देखबैत अछि।

५९. (B) **रूप, प्रत्यय, क्रिया आ वाक्यक साम्य** — व्याकरणिक साम्य गहन भाषिक सम्बन्ध देखबैत अछि।

६०. (C) **रूप, प्रत्यय, क्रिया आ वाक्यक साम्य** — व्याकरणिक साम्य गहन भाषिक सम्बन्ध देखबैत अछि।

६१. (C) **सम्पर्कसँ दोसर भाषासँ आयल शब्द** — उधार शब्द सम्पर्क देखबैत अछि, परिवार नहि तय करैत।

६२. (D) **सम्पर्कसँ दोसर भाषासँ आयल शब्द** — उधार शब्द सम्पर्क देखबैत अछि, परिवार नहि तय करैत।

६३. (A) **सम्पर्कसँ दोसर भाषासँ आयल शब्द** — उधार शब्द सम्पर्क देखबैत अछि, परिवार नहि तय करैत।

६४. (D) **सम्पर्कसँ दोसर भाषासँ आयल शब्द** — उधार शब्द सम्पर्क देखबैत अछि, परिवार नहि तय करैत।

६५. (B) **सम्पर्कसँ दोसर भाषासँ आयल शब्द** — उधार शब्द सम्पर्क देखबैत अछि, परिवार नहि तय करैत।

६६. (C) **सम्पर्कसँ दोसर भाषासँ आयल शब्द** — उधार शब्द सम्पर्क देखबैत अछि, परिवार नहि तय करैत।

६७. (D) **सम्पर्कसँ दोसर भाषासँ आयल शब्द** — उधार शब्द सम्पर्क देखबैत अछि, परिवार नहि तय करैत।

६८. (D) **सम्पर्कसँ दोसर भाषासँ आयल शब्द** — उधार शब्द सम्पर्क देखबैत अछि, परिवार नहि तय करैत।

६९. (A) **सम्पर्कसँ दोसर भाषासँ आयल शब्द** — उधार शब्द सम्पर्क देखबैत अछि, परिवार नहि तय करैत।

७०. (C) **सम्पर्कसँ दोसर भाषासँ आयल शब्द** — उधार शब्द सम्पर्क देखबैत अछि, परिवार नहि तय करैत।

७१. (D) लिपि भाषा लिखबाक साधन छी — लिपि आ भाषा-वंश अलग स्तरक बात अछि।

७२. (D) लिपि भाषा लिखबाक साधन छी — लिपि आ भाषा-वंश अलग स्तरक बात अछि।

७३. (C) लिपि भाषा लिखबाक साधन छी — लिपि आ भाषा-वंश अलग स्तरक बात अछि।

७४. (C) लिपि भाषा लिखबाक साधन छी — लिपि आ भाषा-वंश अलग स्तरक बात अछि।

७५. (C) लिपि भाषा लिखबाक साधन छी — लिपि आ भाषा-वंश अलग स्तरक बात अछि।

७६. (B) लिपि भाषा लिखबाक साधन छी — लिपि आ भाषा-वंश अलग स्तरक बात अछि।

७७. (C) लिपि भाषा लिखबाक साधन छी — लिपि आ भाषा-वंश अलग स्तरक बात अछि।

७८. (A) लिपि भाषा लिखबाक साधन छी — लिपि आ भाषा-वंश अलग स्तरक बात अछि।

७९. (B) लिपि भाषा लिखबाक साधन छी — लिपि आ भाषा-वंश अलग स्तरक बात अछि।

८०. (D) लिपि भाषा लिखबाक साधन छी — लिपि आ भाषा-वंश अलग स्तरक बात अछि।

८१. (D) ध्वनि, रूप, शब्द, वाक्य आ इतिहासक संयुक्त आधार — भाषा-वर्गीकरण ठोस भाषिक प्रमाण पर टिकैत अछि।

८२. (B) ध्वनि, रूप, शब्द, वाक्य आ इतिहासक संयुक्त आधार — भाषा-वर्गीकरण ठोस भाषिक प्रमाण पर टिकैत अछि।

८३. (D) ध्वनि, रूप, शब्द, वाक्य आ इतिहासक संयुक्त आधार — भाषा-वर्गीकरण ठोस भाषिक प्रमाण पर टिकैत अछि।

८४. (B) ध्वनि, रूप, शब्द, वाक्य आ इतिहासक संयुक्त आधार — भाषा-वर्गीकरण ठोस भाषिक प्रमाण पर टिकैत अछि।

८५. (D) ध्वनि, रूप, शब्द, वाक्य आ इतिहासक संयुक्त आधार — भाषा-वर्गीकरण ठोस भाषिक प्रमाण पर टिकैत अछि।

८६. (D) ध्वनि, रूप, शब्द, वाक्य आ इतिहासक संयुक्त आधार — भाषा-वर्गीकरण ठोस भाषिक प्रमाण पर टिकैत अछि।

८७. (A) ध्वनि, रूप, शब्द, वाक्य आ इतिहासक संयुक्त आधार — भाषा-वर्गीकरण ठोस भाषिक प्रमाण पर टिकैत अछि।

८८. (C) ध्वनि, रूप, शब्द, वाक्य आ इतिहासक संयुक्त आधार — भाषा-वर्गीकरण ठोस भाषिक प्रमाण पर टिकैत अछि।

८९. (D) ध्वनि, रूप, शब्द, वाक्य आ इतिहासक संयुक्त आधार — भाषा-वर्गीकरण ठोस भाषिक प्रमाण पर टिकैत अछि।

९०. (B) ध्वनि, रूप, शब्द, वाक्य आ इतिहासक संयुक्त आधार — भाषा-वर्गीकरण ठोस भाषिक प्रमाण पर टिकैत अछि।

९१. (C) भारोपीय परिवारक हिन्द-आर्य शाखाक पूर्वी क्षेत्र — मैथिली सामान्यतः पूर्वी हिन्द-आर्य भाषा मानल जाइत अछि।

९२. (D) भारोपीय परिवारक हिन्द-आर्य शाखाक पूर्वी क्षेत्र — मैथिली सामान्यतः पूर्वी हिन्द-आर्य भाषा मानल जाइत अछि।

९३. (B) भारोपीय परिवारक हिन्द-आर्य शाखाक पूर्वी क्षेत्र — मैथिली सामान्यतः पूर्वी हिन्द-आर्य भाषा मानल जाइत अछि।

९४. (D) भारोपीय परिवारक हिन्द-आर्य शाखाक पूर्वी क्षेत्र — मैथिली सामान्यतः पूर्वी हिन्द-आर्य भाषा मानल जाइत अछि।

९५. (C) भारोपीय परिवारक हिन्द-आर्य शाखाक पूर्वी क्षेत्र — मैथिली सामान्यतः पूर्वी हिन्द-आर्य भाषा मानल जाइत अछि।

९६. (D) भारोपीय परिवारक हिन्द-आर्य शाखाक पूर्वी क्षेत्र — मैथिली सामान्यतः पूर्वी हिन्द-आर्य भाषा मानल जाइत अछि।

९७. (A) भारोपीय परिवारक हिन्द-आर्य शाखाक पूर्वी क्षेत्र — मैथिली सामान्यतः पूर्वी हिन्द-आर्य भाषा मानल जाइत अछि।

९८. (B) भारोपीय परिवारक हिन्द-आर्य शाखाक पूर्वी क्षेत्र — मैथिली सामान्यतः पूर्वी हिन्द-आर्य भाषा मानल जाइत अछि।

९९. (B) भारोपीय परिवारक हिन्द-आर्य शाखाक पूर्वी क्षेत्र — मैथिली सामान्यतः पूर्वी हिन्द-आर्य भाषा मानल जाइत अछि।

१००. (A) भारोपीय परिवारक हिन्द-आर्य शाखाक पूर्वी क्षेत्र — मैथिली सामान्यतः पूर्वी हिन्द-आर्य भाषा मानल जाइत अछि।

१०१. (B) विश्वक विस्तृत भाषा-परिवार जाहिमे हिन्द-आर्य सेहो अछि — मैथिलीक दूरस्थ वंशगत सम्बन्ध भारोपीय परिवारसँ अछि।

१०२. (D) विश्वक विस्तृत भाषा-परिवार जाहिमे हिन्द-आर्य सेहो अछि — मैथिलीक दूरस्थ वंशगत सम्बन्ध भारोपीय परिवारसँ अछि।

१०३. (C) विश्वक विस्तृत भाषा-परिवार जाहिमे हिन्द-आर्य सेहो अछि — मैथिलीक दूरस्थ वंशगत सम्बन्ध भारोपीय परिवारसँ अछि।

१०४. (A) विश्वक विस्तृत भाषा-परिवार जाहिमे हिन्द-आर्य सेहो अछि — मैथिलीक दूरस्थ वंशगत सम्बन्ध भारोपीय परिवारसँ अछि।

१०५. (C) विश्वक विस्तृत भाषा-परिवार जाहिमे हिन्द-आर्य सेहो अछि — मैथिलीक दूरस्थ वंशगत सम्बन्ध भारोपीय परिवारसँ अछि।

१०६. (A) विश्वक विस्तृत भाषा-परिवार जाहिमे हिन्द-आर्य सेहो अछि — मैथिलीक दूरस्थ वंशगत सम्बन्ध भारोपीय परिवारसँ अछि।

१०७. **(C) विश्वक विस्तृत भाषा-परिवार जाहिमे हिन्द-आर्य सेहो अछि** — मैथिलीक दूरस्थ वंशगत सम्बन्ध भारोपीय परिवारसँ अछि।

१०८. **(D) विश्वक विस्तृत भाषा-परिवार जाहिमे हिन्द-आर्य सेहो अछि** — मैथिलीक दूरस्थ वंशगत सम्बन्ध भारोपीय परिवारसँ अछि।

१०९. **(B) विश्वक विस्तृत भाषा-परिवार जाहिमे हिन्द-आर्य सेहो अछि** — मैथिलीक दूरस्थ वंशगत सम्बन्ध भारोपीय परिवारसँ अछि।

११०. **(C) विश्वक विस्तृत भाषा-परिवार जाहिमे हिन्द-आर्य सेहो अछि** — मैथिलीक दूरस्थ वंशगत सम्बन्ध भारोपीय परिवारसँ अछि।

१११. **(D) भाषा-परिवारक भीतर निकट सम्बन्धित समूह** — शाखा परिवारक भीतर निकटता बतबैत अछि।

११२. **(B) भाषा-परिवारक भीतर निकट सम्बन्धित समूह** — शाखा परिवारक भीतर निकटता बतबैत अछि।

११३. **(A) भाषा-परिवारक भीतर निकट सम्बन्धित समूह** — शाखा परिवारक भीतर निकटता बतबैत अछि।

११४. **(A) भाषा-परिवारक भीतर निकट सम्बन्धित समूह** — शाखा परिवारक भीतर निकटता बतबैत अछि।

११५. **(D) भाषा-परिवारक भीतर निकट सम्बन्धित समूह** — शाखा परिवारक भीतर निकटता बतबैत अछि।

११६. **(C) भाषा-परिवारक भीतर निकट सम्बन्धित समूह** — शाखा परिवारक भीतर निकटता बतबैत अछि।

११७. **(D) भाषा-परिवारक भीतर निकट सम्बन्धित समूह** — शाखा परिवारक भीतर निकटता बतबैत अछि।

११८. **(D) भाषा-परिवारक भीतर निकट सम्बन्धित समूह** — शाखा परिवारक भीतर निकटता बतबैत अछि।

११९. **(A) भाषा-परिवारक भीतर निकट सम्बन्धित समूह** — शाखा परिवारक भीतर निकटता बतबैत अछि।

१२०. **(B) भाषा-परिवारक भीतर निकट सम्बन्धित समूह** — शाखा परिवारक भीतर निकटता बतबैत अछि।

१२१. **(C) मुख्य शाखाक भीतर आरो निकट समूह** — पूर्वी हिन्द-आर्य मैथिलीक निकट उपसमूह रूपमे देखल जाइत अछि।

१२२. **(C) मुख्य शाखाक भीतर आरो निकट समूह** — पूर्वी हिन्द-आर्य मैथिलीक निकट उपसमूह रूपमे देखल जाइत अछि।

१२३. **(C) मुख्य शाखाक भीतर आरो निकट समूह** — पूर्वी हिन्द-आर्य मैथिलीक निकट उपसमूह रूपमे देखल जाइत अछि।

१२४. **(A) मुख्य शाखाक भीतर आरो निकट समूह** — पूर्वी हिन्द-आर्य मैथिलीक निकट उपसमूह रूपमे देखल जाइत अछि।

१२५. **(A) मुख्य शाखाक भीतर आरो निकट समूह** — पूर्वी हिन्द-आर्य मैथिलीक निकट उपसमूह रूपमे देखल जाइत अछि।

१२६. **(D) मुख्य शाखाक भीतर आरो निकट समूह** — पूर्वी हिन्द-आर्य मैथिलीक निकट उपसमूह रूपमे देखल जाइत अछि।

१२७. **(A) मुख्य शाखाक भीतर आरो निकट समूह** — पूर्वी हिन्द-आर्य मैथिलीक निकट उपसमूह रूपमे देखल जाइत अछि।

१२८. **(D) मुख्य शाखाक भीतर आरो निकट समूह** — पूर्वी हिन्द-आर्य मैथिलीक निकट उपसमूह रूपमे देखल जाइत अछि।

१२९. **(B) मुख्य शाखाक भीतर आरो निकट समूह** — पूर्वी हिन्द-आर्य मैथिलीक निकट उपसमूह रूपमे देखल जाइत अछि।

१३०. **(C) मुख्य शाखाक भीतर आरो निकट समूह** — पूर्वी हिन्द-आर्य मैथिलीक निकट उपसमूह रूपमे देखल जाइत अछि।

१३१. **(C) भारोपीय परिवारक शाखा जाहिसँ हिन्द-आर्य आ ईरानी धारा जुड़ैत अछि** — मैथिलीक वर्गीकरण हिन्द-ईरानी स्तरसँ आगाँ बढ़ैत अछि।

१३२. **(B) भारोपीय परिवारक शाखा जाहिसँ हिन्द-आर्य आ ईरानी धारा जुड़ैत अछि** — मैथिलीक वर्गीकरण हिन्द-ईरानी स्तरसँ आगाँ बढ़ैत अछि।

१३३. **(D) भारोपीय परिवारक शाखा जाहिसँ हिन्द-आर्य आ ईरानी धारा जुड़ैत अछि** — मैथिलीक वर्गीकरण हिन्द-ईरानी स्तरसँ आगाँ बढ़ैत अछि।

१३४. **(C) भारोपीय परिवारक शाखा जाहिसँ हिन्द-आर्य आ ईरानी धारा जुड़ैत अछि** — मैथिलीक वर्गीकरण हिन्द-ईरानी स्तरसँ आगाँ बढ़ैत अछि।

१३५. **(B) भारोपीय परिवारक शाखा जाहिसँ हिन्द-आर्य आ ईरानी धारा जुड़ैत अछि** — मैथिलीक वर्गीकरण हिन्द-ईरानी स्तरसँ आगाँ बढ़ैत अछि।

१३६. **(D) भारोपीय परिवारक शाखा जाहिसँ हिन्द-आर्य आ ईरानी धारा जुड़ैत अछि** — मैथिलीक वर्गीकरण हिन्द-ईरानी स्तरसँ आगाँ बढ़ैत अछि।

१३७. **(A) भारोपीय परिवारक शाखा जाहिसँ हिन्द-आर्य आ ईरानी धारा जुड़ैत अछि** — मैथिलीक वर्गीकरण हिन्द-ईरानी स्तरसँ आगाँ बढ़ैत अछि।

१३८. **(D) भारोपीय परिवारक शाखा जाहिसँ हिन्द-आर्य आ ईरानी धारा जुड़ैत अछि** — मैथिलीक वर्गीकरण हिन्द-ईरानी स्तरसँ आगाँ बढ़ैत अछि।

१३९. **(B) भारोपीय परिवारक शाखा जाहिसँ हिन्द-आर्य आ ईरानी धारा जुड़ैत अछि** — मैथिलीक वर्गीकरण हिन्द-ईरानी स्तरसँ आगाँ बढ़ैत अछि।

१४०. **(B) भारोपीय परिवारक शाखा जाहिसँ हिन्द-आर्य आ ईरानी धारा जुड़ैत अछि** — मैथिलीक वर्गीकरण हिन्द-ईरानी स्तरसँ आगाँ बढ़ैत अछि।

१४१. **(A) भारतीय आर्य भाषासभक निकट वंशगत धारा** — मैथिली हिन्द-आर्य शाखाक आधुनिक भाषा अछि।

१४२. **(B) भारतीय आर्य भाषासभक निकट वंशगत धारा** — मैथिली हिन्द-आर्य शाखाक आधुनिक भाषा अछि।

१४३. **(B) भारतीय आर्य भाषासभक निकट वंशगत धारा** — मैथिली हिन्द-आर्य शाखाक आधुनिक भाषा अछि।

१४४. **(A) भारतीय आर्य भाषासभक निकट वंशगत धारा** — मैथिली हिन्द-आर्य शाखाक आधुनिक भाषा अछि।

१४५. **(D) भारतीय आर्य भाषासभक निकट वंशगत धारा** — मैथिली हिन्द-आर्य शाखाक आधुनिक भाषा अछि।

१४६. **(B) भारतीय आर्य भाषासभक निकट वंशगत धारा** — मैथिली हिन्द-आर्य शाखाक आधुनिक भाषा अछि।

१४७. **(A) भारतीय आर्य भाषासभक निकट वंशगत धारा** — मैथिली हिन्द-आर्य शाखाक आधुनिक भाषा अछि।

१४८. **(C) भारतीय आर्य भाषासभक निकट वंशगत धारा** — मैथिली हिन्द-आर्य शाखाक आधुनिक भाषा अछि।

१४९. **(A) भारतीय आर्य भाषासभक निकट वंशगत धारा** — मैथिली हिन्द-आर्य शाखाक आधुनिक भाषा अछि।

१५०. **(A) भारतीय आर्य भाषासभक निकट वंशगत धारा** — मैथिली हिन्द-आर्य शाखाक आधुनिक भाषा अछि।

१५१. **(D) पूर्वी भारतक आर्य भाषासभक समूह** — मैथिलीक निकट स्थान पूर्वी हिन्द-आर्यमे अछि।

१५२. **(A) पूर्वी भारतक आर्य भाषासभक समूह** — मैथिलीक निकट स्थान पूर्वी हिन्द-आर्यमे अछि।

१५३. **(C) पूर्वी भारतक आर्य भाषासभक समूह** — मैथिलीक निकट स्थान पूर्वी हिन्द-आर्यमे अछि।

१५४. **(A) पूर्वी भारतक आर्य भाषासभक समूह** — मैथिलीक निकट स्थान पूर्वी हिन्द-आर्यमे अछि।

१५५. **(A) पूर्वी भारतक आर्य भाषासभक समूह** — मैथिलीक निकट स्थान पूर्वी हिन्द-आर्यमे अछि।

१५६. **(D) पूर्वी भारतक आर्य भाषासभक समूह** — मैथिलीक निकट स्थान पूर्वी हिन्द-आर्यमे अछि।

१५७. **(A) पूर्वी भारतक आर्य भाषासभक समूह** — मैथिलीक निकट स्थान पूर्वी हिन्द-आर्यमे अछि।

१५८. **(A) पूर्वी भारतक आर्य भाषासभक समूह** — मैथिलीक निकट स्थान पूर्वी हिन्द-आर्यमे अछि।

१५९. **(A) पूर्वी भारतक आर्य भाषासभक समूह** — मैथिलीक निकट स्थान पूर्वी हिन्द-आर्यमे अछि।

१६०. **(C) पूर्वी भारतक आर्य भाषासभक समूह** — मैथिलीक निकट स्थान पूर्वी हिन्द-आर्यमे अछि।

१६१. **(D) भारोपीय स्तर पर मैथिलीक दूरस्थ सम्बन्ध** — दूरस्थ स्तर पर मैथिली भारोपीय परिवारमे अबैत अछि।

१६२. **(B) भारोपीय स्तर पर मैथिलीक दूरस्थ सम्बन्ध** — दूरस्थ स्तर पर मैथिली भारोपीय परिवारमे अबैत अछि।

१६३. **(B) भारोपीय स्तर पर मैथिलीक दूरस्थ सम्बन्ध** — दूरस्थ स्तर पर मैथिली भारोपीय परिवारमे अबैत अछि।

१६४. **(B) भारोपीय स्तर पर मैथिलीक दूरस्थ सम्बन्ध** — दूरस्थ स्तर पर मैथिली भारोपीय परिवारमे अबैत अछि।

१६५. **(D) भारोपीय स्तर पर मैथिलीक दूरस्थ सम्बन्ध** — दूरस्थ स्तर पर मैथिली भारोपीय परिवारमे अबैत अछि।

१६६. **(A) भारोपीय स्तर पर मैथिलीक दूरस्थ सम्बन्ध** — दूरस्थ स्तर पर मैथिली भारोपीय परिवारमे अबैत अछि।

१६७. **(C) भारोपीय स्तर पर मैथिलीक दूरस्थ सम्बन्ध** — दूरस्थ स्तर पर मैथिली भारोपीय परिवारमे अबैत अछि।

१६८. **(C) भारोपीय स्तर पर मैथिलीक दूरस्थ सम्बन्ध** — दूरस्थ स्तर पर मैथिली भारोपीय परिवारमे अबैत अछि।

१६९. **(D) भारोपीय स्तर पर मैथिलीक दूरस्थ सम्बन्ध** — दूरस्थ स्तर पर मैथिली भारोपीय परिवारमे अबैत अछि।

१७०. **(B) भारोपीय स्तर पर मैथिलीक दूरस्थ सम्बन्ध** — दूरस्थ स्तर पर मैथिली भारोपीय परिवारमे अबैत अछि।

१७१. **(B) हिन्द-आर्य आ पूर्वी आर्य स्तरक सम्बन्ध** — निकट स्तर पर मैथिली हिन्द-आर्य अछि।

१७२. **(C) हिन्द-आर्य आ पूर्वी आर्य स्तरक सम्बन्ध** — निकट स्तर पर मैथिली हिन्द-आर्य अछि।

१७३. **(D) हिन्द-आर्य आ पूर्वी आर्य स्तरक सम्बन्ध** — निकट स्तर पर मैथिली हिन्द-आर्य अछि।

१७४. **(A) हिन्द-आर्य आ पूर्वी आर्य स्तरक सम्बन्ध** — निकट स्तर पर मैथिली हिन्द-आर्य अछि।

१७५. **(A) हिन्द-आर्य आ पूर्वी आर्य स्तरक सम्बन्ध** — निकट स्तर पर मैथिली हिन्द-आर्य अछि।

१७६. **(A) हिन्द-आर्य आ पूर्वी आर्य स्तरक सम्बन्ध** — निकट स्तर पर मैथिली हिन्द-आर्य अछि।

१७७. **(A) हिन्द-आर्य आ पूर्वी आर्य स्तरक सम्बन्ध** — निकट स्तर पर मैथिली हिन्द-आर्य अछि।

१७८. **(A) हिन्द-आर्य आ पूर्वी आर्य स्तरक सम्बन्ध** — निकट स्तर पर मैथिली हिन्द-आर्य अछि।

१७९. **(B) हिन्द-आर्य आ पूर्वी आर्य स्तरक सम्बन्ध** — निकट स्तर पर मैथिली हिन्द-आर्य अछि।

१८०. **(A) हिन्द-आर्य आ पूर्वी आर्य स्तरक सम्बन्ध** — निकट स्तर पर मैथिली हिन्द-आर्य अछि।

१८१. **(C) ग्रीक, इतालिक, जर्मनिक, सेल्टिक, स्लाविक आदि** — भारोपीय परिवार बहुत व्यापक अछि, मैथिली ओकर हिन्द-आर्य पक्षमे अछि।

१८२. **(B) ग्रीक, इतालिक, जर्मनिक, सेल्टिक, स्लाविक आदि** — भारोपीय परिवार बहुत व्यापक अछि, मैथिली ओकर हिन्द-आर्य पक्षमे अछि।

१८३. **(C) ग्रीक, इतालिक, जर्मनिक, सेल्टिक, स्लाविक आदि** — भारोपीय परिवार बहुत व्यापक अछि, मैथिली ओकर हिन्द-आर्य पक्षमे अछि।

१८४. **(D) ग्रीक, इतालिक, जर्मनिक, सेल्टिक, स्लाविक आदि** — भारोपीय परिवार बहुत व्यापक अछि, मैथिली ओकर हिन्द-आर्य पक्षमे अछि।

१८५. **(C) ग्रीक, इतालिक, जर्मनिक, सेल्टिक, स्लाविक आदि** — भारोपीय परिवार बहुत व्यापक अछि, मैथिली ओकर हिन्द-आर्य पक्षमे अछि।

१८६. **(A) ग्रीक, इतालिक, जर्मनिक, सेल्टिक, स्लाविक आदि** — भारोपीय परिवार बहुत व्यापक अछि, मैथिली ओकर हिन्द-आर्य पक्षमे अछि।

१८७. **(D) ग्रीक, इतालिक, जर्मनिक, सेल्टिक, स्लाविक आदि** — भारोपीय परिवार बहुत व्यापक अछि, मैथिली ओकर हिन्द-आर्य पक्षमे अछि।

१८८. **(B) ग्रीक, इतालिक, जर्मनिक, सेल्टिक, स्लाविक आदि** — भारोपीय परिवार बहुत व्यापक अछि, मैथिली ओकर हिन्द-आर्य पक्षमे अछि।

१८९. **(D) ग्रीक, इतालिक, जर्मनिक, सेल्टिक, स्लाविक आदि** — भारोपीय परिवार बहुत व्यापक अछि, मैथिली ओकर हिन्द-आर्य पक्षमे अछि।

१९०. **(D) ग्रीक, इतालिक, जर्मनिक, सेल्टिक, स्लाविक आदि** — भारोपीय परिवार बहुत व्यापक अछि, मैथिली ओकर हिन्द-आर्य पक्षमे अछि।

१९१. **(A) भारोपीय → हिन्द-ईरानी → हिन्द-आर्य → पूर्वी हिन्द-आर्य → मैथिली** — एहि क्रमसँ मैथिलीक स्थान स्पष्ट होइत अछि।

१९२. **(C) भारोपीय → हिन्द-ईरानी → हिन्द-आर्य → पूर्वी हिन्द-आर्य → मैथिली** — एहि क्रमसँ मैथिलीक स्थान स्पष्ट होइत अछि।

१९३. **(B) भारोपीय → हिन्द-ईरानी → हिन्द-आर्य → पूर्वी हिन्द-आर्य → मैथिली** — एहि क्रमसँ मैथिलीक स्थान स्पष्ट होइत अछि।

१९४. **(B) भारोपीय → हिन्द-ईरानी → हिन्द-आर्य → पूर्वी हिन्द-आर्य → मैथिली** — एहि क्रमसँ मैथिलीक स्थान स्पष्ट होइत अछि।

१९५. **(B) भारोपीय → हिन्द-ईरानी → हिन्द-आर्य → पूर्वी हिन्द-आर्य → मैथिली** — एहि क्रमसँ मैथिलीक स्थान स्पष्ट होइत अछि।

१९६. **(C) भारोपीय → हिन्द-ईरानी → हिन्द-आर्य → पूर्वी हिन्द-आर्य → मैथिली** — एहि क्रमसँ मैथिलीक स्थान स्पष्ट होइत अछि।

१९७. **(B) भारोपीय → हिन्द-ईरानी → हिन्द-आर्य → पूर्वी हिन्द-आर्य → मैथिली** — एहि क्रमसँ मैथिलीक स्थान स्पष्ट होइत अछि।

१९८. **(C) भारोपीय → हिन्द-ईरानी → हिन्द-आर्य → पूर्वी हिन्द-आर्य → मैथिली** — एहि क्रमसँ मैथिलीक स्थान स्पष्ट होइत अछि।

१९९. **(D) भारोपीय → हिन्द-ईरानी → हिन्द-आर्य → पूर्वी हिन्द-आर्य → मैथिली** — एहि क्रमसँ मैथिलीक स्थान स्पष्ट होइत अछि।

२००. **(A) भारोपीय → हिन्द-ईरानी → हिन्द-आर्य → पूर्वी हिन्द-आर्य → मैथिली** — एहि क्रमसँ मैथिलीक स्थान स्पष्ट होइत अछि।

२०१. **(C) वैदिक आ संस्कृत परम्परासँ जुड़ल आरम्भिक आर्य चरण** — भाषा-विकासक क्रम पुरान आर्यसँ आरम्भ कएल जाइत अछि।

२०२. **(D) वैदिक आ संस्कृत परम्परासँ जुड़ल आरम्भिक आर्य चरण** — भाषा-विकासक क्रम पुरान आर्यसँ आरम्भ कएल जाइत अछि।

२०३. **(D) वैदिक आ संस्कृत परम्परासँ जुड़ल आरम्भिक आर्य चरण** — भाषा-विकासक क्रम पुरान आर्यसँ आरम्भ कएल जाइत अछि।

२०४. **(D) वैदिक आ संस्कृत परम्परासँ जुड़ल आरम्भिक आर्य चरण** — भाषा-विकासक क्रम पुरान आर्यसँ आरम्भ कएल जाइत अछि।

२०५. **(D) वैदिक आ संस्कृत परम्परासँ जुड़ल आरम्भिक आर्य चरण** — भाषा-विकासक क्रम पुरान आर्यसँ आरम्भ कएल जाइत अछि।

२०६. **(C) वैदिक आ संस्कृत परम्परासँ जुड़ल आरम्भिक आर्य चरण** — भाषा-विकासक क्रम पुरान आर्यसँ आरम्भ कएल जाइत अछि।

२०७. **(C) वैदिक आ संस्कृत परम्परासँ जुड़ल आरम्भिक आर्य चरण** — भाषा-विकासक क्रम पुरान आर्यसँ आरम्भ कएल जाइत अछि।

२०८. **(B) वैदिक आ संस्कृत परम्परासँ जुड़ल आरम्भिक आर्य चरण** — भाषा-विकासक क्रम पुरान आर्यसँ आरम्भ कएल जाइत अछि।

२०९. **(A) वैदिक आ संस्कृत परम्परासँ जुड़ल आरम्भिक आर्य चरण** — भाषा-विकासक क्रम पुरान आर्यसँ आरम्भ कएल जाइत अछि।

२१०. **(B) वैदिक आ संस्कृत परम्परासँ जुड़ल आरम्भिक आर्य चरण** — भाषा-विकासक क्रम पुरान आर्यसँ आरम्भ कएल जाइत अछि।

२११. **(A) प्राकृत, पाली, अपभ्रंश जकाँ मध्यवर्ती चरण** — मध्य आर्य आधुनिक आर्य भाषाक पुल छी।

२१२. **(A) प्राकृत, पाली, अपभ्रंश जकाँ मध्यवर्ती चरण** — मध्य आर्य आधुनिक आर्य भाषाक पुल छी।

२१३. **(A) प्राकृत, पाली, अपभ्रंश जकाँ मध्यवर्ती चरण** — मध्य आर्य आधुनिक आर्य भाषाक पुल छी।

२१४. **(A) प्राकृत, पाली, अपभ्रंश जकाँ मध्यवर्ती चरण** — मध्य आर्य आधुनिक आर्य भाषाक पुल छी।

२१५. (C) प्राकृत, पाली, अपभ्रंश जकाँ मध्यवर्ती चरण — मध्य आर्य आधुनिक आर्य भाषाक पुल छी।

२१६. (D) प्राकृत, पाली, अपभ्रंश जकाँ मध्यवर्ती चरण — मध्य आर्य आधुनिक आर्य भाषाक पुल छी।

२१७. (D) प्राकृत, पाली, अपभ्रंश जकाँ मध्यवर्ती चरण — मध्य आर्य आधुनिक आर्य भाषाक पुल छी।

२१८. (D) प्राकृत, पाली, अपभ्रंश जकाँ मध्यवर्ती चरण — मध्य आर्य आधुनिक आर्य भाषाक पुल छी।

२१९. (C) प्राकृत, पाली, अपभ्रंश जकाँ मध्यवर्ती चरण — मध्य आर्य आधुनिक आर्य भाषाक पुल छी।

२२०. (B) प्राकृत, पाली, अपभ्रंश जकाँ मध्यवर्ती चरण — मध्य आर्य आधुनिक आर्य भाषाक पुल छी।

२२१. (A) मैथिली सहित आधुनिक भारतीय आर्य भाषासभक चरण — मैथिली नव हिन्द-आर्य भाषा छी।

२२२. (D) मैथिली सहित आधुनिक भारतीय आर्य भाषासभक चरण — मैथिली नव हिन्द-आर्य भाषा छी।

२२३. (B) मैथिली सहित आधुनिक भारतीय आर्य भाषासभक चरण — मैथिली नव हिन्द-आर्य भाषा छी।

२२४. (B) मैथिली सहित आधुनिक भारतीय आर्य भाषासभक चरण — मैथिली नव हिन्द-आर्य भाषा छी।

२२५. (D) मैथिली सहित आधुनिक भारतीय आर्य भाषासभक चरण — मैथिली नव हिन्द-आर्य भाषा छी।

२२६. (B) मैथिली सहित आधुनिक भारतीय आर्य भाषासभक चरण — मैथिली नव हिन्द-आर्य भाषा छी।

२२७. (A) मैथिली सहित आधुनिक भारतीय आर्य भाषासभक चरण — मैथिली नव हिन्द-आर्य भाषा छी।

२२८. (B) मैथिली सहित आधुनिक भारतीय आर्य भाषासभक चरण — मैथिली नव हिन्द-आर्य भाषा छी।

२२९. (A) मैथिली सहित आधुनिक भारतीय आर्य भाषासभक चरण — मैथिली नव हिन्द-आर्य भाषा छी।

२३०. (C) मैथिली सहित आधुनिक भारतीय आर्य भाषासभक चरण — मैथिली नव हिन्द-आर्य भाषा छी।

२३१. (B) पुरान हिन्द-आर्यक महत्त्वपूर्ण साहित्यिक भाषा — संस्कृतक प्रभाव मैथिली पृष्ठभूमिमे अछि, मुदा मैथिली स्वतंत्र विकसित भाषा अछि।

२३२. (A) पुरान हिन्द-आर्यक महत्त्वपूर्ण साहित्यिक भाषा — संस्कृतक प्रभाव मैथिली पृष्ठभूमिमे अछि, मुदा मैथिली स्वतंत्र विकसित भाषा अछि।

२३३. (A) पुरान हिन्द-आर्यक महत्त्वपूर्ण साहित्यिक भाषा — संस्कृतक प्रभाव मैथिली पृष्ठभूमिमे अछि, मुदा मैथिली स्वतंत्र विकसित भाषा अछि।

२३४. (C) पुरान हिन्द-आर्यक महत्त्वपूर्ण साहित्यिक भाषा — संस्कृतक प्रभाव मैथिली पृष्ठभूमिमे अछि, मुदा मैथिली स्वतंत्र विकसित भाषा अछि।

२३५. (B) पुरान हिन्द-आर्यक महत्त्वपूर्ण साहित्यिक भाषा — संस्कृतक प्रभाव मैथिली पृष्ठभूमिमे अछि, मुदा मैथिली स्वतंत्र विकसित भाषा अछि।

२३६. (C) पुरान हिन्द-आर्यक महत्त्वपूर्ण साहित्यिक भाषा — संस्कृतक प्रभाव मैथिली पृष्ठभूमिमे अछि, मुदा मैथिली स्वतंत्र विकसित भाषा अछि।

२३७. (D) पुरान हिन्द-आर्यक महत्त्वपूर्ण साहित्यिक भाषा — संस्कृतक प्रभाव मैथिली पृष्ठभूमिमे अछि, मुदा मैथिली स्वतंत्र विकसित भाषा अछि।

२३८. (D) पुरान हिन्द-आर्यक महत्त्वपूर्ण साहित्यिक भाषा — संस्कृतक प्रभाव मैथिली पृष्ठभूमिमे अछि, मुदा मैथिली स्वतंत्र विकसित भाषा अछि।

२३९. (D) पुरान हिन्द-आर्यक महत्त्वपूर्ण साहित्यिक भाषा — संस्कृतक प्रभाव मैथिली पृष्ठभूमिमे अछि, मुदा मैथिली स्वतंत्र विकसित भाषा अछि।

२४०. (A) पुरान हिन्द-आर्यक महत्त्वपूर्ण साहित्यिक भाषा — संस्कृतक प्रभाव मैथिली पृष्ठभूमिमे अछि, मुदा मैथिली स्वतंत्र विकसित भाषा अछि।

२४१. (D) मध्य आर्यक लोक-निकट भाषिक रूपसभ — प्राकृत सँ अपभ्रंश-अवहट्ठ धरि विकास देखल जाइत अछि।

२४२. (C) मध्य आर्यक लोक-निकट भाषिक रूपसभ — प्राकृत सँ अपभ्रंश-अवहट्ठ धरि विकास देखल जाइत अछि।

२४३. (D) मध्य आर्यक लोक-निकट भाषिक रूपसभ — प्राकृत सँ अपभ्रंश-अवहट्ठ धरि विकास देखल जाइत अछि।

२४४. (D) मध्य आर्यक लोक-निकट भाषिक रूपसभ — प्राकृत सँ अपभ्रंश-अवहट्ठ धरि विकास देखल जाइत अछि।

२४५. (A) मध्य आर्यक लोक-निकट भाषिक रूपसभ — प्राकृत सँ अपभ्रंश-अवहट्ठ धरि विकास देखल जाइत अछि।

२४६. (D) मध्य आर्यक लोक-निकट भाषिक रूपसभ — प्राकृत सँ अपभ्रंश-अवहट्ठ धरि विकास देखल जाइत अछि।

२४७. (B) मध्य आर्यक लोक-निकट भाषिक रूपसभ — प्राकृत सँ अपभ्रंश-अवहट्ठ धरि विकास देखल जाइत अछि।

२४८. (C) मध्य आर्यक लोक-निकट भाषिक रूपसभ — प्राकृत सँ अपभ्रंश-अवहट्ठ धरि विकास देखल जाइत अछि।

२४९. (B) मध्य आर्यक लोक-निकट भाषिक रूपसभ — प्राकृत सँ अपभ्रंश-अवहट्ठ धरि विकास देखल जाइत अछि।

२५०. (C) मध्य आर्यक लोक-निकट भाषिक रूपसभ — प्राकृत सँ अपभ्रंश-अवहट्ठ धरि विकास देखल जाइत अछि।

२५१. **(B) पूर्वीय आर्य विकासमे महत्त्वपूर्ण सन्दर्भ** — पूर्वी आर्य भाषासभक पृष्ठभूमिमे मागधी परम्परा उल्लेखनीय अछि।

२५२. **(B) पूर्वीय आर्य विकासमे महत्त्वपूर्ण सन्दर्भ** — पूर्वी आर्य भाषासभक पृष्ठभूमिमे मागधी परम्परा उल्लेखनीय अछि।

२५३. **(B) पूर्वीय आर्य विकासमे महत्त्वपूर्ण सन्दर्भ** — पूर्वी आर्य भाषासभक पृष्ठभूमिमे मागधी परम्परा उल्लेखनीय अछि।

२५४. **(D) पूर्वीय आर्य विकासमे महत्त्वपूर्ण सन्दर्भ** — पूर्वी आर्य भाषासभक पृष्ठभूमिमे मागधी परम्परा उल्लेखनीय अछि।

२५५. **(B) पूर्वीय आर्य विकासमे महत्त्वपूर्ण सन्दर्भ** — पूर्वी आर्य भाषासभक पृष्ठभूमिमे मागधी परम्परा उल्लेखनीय अछि।

२५६. **(A) पूर्वीय आर्य विकासमे महत्त्वपूर्ण सन्दर्भ** — पूर्वी आर्य भाषासभक पृष्ठभूमिमे मागधी परम्परा उल्लेखनीय अछि।

२५७. **(B) पूर्वीय आर्य विकासमे महत्त्वपूर्ण सन्दर्भ** — पूर्वी आर्य भाषासभक पृष्ठभूमिमे मागधी परम्परा उल्लेखनीय अछि।

२५८. **(D) पूर्वीय आर्य विकासमे महत्त्वपूर्ण सन्दर्भ** — पूर्वी आर्य भाषासभक पृष्ठभूमिमे मागधी परम्परा उल्लेखनीय अछि।

२५९. **(C) पूर्वीय आर्य विकासमे महत्त्वपूर्ण सन्दर्भ** — पूर्वी आर्य भाषासभक पृष्ठभूमिमे मागधी परम्परा उल्लेखनीय अछि।

२६०. **(A) पूर्वीय आर्य विकासमे महत्त्वपूर्ण सन्दर्भ** — पूर्वी आर्य भाषासभक पृष्ठभूमिमे मागधी परम्परा उल्लेखनीय अछि।

२६१. **(C) मध्य आर्यसँ नव आर्य संक्रमणक चरण** — अपभ्रंश भाषा-विकासक ऐतिहासिक चरण छी।

२६२. **(C) मध्य आर्यसँ नव आर्य संक्रमणक चरण** — अपभ्रंश भाषा-विकासक ऐतिहासिक चरण छी।

२६३. **(B) मध्य आर्यसँ नव आर्य संक्रमणक चरण** — अपभ्रंश भाषा-विकासक ऐतिहासिक चरण छी।

२६४. **(C) मध्य आर्यसँ नव आर्य संक्रमणक चरण** — अपभ्रंश भाषा-विकासक ऐतिहासिक चरण छी।

२६५. **(D) मध्य आर्यसँ नव आर्य संक्रमणक चरण** — अपभ्रंश भाषा-विकासक ऐतिहासिक चरण छी।

२६६. **(B) मध्य आर्यसँ नव आर्य संक्रमणक चरण** — अपभ्रंश भाषा-विकासक ऐतिहासिक चरण छी।

२६७. **(C) मध्य आर्यसँ नव आर्य संक्रमणक चरण** — अपभ्रंश भाषा-विकासक ऐतिहासिक चरण छी।

२६८. **(D) मध्य आर्यसँ नव आर्य संक्रमणक चरण** — अपभ्रंश भाषा-विकासक ऐतिहासिक चरण छी।

२६९. **(D) मध्य आर्यसँ नव आर्य संक्रमणक चरण** — अपभ्रंश भाषा-विकासक ऐतिहासिक चरण छी।

२७०. **(A) मध्य आर्यसँ नव आर्य संक्रमणक चरण** — अपभ्रंश भाषा-विकासक ऐतिहासिक चरण छी।

२७१. **(A) उत्तर-अपभ्रंशीय रूप, पूर्वी नव आर्यक आरम्भिक धरातल** — मैथिलीक प्रारम्भिक रूप बुझबामे अवहट्ठ महत्त्वपूर्ण अछि।

२७२. **(B) उत्तर-अपभ्रंशीय रूप, पूर्वी नव आर्यक आरम्भिक धरातल** — मैथिलीक प्रारम्भिक रूप बुझबामे अवहट्ठ महत्त्वपूर्ण अछि।

२७३. **(C) उत्तर-अपभ्रंशीय रूप, पूर्वी नव आर्यक आरम्भिक धरातल** — मैथिलीक प्रारम्भिक रूप बुझबामे अवहट्ठ महत्त्वपूर्ण अछि।

२७४. **(C) उत्तर-अपभ्रंशीय रूप, पूर्वी नव आर्यक आरम्भिक धरातल** — मैथिलीक प्रारम्भिक रूप बुझबामे अवहट्ठ महत्त्वपूर्ण अछि।

२७५. **(B) उत्तर-अपभ्रंशीय रूप, पूर्वी नव आर्यक आरम्भिक धरातल** — मैथिलीक प्रारम्भिक रूप बुझबामे अवहट्ठ महत्त्वपूर्ण अछि।

२७६. **(B) उत्तर-अपभ्रंशीय रूप, पूर्वी नव आर्यक आरम्भिक धरातल** — मैथिलीक प्रारम्भिक रूप बुझबामे अवहट्ठ महत्त्वपूर्ण अछि।

२७७. **(A) उत्तर-अपभ्रंशीय रूप, पूर्वी नव आर्यक आरम्भिक धरातल** — मैथिलीक प्रारम्भिक रूप बुझबामे अवहट्ठ महत्त्वपूर्ण अछि।

२७८. **(A) उत्तर-अपभ्रंशीय रूप, पूर्वी नव आर्यक आरम्भिक धरातल** — मैथिलीक प्रारम्भिक रूप बुझबामे अवहट्ठ महत्त्वपूर्ण अछि।

२७९. **(B) उत्तर-अपभ्रंशीय रूप, पूर्वी नव आर्यक आरम्भिक धरातल** — मैथिलीक प्रारम्भिक रूप बुझबामे अवहट्ठ महत्त्वपूर्ण अछि।

२८०. **(D) उत्तर-अपभ्रंशीय रूप, पूर्वी नव आर्यक आरम्भिक धरातल** — मैथिलीक प्रारम्भिक रूप बुझबामे अवहट्ठ महत्त्वपूर्ण अछि।

२८१. **(A) हिन्द-ईरानी शाखाक अलग पक्ष** — हिन्द-ईरानी भीतर ईरानी आ हिन्द-आर्य अलग धारा अछि।

२८२. **(D) हिन्द-ईरानी शाखाक अलग पक्ष** — हिन्द-ईरानी भीतर ईरानी आ हिन्द-आर्य अलग धारा अछि।

२८३. **(A) हिन्द-ईरानी शाखाक अलग पक्ष** — हिन्द-ईरानी भीतर ईरानी आ हिन्द-आर्य अलग धारा अछि।

२८४. **(A) हिन्द-ईरानी शाखाक अलग पक्ष** — हिन्द-ईरानी भीतर ईरानी आ हिन्द-आर्य अलग धारा अछि।

२८५. **(B) हिन्द-ईरानी शाखाक अलग पक्ष** — हिन्द-ईरानी भीतर ईरानी आ हिन्द-आर्य अलग धारा अछि।

२८६. **(A) हिन्द-ईरानी शाखाक अलग पक्ष** — हिन्द-ईरानी भीतर ईरानी आ हिन्द-आर्य अलग धारा अछि।

२८७. (B) हिन्द-ईरानी शाखाक अलग पक्ष — हिन्द-ईरानी भीतर ईरानी आ हिन्द-आर्य अलग धारा अछि।

२८८. (D) हिन्द-ईरानी शाखाक अलग पक्ष — हिन्द-ईरानी भीतर ईरानी आ हिन्द-आर्य अलग धारा अछि।

२८९. (D) हिन्द-ईरानी शाखाक अलग पक्ष — हिन्द-ईरानी भीतर ईरानी आ हिन्द-आर्य अलग धारा अछि।

२९०. (B) हिन्द-ईरानी शाखाक अलग पक्ष — हिन्द-ईरानी भीतर ईरानी आ हिन्द-आर्य अलग धारा अछि।

२९१. (B) हिन्द-आर्य भाषासभमे समानता संग क्षेत्रीय भिन्नता सेहो अछि — मैथिली एहि विविध हिन्द-आर्य संसारक स्वतंत्र भाषा अछि।

२९२. (A) हिन्द-आर्य भाषासभमे समानता संग क्षेत्रीय भिन्नता सेहो अछि — मैथिली एहि विविध हिन्द-आर्य संसारक स्वतंत्र भाषा अछि।

२९३. (A) हिन्द-आर्य भाषासभमे समानता संग क्षेत्रीय भिन्नता सेहो अछि — मैथिली एहि विविध हिन्द-आर्य संसारक स्वतंत्र भाषा अछि।

२९४. (C) हिन्द-आर्य भाषासभमे समानता संग क्षेत्रीय भिन्नता सेहो अछि — मैथिली एहि विविध हिन्द-आर्य संसारक स्वतंत्र भाषा अछि।

२९५. (D) हिन्द-आर्य भाषासभमे समानता संग क्षेत्रीय भिन्नता सेहो अछि — मैथिली एहि विविध हिन्द-आर्य संसारक स्वतंत्र भाषा अछि।

२९६. (B) हिन्द-आर्य भाषासभमे समानता संग क्षेत्रीय भिन्नता सेहो अछि — मैथिली एहि विविध हिन्द-आर्य संसारक स्वतंत्र भाषा अछि।

२९७. (D) हिन्द-आर्य भाषासभमे समानता संग क्षेत्रीय भिन्नता सेहो अछि — मैथिली एहि विविध हिन्द-आर्य संसारक स्वतंत्र भाषा अछि।

२९८. (D) हिन्द-आर्य भाषासभमे समानता संग क्षेत्रीय भिन्नता सेहो अछि — मैथिली एहि विविध हिन्द-आर्य संसारक स्वतंत्र भाषा अछि।

२९९. (A) हिन्द-आर्य भाषासभमे समानता संग क्षेत्रीय भिन्नता सेहो अछि — मैथिली एहि विविध हिन्द-आर्य संसारक स्वतंत्र भाषा अछि।

३००. (D) हिन्द-आर्य भाषासभमे समानता संग क्षेत्रीय भिन्नता सेहो अछि — मैथिली एहि विविध हिन्द-आर्य संसारक स्वतंत्र भाषा अछि।

३०१. (B) मैथिली पूर्वी हिन्द-आर्य क्षेत्रमे राखल जाइत अछि — पूर्वी आर्य पहचान मैथिलीक वर्गीकरणक केन्द्रीय बात अछि।

३०२. (A) मैथिली पूर्वी हिन्द-आर्य क्षेत्रमे राखल जाइत अछि — पूर्वी आर्य पहचान मैथिलीक वर्गीकरणक केन्द्रीय बात अछि।

३०३. (A) मैथिली पूर्वी हिन्द-आर्य क्षेत्रमे राखल जाइत अछि — पूर्वी आर्य पहचान मैथिलीक वर्गीकरणक केन्द्रीय बात अछि।

३०४. (B) मैथिली पूर्वी हिन्द-आर्य क्षेत्रमे राखल जाइत अछि — पूर्वी आर्य पहचान मैथिलीक वर्गीकरणक केन्द्रीय बात अछि।

३०५. (B) मैथिली पूर्वी हिन्द-आर्य क्षेत्रमे राखल जाइत अछि — पूर्वी आर्य पहचान मैथिलीक वर्गीकरणक केन्द्रीय बात अछि।

३०६. (D) मैथिली पूर्वी हिन्द-आर्य क्षेत्रमे राखल जाइत अछि — पूर्वी आर्य पहचान मैथिलीक वर्गीकरणक केन्द्रीय बात अछि।

३०७. (D) मैथिली पूर्वी हिन्द-आर्य क्षेत्रमे राखल जाइत अछि — पूर्वी आर्य पहचान मैथिलीक वर्गीकरणक केन्द्रीय बात अछि।

३०८. (A) मैथिली पूर्वी हिन्द-आर्य क्षेत्रमे राखल जाइत अछि — पूर्वी आर्य पहचान मैथिलीक वर्गीकरणक केन्द्रीय बात अछि।

३०९. (B) मैथिली पूर्वी हिन्द-आर्य क्षेत्रमे राखल जाइत अछि — पूर्वी आर्य पहचान मैथिलीक वर्गीकरणक केन्द्रीय बात अछि।

३१०. (A) मैथिली पूर्वी हिन्द-आर्य क्षेत्रमे राखल जाइत अछि — पूर्वी आर्य पहचान मैथिलीक वर्गीकरणक केन्द्रीय बात अछि।

३११. (A) किछु वर्गीकरणमे मैथिली, मगही, भोजपुरीक क्षेत्रीय समूह — बिहारी समूह निकट क्षेत्रीय आर्य भाषासभक चर्चा करैत अछि।

३१२. (D) किछु वर्गीकरणमे मैथिली, मगही, भोजपुरीक क्षेत्रीय समूह — बिहारी समूह निकट क्षेत्रीय आर्य भाषासभक चर्चा करैत अछि।

३१३. (C) किछु वर्गीकरणमे मैथिली, मगही, भोजपुरीक क्षेत्रीय समूह — बिहारी समूह निकट क्षेत्रीय आर्य भाषासभक चर्चा करैत अछि।

३१४. (A) किछु वर्गीकरणमे मैथिली, मगही, भोजपुरीक क्षेत्रीय समूह — बिहारी समूह निकट क्षेत्रीय आर्य भाषासभक चर्चा करैत अछि।

३१५. (B) किछु वर्गीकरणमे मैथिली, मगही, भोजपुरीक क्षेत्रीय समूह — बिहारी समूह निकट क्षेत्रीय आर्य भाषासभक चर्चा करैत अछि।

३१६. (D) किछु वर्गीकरणमे मैथिली, मगही, भोजपुरीक क्षेत्रीय समूह — बिहारी समूह निकट क्षेत्रीय आर्य भाषासभक चर्चा करैत अछि।

३१७. (A) किछु वर्गीकरणमे मैथिली, मगही, भोजपुरीक क्षेत्रीय समूह — बिहारी समूह निकट क्षेत्रीय आर्य भाषासभक चर्चा करैत अछि।

३१८. (A) किछु वर्गीकरणमे मैथिली, मगही, भोजपुरीक क्षेत्रीय समूह — बिहारी समूह निकट क्षेत्रीय आर्य भाषासभक चर्चा करैत अछि।

३१९. (C) किछु वर्गीकरणमे मैथिली, मगही, भोजपुरीक क्षेत्रीय समूह — बिहारी समूह निकट क्षेत्रीय आर्य भाषासभक चर्चा करैत अछि।

३२०. (C) किछु वर्गीकरणमे मैथिली, मगही, भोजपुरीक क्षेत्रीय समूह — बिहारी समूह निकट क्षेत्रीय आर्य भाषासभक चर्चा करैत अछि।

३२१. (C) दुनू पूर्वी आर्य पृष्ठभूमिसँ जुड़ल मुदा स्वतंत्र भाषा — निकटता स्वतंत्रता समाप्त नहि करैत।

३२२. (D) दुनू पूर्वी आर्य पृष्ठभूमिसँ जुड़ल मुदा स्वतंत्र भाषा — निकटता स्वतंत्रता समाप्त नहि करैत।

३२३. (C) **दुनू पूर्वी आर्य पृष्ठभूमिसँ जुड़ल मुदा स्वतंत्र भाषा** — निकटता स्वतंत्रता समाप्त नहि करैत।

३२४. (B) **दुनू पूर्वी आर्य पृष्ठभूमिसँ जुड़ल मुदा स्वतंत्र भाषा** — निकटता स्वतंत्रता समाप्त नहि करैत।

३२५. (B) **दुनू पूर्वी आर्य पृष्ठभूमिसँ जुड़ल मुदा स्वतंत्र भाषा** — निकटता स्वतंत्रता समाप्त नहि करैत।

३२६. (B) **दुनू पूर्वी आर्य पृष्ठभूमिसँ जुड़ल मुदा स्वतंत्र भाषा** — निकटता स्वतंत्रता समाप्त नहि करैत।

३२७. (D) **दुनू पूर्वी आर्य पृष्ठभूमिसँ जुड़ल मुदा स्वतंत्र भाषा** — निकटता स्वतंत्रता समाप्त नहि करैत।

३२८. (A) **दुनू पूर्वी आर्य पृष्ठभूमिसँ जुड़ल मुदा स्वतंत्र भाषा** — निकटता स्वतंत्रता समाप्त नहि करैत।

३२९. (B) **दुनू पूर्वी आर्य पृष्ठभूमिसँ जुड़ल मुदा स्वतंत्र भाषा** — निकटता स्वतंत्रता समाप्त नहि करैत।

३३०. (A) **दुनू पूर्वी आर्य पृष्ठभूमिसँ जुड़ल मुदा स्वतंत्र भाषा** — निकटता स्वतंत्रता समाप्त नहि करैत।

३३१. (C) **पूर्वी आर्य परिदृश्य मे सम्बन्ध, मुदा अलग भाषा** — पूर्वी आर्य समूहमे अनेक स्वतंत्र भाषा अछि।

३३२. (B) **पूर्वी आर्य परिदृश्य मे सम्बन्ध, मुदा अलग भाषा** — पूर्वी आर्य समूहमे अनेक स्वतंत्र भाषा अछि।

३३३. (A) **पूर्वी आर्य परिदृश्य मे सम्बन्ध, मुदा अलग भाषा** — पूर्वी आर्य समूहमे अनेक स्वतंत्र भाषा अछि।

३३४. (C) **पूर्वी आर्य परिदृश्य मे सम्बन्ध, मुदा अलग भाषा** — पूर्वी आर्य समूहमे अनेक स्वतंत्र भाषा अछि।

३३५. (C) **पूर्वी आर्य परिदृश्य मे सम्बन्ध, मुदा अलग भाषा** — पूर्वी आर्य समूहमे अनेक स्वतंत्र भाषा अछि।

३३६. (D) **पूर्वी आर्य परिदृश्य मे सम्बन्ध, मुदा अलग भाषा** — पूर्वी आर्य समूहमे अनेक स्वतंत्र भाषा अछि।

३३७. (B) **पूर्वी आर्य परिदृश्य मे सम्बन्ध, मुदा अलग भाषा** — पूर्वी आर्य समूहमे अनेक स्वतंत्र भाषा अछि।

३३८. (A) **पूर्वी आर्य परिदृश्य मे सम्बन्ध, मुदा अलग भाषा** — पूर्वी आर्य समूहमे अनेक स्वतंत्र भाषा अछि।

३३९. (B) **पूर्वी आर्य परिदृश्य मे सम्बन्ध, मुदा अलग भाषा** — पूर्वी आर्य समूहमे अनेक स्वतंत्र भाषा अछि।

३४०. (C) **पूर्वी आर्य परिदृश्य मे सम्बन्ध, मुदा अलग भाषा** — पूर्वी आर्य समूहमे अनेक स्वतंत्र भाषा अछि।

३४१. (B) **पूर्वी हिन्द-आर्य धारा सँ व्यापक सम्बन्ध** — पूर्वी आर्य भाषासभमे क्षेत्रीय विविधता अछि।

३४२. (D) **पूर्वी हिन्द-आर्य धारा सँ व्यापक सम्बन्ध** — पूर्वी आर्य भाषासभमे क्षेत्रीय विविधता अछि।

३४३. (D) **पूर्वी हिन्द-आर्य धारा सँ व्यापक सम्बन्ध** — पूर्वी आर्य भाषासभमे क्षेत्रीय विविधता अछि।

३४४. (A) **पूर्वी हिन्द-आर्य धारा सँ व्यापक सम्बन्ध** — पूर्वी आर्य भाषासभमे क्षेत्रीय विविधता अछि।

३४५. (C) **पूर्वी हिन्द-आर्य धारा सँ व्यापक सम्बन्ध** — पूर्वी आर्य भाषासभमे क्षेत्रीय विविधता अछि।

३४६. (D) **पूर्वी हिन्द-आर्य धारा सँ व्यापक सम्बन्ध** — पूर्वी आर्य भाषासभमे क्षेत्रीय विविधता अछि।

३४७. (C) **पूर्वी हिन्द-आर्य धारा सँ व्यापक सम्बन्ध** — पूर्वी आर्य भाषासभमे क्षेत्रीय विविधता अछि।

३४८. (D) **पूर्वी हिन्द-आर्य धारा सँ व्यापक सम्बन्ध** — पूर्वी आर्य भाषासभमे क्षेत्रीय विविधता अछि।

३४९. (B) **पूर्वी हिन्द-आर्य धारा सँ व्यापक सम्बन्ध** — पूर्वी आर्य भाषासभमे क्षेत्रीय विविधता अछि।

३५०. (B) **पूर्वी हिन्द-आर्य धारा सँ व्यापक सम्बन्ध** — पूर्वी आर्य भाषासभमे क्षेत्रीय विविधता अछि।

३५१. (B) **मैथिली भाषाक सांस्कृतिक-ऐतिहासिक आधारभूमि** — भाषाक समाज आ क्षेत्र ओकर पहिचान बनबैत अछि।

३५२. (C) **मैथिली भाषाक सांस्कृतिक-ऐतिहासिक आधारभूमि** — भाषाक समाज आ क्षेत्र ओकर पहिचान बनबैत अछि।

३५३. (A) **मैथिली भाषाक सांस्कृतिक-ऐतिहासिक आधारभूमि** — भाषाक समाज आ क्षेत्र ओकर पहिचान बनबैत अछि।

३५४. (B) **मैथिली भाषाक सांस्कृतिक-ऐतिहासिक आधारभूमि** — भाषाक समाज आ क्षेत्र ओकर पहिचान बनबैत अछि।

३५५. (D) **मैथिली भाषाक सांस्कृतिक-ऐतिहासिक आधारभूमि** — भाषाक समाज आ क्षेत्र ओकर पहिचान बनबैत अछि।

३५६. (B) **मैथिली भाषाक सांस्कृतिक-ऐतिहासिक आधारभूमि** — भाषाक समाज आ क्षेत्र ओकर पहिचान बनबैत अछि।

३५७. (D) **मैथिली भाषाक सांस्कृतिक-ऐतिहासिक आधारभूमि** — भाषाक समाज आ क्षेत्र ओकर पहिचान बनबैत अछि।

३५८. (C) **मैथिली भाषाक सांस्कृतिक-ऐतिहासिक आधारभूमि** — भाषाक समाज आ क्षेत्र ओकर पहिचान बनबैत अछि।

३५९. (A) मैथिली भाषाक सांस्कृतिक-ऐतिहासिक आधारभूमि — भाषाक समाज आ क्षेत्र ओकर पहिचान बनबैत अछि।

३६०. (C) मैथिली भाषाक सांस्कृतिक-ऐतिहासिक आधारभूमि — भाषाक समाज आ क्षेत्र ओकर पहिचान बनबैत अछि।

३६१. (A) क्षेत्रीय प्रसारक प्रमाण, परिवारगत स्थान पूर्वी आर्ये — भूसीमा भाषा-परिवार नहि बदलैत।

३६२. (A) क्षेत्रीय प्रसारक प्रमाण, परिवारगत स्थान पूर्वी आर्ये — भूसीमा भाषा-परिवार नहि बदलैत।

३६३. (C) क्षेत्रीय प्रसारक प्रमाण, परिवारगत स्थान पूर्वी आर्ये — भूसीमा भाषा-परिवार नहि बदलैत।

३६४. (B) क्षेत्रीय प्रसारक प्रमाण, परिवारगत स्थान पूर्वी आर्ये — भूसीमा भाषा-परिवार नहि बदलैत।

३६५. (B) क्षेत्रीय प्रसारक प्रमाण, परिवारगत स्थान पूर्वी आर्ये — भूसीमा भाषा-परिवार नहि बदलैत।

३६६. (D) क्षेत्रीय प्रसारक प्रमाण, परिवारगत स्थान पूर्वी आर्ये — भूसीमा भाषा-परिवार नहि बदलैत।

३६७. (D) क्षेत्रीय प्रसारक प्रमाण, परिवारगत स्थान पूर्वी आर्ये — भूसीमा भाषा-परिवार नहि बदलैत।

३६८. (D) क्षेत्रीय प्रसारक प्रमाण, परिवारगत स्थान पूर्वी आर्ये — भूसीमा भाषा-परिवार नहि बदलैत।

३६९. (D) क्षेत्रीय प्रसारक प्रमाण, परिवारगत स्थान पूर्वी आर्ये — भूसीमा भाषा-परिवार नहि बदलैत।

३७०. (D) क्षेत्रीय प्रसारक प्रमाण, परिवारगत स्थान पूर्वी आर्ये — भूसीमा भाषा-परिवार नहि बदलैत।

३७१. (D) मैथिलीकेँ स्वतंत्र भाषा-पहिचान दैत अछि — साहित्यिक परम्परा भाषाक प्रतिष्ठा मजबूत करैत अछि।

३७२. (B) मैथिलीकेँ स्वतंत्र भाषा-पहिचान दैत अछि — साहित्यिक परम्परा भाषाक प्रतिष्ठा मजबूत करैत अछि।

३७३. (A) मैथिलीकेँ स्वतंत्र भाषा-पहिचान दैत अछि — साहित्यिक परम्परा भाषाक प्रतिष्ठा मजबूत करैत अछि।

३७४. (A) मैथिलीकेँ स्वतंत्र भाषा-पहिचान दैत अछि — साहित्यिक परम्परा भाषाक प्रतिष्ठा मजबूत करैत अछि।

३७५. (C) मैथिलीकेँ स्वतंत्र भाषा-पहिचान दैत अछि — साहित्यिक परम्परा भाषाक प्रतिष्ठा मजबूत करैत अछि।

३७६. (A) मैथिलीकेँ स्वतंत्र भाषा-पहिचान दैत अछि — साहित्यिक परम्परा भाषाक प्रतिष्ठा मजबूत करैत अछि।

३७७. (D) मैथिलीकेँ स्वतंत्र भाषा-पहिचान दैत अछि — साहित्यिक परम्परा भाषाक प्रतिष्ठा मजबूत करैत अछि।

३७८. (B) मैथिलीकेँ स्वतंत्र भाषा-पहिचान दैत अछि — साहित्यिक परम्परा भाषाक प्रतिष्ठा मजबूत करैत अछि।

३७९. (B) मैथिलीकेँ स्वतंत्र भाषा-पहिचान दैत अछि — साहित्यिक परम्परा भाषाक प्रतिष्ठा मजबूत करैत अछि।

३८०. (A) मैथिलीकेँ स्वतंत्र भाषा-पहिचान दैत अछि — साहित्यिक परम्परा भाषाक प्रतिष्ठा मजबूत करैत अछि।

३८१. (C) शिक्षा, लेखन आ प्रकाशनक समन्वित रूप — मानक रूप व्यापक संप्रेषणमे सहायक अछि।

३८२. (A) शिक्षा, लेखन आ प्रकाशनक समन्वित रूप — मानक रूप व्यापक संप्रेषणमे सहायक अछि।

३८३. (C) शिक्षा, लेखन आ प्रकाशनक समन्वित रूप — मानक रूप व्यापक संप्रेषणमे सहायक अछि।

३८४. (B) शिक्षा, लेखन आ प्रकाशनक समन्वित रूप — मानक रूप व्यापक संप्रेषणमे सहायक अछि।

३८५. (B) शिक्षा, लेखन आ प्रकाशनक समन्वित रूप — मानक रूप व्यापक संप्रेषणमे सहायक अछि।

३८६. (C) शिक्षा, लेखन आ प्रकाशनक समन्वित रूप — मानक रूप व्यापक संप्रेषणमे सहायक अछि।

३८७. (D) शिक्षा, लेखन आ प्रकाशनक समन्वित रूप — मानक रूप व्यापक संप्रेषणमे सहायक अछि।

३८८. (D) शिक्षा, लेखन आ प्रकाशनक समन्वित रूप — मानक रूप व्यापक संप्रेषणमे सहायक अछि।

३८९. (A) शिक्षा, लेखन आ प्रकाशनक समन्वित रूप — मानक रूप व्यापक संप्रेषणमे सहायक अछि।

३९०. (C) शिक्षा, लेखन आ प्रकाशनक समन्वित रूप — मानक रूप व्यापक संप्रेषणमे सहायक अछि।

३९१. (B) मैथिली भारोपीयक हिन्द-ईरानी, हिन्द-आर्य, पूर्वी आर्य धारा मे स्थित — ई मैथिलीक पूरा परीक्षा-योग्य वर्गीकरण अछि।

३९२. (D) मैथिली भारोपीयक हिन्द-ईरानी, हिन्द-आर्य, पूर्वी आर्य धारा मे स्थित — ई मैथिलीक पूरा परीक्षा-योग्य वर्गीकरण अछि।

३९३. (C) मैथिली भारोपीयक हिन्द-ईरानी, हिन्द-आर्य, पूर्वी आर्य धारा मे स्थित — ई मैथिलीक पूरा परीक्षा-योग्य वर्गीकरण अछि।

३९४. (C) मैथिली भारोपीयक हिन्द-ईरानी, हिन्द-आर्य, पूर्वी आर्य धारा मे स्थित — ई मैथिलीक पूरा परीक्षा-योग्य वर्गीकरण अछि।

३९५. (A) **मैथिली भारोपीयक हिन्द-ईरानी, हिन्द-आर्य, पूर्वी आर्य धारा मे स्थित** — ई मैथिलीक पूरा परीक्षा-योग्य वर्गीकरण अछि।

३९६. (D) **मैथिली भारोपीयक हिन्द-ईरानी, हिन्द-आर्य, पूर्वी आर्य धारा मे स्थित** — ई मैथिलीक पूरा परीक्षा-योग्य वर्गीकरण अछि।

३९७. (B) **मैथिली भारोपीयक हिन्द-ईरानी, हिन्द-आर्य, पूर्वी आर्य धारा मे स्थित** — ई मैथिलीक पूरा परीक्षा-योग्य वर्गीकरण अछि।

३९८. (C) **मैथिली भारोपीयक हिन्द-ईरानी, हिन्द-आर्य, पूर्वी आर्य धारा मे स्थित** — ई मैथिलीक पूरा परीक्षा-योग्य वर्गीकरण अछि।

३९९. (A) **मैथिली भारोपीयक हिन्द-ईरानी, हिन्द-आर्य, पूर्वी आर्य धारा मे स्थित** — ई मैथिलीक पूरा परीक्षा-योग्य वर्गीकरण अछि।

४००. (D) **मैथिली भारोपीयक हिन्द-ईरानी, हिन्द-आर्य, पूर्वी आर्य धारा मे स्थित** — ई मैथिलीक पूरा परीक्षा-योग्य वर्गीकरण अछि।

४०१. (A) **निकट पड़ोसी हिन्द-आर्य भाषा, मुदा अलग पहचान** — निकटता आ भिन्नता दुनू देखबाक चाही।

४०२. (B) **निकट पड़ोसी हिन्द-आर्य भाषा, मुदा अलग पहचान** — निकटता आ भिन्नता दुनू देखबाक चाही।

४०३. (B) **निकट पड़ोसी हिन्द-आर्य भाषा, मुदा अलग पहचान** — निकटता आ भिन्नता दुनू देखबाक चाही।

४०४. (C) **निकट पड़ोसी हिन्द-आर्य भाषा, मुदा अलग पहचान** — निकटता आ भिन्नता दुनू देखबाक चाही।

४०५. (A) **निकट पड़ोसी हिन्द-आर्य भाषा, मुदा अलग पहचान** — निकटता आ भिन्नता दुनू देखबाक चाही।

४०६. (B) **निकट पड़ोसी हिन्द-आर्य भाषा, मुदा अलग पहचान** — निकटता आ भिन्नता दुनू देखबाक चाही।

४०७. (A) **निकट पड़ोसी हिन्द-आर्य भाषा, मुदा अलग पहचान** — निकटता आ भिन्नता दुनू देखबाक चाही।

४०८. (B) **निकट पड़ोसी हिन्द-आर्य भाषा, मुदा अलग पहचान** — निकटता आ भिन्नता दुनू देखबाक चाही।

४०९. (D) **निकट पड़ोसी हिन्द-आर्य भाषा, मुदा अलग पहचान** — निकटता आ भिन्नता दुनू देखबाक चाही।

४१०. (C) **निकट पड़ोसी हिन्द-आर्य भाषा, मुदा अलग पहचान** — निकटता आ भिन्नता दुनू देखबाक चाही।

४११. (B) **दुनू हिन्द-आर्य, किछु वर्गीकरणमे बिहारी समूहमे** — दू भाषाक तुलना पूर्वी आर्य अध्ययनमे उपयोगी अछि।

४१२. (D) **दुनू हिन्द-आर्य, किछु वर्गीकरणमे बिहारी समूहमे** — दू भाषाक तुलना पूर्वी आर्य अध्ययनमे उपयोगी अछि।

४१३. (C) **दुनू हिन्द-आर्य, किछु वर्गीकरणमे बिहारी समूहमे** — दू भाषाक तुलना पूर्वी आर्य अध्ययनमे उपयोगी अछि।

४१४. (B) **दुनू हिन्द-आर्य, किछु वर्गीकरणमे बिहारी समूहमे** — दू भाषाक तुलना पूर्वी आर्य अध्ययनमे उपयोगी अछि।

४१५. (B) **दुनू हिन्द-आर्य, किछु वर्गीकरणमे बिहारी समूहमे** — दू भाषाक तुलना पूर्वी आर्य अध्ययनमे उपयोगी अछि।

४१६. (A) **दुनू हिन्द-आर्य, किछु वर्गीकरणमे बिहारी समूहमे** — दू भाषाक तुलना पूर्वी आर्य अध्ययनमे उपयोगी अछि।

४१७. (D) **दुनू हिन्द-आर्य, किछु वर्गीकरणमे बिहारी समूहमे** — दू भाषाक तुलना पूर्वी आर्य अध्ययनमे उपयोगी अछि।

४१८. (D) **दुनू हिन्द-आर्य, किछु वर्गीकरणमे बिहारी समूहमे** — दू भाषाक तुलना पूर्वी आर्य अध्ययनमे उपयोगी अछि।

४१९. (A) **दुनू हिन्द-आर्य, किछु वर्गीकरणमे बिहारी समूहमे** — दू भाषाक तुलना पूर्वी आर्य अध्ययनमे उपयोगी अछि।

४२०. (A) **दुनू हिन्द-आर्य, किछु वर्गीकरणमे बिहारी समूहमे** — दू भाषाक तुलना पूर्वी आर्य अध्ययनमे उपयोगी अछि।

४२१. (D) **दुनू हिन्द-आर्य, मुदा स्वतंत्र इतिहास-साहित्य** — एके व्यापक परिवारमे स्वतंत्र भाषासभ रहि सकैत अछि।

४२२. (C) **दुनू हिन्द-आर्य, मुदा स्वतंत्र इतिहास-साहित्य** — एके व्यापक परिवारमे स्वतंत्र भाषासभ रहि सकैत अछि।

४२३. (D) **दुनू हिन्द-आर्य, मुदा स्वतंत्र इतिहास-साहित्य** — एके व्यापक परिवारमे स्वतंत्र भाषासभ रहि सकैत अछि।

४२४. (A) **दुनू हिन्द-आर्य, मुदा स्वतंत्र इतिहास-साहित्य** — एके व्यापक परिवारमे स्वतंत्र भाषासभ रहि सकैत अछि।

४२५. (A) **दुनू हिन्द-आर्य, मुदा स्वतंत्र इतिहास-साहित्य** — एके व्यापक परिवारमे स्वतंत्र भाषासभ रहि सकैत अछि।

४२६. (D) **दुनू हिन्द-आर्य, मुदा स्वतंत्र इतिहास-साहित्य** — एके व्यापक परिवारमे स्वतंत्र भाषासभ रहि सकैत अछि।

४२७. (B) **दुनू हिन्द-आर्य, मुदा स्वतंत्र इतिहास-साहित्य** — एके व्यापक परिवारमे स्वतंत्र भाषासभ रहि सकैत अछि।

४२८. (B) **दुनू हिन्द-आर्य, मुदा स्वतंत्र इतिहास-साहित्य** — एके व्यापक परिवारमे स्वतंत्र भाषासभ रहि सकैत अछि।

४२९. (B) **दुनू हिन्द-आर्य, मुदा स्वतंत्र इतिहास-साहित्य** — एके व्यापक परिवारमे स्वतंत्र भाषासभ रहि सकैत अछि।

४३०. (B) **दुनू हिन्द-आर्य, मुदा स्वतंत्र इतिहास-साहित्य** — एके व्यापक परिवारमे स्वतंत्र भाषासभ रहि सकैत अछि।

४३१. (C) नेपालमे मैथिली प्रयोगित, मुदा नेपालीसँ समान स्तरक निकटता नहि — भौगोलिक प्रयोग आ वंशगत वर्गीकरण अलग अछि।

४३२. (C) नेपालमे मैथिली प्रयोगित, मुदा नेपालीसँ समान स्तरक निकटता नहि — भौगोलिक प्रयोग आ वंशगत वर्गीकरण अलग अछि।

४३३. (D) नेपालमे मैथिली प्रयोगित, मुदा नेपालीसँ समान स्तरक निकटता नहि — भौगोलिक प्रयोग आ वंशगत वर्गीकरण अलग अछि।

४३४. (B) नेपालमे मैथिली प्रयोगित, मुदा नेपालीसँ समान स्तरक निकटता नहि — भौगोलिक प्रयोग आ वंशगत वर्गीकरण अलग अछि।

४३५. (D) नेपालमे मैथिली प्रयोगित, मुदा नेपालीसँ समान स्तरक निकटता नहि — भौगोलिक प्रयोग आ वंशगत वर्गीकरण अलग अछि।

४३६. (A) नेपालमे मैथिली प्रयोगित, मुदा नेपालीसँ समान स्तरक निकटता नहि — भौगोलिक प्रयोग आ वंशगत वर्गीकरण अलग अछि।

४३७. (D) नेपालमे मैथिली प्रयोगित, मुदा नेपालीसँ समान स्तरक निकटता नहि — भौगोलिक प्रयोग आ वंशगत वर्गीकरण अलग अछि।

४३८. (D) नेपालमे मैथिली प्रयोगित, मुदा नेपालीसँ समान स्तरक निकटता नहि — भौगोलिक प्रयोग आ वंशगत वर्गीकरण अलग अछि।

४३९. (A) नेपालमे मैथिली प्रयोगित, मुदा नेपालीसँ समान स्तरक निकटता नहि — भौगोलिक प्रयोग आ वंशगत वर्गीकरण अलग अछि।

४४०. (D) नेपालमे मैथिली प्रयोगित, मुदा नेपालीसँ समान स्तरक निकटता नहि — भौगोलिक प्रयोग आ वंशगत वर्गीकरण अलग अछि।

४४१. (A) भाषा-जीवनक लोक आधार — बोलीसँ भाषा मुहावरा आ जीवन-रस पबैत अछि।

४४२. (B) भाषा-जीवनक लोक आधार — बोलीसँ भाषा मुहावरा आ जीवन-रस पबैत अछि।

४४३. (B) भाषा-जीवनक लोक आधार — बोलीसँ भाषा मुहावरा आ जीवन-रस पबैत अछि।

४४४. (B) भाषा-जीवनक लोक आधार — बोलीसँ भाषा मुहावरा आ जीवन-रस पबैत अछि।

४४५. (B) भाषा-जीवनक लोक आधार — बोलीसँ भाषा मुहावरा आ जीवन-रस पबैत अछि।

४४६. (C) भाषा-जीवनक लोक आधार — बोलीसँ भाषा मुहावरा आ जीवन-रस पबैत अछि।

४४७. (D) भाषा-जीवनक लोक आधार — बोलीसँ भाषा मुहावरा आ जीवन-रस पबैत अछि।

४४८. (C) भाषा-जीवनक लोक आधार — बोलीसँ भाषा मुहावरा आ जीवन-रस पबैत अछि।

४४९. (D) भाषा-जीवनक लोक आधार — बोलीसँ भाषा मुहावरा आ जीवन-रस पबैत अछि।

४५०. (A) भाषा-जीवनक लोक आधार — बोलीसँ भाषा मुहावरा आ जीवन-रस पबैत अछि।

४५१. (B) भाषा-समुदायक स्वाभाविक विविधता — उच्चारण-भिन्नता भाषा-अध्ययनक महत्त्वपूर्ण सामग्री अछि।

४५२. (C) भाषा-समुदायक स्वाभाविक विविधता — उच्चारण-भिन्नता भाषा-अध्ययनक महत्त्वपूर्ण सामग्री अछि।

४५३. (A) भाषा-समुदायक स्वाभाविक विविधता — उच्चारण-भिन्नता भाषा-अध्ययनक महत्त्वपूर्ण सामग्री अछि।

४५४. (C) भाषा-समुदायक स्वाभाविक विविधता — उच्चारण-भिन्नता भाषा-अध्ययनक महत्त्वपूर्ण सामग्री अछि।

४५५. (D) भाषा-समुदायक स्वाभाविक विविधता — उच्चारण-भिन्नता भाषा-अध्ययनक महत्त्वपूर्ण सामग्री अछि।

४५६. (D) भाषा-समुदायक स्वाभाविक विविधता — उच्चारण-भिन्नता भाषा-अध्ययनक महत्त्वपूर्ण सामग्री अछि।

४५७. (A) भाषा-समुदायक स्वाभाविक विविधता — उच्चारण-भिन्नता भाषा-अध्ययनक महत्त्वपूर्ण सामग्री अछि।

४५८. (B) भाषा-समुदायक स्वाभाविक विविधता — उच्चारण-भिन्नता भाषा-अध्ययनक महत्त्वपूर्ण सामग्री अछि।

४५९. (C) भाषा-समुदायक स्वाभाविक विविधता — उच्चारण-भिन्नता भाषा-अध्ययनक महत्त्वपूर्ण सामग्री अछि।

४६०. (C) भाषा-समुदायक स्वाभाविक विविधता — उच्चारण-भिन्नता भाषा-अध्ययनक महत्त्वपूर्ण सामग्री अछि।

४६१. (A) संस्कृत-रूपक निकट शब्द — तत्सम मैथिलीक संस्कृत-साहित्यिक सम्पर्क देखबैत अछि।

४६२. (C) संस्कृत-रूपक निकट शब्द — तत्सम मैथिलीक संस्कृत-साहित्यिक सम्पर्क देखबैत अछि।

४६३. (D) संस्कृत-रूपक निकट शब्द — तत्सम मैथिलीक संस्कृत-साहित्यिक सम्पर्क देखबैत अछि।

४६४. (D) संस्कृत-रूपक निकट शब्द — तत्सम मैथिलीक संस्कृत-साहित्यिक सम्पर्क देखबैत अछि।

४६५. (A) संस्कृत-रूपक निकट शब्द — तत्सम मैथिलीक संस्कृत-साहित्यिक सम्पर्क देखबैत अछि।

४६६. (B) संस्कृत-रूपक निकट शब्द — तत्सम मैथिलीक संस्कृत-साहित्यिक सम्पर्क देखबैत अछि।

४६७. **(B) संस्कृत-रूपक निकट शब्द** — तत्सम मैथिलीक संस्कृत-साहित्यिक सम्पर्क देखबैत अछि।

४६८. **(A) संस्कृत-रूपक निकट शब्द** — तत्सम मैथिलीक संस्कृत-साहित्यिक सम्पर्क देखबैत अछि।

४६९. **(D) संस्कृत-रूपक निकट शब्द** — तत्सम मैथिलीक संस्कृत-साहित्यिक सम्पर्क देखबैत अछि।

४७०. **(A) संस्कृत-रूपक निकट शब्द** — तत्सम मैथिलीक संस्कृत-साहित्यिक सम्पर्क देखबैत अछि।

४७१. **(D) ऐतिहासिक ध्वनि-परिवर्तनसँ विकसित आर्य शब्द** — तद्भव शब्द भाषा-विकासक निशान रखैत अछि।

४७२. **(C) ऐतिहासिक ध्वनि-परिवर्तनसँ विकसित आर्य शब्द** — तद्भव शब्द भाषा-विकासक निशान रखैत अछि।

४७३. **(D) ऐतिहासिक ध्वनि-परिवर्तनसँ विकसित आर्य शब्द** — तद्भव शब्द भाषा-विकासक निशान रखैत अछि।

४७४. **(B) ऐतिहासिक ध्वनि-परिवर्तनसँ विकसित आर्य शब्द** — तद्भव शब्द भाषा-विकासक निशान रखैत अछि।

४७५. **(C) ऐतिहासिक ध्वनि-परिवर्तनसँ विकसित आर्य शब्द** — तद्भव शब्द भाषा-विकासक निशान रखैत अछि।

४७६. **(D) ऐतिहासिक ध्वनि-परिवर्तनसँ विकसित आर्य शब्द** — तद्भव शब्द भाषा-विकासक निशान रखैत अछि।

४७७. **(B) ऐतिहासिक ध्वनि-परिवर्तनसँ विकसित आर्य शब्द** — तद्भव शब्द भाषा-विकासक निशान रखैत अछि।

४७८. **(D) ऐतिहासिक ध्वनि-परिवर्तनसँ विकसित आर्य शब्द** — तद्भव शब्द भाषा-विकासक निशान रखैत अछि।

४७९. **(C) ऐतिहासिक ध्वनि-परिवर्तनसँ विकसित आर्य शब्द** — तद्भव शब्द भाषा-विकासक निशान रखैत अछि।

४८०. **(C) ऐतिहासिक ध्वनि-परिवर्तनसँ विकसित आर्य शब्द** — तद्भव शब्द भाषा-विकासक निशान रखैत अछि।

४८१. **(A) स्थानीय लोकजीवनसँ उपजल शब्द** — देशज शब्द क्षेत्रीय संस्कृति आ लोक अनुभव देखबैत अछि।

४८२. **(A) स्थानीय लोकजीवनसँ उपजल शब्द** — देशज शब्द क्षेत्रीय संस्कृति आ लोक अनुभव देखबैत अछि।

४८३. **(D) स्थानीय लोकजीवनसँ उपजल शब्द** — देशज शब्द क्षेत्रीय संस्कृति आ लोक अनुभव देखबैत अछि।

४८४. **(A) स्थानीय लोकजीवनसँ उपजल शब्द** — देशज शब्द क्षेत्रीय संस्कृति आ लोक अनुभव देखबैत अछि।

४८५. **(B) स्थानीय लोकजीवनसँ उपजल शब्द** — देशज शब्द क्षेत्रीय संस्कृति आ लोक अनुभव देखबैत अछि।

४८६. **(B) स्थानीय लोकजीवनसँ उपजल शब्द** — देशज शब्द क्षेत्रीय संस्कृति आ लोक अनुभव देखबैत अछि।

४८७. **(A) स्थानीय लोकजीवनसँ उपजल शब्द** — देशज शब्द क्षेत्रीय संस्कृति आ लोक अनुभव देखबैत अछि।

४८८. **(C) स्थानीय लोकजीवनसँ उपजल शब्द** — देशज शब्द क्षेत्रीय संस्कृति आ लोक अनुभव देखबैत अछि।

४८९. **(D) स्थानीय लोकजीवनसँ उपजल शब्द** — देशज शब्द क्षेत्रीय संस्कृति आ लोक अनुभव देखबैत अछि।

४९०. **(C) स्थानीय लोकजीवनसँ उपजल शब्द** — देशज शब्द क्षेत्रीय संस्कृति आ लोक अनुभव देखबैत अछि।

४९१. **(A) सम्पर्कसँ दोसर भाषासँ आयल शब्द** — आगन्तुक शब्द सम्पर्कक फल अछि, वंशक अकेला प्रमाण नहि।

४९२. **(C) सम्पर्कसँ दोसर भाषासँ आयल शब्द** — आगन्तुक शब्द सम्पर्कक फल अछि, वंशक अकेला प्रमाण नहि।

४९३. **(A) सम्पर्कसँ दोसर भाषासँ आयल शब्द** — आगन्तुक शब्द सम्पर्कक फल अछि, वंशक अकेला प्रमाण नहि।

४९४. **(B) सम्पर्कसँ दोसर भाषासँ आयल शब्द** — आगन्तुक शब्द सम्पर्कक फल अछि, वंशक अकेला प्रमाण नहि।

४९५. **(D) सम्पर्कसँ दोसर भाषासँ आयल शब्द** — आगन्तुक शब्द सम्पर्कक फल अछि, वंशक अकेला प्रमाण नहि।

४९६. **(B) सम्पर्कसँ दोसर भाषासँ आयल शब्द** — आगन्तुक शब्द सम्पर्कक फल अछि, वंशक अकेला प्रमाण नहि।

४९७. **(D) सम्पर्कसँ दोसर भाषासँ आयल शब्द** — आगन्तुक शब्द सम्पर्कक फल अछि, वंशक अकेला प्रमाण नहि।

४९८. **(D) सम्पर्कसँ दोसर भाषासँ आयल शब्द** — आगन्तुक शब्द सम्पर्कक फल अछि, वंशक अकेला प्रमाण नहि।

४९९. **(B) सम्पर्कसँ दोसर भाषासँ आयल शब्द** — आगन्तुक शब्द सम्पर्कक फल अछि, वंशक अकेला प्रमाण नहि।

५००. **(A) सम्पर्कसँ दोसर भाषासँ आयल शब्द** — आगन्तुक शब्द सम्पर्कक फल अछि, वंशक अकेला प्रमाण नहि।

५०१. **(A) क्रमिक विकासक ऐतिहासिक सम्बन्ध, प्रत्यक्ष बिना बदलावक समानता नहि** — ऐतिहासिक सम्बन्ध क्रमिक परिवर्तनक रूपमे बुझबाक चाही।

५०२. **(A) क्रमिक विकासक ऐतिहासिक सम्बन्ध, प्रत्यक्ष बिना बदलावक समानता नहि** — ऐतिहासिक सम्बन्ध क्रमिक परिवर्तनक रूपमे बुझबाक चाही।

५०३. **(C) क्रमिक विकासक ऐतिहासिक सम्बन्ध, प्रत्यक्ष बिना बदलावक समानता नहि** — ऐतिहासिक सम्बन्ध क्रमिक परिवर्तनक रूपमे बुझबाक चाही।

५०४. **(A) क्रमिक विकासक ऐतिहासिक सम्बन्ध, प्रत्यक्ष बिना बदलावक समानता नहि** — ऐतिहासिक सम्बन्ध क्रमिक परिवर्तनक रूपमे बुझबाक चाही।

५०५. **(A) क्रमिक विकासक ऐतिहासिक सम्बन्ध, प्रत्यक्ष बिना बदलावक समानता नहि** — ऐतिहासिक सम्बन्ध क्रमिक परिवर्तनक रूपमे बुझबाक चाही।

५०६. **(C) क्रमिक विकासक ऐतिहासिक सम्बन्ध, प्रत्यक्ष बिना बदलावक समानता नहि** — ऐतिहासिक सम्बन्ध क्रमिक परिवर्तनक रूपमे बुझबाक चाही।

५०७. **(B) क्रमिक विकासक ऐतिहासिक सम्बन्ध, प्रत्यक्ष बिना बदलावक समानता नहि** — ऐतिहासिक सम्बन्ध क्रमिक परिवर्तनक रूपमे बुझबाक चाही।

५०८. **(A) क्रमिक विकासक ऐतिहासिक सम्बन्ध, प्रत्यक्ष बिना बदलावक समानता नहि** — ऐतिहासिक सम्बन्ध क्रमिक परिवर्तनक रूपमे बुझबाक चाही।

५०९. **(D) क्रमिक विकासक ऐतिहासिक सम्बन्ध, प्रत्यक्ष बिना बदलावक समानता नहि** — ऐतिहासिक सम्बन्ध क्रमिक परिवर्तनक रूपमे बुझबाक चाही।

५१०. **(B) क्रमिक विकासक ऐतिहासिक सम्बन्ध, प्रत्यक्ष बिना बदलावक समानता नहि** — ऐतिहासिक सम्बन्ध क्रमिक परिवर्तनक रूपमे बुझबाक चाही।

५११. **(A) मध्य आर्य परम्पराक महत्त्वपूर्ण भाषा** — पाली आ प्राकृत मध्य आर्य परिदृश्य बनबैत अछि।

५१२. **(B) मध्य आर्य परम्पराक महत्त्वपूर्ण भाषा** — पाली आ प्राकृत मध्य आर्य परिदृश्य बनबैत अछि।

५१३. **(A) मध्य आर्य परम्पराक महत्त्वपूर्ण भाषा** — पाली आ प्राकृत मध्य आर्य परिदृश्य बनबैत अछि।

५१४. **(A) मध्य आर्य परम्पराक महत्त्वपूर्ण भाषा** — पाली आ प्राकृत मध्य आर्य परिदृश्य बनबैत अछि।

५१५. **(A) मध्य आर्य परम्पराक महत्त्वपूर्ण भाषा** — पाली आ प्राकृत मध्य आर्य परिदृश्य बनबैत अछि।

५१६. **(C) मध्य आर्य परम्पराक महत्त्वपूर्ण भाषा** — पाली आ प्राकृत मध्य आर्य परिदृश्य बनबैत अछि।

५१७. **(A) मध्य आर्य परम्पराक महत्त्वपूर्ण भाषा** — पाली आ प्राकृत मध्य आर्य परिदृश्य बनबैत अछि।

५१८. **(A) मध्य आर्य परम्पराक महत्त्वपूर्ण भाषा** — पाली आ प्राकृत मध्य आर्य परिदृश्य बनबैत अछि।

५१९. **(D) मध्य आर्य परम्पराक महत्त्वपूर्ण भाषा** — पाली आ प्राकृत मध्य आर्य परिदृश्य बनबैत अछि।

५२०. **(A) मध्य आर्य परम्पराक महत्त्वपूर्ण भाषा** — पाली आ प्राकृत मध्य आर्य परिदृश्य बनबैत अछि।

५२१. **(D) पूर्वीय सम्बन्धित मध्य आर्य रूपसभमे चर्चित** — पूर्वी आर्य पृष्ठभूमि बुझबामे अर्धमागधी उपयोगी अछि।

५२२. **(A) पूर्वीय सम्बन्धित मध्य आर्य रूपसभमे चर्चित** — पूर्वी आर्य पृष्ठभूमि बुझबामे अर्धमागधी उपयोगी अछि।

५२३. **(B) पूर्वीय सम्बन्धित मध्य आर्य रूपसभमे चर्चित** — पूर्वी आर्य पृष्ठभूमि बुझबामे अर्धमागधी उपयोगी अछि।

५२४. **(B) पूर्वीय सम्बन्धित मध्य आर्य रूपसभमे चर्चित** — पूर्वी आर्य पृष्ठभूमि बुझबामे अर्धमागधी उपयोगी अछि।

५२५. **(A) पूर्वीय सम्बन्धित मध्य आर्य रूपसभमे चर्चित** — पूर्वी आर्य पृष्ठभूमि बुझबामे अर्धमागधी उपयोगी अछि।

५२६. **(C) पूर्वीय सम्बन्धित मध्य आर्य रूपसभमे चर्चित** — पूर्वी आर्य पृष्ठभूमि बुझबामे अर्धमागधी उपयोगी अछि।

५२७. **(D) पूर्वीय सम्बन्धित मध्य आर्य रूपसभमे चर्चित** — पूर्वी आर्य पृष्ठभूमि बुझबामे अर्धमागधी उपयोगी अछि।

५२८. **(A) पूर्वीय सम्बन्धित मध्य आर्य रूपसभमे चर्चित** — पूर्वी आर्य पृष्ठभूमि बुझबामे अर्धमागधी उपयोगी अछि।

५२९. **(B) पूर्वीय सम्बन्धित मध्य आर्य रूपसभमे चर्चित** — पूर्वी आर्य पृष्ठभूमि बुझबामे अर्धमागधी उपयोगी अछि।

५३०. **(D) पूर्वीय सम्बन्धित मध्य आर्य रूपसभमे चर्चित** — पूर्वी आर्य पृष्ठभूमि बुझबामे अर्धमागधी उपयोगी अछि।

५३१. **(A) नव आर्य भाषाक आरम्भिक रूप स्पष्ट करयवला चरण** — मैथिलीक आरम्भिक धरातल उत्तर-अपभ्रंश-अवहट्ठसँ जुड़ैत अछि।

५३२. **(C) नव आर्य भाषाक आरम्भिक रूप स्पष्ट करयवला चरण** — मैथिलीक आरम्भिक धरातल उत्तर-अपभ्रंश-अवहट्ठसँ जुड़ैत अछि।

५३३. **(A) नव आर्य भाषाक आरम्भिक रूप स्पष्ट करयवला चरण** — मैथिलीक आरम्भिक धरातल उत्तर-अपभ्रंश-अवहट्ठसँ जुड़ैत अछि।

५३४. **(D) नव आर्य भाषाक आरम्भिक रूप स्पष्ट करयवला चरण** — मैथिलीक आरम्भिक धरातल उत्तर-अपभ्रंश-अवहट्ठसँ जुड़ैत अछि।

५३५. **(C) नव आर्य भाषाक आरम्भिक रूप स्पष्ट करयवला चरण** — मैथिलीक आरम्भिक धरातल उत्तर-अपभ्रंश-अवहट्ठसँ जुड़ैत अछि।

५३६. **(C) नव आर्य भाषाक आरम्भिक रूप स्पष्ट करयवला चरण** — मैथिलीक आरम्भिक धरातल उत्तर-अपभ्रंश-अवहट्ठसँ जुड़ैत अछि।

५३७. **(D) नव आर्य भाषाक आरम्भिक रूप स्पष्ट करयवला चरण** — मैथिलीक आरम्भिक धरातल उत्तर-अपभ्रंश-अवहट्ठसँ जुड़ैत अछि।

५३८. **(A) नव आर्य भाषाक आरम्भिक रूप स्पष्ट करयवला चरण** — मैथिलीक आरम्भिक धरातल उत्तर-अपभ्रंश-अवहट्ठसँ जुड़ैत अछि।

५३९. (A) नव आर्य भाषाक आरम्भिक रूप स्पष्ट करयवला चरण — मैथिलीक आरम्भिक धरातल उत्तर-अपभ्रंश-अवहट्ठसँ जुड़ैत अछि।

५४०. (D) नव आर्य भाषाक आरम्भिक रूप स्पष्ट करयवला चरण — मैथिलीक आरम्भिक धरातल उत्तर-अपभ्रंश-अवहट्ठसँ जुड़ैत अछि।

५४१. (D) संस्कृत → प्राकृत → अपभ्रंश → अवहट्ठ → मैथिली — ई सरलीकृत क्रम परीक्षा उत्तरमे उपयोगी अछि।

५४२. (A) संस्कृत → प्राकृत → अपभ्रंश → अवहट्ठ → मैथिली — ई सरलीकृत क्रम परीक्षा उत्तरमे उपयोगी अछि।

५४३. (A) संस्कृत → प्राकृत → अपभ्रंश → अवहट्ठ → मैथिली — ई सरलीकृत क्रम परीक्षा उत्तरमे उपयोगी अछि।

५४४. (C) संस्कृत → प्राकृत → अपभ्रंश → अवहट्ठ → मैथिली — ई सरलीकृत क्रम परीक्षा उत्तरमे उपयोगी अछि।

५४५. (D) संस्कृत → प्राकृत → अपभ्रंश → अवहट्ठ → मैथिली — ई सरलीकृत क्रम परीक्षा उत्तरमे उपयोगी अछि।

५४६. (A) संस्कृत → प्राकृत → अपभ्रंश → अवहट्ठ → मैथिली — ई सरलीकृत क्रम परीक्षा उत्तरमे उपयोगी अछि।

५४७. (C) संस्कृत → प्राकृत → अपभ्रंश → अवहट्ठ → मैथिली — ई सरलीकृत क्रम परीक्षा उत्तरमे उपयोगी अछि।

५४८. (A) संस्कृत → प्राकृत → अपभ्रंश → अवहट्ठ → मैथिली — ई सरलीकृत क्रम परीक्षा उत्तरमे उपयोगी अछि।

५४९. (C) संस्कृत → प्राकृत → अपभ्रंश → अवहट्ठ → मैथिली — ई सरलीकृत क्रम परीक्षा उत्तरमे उपयोगी अछि।

५५०. (B) संस्कृत → प्राकृत → अपभ्रंश → अवहट्ठ → मैथिली — ई सरलीकृत क्रम परीक्षा उत्तरमे उपयोगी अछि।

५५१. (A) पुरान रूप नव भाषामे बदलि भिन्न ध्वनि ग्रहण करैत अछि — ध्वनि-बदलाव भाषा-विकासक प्राकृतिक भाग अछि।

५५२. (B) पुरान रूप नव भाषामे बदलि भिन्न ध्वनि ग्रहण करैत अछि — ध्वनि-बदलाव भाषा-विकासक प्राकृतिक भाग अछि।

५५३. (D) पुरान रूप नव भाषामे बदलि भिन्न ध्वनि ग्रहण करैत अछि — ध्वनि-बदलाव भाषा-विकासक प्राकृतिक भाग अछि।

५५४. (C) पुरान रूप नव भाषामे बदलि भिन्न ध्वनि ग्रहण करैत अछि — ध्वनि-बदलाव भाषा-विकासक प्राकृतिक भाग अछि।

५५५. (B) पुरान रूप नव भाषामे बदलि भिन्न ध्वनि ग्रहण करैत अछि — ध्वनि-बदलाव भाषा-विकासक प्राकृतिक भाग अछि।

५५६. (A) पुरान रूप नव भाषामे बदलि भिन्न ध्वनि ग्रहण करैत अछि — ध्वनि-बदलाव भाषा-विकासक प्राकृतिक भाग अछि।

५५७. (B) पुरान रूप नव भाषामे बदलि भिन्न ध्वनि ग्रहण करैत अछि — ध्वनि-बदलाव भाषा-विकासक प्राकृतिक भाग अछि।

५५८. (C) पुरान रूप नव भाषामे बदलि भिन्न ध्वनि ग्रहण करैत अछि — ध्वनि-बदलाव भाषा-विकासक प्राकृतिक भाग अछि।

५५९. (C) पुरान रूप नव भाषामे बदलि भिन्न ध्वनि ग्रहण करैत अछि — ध्वनि-बदलाव भाषा-विकासक प्राकृतिक भाग अछि।

५६०. (A) पुरान रूप नव भाषामे बदलि भिन्न ध्वनि ग्रहण करैत अछि — ध्वनि-बदलाव भाषा-विकासक प्राकृतिक भाग अछि।

५६१. (C) विभक्ति, प्रत्यय, क्रिया आदि मे ऐतिहासिक बदलाव — रूपविज्ञान ऐतिहासिक सम्बन्ध देखबामे सहायक अछि।

५६२. (D) विभक्ति, प्रत्यय, क्रिया आदि मे ऐतिहासिक बदलाव — रूपविज्ञान ऐतिहासिक सम्बन्ध देखबामे सहायक अछि।

५६३. (B) विभक्ति, प्रत्यय, क्रिया आदि मे ऐतिहासिक बदलाव — रूपविज्ञान ऐतिहासिक सम्बन्ध देखबामे सहायक अछि।

५६४. (C) विभक्ति, प्रत्यय, क्रिया आदि मे ऐतिहासिक बदलाव — रूपविज्ञान ऐतिहासिक सम्बन्ध देखबामे सहायक अछि।

५६५. (A) विभक्ति, प्रत्यय, क्रिया आदि मे ऐतिहासिक बदलाव — रूपविज्ञान ऐतिहासिक सम्बन्ध देखबामे सहायक अछि।

५६६. (C) विभक्ति, प्रत्यय, क्रिया आदि मे ऐतिहासिक बदलाव — रूपविज्ञान ऐतिहासिक सम्बन्ध देखबामे सहायक अछि।

५६७. (C) विभक्ति, प्रत्यय, क्रिया आदि मे ऐतिहासिक बदलाव — रूपविज्ञान ऐतिहासिक सम्बन्ध देखबामे सहायक अछि।

५६८. (A) विभक्ति, प्रत्यय, क्रिया आदि मे ऐतिहासिक बदलाव — रूपविज्ञान ऐतिहासिक सम्बन्ध देखबामे सहायक अछि।

५६९. (B) विभक्ति, प्रत्यय, क्रिया आदि मे ऐतिहासिक बदलाव — रूपविज्ञान ऐतिहासिक सम्बन्ध देखबामे सहायक अछि।

५७०. (C) विभक्ति, प्रत्यय, क्रिया आदि मे ऐतिहासिक बदलाव — रूपविज्ञान ऐतिहासिक सम्बन्ध देखबामे सहायक अछि।

५७१. (D) शब्दक अर्थ समयक संग बदलि सकैत अछि — अर्थ-विकास समाजक बदलावसँ जुड़ल अछि।

५७२. (D) शब्दक अर्थ समयक संग बदलि सकैत अछि — अर्थ-विकास समाजक बदलावसँ जुड़ल अछि।

५७३. (C) शब्दक अर्थ समयक संग बदलि सकैत अछि — अर्थ-विकास समाजक बदलावसँ जुड़ल अछि।

५७४. (B) शब्दक अर्थ समयक संग बदलि सकैत अछि — अर्थ-विकास समाजक बदलावसँ जुड़ल अछि।

५७५. **(A) शब्दक अर्थ समयक संग बदलि सकैत अछि** — अर्थ-विकास समाजक बदलावसँ जुड़ल अछि।

५७६. **(A) शब्दक अर्थ समयक संग बदलि सकैत अछि** — अर्थ-विकास समाजक बदलावसँ जुड़ल अछि।

५७७. **(B) शब्दक अर्थ समयक संग बदलि सकैत अछि** — अर्थ-विकास समाजक बदलावसँ जुड़ल अछि।

५७८. **(B) शब्दक अर्थ समयक संग बदलि सकैत अछि** — अर्थ-विकास समाजक बदलावसँ जुड़ल अछि।

५७९. **(A) शब्दक अर्थ समयक संग बदलि सकैत अछि** — अर्थ-विकास समाजक बदलावसँ जुड़ल अछि।

५८०. **(B) शब्दक अर्थ समयक संग बदलि सकैत अछि** — अर्थ-विकास समाजक बदलावसँ जुड़ल अछि।

५८१. **(B) पुरान रचना भाषाक रूप आ शब्दक साक्ष्य दैत अछि** — ग्रन्थ-साक्ष्य भाषा इतिहास लेल महत्त्वपूर्ण अछि।

५८२. **(A) पुरान रचना भाषाक रूप आ शब्दक साक्ष्य दैत अछि** — ग्रन्थ-साक्ष्य भाषा इतिहास लेल महत्त्वपूर्ण अछि।

५८३. **(C) पुरान रचना भाषाक रूप आ शब्दक साक्ष्य दैत अछि** — ग्रन्थ-साक्ष्य भाषा इतिहास लेल महत्त्वपूर्ण अछि।

५८४. **(A) पुरान रचना भाषाक रूप आ शब्दक साक्ष्य दैत अछि** — ग्रन्थ-साक्ष्य भाषा इतिहास लेल महत्त्वपूर्ण अछि।

५८५. **(B) पुरान रचना भाषाक रूप आ शब्दक साक्ष्य दैत अछि** — ग्रन्थ-साक्ष्य भाषा इतिहास लेल महत्त्वपूर्ण अछि।

५८६. **(A) पुरान रचना भाषाक रूप आ शब्दक साक्ष्य दैत अछि** — ग्रन्थ-साक्ष्य भाषा इतिहास लेल महत्त्वपूर्ण अछि।

५८७. **(C) पुरान रचना भाषाक रूप आ शब्दक साक्ष्य दैत अछि** — ग्रन्थ-साक्ष्य भाषा इतिहास लेल महत्त्वपूर्ण अछि।

५८८. **(C) पुरान रचना भाषाक रूप आ शब्दक साक्ष्य दैत अछि** — ग्रन्थ-साक्ष्य भाषा इतिहास लेल महत्त्वपूर्ण अछि।

५८९. **(A) पुरान रचना भाषाक रूप आ शब्दक साक्ष्य दैत अछि** — ग्रन्थ-साक्ष्य भाषा इतिहास लेल महत्त्वपूर्ण अछि।

५९०. **(B) पुरान रचना भाषाक रूप आ शब्दक साक्ष्य दैत अछि** — ग्रन्थ-साक्ष्य भाषा इतिहास लेल महत्त्वपूर्ण अछि।

५९१. **(D) भाषाक विकास बुझबाक क्रमबद्ध आधार** — कालक्रम सँ मैथिलीक उद्भव-विकास स्पष्ट होइत अछि।

५९२. **(C) भाषाक विकास बुझबाक क्रमबद्ध आधार** — कालक्रम सँ मैथिलीक उद्भव-विकास स्पष्ट होइत अछि।

५९३. **(D) भाषाक विकास बुझबाक क्रमबद्ध आधार** — कालक्रम सँ मैथिलीक उद्भव-विकास स्पष्ट होइत अछि।

५९४. **(D) भाषाक विकास बुझबाक क्रमबद्ध आधार** — कालक्रम सँ मैथिलीक उद्भव-विकास स्पष्ट होइत अछि।

५९५. **(D) भाषाक विकास बुझबाक क्रमबद्ध आधार** — कालक्रम सँ मैथिलीक उद्भव-विकास स्पष्ट होइत अछि।

५९६. **(B) भाषाक विकास बुझबाक क्रमबद्ध आधार** — कालक्रम सँ मैथिलीक उद्भव-विकास स्पष्ट होइत अछि।

५९७. **(B) भाषाक विकास बुझबाक क्रमबद्ध आधार** — कालक्रम सँ मैथिलीक उद्भव-विकास स्पष्ट होइत अछि।

५९८. **(D) भाषाक विकास बुझबाक क्रमबद्ध आधार** — कालक्रम सँ मैथिलीक उद्भव-विकास स्पष्ट होइत अछि।

५९९. **(C) भाषाक विकास बुझबाक क्रमबद्ध आधार** — कालक्रम सँ मैथिलीक उद्भव-विकास स्पष्ट होइत अछि।

६००. **(B) भाषाक विकास बुझबाक क्रमबद्ध आधार** — कालक्रम सँ मैथिलीक उद्भव-विकास स्पष्ट होइत अछि।

६०१. **(B) भाषाक ध्वनि-संरचना बुझबाक साधन** — ध्वनिविज्ञान वर्गीकरणक सहायक प्रमाण दैत अछि।

६०२. **(B) भाषाक ध्वनि-संरचना बुझबाक साधन** — ध्वनिविज्ञान वर्गीकरणक सहायक प्रमाण दैत अछि।

६०३. **(C) भाषाक ध्वनि-संरचना बुझबाक साधन** — ध्वनिविज्ञान वर्गीकरणक सहायक प्रमाण दैत अछि।

६०४. **(A) भाषाक ध्वनि-संरचना बुझबाक साधन** — ध्वनिविज्ञान वर्गीकरणक सहायक प्रमाण दैत अछि।

६०५. **(A) भाषाक ध्वनि-संरचना बुझबाक साधन** — ध्वनिविज्ञान वर्गीकरणक सहायक प्रमाण दैत अछि।

६०६. **(A) भाषाक ध्वनि-संरचना बुझबाक साधन** — ध्वनिविज्ञान वर्गीकरणक सहायक प्रमाण दैत अछि।

६०७. **(D) भाषाक ध्वनि-संरचना बुझबाक साधन** — ध्वनिविज्ञान वर्गीकरणक सहायक प्रमाण दैत अछि।

६०८. **(A) भाषाक ध्वनि-संरचना बुझबाक साधन** — ध्वनिविज्ञान वर्गीकरणक सहायक प्रमाण दैत अछि।

६०९. **(A) भाषाक ध्वनि-संरचना बुझबाक साधन** — ध्वनिविज्ञान वर्गीकरणक सहायक प्रमाण दैत अछि।

६१०. **(A) भाषाक ध्वनि-संरचना बुझबाक साधन** — ध्वनिविज्ञान वर्गीकरणक सहायक प्रमाण दैत अछि।

६११. (B) उच्चारण-स्थान आ रीति पर आधारित ध्वनि-विन्यास — व्यंजन-संरचना तुलनात्मक अध्ययनमे उपयोगी अछि।

६१२. (A) उच्चारण-स्थान आ रीति पर आधारित ध्वनि-विन्यास — व्यंजन-संरचना तुलनात्मक अध्ययनमे उपयोगी अछि।

६१३. (B) उच्चारण-स्थान आ रीति पर आधारित ध्वनि-विन्यास — व्यंजन-संरचना तुलनात्मक अध्ययनमे उपयोगी अछि।

६१४. (B) उच्चारण-स्थान आ रीति पर आधारित ध्वनि-विन्यास — व्यंजन-संरचना तुलनात्मक अध्ययनमे उपयोगी अछि।

६१५. (C) उच्चारण-स्थान आ रीति पर आधारित ध्वनि-विन्यास — व्यंजन-संरचना तुलनात्मक अध्ययनमे उपयोगी अछि।

६१६. (C) उच्चारण-स्थान आ रीति पर आधारित ध्वनि-विन्यास — व्यंजन-संरचना तुलनात्मक अध्ययनमे उपयोगी अछि।

६१७. (C) उच्चारण-स्थान आ रीति पर आधारित ध्वनि-विन्यास — व्यंजन-संरचना तुलनात्मक अध्ययनमे उपयोगी अछि।

६१८. (D) उच्चारण-स्थान आ रीति पर आधारित ध्वनि-विन्यास — व्यंजन-संरचना तुलनात्मक अध्ययनमे उपयोगी अछि।

६१९. (B) उच्चारण-स्थान आ रीति पर आधारित ध्वनि-विन्यास — व्यंजन-संरचना तुलनात्मक अध्ययनमे उपयोगी अछि।

६२०. (D) उच्चारण-स्थान आ रीति पर आधारित ध्वनि-विन्यास — व्यंजन-संरचना तुलनात्मक अध्ययनमे उपयोगी अछि।

६२१. (B) उच्चारणक नासिक्य रूप जे अर्थ आ ध्वनि पर प्रभाव डालि सकैत अछि — मैथिली उच्चारण बुझबा लेल नासिक्य रूप महत्त्वपूर्ण अछि।

६२२. (D) उच्चारणक नासिक्य रूप जे अर्थ आ ध्वनि पर प्रभाव डालि सकैत अछि — मैथिली उच्चारण बुझबा लेल नासिक्य रूप महत्त्वपूर्ण अछि।

६२३. (C) उच्चारणक नासिक्य रूप जे अर्थ आ ध्वनि पर प्रभाव डालि सकैत अछि — मैथिली उच्चारण बुझबा लेल नासिक्य रूप महत्त्वपूर्ण अछि।

६२४. (D) उच्चारणक नासिक्य रूप जे अर्थ आ ध्वनि पर प्रभाव डालि सकैत अछि — मैथिली उच्चारण बुझबा लेल नासिक्य रूप महत्त्वपूर्ण अछि।

६२५. (D) उच्चारणक नासिक्य रूप जे अर्थ आ ध्वनि पर प्रभाव डालि सकैत अछि — मैथिली उच्चारण बुझबा लेल नासिक्य रूप महत्त्वपूर्ण अछि।

६२६. (B) उच्चारणक नासिक्य रूप जे अर्थ आ ध्वनि पर प्रभाव डालि सकैत अछि — मैथिली उच्चारण बुझबा लेल नासिक्य रूप महत्त्वपूर्ण अछि।

६२७. (C) उच्चारणक नासिक्य रूप जे अर्थ आ ध्वनि पर प्रभाव डालि सकैत अछि — मैथिली उच्चारण बुझबा लेल नासिक्य रूप महत्त्वपूर्ण अछि।

६२८. (C) उच्चारणक नासिक्य रूप जे अर्थ आ ध्वनि पर प्रभाव डालि सकैत अछि — मैथिली उच्चारण बुझबा लेल नासिक्य रूप महत्त्वपूर्ण अछि।

६२९. (C) उच्चारणक नासिक्य रूप जे अर्थ आ ध्वनि पर प्रभाव डालि सकैत अछि — मैथिली उच्चारण बुझबा लेल नासिक्य रूप महत्त्वपूर्ण अछि।

६३०. (A) उच्चारणक नासिक्य रूप जे अर्थ आ ध्वनि पर प्रभाव डालि सकैत अछि — मैथिली उच्चारण बुझबा लेल नासिक्य रूप महत्त्वपूर्ण अछि।

६३१. (D) संज्ञा-सर्वनामक वाक्यगत सम्बन्ध सूचित करैत अछि — विभक्ति कारक-व्यवस्था आ रूपविज्ञानक अंग अछि।

६३२. (C) संज्ञा-सर्वनामक वाक्यगत सम्बन्ध सूचित करैत अछि — विभक्ति कारक-व्यवस्था आ रूपविज्ञानक अंग अछि।

६३३. (B) संज्ञा-सर्वनामक वाक्यगत सम्बन्ध सूचित करैत अछि — विभक्ति कारक-व्यवस्था आ रूपविज्ञानक अंग अछि।

६३४. (A) संज्ञा-सर्वनामक वाक्यगत सम्बन्ध सूचित करैत अछि — विभक्ति कारक-व्यवस्था आ रूपविज्ञानक अंग अछि।

६३५. (A) संज्ञा-सर्वनामक वाक्यगत सम्बन्ध सूचित करैत अछि — विभक्ति कारक-व्यवस्था आ रूपविज्ञानक अंग अछि।

६३६. (D) संज्ञा-सर्वनामक वाक्यगत सम्बन्ध सूचित करैत अछि — विभक्ति कारक-व्यवस्था आ रूपविज्ञानक अंग अछि।

६३७. (C) संज्ञा-सर्वनामक वाक्यगत सम्बन्ध सूचित करैत अछि — विभक्ति कारक-व्यवस्था आ रूपविज्ञानक अंग अछि।

६३८. (B) संज्ञा-सर्वनामक वाक्यगत सम्बन्ध सूचित करैत अछि — विभक्ति कारक-व्यवस्था आ रूपविज्ञानक अंग अछि।

६३९. (D) संज्ञा-सर्वनामक वाक्यगत सम्बन्ध सूचित करैत अछि — विभक्ति कारक-व्यवस्था आ रूपविज्ञानक अंग अछि।

६४०. (D) संज्ञा-सर्वनामक वाक्यगत सम्बन्ध सूचित करैत अछि — विभक्ति कारक-व्यवस्था आ रूपविज्ञानक अंग अछि।

६४१. (A) वाक्यमे पदक भूमिका बतबैत अछि — कर्त्ता, कर्म, करण आदि सम्बन्ध भाषा-संरचना स्पष्ट करैत अछि।

६४२. (A) वाक्यमे पदक भूमिका बतबैत अछि — कर्त्ता, कर्म, करण आदि सम्बन्ध भाषा-संरचना स्पष्ट करैत अछि।

६४३. (A) वाक्यमे पदक भूमिका बतबैत अछि — कर्त्ता, कर्म, करण आदि सम्बन्ध भाषा-संरचना स्पष्ट करैत अछि।

६४४. (B) वाक्यमे पदक भूमिका बतबैत अछि — कर्त्ता, कर्म, करण आदि सम्बन्ध भाषा-संरचना स्पष्ट करैत अछि।

६४५. (A) वाक्यमे पदक भूमिका बतबैत अछि — कर्त्ता, कर्म, करण आदि सम्बन्ध भाषा-संरचना स्पष्ट करैत अछि।

६४६. (A) वाक्यमे पदक भूमिका बतबैत अछि — कर्त्ता, कर्म, करण आदि सम्बन्ध भाषा-संरचना स्पष्ट करैत अछि।

६४७. **(C) वाक्यमे पदक भूमिका बतबैत अछि** — कर्त्ता, कर्म, करण आदि सम्बन्ध भाषा-संरचना स्पष्ट करैत अछि।

६४८. **(C) वाक्यमे पदक भूमिका बतबैत अछि** — कर्त्ता, कर्म, करण आदि सम्बन्ध भाषा-संरचना स्पष्ट करैत अछि।

६४९. **(A) वाक्यमे पदक भूमिका बतबैत अछि** — कर्त्ता, कर्म, करण आदि सम्बन्ध भाषा-संरचना स्पष्ट करैत अछि।

६५०. **(C) वाक्यमे पदक भूमिका बतबैत अछि** — कर्त्ता, कर्म, करण आदि सम्बन्ध भाषा-संरचना स्पष्ट करैत अछि।

६५१. **(C) कर्त्ता, पुरुष, वचन, आदर आ कालसँ क्रिया-रूपक सम्बन्ध** — मैथिलीमे आदर आ पुरुष अनुसार क्रिया बदलैत अछि।

६५२. **(C) कर्त्ता, पुरुष, वचन, आदर आ कालसँ क्रिया-रूपक सम्बन्ध** — मैथिलीमे आदर आ पुरुष अनुसार क्रिया बदलैत अछि।

६५३. **(C) कर्त्ता, पुरुष, वचन, आदर आ कालसँ क्रिया-रूपक सम्बन्ध** — मैथिलीमे आदर आ पुरुष अनुसार क्रिया बदलैत अछि।

६५४. **(C) कर्त्ता, पुरुष, वचन, आदर आ कालसँ क्रिया-रूपक सम्बन्ध** — मैथिलीमे आदर आ पुरुष अनुसार क्रिया बदलैत अछि।

६५५. **(D) कर्त्ता, पुरुष, वचन, आदर आ कालसँ क्रिया-रूपक सम्बन्ध** — मैथिलीमे आदर आ पुरुष अनुसार क्रिया बदलैत अछि।

६५६. **(D) कर्त्ता, पुरुष, वचन, आदर आ कालसँ क्रिया-रूपक सम्बन्ध** — मैथिलीमे आदर आ पुरुष अनुसार क्रिया बदलैत अछि।

६५७. **(C) कर्त्ता, पुरुष, वचन, आदर आ कालसँ क्रिया-रूपक सम्बन्ध** — मैथिलीमे आदर आ पुरुष अनुसार क्रिया बदलैत अछि।

६५८. **(C) कर्त्ता, पुरुष, वचन, आदर आ कालसँ क्रिया-रूपक सम्बन्ध** — मैथिलीमे आदर आ पुरुष अनुसार क्रिया बदलैत अछि।

६५९. **(D) कर्त्ता, पुरुष, वचन, आदर आ कालसँ क्रिया-रूपक सम्बन्ध** — मैथिलीमे आदर आ पुरुष अनुसार क्रिया बदलैत अछि।

६६०. **(A) कर्त्ता, पुरुष, वचन, आदर आ कालसँ क्रिया-रूपक सम्बन्ध** — मैथिलीमे आदर आ पुरुष अनुसार क्रिया बदलैत अछि।

६६१. **(A) भाषिक सम्बन्ध आ सामाजिक आदर दुनू देखबैत अछि** — मैथिली सर्वनाम-प्रणाली ओकर सामाजिक व्याकरण बुझबैत अछि।

६६२. **(A) भाषिक सम्बन्ध आ सामाजिक आदर दुनू देखबैत अछि** — मैथिली सर्वनाम-प्रणाली ओकर सामाजिक व्याकरण बुझबैत अछि।

६६३. **(C) भाषिक सम्बन्ध आ सामाजिक आदर दुनू देखबैत अछि** — मैथिली सर्वनाम-प्रणाली ओकर सामाजिक व्याकरण बुझबैत अछि।

६६४. **(D) भाषिक सम्बन्ध आ सामाजिक आदर दुनू देखबैत अछि** — मैथिली सर्वनाम-प्रणाली ओकर सामाजिक व्याकरण बुझबैत अछि।

६६५. **(B) भाषिक सम्बन्ध आ सामाजिक आदर दुनू देखबैत अछि** — मैथिली सर्वनाम-प्रणाली ओकर सामाजिक व्याकरण बुझबैत अछि।

६६६. **(B) भाषिक सम्बन्ध आ सामाजिक आदर दुनू देखबैत अछि** — मैथिली सर्वनाम-प्रणाली ओकर सामाजिक व्याकरण बुझबैत अछि।

६६७. **(C) भाषिक सम्बन्ध आ सामाजिक आदर दुनू देखबैत अछि** — मैथिली सर्वनाम-प्रणाली ओकर सामाजिक व्याकरण बुझबैत अछि।

६६८. **(B) भाषिक सम्बन्ध आ सामाजिक आदर दुनू देखबैत अछि** — मैथिली सर्वनाम-प्रणाली ओकर सामाजिक व्याकरण बुझबैत अछि।

६६९. **(C) भाषिक सम्बन्ध आ सामाजिक आदर दुनू देखबैत अछि** — मैथिली सर्वनाम-प्रणाली ओकर सामाजिक व्याकरण बुझबैत अछि।

६७०. **(D) भाषिक सम्बन्ध आ सामाजिक आदर दुनू देखबैत अछि** — मैथिली सर्वनाम-प्रणाली ओकर सामाजिक व्याकरण बुझबैत अछि।

६७१. **(C) वाक्यक अस्वीकारार्थक रूप बनबैत अछि** — नकार-विन्यास वाक्यविज्ञानक विषय अछि।

६७२. **(C) वाक्यक अस्वीकारार्थक रूप बनबैत अछि** — नकार-विन्यास वाक्यविज्ञानक विषय अछि।

६७३. **(A) वाक्यक अस्वीकारार्थक रूप बनबैत अछि** — नकार-विन्यास वाक्यविज्ञानक विषय अछि।

६७४. **(B) वाक्यक अस्वीकारार्थक रूप बनबैत अछि** — नकार-विन्यास वाक्यविज्ञानक विषय अछि।

६७५. **(D) वाक्यक अस्वीकारार्थक रूप बनबैत अछि** — नकार-विन्यास वाक्यविज्ञानक विषय अछि।

६७६. **(B) वाक्यक अस्वीकारार्थक रूप बनबैत अछि** — नकार-विन्यास वाक्यविज्ञानक विषय अछि।

६७७. **(C) वाक्यक अस्वीकारार्थक रूप बनबैत अछि** — नकार-विन्यास वाक्यविज्ञानक विषय अछि।

६७८. **(C) वाक्यक अस्वीकारार्थक रूप बनबैत अछि** — नकार-विन्यास वाक्यविज्ञानक विषय अछि।

६७९. **(B) वाक्यक अस्वीकारार्थक रूप बनबैत अछि** — नकार-विन्यास वाक्यविज्ञानक विषय अछि।

६८०. **(A) वाक्यक अस्वीकारार्थक रूप बनबैत अछि** — नकार-विन्यास वाक्यविज्ञानक विषय अछि।

६८१. **(C) वाक्यमे शब्दक व्यवस्था** — पदक्रम वाक्य-विन्यासक महत्त्वपूर्ण अंग अछि।

६८२. **(D) वाक्यमे शब्दक व्यवस्था** — पदक्रम वाक्य-विन्यासक महत्त्वपूर्ण अंग अछि।

६८३. **(A) वाक्यमे शब्दक व्यवस्था** — पदक्रम वाक्य-विन्यासक महत्त्वपूर्ण अंग अछि।

६८४. **(C) वाक्यमे शब्दक व्यवस्था** — पदक्रम वाक्य-विन्यासक महत्त्वपूर्ण अंग अछि।

६८५. **(D) वाक्यमे शब्दक व्यवस्था** — पदक्रम वाक्य-विन्यासक महत्त्वपूर्ण अंग अछि।

६८६. **(A) वाक्यमे शब्दक व्यवस्था** — पदक्रम वाक्य-विन्यासक महत्त्वपूर्ण अंग अछि।

६८७. **(A) वाक्यमे शब्दक व्यवस्था** — पदक्रम वाक्य-विन्यासक महत्त्वपूर्ण अंग अछि।

६८८. **(D) वाक्यमे शब्दक व्यवस्था** — पदक्रम वाक्य-विन्यासक महत्त्वपूर्ण अंग अछि।

६८९. **(D) वाक्यमे शब्दक व्यवस्था** — पदक्रम वाक्य-विन्यासक महत्त्वपूर्ण अंग अछि।

६९०. **(D) वाक्यमे शब्दक व्यवस्था** — पदक्रम वाक्य-विन्यासक महत्त्वपूर्ण अंग अछि।

६९१. **(B) ध्वनि, रूप, शब्द, वाक्यक संयुक्त अध्ययन** — अनेक भाषिक लक्षण मिलि वर्गीकरण मजबूत करैत अछि।

६९२. **(A) ध्वनि, रूप, शब्द, वाक्यक संयुक्त अध्ययन** — अनेक भाषिक लक्षण मिलि वर्गीकरण मजबूत करैत अछि।

६९३. **(A) ध्वनि, रूप, शब्द, वाक्यक संयुक्त अध्ययन** — अनेक भाषिक लक्षण मिलि वर्गीकरण मजबूत करैत अछि।

६९४. **(C) ध्वनि, रूप, शब्द, वाक्यक संयुक्त अध्ययन** — अनेक भाषिक लक्षण मिलि वर्गीकरण मजबूत करैत अछि।

६९५. **(C) ध्वनि, रूप, शब्द, वाक्यक संयुक्त अध्ययन** — अनेक भाषिक लक्षण मिलि वर्गीकरण मजबूत करैत अछि।

६९६. **(D) ध्वनि, रूप, शब्द, वाक्यक संयुक्त अध्ययन** — अनेक भाषिक लक्षण मिलि वर्गीकरण मजबूत करैत अछि।

६९७. **(B) ध्वनि, रूप, शब्द, वाक्यक संयुक्त अध्ययन** — अनेक भाषिक लक्षण मिलि वर्गीकरण मजबूत करैत अछि।

६९८. **(B) ध्वनि, रूप, शब्द, वाक्यक संयुक्त अध्ययन** — अनेक भाषिक लक्षण मिलि वर्गीकरण मजबूत करैत अछि।

६९९. **(B) ध्वनि, रूप, शब्द, वाक्यक संयुक्त अध्ययन** — अनेक भाषिक लक्षण मिलि वर्गीकरण मजबूत करैत अछि।

७००. **(C) ध्वनि, रूप, शब्द, वाक्यक संयुक्त अध्ययन** — अनेक भाषिक लक्षण मिलि वर्गीकरण मजबूत करैत अछि।

७०१. **(C) मैथिलीक पारम्परिक लिपि-परम्परासँ जुड़ल लिपि** — मिथिलाक्षर लेखन-संस्कृतिक महत्त्वपूर्ण अंग अछि।

७०२. **(D) मैथिलीक पारम्परिक लिपि-परम्परासँ जुड़ल लिपि** — मिथिलाक्षर लेखन-संस्कृतिक महत्त्वपूर्ण अंग अछि।

७०३. **(D) मैथिलीक पारम्परिक लिपि-परम्परासँ जुड़ल लिपि** — मिथिलाक्षर लेखन-संस्कृतिक महत्त्वपूर्ण अंग अछि।

७०४. **(D) मैथिलीक पारम्परिक लिपि-परम्परासँ जुड़ल लिपि** — मिथिलाक्षर लेखन-संस्कृतिक महत्त्वपूर्ण अंग अछि।

७०५. **(B) मैथिलीक पारम्परिक लिपि-परम्परासँ जुड़ल लिपि** — मिथिलाक्षर लेखन-संस्कृतिक महत्त्वपूर्ण अंग अछि।

७०६. **(A) मैथिलीक पारम्परिक लिपि-परम्परासँ जुड़ल लिपि** — मिथिलाक्षर लेखन-संस्कृतिक महत्त्वपूर्ण अंग अछि।

७०७. **(C) मैथिलीक पारम्परिक लिपि-परम्परासँ जुड़ल लिपि** — मिथिलाक्षर लेखन-संस्कृतिक महत्त्वपूर्ण अंग अछि।

७०८. **(B) मैथिलीक पारम्परिक लिपि-परम्परासँ जुड़ल लिपि** — मिथिलाक्षर लेखन-संस्कृतिक महत्त्वपूर्ण अंग अछि।

७०९. **(A) मैथिलीक पारम्परिक लिपि-परम्परासँ जुड़ल लिपि** — मिथिलाक्षर लेखन-संस्कृतिक महत्त्वपूर्ण अंग अछि।

७१०. **(A) मैथिलीक पारम्परिक लिपि-परम्परासँ जुड़ल लिपि** — मिथिलाक्षर लेखन-संस्कृतिक महत्त्वपूर्ण अंग अछि।

७११. **(D) मिथिलाक्षर लिपिक नामसँ जुड़ल परम्परा** — तिरहुता मैथिली लेखन-इतिहासक प्रतीक अछि।

७१२. **(B) मिथिलाक्षर लिपिक नामसँ जुड़ल परम्परा** — तिरहुता मैथिली लेखन-इतिहासक प्रतीक अछि।

७१३. **(D) मिथिलाक्षर लिपिक नामसँ जुड़ल परम्परा** — तिरहुता मैथिली लेखन-इतिहासक प्रतीक अछि।

७१४. **(A) मिथिलाक्षर लिपिक नामसँ जुड़ल परम्परा** — तिरहुता मैथिली लेखन-इतिहासक प्रतीक अछि।

७१५. **(C) मिथिलाक्षर लिपिक नामसँ जुड़ल परम्परा** — तिरहुता मैथिली लेखन-इतिहासक प्रतीक अछि।

७१६. **(C) मिथिलाक्षर लिपिक नामसँ जुड़ल परम्परा** — तिरहुता मैथिली लेखन-इतिहासक प्रतीक अछि।

७१७. **(A) मिथिलाक्षर लिपिक नामसँ जुड़ल परम्परा** — तिरहुता मैथिली लेखन-इतिहासक प्रतीक अछि।

७१८. **(B) मिथिलाक्षर लिपिक नामसँ जुड़ल परम्परा** — तिरहुता मैथिली लेखन-इतिहासक प्रतीक अछि।

७१९. (C) मिथिलाक्षर लिपिक नामसँ जुड़ल परम्परा — तिरहुता मैथिली लेखन-इतिहासक प्रतीक अछि।

७२०. (B) मिथिलाक्षर लिपिक नामसँ जुड़ल परम्परा — तिरहुता मैथिली लेखन-इतिहासक प्रतीक अछि।

७२१. (D) आधुनिक मैथिली लेखनमे व्यापक लिपि — देवनागरी प्रयोग लिपि-व्यवहार अछि, परिवारगत स्थान नहि।

७२२. (C) आधुनिक मैथिली लेखनमे व्यापक लिपि — देवनागरी प्रयोग लिपि-व्यवहार अछि, परिवारगत स्थान नहि।

७२३. (D) आधुनिक मैथिली लेखनमे व्यापक लिपि — देवनागरी प्रयोग लिपि-व्यवहार अछि, परिवारगत स्थान नहि।

७२४. (D) आधुनिक मैथिली लेखनमे व्यापक लिपि — देवनागरी प्रयोग लिपि-व्यवहार अछि, परिवारगत स्थान नहि।

७२५. (C) आधुनिक मैथिली लेखनमे व्यापक लिपि — देवनागरी प्रयोग लिपि-व्यवहार अछि, परिवारगत स्थान नहि।

७२६. (D) आधुनिक मैथिली लेखनमे व्यापक लिपि — देवनागरी प्रयोग लिपि-व्यवहार अछि, परिवारगत स्थान नहि।

७२७. (C) आधुनिक मैथिली लेखनमे व्यापक लिपि — देवनागरी प्रयोग लिपि-व्यवहार अछि, परिवारगत स्थान नहि।

७२८. (D) आधुनिक मैथिली लेखनमे व्यापक लिपि — देवनागरी प्रयोग लिपि-व्यवहार अछि, परिवारगत स्थान नहि।

७२९. (C) आधुनिक मैथिली लेखनमे व्यापक लिपि — देवनागरी प्रयोग लिपि-व्यवहार अछि, परिवारगत स्थान नहि।

७३०. (B) आधुनिक मैथिली लेखनमे व्यापक लिपि — देवनागरी प्रयोग लिपि-व्यवहार अछि, परिवारगत स्थान नहि।

७३१. (C) पुरान भाषा-रूप, लिपि आ पाठक साक्ष्य — पाण्डुलिपि भाषा-इतिहास सुरक्षित रखैत अछि।

७३२. (C) पुरान भाषा-रूप, लिपि आ पाठक साक्ष्य — पाण्डुलिपि भाषा-इतिहास सुरक्षित रखैत अछि।

७३३. (D) पुरान भाषा-रूप, लिपि आ पाठक साक्ष्य — पाण्डुलिपि भाषा-इतिहास सुरक्षित रखैत अछि।

७३४. (D) पुरान भाषा-रूप, लिपि आ पाठक साक्ष्य — पाण्डुलिपि भाषा-इतिहास सुरक्षित रखैत अछि।

७३५. (C) पुरान भाषा-रूप, लिपि आ पाठक साक्ष्य — पाण्डुलिपि भाषा-इतिहास सुरक्षित रखैत अछि।

७३६. (A) पुरान भाषा-रूप, लिपि आ पाठक साक्ष्य — पाण्डुलिपि भाषा-इतिहास सुरक्षित रखैत अछि।

७३७. (A) पुरान भाषा-रूप, लिपि आ पाठक साक्ष्य — पाण्डुलिपि भाषा-इतिहास सुरक्षित रखैत अछि।

७३८. (A) पुरान भाषा-रूप, लिपि आ पाठक साक्ष्य — पाण्डुलिपि भाषा-इतिहास सुरक्षित रखैत अछि।

७३९. (B) पुरान भाषा-रूप, लिपि आ पाठक साक्ष्य — पाण्डुलिपि भाषा-इतिहास सुरक्षित रखैत अछि।

७४०. (A) पुरान भाषा-रूप, लिपि आ पाठक साक्ष्य — पाण्डुलिपि भाषा-इतिहास सुरक्षित रखैत अछि।

७४१. (B) मानक वर्तनी, पाठक-वर्ग आ सार्वजनिक गद्यक विकास — मुद्रण आधुनिक भाषिक जागरणक साधन रहल।

७४२. (A) मानक वर्तनी, पाठक-वर्ग आ सार्वजनिक गद्यक विकास — मुद्रण आधुनिक भाषिक जागरणक साधन रहल।

७४३. (A) मानक वर्तनी, पाठक-वर्ग आ सार्वजनिक गद्यक विकास — मुद्रण आधुनिक भाषिक जागरणक साधन रहल।

७४४. (A) मानक वर्तनी, पाठक-वर्ग आ सार्वजनिक गद्यक विकास — मुद्रण आधुनिक भाषिक जागरणक साधन रहल।

७४५. (A) मानक वर्तनी, पाठक-वर्ग आ सार्वजनिक गद्यक विकास — मुद्रण आधुनिक भाषिक जागरणक साधन रहल।

७४६. (B) मानक वर्तनी, पाठक-वर्ग आ सार्वजनिक गद्यक विकास — मुद्रण आधुनिक भाषिक जागरणक साधन रहल।

७४७. (A) मानक वर्तनी, पाठक-वर्ग आ सार्वजनिक गद्यक विकास — मुद्रण आधुनिक भाषिक जागरणक साधन रहल।

७४८. (B) मानक वर्तनी, पाठक-वर्ग आ सार्वजनिक गद्यक विकास — मुद्रण आधुनिक भाषिक जागरणक साधन रहल।

७४९. (D) मानक वर्तनी, पाठक-वर्ग आ सार्वजनिक गद्यक विकास — मुद्रण आधुनिक भाषिक जागरणक साधन रहल।

७५०. (A) मानक वर्तनी, पाठक-वर्ग आ सार्वजनिक गद्यक विकास — मुद्रण आधुनिक भाषिक जागरणक साधन रहल।

७५१. (B) आधुनिक मैथिली गद्य आ समाज-चेतनाक मंच — पत्रकारिता भाषा-मानक आ सार्वजनिक प्रयोग बढ़बैत अछि।

७५२. (C) आधुनिक मैथिली गद्य आ समाज-चेतनाक मंच — पत्रकारिता भाषा-मानक आ सार्वजनिक प्रयोग बढ़बैत अछि।

७५३. (A) आधुनिक मैथिली गद्य आ समाज-चेतनाक मंच — पत्रकारिता भाषा-मानक आ सार्वजनिक प्रयोग बढ़बैत अछि।

७५४. (A) आधुनिक मैथिली गद्य आ समाज-चेतनाक मंच — पत्रकारिता भाषा-मानक आ सार्वजनिक प्रयोग बढ़बैत अछि।

७५५. (B) आधुनिक मैथिली गद्य आ समाज-चेतनाक मंच — पत्रकारिता भाषा-मानक आ सार्वजनिक प्रयोग बढ़बैत अछि।

७५६. (B) आधुनिक मैथिली गद्य आ समाज-चेतनाक मंच — पत्रकारिता भाषा-मानक आ सार्वजनिक प्रयोग बढ़बैत अछि।

७५७. (A) आधुनिक मैथिली गद्य आ समाज-चेतनाक मंच — पत्रकारिता भाषा-मानक आ सार्वजनिक प्रयोग बढ़बैत अछि।

७५८. (D) आधुनिक मैथिली गद्य आ समाज-चेतनाक मंच — पत्रकारिता भाषा-मानक आ सार्वजनिक प्रयोग बढ़बैत अछि।

७५९. (A) आधुनिक मैथिली गद्य आ समाज-चेतनाक मंच — पत्रकारिता भाषा-मानक आ सार्वजनिक प्रयोग बढ़बैत अछि।

७६०. (D) आधुनिक मैथिली गद्य आ समाज-चेतनाक मंच — पत्रकारिता भाषा-मानक आ सार्वजनिक प्रयोग बढ़बैत अछि।

७६१. (C) शब्दावली, अर्थ आ प्रयोगक दस्तावेज — शब्दकोश शब्द-विकास बुझबामे उपयोगी अछि।

७६२. (C) शब्दावली, अर्थ आ प्रयोगक दस्तावेज — शब्दकोश शब्द-विकास बुझबामे उपयोगी अछि।

७६३. (C) शब्दावली, अर्थ आ प्रयोगक दस्तावेज — शब्दकोश शब्द-विकास बुझबामे उपयोगी अछि।

७६४. (B) शब्दावली, अर्थ आ प्रयोगक दस्तावेज — शब्दकोश शब्द-विकास बुझबामे उपयोगी अछि।

७६५. (B) शब्दावली, अर्थ आ प्रयोगक दस्तावेज — शब्दकोश शब्द-विकास बुझबामे उपयोगी अछि।

७६६. (B) शब्दावली, अर्थ आ प्रयोगक दस्तावेज — शब्दकोश शब्द-विकास बुझबामे उपयोगी अछि।

७६७. (C) शब्दावली, अर्थ आ प्रयोगक दस्तावेज — शब्दकोश शब्द-विकास बुझबामे उपयोगी अछि।

७६८. (C) शब्दावली, अर्थ आ प्रयोगक दस्तावेज — शब्दकोश शब्द-विकास बुझबामे उपयोगी अछि।

७६९. (D) शब्दावली, अर्थ आ प्रयोगक दस्तावेज — शब्दकोश शब्द-विकास बुझबामे उपयोगी अछि।

७७०. (D) शब्दावली, अर्थ आ प्रयोगक दस्तावेज — शब्दकोश शब्द-विकास बुझबामे उपयोगी अछि।

७७१. (C) भाषा-नियम, रूप आ प्रयोगक विवरण — व्याकरण मानक अध्ययनक आधार बनैत अछि।

७७२. (B) भाषा-नियम, रूप आ प्रयोगक विवरण — व्याकरण मानक अध्ययनक आधार बनैत अछि।

७७३. (B) भाषा-नियम, रूप आ प्रयोगक विवरण — व्याकरण मानक अध्ययनक आधार बनैत अछि।

७७४. (A) भाषा-नियम, रूप आ प्रयोगक विवरण — व्याकरण मानक अध्ययनक आधार बनैत अछि।

७७५. (D) भाषा-नियम, रूप आ प्रयोगक विवरण — व्याकरण मानक अध्ययनक आधार बनैत अछि।

७७६. (A) भाषा-नियम, रूप आ प्रयोगक विवरण — व्याकरण मानक अध्ययनक आधार बनैत अछि।

७७७. (B) भाषा-नियम, रूप आ प्रयोगक विवरण — व्याकरण मानक अध्ययनक आधार बनैत अछि।

७७८. (C) भाषा-नियम, रूप आ प्रयोगक विवरण — व्याकरण मानक अध्ययनक आधार बनैत अछि।

७७९. (A) भाषा-नियम, रूप आ प्रयोगक विवरण — व्याकरण मानक अध्ययनक आधार बनैत अछि।

७८०. (B) भाषा-नियम, रूप आ प्रयोगक विवरण — व्याकरण मानक अध्ययनक आधार बनैत अछि।

७८१. (D) डिजिटल लिपि-चिह्नक मानकीकरणक साधन — डिजिटल लेखनमे यूनिकोड महत्त्वपूर्ण अछि।

७८२. (C) डिजिटल लिपि-चिह्नक मानकीकरणक साधन — डिजिटल लेखनमे यूनिकोड महत्त्वपूर्ण अछि।

७८३. (A) डिजिटल लिपि-चिह्नक मानकीकरणक साधन — डिजिटल लेखनमे यूनिकोड महत्त्वपूर्ण अछि।

७८४. (A) डिजिटल लिपि-चिह्नक मानकीकरणक साधन — डिजिटल लेखनमे यूनिकोड महत्त्वपूर्ण अछि।

७८५. (A) डिजिटल लिपि-चिह्नक मानकीकरणक साधन — डिजिटल लेखनमे यूनिकोड महत्त्वपूर्ण अछि।

७८६. (A) डिजिटल लिपि-चिह्नक मानकीकरणक साधन — डिजिटल लेखनमे यूनिकोड महत्त्वपूर्ण अछि।

७८७. (B) डिजिटल लिपि-चिह्नक मानकीकरणक साधन — डिजिटल लेखनमे यूनिकोड महत्त्वपूर्ण अछि।

७८८. (D) डिजिटल लिपि-चिह्नक मानकीकरणक साधन — डिजिटल लेखनमे यूनिकोड महत्त्वपूर्ण अछि।

७८९. (A) डिजिटल लिपि-चिह्नक मानकीकरणक साधन — डिजिटल लेखनमे यूनिकोड महत्त्वपूर्ण अछि।

७९०. (B) डिजिटल लिपि-चिह्नक मानकीकरणक साधन — डिजिटल लेखनमे यूनिकोड महत्त्वपूर्ण अछि।

७९१. **(D) एक भाषा एक सँ बेसी लिपिमे लिखल जा सकैत अछि** — मैथिलीमे तिरहुता आ देवनागरी प्रयोग ई बात स्पष्ट करैत अछि।

७९२. **(A) एक भाषा एक सँ बेसी लिपिमे लिखल जा सकैत अछि** — मैथिलीमे तिरहुता आ देवनागरी प्रयोग ई बात स्पष्ट करैत अछि।

७९३. **(C) एक भाषा एक सँ बेसी लिपिमे लिखल जा सकैत अछि** — मैथिलीमे तिरहुता आ देवनागरी प्रयोग ई बात स्पष्ट करैत अछि।

७९४. **(D) एक भाषा एक सँ बेसी लिपिमे लिखल जा सकैत अछि** — मैथिलीमे तिरहुता आ देवनागरी प्रयोग ई बात स्पष्ट करैत अछि।

७९५. **(B) एक भाषा एक सँ बेसी लिपिमे लिखल जा सकैत अछि** — मैथिलीमे तिरहुता आ देवनागरी प्रयोग ई बात स्पष्ट करैत अछि।

७९६. **(D) एक भाषा एक सँ बेसी लिपिमे लिखल जा सकैत अछि** — मैथिलीमे तिरहुता आ देवनागरी प्रयोग ई बात स्पष्ट करैत अछि।

७९७. **(D) एक भाषा एक सँ बेसी लिपिमे लिखल जा सकैत अछि** — मैथिलीमे तिरहुता आ देवनागरी प्रयोग ई बात स्पष्ट करैत अछि।

७९८. **(C) एक भाषा एक सँ बेसी लिपिमे लिखल जा सकैत अछि** — मैथिलीमे तिरहुता आ देवनागरी प्रयोग ई बात स्पष्ट करैत अछि।

७९९. **(A) एक भाषा एक सँ बेसी लिपिमे लिखल जा सकैत अछि** — मैथिलीमे तिरहुता आ देवनागरी प्रयोग ई बात स्पष्ट करैत अछि।

८००. **(B) एक भाषा एक सँ बेसी लिपिमे लिखल जा सकैत अछि** — मैथिलीमे तिरहुता आ देवनागरी प्रयोग ई बात स्पष्ट करैत अछि।

८०१. **(C) शब्द, उच्चारण आ शैलीक आदान-प्रदान** — सम्पर्क प्रभाव दैत अछि, मुदा परिवार अलग बात अछि।

८०२. **(C) शब्द, उच्चारण आ शैलीक आदान-प्रदान** — सम्पर्क प्रभाव दैत अछि, मुदा परिवार अलग बात अछि।

८०३. **(A) शब्द, उच्चारण आ शैलीक आदान-प्रदान** — सम्पर्क प्रभाव दैत अछि, मुदा परिवार अलग बात अछि।

८०४. **(A) शब्द, उच्चारण आ शैलीक आदान-प्रदान** — सम्पर्क प्रभाव दैत अछि, मुदा परिवार अलग बात अछि।

८०५. **(B) शब्द, उच्चारण आ शैलीक आदान-प्रदान** — सम्पर्क प्रभाव दैत अछि, मुदा परिवार अलग बात अछि।

८०६. **(A) शब्द, उच्चारण आ शैलीक आदान-प्रदान** — सम्पर्क प्रभाव दैत अछि, मुदा परिवार अलग बात अछि।

८०७. **(D) शब्द, उच्चारण आ शैलीक आदान-प्रदान** — सम्पर्क प्रभाव दैत अछि, मुदा परिवार अलग बात अछि।

८०८. **(C) शब्द, उच्चारण आ शैलीक आदान-प्रदान** — सम्पर्क प्रभाव दैत अछि, मुदा परिवार अलग बात अछि।

८०९. **(B) शब्द, उच्चारण आ शैलीक आदान-प्रदान** — सम्पर्क प्रभाव दैत अछि, मुदा परिवार अलग बात अछि।

८१०. **(C) शब्द, उच्चारण आ शैलीक आदान-प्रदान** — सम्पर्क प्रभाव दैत अछि, मुदा परिवार अलग बात अछि।

८११. **(B) दू भाषा व्यवहार करबाक क्षमता** — मैथिली भाषी लोक अनेक बेर बहुभाषी होइत छथि।

८१२. **(B) दू भाषा व्यवहार करबाक क्षमता** — मैथिली भाषी लोक अनेक बेर बहुभाषी होइत छथि।

८१३. **(D) दू भाषा व्यवहार करबाक क्षमता** — मैथिली भाषी लोक अनेक बेर बहुभाषी होइत छथि।

८१४. **(C) दू भाषा व्यवहार करबाक क्षमता** — मैथिली भाषी लोक अनेक बेर बहुभाषी होइत छथि।

८१५. **(A) दू भाषा व्यवहार करबाक क्षमता** — मैथिली भाषी लोक अनेक बेर बहुभाषी होइत छथि।

८१६. **(A) दू भाषा व्यवहार करबाक क्षमता** — मैथिली भाषी लोक अनेक बेर बहुभाषी होइत छथि।

८१७. **(C) दू भाषा व्यवहार करबाक क्षमता** — मैथिली भाषी लोक अनेक बेर बहुभाषी होइत छथि।

८१८. **(C) दू भाषा व्यवहार करबाक क्षमता** — मैथिली भाषी लोक अनेक बेर बहुभाषी होइत छथि।

८१९. **(D) दू भाषा व्यवहार करबाक क्षमता** — मैथिली भाषी लोक अनेक बेर बहुभाषी होइत छथि।

८२०. **(D) दू भाषा व्यवहार करबाक क्षमता** — मैथिली भाषी लोक अनेक बेर बहुभाषी होइत छथि।

८२१. **(A) एक समाजमे एक सँ बेसी भाषाक उपयोग** — मिथिला-समाजमे बहुभाषिक व्यवहार देखल जाइत अछि।

८२२. **(C) एक समाजमे एक सँ बेसी भाषाक उपयोग** — मिथिला-समाजमे बहुभाषिक व्यवहार देखल जाइत अछि।

८२३. **(B) एक समाजमे एक सँ बेसी भाषाक उपयोग** — मिथिला-समाजमे बहुभाषिक व्यवहार देखल जाइत अछि।

८२४. **(A) एक समाजमे एक सँ बेसी भाषाक उपयोग** — मिथिला-समाजमे बहुभाषिक व्यवहार देखल जाइत अछि।

८२५. **(B) एक समाजमे एक सँ बेसी भाषाक उपयोग** — मिथिला-समाजमे बहुभाषिक व्यवहार देखल जाइत अछि।

८२६. **(D) एक समाजमे एक सँ बेसी भाषाक उपयोग** — मिथिला-समाजमे बहुभाषिक व्यवहार देखल जाइत अछि।

८२७. **(D) एक समाजमे एक सँ बेसी भाषाक उपयोग** — मिथिला-समाजमे बहुभाषिक व्यवहार देखल जाइत अछि।

८२८. **(A) एक समाजमे एक सँ बेसी भाषाक उपयोग** — मिथिला-समाजमे बहुभाषिक व्यवहार देखल जाइत अछि।

८२९. **(D) एक समाजमे एक सँ बेसी भाषाक उपयोग** — मिथिला-समाजमे बहुभाषिक व्यवहार देखल जाइत अछि।

८३०. **(C) एक समाजमे एक सँ बेसी भाषाक उपयोग** — मिथिला-समाजमे बहुभाषिक व्यवहार देखल जाइत अछि।

८३१. **(A) प्रसंग अनुसार भाषा वा रूप बदलनाइ** — समाजभाषाविज्ञान ई व्यवहारक अध्ययन करैत अछि।

८३२. **(B) प्रसंग अनुसार भाषा वा रूप बदलनाइ** — समाजभाषाविज्ञान ई व्यवहारक अध्ययन करैत अछि।

८३३. **(D) प्रसंग अनुसार भाषा वा रूप बदलनाइ** — समाजभाषाविज्ञान ई व्यवहारक अध्ययन करैत अछि।

८३४. **(A) प्रसंग अनुसार भाषा वा रूप बदलनाइ** — समाजभाषाविज्ञान ई व्यवहारक अध्ययन करैत अछि।

८३५. **(C) प्रसंग अनुसार भाषा वा रूप बदलनाइ** — समाजभाषाविज्ञान ई व्यवहारक अध्ययन करैत अछि।

८३६. **(D) प्रसंग अनुसार भाषा वा रूप बदलनाइ** — समाजभाषाविज्ञान ई व्यवहारक अध्ययन करैत अछि।

८३७. **(D) प्रसंग अनुसार भाषा वा रूप बदलनाइ** — समाजभाषाविज्ञान ई व्यवहारक अध्ययन करैत अछि।

८३८. **(C) प्रसंग अनुसार भाषा वा रूप बदलनाइ** — समाजभाषाविज्ञान ई व्यवहारक अध्ययन करैत अछि।

८३९. **(C) प्रसंग अनुसार भाषा वा रूप बदलनाइ** — समाजभाषाविज्ञान ई व्यवहारक अध्ययन करैत अछि।

८४०. **(A) प्रसंग अनुसार भाषा वा रूप बदलनाइ** — समाजभाषाविज्ञान ई व्यवहारक अध्ययन करैत अछि।

८४१. **(D) समाजमे भाषाक मान, अवसर आ उपयोग** — प्रतिष्ठा भाषा-संरक्षण आ प्रयोगसँ जुड़ल अछि।

८४२. **(C) समाजमे भाषाक मान, अवसर आ उपयोग** — प्रतिष्ठा भाषा-संरक्षण आ प्रयोगसँ जुड़ल अछि।

८४३. **(B) समाजमे भाषाक मान, अवसर आ उपयोग** — प्रतिष्ठा भाषा-संरक्षण आ प्रयोगसँ जुड़ल अछि।

८४४. **(B) समाजमे भाषाक मान, अवसर आ उपयोग** — प्रतिष्ठा भाषा-संरक्षण आ प्रयोगसँ जुड़ल अछि।

८४५. **(D) समाजमे भाषाक मान, अवसर आ उपयोग** — प्रतिष्ठा भाषा-संरक्षण आ प्रयोगसँ जुड़ल अछि।

८४६. **(A) समाजमे भाषाक मान, अवसर आ उपयोग** — प्रतिष्ठा भाषा-संरक्षण आ प्रयोगसँ जुड़ल अछि।

८४७. **(D) समाजमे भाषाक मान, अवसर आ उपयोग** — प्रतिष्ठा भाषा-संरक्षण आ प्रयोगसँ जुड़ल अछि।

८४८. **(A) समाजमे भाषाक मान, अवसर आ उपयोग** — प्रतिष्ठा भाषा-संरक्षण आ प्रयोगसँ जुड़ल अछि।

८४९. **(D) समाजमे भाषाक मान, अवसर आ उपयोग** — प्रतिष्ठा भाषा-संरक्षण आ प्रयोगसँ जुड़ल अछि।

८५०. **(D) समाजमे भाषाक मान, अवसर आ उपयोग** — प्रतिष्ठा भाषा-संरक्षण आ प्रयोगसँ जुड़ल अछि।

८५१. **(A) आरम्भिक समझ आ भाषिक आत्मविश्वासक आधार** — मातृभाषा शिक्षण भाषा-संरक्षणमे उपयोगी अछि।

८५२. **(B) आरम्भिक समझ आ भाषिक आत्मविश्वासक आधार** — मातृभाषा शिक्षण भाषा-संरक्षणमे उपयोगी अछि।

८५३. **(C) आरम्भिक समझ आ भाषिक आत्मविश्वासक आधार** — मातृभाषा शिक्षण भाषा-संरक्षणमे उपयोगी अछि।

८५४. **(A) आरम्भिक समझ आ भाषिक आत्मविश्वासक आधार** — मातृभाषा शिक्षण भाषा-संरक्षणमे उपयोगी अछि।

८५५. **(B) आरम्भिक समझ आ भाषिक आत्मविश्वासक आधार** — मातृभाषा शिक्षण भाषा-संरक्षणमे उपयोगी अछि।

८५६. **(A) आरम्भिक समझ आ भाषिक आत्मविश्वासक आधार** — मातृभाषा शिक्षण भाषा-संरक्षणमे उपयोगी अछि।

८५७. **(B) आरम्भिक समझ आ भाषिक आत्मविश्वासक आधार** — मातृभाषा शिक्षण भाषा-संरक्षणमे उपयोगी अछि।

८५८. **(D) आरम्भिक समझ आ भाषिक आत्मविश्वासक आधार** — मातृभाषा शिक्षण भाषा-संरक्षणमे उपयोगी अछि।

८५९. **(D) आरम्भिक समझ आ भाषिक आत्मविश्वासक आधार** — मातृभाषा शिक्षण भाषा-संरक्षणमे उपयोगी अछि।

८६०. **(C) आरम्भिक समझ आ भाषिक आत्मविश्वासक आधार** — मातृभाषा शिक्षण भाषा-संरक्षणमे उपयोगी अछि।

८६१. **(D) नूतन क्षेत्रमे भाषा-समुदायक विस्तार** — प्रवास भाषा-संपर्क आ संरक्षणक नूतन रूप बनबैत अछि।

८६२. **(C) नूतन क्षेत्रमे भाषा-समुदायक विस्तार** — प्रवास भाषा-संपर्क आ संरक्षणक नूतन रूप बनबैत अछि।

८६३. **(D) नूतन क्षेत्रमे भाषा-समुदायक विस्तार** — प्रवास भाषा-संपर्क आ संरक्षणक नूतन रूप बनबैत अछि।

८६४. **(B) नूतन क्षेत्रमे भाषा-समुदायक विस्तार** — प्रवास भाषा-संपर्क आ संरक्षणक नूतन रूप बनबैत अछि।

८६५. **(D) नूतन क्षेत्रमे भाषा-समुदायक विस्तार** — प्रवास भाषा-संपर्क आ संरक्षणक नूतन रूप बनबैत अछि।

८६६. **(A) नूतन क्षेत्रमे भाषा-समुदायक विस्तार** — प्रवास भाषा-संपर्क आ संरक्षणक नूतन रूप बनबैत अछि।

८६७. **(A) नूतन क्षेत्रमे भाषा-समुदायक विस्तार** — प्रवास भाषा-संपर्क आ संरक्षणक नूतन रूप बनबैत अछि।

८६८. **(B) नूतन क्षेत्रमे भाषा-समुदायक विस्तार** — प्रवास भाषा-संपर्क आ संरक्षणक नूतन रूप बनबैत अछि।

८६९. **(D) नूतन क्षेत्रमे भाषा-समुदायक विस्तार** — प्रवास भाषा-संपर्क आ संरक्षणक नूतन रूप बनबैत अछि।

८७०. **(A) नूतन क्षेत्रमे भाषा-समुदायक विस्तार** — प्रवास भाषा-संपर्क आ संरक्षणक नूतन रूप बनबैत अछि।

८७१. **(C) भाषाक बोली, मुहावरा आ सामूहिक स्मृति सुरक्षित करैत अछि** — लोकसाहित्य भाषा-जीवनक जीवित कोष अछि।

८७२. **(C) भाषाक बोली, मुहावरा आ सामूहिक स्मृति सुरक्षित करैत अछि** — लोकसाहित्य भाषा-जीवनक जीवित कोष अछि।

८७३. **(D) भाषाक बोली, मुहावरा आ सामूहिक स्मृति सुरक्षित करैत अछि** — लोकसाहित्य भाषा-जीवनक जीवित कोष अछि।

८७४. **(A) भाषाक बोली, मुहावरा आ सामूहिक स्मृति सुरक्षित करैत अछि** — लोकसाहित्य भाषा-जीवनक जीवित कोष अछि।

८७५. **(C) भाषाक बोली, मुहावरा आ सामूहिक स्मृति सुरक्षित करैत अछि** — लोकसाहित्य भाषा-जीवनक जीवित कोष अछि।

८७६. **(A) भाषाक बोली, मुहावरा आ सामूहिक स्मृति सुरक्षित करैत अछि** — लोकसाहित्य भाषा-जीवनक जीवित कोष अछि।

८७७. **(A) भाषाक बोली, मुहावरा आ सामूहिक स्मृति सुरक्षित करैत अछि** — लोकसाहित्य भाषा-जीवनक जीवित कोष अछि।

८७८. **(D) भाषाक बोली, मुहावरा आ सामूहिक स्मृति सुरक्षित करैत अछि** — लोकसाहित्य भाषा-जीवनक जीवित कोष अछि।

८७९. **(C) भाषाक बोली, मुहावरा आ सामूहिक स्मृति सुरक्षित करैत अछि** — लोकसाहित्य भाषा-जीवनक जीवित कोष अछि।

८८०. **(D) भाषाक बोली, मुहावरा आ सामूहिक स्मृति सुरक्षित करैत अछि** — लोकसाहित्य भाषा-जीवनक जीवित कोष अछि।

८८१. **(C) शिक्षण, प्रशासन, प्रकाशन आ मान्यता पर प्रभाव** — भाषा-नीति सार्वजनिक उपयोगक दिशा बदलि सकैत अछि।

८८२. **(A) शिक्षण, प्रशासन, प्रकाशन आ मान्यता पर प्रभाव** — भाषा-नीति सार्वजनिक उपयोगक दिशा बदलि सकैत अछि।

८८३. **(D) शिक्षण, प्रशासन, प्रकाशन आ मान्यता पर प्रभाव** — भाषा-नीति सार्वजनिक उपयोगक दिशा बदलि सकैत अछि।

८८४. **(C) शिक्षण, प्रशासन, प्रकाशन आ मान्यता पर प्रभाव** — भाषा-नीति सार्वजनिक उपयोगक दिशा बदलि सकैत अछि।

८८५. **(A) शिक्षण, प्रशासन, प्रकाशन आ मान्यता पर प्रभाव** — भाषा-नीति सार्वजनिक उपयोगक दिशा बदलि सकैत अछि।

८८६. **(D) शिक्षण, प्रशासन, प्रकाशन आ मान्यता पर प्रभाव** — भाषा-नीति सार्वजनिक उपयोगक दिशा बदलि सकैत अछि।

८८७. **(D) शिक्षण, प्रशासन, प्रकाशन आ मान्यता पर प्रभाव** — भाषा-नीति सार्वजनिक उपयोगक दिशा बदलि सकैत अछि।

८८८. **(D) शिक्षण, प्रशासन, प्रकाशन आ मान्यता पर प्रभाव** — भाषा-नीति सार्वजनिक उपयोगक दिशा बदलि सकैत अछि।

८८९. **(B) शिक्षण, प्रशासन, प्रकाशन आ मान्यता पर प्रभाव** — भाषा-नीति सार्वजनिक उपयोगक दिशा बदलि सकैत अछि।

८९०. **(B) शिक्षण, प्रशासन, प्रकाशन आ मान्यता पर प्रभाव** — भाषा-नीति सार्वजनिक उपयोगक दिशा बदलि सकैत अछि।

८९१. **(C) घर, विद्यालय, साहित्य, डिजिटल संग्रह आ प्रयोगक संयुक्त काज** — भाषा जीवित प्रयोग, शिक्षा आ सृजनसँ बचैत अछि।

८९२. **(B) घर, विद्यालय, साहित्य, डिजिटल संग्रह आ प्रयोगक संयुक्त काज** — भाषा जीवित प्रयोग, शिक्षा आ सृजनसँ बचैत अछि।

८९३. **(C) घर, विद्यालय, साहित्य, डिजिटल संग्रह आ प्रयोगक संयुक्त काज** — भाषा जीवित प्रयोग, शिक्षा आ सृजनसँ बचैत अछि।

८९४. **(C) घर, विद्यालय, साहित्य, डिजिटल संग्रह आ प्रयोगक संयुक्त काज** — भाषा जीवित प्रयोग, शिक्षा आ सृजनसँ बचैत अछि।

८९५. **(D) घर, विद्यालय, साहित्य, डिजिटल संग्रह आ प्रयोगक संयुक्त काज** — भाषा जीवित प्रयोग, शिक्षा आ सृजनसँ बचैत अछि।

८९६. **(D) घर, विद्यालय, साहित्य, डिजिटल संग्रह आ प्रयोगक संयुक्त काज** — भाषा जीवित प्रयोग, शिक्षा आ सृजनसँ बचैत अछि।

८९७. **(C) घर, विद्यालय, साहित्य, डिजिटल संग्रह आ प्रयोगक संयुक्त काज** — भाषा जीवित प्रयोग, शिक्षा आ सृजनसँ बचैत अछि।

८९८. **(C) घर, विद्यालय, साहित्य, डिजिटल संग्रह आ प्रयोगक संयुक्त काज** — भाषा जीवित प्रयोग, शिक्षा आ सृजनसँ बचैत अछि।

८९९. **(B) घर, विद्यालय, साहित्य, डिजिटल संग्रह आ प्रयोगक संयुक्त काज** — भाषा जीवित प्रयोग, शिक्षा आ सृजनसँ बचैत अछि।

९००. **(B) घर, विद्यालय, साहित्य, डिजिटल संग्रह आ प्रयोगक संयुक्त काज** — भाषा जीवित प्रयोग, शिक्षा आ सृजनसँ बचैत अछि।

९०१. **(B) भारोपीय → हिन्द-ईरानी → हिन्द-आर्य → पूर्वी हिन्द-आर्य → मैथिली** — क्रमबद्ध उत्तर परीक्षा मे स्पष्टता दैत अछि।

९०२. **(D) भारोपीय → हिन्द-ईरानी → हिन्द-आर्य → पूर्वी हिन्द-आर्य → मैथिली** — क्रमबद्ध उत्तर परीक्षा मे स्पष्टता दैत अछि।

९०३. **(A) भारोपीय → हिन्द-ईरानी → हिन्द-आर्य → पूर्वी हिन्द-आर्य → मैथिली** — क्रमबद्ध उत्तर परीक्षा मे स्पष्टता दैत अछि।

९०४. **(D) भारोपीय → हिन्द-ईरानी → हिन्द-आर्य → पूर्वी हिन्द-आर्य → मैथिली** — क्रमबद्ध उत्तर परीक्षा मे स्पष्टता दैत अछि।

९०५. **(A) भारोपीय → हिन्द-ईरानी → हिन्द-आर्य → पूर्वी हिन्द-आर्य → मैथिली** — क्रमबद्ध उत्तर परीक्षा मे स्पष्टता दैत अछि।

९०६. **(B) भारोपीय → हिन्द-ईरानी → हिन्द-आर्य → पूर्वी हिन्द-आर्य → मैथिली** — क्रमबद्ध उत्तर परीक्षा मे स्पष्टता दैत अछि।

९०७. **(D) भारोपीय → हिन्द-ईरानी → हिन्द-आर्य → पूर्वी हिन्द-आर्य → मैथिली** — क्रमबद्ध उत्तर परीक्षा मे स्पष्टता दैत अछि।

९०८. **(C) भारोपीय → हिन्द-ईरानी → हिन्द-आर्य → पूर्वी हिन्द-आर्य → मैथिली** — क्रमबद्ध उत्तर परीक्षा मे स्पष्टता दैत अछि।

९०९. **(A) भारोपीय → हिन्द-ईरानी → हिन्द-आर्य → पूर्वी हिन्द-आर्य → मैथिली** — क्रमबद्ध उत्तर परीक्षा मे स्पष्टता दैत अछि।

९१०. **(C) भारोपीय → हिन्द-ईरानी → हिन्द-आर्य → पूर्वी हिन्द-आर्य → मैथिली** — क्रमबद्ध उत्तर परीक्षा मे स्पष्टता दैत अछि।

९११. **(C) मैथिली स्वतंत्र आधुनिक हिन्द-आर्य भाषा छी** — मैथिलीक स्वतंत्र साहित्यिक-भाषिक पहचान अछि।

९१२. **(D) मैथिली स्वतंत्र आधुनिक हिन्द-आर्य भाषा छी** — मैथिलीक स्वतंत्र साहित्यिक-भाषिक पहचान अछि।

९१३. **(A) मैथिली स्वतंत्र आधुनिक हिन्द-आर्य भाषा छी** — मैथिलीक स्वतंत्र साहित्यिक-भाषिक पहचान अछि।

९१४. **(D) मैथिली स्वतंत्र आधुनिक हिन्द-आर्य भाषा छी** — मैथिलीक स्वतंत्र साहित्यिक-भाषिक पहचान अछि।

९१५. **(D) मैथिली स्वतंत्र आधुनिक हिन्द-आर्य भाषा छी** — मैथिलीक स्वतंत्र साहित्यिक-भाषिक पहचान अछि।

९१६. **(C) मैथिली स्वतंत्र आधुनिक हिन्द-आर्य भाषा छी** — मैथिलीक स्वतंत्र साहित्यिक-भाषिक पहचान अछि।

९१७. **(A) मैथिली स्वतंत्र आधुनिक हिन्द-आर्य भाषा छी** — मैथिलीक स्वतंत्र साहित्यिक-भाषिक पहचान अछि।

९१८. **(A) मैथिली स्वतंत्र आधुनिक हिन्द-आर्य भाषा छी** — मैथिलीक स्वतंत्र साहित्यिक-भाषिक पहचान अछि।

९१९. **(A) मैथिली स्वतंत्र आधुनिक हिन्द-आर्य भाषा छी** — मैथिलीक स्वतंत्र साहित्यिक-भाषिक पहचान अछि।

९२०. **(A) मैथिली स्वतंत्र आधुनिक हिन्द-आर्य भाषा छी** — मैथिलीक स्वतंत्र साहित्यिक-भाषिक पहचान अछि।

९२१. **(C) लिपि समान भेलासँ परिवार समान नहि होइत** — भाषा-परिवार ध्वनि-रूप-इतिहास पर निर्भर अछि।

९२२. **(A) लिपि समान भेलासँ परिवार समान नहि होइत** — भाषा-परिवार ध्वनि-रूप-इतिहास पर निर्भर अछि।

९२३. **(A) लिपि समान भेलासँ परिवार समान नहि होइत** — भाषा-परिवार ध्वनि-रूप-इतिहास पर निर्भर अछि।

९२४. **(A) लिपि समान भेलासँ परिवार समान नहि होइत** — भाषा-परिवार ध्वनि-रूप-इतिहास पर निर्भर अछि।

९२५. **(B) लिपि समान भेलासँ परिवार समान नहि होइत** — भाषा-परिवार ध्वनि-रूप-इतिहास पर निर्भर अछि।

९२६. **(A) लिपि समान भेलासँ परिवार समान नहि होइत** — भाषा-परिवार ध्वनि-रूप-इतिहास पर निर्भर अछि।

९२७. **(A) लिपि समान भेलासँ परिवार समान नहि होइत** — भाषा-परिवार ध्वनि-रूप-इतिहास पर निर्भर अछि।

९२८. **(B) लिपि समान भेलासँ परिवार समान नहि होइत** — भाषा-परिवार ध्वनि-रूप-इतिहास पर निर्भर अछि।

९२९. **(A) लिपि समान भेलासँ परिवार समान नहि होइत** — भाषा-परिवार ध्वनि-रूप-इतिहास पर निर्भर अछि।

९३०. **(A) लिपि समान भेलासँ परिवार समान नहि होइत** — भाषा-परिवार ध्वनि-रूप-इतिहास पर निर्भर अछि।

९३१. **(B) संस्कृत-प्राकृत-अपभ्रंश-अवहट्ठ क्रम विकास बुझबामे सहायक** — ई क्रम मैथिलीक ऐतिहासिक विकास बुझबैत अछि।

९३२. **(D) संस्कृत-प्राकृत-अपभ्रंश-अवहट्ठ क्रम विकास बुझबामे सहायक** — ई क्रम मैथिलीक ऐतिहासिक विकास बुझबैत अछि।

९३३. **(A) संस्कृत-प्राकृत-अपभ्रंश-अवहट्ठ क्रम विकास बुझबामे सहायक** — ई क्रम मैथिलीक ऐतिहासिक विकास बुझबैत अछि।

९३४. **(C) संस्कृत-प्राकृत-अपभ्रंश-अवहट्ठ क्रम विकास बुझबामे सहायक** — ई क्रम मैथिलीक ऐतिहासिक विकास बुझबैत अछि।

९३५. **(C) संस्कृत-प्राकृत-अपभ्रंश-अवहट्ठ क्रम विकास बुझबामे सहायक** — ई क्रम मैथिलीक ऐतिहासिक विकास बुझबैत अछि।

९३६. **(A) संस्कृत-प्राकृत-अपभ्रंश-अवहट्ठ क्रम विकास बुझबामे सहायक** — ई क्रम मैथिलीक ऐतिहासिक विकास बुझबैत अछि।

९३७. **(B) संस्कृत-प्राकृत-अपभ्रंश-अवहट्ठ क्रम विकास बुझबामे सहायक** — ई क्रम मैथिलीक ऐतिहासिक विकास बुझबैत अछि।

९३८. **(B) संस्कृत-प्राकृत-अपभ्रंश-अवहट्ठ क्रम विकास बुझबामे सहायक** — ई क्रम मैथिलीक ऐतिहासिक विकास बुझबैत अछि।

९३९. **(D) संस्कृत-प्राकृत-अपभ्रंश-अवहट्ठ क्रम विकास बुझबामे सहायक** — ई क्रम मैथिलीक ऐतिहासिक विकास बुझबैत अछि।

९४०. **(D) संस्कृत-प्राकृत-अपभ्रंश-अवहट्ठ क्रम विकास बुझबामे सहायक** — ई क्रम मैथिलीक ऐतिहासिक विकास बुझबैत अछि।

९४१. **(A) मैथिली पूर्वी आर्य भाषिक परिदृश्यसँ जुड़ल अछि** — पूर्वी आर्य समूह मैथिलीक निकट स्थान समझाबैत अछि।

९४२. **(A) मैथिली पूर्वी आर्य भाषिक परिदृश्यसँ जुड़ल अछि** — पूर्वी आर्य समूह मैथिलीक निकट स्थान समझाबैत अछि।

९४३. **(C) मैथिली पूर्वी आर्य भाषिक परिदृश्यसँ जुड़ल अछि** — पूर्वी आर्य समूह मैथिलीक निकट स्थान समझाबैत अछि।

९४४. **(A) मैथिली पूर्वी आर्य भाषिक परिदृश्यसँ जुड़ल अछि** — पूर्वी आर्य समूह मैथिलीक निकट स्थान समझाबैत अछि।

९४५. **(C) मैथिली पूर्वी आर्य भाषिक परिदृश्यसँ जुड़ल अछि** — पूर्वी आर्य समूह मैथिलीक निकट स्थान समझाबैत अछि।

९४६. **(A) मैथिली पूर्वी आर्य भाषिक परिदृश्यसँ जुड़ल अछि** — पूर्वी आर्य समूह मैथिलीक निकट स्थान समझाबैत अछि।

९४७. **(B) मैथिली पूर्वी आर्य भाषिक परिदृश्यसँ जुड़ल अछि** — पूर्वी आर्य समूह मैथिलीक निकट स्थान समझाबैत अछि।

९४८. **(B) मैथिली पूर्वी आर्य भाषिक परिदृश्यसँ जुड़ल अछि** — पूर्वी आर्य समूह मैथिलीक निकट स्थान समझाबैत अछि।

९४९. **(D) मैथिली पूर्वी आर्य भाषिक परिदृश्यसँ जुड़ल अछि** — पूर्वी आर्य समूह मैथिलीक निकट स्थान समझाबैत अछि।

९५०. **(C) मैथिली पूर्वी आर्य भाषिक परिदृश्यसँ जुड़ल अछि** — पूर्वी आर्य समूह मैथिलीक निकट स्थान समझाबैत अछि।

९५१. **(D) सर्वनाम, क्रिया, विभक्ति आ वाक्य-रचना सम्बन्ध देखबैत अछि** — व्याकरणिक साम्य गहन सम्बन्धक संकेत होइत अछि।

९५२. **(D) सर्वनाम, क्रिया, विभक्ति आ वाक्य-रचना सम्बन्ध देखबैत अछि** — व्याकरणिक साम्य गहन सम्बन्धक संकेत होइत अछि।

९५३. **(C) सर्वनाम, क्रिया, विभक्ति आ वाक्य-रचना सम्बन्ध देखबैत अछि** — व्याकरणिक साम्य गहन सम्बन्धक संकेत होइत अछि।

९५४. **(D) सर्वनाम, क्रिया, विभक्ति आ वाक्य-रचना सम्बन्ध देखबैत अछि** — व्याकरणिक साम्य गहन सम्बन्धक संकेत होइत अछि।

९५५. **(D) सर्वनाम, क्रिया, विभक्ति आ वाक्य-रचना सम्बन्ध देखबैत अछि** — व्याकरणिक साम्य गहन सम्बन्धक संकेत होइत अछि।

९५६. **(B) सर्वनाम, क्रिया, विभक्ति आ वाक्य-रचना सम्बन्ध देखबैत अछि** — व्याकरणिक साम्य गहन सम्बन्धक संकेत होइत अछि।

९५७. **(C) सर्वनाम, क्रिया, विभक्ति आ वाक्य-रचना सम्बन्ध देखबैत अछि** — व्याकरणिक साम्य गहन सम्बन्धक संकेत होइत अछि।

९५८. **(D) सर्वनाम, क्रिया, विभक्ति आ वाक्य-रचना सम्बन्ध देखबैत अछि** — व्याकरणिक साम्य गहन सम्बन्धक संकेत होइत अछि।

९५९. **(C) सर्वनाम, क्रिया, विभक्ति आ वाक्य-रचना सम्बन्ध देखबैत अछि** — व्याकरणिक साम्य गहन सम्बन्धक संकेत होइत अछि।

९६०. **(B) सर्वनाम, क्रिया, विभक्ति आ वाक्य-रचना सम्बन्ध देखबैत अछि** — व्याकरणिक साम्य गहन सम्बन्धक संकेत होइत अछि।

९६१. **(B) दीर्घ साहित्यिक परम्परा मैथिलीक स्वतंत्र पहचान बल करैत अछि** — साहित्य सामाजिक प्रतिष्ठा दैत अछि।

९६२. **(D) दीर्घ साहित्यिक परम्परा मैथिलीक स्वतंत्र पहचान बल करैत अछि** — साहित्य सामाजिक प्रतिष्ठा दैत अछि।

९६३. **(D) दीर्घ साहित्यिक परम्परा मैथिलीक स्वतंत्र पहचान बल करैत अछि** — साहित्य सामाजिक प्रतिष्ठा दैत अछि।

९६४. **(D) दीर्घ साहित्यिक परम्परा मैथिलीक स्वतंत्र पहचान बल करैत अछि** — साहित्य सामाजिक प्रतिष्ठा दैत अछि।

९६५. **(D) दीर्घ साहित्यिक परम्परा मैथिलीक स्वतंत्र पहचान बल करैत अछि** — साहित्य सामाजिक प्रतिष्ठा दैत अछि।

९६६. **(A) दीर्घ साहित्यिक परम्परा मैथिलीक स्वतंत्र पहचान बल करैत अछि** — साहित्य सामाजिक प्रतिष्ठा दैत अछि।

९६७. **(D) दीर्घ साहित्यिक परम्परा मैथिलीक स्वतंत्र पहचान बल करैत अछि** — साहित्य सामाजिक प्रतिष्ठा दैत अछि।

९६८. **(A) दीर्घ साहित्यिक परम्परा मैथिलीक स्वतंत्र पहचान बल करैत अछि** — साहित्य सामाजिक प्रतिष्ठा दैत अछि।

९६९. **(B) दीर्घ साहित्यिक परम्परा मैथिलीक स्वतंत्र पहचान बल करैत अछि** — साहित्य सामाजिक प्रतिष्ठा दैत अछि।

९७०. **(C) दीर्घ साहित्यिक परम्परा मैथिलीक स्वतंत्र पहचान बल करैत अछि** — साहित्य सामाजिक प्रतिष्ठा दैत अछि।

९७१. (D) नेपालमे प्रयोग क्षेत्रीय प्रसार देखबैत, वंशगत स्थान नहि बदलैत — भूसीमा आ भाषा-वंश अलग बात अछि।

९७२. (D) नेपालमे प्रयोग क्षेत्रीय प्रसार देखबैत, वंशगत स्थान नहि बदलैत — भूसीमा आ भाषा-वंश अलग बात अछि।

९७३. (A) नेपालमे प्रयोग क्षेत्रीय प्रसार देखबैत, वंशगत स्थान नहि बदलैत — भूसीमा आ भाषा-वंश अलग बात अछि।

९७४. (C) नेपालमे प्रयोग क्षेत्रीय प्रसार देखबैत, वंशगत स्थान नहि बदलैत — भूसीमा आ भाषा-वंश अलग बात अछि।

९७५. (C) नेपालमे प्रयोग क्षेत्रीय प्रसार देखबैत, वंशगत स्थान नहि बदलैत — भूसीमा आ भाषा-वंश अलग बात अछि।

९७६. (B) नेपालमे प्रयोग क्षेत्रीय प्रसार देखबैत, वंशगत स्थान नहि बदलैत — भूसीमा आ भाषा-वंश अलग बात अछि।

९७७. (C) नेपालमे प्रयोग क्षेत्रीय प्रसार देखबैत, वंशगत स्थान नहि बदलैत — भूसीमा आ भाषा-वंश अलग बात अछि।

९७८. (D) नेपालमे प्रयोग क्षेत्रीय प्रसार देखबैत, वंशगत स्थान नहि बदलैत — भूसीमा आ भाषा-वंश अलग बात अछि।

९७९. (D) नेपालमे प्रयोग क्षेत्रीय प्रसार देखबैत, वंशगत स्थान नहि बदलैत — भूसीमा आ भाषा-वंश अलग बात अछि।

९८०. (B) नेपालमे प्रयोग क्षेत्रीय प्रसार देखबैत, वंशगत स्थान नहि बदलैत — भूसीमा आ भाषा-वंश अलग बात अछि।

९८१. (C) सामाजिक-राजकीय प्रतिष्ठा दैत, वंशगत वर्गीकरण नहि तय करैत — मान्यता नीति-सामाजिक स्तरक बात अछि।

९८२. (B) सामाजिक-राजकीय प्रतिष्ठा दैत, वंशगत वर्गीकरण नहि तय करैत — मान्यता नीति-सामाजिक स्तरक बात अछि।

९८३. (D) सामाजिक-राजकीय प्रतिष्ठा दैत, वंशगत वर्गीकरण नहि तय करैत — मान्यता नीति-सामाजिक स्तरक बात अछि।

९८४. (B) सामाजिक-राजकीय प्रतिष्ठा दैत, वंशगत वर्गीकरण नहि तय करैत — मान्यता नीति-सामाजिक स्तरक बात अछि।

९८५. (B) सामाजिक-राजकीय प्रतिष्ठा दैत, वंशगत वर्गीकरण नहि तय करैत — मान्यता नीति-सामाजिक स्तरक बात अछि।

९८६. (A) सामाजिक-राजकीय प्रतिष्ठा दैत, वंशगत वर्गीकरण नहि तय करैत — मान्यता नीति-सामाजिक स्तरक बात अछि।

९८७. (C) सामाजिक-राजकीय प्रतिष्ठा दैत, वंशगत वर्गीकरण नहि तय करैत — मान्यता नीति-सामाजिक स्तरक बात अछि।

९८८. (C) सामाजिक-राजकीय प्रतिष्ठा दैत, वंशगत वर्गीकरण नहि तय करैत — मान्यता नीति-सामाजिक स्तरक बात अछि।

९८९. (A) सामाजिक-राजकीय प्रतिष्ठा दैत, वंशगत वर्गीकरण नहि तय करैत — मान्यता नीति-सामाजिक स्तरक बात अछि।

९९०. (A) सामाजिक-राजकीय प्रतिष्ठा दैत, वंशगत वर्गीकरण नहि तय करैत — मान्यता नीति-सामाजिक स्तरक बात अछि।

९९१. (B) मैथिली पूर्वी हिन्द-आर्यक स्वतंत्र भाषा छी, जकर दूरस्थ सम्बन्ध भारोपीय परिवारसँ अछि — ई वाक्य स्थान, स्वतंत्रता आ परिवार तीनू समेटैत अछि।

९९२. (B) मैथिली पूर्वी हिन्द-आर्यक स्वतंत्र भाषा छी, जकर दूरस्थ सम्बन्ध भारोपीय परिवारसँ अछि — ई वाक्य स्थान, स्वतंत्रता आ परिवार तीनू समेटैत अछि।

९९३. (D) मैथिली पूर्वी हिन्द-आर्यक स्वतंत्र भाषा छी, जकर दूरस्थ सम्बन्ध भारोपीय परिवारसँ अछि — ई वाक्य स्थान, स्वतंत्रता आ परिवार तीनू समेटैत अछि।

९९४. (A) मैथिली पूर्वी हिन्द-आर्यक स्वतंत्र भाषा छी, जकर दूरस्थ सम्बन्ध भारोपीय परिवारसँ अछि — ई वाक्य स्थान, स्वतंत्रता आ परिवार तीनू समेटैत अछि।

९९५. (D) मैथिली पूर्वी हिन्द-आर्यक स्वतंत्र भाषा छी, जकर दूरस्थ सम्बन्ध भारोपीय परिवारसँ अछि — ई वाक्य स्थान, स्वतंत्रता आ परिवार तीनू समेटैत अछि।

९९६. (D) मैथिली पूर्वी हिन्द-आर्यक स्वतंत्र भाषा छी, जकर दूरस्थ सम्बन्ध भारोपीय परिवारसँ अछि — ई वाक्य स्थान, स्वतंत्रता आ परिवार तीनू समेटैत अछि।

९९७. (D) मैथिली पूर्वी हिन्द-आर्यक स्वतंत्र भाषा छी, जकर दूरस्थ सम्बन्ध भारोपीय परिवारसँ अछि — ई वाक्य स्थान, स्वतंत्रता आ परिवार तीनू समेटैत अछि।

९९८. (D) मैथिली पूर्वी हिन्द-आर्यक स्वतंत्र भाषा छी, जकर दूरस्थ सम्बन्ध भारोपीय परिवारसँ अछि — ई वाक्य स्थान, स्वतंत्रता आ परिवार तीनू समेटैत अछि।

९९९. (D) मैथिली पूर्वी हिन्द-आर्यक स्वतंत्र भाषा छी, जकर दूरस्थ सम्बन्ध भारोपीय परिवारसँ अछि — ई वाक्य स्थान, स्वतंत्रता आ परिवार तीनू समेटैत अछि।

१०००. (D) मैथिली पूर्वी हिन्द-आर्यक स्वतंत्र भाषा छी, जकर दूरस्थ सम्बन्ध भारोपीय परिवारसँ अछि — ई वाक्य स्थान, स्वतंत्रता आ परिवार तीनू समेटैत अछि।